

C A S E S

Argued and Adjudged in the

High Court of Chancery.

Published from the MANUSCRIPTS of

T H O M A S V E R N O N,

Late of the *Middle Temple*, Esq;

By ORDER of the

HIGH COURT OF CHANCERY.

V O L. II.

In the *S A V O Y*:

Printed by E. and R. NUTT and R. GOSLING, (Assigns of *Edw. Sayer*, Esq;) for **J. Conlon** at *Shakespear's Head* in the *Strand*, **B. Lintot** at the *Cross Keys* between the *Temple Gates* in *Fleet-street*, and **C. Ward** in the *Inner Temple Lane*.

M DCC XXVIII.

Names of the CASES.

A.

| | | | |
|----------------------------------|----------------|---------------|------------|
| A | B B O T | <i>versus</i> | Lee |
| | | <i>Page</i> | 284 |
| Ackland <i>v.</i> Ackland | | | 687 |
| Aston <i>v.</i> Peirce | | | 480 |
| Adams <i>v.</i> Buckland | | | 514 |
| Addison <i>v.</i> Dawson | | | 678 |
| African Company <i>v.</i> Parish | | | 244 |
| Alcock <i>v.</i> Sparhawk | | | 228 |
| Alford <i>v.</i> Earle | | | 209 |
| Allen <i>v.</i> Sayer | | | 368 |
| Amhurst <i>v.</i> Dawling | | | 401 |
| Archer <i>v.</i> Mosse | | | 8 |
| Arthington <i>v.</i> Fawkes | | | 356 |
| Arundell <i>v.</i> Philpot | | | 69 |
| Afcough <i>v.</i> Johnson | | | 66 |
| Ashfield <i>v.</i> Ashfield | | | 287 |
| Aspinwall <i>v.</i> Leigh | | | 218 |
| Aston <i>v.</i> Aston | | | 452 |
| Aston <i>v.</i> Smallman | | | 556 |
| Atkinson <i>v.</i> Webb | | | 478 |

| | | |
|---------------------|-----------------|----------|
| | Huges | Page 105 |
| | Guife | 266 |
| | Hewer | 387 |
| | Mayor of Coven- | |
| | try | 397 |
| | | 713 |
| Attorney Gene- | Rye | 453 |
| ral <i>versus</i> | Sothon | 497 |
| | Hesketh | 549 |
| | Barnes | 597 |
| | Smith | 746 |
| | Lady Floyer | 748 |
| | Burdett | 755 |
| Awdley v. Awdley | | 192 |
| Aynesley v. Vaughan | | 129 |

B.

| | |
|---|-------|
| Back <i>v.</i> Andrews | 120 |
| Baden <i>v.</i> <i>Earl of</i> Pembroke | 52 |
| b | Baden |

A Table of the Names of the Cases.

| | | | |
|--|-------------|---------------------------------|----------|
| <i>Baden versus Countess of Pembroke</i> | Page 213 | <i>Blandy versus Widmore</i> | Page 709 |
| Bainham v. Manning | 242 | Bliman v. Brown | 232 |
| Baile v. Coleman | 670 | Blois v. Lady Hereford | 501 |
| Baker v. Child | 61 | Bond v. Kent | 281 |
| Baker v. White | 215 | Bothomley v. Lord Fairfax | 750 |
| Baker v. Bailey | 225 | Bowater v. Elly | 344 |
| Baker v. Child. | 226 | Bradley v. Bradley | 163 |
| Ballet v. Spranger | 301 | Brandling v. Owen | 462 |
| Baldwin v. Billingsley | 539 | Bretton v. Lethulier | 653 |
| Ball v. Smith | 633 | Brice v. Whiting | 642 |
| | 675 | Bristol Earl of v. Hungerford | 524 |
| Bampfield v. Popham | 427 | Bristol Comitissa v. Hungerford | 645 |
| | 449 | Broom v. Whorwood | 186 |
| Barnardiston v. Fane | 366 | Brown v. Booth | 184 |
| Barton al' Stone v. Barton | 308 | Bromley v. Jefferies | 415 |
| Baskerville v. Baskerville | 448 | Brown v. Sandys | 426 |
| Basse v. Grey. | 692 | Brown v. Dawson | 498 |
| Batchellor v. Beane | 61 | Brompton v. Alkis | 566 |
| Battily v. Cook | 262 | Brotherton v. Hatt | 574 |
| Bateman v. Bateman | 436 | Bruen v. Bruen | 439 |
| Batchellor v. Searle | 736 | Bruges v. Curwin | 575 |
| Baylis v. Newton | 28 | Buccle v. Atleo | 37 |
| Bayley v. Powell | 361 | Bunce v. Phillips | 50 |
| Beachcroft v. Beachcroft | 690 | Burrell v. Harrison | 231 |
| Beaufort Dux v. Dominum Donald. | Don- 739 | Burnet v. Kinafton | 401 |
| Beckford v. Beckford | 281 | Burkitt v. Burkitt | 498 |
| Beeton v. Darkin | 168 | Burdet v. Willet | 638 |
| Bellasis Domina v. Compton | 294 | Burton v. Knight | 514 |
| Bellasis v. Churchill | 682 | Butler v. Duncomb | 760 |
| Bentham v. Alston | 136, 204 | Buxton v. Hutchinson | 46 |
| | 204 | | |
| Benson v. Benson | 263 | C. | |
| Bennet v. Edwards | 392 | Callingham v. Mellish | 247 |
| Berney v. Pitt | 14 | Callow v. Mime | 472 |
| Berry v. Askham | 26 | Carlton v. Earl of Dorset | 17 |
| Beverley v. Beverley | 131 | Cary v. Taylor | 302 |
| Best v. Stampford | 520 | Carter v. Bletfoe | 617 |
| Birkhead v. Coward. | 116 | Cas v. Rudele | 280 |
| Bird v. Lockey | 744 | Cave Domina v. Cave Bar' | 508 |
| Bissell v. Axtell | 47 | Cecil v. Comittem Salisbury | 224 |
| Bishop of Worcester v. Parker | 255 | Chapman v. Derby | 117 |
| Oxford v. Leighton | 376 | Chapman v. Duncomb | 142 |
| Bishop v. Sharpe | 469, | Chapman v. Salt | 646 |
| Blagrove v. Clunn | 523, | Chaffin v. Gawden | 278 |
| | 576 | Champnoon v. Gubbs | 382 |
| | | | Chad- |

A Table of the Names of the Cases.

| | | | |
|---|----------|---|----------|
| Chadwick <i>versus</i> Dolman | Page 528 | Corneforth <i>versus</i> Geer | Page 705 |
| Cherington <i>v.</i> Abney | 646 | Cotterell <i>v.</i> Hampson | 5 |
| Child <i>v.</i> Danbridge | 71 | Cottle <i>v.</i> Fripp | 220 |
| Chichester <i>Bar' v.</i> Bickerstaffe | 295 | Cotton <i>v.</i> Cotton | 290 |
| Chir <i>v.</i> Philpot | 743 | Cox <i>v.</i> Higford | 664 |
| Chomley <i>v.</i> Chomley | 47, | Crane <i>v.</i> Drake | 616 |
| | 82 | Creagh <i>v.</i> Wilson | 572 |
| Christ's College <i>Cambridge v.</i> Wid- | | Cresley <i>v.</i> Carrington | 79 |
| drington | 283 | Crook <i>v.</i> Brooking | 50, |
| Christ's Hospital <i>v.</i> Budgin | 683 | | 106 |
| Claxton <i>v.</i> Claxton | 152 | Crook <i>v.</i> Watt | 124 |
| Clavering <i>v.</i> Clavering | 473 | Crouch <i>v.</i> Martin | 595 |
| Clare <i>v.</i> Wordell | 548 | Crowder's <i>Case</i> | 706 |
| Clarke <i>v.</i> Berkeley | 720 | Culpepper <i>Lord v.</i> Fairfax | 375 |
| Clerkson <i>v.</i> Bowyer | 66 | Cutler <i>v.</i> Coxeter | 302 |
| Clerke <i>v.</i> Leatherland | 98 | Cuthbert <i>v.</i> Peacock | 593 |
| Clergis <i>v.</i> <i>Dutchess of</i> Albermarle | | | |
| | 245 | | |
| Clerke <i>v.</i> Clerke | 323 | D. | |
| Clerke <i>v.</i> Clerke | 412 | | |
| Clifford <i>Lady v.</i> <i>Earl of</i> Burlington | | Dafforne <i>v.</i> Dafforne | 362 |
| | 379 | Dale <i>v.</i> Smithwick | 151 |
| Clifton <i>v.</i> Jackson | 486 | Darrell <i>v.</i> Moleworth | 378 |
| Coates <i>v.</i> Needham | 65 | Davy <i>v.</i> Hooper | 665 |
| Coddington <i>v.</i> Webb | 240 | Davila <i>v.</i> Davila | 724 |
| Cokes <i>v.</i> Mascall | 34, | Deakins <i>v.</i> Buckley | 240 |
| | 200 | Dean <i>v.</i> <i>Lord</i> Delawar | 628 |
| Cole <i>v.</i> Gray. | 79 | Delabeere <i>v.</i> Beddingfield | 103 |
| Colchester <i>v.</i> Arnet | 383 | Demanbray <i>v.</i> Metcalf | 691, |
| Coles <i>v.</i> Jones | 692 | | 698 |
| Colwall <i>v.</i> Bonython | 547 | Derby <i>Countess v.</i> <i>Earl of</i> Derby | 666 |
| Collins <i>v.</i> Goodall | 235 | | |
| Collins <i>v.</i> Plummer | 635 | Dodswell <i>v.</i> Nott | 317 |
| Combs <i>v.</i> Spencer. | 471 | Doleman <i>v.</i> Smith | 740 |
| Combs <i>v.</i> Dowell | 591 | Douglass <i>v.</i> Vincent | 202 |
| Comer <i>v.</i> Hollingshead | 90 | Draddy <i>v.</i> Deacon | 242 |
| Constable <i>v.</i> Constable | 375 | Draper <i>v.</i> Borlace | 370 |
| Cook <i>v.</i> Cook | 36 | Draper <i>v.</i> Jennings | 518 |
| Cook <i>v.</i> Sadler | 235 | Draper's Company <i>v.</i> Yardley | 662 |
| Cook <i>v.</i> Parsons | 429 | Dubois <i>v.</i> Hole | 613 |
| Cook <i>v.</i> Cook | 545 | Duffield <i>v.</i> Smith | 258 |
| Cooper <i>v.</i> Cooper | 265 | Dulwich College <i>v.</i> Johnson | 49 |
| Cordell <i>v.</i> Noden | 148 | Dupelin <i>v.</i> Roven | 540 |
| Corpus Christi College <i>Oxon. v.</i> | | Dux Devon <i>v.</i> Kinton | 719 |
| Naunton | 507 | Dyer <i>v.</i> Tymewell | 123 |
| Corbet <i>v.</i> Maydwell | 640, | | |
| | 655 | | |

Eacles

A Table of the Names of the Cases.

E.

| | |
|--|----------|
| Eacles <i>versus</i> England | Page 466 |
| Earl <i>v.</i> Stocker | 251 |
| Edwin <i>v.</i> Thomas | 75 |
| Edwin <i>v.</i> The East-India Company | 210 |
| Edwards <i>v.</i> Child | 727 |
| Elie <i>v.</i> Osborne | 754 |
| Elliot <i>v.</i> Hancock | 143 |
| Elliot <i>v.</i> Davenport | 521 |
| Englefield <i>v.</i> Englefield. | 236 |
| Eyton <i>v.</i> Eyton | 380 |

F.

| | |
|---|-----|
| Fairbeard <i>v.</i> Bowers | 202 |
| Fairfax <i>Lord v. Lord</i> Derby | 612 |
| Falkland <i>Lord v.</i> Bertie | 333 |
| Fane <i>v.</i> Bence | 234 |
| Fawcitt <i>v.</i> Bowers | 288 |
| Fellows <i>v.</i> Owen | 504 |
| Fellows <i>v.</i> Mitchell | 515 |
| Ferrars <i>v.</i> Cherry | 384 |
| Finch <i>v.</i> Tucker | 184 |
| Finch <i>v.</i> Newnham | 216 |
| Finch <i>v.</i> Resbridger | 390 |
| Fines <i>v.</i> Cobb | 116 |
| Firebrass <i>v.</i> Brett | 70 |
| Fish <i>v.</i> Gesson | 114 |
| Fletcher <i>v.</i> Stone | 273 |
| Fletcher <i>v. Lady</i> Sidley | 490 |
| Fortrey <i>v.</i> Fortrey | 134 |
| Foster <i>v.</i> Foster | 386 |
| Fotherby <i>v.</i> Hartridge | 21 |
| Fothergill <i>v.</i> Kendrick | 234 |
| Fowkes <i>v.</i> Joyce | 129 |
| Fox <i>v.</i> Crane | 304 |
| Franklin <i>v.</i> Green | 137 |
| Franklin <i>v. Countess of</i> Burlington | 512 |
| Freeman <i>v.</i> Freeman | 233 |
| Fretwell <i>v.</i> Stacy | 434 |
| French <i>v.</i> Chichester | 568 |

G.

| | |
|--|----------|
| Gainsborough <i>Countess versus Earl of</i> Gainsborough | Page 252 |
| Garbland <i>v.</i> Mayot | 105 |
| Garth <i>v.</i> Egerton | 285 |
| Garret <i>v.</i> Pritty | 293 |
| Gardner <i>v.</i> Pullen | 394 |
| Gayre <i>v.</i> Gayre | 538 |
| Gerrard <i>v.</i> Gerrard | 458 |
| Gibson <i>v.</i> Whitacre | 83 |
| Gibson <i>v.</i> Cromwell | 647 |
| Gilbert <i>v.</i> Emerton | 503 |
| Gladman <i>v.</i> Henchman | 135 |
| Goddart <i>v.</i> Garret | 269 |
| Godfrey <i>v.</i> Chadwell | 601 |
| Goston <i>v.</i> Mill | 141 |
| Goodfellow <i>v.</i> Burchett | 298 |
| Goodwin's <i>Case</i> | 696 |
| Gorray <i>v.</i> Uftwick | 192 |
| Gore <i>v.</i> Knight | 535 |
| Gosley <i>v.</i> Gilford | 35 |
| Gosse <i>v.</i> Tracey | 699 |
| Grayham <i>v.</i> Stamper | 146 |
| Granville <i>Lady v. Dutches of</i> Beau- fort | 648 |
| Greaves <i>v.</i> Powell | 248, |
| | 302 |
| Green <i>v.</i> Wood | 632 |
| Greenhill <i>v.</i> Greenhill | 679 |
| Griffith <i>v.</i> Buckle | 13 |
| Grimston <i>v.</i> Bruce | 594 |
| Gudgeon <i>v.</i> Ramsden | 274 |
| Gundrey <i>v.</i> Baynard | 479 |

H.

| | |
|--------------------------------------|-------|
| Haines <i>v.</i> Haines | 441 |
| Halifax <i>Marquis of v.</i> Higgins | 134 |
| Hall <i>v.</i> Hall | 277 |
| Halfpenny <i>v.</i> Ballett | 373 |
| Hall <i>v.</i> Adkinson | 463 |
| Hales <i>v.</i> Vanderchem | 617 |
| | Hamp- |

A Table of the Names of the Cases.

| | | | |
|---------------------------------------|----------|--------------------------------------|----------|
| Hampton <i>versus</i> Spencer | Page 288 | Hutton <i>versus</i> Simpson | Page 722 |
| Hamilton <i>Dux v. Lord</i> Mohun | 652 | | |
| Hanson <i>v. Darby</i> | 392 | | |
| Hancock <i>v. Hancock</i> | 605 | I. | |
| Hancock <i>v. Hancock</i> | 665 | | |
| Harrison <i>v. Cage</i> | 85 | Jackson <i>v. Rawlins</i> | 195 |
| Harvey <i>v. East-India Company</i> | 395 | Jackson <i>v. Farrand</i> | 424 |
| Harcourt <i>v. Sherrard</i> | 434 | James <i>v. Hales</i> | 267 |
| Harris <i>v. Mitchell</i> | 485 | James <i>v. Oades</i> | 402 |
| Harman <i>v. Vanhatten</i> | 717 | Ibbotson <i>v. Rhodes</i> | 554 |
| Harvey <i>v. Harvey</i> | 659 | Jenkins <i>v. Powell</i> | 115 |
| Hawkins <i>v. Taylor</i> | 29 | Jennings <i>v. Ward</i> | 520 |
| Hawker <i>v. Buckland</i> | 106 | Jennings <i>v. Moore</i> | 609 |
| Haws <i>v. Warner</i> | 477 | Jervis <i>v. Bruton</i> | 251 |
| Heathcote <i>v. Fleet</i> | 442 | Jesson <i>v. Jesson</i> | 255 |
| Henningham <i>v. Henningham</i> | 355 | Jolliffe <i>v. Pitt</i> | 694 |
| Herne <i>Lady v. Herne</i> | 555 | Johnson <i>v. Milkfop</i> | 112 |
| Hickman <i>v. Anderson</i> | 655 | St. John's College <i>v. Fleming</i> | 320 |
| Hide <i>v. Cooth</i> | 109 | St. John <i>v. Turner</i> | 418 |
| Hide <i>v. Parrot</i> | 331 | Johnson <i>v. Northey</i> | 407 |
| Higgins <i>v. Dowler</i> | 600 | Jones <i>v. Beale</i> | 381 |
| Hilchins <i>v. Hilchins</i> | 403 | | |
| Hills <i>v. Brewer</i> | 104 | K. | |
| Hill <i>v. Wiggett</i> | 547 | | |
| Hitchcox <i>v. Sedgwick</i> | 156 | | |
| Hobart <i>v. Countess of Suffolk</i> | 644 | Keat <i>v. Allen</i> | 588 |
| Hodgson <i>v. Hodgson</i> | 593 | Kelley <i>v. Berry</i> | 35 |
| Hodges <i>v. Hodges</i> | 615 | Kendar <i>v. Milward</i> | 440 |
| Holt <i>v. Mill</i> | 279 | Key <i>v. Bradshaw</i> | 102 |
| Holt <i>v. Holt</i> | 322 | Kingdom <i>v. Bridges</i> | 67 |
| Holt <i>v. Burley</i> | 651 | King <i>v. Ballet</i> | 248 |
| Holles <i>Lady v. Wyfe</i> | 289 | Kingsman <i>v. Kingsman</i> | 559 |
| Holland <i>v. Calliford</i> | 662 | Kirley <i>v. Duck</i> | 684 |
| Honour <i>v. Honour</i> | 658 | Knightly <i>v. Burdet</i> | 10 |
| Hook <i>v. Taylor</i> | 561 | Knights <i>v. Atkins</i> | 20 |
| Hooley <i>v. Booth</i> | 359 | Knot <i>v. Johnson</i> | 27 |
| Hooper <i>v. Eyles</i> | 480 | | |
| Howell <i>v. Price</i> | 701 | L. | |
| Howman <i>v. Corie</i> | 190 | | |
| Humberston <i>v. Humberston</i> | 737 | | |
| Humble <i>v. Bill</i> | 444 | Lamas <i>v. Bayly</i> | 627 |
| Hungerford <i>v. Goring</i> | 38 | Lamb <i>v. Parker</i> | 495 |
| Hungerford <i>v. Earl</i> | 261 | Lamlee <i>v. Haman</i> | 466 |
| Hunfden <i>v. Cheney</i> | 150 | | 429 |
| Hunt <i>v. Hunt</i> | 83 | Lamplugh <i>v. Smith</i> | 77 |
| Huntington <i>Earl v. Countess of</i> | | Lancy <i>v. Fairchild</i> | 101 |
| Huntington | 437 | Lane <i>v. Williams</i> | 277, 292 |
| | | c | Laffells |

A Table of the Names of the Cases.

| | | | |
|--|----------|-------------------------------|----------|
| Laffells <i>versus</i> Lord Cornwallis | | Morse <i>versus</i> Buckworth | Page 443 |
| | Page 465 | Mountague v. Tidcomb | 518 |
| Lawrence v. Lawrence | 365 | Moyfes v. Little | 194 |
| Lawrence v. Blatchford | 457 | Moyse v. Giles | 385 |
| Ledsome v. Hickman | 611 | Mumma v. Mumma | 19 |
| Lee v. Lee | 548 | Murry v. Wyfe | 564 |
| Legatt v. Sewell | 551 | Murrell v. Cox | 570 |
| Legriel v. Barker | 39 | Mufgrave v. Dashwood | 45, |
| Leighton Colonel his Case | 173 | | 63 |
| Leonard v. Earl of Suffex | 526 | Mufgrave v. Parry | 710 |
| Le Pypre v. Farr | 716 | | |
| Levet v. Needham | 138 | N. | |
| Ligo v. Smith | 263 | | |
| Lillcot v. Compton | 638 | Nash v. Earl of Derby | 537 |
| Lingard v. Griffin | 189 | Natchbolt v. Porter | 112 |
| Lifter v. Lifter | 68 | Needham v. Smith | 463 |
| Lock v. Lock | 666 | Nelson v. Oldfield | 76 |
| Lomax v. Hide | 185 | Nevil v. Nevil | 431 |
| London City v. Richmond | 421 | Nevil v. Johnson | 447 |
| Idem v. Garway | 571 | Newman v. Barton | 205 |
| Lovel v. Lancaster | 183 | New River Company v. Graves | 431 |
| Luke v. Alderne. | 31 | Newcomen v. Barkham | 729 |
| Lupton v. Tempest | 626 | Niccol v. Wiseman | 46 |
| Lydiat v. Foach | 410 | Nichols v. Tolley | 388 |
| Lynes v. Brown | 306 | Nicholls v. How | 389 |
| | | Nicholls v. Danvers | 671 |
| M. | | Nicholls v. Hooper | 686 |
| | | Norfolk v. Gifford | 208 |
| Mackdowell v. Halfpenny | 484 | Norton v. Mascall | 24 |
| Manlove v. Ball | 84 | Noyes v. Mordaunt | 581 |
| Manning v. Westerne | 606 | O. | |
| Marshfield v. Weston | 176 | | |
| Martin v. Long | 151 | Oldham v. Litchford | 506 |
| Matthew v. Hanbury | 187 | Onions v. Tyrer | 741 |
| Maw v. Harding | 233 | Orby Lady v. Lady Mohun | 531 |
| Mead v. Hide | 120 | Orby v. Lord Mohun | 542 |
| Mergrave v. Le Hooke | 207 | Orm v. Smith | 681 |
| Mefgrett v. Mefgrett | 580 | Otway v. Hudfon | 583 |
| Meynell v. Massey | 1 | Owen v. Curzon | 237 |
| Mildmay v. Hungerford | 243 | Oxenden Lady v. Oxenden | 493 |
| Miller v. Warren | 207 | Oxwith v. Plummer | 636 |
| Mill v. Darrell | 309 | | |
| Minshull v. Lord Mohun | 672 | | |
| Mitchell v. Eades | 391 | | |
| Moore v. Godfrey | 620 | | |
| Morrett v. Westerne | 663 | | |

[illegible]

A Table of the Names of the Cases.

| | |
|--------------------------------------|----------|
| Shelberry <i>versus</i> Briggs | Page 249 |
| Sheldon <i>v.</i> Dormer | 310 |
| Sheppard <i>v.</i> Kent | 435 |
| Sherman <i>v.</i> Sherman | 276 |
| Shode <i>v.</i> Parker | 316 |
| Short <i>v.</i> Long | 756 |
| Shouldham <i>v.</i> Shouldham | 324 |
| Small <i>v.</i> Brackley | 602 |
| Smith <i>v.</i> Clever | 38, |
| | 59 |
| Smith <i>v.</i> Smith | 92 |
| Smith <i>v.</i> Duffield | 177 |
| Smith <i>v.</i> Smith | 178 |
| Smith <i>v.</i> Burroughs | 346 |
| Smith <i>v.</i> Bruning | 392 |
| Smith <i>v.</i> Goodman | 586 |
| Snell <i>v.</i> Clay | 324 |
| Sparkes <i>v.</i> Smith | 275 |
| Spearing <i>v.</i> Lynn | 376 |
| Speering <i>v.</i> Degrave | 643 |
| Spindlar <i>v.</i> Wilford | 16 |
| Sprignell <i>v.</i> Delawne | 36 |
| Sprigg <i>v.</i> Sprigg | 394 |
| Stafford <i>v.</i> Southwick | 265 |
| Stafford <i>v.</i> Selby | 589 |
| Stanton <i>v.</i> Sadler | 30 |
| Staniforth <i>v.</i> Clerkson | 460 |
| Stanton <i>v.</i> Platt | 753 |
| Stapleton <i>v.</i> Cheele | 673 |
| Stephenson <i>v.</i> Wilson | 325 |
| Stephenson <i>v.</i> Houlditch | 491 |
| Stephens <i>v.</i> Gaule | 701 |
| Steward <i>v.</i> East-India Company | 380 |
| Steward <i>v.</i> Rumball | 509 |
| Steward <i>v.</i> Bridger | 516 |
| Stiddolph <i>v.</i> Leigh | 75 |
| Stowell <i>Lord v.</i> Cole | 219 |
| Stowell <i>Lady v.</i> Cole | 296 |
| Stratton <i>v.</i> Grymes | 357 |
| Stribblehill <i>v.</i> Brett | 445 |
| Strish <i>v.</i> Pelham | 647 |
| Strode <i>v.</i> Russell | 621 |
| Styant <i>v.</i> Staker | 250 |
| Sweetapple <i>v.</i> Bindon | 536 |
| Symes <i>v.</i> Vernon | 553 |
| Symons <i>v.</i> Rutter | 227 |
| Symons <i>v.</i> Gibson | 308 |

T.

| | |
|------------------------------|----------|
| Tabor <i>versus</i> Grover | Page 367 |
| Tarback <i>v.</i> Marbury | 510 |
| Tate <i>v.</i> Austin | 689 |
| Taylor <i>v.</i> Bell | 170 |
| Taylor <i>v.</i> Wheeler | 564 |
| Therman <i>v.</i> Abell | 64 |
| Thomas <i>v.</i> Gyles | 232 |
| Thomas <i>v.</i> Kemish | 348 |
| Thomas <i>v.</i> Thomas | 513 |
| Thomas <i>v.</i> Freeman | 563 |
| Thompson <i>v.</i> Town | 319 |
| Thwayts <i>v.</i> Dye | 80 |
| Thynn <i>v.</i> Duvall | 117 |
| Tilley <i>v.</i> Wharton | 378 |
| Tilley <i>v.</i> Bridger | 519 |
| Toller <i>v.</i> Carteret | 494 |
| Tooke <i>v.</i> Hastings | 97 |
| Took <i>v.</i> Took | 198 |
| Tovey <i>v.</i> Young | 437 |
| Toulson <i>v.</i> Grout | 432 |
| Towers <i>v.</i> Moore | 98 |
| Townshend <i>v.</i> Windham | 546 |
| Trafford <i>v.</i> Ashton | 660 |
| Tredway <i>v.</i> Fotherley | 367 |
| Trelawney <i>v.</i> Williams | 483 |
| Trott <i>v.</i> Vernon | 708 |
| Tudor <i>v.</i> Samyne | 270 |
| Turner <i>v.</i> Richmond | 81 |
| Turner <i>v.</i> Jennings | 612, |
| | 685 |
| Turton <i>v.</i> Benson | 764 |
| Tyrrell <i>v.</i> Beake | 155 |

V.

| | |
|---------------------------------|-----|
| Vandenanker <i>v.</i> Desbrough | 96 |
| Vane <i>v.</i> Lord Barnard | 738 |
| Vernon <i>v.</i> Squibb | 241 |
| Underwood <i>v.</i> Mordant | 238 |

A Table of the Names of the Cases.

| | | | |
|------------------------------------|----------|--------------------------------------|----------|
| W. | | Whittingham <i>versus</i> Thornburgh | Page 206 |
| | | Whitacre <i>v.</i> Pawlin | 229 |
| | | Whitchurch <i>v.</i> Lady Baynton | 272 |
| | | White <i>v.</i> Taylor | 435 |
| | | White <i>v.</i> Thornburgh | 702 |
| | | Whorwood <i>v.</i> Simpson | 186 |
| | | Wilcocks <i>v.</i> Wilcocks | 558 |
| | | Wilkinson <i>v.</i> Brayfield | 307 |
| | | Wilker <i>v.</i> Bodington | 599 |
| | | Williams <i>v.</i> Wray | 680 |
| | | Williams <i>v.</i> Callow | 752 |
| | | Willson <i>v.</i> Fielding | 763 |
| | | Wingfield <i>v.</i> Alkinson | 673 |
| | | Winne <i>v.</i> Lloyd | 603 |
| | | Wiseman <i>v.</i> Beake | 121 |
| | | Wiseman <i>v.</i> Vandeput | 203 |
| | | Woodward <i>v.</i> Giles | 119 |
| | | Woots <i>v.</i> Tucker | 120 |
| | | Woodman <i>v.</i> Blake | 166, |
| | | | 222 |
| | | Woodford <i>v.</i> Swayne | 254 |
| | | Woodroffe <i>v.</i> Farnham | 291 |
| | | Woodward <i>v.</i> Glasbrook | 388 |
| | | Wray <i>v.</i> Williams | 378 |
| | | Y. | |
| | | Yates <i>v.</i> Phettiplace | 416 |
| Wainwright <i>versus</i> Bendlowes | Page 718 | | |
| Walker <i>v.</i> Penry | 42, | | |
| | 78 | | |
| Walter <i>v.</i> Penry | 145 | | |
| Walton <i>v.</i> Earl of Stamford | 279 | | |
| Walton <i>v.</i> Hanbury | 592 | | |
| Wankford <i>v.</i> Fotherley | 322 | | |
| Warburton <i>v.</i> Warburton | 420 | | |
| Ward <i>v.</i> Bradley | 23 | | |
| Ward <i>v.</i> Cecil | 711 | | |
| Wareham <i>v.</i> Brown | 153 | | |
| Warwick <i>v.</i> Gerrard | 7 | | |
| Waters <i>v.</i> Ebrall | 606 | | |
| Watson <i>v.</i> Hinfworth | 596 | | |
| Webber <i>v.</i> Smith | 103 | | |
| Webb <i>v.</i> Webb | 110 | | |
| Webb <i>v.</i> Webb | 668 | | |
| Webster <i>v.</i> Bishop | 444 | | |
| Weeks <i>v.</i> Slake | 301 | | |
| Weld <i>v.</i> Bradbury | 705 | | |
| Wharton <i>v.</i> Wharton | 3 | | |
| Wharton <i>v.</i> Tilley | 419 | | |
| White <i>v.</i> White | 43 | | |
| Whitley <i>v.</i> Price | 78 | | |

E R R A T A.

PAGE 146. Line 12, 21. in the Margin read Mortgagor. p. 159. l. 31. for Purchasers *r.* Purchases. *Idem*, Margin l. 37. after Equity add Cautions. p. 166. l. 22. after the add Plaintiff. p. 185. l. ult. in the Margin, for it goes *r.* they go. p. 195. l. ult. in the Margin for Discriptio *r.* Descriptio. p. 226. l. 10. for Premisses *r.* Præcipe. p. 227. l. 8. for Frances *r.* Francis. p. 233. l. 13. in the Margin for Tenant *r.* Tenants. p. 255. l. 38. in the Margin after Daughters add which by another Deed was. p. 264. l. 8. for by *r.* of. p. 270. l. 14. after has *r.* made. p. 377. l. 19. in the Margin *r.* Mortgagor. p. 403. l. 8. for Years *r.* Pounds. p. 421. l. 12. for Direction *r.* Discretion. p. 538. l. 20. in the Margin after making add the. p. 545. l. 19. after Wills add at of Settlements. p. 595. l. 17. in the Margin after paid add thereout. p. 612. l. 40. in the Margin for B. *r.* A. p. 293. l. 13. in the Margin for his *r.* the Partnership. p. 760. l. 15. in the Margin after Mortgage add for Daughters Portions.

ADVERTISEMENT.

WHEREAS in the first Volume of these Reports, at the End of the Case *Merreit versus Eastwick*, pag. 264. a Note is added, that upon searching the Record, it did not appear thereby, that this Cause, (which was heard by the Lord Keeper Nov. 8, 1684,) did come on before Mr. Baron *Atkins* (as by the Case it is said to have done) the Day before: Upon further Search it appears by the Register's Minute-Book of Nov. 7, 1684, that the said Cause came on before Mr. Baron *Atkins* on the said 7 Nov. and was then ordered to stand for the Lord Keeper's Judgment.

D E

Term. S. Trinitatis,

1686.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Lord Chancellor
Jefferies.
18 June 1686.

George Meynel Junior, and
Mary ux', and George } Plaintiffs.
Meynell Senior,

Case 1.

Richard Massey, Blunden & } Defendants.
ux', & al',



HE 29th of August 1662, after the Marriage of *Hamlet Massey* with the Plaintiff *Mary's* Mother, (with whom he had received 2000*l.* Portion) he and his Father by Deed, Fine and Recovery, settled their Lands, Part of them for three respective Jointures, and the Remainder of them to *Hamlet* for Life; the Remainder to his first and other Sons by his Wife in Tail, the Remainder in Tail to the Defendant *Massey*; under a Condition and Agreement, that if *Hamlet* at his Death should leave one only Daughter by his Wife, and no Son, then if the Persons in Remainder of the Premises (except the Jointure-Lands) should not pay unto such Daughter 2000*l.* at one Payment, at

B

Midsummer

Lands are settled on Marriage upon Condition, if there should be a Daughter, the Persons in Remainder should pay her 2000*l.* at 16, with Power for the Daughter, in Case of Non-payment, to distrain for the 2000*l.* and Damages. Though no Power to sell, yet a Sale decreed for raising the Portion.

Midsummer after she should be sixteen Years of Age, the Recovery of all other, than the Jointure-Lands, should be during the Jointures, and the Recoverors should stand seised to the Intent that it might be lawful for such Daughter or her Assigns, after Default of Payment, so long, and until she should receive the 2000*l.* to enter and distrain for the same 2000*l.* and Damages for the Forbearance thereof, and the Distress to impound and keep 'till the 2000*l.* with Damages were satisfied.

The Plaintiff *Mary* was the only Daughter of that Marriage, whose Father died without Issue Male, and at *Midsummer* 1679, she became intitled to the 2000*l.* she being sixteen in 1678, and in 1682. she and the Plaintiff *George* the younger married.

The Defendant by his Guardian had received the Rents of the Estate for about 14 Years, and the Plaintiffs had demanded the Portion of him and the Guardian, which they had refused to pay, or sell the Lands to raise it; and insisted she ought to take her Portion out of the Rents and Profits, as it would raise it, and that the Lands subject to the Portion beyond the Jointures, were but 120*l.* *per Ann.* and though in this Case there was no Power given to the Trustees to sell by the Settlement, nor to the Daughter to enter and hold till she was satisfied; but barely a Power of Distress: Yet inasmuch as it was to be paid with Damages, and the Portion was to be paid at sixteen, and was no more than her Mother's Portion, and the Plaintiff was twenty Years old when she married, and was now Twenty-four; the Lord *Chancellor* declared, though there was no Manner of Proof to that Purpose, that he would take it, that it was intended that, in Case the Remainder-Man failed to pay it at the Day, the Trustees were to sell to raise it; and decreed the Trustees accordingly to sell, and raise the Portion.

Angelica Magdalena Whar-
ton, Widow of Philip } Plaintiff.
Wharton,

Case 2.

Mary Wharton, Daughter
and Heir of Philip Whar- } Defendants.
ton by a former Wife, by
her Guardian & al',

Master of the
Rolls, 1686.

IN 1684, in Consideration of 6000*l.* Portion paid by the Plaintiff and her Friends, to *Philip Wharton* and his Father, and of the Marriage intended betwixt her and *Philip*, they by Lease and Release convey the Manor of *Hutton Pannell*, &c. the Manor of *Edlington*, and Part of *Ravenfworth*, to the Trustees of the Plaintiffs Nomination; in Trust that after *Philip's* Death they should, during the Plaintiff's Life, receive and take out of the Profits 600*l.* yearly, to be paid half yearly, as the Plaintiff should appoint; with Power to the Trustees to distrein, and to enter and receive the Profits, until the same, and the Arrears thereof and Damages for Non-payment were paid; and after other Remainders spent, to the right Heirs of *Philip* and his Father, which the Defendant is; and *Philip* and his Father did covenant to make further Assurance, and to levy a Fine of *Edlington* to those Uses, and that they or one of them were seised in Fee of all the Premises, and that the same should continue to those Uses free of all Incumbrances.

Whether Equity will supply the Defect of a Fine, where the Comor dies after the Caption, and before the Fine is perfected.

The Marriage was had, and the Portion paid. Sir *Tho.* the Father of *Philip* died, and *Philip* surviving his Father, 20 *Feb.* 1684, made his Will, and did confirm the Plaintiff's Jointure, and devised all his Lands to the Defendant *Mary* in Tail, subject to the Plaintiff's Jointure, and appointed

pointed that all Persons, any Way concerned, should make further Assurance, and that all his and his Father's and Father in Law's Debts and Legacies should be paid out of his real Estate, and died without leaving any Issue but the Defendant: And the Bill complained, that the Defendant set up Intails against her Jointure, and the Lands were liable to pay the Debts and Legacies, and set forth, that *Philip* had acknowledged a Fine for perfecting the Jointure; and though he died before the same was perfected, yet it ought to be made good in Equity, and the Plaintiff's Jointure decreed to her, and the Debts and Legacies paid out of the real Estate.

The Defendant set up several Intails in Settlements, whereby she was intitled to all the Lands, but *Ravensthworth*, (notwithstanding the Marriage-Settlement) being about 300*l. per Ann.* and that her Title was not barred in Regard the Fine was not perfected, and that in the Plaintiff's Marriage-Deed Sir *Tho.* covenanted, that her 6000*l.* Portion should be laid out in a Purchase for better securing her 600*l. per Ann.* and then *Adlington* to be discharged of it; and that the 6000*l.* being paid to Sir *Tho.* and *Philip*, they deposited it in the *East-India* Company, and insisted that none of the Lands were liable to the Plaintiff's Rent-charge, but those in *Ravensthworth*; and set forth several Settlements for that Purpose, and insisted, that the Plaintiff ought not to be aided in Equity by the Fine, it having proceeded no further than barely a *Caption* from *Philip*; and that she ought not to have both the 6000*l.* and her Jointure, but that the 6000*l.* ought first to be applied to make up her Jointure 600*l. per Ann.* and the Surplus of it to the Payment of Debts and Legacies in Ease of the real Estate.

For the Plaintiff it was insisted, that she being a Purchaser, the Defect of the Fine not being perfected ought to be supplied in Equity, as much as a Defect in Livery.

But

But as to that it was insisted that the Defendant's Title was *per formam Doni*, and so not to be decreed against in Equity: And in that Point the *Master of the Rolls* did not think fit to relieve the Plaintiff: But as to the 6000*l.* though Sir *Thomas* had covenanted to lay it out in a Purchase for the better securing the Jointure, which if he had done, the Remainder would have descended upon *Philip*, and *Philip* was his Heir and Executor; it was conceived by the *Master of the Rolls*, that therefore and inasmuch as by the Marriage-Settlement, *Ravenfworth*, (being 300*l.* *per Ann.*) was settled towards the Jointure, and which the Plaintiff's Counsel insisted the Trustees might hold over after her Death, to answer all Arrears of her 500*l.* *per Ann.* in her Life-time, with Damages; and the Plaintiffs Counsel seeming willing to take the 6000*l.* and 300*l.* *per Ann.* for her Life, out of *Ravenfworth*; the *Master of the Rolls* did so decree it, and that the Plaintiff should have the 6000*l.* discharged of Debts and Legacies, and the 300*l.* *per Ann.* for her Life.

Sir *John Cotterel*, and *John Holt*, Esq; } Plaintiffs. Case 3.

Serjeant *Hampson*, *Charles Bill*, & al'. } Defendants. Lord Chancellor. June 1686.

MAJOR *Bill*, the Defendant *Bill*'s Father, and his Trustees *Chump* and *Johnson* in May 1677, mortgaged a Tenement called *Dovers* in *Surrey*, to the Earl of *Leicester* in Fee. In 1680, Major *Bill* made his Will, and *Garret* his Executor in Trust for the Defendant *Charles*, during his Minority, who having married the Defendant *Hampson*'s Daughter, he and his Mother, and *Garrett*, by Articles transferred the Executorship to *Hampson* in July 1682; and Major *Bill*'s Trustees by Appointment

Where Lands are vested in Trustees by Act of Parliament, to be mortgaged for a particular Purpose, it is incumbent on the Mortgagee to see the Money applied accordingly.

ment of *Garrett*, transferred the Equity of Redemption of the Mortgage to *Hampson* and *Hodges*, and they and the Earl of *Leicester* for 1800*l.* paid by the Plaintiff *Cotterel*, assigned the Mortgage to him. In Dec. 1682, the Plaintiff, Serjeant *Holt*, lent *Hampson* 260*l.* which *Hampson* agreed should be secured by the said Mortgage; and *Cotterel*, by Writing under Hand and Seal by *Hampson's* Directions, acknowledged himself a Trustee for *Holt* in the Mortgage, as to the Securing the 260*l.* after his own 1800*l.* and Interest was paid; and *Hampson* and *Hodges* assigned the Equity of Redemption to *Holt* for that Purpose; and that the Defendants might redeem or be foreclosed was the Bill.

The Defendant *Bill* insisted by Answer upon a Settlement in 1658. upon his Father and Mother's Marriage, of the Tenement called *Dovers*, and the Printing-House, on the Defendant's Father for Life, and his Mother for Life, and afterwards on the Defendant in Tail; and that in the Fire in 1666, the *Printing-House* being burnt, and the Defendant's Father but Tenant for Life, could not raise Money to rebuild: Whereupon 22 *Car. 2.* an Act of Parliament passed (reciting that Marriage-Settlement, and the Father's Incapacity to rebuild) which did enable the Defendant's Father to sell his Lands in *Kent* and *Surrey* to rebuild, and stock the *Printing-House* for the Benefit of the Defendant's Mother and Children; and the Tenement called *Dovers*, and Land in *Kent* were vested in *Crumph* and *Johnson*, to sell to raise Money for the Building and Stocking the *Printing-House*, and the Surplus to purchase Lands, to be settled to the Uses of the said Marriage-Settlement of the Defendant's said Father and Mother; and insisted, that he was abused in his Minority by *Hampson* in transferring the Executorship, and that no more Money ought to be charged on the Mortgage, than what was taken up and employed according to the Trust of the Act of Parliament; and the Lord *Chancellor* did so decree it, and that an Account should be taken of what Monies had been
I
employed

employed in building or stocking the *Printing-House*, according to the Trust of the Act of Parliament, and that the Defendant *Bill* paying so much with Interest and Costs, discounting the Profits received by the Mortgagees, should be let in to redeem; tho' for the Plaintiffs it was insisted, that it could not reasonably be intended, that they could be privy to, and could prove the Laying out of the Money according to the Act of Parliament; and that no Man would lend Money upon the Trusts of an Act of Parliament, if it was incumbent upon him to see the Money laid out, and employed according to the Act; and such a Construction of the Act could not consist with the Intention of the Act, but utterly prevent the same.

Daniel Warwick, Plaintiff.

Case 4.

Charles Gerrard, Defendant.

Lord Chancellor.
30 June
1686.

THE Defendant's Wife being seised in Fee, before her Marriage covenanted to stand seised to the Use of her self for Life, and after to the Heirs of her own Body to be begotten, Remainder to such Uses as she by Will, or Writing under Hand and Seal, should appoint, and for want of such Appointment, to the Use of the Plaintiff and his Heirs: Then she married the Defendant, and had Issue one Daughter; the Mother died, and afterwards the Daughter died without Issue; the Plaintiff was of the Blood and Kindred of the Mother: The Mother after the Execution of the Deed of Covenant made her Will, and thereby reciting that Deed, she gave to the Child she then went with, and its Heirs, all her Lands, and for lack of such Issue, to the Defendant and his Heirs, charged with the Payment of several Legacies, of which one was 100 *l.* to the Plaintiff; Part of which Legacies the Defendant hath paid, and offered to pay

Feme covenant to stand seised to the Use of her self in Tail, Remainder to such Uses as she by Writing under her Hand should appoint; for want of such Appointment, to the Use of the Plaintiff her Kinsman in Fee. Whether this Remainder to such Uses as she should appoint is not a void Remainder, being on a Covenant to stand seised.

pay the Rest. The Plaintiff's Bill was for the Writings.

1 Co. 175,
176.
Mildmay.

And for the Plaintiff it was insisted, that the Power in the Covenant to stand seised being general was void, and that by Consequence the Devise was void: But for the Defendant it was insisted, that though the Power was general; yet it ought to be supported so far, as to make good any Disposition which she might have made by a Covenant to stand seised; for that this Covenant was made before her Marriage, and at the same Time the Defendant made a Settlement upon her, in Consideration of the intended Marriage; and if she had covenanted for that Consideration, to stand seised to the Use of her Husband, it would have been good, and so by Consequence her Disposition to the Husband by Virtue of that Power, though the same was general, being such as the Law would bear upon a Covenant to stand seised, ought to be taken to be good.

Upon the Hearing, the Court left the Parties to try it at Law; and at Law a Verdict was given for the Plaintiff, though the Defendant stood upon a special Verdict, that so the same might have been argued. And afterwards the Cause being heard, it was decreed according to the Verdict; *Quere tamen.*

Cafe 5.

Edward Archer, Plaintiff.

Lord Chancellor.
About
June 1686.

Tho. Mosse & al', Defendants.

Fraud in obtaining a Will relating only to a personal Estate, is not examinable in Chancery, after the Will is proved in the Spiritual Court, so long as that Probate is in Force. *Post.* Cafe 70.

John Archer the Plaintiff's Uncle, who died in *January* 1682, had before (when in perfect Health) made his Will, and thereby given the Plaintiff the greatest Part of his personal Estate to the Value of 5000 *l.* as was proved in the

Cafe:

Case: But one *Bridget Sandyman*, his Maid-Servant, had in his Sicknefs prevailed upon him (as was alledged) to make another Will, and to marry her a Week before his Death, when he lay in his Sick-bed, at fix of the Clock at Night, though it was really proved by two Ministers, that she was a Year before actually married to the Defendant *Moffe*, and was then his Wife, and that *Moffe* procured the License for the Marriage of *Archer* to *Bridget*; and that, though they had set up a Will dated a Week before *Archer's* Death, whereby *Bridget* was made Executor, and all given to her; and that she had suppressed the former Will, by which the Plaintiff claimed; yet that Will so by her set up being proved in the *Prerogative* Court, and she having made her Will, and *Moffe* her Executor, (tho' in this Case there was as gross a Practice proved, as could possibly be, in gaining that Will by *Bridget* from *Archer*, and that he was not *Compos*, neither when he made it, nor when his pretended Marriage was to *Bridget*, and that he knew in his Health, that she was married to *Moffe*,) and the Matter in Question being purely relating to the personal Estate; the Lord *Chancellor* was of Opinion, that whilst that Probate stood, this Matter was not examinable in Chancery; and though the Fraud was fully proved as aforesaid, and was opened to him, he would not hear any Proofs read, but dismissed the Bill.

D E

Term. S. Michaelis,
1686.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Cafe 6. *Knightly, Robinson & al'*, Plaintiffs.

Lord Chancellor
for Jefferies. And *Burdet, Hutchinson & al'*, } Defendants.

THE *King* having granted a Duty upon *Sea-Coal*, for the *King's* Life, to the Lord *Townsend*, the Defendants were Farmers of that Duty; and the Plaintiffs insured the Defendants, that the Duty should not determine before *Michaelmas* 1685, and that if it did, they would pay the Defendants the several Sums of Money subscribed on the Policy without Abatement, and without questioning what the Defendants might lose thereby, and without any farther Dispute, Plea or Pretence whatsoever.

The Duty determined by the *King's* Death in *Feb.* 1684, and the Premium paid to the Plaintiffs was three Guineas *per Cent.* for Insurance. The Defendant *Burdett* had recovered at Law of the Plaintiff *Knightly* the Sum of 50*l.* being the Sum subscribed by him: The Bill suggested,

gested, that tho' the Duty did expire by the Demise of the King, yet there was no Interruption or Stop of Payment of the Duty : But his present Majesty did declare by Proclamation, that *Tonnage* and *Poundage* should be collected as in his Brother's Time ; and that thereby the Patentee, and the Defendants under him did enjoy the Duty 'till *Michaelmas* 1685, or made some Composition touching the same ; and so were not dampnified, and therefore pray'd to be relieved against the Policy and Verdict, which the Defendants insisted upon by Plea : And though it was so express, that in Case the Duty expired before *Michaelmas* 1685, the Plaintiffs would pay the Subscription without Abatement, &c. as aforesaid, yet the Lord Chancellor over-ruled the Plea, and ordered the Defendants to answer.

John Seabourne and Thomas Seabourne, } Plaintiffs. Case 7.

George Powel, Thomas Seabourne Senior, Alice Austin the Wife of Joseph Austin, William Mackley and Judith his Wife, } Defendants. Master of the Rchls. Nov. 8, 1686.

T *Thomas Cowls* demises Houses and Grounds in *Chick-lane* in 1674, for a long Term to build upon ; which Term came by Assignment to the Defendant *Austin* and her Husband, which they believed to be a good Title, and borrowed 100 *l.* of the Defendant *Mackley's* Wife, upon a Mortgage of it, for which the Plaintiffs became bound. That the Defendant *Austin's* Husband nine Years since run away for Debt, and they thinking their Title good, had borrowed, and built upon the Ground with it, and but 15 *l.* of *Kerrington's* Money was that Way imploy'd. Seven Years after her Husband's going away, the Defendant *Austin*

A. and his Wife being Assignees of a Lease, mortgage to *B.* *A.* becomes insolvent, and the Title not being good, *C.* who had the real Title, in Compassion to *A's* Wife makes a Lease in Trust for her. Decreed the Trustees to make a new Mortgage to *B.*

Austin found her Title not good, the real Title being in one *Haynes*; and he compassionating her Case, for ten Guineas Fine, leased the Premises for a long Term, at four Pounds yearly Rent, in Trust for her to the Defendant *Powell & al'*, and she had instigated *Mackley* to sue the Plaintiff upon the Bond for the Mortgage-Money.

The Plaintiff's Bill was, that though the Mortgage might not in Strictness of Law be good, yet the Estate granted by *Haynes* was, in regard of the Monies laid out in building upon the other Title, and that the Estate mortgaged was of better Value than the Mortgage, besides what was reserved to be paid to *Haynes*; and that the Mortgagee had therefore a plain Equity, to have the Benefit of that Title, which was but a Graft into that Stock from which he derived; and that the Defendant *Alice* had since the Taking of that Estate (and so it appeared on Proof) paid the Interest to the Mortgagee; and that therefore the Plaintiffs being but Sureties in the Bond had an Equity to have the Benefit of the Mortgage, and of that new acquired Title, to save them harmless against the Bond; or else the Trustees ought to be decreed to make a new Mortgage to the Mortgagee; and he to forbear suing upon the Bond.

The Master of the *Rolls* in this Case did look upon the Estate made by *Haynes* to be as a Graft into the old Stock, and the Benefit of it above 4 *l. per Ann.* reserved to *Haynes* did arise in Consideration of the former Title; and therefore did decree the Trustees to make a new Mortgage to the Mortgagee.

Thomas Griffith, William } Plaintiffs.
Buckle & ux',

Case 8.

William Buckle Senior, Defendant.

*Master of the
Rolls.
Nov. 1686.*

THE Bill was to have a Marriage-Agreement in 1683, betwixt the Plaintiffs and Defendant, executed, whereby the Defendant in Consideration of a Marriage to be, and afterwards had, between the Plaintiff *Buckle* and his Wife, the Plaintiff *Griffith's* Daughter, and in Consideration of 1500*l.* that was her Portion, 1200*l.* of which was paid to the Defendant, and the other 300*l.* secured, did article to convey the Lands in Question to the Use of himself 'till the Marriage had, with Remainder to the Heirs of the Plaintiff *Buckle*, upon the Body of *Elizabeth*, Remainder to the Plaintiff *William Buckle* in Fee.

*Marriage-
Articles for
settling
Lands vari-
ed, by de-
creeing an
Estate for
Life instead
of an Estate-
tail.*

The Defendant insisted, that he was surprized in the Wording of the Articles, and that he intended only an Estate for Life to the Plaintiff, with Remainder to his Sons in Tail; and that in Case of his Sons dying without Issue, it should come to the Defendant's own Children; and that it was plain, (however the Articles were worded, that it was so meant, for that there was a Clause in the Articles, as indeed there was, that his Son should do no Waste, which would have been repugnant in Case he had been to have had the Estate of Inheritance: And though there was no Surprise proved in the Gaining of the Articles, the Master of the *Rolls* decreed the Father to execute a Conveyance, whereby the Plaintiff was to be but Tenant for Life, with Remainder in Tail to his Issue successively, and that thereupon the Articles should be delivered up.

E

DE

D E

Term. S. Hillarii,

1686.

Lord Chancel-
lor.
Jan. 1686.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Case 9.

Berny ver. Pitt, Esq;

An unconsci-
onable Bar-
gain, got
from an Heir
in the Life
of his Father,
set aside.
Post. Case 18.

THE Plaintiff being a young Man, as he alledged, and his Father Tenant for Life only of a great Estate, which by his Death was to come to the Plaintiff in Tail; and during his Life allowing the Plaintiff but a narrow Allowance, he became indebted, and borrowed 2000*l.* of the Defendant in 1675, and entred into two Judgments of 5000*l.* a-piece, defeasanced each of them, that if the Plaintiff out-lived his Father, and within a Month after his Father's Death paid the Defendant 5000*l.* and if the Plaintiff should marry in the Life-time of his Father, then if he should from such Marriage during his Father's Life pay the Defendant Interest for his 5000*l.* the Defendant should vacate the Judgment; with this farther Clause in the Defeasance, that it was the Intent of the Parties, if the Plaintiff did not out-live his Father, that the Money should not be repaid. *January* 1679, the Plaintiff's Father died, and to be relieved against the said Judgments upon Payment of the 2000*l.* lent with Interest, was the Bill; which complained of a Fraud, and

and a working upon the Plaintiff's Necessity, when in Streights.

This Cause came first to be heard in *Hillary-Term*, 27 *Car.* 2. before the Lord *Nottingham*, who in Regard the Judgments were for Money lent, and not for Wares taken up to sell again at Under-value, as improvident Heirs used to do; and in Regard of the express Clause in the Defeasance of the Defendant's losing all, if the Plaintiff died before the Father, did not think fit to relieve the Plaintiff against the Bargain it self, without paying the 5000 *l.* with Interest from a Month after the Plaintiff's Father's Death; and did decree upon the Payment of the 5000 *l.* with Interest, the Defendant should acknowledge Satisfaction upon the Judgments; and the Money was paid, being 5390 *l.* and the Judgments vacated accordingly.

And now the Cause coming to be re-heard at the Plaintiff's Instance, before the Lord Chancellor *Jefferies*, it was insisted, that there was no true Difference in the Case of an unconscionable Bargain, whether it be for Money or for Wares; and that the Inserting the Clause in the Defeasance, that the Defendant should lose his Money, if the Plaintiff died before his Father, did not difference the Case in Reason at all, from any other Bargain made by the Plaintiff, or other Tenant in Tail, to be paid for at their Father's Death; for that in these Cases, if the Tenant in Tail died leaving the Father, the Debt would be lost of Course, and therefore the expressing of it particularly in the Defeasance, made the Bargain the worse, as being done to colour a Bargain, that appeared to the Defendant himself unconscionable; and though there was not in this Case any Proof of any Practice used by the Defendant, or any on his Behalf, to draw the Plaintiff into this Security; yet in respect merely to the Unconscionableness of the Bargain, the Lord Chancellor discharged the Lord *Nottingham's* Decree; and did decree the Defendant *Pitt* to refund to the Plaintiff,

tiff, all the Money he had received of him, except the 2000*l.* originally lent, and the Interest for the same.

Cafe 10.

Nathaniel Spindlar, Plaintiff.

Edward Wilford, and Priscilla, Executrix of George Adams, } Defendants.

Lord Chancellor.
Feb. 1686.

A Rent out of a Copyhold alienated by Surrender and Admittance, for a valuable Consideration, good in Equity.

Mercy Thorn, in 1614, surrendered a Copyhold Tenement to the Use of *Adam Johnson* and his Heirs, on Condition that *Johnson* and his Heirs should pay *Abel Peterson* and his Heirs 5*l. per Ann.* for ever, and in Default of Payment, the Use to *Johnson* and his Heirs to be void, and to be to the Use of *Peterson* and his Heirs. *Johnson* was admitted, and there were several Alienations of the Copyhold Tenement by Surrender and Admittance; and there were also Alienations of the 5*l. per Ann.* Rent, which had always been done too by Surrender and Admittance, on assigning the Rent. The Plaintiff was the last Surrendree of the Rent, and the Defendants *Willford* and his Wife were Tenants in Possession of the Copyhold, and denied to pay the Rent; and the Bill was to force them to pay it.

The Defendants demurred, and insisted that the Plaintiff's Title being by several mesne Surrenders of the 5*l. per Ann.* and the Admittance thereupon was not good; so that the 5*l. per Ann.* being a Rent created *de novo*, and no Copyhold or customary Interest, could not pass in that Manner, the and Plaintiff had no Title in Equity.

But for the Plaintiff it was insisted, that though in Strictness the Rent would not pass in Law by Way of Surrender, yet the Surrender and Admittances were Evidences of the Agreement for the Sale; and the Plaintiff was a Purchaser, and ought therefore to be helped in Equity:

Equity: And the Lord Chancellor was of that Opinion, and over-ruled the Demurrer.

And, 27 Octob. 1687, it was decreed for the Plaintiff, that the Defendant should pay the 5 *l. per Annum*, and Arrears.

Robert Carleton, Esq; and
the Lady Dayrill his } Plaintiffs.
 Wife,

Case ii.

The Earl of Dorset, Mil- } Defendants.
lington & al.

Lord Chancel-
 lor.
 Feb. 1686.

THE Lady Dayrill before her Marriage, without Mr. Carleton's Privity, had conveyed her Estate, of good Value, to the Defendants and their Heirs, in Trust that they should permit such Person and Persons, to receive the Rents and Profits, and dispose thereof, as she, whether covert or Sole, should appoint.

Settlement made by a Woman before her Marriage for her separate Use, without the Husband's Privity, will not bind the Husband.

The Bill was to avoid that Conveyance, being in Derogation of Right of Marriage, and without the Husband's Privity; and the Lady being crazed in her Understanding, endeavoured to run away from her Husband, and stirred up her Creditors to sue him.

For the Husband it was insisted, that the Deed being made without his Privity, was in Derogation of the Rights of Marriage, and therefore ought to be set aside, and cited the Case of Sir William Howard for that Purpose, and the Case of Edmonds against Dennington about four Years since: Where a Woman on Agreement before Marriage with her Husband, being to have Power to act as a Feme Sole, notwithstanding that Marriage, and the Husband dying, and she marrying again, the second

F

Husband

Husband not being privy to the Settlement on the first Marriage; it was decreed, that the second Husband should not be bound by that Settlement on the former Marriage.

The Lord *Chancellor* in this Case did decree the Plaintiff *Carleton* should have the Possession of the Estate against the Defendants, and that the Defendants should make a Conveyance of the Lands to the *six Clerks*, that it might be subject to the Order of the Court.

Vide Ca. 382.
Vol. I.

D E

Termino Paschæ,

1687.

IN CURIA CANCELLARIÆ.

Lord Chancellor.
April 1687.

Mumma the Widow, and
others the younger Children of *Jacob Mumma*, } Plaintiffs.

Case 12.

Jacob Mumma the eldest
Son and Heir, } Defendant.

J *acob Mumma* the Father purchased a Copyhold Tenement in the Name of the Defendant his eldest Son, an Infant of about 11 Years old. The Father afterwards laid out 400 *l.* in Improvements, paid the Purchase-Money, and all the Fines, and enjoyed during his Life; and having surrentred to the Use of his Will, devised the same to his Wife for Life, and afterwards to the other Plaintiffs his younger Children; and made other Provisions for the Defendant; who having recovered in Ejectment, the Bill was to be relieved against it; for that the Defendant was but a Trustee for his Father in the Purchase.

A Purchase by the Father in the Name of his Infant Son, decreed to be an Advancement, and not a Trust.

But the Lord Chancellor conceived, that he being but an Infant at the Time of the Purchase; though the Father

ther did enjoy during his Life, that the Purchase was an Advancement for the Son, and not a Trust for the Father.

Cafe 13.

Richard Knights, Plaintiff.

Sir *Jonathan Atkyns, John Peers, and Frances his Wife, & al.* } Defendants.

Lord Chancellor.
April 1687.

The Wife's Portion, and the like Sum of the Husband's Money, is agreed to be laid out in Lands, to be settled on them and the Heirs of their Bodies, without mentioning how the Remainder over should be limited. They both died without Issue, and before any Purchase made; the Money shall be paid to the Heir of the Husband, and not to the Administrator of the Wife, who survived her Husband.

IT was agreed upon the Marriage of *Benjamin Knights*, and the Defendant *Frances*, Daughter of Sir *Jonathan Atkyns*, that Sir *Jonathan* should give her a Portion of 1500*l.* and that *Benjamin* should put 1500*l.* more to it, and this 3000*l.* to be laid out in the Purchase of Lands, to be settled on *Benjamin*, and *Frances* for her Jointure, and on the Heirs of their two Bodies.

Benjamin dying without Issue, *Frances* intermarried the Defendant *Peers*: The Plaintiff being Heir of *Benjamin*, brought his Bill to have the Money owing by Sir *Jonathan Atkyns*, together with 1500*l.* more, which he offered to lay down, laid out in a Purchase, according to the Marriage-Agreement. *Frances*, *Peers's* Wife, died before Answer.

For the Defendant *Peers* it was insisted at the Hearing, (though no Mention of it in his Answer) that he as Administrator to his Wife, who survived *Benjamin*, was intitled to the Money, and not the Heir of *Benjamin*; all the Uses for which the Purchase was agreed to be made, being spent by the Death of *Benjamin* and *Frances* without Issue; and that there was no Mention in the Marriage-Agreement, how the Remainder in Fee should go; and that the Wife's Portion being equal to the Money laid down by the Husband, it would have been reasonable, if a Question had been made in this Court, how the Remainder should have been limited in the Life of the Parties,

ties, to have decreed it for the right Heirs of the Survivor; and that therefore the Purchase being never made, and the Wife surviving, she was intitled in Equity to the whole Money; and the Defendant her Husband, as her Administrator had the same Right, if not to the Whole, at least to a Moiety, which was her own proper Portion.

But for the Plaintiff it was insisted, that if a Bill had been brought in the Life-time of the Husband and Wife to have had the Purchase made, it would have been decreed to have been to the Use of the Husband and Wife, and the Heirs of their two Bodies, with Remainder to the right Heirs of the Husband.

The Lord *Chancellor* decreed it for the Heir, upon Presumption that it was so intended; and that Sir *Jonathan Atkyns* should pay what remained in his Hands of the 1500 *l.* to the Plaintiff the Heir.

Elizabeth Fotherby Widow,
Executrix of *Eliz. Brome*,
who was the Executrix
of Mr. Serjeant *Brome*, } Plaintiff. Case 14.

William Hartridge, William
Pyseing, and Alice ux' ejus,
Bernard Kendal and Anne
his Wife. } Defendants. Lord Chancellor.
May 4, 1687.

LEWIS LEES, Father of the Defendants *Alice* and *Anne*, in the Year 1641, made his Will, and by it (int' al^p) gave to the Defendant *Alice*, and to *Abraham Lees*, one of his Sons, 100 *l.* a-piece; and made his Wife *Anne*, his Executrix, and shortly after died.

Legacy presumed to be paid after a great Length of Time.

Anne the Executrix afterwards intermarried with the Defendant *Hartridge*; and above thirty Years since she died, and the Defendant *Hartridge* took Administration of her Goods, and *de bonis non, &c.* of *Lewis Lees* the Testator. In the Year 1654, because the Defendant *Alice*, and her Brother *Abraham* were then under Age, the Defendant *Hartridge* deposited their Legacies of 100*l.* a-piece, or Securities for the same in the Hands of the Defendant *Anne* who was then unmarried, to the End she might pay them over; whereupon the Defendant *Kendal*, together with Mr. Serjeant *Brome*, entred into Bond, to the Defendant *Hartridge*, of 400*l.* Penalty, with Condition to save him harmless against the said Legacies so deposited. The Defendant *Anne* married the Defendant *Bernard Kendal*; and thereupon *Bernard Kendal* the better to secure the Defendant *Alice*, gave Bond to her elder Brother in Trust for her Legacy. Afterwards the Defendants *Alice* and *William Pyseing* intermarried; and then *Lewis Lees* their Brother assigned the Defendant *Kendal*'s Bond, to the Defendant *Pyseing*, who thereupon altered the Security, and took Bonds from *Kendal* in his own Name, and obtained Judgment upon the Bonds. About the Year 1679, *Abraham Lees* dying Intestate, the Defendant *Alice Pyseing* took Administration of his Goods; of which (all Debts and Charges paid) there remained a great Overplus; one third Part whereof was ordered by the Spiritual Court to be paid to the Defendant *Anne*; but it was never paid, the Defendant *Alice* detaining it still for Satisfaction of the Legacies given, and deposited as aforesaid; so that by detaining the Defendant *Anne*'s Part of her Brother's Estate, and by the Bonds and Judgment which the Defendant *Kendal* gave as aforesaid, *Pyseing* and his Wife are satisfied the two Legacies. That nevertheless in *Michaelmas-Term* 1685, when *Lewis Lees* the Testator had been dead about Forty-four Years, the now Defendant *Pyseing* and his Wife by Combination, exhibited their Bill against the Defendant *Hartridge*, for both the said Legacies; and the Defendant *Hartridge* hath brought

brought an Action against the Plaintiff upon the said Bond given by the said Serjeant *Brome* and the Defendant *Kendal*, *dum sola*, to save him harmless; all which is done by Contrivance, after the Plaintiff hath paid in Debts and Legacies more than the Testatrix's Estate amounted to.

The Lord *Chancellor* declared, that in this Length of Time he would presume the Legacy paid; and decreed a perpetual Injunction against the Bond, and discharged the former Decree against *Hartridge*, (though inrolled) on this Bill; and though no Relief was particularly prayed against that Decree.

Ward versus Bradley.

Cafe 15.
Master of the
Rolls.
May 1687.

COLE being possessed for 2000 Years of a Tene-
ment, in Consideration of a Marriage to be and
after had, and of 350*l.* Portion, and for Provision and
Stay of living of the Husband and Wife and their Chil-
dren, demises to Trustees for 1700 Years, if he and his
Wife, or any of their Issue, live so long; Remainder to
the Heirs of the Body of *Cole* on that Wife. They had
Issue the Plaintiff and the two Defendants, who had got-
ten an Assignment of the whole Term, and had Admini-
stration to the Father.

Along Term
of Years is
assigned
upon Trust
for *A.* for 99
Years, if he
lived so long,
then to his
Wife for her
Life, Re-
mainder to
the Heirs of
A. begotten
on his Wife.
The whole
Term does
not vest in
A. but after

the Death of him and his Wife, shall go to all their Children equally.

And the Question was, whether the Plaintiff should have a Third with the other two Sisters the Defendants; for though it was insisted for the Defendants, that the Trust of the whole Term vested in the Father, and was executed in him; and that Daughters, though the Heirs of his Body, could not take by Purchase in this Case; yet the *Master* of the *Rolls* conceived, that inasmuch as there was a particular Term of Ninety-nine Years taken
out

Construc-
tions of Trusts
must be go-
vern'd by
Intention.

out of the 1700; and that the Father had a particular Estate limited unto him during Ninety-nine Years, that the Trust of the whole Term, as to the 1700 Years, was not executed to the Father; and said, that *Constructions of Trusts must be governed by Intention*: And this being in Case of a Marriage-Settlement, and the Intention plain, it ought to be supported; and cited the Case of *Oakes and Chaford*, and *Traherne and Crompton*, 24 Car. 2. and the Case of *Warman and Seymour*; where by the Advice of Judges, where Alienation of a Term was to one for Life, and then to her Issue, that the Issue took by Purchase; and *Issue* was not taken to be a Word of Limitation, so as to vest the whole Term in the Mother: And yet Issue, in legal Understanding, is a Word of Limitation, and not of Purchase: And therefore did conceive in this Case, that though the Word *Heirs* be not properly a Word of Purchase; yet there being a particular Estate for Life, during a particular Term, limited to the Father, that the Limitation to the Heirs of his Body, afterwards on that Marriage, would carry it to all the Children equally: And he was the more of that Opinion, for that it was declared in the Deed, that after the Death of the Father, the Trustees should execute Estates to the Person and Persons respectively, that should be interested according to their respective Shares therein; which shewed that the Children should all take their several Shares.

Case 16.

Lord Chancellor.

May 1687.

Norton versus Mascall.

THE Plaintiff and Defendant had submitted to an Arbitrament by Bond, and an Award was made, not binding by Form of Law, by which the Plaintiff was to pay the Defendant 900 *l.* and to seal a Release to the Defendant; and the Defendant was to assign several Securities he had from the Plaintiff. The Plaintiff sold some Lands to raise the 900 *l.* expecting the Defendant would

receive it, as he gave him Intimation he would, and tendered him the 900*l.* and a Release executed by the Plaintiff; and though there was no other Execution on the Plaintiff's Part of the Award, and though the Award was *extrajudicial*, and not good in Strictness of Law, yet the Lord *Chancellor* decreed it should be performed in *Specie*.

H

D E

D E

Term. S. Trinitatis,

1687.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Case 17. *Berry* versus *Askham* Widow and Executrix, and *Askham* the Heir.

*Master of the
Rolls.*

June 1687.

Where Debts
are directed
by Will to be
paid out of
Rents and
Profits, the
Court, if 'tis
necessary,
will decree a
Sale.

A *Skham* the Father, being indebted to the Plaintiff by Bond, devises that his Executors shall receive the Rents, Issues and Profits of his real and personal Estate, in the first Place to pay 60 *l. per Ann.* to one for Life, and after that Person's Death, out of the Remainder of his Estate, his Debts being paid, to raise Portions for several Children payable at Twenty-one, and Maintenance in the mean Time; and devises all his Lands in several Parcels to several Persons at future Times; and those Devisees were not Parties to the Suit.

And whether the Lands were to be sold for Payment of Debts, was the Question.

The *Master* of the *Rolls* conceived, they should: But first directed an Account of the personal Estate, and the Rents and Profits of the Lands; and if those not sufficient to pay the Debts in a reasonable Time, declared he would decree a Sale: And directed the Devisees to be made Defendants,

fendants, if they would not come in before the Master, declaring that the Sales should be out of all the Devisees Lands.

Thomas Knott, Son and
Heir of Sir Thomas } Plaintiff. Case 18.
Knott,

Johnson, and Graham Exe- } Defendants. Lord Chancellor.
June 1687.
cutors of George Hill,

THE Plaintiff being intituled to an Estate-Tail after the Death of his Father in Lands, which if in Possession, were worth to be sold about 800*l.* and being cast off by his Father, and destitute of all Means of Livelihood, did in 1671, for 30*l.* paid, and 20*l.* *per Ann.* secured to be paid to him during the joint Lives of him and his Father, absolutely convey his Remainder in Tail to the Defendant *Hill's* Father, and his Heirs. The Plaintiff's Father lived ten Years after this Conveyance; and then the Plaintiff brought his Bill to be relieved against this Conveyance, charging that it was intended only as a Security; and though there was no Proof to that Purpose, and the Deed absolute; and though *Hill* would have lost all, if the Plaintiff had died in his Father's Life-time, yet upon the first Hearing of this Cause, 24 *June*, 34 *Car. 2.* the Lord *Nottingham* decreed a Redemption. The 18 *May*, 35 *Car. 2.* the Lord *Guildford* upon a Re-hearing dismissed the Bill; and that Dismission not being signed and inrolled, the 27 *May* 1687 the Lord *Chancellor* ordered a Re-hearing; and now upon the Re-hearing declared, he took it to be an unrighteous Bargain in the Beginning; and that nothing happening afterwards would help it; and so discharged the Lord *Guildford's* Order, and confirmed the Lord *Chancellor Nottingham's* Decree.

William

Cafe 19. *William Baylis* Admini-
 strator of *Fortune* his } Plaintiff.
 Wife,

Lord Chancel-
 lor.
 June 1687. *Jonathan Newton*, Son, Heir }
 and Executor of *Matthew* } Defendant.
Newton,

A. jointly
 seised with
 two others,
 conveys his
 third Part to
 the Use of
 himself for
 Life, Re-
 mainder to
 his Wife for
 Life, Re-
 mainder to
 his Son in
 Fee, and at
 the same
 Time
 makes his
 Will, and
 gives the
 same Lands
 to his Son in
 Tail charg'd
 with his
 Debts. The
 Son not a
 Trustee for
 the Father in
 the Settlement;
 otherwise it
 would have
 been, if the
 intire Fee
 had been
 conveyed to
 the Son,

M *Atthem Newton* being seised in Joint-tenancy of a third Part of a Village called *Caldicot*, by Lease and Release the 21, and 23 Nov. 1668, convey'd his third Part for natural Love and Affection to the Use of himself for Life, Remainder to his Wife for Life, Remainder to the Defendant in Fee. The 25th of the same Nov. he made his Will, and thereby devised to the Defendant, and the Heirs of his Body, his Lands in *Caldicot*, and, amongst other Things, to the Plaintiff *Fortune* his Daughter, out of a Debt *Fenwick* owed him, 250*l.* his Debts being first paid; and if *Fenwick's* Debt was not sufficient to pay them, over and besides the 250*l.* to his Daughter, then he appointed his Debts to be paid out of his whole Estate.

Fenwick's Debt and the personal Estate were not sufficient to pay the Testator's Debts, and the Bill was to have the Lands in *Caldicot* subjected to the Debts, that so the Plaintiff might have the 250*l.* out of *Fenwick's* Debt: And for the Plaintiff it was insisted, that the Estate the Defendant had in *Caldicot* by the Lease and Release was a Trust for his Father, and that he ought to take it subject to the Will; and that the Lease and Release were made to prevent Survivorship; and which was proved by

two Witnesses expressly: And so it also appeared by the Dates of the Lease and Release and Will, they being all at the same Time; and had not the Lease and Release been made, the Father as a Jointenant could not have devised.

This Cause was heard 19 Feb. by the *Master* of the *Rolls*, who directed an Account of the personal Estate; and if that was not sufficient to pay the 250 *l.* the Master to report specially as to *Coldicots*; which Matter coming now to be heard before the Lord *Chancellor*, he declared, that if the intire Fee had been passed to the Son by the Lease and Release, he would not have taken it to be a Trust in the Son: But inasmuch as it was limited to the Father for Life, and then to the Mother for Life, with Remainder to the Son in Fee, he could not take it to be a Trust in the Son.

Hawkins, Plaintiff.

Case 20.

Taylor & ux, and *Leigh &* } Defendants.
al.

Lord Chancellor.
June 1687.

THE Defendant *Leigh* having an Incumbrance on the Lands in Question subsequent to the Plaintiffs, and the Bill being against him and other Incumbrancers to discover their Incumbrances, *Wilson*, who was a Defendant, and had the first Incumbrance, assigned to *Leigh*, *pendente lite*: And the Question at the Hearing was, whether the Defendant *Leigh*, who had a Mortgage subsequent to the Plaintiff's, should help himself against the Plaintiff, by buying in *Wilson*'s Incumbrance, that was prior to both.

After a Bill brought by a second Mortgagee against the first and third Mortgagees to discover Incumbrances, the last Mortgagee may get in the first Incumbrance, and protect himself against the second.

The Lord *Chancellor* conceived, he might lawfully do so; and dismissed the Plaintiff's Bill without Costs.

I

DE

D E

Term. S. Michaelis,

1687.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Case 21.

Anne Stanton, Plaintiff.*Master of the
Rolls.**Sadler and Bush*, Defendants.

A subsequent
Purchaser
protected by
getting in an
old satisfied
Statute.

THE Plaintiff was a Jointress, and the Defendant was a Mortgagee subsequent to the Jointure; and got an Assignment of a Statute, that was precedent to the Jointure, but was satisfied; and extended it on the Lands mortgaged.

The Bill was to set aside the Extent, for that the Statute was satisfied: And whether the Statute being satisfied should protect the Mortgage, or be set aside without Payment of the Mortgage-Money was the Question.

And the Master of the Rolls decreed, that upon the Plaintiff's paying the Mortgage-Money with Interest and Costs, the Defendants should assign all their Securities to the Plaintiff: But would not set aside the Extent without Payment of the Mortgage-Money.

Luke versus Alderne.

Cafe 22.
Lord Chancellor.
lor.
Dec. 1687.

A Legacy of 500*l.* was given to the Defendant's Testator, when he should be Twenty-four Years old: The Plaintiff being his Sister, and Executrix to the Testator, that gave the Legacy, paid the Legatee 250*l.* of it at Twenty-one, to put him out into the World; and gave him a Bond to pay him the other 250*l.* at a Day certain; which was the very Day he would attain his Age of Twenty-four Years. He died before that Age, and the Defendant was his Executor.

A Legacy is given to A. when he should be 24. At 21 he receives Part, and the Executor gives Bond to pay the Remainder at a Day certain, being the Time when he would attain

Twenty-four. He dies before that Time. Whether the Money received shall be repaid, and the Bond delivered up.

The Bill was to have the Bond up, and the 250*l.* repaid, for that he died before Twenty-four, and so no Legacy was ever due; and charged an Agreement by the Legatee to repay in that Case, and deliver up the Bond. That Agreement was denied by Answer, and as to the Repayment of the 250*l.* and Delivery up of the Bond, the Defendant pleaded the Payment, and the Bond which was for Payment at a certain Day, and became a Duty thereby, and not as a Legacy; and did waive the Penalty.

Upon Debate the Plea was to stand for an Answer, the Lord Chancellor declaring it was fit to be heard on the Merits.

D E

Term. S. Hillarii,

1688.

In Court, Veneris 10 die Feb. 1688.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Case 23.

Sharpe versus Gamon.

If a Bill is brought for Discovery of a Bankrupt's Estate, the Bankrupt must be a Party.

BILL for a Discovery of a Bankrupt's Estate; the Defendant demurred, because the Bankrupt was not made a Party, and the Demurrer was allowed.

Case 24.
Eodem die in Court.

Countess of Plymouth versus Bladon.

A Dismission upon an Election to proceed at Law is not peremptory, but the Plaintiff may, after she has failed at Law, bring a new Bill.

THE Bill was to call the Defendant, who was the Plaintiff's Steward, to an Account. The Defendant by Way of Plea insisted, that the Plaintiff ought not to be relieved in this Court, nor be compelled to account. *First*, for that the Plaintiff had before exhibited a Bill in this Court to the same Purpose, and likewise sued at Law for the same Matter; and afterwards being put to her Election, chose to have her Bill dismissed; and not having met with such Success at Law, as she expected, would now resort back again to this Court. *Secondly*, That the Plaintiff had disabled the Defendant from giving any Account, by reason that she had, in a violent and undue Manner, seized his Writings and Evidences, and even imprisoned

imprisoned his Person; and so in Effect hath made her self both Judge and Executioner: And *Detinue of Charters* is a good Plea at Law in Bar of an Account; and ought to be so here: And although they may now alledge that the Trunk, in which the Writings were, has been since, with the Writings that were in it, restored, *that* ought not to excuse the Plaintiff in this Case; for such violent Seizure is an Evidence of the Plaintiff's Design to take from the Defendant some material Papers, and when she had got them into her Power, it is to be presumed, she did take them: And it is not to be expected from the Defendant, that he should prove, what Papers the Plaintiff took out of the Trunk.

Per Cur. As to the first Objection, A Dismission upon an Election is not peremptory, no more than a Nonsuit at Law. And as to the second Objection, Although such Proceedings are not to be approved of, or countenanced, yet they cannot amount to a Forfeiture of the Right, which the Plaintiff hath to call her Steward to an Account; and although *Detinue of Charters* is a good Plea at Law in Bar of an Account; yet it is not a good Plea, to say the Plaintiff did once seize his Writings; but it is the Detainer of them, that makes the Plea good. And as touching the Plaintiff's Imprisoning the Defendant, he may take his Remedy by an Action of *False Imprisonment*, but a Man may surely justify the Detaining of his Servant, that was taking away his Goods.

Detinue of Charters is a good Plea at Law in bar of an Account, and so it is in Equity.

The Court therefore ordered, that whereas there was a considerable Sum of Money in the Trunk, that the Money, as well as the Writings, should be restored. For although the Defendant might be greatly in the Plaintiff's Debt, yet she must not levy her own Debt after that Manner; and ordered the Defendant to answer.

Cafe 25.
Sabbati 11
Feb.

Cokes versus Masfal.

Whether a Letter wrote during a Treaty of Marriage, and there are subsequent Treaties and Proposals, is an Agreement within the Statute of Frauds, &c.

THE Bill was to compel the Defendant, whose Daughter the Plaintiff had married, to perform an Agreement alledged to have been made on the Marriage. The Defendant by Answer insisted, there was a Treaty, but never any fixt Agreement in Writing, nor any signed by him, and relied on the Benefit of the Act made for Prevention of *Frauds and Perjuries*.

Upon the Proof the Case appeared to be, that there were several Discourses and Treaties had before the Marriage, and Sir *Thomas Cokes* was to have made a Settlement on the Plaintiff's Side, but afterwards flew back from it; and the Defendant wrote a Letter importing what he intended to settle on his Daughter, and after this an Agreement is drawn and reduced into Writing, but not signed by either Party; but a Witness examined in the Cause deposed, that both Parties heard the Agreement in Writing read over, and agreed to it; and it was proved that the Marriage was shortly afterwards had, and the Wedding Dinner kept at the Defendant's House.

The Plaintiff's Counsel chiefly relied on the Letter, and would have that to be a good Agreement in Writing, and valid according to the Act of Parliament, and that the subsequent Agreement was the same in Effect, but drawn in a more formal Manner; and that a Marriage having been had upon it, and the Agreement thereby in Part executed, ought to be performed.

But for the Defendant it was insisted, that here was no Ground for a Decree of this Court: That there was a manifest Difference, as to the Settlement intended to have been made, between the Letter and the subsequent Agreement in Writing: And it was likewise proved on the De-

fendant's Behalf, that after the Letter and Agreement in Writing, there were several Treaties and Proposals made, and the Parties differing, the Agreement broke off; and besides, an Agreement ought to be mutual, and there was nothing done in this Case, that any Way obliged the Husband: So the Court inclined to dismiss the Bill; but at the Instance of the Plaintiff's Counsel gave him a Twelve-Month's Time to try it at Law, whether there was an Agreement so fixt, as they could maintain an Action at Law upon it, and that afterwards either Side might resort back to this Court. *Arg. 200*

Kelley versus Berry.

Case 26.
Lord Chancellor.
Lune 20 Feb.

THE Plaintiff was a Remainder-Man in Tail in a voluntary Settlement, and the Bill was for Discovery of the Deed: But it appearing to the Court that the Entail was discontinued, the Court would not relieve the Plaintiff.

A Remainder-Man in Tail in a voluntary Settlement brings a Bill for the Discovery of the Deed, and it
Post. Case 48.

appearing the Entail was discontinued the Court; would not relieve him.

Gosley versus Gilford & al'.

Case 27.
Lord Chancellor.
Lune 27 Feb.

A Man possessed of a Term for Years determinable on Lives devises 20*l.* per Ann. to J. S. to be paid half yearly out of this Estate, if the *cestuy que vies* should so long live. J. S. dying in the Life-time of the *Cestuy que vies*, the Question was, whether this Rent should determine by his Death, or go to the Plaintiff who was his Executor, and be paid him during the Term.

A. devises to B. a Rent out of a Lease for Years determinable on Lives, to be paid half yearly, if the *cestuy que vies* lived so long. B. dies du-

ring their Life-time. Decreed the Rent was not determined, but should be paid to the Executors of B. during the Term.

The Court decreed it for the Plaintiff, the Executor of J. S. and said, if the Rent would have continued as long as the Term lasted, if J. S. had so long lived, why will it

it not last so long, though J. S. happened to die sooner; there is nothing said in the Will to determine it. And the Case in *Roll's Abridgment*, *first Part, Title Estate, fol. 831.* where it is said, that if a Man possessed of a Term for Years grants a Rent generally without limiting any Estate, the Rent shall continue during the whole Term, was looked upon to be an Authority in point.

Case 29.
Lord Chancellor.
1 Martii.

Sprignell versus Delawne.

THE Plaintiff's Bill was to have Satisfaction of a Debt owing him by J. S. to whom the Defendant was Executor; the Case was, that the Defendant was bound to a third Person as Surety for J. S. and to indemnify him on that Behalf; J. S. assigned to him a Term for Years, and dies, and makes the Defendant his Executor, who pays that Debt out of the personal Assets; and the Plaintiff being a Creditor by simple Contract, and there being no personal Assets left, would have had the Benefit of that Security for Payment of his Debt; and it was urged to be reasonable he should have that Benefit, in regard that the personal Assets, which would have satisfied his Debt, were employed in Discharge of the Debt which was chargeable on this Security. *Sed non allocatur*, for that it was in the Power of the Executor to apply the personal Assets, the one Way or the other.

Case 30.
Eodem die.
Lord Chancellor.

Cooke versus Cooke.

Upon a Bill for a specific Performance of a Covenant with A. for the Benefit of B. A. must be a Party.
Rolls and Yate, fol. 177.

UPON a Bill for a specific Performance of a Covenant under Hand and Seal with A. for the Benefit of B. A. must be a Party to the Suit. But if it had been only a Promise, either A. or B. might have brought the Action according to the Case in *Yelverton's Reports*.

Searle versus Hale.

Cafe 31.
Lord Chancellor.
Luna 5 Martii.

AN Administrator pays Money on Specialties without Notice of Money decreed, and had fully administered the Assets: And the Court nevertheless decreed, that the Administrator should pay the Money decreed.

creed to pay a Debt due by a Decree, though he had no Notice of the Decree, before he had paid those Debts.

An Administrator pays away all the Assets in satisfying Debts on Specialty. De-

no ca 84

Bucclle versus Atleo.

Cafe 32.
Lord Chancellor.
Martis 6 die Martii.

THE Plaintiff being Executor, and his Testator greatly indebted, and being desirous to be rid of the Assets as far as they would go, and that his Payments might not be afterwards questioned, brought a Bill against all the Creditors, to the Intent they might, if they would, contest each others Debts, and dispute, who ought to be preferred in Payment.

if they pleased, contest each others Debts, and that their Preference might be settled. Adjudged on a Demurrer, to be a proper Bill.

An Executor being desirous to apply the Assets, as far, as they would go, in satisfying the Debts, brings a Bill against all the Creditors, that they might,

The Defendant being a Creditor demurred, for that the Bill contained Multiplicity of Matter, wherein he was not concerned. But the Court over-ruled the Demurrer; and held it a proper Bill, and a safe Way for an Executor to take.

Parrot versus Bowden.

Cafe 33.
Eodem die.

APlea of Outlawry over-ruled, because it was not put in upon Oath.

Plea of Outlawry to be on Oath.

Case 34.

*Hungerford versus Goreing.**Eodem die.*

A. having Lands contiguous to *B.* brings his Bill, that *B.* may discover the Boundaries of his Estate, as they appear by his Deeds. *B.* is not obliged to make this Discovery.

THE Plaintiff and Defendant's Lands lying contiguous, the Bill was to discover the Boundaries of the Defendant's Estate, alledging the same fully appeared by the Deeds and Writings in his Hands; the Defendant demurred.

Per Cur. there is no Reason to compel the Defendant to discover the Boundaries in his Deeds, for that would be to help a Man to Evidence to evict my Possession.

Case 35.

*Smith & ux', Plaintiffs.**At the Rolls.*

William Clever & ux', and
William Farmer & ux', } Defendants.

Interest of Money is devised to *A.* for Life, and and if he died without Issue, then the Principal to go over to another. The Remainder over is good.

THE Case was that one *Susan Beale* being possessed of a considerable personal Estate made her Will, and thereby appointed *Robert Franklyn* and *Joseph Fisher*, Executors in Trust, to receive and pay, act and do all Things according to the Intent and Meaning of her Will; and having thereby devised several particular Legacies, devised further in the Words following, *viz. And the Rest and Residue of my Estate unbequeathed shall be put forth to Interest by my Executors, and one half of the Interest shall be paid to my Sister Anne Cole during her Life, and the other half of the Interest unto her Daughter Anne Smith, and she to have one half of my Household Goods, and after her Mother's Decease to have all the Interest during her Life: And my Will is, that if the said Anne Smith die without Issue of her Body, the Principal of the Residue shall be divided equally between*

Mary Clever and Eliz. Farmer, and such Children as are or shall be born of their Bodies then living.

The Bill was brought by the Plaintiff *Smith* and his Wife, setting forth that the Remainder over to *Clever* and *Farmer*, expectant on the Plaintiff *Anne's* dying without Issue was void in Law, being of a Personalty, and that the whole Interest of this personal Estate was well vested in the Plaintiff *Anne*, and therefore pray'd, that the Trustees might be directed to deliver the Securities, and to pay the Money unto the Plaintiffs.

The Defendants by Answer confess the Will, and insisted on their Title by Virtue of the Limitation over.

The Case was several Times argued before his Honour the Master of the Rolls, who took Time to consider of it. See the Determination of the Court, Post. Case 51.

Legriel and *Morescoe*, Plaintiffs. Case 36.

William Barker, Esq; Sir
William Barker, Serjeant } Defendants. Master of the Rolls.
Kellingworth,

THERE was 200*l.* of the Plaintiff *Legriel's* Money lent in the Plaintiff *Morescoe's* Name, upon Bond from the Defendant *William Barker* the Father, and Sir *William Barker* his Son, wherein they were jointly bound; and the Defendant Sir *William* being jointly bound in other Bonds (as well as that) for his Father, 9 Feb. 30 Car. 2. the Defendant *Barker* the Father entered into a Statute of 2000*l.* to the Defendant Serjeant *Kellingworth*, defeasanced, that if *Barker* the Father should within ten Years, or before his Death, pay the said several Debts for which the Defendant Sir *William* was bound, and Interest, and indemnify the Defendant Sir *William* from the said Bonds, and

A. is bound with his Father for the Debts of the Father, who enters into a Statute to the Son to pay the Debts and indemnify the Son. One of the Creditors delivers up his Bond and takes a Mortgage from the Father. The Son shall not set up his Statute to defeat the Mortgage,

and all Charges touching the same, the Statute to be void.

The Defendant *Barker* the Father paid some of the said Debts, but not the Plaintiff's; but desired to have the Bond delivered up, and to secure the same by Mortgage of some of his Lands; and thereupon for the same 200*l.* he made a Mortgage to the Plaintiff *Legriel* of Lands in *Suffolk* for 500 Years without Impeachment of Waste; with a Proviso, that if he paid her 212*l.* at a Year's End, the Lease to be void; with Covenants that the Premises were free from Incumbrances, and for further Assurance.

The 200*l.* and Interest was not paid; whereupon the Plaintiff *Legriel* endeavoured to enter upon the Lands: But the Plaintiff found that the Premises were extended on the Statute, and that the Defendant Sir *William* insisted upon such Extent; and that 11 *Octob.* 1681, there were Articles between him and his Father, for his Father's doing several Things to him, and also that his Father should pay all the Debts unpaid, upon the Statute, according to the Defeasance before mentioned by *Christmas* then next; and 'till then that the Statute should not be put in Suit; and that the Statute and any other Security the said *William* the Father could give, should stand as a Security for Performance of the Articles of 11 *Octob.* and that the Defendant the Son insisted upon great Breaches of the last mentioned Articles, and that therefore he had extended the mortgaged Premises with the Statute.

Note, the Plaintiff is a Purchaser of the Land by the Mortgage made to her; and that the Incumbrance the Defendant would set up, ought not to disturb her, or Charge the Land to prevent Satisfaction of her Debts; for the Statute was originally given to take place only if the Father did not pay the Debt; and he did pay it by the Mortgage he gave, and not otherwise; and if the Plaintiff enjoy the Mortgage, as she ought, the Statute

ought not to do her any Prejudice: And by the Father's giving the Statute to his Son to pay the Debts, and indemnify the Son, the Statute was a farther Security for the Debts, and ought not to be set up to hinder the Satisfaction of the Debts: Besides the Son has no Wrong; for he was bound with his Father in the original Bond to *Moreſcoe*, and ſo was liable to pay it; and by the laſt Defeafance of the Statute the Debts are to be paid alſo; and in Truth many of the Debts were the Sons own, as he has confeſſed in his Answer to a Bill of his Father's.

The *Maſter* of the *Rolls* took Time to conſider of this Caſe; and afterwards decreed, that the Defendants ſhould redeem, or be fore-cloſed, and a perpetual Injunction againſt the Statute.

D E

Termino Paschæ,

1688.

In Court, Lord
Chancellor.
Fovis, 3 die
Maii.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Case 37.

Walker versus Penry.

Statute redu-
cing Interest,
whether it
affects prece-
dent Securi-
ties.
Post. Case 73.

THE Bill was to redeem an ancient Mortgage; and forasmuch as the Mortgagor had paid Interest after the Rate of 8 *l. per Cent.* until 1675, whereas Interest by the Act of Parliament in 1660, was reduced to 6 *l. per Cent.* The Question was, whether the 2 *l. per Cent.* from 1660, should not be allowed to go in Discharge of so much of the Principal.

Per Cur. The Contract being made prior to the Statute for reducing Interest to 6 *l. per Cent.* and the Contract having not been changed or varied, and 8 *l. per Cent.* having been voluntarily paid, they saw no Reason to relieve the Complainant: For the Statute for reducing Interest respects only subsequent Contracts; and as in this Case no *Indebitatus assumpsit* will lye at Law to recover back the 2 *l. per Cent.* so there is not any just Ground to decree it in Equity; and the 8 *l. per Cent.* would have been Affets at Law in the Hands of an Executor, that had received Interest after that Rate.

The Court decreed, that from the Time of the Defendant's Entry, which was in 1675, he should be allowed Interest but after the Rate of 6 *l. per Cent.* But thought not fit to give the Plaintiff any Relief, as touching the 8 *l. per Cent.* that had been paid from 1660, until 1675.

Peacock versus Spooner.

A Term for Years was assigned in Trust, that Baron and Feme might receive the Profits during their Lives, and the Life of the longer Liver of them, and after their Death to the Heirs of the Body of the Wife to be begotten by the Husband.

the Body of the Feme by the Baron. If the whole Term vests in the Feme, or shall go to her Body. *Post.* Case 178.

Case 38.
Lord Chancellor.
Martis 8 die Maii.

Term assigned in Trust for Baron and Feme for their Lives, Remainder to the Heirs of the Heir of

The Counsel for the Plaintiff to support the Remainder, would have the Words (*Heirs of the Body*) to be taken to be Words of Purchase or Description, and not of Limitation: But *per Cur.* the whole Interest of the Term vested in the Wife, and must go to her Executors or Administrators.

White versus White.

THIS Cause was heard the 25th of January last, and came now to be re-heard. The Case was, a Man by his Will devised several particular Legacies subject to particular Charges thereon, and gave the Surplus of his personal Estate to his Wife: The Bill was brought by the Heir to have the personal Estate applied in Ease of the real Estate: And the Court decreed the personal Estate to be so applied.

Case 39.
Eodem die.
In Court, Lord Chancellor.

Personal Estate applied in ease of the Real against a residuary Legatee.

Per Cur. It is not yet settled, whether the Heir shall not have the personal Estate so applied, even against a Legatee of a Sum of Money.

Cafe 40.
Lord Chancellor.

Mecur' 9 die Maii.

The Heir claiming under a voluntary Settlement sells the Land. If the Money in the Hands of the Purchaser shall be Affsets to

Sagitary versus Hide.

THE Plaintiff is a Creditor by Bond to J. S. who settled his real Estate on his Wife for Life, Remainder to one *Middleton* in Tail, (who happened afterwards to be Heir at Law) with Power of Revocation; and *Middleton* sold to the Defendant *Hide*, who had Part of his Purchase-Money in his Hands, out of which the Plaintiff sought to be satisfied his Debt.

For the Plaintiff it was insisted, that the Settlement was fraudulent, and that the Estate ought to be Affsets, and made liable to the Plaintiff's Debt; and cited *Lenthal's* Case in *B. R.* in Debt upon a Recognisance forfeited by Reason of an Escape: A voluntary Settlement made thirty Years before the Escape, was adjudged to be fraudulent.

Per Cur. Every voluntary Conveyance is not therefore fraudulent; but a voluntary Conveyance, if there was a reasonable Cause for the making of it, may be good and valid, even against a Creditor: And here the Defendant *Hide* before his Purchase had Notice, that there was a Bond; but there was no Original filed, and before the Commencement of the Suit, he had covenanted to pay the Residue of his Purchase-Money, and the Court thereupon inclined to dismiss the Plaintiff's Bill.

Musgrave versus Dashwood.

Cafe 41.
*In Court, Ven-
neis 11 Maii.*

THE Cafe was, that a Copyholder for Life, where by the Custom of the Manor there is a Widow's Estate, agrees that J. S. should hold and enjoy during his Life, and the Widowhood of such Woman, as he should leave at his Death, and enters into Bond for that Purpose, and to surrender on Request.

A Copyhold-
er for Life,
where by the
Custom there
is a Widow's
Estate, a-
grees to sell,
and dies.
His Widow
not bound by
this Agree-
ment.

The Bill was brought against the Widow, to have this Agreement performed. *Post. Cafe 56.*

In the Arguing of this Cafe was cited the Cafe of *Twiford* and *Warcup*, where a Man covenanted, that his Estate was free from Incumbrances, except an Estate for Life that was thereon; by the Custom of the Manor, of which the Estate was held, the Widow of the Tenant for Life, was to hold during her Widowhood; and it so fell out that the Tenant for Life left a Widow, yet this was adjudged to be no Breach of the Covenant. And the Cafe of *Newberry* and *Wigorn* was cited, where a Man was admitted to a Copyhold Estate in Trust for J. S. and the Question that arose thereupon was, Whether the Widow of the Trustee did not come in paramount the Trust, and should enjoy her Widow's Estate, and the Court at Law was divided upon it: But in the principal Cafe, the Plaintiff was defective in his Title, being he had not taken out Letters of Administration to J. S. and so the Court delivered not any Opinion in the Cafe.

Case 42.

Eodem die, in
Court.*Niccol versus Wiseman.*

Where there
is a Plea and
Answer, and
the Plaintiff
replies; the
Replication
must be to the
Answer, as
well as the
Plea.

THE Cause came on to be heard the last Term, and then the Plaintiff had replied to the Plea only, and not to the Answer; and the Court thereupon made an Order that the Plaintiff should file a Replication to the Answer, *nunc pro tunc*, and that the Cause should be heard this Term: And the Plaintiff now set down the Cause for hearing again, without having given Rules for Publication, and had also amended his Bill, and had not new served the Defendants to answer, so the Cause was again put off as coming on irregularly.

Case 43.

In Court, Lord
Chancellor.Sabbati 12 die
Maii.*Buxton versus Hutchinson.*

Tithe-Oar
not due, but
by particular
Custom.

THE Plaintiff's Bill was to be relieved for Tithe-Oar in *Brassington*, a Township within the Rectory of *Blackborne* in the County of *Derby*.

Per Cur. Tithe-Oar is not due of Common Right, but by particular Custom only: And the Court therefore directed a Trial to be had at Law, whether there was any, and what Custom within the said Township for the Payment of Tithe-Oar, with Direction to the Judge to endorse the *Postea*, how the Custom was found upon the Trial.

Case 44.

In Court, Lord
Chancellor.Mercurii 16 die
Maii.*Saunders versus Browne.*

Money devi-
sed to be laid
out in Land,
and settled
on the Chil-
dren of J. S.

Land is purchased and settled on them and their Heirs, and one dies. Decreed the Land should not survive.

THE Case was, that J. S. by his Will directed two Hundred and forty Pounds to be laid out in the Purchase of Lands, to be settled on *Mary* and the Heirs of her

her Body; and if ſhe died without Iſſue, then on the Children of *Elizabeth*, which ſhe ſhould leave behind her: *Mary* died without Iſſue before any Purchase had; afterwards the Truſtees lay out the Money in a Purchase, and convey the Lands to the two Children of *Elizabeth*, and their Heirs, who ſo held for ſeveral Years, and then one of them dies, the ſingle Queſtion was, whether the Moiety of the dead Child ſhould ſurvive.

Per Cur. decreed that it ſhould not ſurvive.

Biffell & ux' verſus Axtell & al'.

Cafe 45.
In Court, Lord
Chancellor.
Lune 14
Maii.

THE Widow in the Spiritual Court ſet up a *Procurator* for her Children the Infants, and gets her Account paſſed there, and each Child's Proportion aſcertained, and Diſtribution decreed, and on giving new Security, got the old Security diſcharged.

An Account
decreed of
an Intestate's
personal E-
ſtate, not-
withſtanding
an Account
before taken,
and a Diſtri-
bution de-
creed in the
Spiritual
Court.

The Court, without Regard had to the Proceedings of the Spiritual Court, decreed an Account of the whole Eſtate.

Chomley verſus Chomley.

Cafe 46.
In Court, Lord
Chancellor.
Veneris 18 die
Maii.

BY Articles made on the Marriage of Mr. *Nath. Chomley*, with the Daughter and only Child of Sir *Hugh Chomley*; Mr. *Chomley* covenants to lay out *forty Thouſand Pounds* in Land, and to ſettle *one Thouſand Pounds per Ann.* thereof in Jointure, which was to be in Lieu of Dower, and all Demands out of his perſonal Eſtate; with a Covenant that ſhe would not claim any Part thereof, and to ſettle the Whole on the firſt and other Sons of that Marriage in Tail Male: Sir *Hugh* on his Part covenants to give in Marriage with his Daughter *five Thouſand Pounds* down,

Poſt. Cafe 78.

down, and 5000 l. at his Death, and to settle his whole Estate on the Issue Male of this Marriage, if there should be any; provided, that Sir *Hugh* with the Consent of *Nathaniel*, might alter, change and make void the Uses, &c. in the Articles.

Sir *Hugh* was greatly indebted to the full Value of his Estate, and unable to perform the Articles on his Part: But *Nathaniel* in his Life-time purchased Land of the Value of *one Thousand and fifty Pounds per Ann.* and settled a Jointure according to the Articles, and afterwards died within the Province of *York*, being also a Freeman of the City of *London*, and possessed of a personal Estate of the Value of about *twenty Thousand Pounds*, and left Issue two Sons and a Daughter.

The Plaintiff his Brother being his Executor, brought his Bill for the Direction of the Court, how, and in what Manner, the personal Estate should be disposed of.

The *first Question* was touching the Proviso for changing and altering the Articles; whether that should be intended only as to the Estate that Sir *Hugh* was to settle: For if the Proviso did not extend to both Estates, but should be taken to relate to Sir *Hugh's* only, then the Covenant of Mr. *Nathaniel Cholmley* for laying out *forty Thousand Pounds* in Land, would swallow up his whole Estate, and there would be nothing left for the younger Children.

Secondly, admitting that the Articles were not binding, but were avoided pursuant to the Proviso, then if the Custom of the Province of *York* was to take Place, there being about *fifty Pounds per Ann.* in Possession descended on the Heir, he was thereby excluded from having any Part or Share of the personal Estate.

As to this Point, the Court was clear of Opinion, that *Nathaniel Chomley* being a Freeman of the City of *London*, the Custom of the City for the Distribution of his personal Estate should prevail and controul the Custom of the Province of *York*.

A Freeman of *London* dies within the Province of *York*. The Custom of *London* in the Distribution of his personal Estate,

shall controul the Custom of the Province of *York*

The *third Question* was, whether the Widow, who by the Articles was to have no Part of her Husband's personal Estate, more than what he should leave her by his Will (and he had thereby given her 1000*l.*) should have the Jewels, which her Husband had presented her with in his Life-time; and it was urged there was the less Reason to allow her them, in Regard her Portion was never paid.

The Court referred it to a Master to state the whole Matter specially to the Court.

Dullwich College versus Johnson.

Case 47.
In Court, Lord Chancellor.
Fovis, 17 die *Maii*.

THE Plaintiff's Bill was for a Discovery of a personal Estate, that was devised to Charities relating to the College. The Defendant pleaded that the Will was not yet proved, but was controverted in the Spiritual Court.

A Bill may be brought against an Executor for Discovery of the personal Estate, before the Will is proved, or

during the Litigation thereof in the Spiritual Court.

The Court over-ruled the Plea, a Discovery of the Estate being for the Benefit of all Persons interested therein, and necessary for the Preservation thereof: And Discoveries have often been ordered to be made *pendente lite* in the Spiritual Court.

Bunce versus Phillips.

Cafe 48.
Eodem die.

One claim-
ing under a
voluntary
Conveyance
from Tenant
in Tail, not
compellable
by the Issue
in Tail to
discover the Deed of Entail.

THE Bill was to discover an antient Deed of Entail alledged to be in the Defendant's Hands; the Defendant pleaded Conveyances made to himself of the Estate in Question; so that, if any such Entail there was, the same was discontinued.

The Court allowed the Plea; and said they would not aid the Issue in Tail against a Discontinuance, tho' by a voluntary Conveyance.

Vid. ante, Ca. 26, 28.

Cafe 49.
*Lord Chancellor,
Sabbati,
18 Maii.*

Crook versus Brooking.

Money be-
queathed to
A. for Life,
and if she
died in the
Life of her
Husband, to
go to the
Children of
her Sister B.
in such
Shares as A.
should ad-
vise. Some
of the Chil-

THE Cafe was, that one *Mallock* had devised *one Thousand five Hundred Pounds* by his Will to *Simon* and *Joseph Snow*, to be by them disposed of on such secret Trust as he had privately revealed to *Simon*; and directed, that the Execution of the Trust should be left wholly to them, so that in Cafe they should break their Trust, yet they should not be questioned for the same either in Law, or Equity.

Children of B. die leaving Issue, and then A. dies in the Life of her Husband, making no Appointment Decreed the Money to be distributed amongst the Children of B. and their Representatives *per Stirpes*, and not *per Capita*.

Simon in a Letter wrote by him to *Joseph*, reciting, that the Testator had by his Will devised such Legacy as afore-said, declares, that the Intent of the Testator was, that they should out of the Profits of the *one Thousand five Hundred Pounds*, maintain the Testator's Daughter, who was married to one *Crem*; and in Cafe she should survive her Husband, she to have the whole Money at her own free and absolute Disposol; but in Cafe she died in the Life-

time

time of her Husband, then the *one Thousand five Hundred Pounds* to go to the Children of his Daughter *Leach*, in such Shares and Proportions, as *Anne Crew* should advise.

Anne Crew died in the Life-time of her Husband, and made no Appointment.

At the Death of *Anne Crew*, many of *Leach's* Children were dead; some with Issue, and some without Issue.

It was agreed, that the Trust was well and sufficiently declared by the Letter, which *Simon Snow* wrote to *Joseph*, but the Doubt was, in what Shares and Proportions the Money should be distributed, and who should be let into a Share thereof.

Per Cur. The Money shall be distributed amongst all the Children of *Leach* and their Representatives *per Stirpes*, and not *per Capita*; and that without Regard had to the Administrator of any dead Child.

It was objected by the Counsel, that if *Anne Crew* herself had been living to have made an Appointment, she must have distributed it amongst the Children then living, and could not have given any Part thereof to the Child of one that was dead. *Sed non allocat' per Cur'.*

Cafe 50. *Baden & al.* Creditors of }
Philip late Earl of Pem- Plaintiffs.
broke, }

Lun 21 Maii, The Earl of *Pembroke,*
In Court, Lord Countess Dowager of
Chancellor, *Pembroke,* Domina *Char-*
Master of the *letta Herbert,* sole Daugh- } Defendants.
Rolls, Justice *ter and Heir of Philip*
Lutwich, and *late Earl of Pembroke &*
Justice Pow- *al,* }

Post. Cafe THIS Cause coming now before the Court upon a
196. Cafe stated by Dr. *Edisbury* for the Judgment of
A. on his the Court, how far the several Terms for Years after
Marriage de- mentioned should be Assets, and liable to Debts by simple
mitises Lands to B. who re-
to B. who re- demises them
to A. for a Contract: The Master certified, that *Philip* late Earl of
lesser Term, *Pembroke* being seised in Fee of the Manors and Lands
paying a after mentioned in Consideration of the Marriage then
Pepper-Corn intended to be had betwixt him and the now Countess
Rent during Dowager of *Pembroke,* and of *ten Thousand* Pounds, which
the Life of A. he then received as a Portion with her, and in Pursuance
and after his and Performance of certain Articles of Agreement made
Death an an- before the Marriage, whereby the said Earl covenanted
ual Sum for and agreed to charge his Estate in *Glamorganshire* with the
the Life of Payment of a Rent or Annuity of *one Thousand and three*
his Wife for *Hundred Pounds per Ann.* to the said Countess for her Life,
her Jointure, and for Performance of those Articles, became bound to
and a Pep- the Earl of *Sunderland,* in a Statute-Staple of the Penalty
per-Corn for of *twenty Thousands* Pounds; and the said late Earl having
the Remain- agreed to make up the *one Thousand three Hundred Pounds,*
der of the *one Thousand five Hundred Pounds per Ann.* did, by Indenture
Term. A. dated 1 *Octob.* (75.) made between the said late Earl and
dies indebt- the
ed, the re- the
demised the
Term shall the
not be Assets the
to pay any the
Debts, but the
what affect the
the Inheri- the
tance, the the
Term rede- the
mised being the
raised for a the
particular the
Purpose. the

the said Countess of the one Part, and the said Earl of *Sunderland* and Lord *Godolphin* of the other Part, grant Bargain, sell and demise to the said Earl of *Sunderland* and Lord *Godolphin* their Executors and Administrators, all his Honours, Manors, &c. in *Glamorganshire* for *Ninety-nine* Years under the Rent of a Pepper-corn: But upon Trust that they should redemise the Premises in Manner after mentioned; and accordingly the said Earl of *Sunderland* and Lord *Godolphin*, by their Indenture of Redemise bearing Date the second Day of the said *October*, made between them of the one Part, and the said Earl of *Pembroke* of the other Part, did in Pursuance and Performance of their said Trust, and for five Shillings in Money, regrant the said Premises so demised, to the said Earl *Philip*: To hold to him, his Executors, Administrators and Assigns for *Ninety-eight* Years and *eleven* Months, reserving the Rent of a Pepper-corn only, during the Life of the said Earl, and after his Decease a Rent of *one Thousand five Hundred Pounds per Ann.* by half yearly Payments, during the Life of the Countess, as a Jointure for her; and after her Death a Pepper-corn during the Residue of the Term, with a Covenant for Payment of the Rent, and a Clause of Re-entry in Case of any Default in Payment. And the Master in like Manner stated several other Securities that had been made by Way of Demise and Redemise; and certified, that the Bond-Debts of the late Earl amounted unto *nine Thousand Pounds*, and that the Book-Debts, and Debts by simple Contract amounted unto *eighteen Thousand two Hundred Pounds*; and that the personal Estate was not above *six Thousand Pounds*; and therefore submitted it to the Court, whether the Terms redemised to the said late Earl should be liable to those Debts; which was the single Point that came now before the Court in Judgment.

Mr. *Pollexfen* and others of Counsel with the Plaintiffs, the Creditors, argued that the Estate and Interest, which Earl *Philip* had by the Redemise, was purely a Chattel
P Interest.

Interest; it would in Law have passed by Grant; been forfeited as any other Chattel-term would have been, and might have been taken in Execution upon a *Fi. fac.* And as to the Objection that is made that a Term abstracted out of the Inheritance for a particular Purpose is not to be Affets, as other Terms for Years would be, he said there was no such Rule in Law; nor that a Term should be attendant on the Inheritance, or should cease, when a particular Purpose was answered: And if a Term be raised for a particular Purpose, and then to cease, it must be so expressed in the Deed it self; and no foreign Implication will serve for that Purpose; and to that Effect cited the Case of *Co. 1 Rep. fol. 87.* and to make such Construction in this Case must be not only by an Averment foreign to the Deed, but likewise contrary to the express Statutes, as the Statute of *Westm. 2.* and the Statute of *Acton Burnel*, by which Terms for Years are liable to be taken in Execution upon a *Fi. fac.* and he saw no Reason why the Term after the Death of the Earl was not as subject to a *Fi. fac.* as it was in his Life-time: And there is no Question, but that in his Life-time the Term might have been sold by the Sheriff by a *Fi. fac.* subject to the Payment of *one Thousand five Hundred Pounds per Ann.* was the Case here between the Heir and the Executor, there might be some Colour for Equity to interpose; but Equity ought to favour Creditors, and the Payment of their Debts, and has therefore in many Cases enlarged Affets, and made that Affets that would not have been so at Law; but never abridged the Affets in Prejudice of Creditors; and cited *Tooke's Case* in the Lord *Nottingham's* Time; where a Man had a Lease for three Lives, to him and his Heirs from the Church, and mortgaged this Lease for *Ninety-nine* Years, if the three Lives should so long live, and died, the Mortgage being forfeited: And there the Court decreed this mortgaged Term, which would not have been Affets at Law, to be sold for the Payment of Debts. If a Man purchases an Estate and takes an Assignment of a Term

A. having a Lease for three Lives mortgages it for 99 Years, if the three Lives lived so long, and died after the Mortgage was forfeited. The mortgaged Term, tho' not Affets at Law, decreed to be sold for Payment of Debts.

Term thereon to himself, and takes the Conveyance of the Inheritance in the Name of Trustees, it was never pretended, but that the Term should be Assets: And so if a Man seized in Fee makes a Mortgage for Ninety-^{Vol. 1. Case 188.} nine Years, the Equity of Redemption has always in this Court been adjudged Assets, and he saw no Reason why the altering the Security, and making it by Way of Demise and Redemise, should vary the Case; and as to the Case of *Lawrence and Beverly* upon a special Verdict by the Direction of the Lord Chief Justice *Hale*, *Pasch.* ^{2 Keb. 841.} 23 Car. 2. where upon the Marriage of *Jane Chaire*, the Wife of *Albion Chaire*, with *Oliver Beverly*, by Articles made on the Marriage it was recited, that *Albion* stood bound to his Sister *Jane* for Payment of *one Thousand Pounds* at her Marriage or 21, and reciting a Marriage was then intended, by which the Money would become payable to the Husband; *Oliver Beverly* therefore covenants with *Albion Chaire*, that he should have a Twelve-Month's Time for Payment of the Money, paying Interest in the mean Time: And *Albion Chaire* covenants to pay Interest in the mean Time, and at the Year's End to pay the Principal; to the Intent it might be laid out in a Purchase, to be settled upon *Oliver* and *Jane*, and the Heirs of their two Bodies, Remainder to the right Heirs of *Oliver*: And *Oliver* covenanted that the Money within one Month after Payment of it, should be laid out accordingly. The Marriage was had; *Oliver Beverly* dies, and *Jane* survives; they had Issue *Mary* their Daughter, who was also dead without Issue. After the Death of *Oliver*, *Jane* received *three Hundred Pounds* for Interest, and the *Thousand Pounds* remained in the Hands of *Albion* unpaid. In an Action brought by *Samuel Lawrence*, who was Creditor by Bond to *Oliver Beverly*, against the said *Jane Beverly* as Executrix to her Husband; all this Matter was found specially by the Jury, by the Direction of the Lord Chief Justice *Hale*: And whether the *three Hundred Pounds* received by *Jane* for Interest were Assets or no, the Jury doubted, and *per' advisament' Cur', &c.* and after several Arguments,

ments, Judgment was given *Quod quer' nil' capiat per billam*. It was observed that the original Security for the *Thousand Pounds* Portion was a Bond to the Wife, and so was a *Chose in Action*, and survived to her; and there was only a mutual Covenant between the Husband and *Albion Chaire*, that the Money should be paid, and laid out in Land to be settled to those Uses: And insisted that here was no Equity against the Creditors, and that the Court had never in any Case taken the Benefit from the Creditors of that, which was Assets at Law; and concluded with the Rule taken by *Littleton* upon the Statute of *Merton*, viz. *That which never was, never ought to be*.

Mr. *Keck* argued for the Defendant the Lady *Charletta Herbert*, the sole Daughter and Heiress at Law to Earl *Philip*, that the Articles in this Case shewed the Intent of the Parties was only for securing the *one Thousand five Hundred Pounds per Ann.* and suppose the Matter had rested upon the Articles, and a Bill had been brought to compel a Performance of those Articles, and the Court had decreed a Security by Way of Demise and Redemise, which had been made accordingly, and then Earl *Philip* had died indebted, as in this Case; I take it the Court would never have suffered the Redemised Term to have been made Assets, or any Advantage to be taken thereof, save only for securing the *one Thousand five Pounds per Ann.* and so it was resolved in the Case of *Goodrick* and *Browne*, where a Fine was levied pursuant to a Decree of this Court for a particular Purpose, and the Court would not permit any Advantage to be taken of that Fine, for letting in of other Debts or Incumbrances. Now in the principal Case the Parties had only done that voluntarily, which they might by Decree have been compelled to have done; and their Intent by these Articles as fully appeared to be only for securing the *one Thousand five Hundred Pounds per Ann.* as it could have done, had there been a Decree to have governed it. And this Court has in some Cases abridged even Creditors of the Advantages they had at Law, and made that,

Where a Fine is levied for a particular Purpose, pursuant to a Decree, the Court will not permit any other Use to be made of that Fine.

that, not to be Affets, which was Affets at Law: As in the Case of *Holt and Holt*, where an Executor had entered into a Recognisance for the Payment of Debts and Legacies, and the Testator's Estate, that consisted in Houses in *London*, was afterwards destroyed by the Fire, the Court in that Case, by Reason of that casual Loss, would not suffer that Recognisance to run upon the Executors, nor any Advantage to be taken thereof, further than the Executors had Affets in their Hands; and the Case of *Jones and Bradsham*, *Pasch.* 1661, where an Executor had paid Money pursuant to a Decree of this Court, and upon a *Plene adm'* they would not permit him to give that Payment in Evidence at Law, the Court decreed that it should be allowed, and referred the Matter to an Account in this Court: And the Case of *Doufe and Persivall*, Vol. 1. Case 92. first heard by the Lord *Nottingham*, and reheard by Lord *Guildford*, where a Man purchased an Estate of Inheritance, on which there was a Term for Years in Being, and took the Assignment thereof in his own Name, in that Case the Court decreed, that this Term, though in himself, should not be looked upon as Part of his personal Estate, so as to be subject or liable to the Custom of the City of *London*. Which Cases shew, that the Court has in all Times exercised a Jurisdiction, and interposed in Cases of this Nature; and the Intent of the Parties in the principal Case by the Demise and Redemise, which is now become a common Conveyance, was only to secure the *one Thousand five Hundred Pounds per Ann.* which being done, it was reasonable, that the Estate should fall again into the Inheritance: And the Inconvenience would be very great, should this Term by the Redemise be made personal Affets.

The Judges, Mr. Justice *Powell*, and Mr. Justice *Lutwich*, only declared their Opinions, (to wit) that the Demise and Redemise being made purely for the particular Purpose of securing the *one Thousand five Hundred Pounds per Ann.* and that End being answered, they thought no

Q

further

further Advantage ought to be taken of that Conveyance; and that the Redemised Term ought not to be liable to Debts, save only to Debts by Bond; as the Inheritance would have been, in Case there had been no Term for Years.

The Master of the *Rolls* agreed with the Judges in Opinion, and said, he thought the Case of *Lawrence* and *Beverly* fully governed this Case; and the like Judgment has been since given in this Court in the Case of *Whitwick* and *Fermin*, where Money by a Marriage-Agreement was to be laid out in Land, the Court would not let that Money, as personal Assets, be liable to other Debts: And said, that all Deeds were but in the Nature of Contracts, and the Intention of the Parties reduced into Writing, and the Intention was to be chiefly regarded. In an Act of Parliament, the Intention appearing in the Preamble, shall controul the Letter of the Law; and the Articles in this Case as much shew the Intention of the Parties, as a Preamble can that of an Act of Parliament; And from the Regard that the Law it self gives to the Intention of the Party, it is, that where there is a Fine by Way of Render, there shall be no Dower: And so a Rent or Recognisance shall not be extinguished by levying a Fine to the Party. That the Court did, and often might, controul legal Titles; and instanced in the Case of Sir *John Fagg* in the *Exchequer*, who making a Title by an old dormant Security, the Court there directed that if the Jury should find the Money thereby secured was satisfied, they should find against his Title; though it was a Title still in Law; he thought therefore the Intention of the Parties ought to govern this Case, and that there would ensue a great and general Inconvenience, should Terms by Redemise be made personal Assets.

The Lord *Chancellor* was clear in it, that this Term redemised ought not to be made personal Assets, nor be otherwise liable to any of the Debts of Earl *Philip*,
5 than

than the Inheritance was (to wit) to Bond-Debts, or Debts of a superior Nature: And therefore he agreed intirely with the *Judges* and the *Master* of the *Rolls*, and was glad to find them concur so unanimously with him in Opinion, and he declared, that Mr. Justice *Thomas Powell*, who had been likewise attended with a Case, and was to have delivered his opinion in this Matter, (but was removed from being a Judge) had been with his Lordship, and had declared his Opinion was, that the redemised Term ought not to be any further Affets, or liable to Debts, than the Inheritance would have been.

Smith versus Clever & al'.

Case 51.
*Master of the
Rolls.*

THE *Master* of the *Rolls* having heard several Arguments in this Case, took Time to consider thereof, and this Day delivered his Opinion therein: That he took the Question to be, not so much how far a personal Chattel might be devised over, as how far the Use of Money may be limited and devised over. The first Authority I meet with in this Case, is in *H. Eighth's* Time in *Brook's* Cases 388. where the Occupation of Goods is devised to one, the Remainder over; the Remainder is accounted good. And the Case of the Lord *Hastings* versus *Douglass*, *Cro. Car.* and in the Case 37 *H. 6.* there cited, ^{Fol. 343.} by which it appears the Law is clear, that the Devise of the Use and Occupation of Goods vests not an absolute Property thereof in the first Devisee, but that a Limitation of them over is good. Now by the Devise in Question, I take it, that the Money it self is not devised, but only the Interest of it: As to the Objection, that the Devise of a personal Estate in Tail, Remainder over is a Perpetuity, and void; and so was adjudged in the Case of *Boucher* and *Antram*, 14 Nov. 23 *Car. 2.* that is not any Thing like the principal Case: For here Money is not devised, but only the Use of it. But the Case I most princi-

21 *Maii* 1688.
Ant. Case 35.

An Estate by
Implication
cannot be
against the
plain Intent
of the Party
expressed in
his Will.

principally depend on, is *Rachel's Case*, where Chattels were devised to the Wife for Life, &c. and if she were with Child, then to that Child; if that Child died without Issue, the Remainder over to the Grandson. The Wife had no Child: And it was in that Case resolved, that the Remainder over was good; as likewise it would, if there had been a Child, and *that* Child had died without Issue; and cited the Case of *Wood and Saunders*, 21 Car. 2. And as to the Objection that had been made by the Plaintiff's Counsel, that the Interest being given to *Anne Smith* for Life, and if she died without Issue, then the Remainder over, &c. implies an Estate-Tail both in Principal and Interest, he said an Implication cannot be against the plain Intent of the Party expressed in his Will: And in this Case the Testatrix had carefully distinguished between Principal and Interest; and nothing passed, but barely the Use, until she comes to the Remainder over, and then she devises the Principal. And he mentioned the Rule taken in *Matthew Manning's Case*, that the Intention of the Party in his Will ought to be observed, as far as may consist with the Rules of Law; and cited the Case of *Oakes and Chaffon*, as an Authority in Point; and declared, as this Will was penned, the Remainder was good; and therefore decreed the Money should go according to the Will; but with this, that in Case there should be Issue of *Anne Smith*, the Issue should have the absolute and intire Interest in the Money.

Note, It was objected that the Devise of the Use or Interest of Money passes the Money it self, as a Devise of the Profits of a Term carries the Term: And as to the main Point, the Case of *Love and Windham* was cited as an Authority with the Plaintiffs.

Baker versus Child.

Cafe 52.
In Court,
Martis, 22 die
Maii.

PER Cur. Where a Feme Covert, by Agreement made with her Husband, is to surrender, or levy a Fine; though the Husband die before it be done, the Court will by Decree compel the Woman to perform the Agreement. Where a Feme Covert agrees to join with her Husband in making a Surrender, or levying a Fine, and he dies before it is done, Equity will compel her to perform the Agreement.

Bachelor versus Bean.

Cafe 53.
Eodem die.
Lord Chancellor.

THE Bill was brought by the Heir for an Account of his Father's personal Estate, and to have it applied in Ease and Exoneration of the real Estate, and was brought against the second Husband, who married the Plaintiff's Father's Widow and Executrix. A Man marries an Executrix. He shall answer for so much of the personal Estate, as she possessed, though he took it as a Portion with her.

Upon Exceptions to a Master's Report the Court declared, that the Husband, who had married the Widow and Executrix of her former Husband, should be answerable for so much of the former Husband's personal Estate as she had possessed; and that, although he took it as a Portion with the Widow: And this in Favour of the Heir, though there were no Creditors concerned in this Cafe.

Sawley versus Gower.

Cafe 54.
Lord Chancellor.
Veneris, 25 die
Maii.

PER Cur. The Equity of Redemption of an Inheritance is not Affets at Law, because the Estate is forfeited; but the Heir having a Right in Equity, that **R**ought **An Equity of Redemption of a Mortgage in Fee is not Affets at Law, but is**
so in Equity; and if aliened or released by the Heir, he shall be answerable for the Value.

ought in Equity to be liable to satisfy a Bond-Debt ; and if the Heir hath aliened or released his Equity of Redemption to prevent the Creditors of the Satisfaction of their Debts, this Court will follow the Money in the Hands of the Heir or his Executor.

Legal Assets shall be applied in a Course of Administration; but equitable Assets amongst all the Creditors proportionably. After a Bill brought by Creditors against the Executor, and the rest of the Creditors, the Executor cannot by confessing a Judgment, or suffering Judgment to go by Default, prefer one Creditor before another.

Where Creditors are Plaintiffs, the usual Decree is that the Debts shall be paid in Course of Administration ; but that is to be intended of legal Assets, and not of Assets in Equity, that are not Assets at Law : And in the Case of *Parker and Dee*, where Creditors come with a Bill and make the Executor, and all the Rest of the Creditors Parties, the Executor shall not have Power by the confessing of a Judgment, or by suffering Judgment to pass by Default, after the Bill exhibited to prefer one Creditor before another ; but there all the Creditors in equal Degree shall be paid in Proportion.

Whether an Heir being a Creditor by Bond or Judgment may retain, as well as the Executor may.

Where an Heir by Bond or Judgment is a Creditor, *Quære*, if he shall not retain : The Reason being the same in the Case of an Heir, as it is of an Executor, for neither can sue himself.

Case 55.
Eodem die,
in Court.

Saunders versus Beale.

AN Inheritrix carves out a Term for *one Thousand* Years to Trustees, the Trust whereof was declared by the Woman and her intended Husband to be for the Husband for Life, and after his Death, to the Wife and her Heirs : Afterwards the Husband and Wife by *Fine sur concess.* grant a Term of *Twenty-one* Years, reserving the Rent to the Husband and Wife, and the Heirs of the Wife ; and the Bill was now brought by the Administra-

tor of the Wife to have the Benefit of the Rent preferred; but the Court dismissed the Bill.

Note, my Lord *Cook* is express, that the Disposition of Part of the Term by the Husband, which he hath in Right of his Wife, is not a Disposition of the Whole. *Vide Co. Lit. fol. 46. B.* if the Husband possessed of a Term for forty Years in Right of his Wife, make a Lease for twenty Years reserving Rent, the Wife shall have the Residue of the Term; but the Executors of the Husband the Rent.

Musgrave versus Dashwood.

Cafe 56.
Eodem die,
in Court.

THE Cafe was, that a Copyholder for Life, where *Ant. Cafe 41.* there was a Widow's Estate by Custom, agrees to sell his Estate, and enters into Bond, that the Purchaser should enjoy.

The Bill was brought by the Purchaser against the Widow to bind her by this Agreement. But the Court dismissed the Bill with Costs, for if such Contracts for Copyholds should be decreed, all Lords would be defrauded of their Fines, &c. and put the Cafe, if a Joint-tenant agrees to alien and does it not, but dies, it would be a strange Decree to compel the Survivor to perform the Agreement. Agreement by one Joint-tenant to sell does not bind the Survivor.

D E

Term. S. Trinitatis,

1688.

In Court, Veneris, 22 die Junii.

IN CURIA CANCELLARIÆ.

Cafe 57.

Therman verſus Abell.

A Tradeſman turns away his Apprentice for Negligence and Miſdemeanors. Decreed to refund Part of the Money he had with him.

Vide Vol. 1. Cafe 437.

THE Defendant being an Apothecary, the Plaintiff put his Son to him as an Apprentice, and gave with him a Sum of Money, and allowed the Youth ten Pounds *per Ann.* for his Cloaths: The Defendant having put away his Apprentice after he had lived ſome Time with him, by Reaſon of Negligence and Miſdemeanors laid to his Charge, the Court decreed the Maſter to refund 30*l.* of the Money; and the rather, becauſe the Indentures were not inrolled, ſo as the Matter was not properly cognifiable before the *Chamberlain of London.*

Cafe 58.

In Court, Lord Chancellor.

Rutland verſus Molineux.

A Feme Covert agrees to ſell her Inheritance, ſo as ſhe might have two Hundred Pounds of the Money ſecured to her: The Land is ſold, and the Money put out in a Truſtee's Name accordingly. The Bill was brought by a Creditor of the Husband's, to ſubject

put into Truſtees Hands. This Money not liable to the Husband's Debts, though ſhe afterwards agreed it ſhould be ſo.

subject this Money to the Payment of his Debt; and charges that the Wife promised and agreed it should be liable thereunto.

Per Cur. This Money shall not be liable to the Payment of any of the Husband's Debts, nor shall any Promise made by the Wife for that Purpose, subsequent to the first original Agreement, be obliging on that Behalf.

Coates versus Needham & al'.

Cafe 59.
Eodem die,
Lord Chancellor.

J S. being seised in Fee, devises all his Lands in *Sutton* to Trustees and their Heirs, in Trust that they should apply the Profits thereof until his Son (who was then but *two* Years old) should attain *Twenty-one*, in Manner therein after directed, *viz.* as to one Third Part thereof to his Wife in Lieu and Satisfaction of Dower; the other two Thirds for Payment of his Debts, and afterwards to and for other Uses, Intents and Purposes in his Will mentioned. The Trustees from Time to Time receive the Profits and pay the Widow her Thirds; but the Proof was various, whether she took it as for her Dower, or as devised unto her by the Will. The Widow dies, and then the Son dies. The Plaintiff who had married the Widow, and was her Administrator, preferred this Bill to have the Benefit of this Devise of a Third of the Profits, until the Son might have attained *Twenty-one* Years. The Defendants insisted the Widow had never declared her Acceptance of the Devise, nor done any Thing that would bar her of her Dower; but on the contrary often declared she would bring her *Writ of Dower*, so that in Case she had lived longer than such Time, as the Son would have attained *Twenty-one*, she might have waived the Devise, and insisted on her Dower.

A. devises Lands in Trust to pay one 3d of the Rents to his Wife in Satisfaction of Dower, until his Son, then 2 Years old, attains 21. the Wife receives a 3d of the Rent from the Trustees, and dies, and afterwards the Son dies during his Infancy. The Administrator of the Wife shall have her 3d of the Rents till such Time as the Son might have attained 21.

Per Cur. There is no Doubt, but it is a good Devise of the Profits, until fuch Time as the Son might have attained his Age of *Twenty-one* Years, according to the Resolution in *Boraston's* Cafe; and her Acceptance of the Money from the Trustees was a fufficient Declaration of her Agreement to the Will, for it cannot be faid ſhe took it as Dower; for Dower muſt be of the Land it ſelf, into which it is not pretended ſhe ever entered, but accepted of a Third of the Rents and Profits from the Trustees: And therefore decreed the Plaintiff ſhould have a Third Part of the Profits until fuch Time, as the Son would have attained his Age of *Twenty-one* Years.

Cafe 60.
Eodem die, In
Court, Lord
Chancellor.

Aſcough verſus Joſhſon & ux', & al'.

A Purchaſer
or Mortga-
gee buying
in Incum-
brances for
leſs than is
due, ſhall
have the
Benefit
of the whole
Money due
thereon.
Vol. 1. Cafe
48, 330.

P*ER Cur.* Where a Purchaſer, or Mortgagee buys in Incumbrances to protect his Eſtate at Law, on Compoſitions, (to wit) Incumbrances on his purchaſed Lands and other Lands, he ſhall be allowed the full Money due on ſuch Incumbrances, and the ſame ſhall not by the Heir or Mortgagor, be redeemed without full Payment of all the Money due on ſuch Incumbrances, without Regard to the beneficial Bargains and Compoſitions made by ſuch Purchaſer.

Cafe 61.
Lord Chan-
cel-
lor, Luna,
2 die Julii.

Clerkſon verſus Bowyer & econ'.

THERE being a Mortgage made of a Copyhold in Fee for ſecuring an Annuity, the Heir of the Mortgagor is forecloſed, and a Release given to the Truſtee of the Mortgagee. The Bill after all was to be admitted to the Redemption: And it was inſiſted, that the Benefit of the Mortgage belonged to the Executor or Adminiſtrator of the Mortgagee, and not to his Heir; and therefore

therefore this Foreclosure could not be binding, the Administrator being no Party to it: And the Case of *Gobe and his Wife* against the Earl of *Carlisle*, was cited, where the Heir of the Mortgagee had foreclosed the Mortgagor, the Executor of the Mortgagee being no Party; and afterwards upon a Bill by the Executor against the Heir of the Mortgagee, and against the Mortgagor, the Land was decreed to the Executor.

The Heir of the Mortgagee forecloses the Mortgagor, the Executor being no Party. Upon a Bill by the Executor against the Heir of the Mortgagee and the

Mortgagor : The Land was decreed to the Executor.

But it was said *per Cur.* if the Executor or Administrator of the Mortgagee, should after this Foreclosure come against the Heir of the Mortgagee to have the Benefit of the Mortgage, the Heir might well say, I will pay you the Money, and take the Benefit of Foreclosure to my self, in Case the Land be worth more than the Money.

But if the Executor of the Mortgagee, after a Foreclosure by the Heir, brings a Bill to have the Benefit of the Mortgage, the Heir, if he thinks fit,

may take the Benefit of the Foreclosure to himself, paying the Executor the Mortgage-Money and Interest.

Kingdome versus Bridges.

Case 62.
Eodem die, in Court.

THE Case was, that the Plaintiff's late Husband purchased a *Walk* in a *Chase*, and took the Patent thus; *to wit*, to himself and his Wife, and one *Bridges* for their Lives, and the Life of the longest Liver of them. *Kingdome* died, and made the Defendant his Executor; the Plaintiff's Bill was to have the Benefit of this Purchase, and to have the Patent delivered to her. The Defendant by Answer set forth, that *Kingdom* died greatly indebted, and had not left sufficient Assets for Payment thereof, and submitted it to the Court, whether this Purchase ought not to be liable to the Payment of his Debts.

A. purchases a Walk in a Chase and takes the Patent to himself and to his Wife, and *J. S.* during their Lives, and the Life of the Survivor; the Husband dies indebted. The Wife decreed the Benefit of the Patent during her Life, though A.

had not left Assets to pay his Debts, but after her Death, *J. S.* to be a Trustee for the Executor.

Per

Per Cur. It shall be presumed to be intended as an Advancement and Provision for the Wife: The Wife cannot be a Trustee for the Husband: And therefore decreed, that the Plaintiff should enjoy the Benefit of the Patent during her Life, and after her Decease, in Case *Bridges* should survive her, to be a Trust for the Executor of the Husband, and applied towards the Payment of his Debts.

Case 63.
Lord Chancellor,
Martis,
3 die Julii.

Lister versus Lister & al.

Whether the
Wife's Porti-
on consisting
of Choses in
Action,
shall upon
the Hus-
band's Death
be liable to
his Debts,
the Husband
before his
Marriage ha-
ving made an
adequate
Jointure on
his Wife.

THE Bill was brought by the Creditors of the Husband against his Widow, and against his Sister, who was his Executrix, and a Friend to the Creditors, setting forth that upon the Marriage-Treaty the Defendant's Portion was represented to be of the Value of five Hundred Pounds, and thereupon the Husband expecting to receive such Portion as aforesaid with his Wife, agreed to settle on her a Jointure of *Forty-five* Pounds *per Ann.* and made a Settlement thereof accordingly. That the Defendant's Fortune being Part in Monies owing to her self on Bond, and the other Part in Lands of Inheritance, the Husband died before the Bonds were altered, or Money received, or before any Fine levied of the Wife's Inheritance, and died greatly indebted, and had little or no personal Estate besides the Monies to which he was intitled in the Right of his Wife as aforesaid, and notwithstanding the Defendant the Widow had a Jointure settled adequate to her Portion, yet she and the Executrix designing to defraud the Creditors, insisted that the Securities not being altered, and no Fine levied of the Land, the Right remained and survived in her, whereas the same ought in Equity to be made liable to the Husband's Debts.

The Defendant, the Widow, by Answer set forth, that the Jointure settled on her fell short in Value of what by the Marriage-Agreement it ought to have been, and insisted

ed on her Right to the Monies due on the Bonds, and to the Lands that were her own Inheritance.

Per Cur. The Defendant, the Widow, has the Title in Law to the Lands: Those were her own Inheritance; and the Securities remained unaltered, and being *Choses in Action*, the Benefit thereof was survived to her; so the Law has cast the Right upon her, and Equity cannot take it from her: And therefore dismissed the Bill. *Vide le Case de Twisden & Wyld.*

Arundell versus Phillpot.

Case 64.

THE Case was that Mrs. *Phillpot* in 1676, conveys and settles Part of her Estate on the Defendant, with a Power of Revocation on Payment or Tender of a Guinea, the Defendant having afterwards much disobliged her, she changes her Intentions, and by Deed and Will settles her Estate on the Plaintiff, (being the eldest Son of the Lord *Arundel*,) for Payment of some particular Charges and Appointments. In some of the subsequent Deeds there was some Provision made for the Defendant, which he accepted and sealed a Counter-part thereof, and the Bill was to discover whether the first Deed was not well and sufficiently revoked, or in Case the Revocation was not precise according to the Power, or was defective, yet to have it supplied in Equity, the Plaintiff taking the Estate charged with several Payments, &c. and so was in the Nature of a Purchaser, and therefore they ought to have the first Deed delivered up, and to have the Testimony of the Witnesses preserved, &c.

One makes a voluntary Settlement with Power of Revocation on Tender of a Guinea, and afterwards settles the same Lands to different Uses, but does not tender the Guinea. Whether this is a Revocation.

Per Cur. This Court may supply an informal or defective Revocation, but cannot make a Revocation where there is none. And therefore either prove a Tender of the Guinea, or that Mrs. *Phillpot* declared she intended to revoke the former Settlement, one or other of them shall

T be

be sufficient, though it hath not all the Formalities and Circumstances mentioned in the Power of Revocation, so it appear to be a sober solid Act, and done *animo Revocandi*, but that could not be made out. It was then insisted, that the subsequent Deed should be taken as a sufficient Revocation being of the same Land, and made to different Uses and Purposes. *Sed non allocatur.*

Cafe 65.
In Court,
28 Julii.

Sir Brazill Firebrass versus Brett.

Court of E-
quity discour-
ages exces-
sive Gaming.

THE Bill was to be relieved touching *one Thousand four Hundred and fifty Guineas*, which the Defendant had wone of the Plaintiff at *Hazard* at his own House, and likewise against an Action of Trespass brought by the Defendant at Law, for that the Plaintiff and his Servants had forcibly taken from him about *two Thousand Guineas* more, which the Defendant had won from the Plaintiff the same Time at Play, and had once in his Possession. The Bill charged many Circumstances of Fraud, as that the Defendant *Brett* had laid his Design to draw in the Plaintiff, and had for a considerable Time used several Arts and Contrivances for that Purpose, to get into his Company, &c. that the Defendant had his Wine mixt with Water, and plied the Plaintiff so with Wine, that he knew not what he did, and that the Defendant cheated the Plaintiff in Play, &c. and that the Defendant *Brett* when he began to play, had not above *ten Guineas* in his Pocket, so there was little Hazard of his Side, &c.

Court of Law
discouraged
an Action
on an exorbi-
tant Wager,
by granting
an Impar-
lance from
Time to
Time.

The *Chancellor* declared he thought it a very exorbitant Sum to be lost at Play at one Sitting, between Persons of their Rank, and that he would discourage, as much as in him lay, such extravagant Gaming; and cited the Case of *Sir Cecil Bishop* and *Sir Thomas Staples*, that came before the Lord Chief Justice *Hale* in the *King's Bench*, upon a Wager wone at a Horse-Race, where his Lordship declared he would give the Defendant Leave to imparl from

Time to Time; and if such Discouragement was given to Gaming at Common Law, it ought much more to be done in a Court of Equity.

The Defendant finding that the Court inclined so strongly against him, submitted to a Proposition made by the Counsel, which was afterwards decreed as by Consent.

Child versus Danbridge.

Cafe 66.
Eodem die,
Lord Chancellor.

THE Plaintiff failing in his Trade, compounded with his Creditors at so much in the Pound, to be paid at the Time therein mentioned, and he having failed in Payment at the precise Time, some of the Creditors refused to stand to the Agreement, which being under Hand and Seal, the Bill was to compel a Performance thereof.

Tradesman failing compounds, but makes an under-hand Agreement with some of his Creditors to pay them the whole.

But it appearing in the Cause that the Plaintiff to draw in the Rest of the Creditors, had made an under-hand Agreement with some of them, who were seemingly to accept of the Composition, to pay them their whole Debts; which being a Fraud and Deceit upon the Rest of the Creditors, the Court would not decree the Agreement, nor relieve the Plaintiff, but dismissed the Bill.

This is a Fraud on the other Creditors, and on a Bill to compel them to perform the Agreement. Bill dismissed

Case 67. *Thomas Earl of Rivers, Plaintiff.*

*Eodem die,
In Court, Lord
Chancellor.*

William George Earl of } Defendants.
Derby & al.

On a Marriage Lands are limited to the Husband for Life, Remainder to the Wife for Life, Remainder to the first, &c. Son of the Marriage in Tail Male, Remainder to 7. S. in Fee. Provided, if there be no Issue Male of the Marriage, and there be one or more Daughters, living at the Husband's Death, then the Trustees to stand seised subject to the Jointure, to the Intent such Daughter or Daughters should receive out of the Rents- 10000 l. and 100 l. per Ann. for Maintenance; but no Time limited for Payment of the Portions. The Husband dies leaving only one Daughter, who lives to

THE Case was, that by Indenture *tripartite*, dated 22 Maii, 1678, and by Fine and Recovery thereupon had, several Manors and Lands were (on the Marriage of the late Lord *Colchester* with *Charlott Kath. Stanley*, Sister of the Earl of *Derby*) settled to the Use of the Lord *Cholchester* for Life, Remainder as to Part, to the said *Charlot* his intended Wife for her Jointure, Remainder to her first and other Sons in Tail Male, Remainder to the Heirs of the Body of the Lord *Cholchester*, Remainder to the Plaintiff in Tail, Remainder to *John* and *Richard Savage* the Plaintiff's Brothers in Fee; provided that, if the said Lord *Colchester*, and all the Issue Male, he should get on the Lady *Charlot* his Wife, should die, and for want of such Issue Male the Premises should after the Death of the said Lord *Colchester*, or his said Lady, descend and come to the Use of any other Heir Male of the said Lord *Colchester* by any other Wife, or to any other Person or Persons by Virtue of any other the Uses or Appointments therein mentioned, and if there should be any Daughter or Daughters of the said Lord *Colchester* on the Body of the said Lady *Charlot*, living at his Death, that then the Trustees and their Heirs, should stand seised of the Premises, except the Lands limited to the Lady *Charlot* in Jointure during her Life, and after her Death, then of them also, to the Intent that such Daughter and Daughters of the Body of the said Lady, by the said Lord *Colchester* begotten, should receive the Sum of ten Thousand Pounds out of the Rents, Revenues and Profits thereof, to the Use of such Daughter

17, and by her Will disposes of the 10000 l. Decreed this is a vested Interest in the Daughter, and well disposed of by her Will. *Post.* Case 88, 193.

ter if but one, if more than one, to be equally distributed among them, together with 100*l. per Ann.* apiece for their Maintenance from the Death of their Father, 'till the Payment of the *ten Thousand Pounds*, which is therein mentioned to be intended for their Portion or Portions respectively.

The Lord *Colcheſter* died about 1679, leaving Iſſue by the Lady *Charlot* his Wife, one Daughter only, (to wit) *Charlotta Katharina*, who lived to the Age of ſeventeen Years, and then made a Will, and thereof the Earl of *Derby* Executor, and thereby taking Notice that ſhe was intitled to this *ten Thousand Pounds*, deviſed ſeveral Legacies, in the whole, amounting to about *fifteen Thousand Pounds*.

The Plaintiff's Bill was, that this *ten Thousand Pounds* being intended for a Marriage-Portion, and to be raiſed out of the Rents and Profits of the Lands, and the Daughter dying unmarried, and under Age, the Portion ought to extinguiſh in the Land, for the Benefit of the Plaintiff, who was the Heir at Law, and next Remainder-Man by Virtue of the Settlement; and that the ſaid *Charlotta Katharina* had no Power to diſpoſe thereof by Will; and the Will that was ſet up was unduly gained, and when ſhe was not *Compos mentis*; and that the Plaintiff therefore was intitled to an Account of the Profits of the Truſt-Eſtate.

The Defendant inſiſted that the Will was duly made and publiſhed, and fairly obtained, and that ſhe was of a ſufficient Age to make a Will; the Will was ſince proved in the Spiritual Court, ſo that Matter was not now to be drawn under Conteſt in this Court. And as to the *ten Thousand Pounds*; although it was intended as a Portion, yet no Time being limited for the Payment thereof, it veſted in the ſaid Daughter, and is become due and payable to her Executor, and that the Profits of the

U

Truſt-

Trust-Estate from the Time of the Death of the Lord Colchester, ought to be applied for that Purpose.

The single Question was, whether this *ten thousand Pounds* being declared to be for a Portion, and to be raised out of the Rents and Profits of Land, should go over to the Executor of the Daughter, who died under Age and unmarried, or extinguish in the Land for the Benefit of the Heir. And that it should extinguish for the Benefit of the Heir, and not to go over to the Executor; the Case of *Pawlet* and *Pawlet*, first decreed by the Lord Keeper North, and afterwards confirmed upon an Appeal to the Lords, where the Difference was taken between a Legacy out of a personal Estate, and a Portion to be raised out of the Rents and Profits of Land, was strongly insisted upon, as a Case in point, saving that in that Case the Portion was made payable at Marriage, or *Twenty-one* Years of Age, and in this Case no Time is appointed, but the same to be raised by Rents and Profits.

1 Part, Case
201, 320.
Post. Case 88.

Lord Chancellor said, he knew not what Reasons the Lords might go upon in the Case of *Pawlet* and *Pawlet*, but he was to make Decrees according to his Conscience, and every Case was to stand upon its own Bottom. That he thought the Case before him was very plain and without Difficulty; it was clearly an Interest vested in the Daughter, and ought therefore to go over to her Executor, and the rather, because here was no Time appointed for Payment; and observed that the Plaintiff's Counsel in speaking to the Case, admitted that if she had lived to *Twenty-one* Years of Age, that she might have disposed of this Portion, or it should have gone to her Executor; but that dying before *Twenty-one*, it should determine and extinguish, was a Fancy, for which there was no Ground nor Foundation. If they had been to have drawn the Deed, they might have worded it so; but the Deed being silent in that Matter, it may as well go over to the Executor, upon the Daughter's dying at *Seventeen* or *Eighteen*, &c. as if she had been *Twenty-one*, at the Time of her

Death: And therefore decreed that the Trustees should apply the Profits received, and to be received towards discharge of the Portion, until the same was raised, and pay the same to the Defendant, the Earl of *Derby*, as being executor to the said Daughter, to be administered according to Law.

Edwin versus Thomas.

Case 68.
In Court, Lord Chancellor.
Veneris, 20 die Julii.

THE Issue directed to be tried touching the Custom of the Manor of----- *quod vid. 1 Part, Case 475.* was found against the Plaintiff *Edwin*, and the Cause being now set down upon the Equity reserved, it being alleged to be a Cause of Value, and concerning all the Copyholds in the Manor, a new Trial was directed upon Payment of Costs.

A new Trial granted on an Issue directed; the Matter in Question being of Value, and concerning all the Copyholds in the Manor.

Stiddolph versus Leigh.

Case 69.
Lord Chancellor.
Eodem die.

Thomas Bostock, Executor of one *Thomas Bostock*, having voluntarily assigned to the Defendant *Leigh*, as a Reward for Service done, the Stock in the *East-India Company* which was the Testator's, pending a Bill in this Court by *Stiddolph*, who was a Creditor to *Thomas Bostock* the Testator.

An Executor makes a voluntary Assignment of Part of the Assets. Whether the Creditor can follow the Assets thus assigned.

The Question was, whether this Assignment should stand good as against the Creditor *Stiddolph*, there not being (without this Stock should be brought into the Account,) sufficient Assets of the first Testator.

The Court looked upon this Suit as a Contrivance to defraud the Defendant *Leigh*, and the *Chancellor* declared, he, of his own personal Knowledge, was satisfied that *Leigh* well deserved this Reward, and that he had that
Power

Power and Influence on *Thomas Bostock*, that he would have given him his whole Estate, if *Leigh* had desired it: And forasmuch therefore as *Tho. Bostock*, the Executor, had subjected his own real Estate, to the Payment of his Debts, the Court directed an Account thereof to be taken, and declared that if there were sufficient Assets of his Estate, without bringing this Stock into the Account, the Assignment to the Defendant *Leigh* should stand good; though for the Plaintiff it was strongly insisted on, that he being a Creditor to the first Testator might follow the Estate in whose Hands soever it came, and ought not to be put to the Charge and Trouble of controverting the Account directed *mes o alloc'*.

Cafe 70.
Lord Chancellor,
Lune,
23 Julii.

Nelson versus Oldfield.

Will of personal Estate only, and prov'd in the Spiritual Court, tho' gained by Fraud, yet not to be controverted in Equity. But if a Party claiming under such Will comes for

THE Case was, that Mrs. *Bettinson* travelling into *France* for her Health, and there falling into Company with the Plaintiff, who having the young Lady under Power, prevailed so far upon her, as to make Mrs. *Bettinson* solemnly swear to make her Will, and thereof to make the Plaintiff her Executor, and to give her all her Estate; and when she had made a Will accordingly, the Plaintiff made her again swear, that she would not revoke or alter that, or make any other Will.

It appeared by the Deposition of Mr. *Wade*, (for whom she had sent to advise withal) and by others examined in the Cause, that she in her Sickness often complained, how she had been circumvented by the Plaintiff, and of the Injury she had done to her Mother and Sisters by giving her Estate from them, that she heartily repented that she was thus fettered, but durst not, for Fear of Damnation, revoke or alter her Will, and shortly afterwards died much troubled and afflicted that she could not alter her Will.

The Will was proved in the Spiritual Court, and the same concerning only a personal Estate; the Validity thereof could not be controverted in this Court, and the Bill was brought by the Plaintiff as Executrix to Mrs. *Bettinson*, to have the Performance and Execution of the Trust of a Term for Years, for the raising of Monies appointed to be paid unto Mrs. *Bettinson* and her Sisters. Ant. Case 5.

Per Cur. The Case where a Man, to save his Life, is made by a Thief to swear that he will give the Thief a Sum of Money, though by the Casuists such Oath is held to be binding, yet it shall never be carried on in a Court of Equity; and did not see, how this could be allowed and esteemed as a Will, when it was not ambulatory, as a Will ought to be, nor made freely and voluntarily, but gained by Restraint and Force on the Party; but being proved in the Spiritual Court, that Matter was not to be controverted here, the Plaintiff might make the best she could of her Probate there, but should have no Aid from this Court, and therefore dismissed the Bill.

Lamplugh versus Smith.

THE Plaintiff, with other young Heirs, being drawn in by *Sticstead*, with the Concurrence of Sir *William Smith*, to buy Stockings and such like Goods, at an extravagant Price, and to accept of Assignments of bad Securities, and jointly to enter into Securities for the Payment of the Monies agreed on. The Bill was to be relieved against those Securities. Cafe 71.
Lord Chancel-
lor.
Martis, 24 die
Julii.
Vol. I. Cafe
449.

An Heir, together with other young Heirs, is drawn in to buy Goods at extravagant Prices, and to accept of Assignments of bad Securities, joined in giving Securities for the Monies agreed on. He shall be relieved on paying the Value of the Goods which came to his Hand, and shall not be answerable for his Companions.

The Counsel for the Defendant pretended not to maintain the Bargain, but would have it, that the Plaintiff

X

who

who had entered into a joint Security with others, should be liable to answer the true and real Value of all the Goods that were sold, and Securities that were assigned to him and his Companions.

But the Court declared, that the Plaintiff should be liable to so much only, as came to his own Hands, and should not be answerable for his Companions, and therefore referred it to a Master, to examine and certify, what of the Goods came to the Plaintiff's own Hands, and what was the real Value thereof, and on Payment thereof, and on re-assigning such of the Securities as the Plaintiff had, his Security was decreed to be delivered up.

Cafe 72.
Lord Chancellor.
Eodem die.

Whitley versus Price.

1 Vol. Cafe
449.

THE Plaintiff was likewise a young Heir, and had been drawn in to buy Ribbons and braided Wares, &c. at an extravagant Price, &c. and the Cafe being the same in Effect with the Cafe immediately preceding, had the like Rule.

Cafe 73.
Lord Chancellor.
Mercurii. 25
Julii, (88)

Walker versus Penrie.

Ant. Cafe 37.

THIS Cause came again this Day to be re-heard, and the single Question insisted on was, whether a Mortgagee having received Interest upon an old Mortgage after the Rate of 8 *l. per Cent.* after such Time as the Interest was reduced to 6 *l. per Cent.* by the Statute, should allow or discount the 2 *l. per Cent.* toward Satisfaction of the Principal.

The Court confirmed the former Decree, to wit, that the 8 *l. per Cent.* paid to the Mortgagee for Interest should be by him retained as such, and that the 2 *l. per Cent.* should

should not be discounted, nor applied towards Satisfaction of the Principal.

Cole versus Gray & ux'.

Cafe 74.
Lord Chancellor.

Eodem die.

THE Plaintiffs were Infants, and the Children of the Defendant's Wife by a former Husband; their Bill was to have an Account of the Estate left them by their Father, and of the Produce and Proceed thereof. Upon the Hearing it was refer'd to an Account, and the Defendant and his Wife were to be examined on Interrogatories for Discovery of the Estate; the Wife being at Variance with her Husband, and living apart from him, upon her Examination, made the Estate of the Plaintiffs (who were her Children,) as great as she could, and thereupon to fix the Charge upon the Husband. The Plaintiffs upon a Petition to the *Master of the Rolls*, obtained an Order to examine the Wife as a Witness against the Husband *de bene Esse*, and the Master upon her Evidence had charged the Husband with several Sums of Money, as Interest, and Produce of the Infants Estate: But now upon Exceptions to the Report, the Lord Chancellor disallowed her Evidence, and declared the Wife could not be a Witness against her Husband.

A Wife not to be examined as a Witness against her Husband.

Cressey versus Carrington.

Cafe 75.
Lord Chancellor.

Eodem die.

UPON the Hearing of this Cause, it was referred by Order of Court to Gentlemen in the Country to certify the Matters controverted, who made a Certificate accordingly; the Defendant conceiving himself aggrieved by the Certificate, put in Exceptions thereunto. But the Court rejected the Exceptions, and would not enter into the Debate thereof, but ordered the Certificate to be binding,

When the Court on hearing refers the Matter in Controversy to Gentlemen in the Country, no Exceptions lie to their Certificate.

binding, though it was insisted that the Certificate was not, in the Form of the Court, more binding or peremptory than a Master's Report, to which the Parties have a Right to except, if they find themselves agrieved. *Mes non allocat', tamen Quere.*

Case 76.

Lord Chancellor,
Sabbati,
20 die Julii.

Thwaytes versus Dye

A. settles Lands to the Use of himself for Life, Remainder to such of his 4 Children, and in such Shares and Proportions, as *A.* by any Writing shall appoint. *A.* may not only limit the Land to any of his Children, but may charge the Land with any Rent-charge or Sums of Money for any of his Children.

J. S. having four Children, (to wit) two Sons and two Daughters, settles his Estate on Trustees to the Use of himself for Life, Remainder to his Wife for Life, and after their Decease, to the Use and Uses of such Child and Children, and in such Shares and Proportions, as he should appoint by any Writing to be by him signed in the Presence of two Witnesses, and in Default of such Appointment, to his eldest Son in Tail. He by his Will by him signed, and attested by several Witnesses, devises a Rent-charge out of those Lands to his youngest Son for Life, and to the first and other Sons of his Body successively in Tail, and further Wills that in Case his said Son die without Issue Male, so as the Estate should come to his eldest Son, then he to pay *five Hundred Pounds* apiece to his Daughters: The Son dies without Issue, the Bill was brought by the Daughters to have their *five Hundred Pounds* apiece according to the Will.

The Defendant who was the eldest Son by Way of Plea, set forth the Deed of Settlement and Power, *prout*, and insisted that the Power was not well pursued nor executed by the Will, (to wit) that the Testator might have distributed the Land amongst his younger Children, in what Proportions he thought fit, but had not Power to grant or devise a Rent-charge, or Sums of Money, as he had taken upon him by his Will to do.

But the Court disallowed the Plea, and ordered the Defendant to answer the Bill.

*Turner versus Richmond.*Case 77.
Lord Chancellor.

THERE was a first Mortgage which was paid off, but no Reconveyance, and next a Judgment-Creditor, then the Plaintiff a second Mortgagee, whose Bill was against the first Mortgagee, the Mortgagor, and Judgment-Creditor to have a Reconveyance from the first Mortgagee, he being satisfied; which he acknowledged by Answer, and (pending the Suit,) did afterwards assign the Mortgage to the Judgment-Creditor, which the Lord Chancellor did declare to be justifiable, both in him and the Judgment-Creditor, and unless the Plaintiff would redeem and pay off the Debt by Judgment, dismiss the Bill, and the like Case was between *Lee* and *Warner*, about a Year since, and so adjudged.

A subsequent Incumbrancer, though *pendente lite*, may buy in a prior Mortgage, which tho' satisfied, shall not be taken from him, until all the Money due to him on the subsequent Incumbrance be paid him.

D E

Term. S. Michaelis,

1688.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Cafe 78.
 Lord Chancel-
 lor, Veneris,
 12 Octob'.
 Ant. Cafe 46.

Cholmely versus Cholmely.

THIS Cause came before the Court again upon a Cafe stated by the Master, by which it appeared, that Mr. *Cholmely's* whole Estate was scarce sufficient to perform the Marriage-Articles.

The Court again declared, that if there was any personal Estate for the Custom to work upon, there was no doubt, but that the Custom of the City of *London* should be prefer'd to that of the *Province of York*, and that notwithstanding the Custom of the Province of *York*, the Heir should come in for a Share of the personal Estate; for the Custom of the Province of *York* is only local, and circumscribed to a certain Place; but that of *London* follows the Person, though never so remote from the City; and cited the Cafe of *Harwood*, who married *Osfley's* Heir.

The Custom of the Province of *York* is only local; but that of *London* follows the Person, though never so remote from the City.

And

And as to the Jewels and *Paraphernalia*, the Court declared, that the Widow was by the Articles to have nothing of the personal Estate, but what her Husband should devise to her by his Will; and that this not only bars her of any customary Part, but even of any *Paraphernalia*, and from Jewels given to her by her Husband in his Life-time: But as to the Clause in the Articles, that Sir *Hugh*, by consent of *Nathaniel*, may alter, change, or make void, &c. the Court took further Time to consider, whether that should extend to the Settlement on Sir *Hugh's* Part only, or unto *Nathaniel's* also.

A Feme by her Marriage-Articles agrees to have no Part of the Husband's personal Estate, but what he should give her by Will. This bars her of her *Paraphernalia*.

Hunt versus Hunt.

Case 79.
Lord Chancellor,
Martis,
16 Octob'.

THE Question was between the Heir and Executor of a Freeman of *London*, which of them had the Right to a *Carroome*, (to wit) the Benefit of a License from the *Lord Mayor and Aldermen* for the keeping of a Cart; the Defendant pleaded that the License was a Term for Years and Personalty, and therefore belonged to him as Executor.

Per Cur. Over-rule the Plea, and Answer the Bill.

Gibson versus Whitacre.

Case 80.
Lord Chancellor.
Eodem die.
Plea of Privilege ought to be upon Oath.

THE Defendant being the *foreign Opposer* in the *Exchequer*, pleaded the Privilege of that Court, and that he ought not to be sued or impleaded elsewhere, but the Court over-ruled the Plea, because it was not put in upon Oath.

Case 81.

In Court,
Master of the
Rolls, Lane,
29 Octob.

Manlove versus Ball and Bruton.

A. for 550 l. makes an absolute Assignment of a Lease for 3 Lives to B. and B. by a Writing under his Hand agrees that if A. pays B. 600 l. at the End of the Year, B. will reconvey; B. dies leaving C. his Son and Heir, 2 of the Lives die, and the Lease is twice renewed; yet Redemption decreed on Payment of the 550 l. and the 2 Fines with Interest, and during the Life of B. the Profits to be set against the Interest of the 550 l.

ONE *Bruton* having a Church-Lease for three Lives in 1664, convey'd and assigned it to the Defendant *Ball's* Father, in Consideration of 550 l. the Conveyance was absolute. But Mr. *Ball* the Purchaser by writing under his Hand and Seal agreed, that if Mr. *Bruton* the Vendor should, at the End of one Year then next ensuiug, pay him *six Hundred Pounds*, that he would reconvey: The *six Hundred Pounds* was not paid, and two of the Lives died, and the Lease was twice renewed by the Defendant *Ball* and his Father; and now it was near twenty Years after the first Conveyance. *Bruton* being a Prisoner in the *Fleet*, and indebted to the *Warden* for Chamber-Rent, assigns to him all his Right, Title, Interest, Equity and Power of Redemption; and thereupon the Plaintiff *Manlove*, the *Warden* of the *Fleet*, brought his Bill to redeem and to have an Account of the Rents and Profits of the Premisses.

The Defendant insisted on his Title, and that the Estate was not now redeemable, nor ought he to account for the Profits.

But notwithstanding the *Master* of the *Rolls* decreed a Redemption, on Payment of the 550 l. which was the first Consideration-Money, as also the Fines paid upon the Renewal of the Leases, which Monies were to be paid with Interest, and the Account of Profits was to commence but from the Death of *Peter Ball*, who was the Purchaser, and Father of the Defendant, and until that Time the Profits were to be set against the Interest of the 550 l. Consideration-Money.

Harrison versus Cage.

Cafe 82.
*Eodem die, in
Court, Master
of the Rolls.*

THE Cafe was, that Land was charged by Deed for the raising of 500*l.* for the Portion of the Sister, the Trustee entered and raised the whole 500*l.* and more, out of the Rents and Profits of the Lands, and afterwards proves insolvent; but before he became insolvent, the Sister had taken a Judgment from the Trustee, that he should pay the 500*l.* when raised.

Trustee appointed for raising and paying a Portion of 500*l.* to A. Trustee enters and gives Judgment to A. for paying the 500*l.* to A. when raised; the

Trustee raises the 500*l.* and more, and becomes insolvent; whether the Land is discharged.

It was insisted that the Land was discharged, and for that Purpose cited the Cafe of *Goddard* and *Bowman*, where the Portion being once raised, the Land was held to be discharged.

But on the other Side it was said, that in the Cafe of *Goddard* and *Bowman*, and in the other Cafes cited, by the express Provision of the Deed the Term was to cease, when the Money was raised: But in the principal Cafe, the Term is still continuing, and the Profits are still to be received and taken by the same Trustees, for the Benefit of the Heir; and as to the Judgment, *that* was only in effect, that the Trustee should perform the Trust, being to pay the 500*l.* when raised unto the Sister, and to account for and pay the Residue of the Profits to the Heir.

But the Words in the Deed of Trust being that the Trustee should raise, and pay, 500*l.* to the Sister, and though it was raised, it was not paid, therefore the *Master* of the *Rolls* doubted and took Time to consider thereof, and in the mean Time would look into the Deed of Trust and Defeazance of the Judgment.

Case 83.
Mercurii, 31
Octob', in
Court, Master
of the Rolls.

Devise of
1300 l. to
Testator's
Grandaugh-
ter, provided
if she died
before 21,
and without
Issue, then
the Legacy
should go
over to A.
Decreed the
Devise over
in case of the
Grandaugh-
ter's Dying
without Is-
sue, under
21, is good,
the Conting-
ency being
to happen
before the
Legatee at-
tains 21.

Pawlet & ux' versus Dogget.

J. S. by his Will devises 1300 l. to the Plaintiff's now Wife, (his Grandchild) provided that if she died before Twenty-one without Issue, then he will'd that the said Legacy of 1300 l. should go over to A. and provided if she married before Twenty-one without the Consent of her Grandmother, that the said Legacy of 1300 l. should go over to the now Plaintiff *Pawlet*. The now Plaintiff married the Legatee his now Wife before she was Twenty-one Years of Age, and that not only without the Consent, but to the express Dislike of the Grandmother, who endeavoured all she could to prevent their Intermarriage; and the now Plaintiffs apprehending that the Forfeiture, if any, was to the Plaintiff. The Husband and Wife exhibited their Bill (the Wife not being yet Twenty-one Years of Age, and not having any Issue) against the Executor, and against A. to whom the Legacy was limited over, in case the Wife died before Twenty-one without Issue, to have the said Legacy of 1300 l. paid unto them.

The Defendants by Answer confessed the Will, and pray'd the Judgment of the Court, whether the Plaintiff, his Wife not being as yet Twenty-one Years of Age, and not having Issue, was intitled to the Legacy, the same, in case the Plaintiff's Wife died before Twenty-one without Issue, being by the Will limited to the Defendant A.

For the Plaintiff it was insisted that the Limitation over to A. in case the Plaintiff's Wife died without Issue before her Age of Twenty-one Years, was an implicate Estate-tail in her, which gave her the intire Property in
this

this pecuniary Legacy, and that therefore the Limitation over was void; and also that the Proviso of Forfeiture upon her marrying without the Consent of her Grandmother, though plac'd in the Will after the other Proviso, yet was first in Point of Construction; for *that* Forfeiture in Point of Time might, (as in this Case it did,) happen before her Age of Twenty-one Years, and until she attained that Age, the other Contingency could not happen, and therefore if there was any Forfeiture, it was to the Plaintiff.

For the Defendants it was insisted that both the Provisos were consistent, and therefore both were to have their Force, so that if she died without Issue before Twenty-one, *A.* was to have the Benefit of the first Proviso, and yet that would not wholly enervate the second Proviso; for although she should survive the Age of Twenty-one, and have Issue, yet if she married without the Consent of her Grandmother, the Legacy was forfeited by the second Proviso to the now Plaintiff's Husband; and therefore the Plaintiffs came too soon for a Decree, the Plaintiff's Wife not having Issue, nor being Twenty-one Years of Age, and that a Contrivance of this Nature to defeat the Will ought not to be countenanced.

Per Cur. Both Provisos are consistent, and ought to be so construed; and as to the first Limitation over, that if she die without Issue before Twenty-one Years of Age, that *A.* should have the 1300 *l.* it was a good Limitation over, for though it was upon dying without Issue, yet the Time for the happening of that Contingency was circumscribed and limited to fall before her Age of Twenty-one Years; and therefore decreed that if the Legatee, the now Wife of the Plaintiff, should die before Twenty-one Years of Age without Issue, that *A.* should have the Benefit of the first Proviso; and declared that the Proviso of Forfeiture by Marriage without Consent of the Grandmother, could not take Place, nor have any
Force,

Force, 'until the Plaintiff's Wife had attained her Age of Twenty-one Years.

Cafe 84.
In Court, Lord
Chancellor,
Sabbati 24
Novemb'.

Searle versus Lane.

ON a Rehearing the Cafe was, that the Defendant being Administrator to one *Hayman*, as being Principal Creditor, had paid Debts by Bond and simple Contract, without Notice of a Decree, which the Plaintiff had obtained against the Intestate for a Sum of Money.

An Administrator pays a Debt by Bond before a Debt due by a Decree, having no Notice of the Decree; this is a Mif-payment, and the Administrator must pay the Debt by the Decree.

Upon the former Hearing, the Court had decreed the Defendant, though he had fully administred the Affets, to pay the Plaintiff the Debt decreed to him against the Intestate.

Now upon the Rehearing it was by Mr. *Pollexfen*, and Mr. *Keck* of Counsel with the Plaintiff, insisted, amongst other Things, that it was the Rigour of the Law, and *summum jus*, that charged an Administrator for Payment of Debts of an inferior Nature, when he had not Notice of any Debts of a higher Degree, and *that* Rigour of the Law, ought not to be carried on against Conscience, in a Court of Equity; and what Ground was there for a Court of Conscience to charge a Defendant, that had been in no Default? He had no Notice of this Decree, and could not divine, that there was any Debt owing of a superior Nature, and if he should have refused to pay a Debt of an inferior Nature, expecting to hear of what he knew nothing of, he must have paid Costs for such Delay, and Neglect of Payment of the Monies, out of his own Purse; and besides the Defendant here was Administrator only, as being principal Creditor, and stands not in the same Degree of Privity as an Executor, or other Relation might have been, and therefore not

4

having

having Notice of the Plaintiff's Demand, it would be against Conscience to charge him with it, and contrary to regular Equity, and the Measures which the Court takes in other Cases; as in the Case of a Trust, though the Court will support it, and compel an Execution of it, as far as may be done with Equity, yet the Court would never charge a Purchaser, that had no Notice of the Trust; and it was considerable also in this Case, that the Decree, which the Plaintiff obtained against *Hayman* the Intestate was by Default, when *Hayman* absconded, and was gone, so that the Plaintiff's Debt was never contested, and was Matter of Account, and there was little, if any Thing, really due.

Per Cur. There is nothing more frequent in Practice or better known, than that a Decree of this Court is equal to a Judgment at Law; and the Filing of a Bill in this Court, equal to the Filing of an Original at Law, to prevent the Alienation of Assets. And therefore the Defendant has done as much Wrong in this Case by Payment of a Bond-Debt, when there was a Decree, as if he had done it, where there had been a Judgment at Law: And the having Notice or not Notice, is not material in either Case; and were Notice to be an Ingredient in the Case, it were less requisite in the Case of a Decree, than in the Case of a Judgment; for that there are but few Courts of Equity, but very many Courts of Law; and yet a Judgment even in a Court of *Pie-powders*, will be binding in such Case, so that it is much easier to discover whether there be a Decree against a Man, than whether there be a Judgment against him, or not. But if the Decree in this Case passed by Default, there may be some Colour to have the Reality of the Plaintiff's Debt examined, as at Law in an Escape against the Marshal, the Gaoler shall have the Prisoner's Equity, and may give in Evidence the Poverty of the Prisoner, &c. and therefore the Court inclined to let the Administrator in this Case contest the Reality of the Plaintiff's Debt; but it appearing that the

A Debt by Decree in Equity, is equal to a Judgment.

A a

original

original Suit between the Defendant and the Intestate had long depended, and had been contested, and did not pass by Default; the Court therefore confirmed the former Decree.

Cafe 85.
In Court, Lord
Chancellor,
Eodem die.

Comer versus Hollingshead & al'.

The Master allows a Security, which proves defective. Master is not liable; otherwise, if the Master had by Bribery or Corruption allowed the Security.

BY a Decree of this Court, Money was to be put out at Interest, on a Security to be allowed by Sir Samuel Clerke, one of the Masters of this Court, for the Benefit of Husband and Wife and their Issue; the Master allowed of a Security, that afterwards proved defective, and the Plaintiff by his Bill amongst other Things, endeavoured to charge the Executor of Sir Samuel Clerke, to make good the Defect of this Security.

Per Cur. The Masters would have uneasy Places of it, if they were to answer for all defective Securities, nor is that so much their Business; but it concerns each Side to have Counsel to peruse the Title, (as it appeared there were in this Case,) the Master principally is to take care that the Limitations and Uses are drawn according to the Direction of the Court, and unless there had been either Bribery or Corruption, it was not reasonable to charge a *Master* for allowing a defective Security, and therefore dismissed the Bill as against him.

Cafe 86.
Master of the
Rolls, in Court,
20 Novemb'.

Powell versus Morgan.

By a Marriage-Settlement, Lands are limited to the Husband and Wife, with Remainder

BY a Marriage-Settlement, Lands were settled on the Husband and Wife, and their first and other Sons in Tail Male, and for want of such Issue a Term for
to their first, &c. Son, and then a Term for Years to secure Portions for Daughters. The Husband dies leaving only a Daughter, upon whom the Inheritance descends. The Daughter dies an Infant and indebted, and disposes of her Portion by her Will. Equity relieves against the Merger of the Portion. *Post.* Cafe 193.

for Years was limited to the Daughters for raising Portions, Remainder to the Issue Male of the Father, Remainder to his right Heirs. The Husband dies leaving Issue one Daughter only, who is also Heir at Law to the Father; she dies an Infant, and indebted, but made a Will, and devised away the Portion charged on the Estate, and gave the Plaintiff, who was her Heir at Law, a Legacy, upon Condition that he did not disturb or interrupt her Will. The Plaintiff afterwards contested the Validity of the Will, and insisted that the Term was merged in the Daughter, as being also Heir at Law.

The Court upon the Hearing relieved against the Merger, and decreed the Portion to go according to the Will of the Daughter. The Point now before the Court, was whether the Plaintiff had forfeited the Legacy, by contesting the Validity of the Will.

Legacy given on Condition the Legatee shall not dispute the Will.

Legatee commences a Suit, whereby he contests the Validity of the Will, yet no Forfeiture of the Legacy, if there was *Probabilis causa litigandi*.

Per Cur. There was *Probabilis causa litigandi*, and it was not a Forfeiture of the Legacy.

Roper versus Roper.

Cafe 87.
Eodem die,
Master of the
Rolls.

THE Court had decreed, that either the Defendant should pay a Sum of Money by a Time therein, for that Purpose, limited, or in Default thereof, that the Plaintiff should hold and enjoy the Lands charged therewith; a Writ of Execution of the Decree had issued, and an Attachment for Non-performance thereof, and now upon the Return of the Attachment, the Defendant moved he might appear and be examined; And it was insisted he ought to be admitted thereto, for that he might shew that the Process issued not regularly, or that he had paid the Money, or had a Release, and that it was against common Sense that a Man should be attached for a sup-

Upon a Decree for Payment of Money after a Writ of Execution and an Attachment returned; Court refuses to give Leave to Defendant to be examined, unless he gives Security to abide the Decree.

a supposed Contempt, and yet should not be heard to make his Defence. And the Case of the Duke of *Norfolk* was cited, where there was a Writ of Execution, then an Attachment, and then an Injunction for Possession; and afterwards, when a Writ of Assistance was moved for, upon Debate he was admitted to appear and be examined.

But in this Case the *Master* of the *Rolls* ordered the Process to go on, and would not admit the Defendant to appear and be examined, unless he would give Security to perform the Decree.

Case 88. *Sarah Smith, Widow, Plaintiff.*

At the Rolls. Master of the Rolls, Dec. 1. *John Smith, Defendant. Et econtra.*

One devises 1000*l.* to his Daughter for her Portion, charg'd upon a real Estate, and payable at 21. Daughter dies before 21. The Portion shall sink in the Land; otherwise, if no Time had been limited for the Payment of the Portion, for in that Case it goes to the Executors of the Daughter. No Difference where the Portion is secured by a Settlement or a Will, if secured out of a real Estate, and the Party dies before it is payable. In either Case it sinks in the Lands.

THE Case was, that one *Thomas Smith* being seised in Fee of several Lands in the County of *Suffolk*, and having Issue one Son and one Daughter, the 10th of *July* 1683, made his Will in Writing, and thereby amongst other Things devised Part to his Wife, the now Plaintiff, for her Jointure, and devised the Rents and Profits of all other his Lands, until his Son attained his Age of Twenty-one Years, unto his Executors therein named, to be applied in such Manner as he had directed, and gave the Whole to his Son, when he should attain his Age of Twenty-one Years, charged with so much of his Daughter's Portion, as should not before that Time be raised by his Executors and Trustees, and gave unto his Daughter the Sum of *one Thousand* Pounds to be paid by his Executor at her Age of *Twenty-one* or Marriage, which should first happen, willing the same to be raised out of the Rents and Profits of the said Lands; and

and further willed, that in case his Son should die before he accomplished his Age of *Twenty-one* Years, or without Heirs of his Body lawfully begotten, then from and after the Death of his said Son, he gave all and every the said Messuages, Lands, Tenements and Hereditaments to *John Smith* his Uncle, the now Defendant, and his Heirs, he making up his Daughter's Portion *two Thousand* Pounds; and of his said Will made the Defendant *Smith*, and one *Dey*, who renounced, Executors, and shortly afterwards died, leaving his said Son and Daughter both Infants, and the eldest not *three* Years old. The Daughter died soon after the Death of the said Testator an Infant unmarried, and shortly afterwards the Son also died without Issue; the Plaintiff the Widow took Letters of Administration to her Daughter, and the principal Question insisted on was whether the Plaintiff as being Administratrix to her Daughter, was intitled to all, or any Part of the said Portion.

For the Defendant it was insisted, that the Plaintiff was not intitled to all or any Part of this Portion; but that the Daughter dying before *Twenty-one* and unmarried, it extinguished in the Land for the Benefit of the Heir, and that it was so resolved in the Case of my Lord *Pawlet* and the Lady *Pawlet*, which was afterwards confirmed upon an Appeal to the House of *Lords*; and likewise in the Case of *Brown* and *Bond*, and the Difference there taken was between a personal Legacy, (which was admitted should in such Case, being *debitum in presenti*, and payable *in futuro*, go to the Executor or Administrator,) and a Sum of Money appointed to be raised out of the Rents and Profits of Lands, and designed for a particular Purpose, (to wit) a Portion for a Daughter, for which there was no Occasion, she dying unmarried, and under Age. That if any Part of the *two Thousand* Pounds was payable, it could be only the first *Thousand* Pounds, for the Portion was not to be made up *two Thousand* Pounds, but upon the Son's dying without Issue,

Vol. 1. Case
201.

2 Ch. Cases
165.

which never happened in the Life-time of the Daughter, she dying before her Brother; and so that last *Thousand* Pounds never vested in her, and consequently could not go to her Administratrix; and if the Plaintiff was intitled as Administrator, yet she could not have it until such Time as the Daughter would have attained her Age of *Twenty-one* Years, as was resolved in the Case of *Earl and Earl*, even in a personal Legacy: But though these other Matters were mentioned for Argument's Sake, the Defendant's Counsel relied upon it, that the Plaintiff was not intitled to any Part of the *two Thousand* Pounds.

Ant. Case 67. For the Plaintiff it was insisted, that the Legacy was an Interest vested, and attached in the Daughter, and ought to go to the Plaintiff her Administrator; and that it had been so lately resolved by the Lord Chancellor, in the Case of the Earl of *Rivers* and Earl of *Derby*, which was long since the Case of *Pawlet* and *Pawlet*, and that the principal Case was not exactly the same with the Case last mentioned; for there was a Settlement as well as a Will, but here the Case depended purely upon a Will: But seemed to admit that the Plaintiff could not have the Portion, until such Time as the Daughter would have attained her Age of *Twenty-one* Years.

Per Cur. I take it that the Plaintiff is not intitled to any Part of the *two Thousand* Pounds, and that the Judgment in my Lord *Pawlet's* Case governs this Case. It appears that the Intention of the Testator was that it should be for a Portion, and it is expressly called a Portion in the Will; and then it is no personal Legacy, but Money to be raised out of the Rents and Profits of Land, and the Case of the Earl of *Rivers* and the Earl of *Derby*, differs from this; in that Case there was no Time limited for the Payment of the Money: But here the Payment is expressly to be at 21 Years or Marriage, and therefore dismissed the

the Bill, as to so much as concerned the *two Thousand Pounds Portion*.

Memorandum, That on *Thursday* Morning being the 28th Day of *Feb.* 1688-9, Mr. Serjeant *Maynard*, Mr. *Keck*, and Mr. Serjeant *Rawlinson*, were sent for to *Whitehall*, and Mr. *Keck*, and Mr. Serjeant *Rawlinson* attending accordingly, Mr. Serjeant *Maynard* not being able to attend, by reason of his Indisposition by the Gout, Mr. *Keck*, and Mr. Serjeant *Rawlinson* kissed the King's Hand, and the *Great Seal of England* was delivered to Mr. *Keck*, in the Prefence of the Marquiss of *Hallifax*, the Earl of *Shrewsbury*, Lord *Mordant*, and several other Noblemen then present.

D E

Termino Paschæ,

1689.

IN CURIA CANCELLARIÆ.

Cafe 89.
In Court, Sir
John May-
nard, Sir An-
thony Keck, Sir
Will. Raw-
linson, die Fo-
vis, 18 Aprilis.

Vandenanker versus Desbrough.

Devise of
800 l. to be
invested in
Land for the
Benefit of
the Wife of
J. S. for her
Life, and af-
terwards to
her Chil-
dren, and the
Interest of
the Money
to go as
the Profits of
the Lands, if
bought. J. S.
becomes a
Bankrupt;
the Interest

THE Defendant's Testator by his Will devised 800 l. to be paid within *six* Months after his Death to one Mr. *Define*, in Trust that he should lay it out and invest it in a Purchase for the Benefit of the Wife of J. S. and to settle it so, as after the Death of the Wife, it might come to her Children, and the Interest in the mean Time to be paid to such Person as ought to receive the Profits. J. S. becomes a Bankrupt, and the Plaintiff as Assignee under the Statute of Bankrupts, would have the Interest of this Money decreed to him, during the joint Lives of Baron and Feme.

of the 800 l. shall not be liable to the Bankruptcy. This not being a Trust created by the Bankrupt, and being intended for the Maintenance of the Wife, and given by her Relation. *Post. Ca. 176.*

Per Cur. This not being any Trust created by the Husband, nor any Thing carved out of his Estate, but given by a Relation of the Wife's, and intended for her Support and Maintenance; it is not liable to the Creditors of the Husband; and the Plaintiff hath no Title there-

unto

unto as Assignees of the Commission of Bankrupt, and therefore decreed it should be paid to *Define* the Trustee, to be laid out in Land and settled according to the Will. The Case of *Drake* and the *Mayor of Exeter* was cited, where there was a Lease for *Twenty-one* Years, with a Covenant for Renewal of the Lease at the End of the Term, the Lessee became a Bankrupt. Adjudged the Assignee under the Statute should have no Benefit of that Covenant, and it was for some Time doubted whether the Assignee under a Statute of Bankruptcy, should have the Benefit of an Equity of Redemption, the Clause in the Statute being that the Assignee may perform Conditions not broken, and Conditions performable.

A Lease for 21 Years to A. with a Covenant for Renewal at the End of the Term. The Lessee becomes Bankrupt, the Assignee under the Commission is not intitled to the Benefit of Renewal.

Tooke versus Hastings.

Case 90.
Eodem die.

NOTE, *Per Cur.* If a Man covenants, or enters into Bond to settle Land of such a Value or an Annuity out of Land of such a Value, and has no Land at the Time of the Settlement; but afterwards purchases Land, *that* Land shall be liable, and that against a voluntary Devisee, as the Defendant *Hastings* in this Case was, and accordingly decreed, that *Backwell* as well as *Churchill* should be liable to the Plaintiff's Annuity, notwithstanding that *Backwell* was devised to *Hastings*, the Testator having entered into Bond to charge Lands of the Value of *one Hundred Pounds per Ann.* with the Payment of this Annuity, and not having any other Lands of that Value: But withal declared, that *Hastings* the Devisee of *Backwell*, should be reimbursed out of *Churchill*, *that* not being devised, but left to descend on the Daughters.

One covenants to settle Land of such a Value, or an Annuity out of Land, and he afterwards purchases Land (having no Land before) and devises it, and dies, this Land shall be liable to the Covenant.

Case 91.

Sabbati, 20

Aprilis, Sir

John May-

nard, Sir Will.

Rawlinson.

Clerke versus Leatherland.

Freeman of

London pos-

sessed of a

Term for

Years, af-

signs it in

Trust for

himself for

Life, then

for his Wife

for Life,

and after-

wards for his

Son by a first

Venter :

Whether

this shall stand against the Custom of London. 2 Lev. 130.

A Citizen of London being possessed of a Term for Years, assigns the same in Trust for himself for Life, then to his Wife for Life, paying *twenty Pounds per Ann.* to his Son by his first Wife, Remainder to his said Son during the Residue of the Term. And it was now made a Doubt, whether this Assignment was good, within the Custom of the City of London, so as to bind the other Children, and it was refer'd to the Recorder of the City of London to certify.

Case 92.

Lune, 22 die

Aprilis.

Towers versus Moor.

Devise of

Land not to

be explained

by Parol

Proof touch-

ing the De-

claration of

the Testator,

or the Instructions given by Testator for the making his Will.

THE Plaintiff endeavouring to have the Will explained by Depositions of Witnesses touching what the Testator declared, and the Instructions he gave for the drawing of his Will.

Per. Cur. Devises concerning Land must be in Writing, and we cannot go against the Act of Parliament. But in Case of a Surrender made by a Steward of a Copyhold, if there be any Mistake there, that is only Matter of Fact, and the Courts at Law will in that Case admit an Averment, that there was a Mistake, &c. either as to the Lands or Uses.

Lease by

Deed of

Land ren-

dring Rent,

The Lease is

lost, Lessor

may declare

on a Demise

in general,

without saying

it was by Deed;

otherwise of a Thing that

lies in grant.

Where a Demise is made of Lands rendring Rent, though the Lease be lost or mislaid, the Landlord may sue

on a Demise in general, without saying it was by Deed; otherwise of a Thing that

sue for the Rent, and declare on a Demise in general, without saying it was a Lease in Writing; and so you may in all Cases, where it is not a Thing that lies in Grant, &c.

Where two are jointly bound, and one dies, you must sue the Survivor, and cannot maintain an Action against the Executor or Administrator of him that is dead; but if bound jointly and severally, it is otherwise. Where two employ Workmen to build and one dies, *Quære*, whether this be such a joint Contract, that you cannot sue the Executor or Administrator of him that is dead.

Where two are bound jointly, and one dies, the Survivor only is liable: but otherwise if bound jointly and severally.

Roll versus Roll.

Case 93.
Mercuri, 24
Aprilis.

LANDS settled on Trustees for raising of Maintenance and Portions for Daughters, the Bill was to have a Sale, and that the Heir might join.

Land settled on Trustees for raising Portions for Daughters, on Bill for a legal Interest.

Sale, Court will decree the Heir to join in the Sale, though he has no legal Interest.

It was objected, that the Estate in Fee being in the Trustees, and the Heir having no Estate in him, he ought not to be compelled to join in a Sale.

Decreed that the Heir should join, and the Case of *Pit and Pelham* in *Parliament* cited, *cum multis aliis*.

Ch. Ca. 176.

Pring versus Pring.

Case 94.
Die Mercurii,
24 *Aprilis*.

THE Case was, a Man makes his Will, and A. B. and C. Executors thereof in Trust, and for a Remembrance and over and above their Costs and Charges, he gives them *twenty* Shillings apiece.

One by Will makes A. B. and C. Executors in Trust, and gives them a Legacy of 20 s. apiece in Trust for the

for a Remembrance above their Charges. Parol Proof admitted, that this was in Trust for the Wife only. *Post*. Case 144.

The Bill was brought by the Wife, alledging that her Husband designed, and often declared, that she should have the Benefit of his personal Estate, but she being aged and infirm, he made the Defendants Executors in Trust for her; one of the Defendants denied the Trust, the other two confessed it, and it was insisted by the Defendant who was Adversary, that though the Will did call them Executors in Trust, and though it might be collected from the Will that the Executors were not to have more than *twenty* Shillings apiece, yet it is not said for whom the Trust is, and therefore it shall be taken to be a Trust for all, who might come in and have Benefit by the Statute for Distribution of Intestate's Estates, and not for the Wife alone.

Per Cur. The Will declaring, that the Executors are only in Trust, and not declaring for whom, the Person may be averred, and two of the Executors having by their Answer confessed the Trust, and it being likewise fully proved, that it was the Intent of the Testator, and that he declared it a Trust for his Wife, decreed the Trust for the Plaintiff, with Costs against the Adversary Defendant.

Case 95.
Sabbati, 27
Aprilis.

Submission
to an Award,
so as the Arbi-
trators make
their Award
at or upon
the 27th of
March then
next, and if
the Arbitra-
tors make no
Award, then
if the Um-

THE Submission to an Award being that the Arbitrators should at or upon the 27th Day of *March* then next make their Award, and in Default of their making their Award, that the Umpire, should at or upon the said 27th Day of *March* make his Umpirage. The Arbitrators disagreeing, the Umpire made his Award on the said Day.

Umpire cannot make his Umpirage on 27 *March*, the Arbitrators having all that Day to make their Award.

Per

Per Cur. This Award is void in Law, for the Arbitrators had all the 27th Day allowed them to make their Award, so that there was no Time for the Umpire to make an Award; and in this Case the Servant of the Umpire having, before the Award made, given out, that he was sure his Master would award *one Hundred and fifty* Pounds; and the Arbitrators differing; one yielding to give *Thirty-five* Pounds, and the other insisting for *Ninety-five* Pounds; and the Umpire coming and giving *one Hundred and fifty* Pounds, the Court looked upon this as an Evidence of Fraud and Corruption, and therefore decreed the Arbitration-Bond to be delivered up.

Lancy versus Fairechild.

Case 96.
Mer', 8 die
Maii 1689.

Money by Marriage-Articles being to be laid out in Land, and settled on the Husband and Wife, and their Issue, Remainder to the Heirs of the Wife, the Wife dying in the Life-time of the Husband.

By Marriage-Articles Money is to be laid out in Land, and settled on Husband and Wife, and

their Issue, Remainder to the Heirs of the Wife; Husband and Wife die. The Heir, and not the Executor, or Administrator of the Wife, shall have the Money.

Decreed for the Heir of the Wife against the Administrator, the Money being bound by the Articles according to the Resolution in the Case of *Kettleby* and *Atwood*.

Vol. 1. Case 293.

Note, It was resolved in the Case of *Eeles* and *Lambert*, that a contingent Security should not stand in the Way of a Debt by simple Contract, as to the Administration of Assets by the Executors. *Vide Corbet's* Case as touching a Trust upon Land for raising of Portions, and when the Land shall be discharged having born its own Burthen, and as to Construction when raised and paid.

A contingent Security shall not stand in the Way of a Debt by simple Contract.

D E

Term. S. Trinitatis,
1689.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Case 97.
Lords Commis-
sioners, *May-*
tis, 30 Aprilis.

Key versus Bradshaw.

Bond in
common
Form for
Payment of
Money; but
proved that
the Agree-
ment was
that the Ob-
ligor
should mar-
ry such a Man,
or should pay the Money due on the Bond: Court relieved against the Bond,
Marriage ought to be free and without Compulsion. *Post.* Case 197.

THE Bill was to be relieved against a Bond drawn in common Form, for Payment of Money; but proved to be made on an Agreement, that the Plaintiff should either marry her Servant, or should by Way of Forfeiture pay him the Sum of Money mentioned in the Condition of the Bond.

The *Court decreed* this Bond on Debate to be delivered up to be cancelled, it being contrary to the Nature and Design of Marriage, which ought to proceed from a free Choice, and not from any Compulsion.

*Delabeere versus Beddingfield.*Case 98.
Eodem die.

THERE having in 1670 an Agreement been made between the Lord and Tenants, touching the Stint of the Common, the Bill was to have that Agreement decreed.

Agreement to inclose a Common; and one or two humourfome Tenants opposing, shall not hinder the Agreement for stinting a Common, from being decreed to be performed.

There is a great Difference between an Agreement for an Enclosure, and an Agreement only for a Stint of Common. It is a proper and natural Equity to have a Stint decreed; and though one or two humourfome Tenants stand out and will not agree, yet the Court will decree it; but it is otherwise as to an Enclosure. And in the principal Case the Court decreed the Agreement to be performed.

*Webber versus Smith.*Case 99.
*Lords Commis-
sioners, Merc',
15 Maii,
1689.*

A Lessee for Years by Lease from my Lord Salisbury under a certain Rent, and covenants to repair, makes a *Hundred* under Leases: The Premises not being repaired, nor the Rent paid, a Re-entry is made, and the original Lease avoided. Six of the under Lessees were Plaintiffs against the head Landlord and first Lessee & al'.

Premises out of Repair; the original Lease is avoided for Non-payment of Rent. Some of the under Lessees bring a Bill to be relieved against the Forfeiture. Equity will not apportion the Rent; but the Plaintiffs must pay the whole Rent in Arrear; and repair all the Houses, and may compel the other under Lessees to contribute.

Per Cur. Cannot make any Decree to apportion the head Landlord's Rents, nor relieve the Plaintiffs, but on their Payment of the whole Rent in Arrear, and repairing

ing all the Premisses. But having so done, they might compel the Rest of the Under-tenants to contribute.

Cafe 100.
Lords Commis-
sioners, Sab-
bati, 1 Junii.

Hills versus Brewer.

One by Will gives several Legacies and makes Executors, who are not related to him, Testator afterwards has several Children and increases his Estate, and dies; Equity will not make the Executors Trustees for the Children, as to the Surplus of the Estate.

A Man possessed of a considerable personal Estate, devised some particular Legacies, and made two Persons no Way related to him Executors, he happened to live many Years afterwards, and encreased his Estate, and had many Children, and died without new publishing, revoking or altering his Will, whereby the Executors became in Law intitled to the Surplus of his Estate, which was of considerable Value.

The Bill was to make the Executors Trustees for the Children as to the Surplus of the Estate, and the Plaintiff's Counsel cited the Case in *Fitzherbet*, Tit. *Subpœna*, where a Man appoints his Trustees after his Death to convey to his Daughter, and afterwards happened to have a Son, the Opinion there is, that the Conveyance should be made to the Son; *sed non allocat'*, and the Court dismissed the Bill.

One appoints his Trustees to convey his Lands to his Daughter after his Death. He afterwards has a Son; the Conveyance shall be made to the Son.

Cafe 101.
Lords Commis-
sioners, Sab-
bati, 1 Junii.

Countess of Portland versus Prodgers.

A Wife (whose Husband is by Act of Parliament banished for his Life,) may make a Will and in every Thing act as a Feme Sole, and as if the Husband was dead.

THE Question was touching the Validity of the Will of the Lady *Sandys*, her Husband being by Act of Parliament banished during Life, she made a Will and bequeathed several Legacies, and whether she might so do or not was the Question.

In arguing of the Case were cited the Case of the *King* and the *Lady Matraverse*, *Ed. 3. fol.* *Weyland's* ^{1 Inst. 132. b.} ^{133. a.} Case, *Lady Belknap's* Case, and the *Lady Shannon's* Case.

The Court were of Opinion that the Husband being by Act of Parliament banished for Life, the Wife might in all Things act as a Feme Sole, and as if her Husband was dead, and that the Necessity of the Case required she should have such Power, and therefore decreed for the Plaintiff.

Attorney General versus Hughes.

Case 102:
Die Sabbati,
8 Junii.

THIS Cause concerning the Devise to Mr. *Baxter* of Monies to be by him distributed amongst poor ejected Non-conformist Ministers, coming to be reheard, the former Decree was discharged, and the Information dismissed, and the Money then remaining in Court ordered to be paid out to Mr. *Baxter*, to be by him distributed according to the Will. ^{1 Vol. Case 243.}

Garbland versus Mayot.

Case 103:
Eodem die.

ONE *Mayot* having by his Will devised *twenty* Pounds apiece, to all the Children of her Sister *B.* the Question was, whether a Child born after the making of the Will, and before the Death of the Testator, should take by Virtue of that Devise.

A. devises
20 l. apiece
to all the
Children of
his Sister *B.*
a Child born
after the
making the
Will, and
before the

Death of the Testator, shall take.

The Court decreed it to extend to the after-born Child, the Word (*Children*) comprehending all; and cited the Case in *Dyer*, where if a Man has made three Feoffees, ^{Dyer 177. a.} ^{1 Inst. 112. b.}

and devises that his Feoffees shall sell his Lands, there though one dies the Survivors may sell; but if the Devise had been to *three* Persons by Name, and one had died, the Survivors could not sell.

Case 104.
Martis, 18 die
Junii.

Hawker versus Buckland.

6 Co. 16 a.
3 Cr. 378.
Devise of
Land to A.
paying out of
the Rents or
out of the
Land a cer-
tain Sum, is
no Fee-sim-
ple, other-
wise if the
Devise was
paying a cer-
tain Sum
generally,
without say-
ing out of
the Land.
Devise of
Lands to Ex-
ecutors for
Payment of
Debts, no Assets at Law 'till Sale; but when sold the Money is legal Assets.

THE Question was, whether a Fee-simple passed by the Words of the Will, and the Case of *Collier* was cited, where it was adjudged, that a Devise paying out of Profits, or out of Lands in general, is no Fee-simple; but a Devise paying a certain Sum at the End of *two* Years, or at any other certain Time, and the Profits not being sufficient, will pass a Fee-simple, and so a Devise of Lands paying a certain Sum without more, is a Fee-simple; and in this Case the Devise being to the Executor for Payment of Debts, the Value of the Land cannot be given in Evidence, as Assets at Law, in the Executors Hands; but when the Land is sold, the Money in the Executor's Hands will be Assets at Law.

Case 105.
Lords Commis-
sioners.

Unton Crooke and Gratiours } Plaintiffs.
his Wife,

Thomas Brookeing & al', Defendants.

Devise of 1500 l. to A. and B. for such Uses as Testator had declared to them, and by them not to be disclosed. A. in the Life of B. writes a Letter disclosing the Trust, this is a good Declaration of the Trust.

ROger Mallock, the Plaintiff Grace's Grandfather, the 15th of Feb. 1651, made his Will, and thereby gave to his Brothers *Simon* and *Joseph Snow*, one Thousand five Hundred Pounds, for such Uses as he had declared to them, and by them not to be disclosed, charging them that

that they would perform the same, as they would answer it at God's Tribunal. The said *Snowes* accordingly received the said *one Thousand five Hundred Pounds*, and afterwards *Joseph Snow* died, *Simon* survived and received the *one Thousand five Hundred Pounds*. *Simon*, in the Life-time of his Brother *Joseph*, wrote a Letter to him dated 17 Nov. (52.) therein mentioning the Trust to be, that they out of the Profits should allow *Anne Crew* a Maintenance for her Livelyhood during her Husband's Life-time, and if he died before her, she to have the Money at her own Dispose; but if the Husband survived, the Money to go amongst her Sister's Children as she should advise.

Anne died in 1684, in the Life-time of her Husband, having only one Sister *Grace*, the Mother of the Plaintiff *Gratious*, without giving any Advice or Directions touching the Disposing of the *one Thousand and five Hundred Pounds*; *Grace* had only one Child living at the Death of *Anne Crew*, but had five other Children living at the Death of the Testator *Mallock*, who all died intestate, and their Administrators were before the Court, as also such of the Children of the dead Children as were living. The Questions that were made were,

Devise of
1500*l.* in
Trust for the
Children of
A. *A.* has
only one
Child and fe-
veral Grand-
children, the
Child only
shall take,

and not the Grandchildren; but if there had been no Child of *A.* living, the Grandchildren might have taken.

1. Whether the Plaintiff *Gratious*, being the only Child living of *Grace Leach* at *Anne Crew*'s Death, should have the whole *one Thousand five Hundred Pounds*.

2. If not, whether the Administrators of the dead Children should come in for an equal Share with the Plaintiff.

3. Or whether the Grandchildren, to wit, the Children of the dead Children should come in for an equal Share with the Plaintiff.

The

The Cause was first heard before the Lord *Chancellor Jefferies* in *May 88*, who declared the Trust was well declared by *Simon Snow's* Letter, and decreed that the *one Thousand five Hundred* Pounds should be divided between the Plaintiff *Gratious*, the only Child living at the Death of *Anne Crem*, and the Childrens Children as were living at the Death of *Anne Crem*, from which Decree the Plaintiffs appealed.

And now upon a Rehearing decreed by the *Lords Commissioners*, that the Plaintiff *Gratious*, being the only Child living at the Death of *Anne Crem*, should have the whole *one Thousand five Hundred* Pounds; and said, the only Difficulty in this Case was the Word (Children) and here was but one Child, and yet notwithstanding decreed it for the Plaintiff, and were clear of Opinion where the Devise is to Children, the Grandchildren cannot come in to take with the Children; and turn it into *Latin*, and Children and Grandchildren are exprest by distinct and different Words: But all admitted that if there had been no Child, the Grandchildren might have taken by the Devise to his Children.

D E

Term. S. Michaelis,

1689.

IN CURIA CANCELLARIÆ.

Hide versus Cooth.

Submission by Order of Court to a Reference, and the Award to be made to be confirmed by the Decree of the Court, without Appeal or Exception; yet upon Debate, Exceptions to the Award admitted.

without Appeal or Exception; yet Exceptions to the Award admitted.

Note, Per Lord Maynard, if the Submission to an Award be conditional, *ita quod* an Award be made *de & super Præmissis, &c.* there if the Award be not of the Whole it is void: But if the Submission be not conditional as afore- said, then, though the Award be but of Part of the Mat- ters referred, it is good for so much as it settles, tho' it leaves other Things at large.

Submission be not conditional, then the Award, though made but of Part of the Premises, sub- mitted is good *pro tanto*.

Cafe 106.
Die Fovis, 17
Octob', in
Court, Lord
Maynard,
Lord Keck,
Lord Raw-
linson.

Submission to
a Reference,
and the A-
ward to be
confirmed
by Decree
of the Court

If a Submis-
sion to an A-
ward be
made condi-
tional, *ita quod*
the Award be
made *de præ-*
missis, if the
Award be
not made of
the Whole it
is void.

But if the

F f

Elix.

Eliz. Webb Widow, Plaintiff.

Case 107.

In Court,

25 die Octob.

John Webb & al', *econtra*, Defendants.

Though a
Freeman of
London leaves
London, and
resides in the
Country, yet
on his Death,
his personal
Estate shall
be subject to
the Custom.

John Webb the Plaintiff's late Husband being a Freeman of London, but having left the Town and living many Years at Winchester, in June 1684, made his Will, and thereby devised a Chattle-Lease to the Defendant Nicholas Webb, and all his Books to the Defendant John Webb, and as to all the Rest of his Estate, consisting in Money, Goods, Mortgages, and Credits, he gave the yearly Profits and Benefit thereof to the Plaintiff his Wife for Life, by quarterly Payments; and directed his Executors out of his Estate to pay the Plaintiff's funeral Charges after her Death, and devised to her the Use of his Plate, &c. during her Life, and directed that his Stock and Estate in the Hands of the Defendant Cranmer, should remain there during his Wife's Life, and the Product paid to her for her Maintenance, and devised several particular Legacies, and after the Death of his Wife devised over the Residue and Surplus of his Estate to the Children of his Brother Nicholas Webb, &c. and made John Webb, William Cranmer & al', Executors.

Freeman of
London ha-
ving a Wife
and no Child,
devises a
Lease for
Years to A.
and his Books
to B. and the
Use of the
rest of his
personal E-
state to his
Wife for
Life, De-
creed the
Wife shall
have the

This Cause was first heard at the Rolls on the 8th of Feb. 1681. and decreed that the Plaintiff by the Custom of the City of London, should have her Widow's Chamber, and one entire Moiety of the personal Estate, after Debts paid, as well of the Lease, and Books, which were specifically devised away, as of all the Rest and Residue of his Estate by the Custom of the City of London, and should have the Benefit of the other Moiety for Life by the Will, and decreed an account accord-

Moiety of the Lease, and of the Books, though specifically devised to other Persons. Also the Wife shall have a Moiety of the whole personal Estate by the Custom, and the Use of the other Moiety by the Will.

accordingly; which Decree was confirmed upon an Appeal to the *Lords Commissioners*. And the Case of *North* and *North* was cited, where an Inhabitant in the Province of *York* made a Will, and devised a Moiety of his Estate to his Wife; adjudged that the Widow should have *three Fourths*: And *Ryder's* Case, where the Widow had a Moiety by the Custom, and a Legacy of *one Thousand five Hundred Pounds* out of the other Moiety.

But on the contrary were cited the Cases of *Bloyes* and *Bloyes*, where *four Thousand Pounds* was provided as Portions for Daughters by Marriage-Settlement, and there being two Daughters, the Father by his Will gives them *two Thousand Pounds* apiece for their Portions, without taking Notice of the Settlement; and decreed that the *two Thousand Pounds* by the Will, should be in Satisfaction of the Portion by the Settlement; and *Chadwick* and *Love's* Case.

A Man by Marriage-Settlement provides 4000*l.* for Daughters, and having 2 Daughters, by Will gives them 2000*l.* apiece for their Portions, without taking Notice of the Settlement;

the 2000*l.* apiece by the Will, shall be in Satisfaction of the Portion by the Settlement.

In the principal Case a Question was made, whether the specifick Legatees of the Lease, and of the Books, being as to a Moiety evicted by the Widow by the Custom of the City of *London*, should have Satisfaction made for what was so evicted as against the Legatees at large, or against the Legatee of the Surplus.

A Freeman of *London* devises a Lease for Years to *J. S.* who is evicted of a Moiety thereof by the Widow claiming it by the Custom.

from. The specifick Legatee shall have no Satisfaction for this Eviction out of the Surplus: The Testator having Power to dispose only of a Moiety.

Adjudged they should not; for though a specifick Legatee has a Preference, and is not to abate in Proportion with other Legatees, where the Estate falls short, as to the Payment of Debts; yet in any Case he cannot have more than what the Testator devised to him. Now the Testator's Widow, by the Custom of the City of *London*, there being no Child, was intitled to a Moiety, so the Testator could devise but one Moiety, nothing more passed by his Will, and therefore the specifick Legatees must be contented with a Moiety.

Specifick Legatee is not to abate in Proportion with other Legatees, where there is a Deficiency to pay the Debts.

Case 108.

Die Sabbati,
26 Octob',
In Court, Lords
Commissioners.

Johnson versus Milksope.

One mortga-
ges his Lands,
and by Will
appoints
them to be
sold for Pay-
ment of the
Mortgage-
Money, and
afterwards in
another Part
of his Will
devises a
Moiety of
the mortga-
ged Premises
to A. B.

THE Defendant's Testator having made a Mortgage of his Lands for a considerable Sum of Money, by his Will appoints them to be sold for Payment of the Mortgage-Money, and afterwards in another Part of his Will, devises the Lands so in Mortgage, as to one Moiety thereof to the Plaintiff, &c. and makes the Defendant Executor, and devises his personal Estate to his Executor for Payment of his Debts.

The personal Estate shall be applied to pay off the Mortgage in Favour of the Devisee.

The single Question was, whether the personal Estate should be applied to discharge the Mortgage, for the Benefit of the Legatee.

The Cause was first heard at the *Rolls*, and decreed there, that the personal Estate, should be so applied for the Advantage of the Legatee; and the Decree upon an Appeal was confirmed by the Lords Commissioners.

Case 109.

Lune, 28
Octob', in
Court, Lords
Commissioners,

Natchbolt versus Porter.

Lessee for
Years having
agreed with
the Lessor to
surrender his
Lease, deli-
vers up the
Key, which
the Lessor
accepts, but
afterwards
refuses to
take the
Surrender of
the Lease.
Decreed the
Lessee should
be discharged of the Rent.

SIR George Moore being Lessee of a House in *Hatton Garden*, under 60*l.* per Ann. Rent, assigns his Term to *Porter*, who covenants in the Assignment, to indemnify him against the Covenants in the original Lease. Sir *Charles Rich* buys the reversionary Interest of the Lessor, and treated with *Porter* to surrender the Term, and an Assignment was made betwixt them, for that Purpose, and the Key delivered and accepted: But afterwards Sir *Charles Rich* altering his Purpose of living in

in the House, it stood empty for some Years, and then he brings a Bill against Sir *George Moore*, who was the original Lessee, to compel him to admit an Attornment, in order to his bringing his Action at Law for the Rent: But *Porter* was made no Party to that Suit; however Sir *George Moore* in his Defence did insist upon the Agreement made between Sir *Charles Rich* and *Porter* for the Surrendring of the Lease, and that the Key was delivered pursuant thereunto, &c. But he was over-ruled in that Matter at the Hearing, and decreed he should go to a Trial at Law, and admit an Attornment. But Sir *George Moore's* Attorney pleading that Sir *George* never attorned, upon the Plaintiff's coming back into this Court, it was decreed Sir *George* should pay the Rent Arrear, amounting to about *four Hundred Pounds*.

Lessee for Years decreed to admit an Attornment.

Now *Knatchbolt*, the Executor of Sir *George Moore*, brought his Bill to be reimbursed against *Porter*, according to his Covenant on the Assignment, upon which he could not recover at Law, by reason that Sir *Charles Rich* could not at Law have recovered of Sir *George Moore* for want of an Attornment.

Mr. *Porter* by Answer, set forth the Agreement made with Sir *Charles Rich* for Surrendring his Term, and Delivery of the Key, and his Acceptance of it, &c. and therefore insisted he ought not to be charged, and the Court now upon the Hearing of the Cause was of Opinion that the Agreement was well proved, and a good Discharge, and *Porter* not liable to answer any Rent after that Time: And though the Court had decreed otherwise against Sir *George Moore*, yet *Porter* being no Party to that Suit, was not bound thereby, and therefore without any Regard to that Decree, they were to judge upon the Case then before them, and saw no Reason to relieve the Plaintiff.

None but Parties to the Suit are bound by it

The Court upon this Case observed the Inconveniency of going on with a Cause without proper Parties, and it was Sir George Moore's Fault that he did not plead, he had assigned to *Porter*, and insist that he ought to have been made a Party to the Suit.

Case 110.

Die Martis,
29 *Octobris,*
in Court, Lords
Commissioners.

Fish versus Gesson.

Whether a
Release by
Will of all
Debts, Ac-
counts and
Demands,
will transfer
the Property
of Goods,
which De-
fendant then
had in his Hands, belonging to Plaintiff's Testator.

THE Defendant *Gesson*, being Servant to one Mr. *Mayo*, he by his Will devises to the Defendant a Legacy of 50*l.* and 20*l. per Ann.* for his Life, and by his Will mentions to acquit, exonerate, and discharge the Defendant of all Debts, Accounts, Reckonings and Demands whatsoever.

Now the Defendant at the Time of the Will and Death of the Testator, having in his Hands a Trunk of the Testator's, in which were Medals, Jewels, &c. alleged to be of great Value; the Question was, whether the Release or Discharge should be taken to go as to that Trunk, &c.

For the Plaintiff it was insisted that the Property, as to that Trunk, &c. continued always in the Testator, and a Release even of all Demands, would not translate the Property; and cited *Southcott's Case. Co. 4. Rep.* If the Bailor keep the Key and the Goods are lost, the Bailee is not answerable: And besides the Word (*Demand*) being in this Case, in Company with the Words, *Debts, Accounts, and Reckonings*, it ought to be restrained and taken in that Sense, and to Matters only of that Sort and Kind, and not to be taken so as to pass the Property of Goods, that were not in Controversy nor questioned.

But

But for the Defendant it was insisted, the Plaintiff's Bill contained no Equity; that the Plaintiff was a Stranger to the Testator, no way related in Blood, and yet had by the Devise *three Hundred Pounds per Ann.* of Lands of Inheritance, and was Executor; and if he had any Right to the Trunk and Goods in Demand, it was a Matter purely triable at Law.

Pur Cur. Forasmuch as the Defendant has not by Answer, discovered any of the Particulars in the Trunk, but pray'd the Judgment of the Court, whether he should be obliged so to do. The Court therefore ordered that the Defendant should admit Part of the Goods come to his Hands, in order to enable the Plaintiff to bring his Action at Law, and if the Plaintiff recovered there, he might resort back, and the Court would order the Defendant to be examined on Interrogatories for Discovery of Particulars, &c.

Jenkins versus Powell.

CASE III.
Die Lune,
11 Novembris,
in Court, Lords
Commissioners.

THE Testator devised to his Daughter *two Hundred* A. by Will
Pounds; *Item, I also give her my Household-Goods, if* gives his
she shall not be married in my Life-time; and afterwards in Daughter
his Life-time, he gives with his Daughter in Marriage 200*l.* and
above *two Hundred* Pounds and dies, having not revoked afterwards
nor altered his Will. gives with his
Daughter in
Marriage a-
bove 200*l.*

his Daughter her Portion in his Life-time, is a Satisfaction of The Testa-
tor paying
the Legacy.

Per Cur. The Legacy is extinguished by the Portion after given: And *Elken Head's* Case was cited, where Payment in the Testator's Life-time was adjudged a Satisfaction of the like Sum devised.

Birkhead

Case 112.

Die Fovis,
2 Novembris,
in Court, Lords
Commissioners.*Birkhead versus Coward.*

One devises to his Sister 350*l.* on Condition that at or before her Death, she gives 200*l.* thereof to her Children. The Sister dies in the Life of the Testator. The whole Legacy is lapsed. *Post.* Case 192.

THE Testator devised to his Sister *Dixon* *three Hundred and fifty Pounds*, upon Condition, that she at or before her Death, shall give to her Children *two Hundred Pounds* thereof; his Sister *Dixon* dies in the Life-time of the Testator. Now upon a Demurrer to the Plaintiff's Bill, the Question was whether the whole *three Hundred and fifty Pounds* were lapsed, or that *two Hundred Pounds* thereof should remain to the Daughters.

For the Plaintiff it was insisted, that if the Devise had been only of the Interest of the *two Hundred Pounds* to the Testator's Sister for Life, and the Principal to the Children, *that* had been a good Devise to the Children, as to the *two Hundred Pounds*, and it would not have been lost by the Mother's Dying in the Testator's Life-time, and the Intention of the Testator in this Case amounted to as much; *sed non allocatur per Cur.* but allowed the Demurrer, for it being a Devise of Money, the absolute Property vested in the first Legatee.

Case 113.

Die Luna, 25
Novembris,
in Court, Lords
Commissioners.*Fines versus Cobb.*

One grants to A. Common in Dale for 100 Sheep. Bill brought for that the Defendant had over-stock'd the Common. Bill dismissed.

A Man having granted to J. S. Common in his Down for *one Hundred Sheep and five Rams*. The Bill complained the Grantor over-stock'd the Common, so that the Plaintiff the Grantee could have no Benefit of the Grant, and pray'd the Grantor might be enjoined not to over-stock, &c. upon Debate the Court dismissed the Bill.

Chapman versus Derby.

Cafe 114.
Eodem die,
in Court, Lords
Commissioners.

THE Plaintiff being a Factor in *Blackwel Hall*, advanced Money to his Principal, relying, as furnished, in the Bill on the Credit of the Cloaths resting in his Hands, to reimburse himself. The Clothier died, the Administrator sues at Law for the Cloth, the Factor comes in Equity, and prays he may on Account be allowed the Monies he advanced.

Administrator of a Clothier brings an Action against the Factor for Cloths sent by the Clothier to the Factor. The Factor cannot in

Equity deduct out of the Value of the Cloath, the Money owing to him from the Clothier.

Per Cur. non allocat', for if there be Debts of a higher Nature, it will be a *Devastavit* in the Administrator, to pay or discount the Plaintiff's Debt.

But in the Case of a Bankrupt, adjudged by the Lord Chief Justice *Hale*, that where there were Dealings on Account, that a Man should not be charged with the Account on the Credit Side, and be put to come in as a Creditor for the Debt owing to himself, but should only answer to the Bankrupt's Estate the Balance of the Account.

Where there are mutual Dealings between a Bankrupt and *J. S.* only the Balance is to be paid to the Bankrupt's Estate.

Thynn versus Duvall.

Cafe 115.
Die Martis,
26 Novembris,
in Court, Lords
Commissioners.

THE Bill was to redeem or foreclose. It was objected, that the Defendant was only Tenant for Life of the Equity of Redemption, and the Remainder-Men over were not made Parties.

Court directed a Bill to be brought by the Defendant *Duvall*, to have a Sale made, the Mortgage-Debt paid,
H h and

and the Surplus distributed amongst the Tenants for Life, and Remainder-Men in Proportion, according to their respective Interests.

Case 116.

*Die Fovis,
5 Decembris,
in Court, Lords
Commissioners.*

Saul versus Wilson.

No Appeal lies to the House of Lords, from a Sentence by the Delegates, nor from a Decree upon the Statute of Charitable Uses.

Decree made by the *Chancellor* on Exceptions to a Decree of charitable Uses came on the Exceptant's Petition, to be reheard.

Whether a Decree on Exceptions to a Decree of Commissioners for charitable Uses, be final, and whether the Court can grant a Re-hearing.

It was objected that the Decree on hearing Exceptions being once confirmed by the *Chancellor*, that was final by the Act of Parliament, and there could be no Re-hearing; and the Court seemed to be of that Opinion, and mentioned, that there lies no Appeal to the House of Lords from a Sentence in the *Delegates*, nor from a Decree on the Statute of Charitable Uses, for they cannot have any original Jurisdiction, because these Matters are grounded upon Acts of Parliament, and the Acts give them none.

Case 117.

Sanderson versus Crouch.

Feme Administratrix wastes the Assets, then marries and dies, Husband liable to no more than the Value of what came to his or his Wife's Hands after the Inter-marriage.

ON Exceptions to a Master's Report, a Man marries an Administratrix (who before their Inter-marriage had wasted great Part of the Estate,) after their Inter-marriage a Suit is commenced against them, for Distribution according to the Act of Parliament, and a Decree is had for that Purpose; then the Wife dies.

Per Cur. The Husband is not to be charged further than with what was possessed, or came to his, or his Wife's Hands after their Inter-marriage.

D E

Term. S. Hillarii,

1690.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Woodward versus Gyles.

Cafe 118.
Die Sabbati,
11 Jan', Lords
Commissioners
Maynard,
Keck, and
Rawlinson.

MR. *Hellier* moved for an Injunction to stay Waste in plowing. The Cafe was, that the Plaintiff let a Farm to the Defendant at an annual Rent, and Part of it being Pasture Land, the Defendant covenants amongst other Things, not to break up or plow any Part of it, and if he did plow any Part of it, that he would pay after the Rate of *twenty Shillings per Acre per Ann.*

In a Lease
for Years of
Land, Lessee
covenants
not to plow
pasture Land,
and if he
does, then to
pay after the
Rate of 20s.
per Ann. for
every Acre
plow'd. The

Court will not grant Injunction against the Tenant's plowing; for the Parties themselves have agreed the Damage, and set a Price for plowing.

Per Cur. The Parties themselves have here agreed the Damage, and have set a Price for plowing, and therefore will not grant any Injunction, and declared if the Defendant was Plaintiff against paying 20 s. *per Acre* for plowing, they would not relieve him.

Nor will the
Court re-
lieve the Les-
see against
the Penalty,
if he plows.

Woots

Cafe 119.
Die Veneris,
17 Januarii,
Lords Com-
missioners.

Woots versus Tucker.

Where a
Demurrer
to a Bill of
Review is
allowed, it
may be in-
rolled, o-
therwise if

PER Cur. Where a Demurrer to a Bill of Review is allowed, it may be inrolled; but if over-ruled, that cannot be inrolled, so as to prevent the Demurrer's being re-argued.

the Demurrer is disallowed.

Cafe 120.
24 Januarii,
in Court, Lords
Commissioners,

Back versus Andrews.

A. Purchases
a Copyhold
Estate and
takes the
Surrender to
himself and
his Wife
and Daugh-
ter, and their
Heirs.
The Husband
and Wife (as
one Person)
take a Moi-
ety by In-
tireties, and
the Daughter
the other
Moiety.
The Hus-
band mort-
gages it, and
dies; void for
the whole,
and no Re-
lief in Equity.

Purchase made of a Copyhold Estate by *John Andrew* the Husband, and the Surrender taken to *John Andrew* and his Wife, and *Elizabeth* his Daughter, and their Heirs. The said *John Andrew*, as being visible Owner of the Estate, takes upon him to make a conditional Surrender by Way of Mortgage to the Plaintiff, and afterwards dies; the Plaintiff's Bill was against the Mother and Daughter to discover their Title, and to set aside their Estates as fraudulent against the Plaintiff, who was a Purchaser; *sed non allocat'*. Bill dismissed but without Costs; for *per Cur.* the Husband and Wife take one Moiety by *Intireties*, so that the Husband cannot alien, nor dispose of it, so as to bind the Wife, and the other Moiety is well vested in the Daughter.

Cafe 121.
Sabbati, 1 Feb',
in Court, Lords
Commissioners.

Mead versus Hide.

A. by Will
gives 20 l. to
B. and makes
him Execu-
tor, and gives
his real Es-
tate to C.
paying his

ONE *Davis* by Will devises several Legacies & *inter al'*, twenty Pounds to *John Hide* (the Defendant) and makes him Executor, and devises his real Estate to the

4

Debts and Legacies, and in Default of Payment within such a Time, the Legatees and Creditors to enter and to hold 'till paid, and makes no express Disposition of the Surplus of the personal Estate. The personal Estate shall be applied in Ease of the real.

the Plaintiff, paying his Debts and Legacies, and if he did not pay the Legacies in *three* Months, and the Debts in *two* Months, the Legatees and Creditors might enter and hold 'till satisfied.

The Question was, whether the personal Estate should be applied in Ease of the real Estate. The Court decreed the personal Estate should go in Ease of the real Estate, and observed that the Devise amounts but to a Charge upon the real Estate, and extends not to avoid the Estate, in Case of Non-payment; and observed that in this Case the Defendant has a particular Legacy, and there is no Devise to him of the *residuum bonorum*. And in case there had been no Executor, can any one doubt, but that the personal Estate in the Hands of the Administrator, should be applied in Ease of the real Estate, though the real Estate were made likewise liable *ut supra*: And besides, here the Creditors have a Bill, and no one can question but they have a Right to be satisfied out of the personal Estate, if they think fit to pursue it.

The Lord *Maynard* observing upon the Evidence, that *Hide* had drawn the Will, said it was a Rule in the *Civil* Law, that *Qui sibi constituit nihil capit*.

Wiseman versus Beake.

Case 122.
Die Ven',
7 Februarii,
in Court, Lords
Commissioners.

THE Plaintiff had entered into several Statutes of great Penalties to the Defendant's Testator, defencanced for Payment of *ten* for *one*, upon the Death of his Uncle, who was only Tenant for Life, of a considerable real Estate, Remainder to his first and other Sons in Tail, Remainder to the Plaintiff, in case the Uncle died without Issue Male, and the Plaintiff survived him: And

A. Tenant for Life, Remainder to his first, &c. Son, in Tail, Remainder to his Nephew *B.* *B.* enters into several Statutes to *C.* for Payment of *ten* for *one* upon the Death of *A.*

I i

the

in case he died without Issue Male in the Life of *B.* *C.* in the Life of *A.* brings a Bill to compel *B.* either to pay Principal and Interest, or to be foreclosed of any Relief against the Bargain. *B.* by Answer declares the Bargain fairly made, and intends to abide by it, and that he would seek no Relief against it. *A.* dies, and *B.* brings a Bill against the Executor of *C.* and notwithstanding *B.*'s former Answer, he is relieved against the Bargain, on Payment of Principal and Interest, without Costs.

the Plaintiff's Uncle dying some Years since without Issue, the Bill was to be relieved against this Bargain, and to have up the Securities on Payment of what was really due with Interest.

For the Defendant it was insisted, that this was not the ordinary Case of surprising a young Heir into a hard Bargain, but Mr. *Wiseman* was above *thirty*, near *forty* Years old, when this Bargain was made, had long been a Man in Employment, (to wit) a *Proctor* at *Doctors Commons*, and of Experience in the World: And besides, the Defendant's Testator, several Years after this Bargain made, understanding that the *Chancery* began to relieve against such Bargains, came to advise with Mr. Serjeant *Philips*, what was fit to be done in the Case, and thereupon a Bill was exhibited by the Testator against the Defendant, to compel him either to repay the Money with Interest, or to be foreclosed of any Relief against this Bargain; and that in Answer thereunto in the Life-time of his Uncle, he elected to stand to the Bargain, and that it was fairly and duly made, and that he would not seek any Relief against the same, and therefore ought not now to be relieved against his own Election and Oath.

Per Cur. When he had spent the Money, then a specious Offer was made to relinquish the Bargain on Payment of the Money lent with Interest, which at that Time was impossible for him to do: And though such Bill was exhibited, it was not prosecuted, but was a Contrivance only to double hatch the Cheat; and therefore thought fit to relieve the Plaintiff on Payment of Principal and Interest only without Costs, and decreed it accordingly.

Dyer versus Tymewell.

Case 123.
Eodem die, in
Court, Lords
Commissioners.

THE Bill was to be relieved against a Bill of Exchange for *fifty* Pounds, mentioned to be for Value received, which was in Truth extorted from the Plaintiff by the Defendant in the Time of *Monmouth's* Rebellion, the Defendant being then a Justice of the Peace, and taking upon him to fend for whom he pleaded, &c.

Relief against a Bill of Exchange said to be for Value received, but gained by Fraud, and for a fictitious Consideration.

The Court could not well relieve against this Bill of Exchange, upon Pretence that it was gained by Threats or Menaces, for that was proper at Law, and *Dureffe* a good Plea there; but inasmuch as the Defendant by his Answer having admitted, that although the Bill was drawn for Value received, that there was not any Money paid; but insisted that he had intrusted one *Andrews* many Years ago to sell some Clothes for him, and that the Plaintiff attached those Clothes in the Hands of *Andrews*, and for the Debt of *Andrews*; whereas they were the Defendant's proper Goods; and that the Plaintiff had often promised to make him Satisfaction, and at last gave him the Bill of Exchange in Question in Satisfaction thereof: And the Plaintiff having proved in the Cause that *Andrews* was no Factor, nor was indebted to the Defendant, and falsified his Answer as to that Pretence.

The Court declared the Bill of Exchange to be gained by Fraud and Practice, upon the Pretence of a Demand that was fictitious, and had nothing of Reality in it, and therefore decreed the Plaintiff to repay the *fifty* Pounds with Interest, and Costs to be ascertained by the Plaintiff's own Oath.

In Case of a gross Fraud, the Court will give Costs to be ascertained by the Party's own Oath.

Peter

Case 124.
11 Die Feb',
in Court, Lords
Commissioners.

Peter Crooke and Elizabeth
his Wife, Sister of the
half Blood to *Geo. Watt*
deceased, } Plaintiffs.

John Watt Administrator
of *George Watt, Francis*
Camfield and *Elizabeth*
his Wife, the said *John*
and *Elizabeth* being Brother
and Sister of the
whole Blood to the Inte-
state *George Watt,* } Defendants.

The Sister of
the half
Blood shall
come in
for an
equal Share,
upon the Sta-
tute of Di-
tribution,
with the
Brother or Sister of the whole Blood.

THE single Point was, whether the Sister of the
half Blood, should come in with the Brother and
Sister of the whole Blood, for an equal Share of the Inte-
state's Estate, or whether the half Blood should have on-
ly half a Share, or should be wholly excluded.

1 Vol. page 437.

For the Plaintiffs it was insisted, that there were very
many Precedents in this Court, where the half Blood
had been admitted to an equal Share; that it was al-
most endless to cite them, and cited the Case of *Hill* and
Birds, where a Prohibition had been moved for and deni-
ed, and Administration thereupon granted to the Sister of
the whole Blood: And a Case in the *Modern Reports* to
the same Effect.

1 Mod. Rep.
209.

For the Defendants it was insisted by Mr. *Attorney Ge-
neral*, and Mr. Serjeant *Levinz*, that in Case of Descent,
and

and in all Cafes where the Common Law takes Notice of Blood, the whole Blood is preferred, and instanced in many Cafes ; as where a Remainder is limited *proximo de sanguine*, it will go to the whole Blood, and the Act for Distribution of Intestates Estates must be expounded according to the Common Law ; in some Cafes it directs Distribution to be made according to former Laws, which must be intended Common Law. That the Courts of Common Law had always controlled the Spiritual Courts in these Matters, and cited the Lady *Butler's* Case, in the Lord Chief Justice *Hale's* Time, where by the Statute of *H. 8.* the Ordinary is to grant Administration to the Wife or next of Kin, if there be a Wife, the Spiritual Court shall not be suffered to grant the Administration from her to the next of Kin ; that it was not meant by the Statute, the Ordinary should have that Latitude, but that where there was a Wife, she should have it ; if no Wife, the next of Kin.

If there be Grandfather, Father, and Son, and the Father dies Intestate, the Son shall have the Administration, and not the Grandfather, tho' they be both in equal Degree as to Nearness of Kindred, and so is the Opinion in *Godolphin*, that the Child or Children shall in that Case be preferred as to Administration. And cited *Palmer's Reports* 416. *Latch's Reports* 67. and *Brown's Case* 8 *Car.* that the whole Blood is to be preferred.

If there be Grandfather, Father and Son, and the Father dies intestate, the Son shall have the Administration, and not the Grandfather.

As to the Case of *Smith* and *Tracy* in *B. R.* there was a Prohibition moved for, because the Spiritual Court took upon them to distribute to the half Blood, and the Court ordered a Demurrer to be put in, that all might come before the Court ; but before any Judgment in that Case, the Lord Chief Justice *Hale* went off the Bench, and he and *Twisden* seemed all along to incline in Opinion against the half Blood, and afterwards the Lord Chief Justice *Rainsford* informing the Court, that in the Spiritual Court they distributed but half a Share to the

1 Mod. Rep. 209.

half Blood, there was no further Proceedings had in the said Cause: But then soon afterwards came Doctor *Story's* Case before Doctor *Rayne's*, then Judge of the Prerogative Court, and he let in the half Blood to a whole Share.

Per Lord Maynard, there is no Doubt, but the half Blood is capable of having the Administration; even an Alien of the half Blood is capable, and cited *Hinks's* Case, who, he said, died a Martyr for the Common Law, because in the Court of Wards, he would not swear a Lease for *one Thousand* Years to be a Fee-simple, and cited the Case in *Dyer*, where Administration was granted to the residuary Legatees, for that Administration is in respect of Interest; and said, that the Words in the Statute for Distribution *pro suo cuique jure*, according to Law, cannot be interpreted as to former Laws; for then there were no former Laws in Being, and so must be intended according to the Common Law. And it was observed that in *Scotland*, they give but half a Share to the half Blood; and they hold there, that Distribution ought to be, not so much according to the Order of Nature, but according to the Will of the Owner. And it could not be presumed, that a Man had as great a Kindness for those of the half Blood, as he had for those of the whole Blood.

The Court after long Debate said, this Case had been so often adjudged and settled here, that the half Blood should have an equal Share with the whole Blood, that to give a new Rule in it now, would make great Confusion, and Disturbance in very many Families, &c. and therefore thought fit to decree it, as it had been, to wit, a whole Share to the half Blood, and an Account to be taken accordingly.

Cases in Parliament 108.

Note, Upon an Appeal to the House of Lords, this Decree, after Civilians, and Common Lawyers had been heard

heard on both Sides at the Bar of the House of *Lords*, was confirmed about the Beginning of *Easter Term* last, in last Sessions of *Parliament*.

Scofield versus Whitehead.

Case 125.
Die Febris,
20 Feb', *Lords*
Commissioners.

THE Bill was to have a Covenant decreed in Specie, whereby the Plaintiff was to have a Pit in the Defendant's Ground for digging of black Stone, and that when the old one failed, he might sink a new Pit, and with a further Covenant that there should be no other Pit there for the digging of black Stone.

Bill for a specifick Performance of a Covenant, whereby the Plaintiff was to have a Pit in the Defendant's Ground, for digging

black Stones. Proved that the Defendant had for above sixty Years been in quiet Possession of this Pit, for digging black Stones. Bill dismissed.

But it appearing in the Cause that the Defendant, and those under whom he claims, had been in the Possession of a Pit there, and had used the same for above *sixty* Years past; the Court instead of decreeing the Covenant in Specie, dismissed the Plaintiff's Bill.

Richard Parrot, Plaintiff.

Case 126.
Eodem die,
Lords Commissioners.

John Wells and Elizabeth
ux' ejus nuper Elizabeth } Defendants.
Wilson and Henry Clerke,

THE Plaintiff's Father applied himself to the Defendant *Henry Clerke* a Scrivener, to borrow Money, and in (81) took up *two Hundred Pounds*, and the Plaintiff and one *How* became bound as Sureties with the Plaintiff's Father in two Bonds to the Defendant *Elizabeth*,
Where an Agreement made by a Scrivener on Behalf of his Client, to compound his Clients Debt, shall bind the Scrivener, though not the Client.

Elizabeth, (then *Elizabeth Wilson*) and one Mrs. *Abdy*. The Defendant *Clerke* the Scrivener, had the Ordering and Disposing of the Monies, and from Time to Time received the Interest due upon the Bonds. In 1687, the Plaintiff's Father fail'd, and the Plaintiff likewise, by reason of the Debts for which he stood engaged for his Father, failed, and the other Surety was dead insolvent, so that the Plaintiff's Father compounded his Debts with his Creditors at seven Shillings in the Pound, and he applied to the Defendant *Clerke*, to know where his Clients (to wit) the said Mrs. *Wilson* and Mrs. *Abdy* lived; but the Defendant told the Plaintiff and his Father, they need not trouble themselves to go to them, for they would be governed by him, and would make no Agreement without him, but what Agreement he made, they would stand by; hereupon they treat with *Clerke*, the Scrivener, and agree for *seventy* Pounds to be paid down, and *thirty* Pounds to be secured to be paid in a short Time, that the Bonds should be delivered up to be cancelled; so he had *ten* Shillings in the Pound Composition, where other Creditors had but *seven* Shillings. The *seventy* Pounds were paid pursuant to the Agreement, and the 30*l.* tendered. The Defendant *Clerke* refused to deliver up the Bonds according to his Agreement, and pretended his Clients had the Bonds, and that they would not part with them without Payment of the whole Debt, and threatned to put the Bonds in Suit; the Bill was therefore to compel the Defendant *Clerke* either to perform the Agreement, and deliver up the Bonds to be cancelled, or otherwise be decreed to save harmless and indemnify the Plaintiff against the same.

The Defendant *Clerke*, by Answer confessed the making of the Agreement, and said he did it in Expectation that his Clients would have been governed by him, as they had in other Matters; but they refused to stand to the Agreement, and hoped that as he acted only as their Agent, and was not to get or loose by the Matter, he should not be compelled to make good the Agreement.

After long Debate the Court decreed the Plaintiff to pay what was due to the Defendant *Wells* and his Wife, for Principal, Interest and Costs, on the Bond in Question, and the Defendant *Clerke* to repay, what the Plaintiff should so pay to *Wells*, and to indemnify the Plaintiff according to the Agreement.

Aynesley versus Vaughan.

Case 127.
Eodem die,
in Court, Lords
Commissioners.

THE Plaintiff's Bill was to have the Benefit of an Agreement, by which she surmised that one *Dalton Shaftoe* agreed, in case of Failure of Issue of his own Body, the Lands should remain to the Plaintiff, and that he and his Heirs should stand seised of the Premises, upon such Trust as aforesaid.

The Court supposed the Deeds produced by the Plaintiff purporting such Agreement to be forged: But in case there was any such real Agreement, yet it was well barred by the subsequent Agreement.

Richard Fowkes, Brian Satterthwaite and Thomas Fowler, } Plaintiffs.

Case 128.
9 die Feb',
Lords Commissioners.

Thomas Joyce, John Mills and George Lawrence & al, } Defendants.

THE Defendant *Joyce* being Owner of the *George* Inn in *Chipping Barnet*, in which Inn several Closes of Pasture lay near adjoining, and had been always used and occupied

L 1

A Grazier driving a Flock of Sheep to London, is encouraged by an Inn-keeper to put his Sheep into Pasture Grounds belonging to the Inn. The Landlord seeing the Sheep, consents they shall stay there one Night, and then distreins them for Rent. Grazier relieved against this Distress.

occupied with the Inn. The Defendant *Wills* was his Tenant at a great annual Rent, and was run *one Hundred and Thirty-two* Pounds in Arrear of Rent. The Plaintiffs being Graziers, their Servant was driving *one Hundred Twenty-three* fat Sheep to sell at *Smithsfeld*, and at *Barnet* were met by one *Matthems* a Servant of *Wills* the Inn-keeper, who tells them, that they had good Grafs in the Grounds belonging to the Inn, and that they should be there at the usual Rate of *eight Pence per Score per Night*: Before they were *levant* and *couchant*, the Defendant *Joyce* comes to the Ground, demands whose Sheep they were, and seeming to be in a Passion, the Drovers offered to take out their Sheep, but at last *Joyce* said, being they were in they might stay in; yet afterwards when the Men were gone to the Inn, *Joyce* caused the Sheep to be drove into the Pound, where they were kept *four* or *five* Days, and the Plaintiffs were forced to replevy them, and *Joyce* avowed for Rent-Arrear, and obtained Judgment at Law on a Demurrer: The Bill was to be relieved against this Judgment.

Upon the Hearing of the Cause, it being fully proved that *Joyce* was privy to the putting in the Sheep there, and that when the Plaintiffs Servants were, upon *Joyce's* seeming to be in a Passion, about to take them out, *Joyce* told them they might stay there for that Night; the Court looked upon this as a Fraud and Contrivance in *Joyce*, to subject the Plaintiff's Sheep to his Distress; and they seemed to think that the Grounds lying to the Inn, and used therewith, ought to have the same Privilege as the Inn hath, and Passengers Cattle not to be distrainable there. But however said, there was sufficient Cause to decree against *Joyce* for a Fraud; and decreed *Joyce* to answer to the Plaintiffs the Value of their Sheep with Costs, both at Law, and in this Court.

The Case of *Brodon* and *Peirce* was cited, where there being *twenty* Years Arrear of a Rent-charge, and Cattle came by Escape out of the next Ground, and were distrained, &c. the Lord *Nottingham* relieved against it in this Court.

If Cattle escape into the next Ground, and are distrained there for Rent, Equity will relieve against such Distress.

Beverley versus Beverley & al'.

Case 129.
22 die Feb',
Lords Commissioners.

ONE Point in this Case was, that old Sir *James Beverley* having by his Will devised the Lands in Question to his then eldest Son *Thomas Beverley*, for the Term of *sixty* Years, if he should so long live. And from and after his Decease to his Grandson *James*, eldest Son of the said *Thomas* in Tail Male, Remainder in Tail Male to the Defendant *Thomas Beverley* his next Brother, *James* the Grandson intermarried with the Plaintiff; and upon the Marriage a Settlement was made, and a Common Recovery suffered by *Thomas* the Father, and *James* the Son.

Devise of Land to *A.* for 60 Years if he so long live, and from and after the Death of *A.* to his eldest Son *B.* in Tail, whether this be a vested or contingent Remainder.

The Objection was, that the Devise to *James* being only of a Term of *sixty* Years, if he should so long live, and then from and after his Decease to *Thomas*: That the Freehold during the Life of *James* was in *Abeyance*, and no good Tenant could be to the *Præcipe*, and by Consequence *James* the Grandson being dead without Issue Male, the Lands belonged to the Defendant *Thomas*, as next Brother of the said *James*, by Virtue of the Entail which was not well docked.

Mr. *Finch* argued for the Plaintiff, that the Recovery was well suffered, and that the Limitation of the Entail was good expectant on the Term for *sixty* Years: And that it was so resolved in the Lord *Derby's* Case in *Hutton's Reports*, and that Judgment was confirmed again

Hutt. 119.
Pollcx. c. 67.

upon

A defective
Common
Recovery as
to a Tenant
to the *Præci-*
pe will bar
an Estate
Tail in a
Trust only.

upon a *Sci. fac.* That ours is a much stronger Case being a Limitation in a Will, where the Intent of the Party ought to be regarded, and no Advantage to be taken for want of the precise and nice penning of it, by reason that Testators are presumed to be *inopes concilii*; and therefore in a Will a Devise unto a Man and his Heirs, with a Remainder, is good; so here the Devise to *Thomas* for *sixty* Years, if he shall so long live, and from and immediately after his Decease, *that* ought to be intended of his dying within the Term, which was highly presumable, *Thomas* being then above *forty* Years of Age; the Possibility that *Thomas* might over-live, was a very remote and foreign Conjecture; so that there is not any Gap or *Hiatus* in the Settlement as they would pretend; but by this Construction the Freehold vested immediately in *James*, and *Thomas* had only a Term for *sixty* Years if he should so long live. But besides the Testator at the Time of the Devise had only an equitable Estate in him, the Estate in Law at the Time of his Purchase remaining in one *Biggs* an Infant, who had not to this Day made any Conveyance, so that the Common Recovery, though it was defective, as to a Tenant to the *Præcipe*, yet it was sufficient and formal enough to bar an Equity.

Per Cur. It would be hard to make such Construction on the Words of the Will, as to say where a Term is limited to a Man for *sixty* Years if he shall so long live, and from and after his Decease, to *A. B.* that it must be meant, from and after his Decease within the Term; for suppose he should out-live the Term, should the Remainder-Man take in the Life-time of *Thomas*, that were a Construction contrary to the Words, and Intention of the Testator. And as in this Case, it is of a Term for *sixty* Years; suppose it had been of *six*, *seven*, or *eight* Years, could there be any Room then for such Construction; and at what Number of Years is such Construction to begin; but in Regard the Testator had

only an equitable Title in himself, and the Estate in Law stood out in an Infant, the Court held the Recovery sufficient, and that even a Bargain and Sale would have done it; and decreed it accordingly.

Bargain and Sale only will bar an Estate-Tail of a Trust.
Post. Ca. 501.

In this Case the Widow of the Testator having given a Release of her Dower upon a Pretence that *three Thousand five Hundred Pounds* was given to her by her Husband's Will in lieu thereof; and this Release being on the Plaintiff's Marriage, produced and shewed to the Plaintiff and her Relations, and in Confidence thereof the Marriage having taken Effect, and a Settlement made and Portion paid; whether now the Widow who had recovered her Dower at Common Law, should be concluded by this Release, and obliged to part with her Dower to make good the Plaintiff's Settlement.

A Mother having a Right of Dower, to encourage a Marriage of her Son to A. B. releases her Dower, and shews the Release to the Wife and her Relations. It shall bind the Mother, though the Release was obtained by a fraudulent Suggestion.

by a fraudulent

The Court decreed it for the Plaintiff, though it was strongly insisted that this Release was gained by an ill Practice soon after the Death of her Husband, and upon a Pretence that she had *three Thousand five Hundred Pounds* given her in the Will in lieu of Dower, whereas such Sum was given her by the Will, but not meant or intended to be in lieu of Dower; and that her Son who surprised her into that Release, had also defrauded her of that *three Thousand five Hundred Pounds*.

Anonymus.

Case 130:
Die Jovis, 27
Feb', in Court;
Lords Commissioners.

THE Case was, that one *John Saunders* by his Will dated the 14th of Octob. (86.) devised *inter alia*, as follows, viz. my Nephew *William Beng* I make my sole Executor, and to him and his Heirs, I give and devise

One makes his Nephew Executor; and devises to him and his Heirs all his Lands in Trust, to sell and to pay all his Debts;

and his Childrens Portions, and gave to his Children 100 l. apiece. The Money arising by this Sale is not legal Assets, and the Debts and Childrens Portions, are to be paid in equal Proportions.

vise all my Messuages, Lands, Tenements and Hereditaments, upon Trust to sell the same, and with the Monies to be raised by Sale, and personal Estate, to pay my Debts, and Portions to my Children; and gave to each of his nine Children one Hundred Pounds apiece.

The Question was, whether the Money raised by Sale should be legal Assets.

Per Cur. The Devise being to him and his Heirs, the Lands must go in a Course of Descent, and he must take as a Trustee, and not as an Executor; and therefore decreed Debts and Portions to be paid in Proportion.

Cafe 131. *Eodem die.* Marquifs of *Hallifax* versus *Higgins*.

Mortgage at 5 l. per Cent. with covenant to pay 6, on Default of paying the Interest within 60 Days after due.

Money lent on a Mortgage at *five Pounds per Cent.* the Mortgagor covenants to pay *six Pounds per Cent.* if he made Default for the Space of *sixty Days* after the Time of Payment.

If the Interest is behind 60 Days, the Mortgage shall carry Interest at 6 l. per Cent. and the Court will not relieve against it.

The Court decreed that from Default made he should pay *six Pounds per Cent.* and that this Covenant was the Agreement of the Parties, and not to be relieved against as a Penalty.

Cafe 132.

Fortrey versus *Fortrey*.

In case of Judgment recovered against an Heir, who has a Reversion in Fee, which is only Assets *cum acciderit*;

WHERE a Man obtains Judgment against an Heir, who has a Reversion in Fee descended to him, the Judgment is only of Assets *quando acciderint*; and the Creditor cannot by a Bill in Equity compel the Heir to sell the Reversion, but must expect until it falls.

Court will not decree a Sale of the Reversion, but the Creditor must wait 'till it falls.

Gladman versus Henschman.

Cafe 133.
Die Luna, 3
Mar', Lords
Commissioners.

THE Mortgage was made in *June* 1678, for 450 *l.* principal Money, payable at the End of *five* Years, and Interest in the mean Time half yearly; no Interest being paid, about *two* Months before the *five* Years were expired, the Mortgagee assigned to the Defendant in Consideration of 560 *l.* being so much due for Principal and Interest.

A Mortgage made for 450 *l.* payable at the End of 5 Years with Interest at 5 per Cent. in the mean Time. About 2 Months before the End of the 5 Years,

the Mortgagee assigned over the Mortgage for 560 *l.* being the Principal and Interest then due. The 560 *l.* shall carry Interest, though the five Years were not elapsed; the Mortgage being forfeited by the Non-payment of the Interest.

The Question was, whether the Interest then due should carry Interest. It was objected, that he ought not to have assigned untill the *five* Years were quite expired; *sed non allocatur*; for the Mortgage was forfeited long before by Non-payment of the Interest; and the Court decreed the 560 *l.* to be paid with Interest from the Time of the Assignment.

D E

Termino Paschæ,

1690.

IN CURIA CANCELLARIÆ.

Case 134.

Maynard,
Keck, and
Rawlinson,
Lords Com-
missioners, die
Martis, 13
Maii.
Post. Ca. 188.

Bentham versus Alston.

THE Plaintiff was Successor to a Parson, who had made a Lease to the Defendant of his Tithe and Glebe for *three* Years; *two* Years and an half expired in the Life-time of the Lessor, and the Lessee had taken the Profits of the whole Year in the Parson's Life-time, who died before the last Rent-Day, the Plaintiff's Bill was to have that half year's Rent. *Vide* Statute 28 H. 8. cap. 11. The Plaintiff had not made the Executor of his Predecessor a Party. *Per Cur. dismiss the Bill.*

Case 135.
Eodem die.

Roberts versus Bennet, & contra.

A. devises
100 l. to B.
and by Will
releases to B.
all Debts and
Demands,
and after-
wards A.
lends B. 100 l. whether this 100 l. is released by the Will

Bennet devised to the Plaintiff a Legacy of *one Hundred* Pounds, and by his Will releases her of all Debts and Demands, and after the Date of the Will lends her

one

one Hundred Pounds. The Plaintiff's Bill was for her Legacy. The Defendant had a cross Bill to be satisfied this *Hundred Pounds.*

The Question was, whether the Will should discharge this last *Hundred Pounds* without any new Publication: And the Case of *Northcot* and *Northcot* was cited for that Purpose; if a Man *devises* all his personal Estate; *that* is a *fluctuating* Thing; and though the Estate after the Publishing the Will *encreases*, all passes; and so is *Bret* Plowd. 342. and *Rigden's* Case.

Per Cur. If the Executor, can recover it at Law, he may; we will not take away his Remedy, if any he hath; nor will give him any Aid in Equity; and therefore decreed Payment of the Legacy, and dismissed the cross Bill.

Franklin versus Green.

Case 136.
Mercurii, 14
Maii.

Legacies of *one Hundred Pounds* apiece devised to four Children, payable at Twenty-one or Marriage, and a Maintenance not exceeding the Interest in the mean Time, and the Plaintiff is appointed to receive the Profits of the Trust-Estate during their Infancy; the Plaintiff paid *twenty Pounds* for the placing out one of the Children an Apprentice, who died an Infant; and the *Hundred Pounds* being limited over in Case of Death before *Twenty-one* or Marriage; it was objected, the Plaintiff could not have an Allowance of that *twenty Pounds*, out of the dead Child's *Hundred Pounds*.

100 l. devised to an Infant payable at 21, and if he dies before, then it is devised over, and the Interest of the 100 l. is for the Child's Maintenance. The Trustee lays out 20 l. of the 100 l. for placing out the Child an Apprentice,

and the Child died under 21. this 20 l. shall be allowed.

Per Cur. It being paid to place the Child out an Apprentice, it was well bestowed, and might have been of better Advantage to him, than all the rest of his Por-

N n

tion,

tion, and therefore decreed it to be allowed upon the Account.

Levet versus Needham.

Cafe 137.

One devises Lands to Trustees and their Heirs in Trust to receive the Rents, until his Son shall come to 21, and to pay one Third thereof to the Testator's Wife in lieu of Dowry, and out of the other two Thirds to raise Portions for his Daughters; and devises all to his Son William, when 21, in Tail, Re-
mainder to

William Clerke, by Will in writing, devises to Sherwin and Turpin and their Heirs, his Lands in Sutton, upon Trust that they shall receive the Rents and Profits until his Son William attain his Age of *Twenty-one* Years, and pay a *third* Part thereof to his Wife Anne, in lieu of Dowry, and out of the other *two* Thirds raise Portions for his Daughters, and devises all to his Son William, when *Twenty-one*, in Tail, and for want of such Issue, distributes the Estate in several Shares amongst his Relations, to wit, *Blome's* Farm to his Sister Mary, other Part to his Brother Peter, and the Tithes in Sutton to his Sisters Anne, Martha and Deborah Needham. Anne the Widow married Mr. Coates, and died before such Time as her Son William, who died before her, would have been *Twenty-one*.

B. and C. The Wife dies. The Son dies before 21, and without Issue. Resolved, the Wife's Interest determines by her Death, and her Third shall not go to her Executors, until her Son would have attained 21. Resolved, the Remainder over to A. B. and C. are good, tho' the Son died before 21. Resolved, The Daughters Portions being raised, the Residue of the Term shall go to the Heir, as an Interest undisposed of by the Will. But it will vest in the Heir as a Chattle, and on his Death go to his Executor, until Testator's Son should have come to 21.

Upon the former Hearing, the Question being, whether the Executors, or Administrators of Anne the Widow, should have a third Part of the Profits, until such Time as the Son would have been *Twenty-one*, or whether by her Death the Devise to her ceased; and it being adjudged, that the Bequest as to her was determined, the Question now was, who should have that *third* Part of the Profits until the Son would have been *Twenty-one*, for that the Inheritance is not disposed of by the Will until such Time as the Son would have been *Twenty-one*.

It.

It was insisted that the Heir ought to have these Profits, the same not being devised away from him; and the Cases of *Counden* and *Clerk*, *Famkner* and *Famkner*, *Hob. 29*, *Tryan* and *Thornbury* were cited by Mr. *Bowes*, as Cases where the Heir should have the Benefit of any Thing not disposed of, and Lord *Maynard* said, here is a *Chasm*, *Hiatus*, a Gap in the Limitation of the Estate, no Provision or Disposition being made in Case of the Widow's Death before the Heir came of Age: But I take it that the Inheritance is nevertheless well disposed of, and that this is not such a contingent Remainder, as though the particular Estate fail, the Remainder should be void. In case of a Devise to a Monk, the Remainder over is good; and in this Case, the Fee is devised unto and lodged in Trustees, and no absolute Term carved out, but only a Declaration of Trust, and direction to them how to apply the Profits until his Son came to *Twenty-one*; and Lord *Keck* cited the Case of *Gore* and *Black*, where a Term for Years being created for Payment of *five Hundred Pounds*, when *that* was raised, the Heir had the Term.

Term raised for a particular Purpose when that Purpose is answered, the Term shall be in Trust for the Heir.

Per Cur. As to *Needham's* Pretence that this third Part of the Profits should follow the Inheritance, and so accrue to the Devisees according to their respective Interest in the Inheritance, the Case would not bear such Construction; because there is nothing devised to them, until after the Heir attain *Twenty-one*, and die without Issue: Nor had the Executor of the Testator, as Executor, a Right to this Term, for that it is not a Term absolutely raised, and taken out of the Inheritance, but rather a Direction to the Trustees, who have the whole Fee in them, how they should dispose of the Profits, until his Son attain *Twenty-one*: But in case it had been a Term absolutely raised out of the Inheritance, yet being raised for a particular Purpose, which is satisfied, the Heir should have the Benefit of the Surplus of the Term. But now though the Heir is favour-

ed

ed thus to have the Surplus of a Term, that is carved out of the Inheritance, for a particular Purpose; yet he must have it as a Term which must go in a Course of Administration, and not in a Course of Descent: And decreed accordingly for the Administrator of the Heir, and not to his Heir.

Memorandum, That a new Commission passed for the Custody of the Great Seal, on---- and Sir *John Trevor* and Serjeant *Hutchins* put in the Places of Sir *John Maynard* and Sir *Anthony Keck*.

D E

Term. S. Trinitatis,

1690.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Gofton verſus Mill.

Cafe 138.
Trevor,
Rawlinſon,
Hutchins,
Lords Commiſ-
ſioners, die,
Sabbati 21
Junii.

THE Lord *Sandys* by his Will deviſed *four Hundred* Pounds in full Satisfaction of all the Monies he owed *ſ. S.* and ſubjected his real Eſtate to the Payment of his Debts, the Debt owed *ſ. S.* was *eight Hundred* Pounds, but the Remedy was barred by the Statute of *Limitations*. The Bill was for the whole *eight Hundred* Pounds.

The Debt which *A.* owed *B.* was in all 800 *l.* but was barred by the Statute of *Limitations*. Court will ſuppoſe the Teſtator miſtaken in his Computation, and the whole Debt of 800 *l.* ſhall be paid.

For the Defendant it was inſiſted, that the Teſtator by his Will had declared how far he intended to give the Plaintiff a Remedy, *viz.* for *four Hundred* Pounds and no more.

Sed per Cur. We will rather ſuppoſe him miſtaken in his Computation; and there being a Proviſion here for Payment of Debts, a Debt upon which the Statute of *Limitations* has run, is nevertheless within the Proviſion

O o

equally

of *Limitations*. The Duty remaining, though the Remedy be gone.

A Deviſe for Payment of Debts, ſhall include Debts, the Remedy whereof is barred by the Statute

equally with any other Debt, and decreed the whole Debt to be satisfied out of the Trust, and the *four Hundred Pounds* to go only in Part.

Cafe 139.

Chapman versus Duncombe.

The Mortgagee on her Marriage settled the mortgaged Estate on her self for Life, Remainder to the Issue of that Marriage. The Mortgagee brings a Bill to redeem; Defendant omits setting forth the Settlement in her Answer; the Mortgagee has a Decree to redeem, and pays the Mortgage-Money. Afterwards the Issue of the Mortgagee brings an Ejectment on the Settlement, and recovers the mortgaged Premises. The Mortgagor relieved, having paid his Money pursuant to the Decree, and having been in no Fault.

THE Cafe was that a Mortgagee, to wit, (*Ralph Stint's* Daughter) to her third Marriage, with one *Duncombe*, settles the mortgaged Premises on her self for Life, Remainder on the Heirs of her Body; and after having Issue levied a Fine, and made her self barely Tenant for Life, Remainder to the Issue of that Marriage. The Mortgagor afterwards brings a Bill to redeem against the Mortgagee, who answered, and mentioned nothing of this Settlement, and thereupon the Cause was heard, and a Redemption decreed, and the Money paid to the Lady *Duncombe*, Daughter of *Ralph Stint*, the Mortgagee, and Mother of the now Defendant. And now after all, the said Defendant, *Sir William Duncombe*, being the Issue of the said Marriage, had by Virtue of the Settlement recovered at Law. The Bill was to be relieved against that Recovery at Law, and to have the Estate in Law reconveyed, and to be quieted in Possession.

For the Defendant it was insisted, he was in the Nature of a Purchaser, and claimed by the Marriage-Settlement, and though the Estate were subject to a Redemption, yet then he ought to have had his Proportion of the Money in lieu of the Land, and that he ought not to lose both.

For the Plaintiff it was said, that he having paid the Money for which he pawned his Land, he ought to
2
enjoy

enjoy it; that he brought his Bill, and had a Decree for Redemption, and the Defendant's Mother was a Party; and if the Defendant was cheated, it was by his own Mother, who made the Settlement, and afterwards concealed it.

Per Cur. Decree the Defendant to convey, and the Plaintiff in the mean Time to enjoy against him, and all claiming from, by or under him, and a perpetual Injunction against the Judgment.

John Elliot, Plaintiff.

Cafe 140.
25 Die Junii,
in Court, Lords
Commissioners,

Thomas Hancock and Jane
his Wife, *James Elliot* } Defendants.
and *Tho. Cripps,*

John Elliot the Plaintiff's late Father, being seised of a little Messuage in *Marlborough*, of *eight Pounds per Ann.* and possessed of a personal Estate to the Value of *two Hundred and fifty Pounds* or thereabouts, 14 *Octob.* 1663, made his Will in Writing, and thereby devised several Legacies, and gave to the Plaintiff his eldest Son, *five Pounds yearly for forty Years*, if the Plaintiff should so long live, and made *James* his second Son Executor, and residuary Legatee; and also devised unto him the said Messuage in Tail, with several other Remainders over. *James* proved the Will, possessed the personal Estate, and entered on the real Estate, and paid the Plaintiff's Annuity to the Time of his Death, and in *Nov.* 1681, died, and left an Infant Heir, and other Children, and made his Wife Executrix, who proved the Will, and after married the Defendant *Hancock*; and they pretend that *James Elliot* in his Life-time, had fully administered the Estate of the first Testator; or however, if he had wasted

Real Estate decreed to be charged with an Annuity given by the Will, though no express Words to charge the Land, the Executor being Devisee of the Land.

wasted any Part of it, yet he left no Assets to answer it, and therefore refused to pay the Plaintiff's Annuity, and insisted the real Estate was not liable to the Payment thereof, being never subjected thereunto by the Will; and *James* having by Fine docked the Entail, he borrowed *fifty* Pounds of the Plaintiff, and for securing the same, as also the *five* Pounds *per Ann.* for *three* Years, *James* conveyed the Messuage, &c. in Fee to one *Playsted* in Trust for the Plaintiff, redeemable at three Years end on Payment of the *fifty* Pounds and Interest, and the *three* *Five* Pounds, and that Money was repaid, and the Plaintiff reconveyed, and so had extinguished what Right, if any, he had upon the real Estate.

1 Vol.
306.

Per Cur. The Court took it that the Devisee of the Land, being also Executor, the Land should be liable to the *five* Pounds *per Ann.* according to the Judgment in the Case of *Clowdesley* and *Pelham*, and the rather, because it was all the Provision that was made for the Heir, who was disinherited, and the Executor and Devisee had, during all his Life-time, which was above *twenty* Years, duly paid the same. And as to the Pre-
tence of extinguishing his Right by the accepting of a Mortgage, that was not a good Defence, nor to be regarded in Equity, and therefore decreed to the Plaintiff his Arrears, and growing Annuity for the Time to come, and an Account of Profits of the real Estate for that Purpose, &c.

Walter

Walter & al', Plaintiffs.

Penry & al', Defendants.

Cafe 141.
Die Martii,
1 Julii,
in Court Lords
Commissioners.

UPON a Demurrer to a Bill of Review, the original Bill was for the Redemption of a Mortgage made so long since as in 1650, when Money was at *eight Pounds per Cent.* in Sept. 1660, Interest by the Statute is reduced to *six Pounds per Cent.* but the Money is still continued on this Security, and Interest paid after the Rate of *eight Pounds per Cent.* and now the Question was, whether *eight per Cent.* should be allowed as paid for Interest since 1660, or whether the *two per Cent.* over the Statutable Interest should not go to sink the Principal.

In 1650, A. makes a Mortgage to B. at 8 l. per Cent. Interest. In 1660, Interest is reduced to 6 l. per Cent. by Act of Parliament. A. for several Years after continues to pay 8 l. per Cent. whether the Interest paid after 1660, above 6 l. per Cent. shall go to sink the Principal.

The Cause was first brought to hearing before the Lord Chancellor *Nottingham*, on the Mortgagee's Bill to foreclose, and he being of Opinion that the *two per Cent.* should go towards sinking the Principal, the then Plaintiff dismissed his Bill, and afterwards the Mortgagor brought a Bill to redeem, and that coming to hearing before the Lord Chancellor *Jefferies*, he was of Opinion that the *eight per Cent.* being paid, and received as Interest, no Part of it ought to be applied to sink the Principal, and that the Statute had no Retrospect beyond 1660, but looked forwards to Contracts and Agreements then after to be made, and not to any Contracts and Agreements before that Time, and decreed the Account to be taken accordingly.

Now upon the Bill of Review, Lord *Trevor*, being there was a Decree already made in it, would not reverse it. Lord *Rawlinson* and *Hutchins*, on reading the Act of Parliament, held the Act had a Retrospect, and

makes it unlawful to take more than *six per Cent.* upon any Contract, whether made before or after the Act of Parliament. But that Part of the Statute, which adds Penalties, relates only to Contracts and Agreements then after to be made.

Cafe 142.
Eodem die.

Graham versus Stamper.

Indebitatus Assumpsit for Goods sold and delivered and Verdict for Plaintiff. Defendant brought a Bill, suggesting that he was Master of the Buck-Hounds and acted only in Relation to his Office, and that the King ought to pay for these Goods. Defendant pleaded the Verdict and demurred, for that the Matter was conufable at Law. Plea Over-ruled.

THE Defendant had recovered against the Plaintiff at Law in an *Indebitatus assumpsit* for Goods sold and delivered; the Bill was to be relieved against that Recovery, furmifing it was for Goods fold to the Plaintiff, as he was Master of the Buck-Hounds, and that the Lace and Lining was for the King's Servants, and that 'twas the King's Debts and not the Defendant's, and what he acted was in Relation to his Office, and not as a private Person, and that the Defendant was to expect his Money from the King, and not from the Plaintiff, and that the Plaintiff was only to pay it, if he received the Money from the King. The Defendant pleaded the Verdict and Judgment, and that the Plaintiff had infisted on the same Matter at Law, where it was ruled against him; and that a Writ of Error being near spent, he now brought this Bill for Delay and demurred; for that the Matter was conufable at Law, and the Bill contained no Equity; yet the Court, notwithstanding, over-ruled the Plea and ordered the Defendant to answer the Bill.

Cafe 143.
*Sabbati, 4
Julii, in Court,
Lord's Commis-
sioners.*

Robinson versus Bell.

Executor relieved after a Verdict at Law had against him upon a *plene Administravit*, and the

BILL to be relieved against a Judgment in an Action of Debt upon a Bond, upon *plenement administr.* pleaded, the Bill furmized that there were several Debts still

Verdict was had on producing the Executor's own Letter confessing a Mortgage made to the Testator for 500*l.* The Executor proving in Equity, that this Mortgage appeared afterwards to be worth nothing, and that there were two prior Mortgages upon the same Estate.

still unsatisfied of a higher Nature than the Defendant's, and that the Plaintiff had given Directions to his Attorney to plead specially, and he had not Assets *ultra* what would satisfy those Debts, but he by Mistake had pleaded generally, *plenement administr.* and farther charged that the now Defendant, by her Friends, applied to the Plaintiff, to know the Value of the Testator's Estate, and of the Debts that were owing by him; and he informed them thereof accordingly, and at their Desire he was prevailed upon, for the now Defendant's Satisfaction, to write a Letter to the Defendant, and therein to mention the Particulars of the said Testator's Estate; and in the Letter so by him wrote, he mentioned *three Hundred Pounds* as due on a Mortgage to the said Testator; and upon the producing that Letter at the Trial, the Judge took it as sufficient Evidence to prove, that the *three Hundred Pounds* came to the Defendant's Hands, and directed the Jury accordingly; whereas in Truth, after such Time as the Plaintiff wrote that Letter, he discovered that it was a bad Security, there being three precedent Mortgages on the same Lands, so that the *three Hundred Pounds* is not received, but is all standing out at this Day: The Defendant confessing the Letter, and that it was given in Evidence at the Trial at Law; and it appearing that there were such precedent Mortgages, and that the *three Hundred Pounds* was still standing out upon that Security; the Court thought fit to relieve the Plaintiff, and granted an Injunction to stay Proceedings at Law, and directed an Account of Assets, and on Payment of what should appear due to the Defendant, to acknowledge Satisfaction of the Judgment; and the Lord Commissioner *Hutchins* said he thought the Plaintiff was proper in this Court for Relief upon both Points, and cited a Case in the Lord *Bacon's* Time, where upon an Action of Debt upon a Bond of *seven Hundred Pounds* brought against one as Executor, he pleaded *ne unques*

Execut', In Debt against an Executor for 700*l.* Executor pleads *ne unques Executor*; and on proving at

the Trial, that a Chimney-back, or some other slight Thing, came to the Defendant's Hand, Plaintiff had a Verdict, but Equity relieved against the Verdict. So in another Case upon the like Plea of *ne unques Executor*, Plaintiff proved the Defendant took Money for a Pot of Ale sold by the Testator in his Life-time, and Equity relieved.

Execut', and upon the Evidence it appeared, that a Chimney-back, or other Matter of very small Value, had come to his Hands; and thereupon a Verdict passed against him, and the Judges came into Court and informed the Lord Keeper this was the Fact; and the Party was relieved in Equity. And he also cited the Case of *Cryer and Goodband* in my Lord Nottingham's Time, where in an Action of Debt brought against the Widow of an Ale-House Keeper, who died intestate, she pleaded *ne unques Executor*, and all the Proof that was against her, was that she had taken Money for some few Pots of Ale sold in the House after her Husband's Death, and upon hearing she was relieved.

Case 144.
Die Martis,
8 Julii, Lords
Commissioners.

Cordell versus Noden & al'.

A. by Will gives several Legacies to his Relations, amounting to near the Value of his Estate; and makes B. and C. his Executors, and gives them 20 l. and intreats them to take the Trouble of getting in his Estate. Testator lives 10 Years after, and acquires an additional Estate. Decreed the surviving Executor but an Executor in Trust, and that the new acquired Estate should go to the Legatees in Proportion to their Legacies.

ONE Mr. Cordell in 1674, made his Will to the Effect following: *I dispose of my Estate after mentioned, and what else I have in the World, in Manner and Form following*, and then distributes his Estate amongst his Relations, (the particular Legacies amounting unto near the Value of his whole personal Estate, as appeared by a Calculation of his own Hand-writing by him about that Time made) and then made his Mother and Mr. Noden Executors, and gave them *twenty* Pounds, and intreats them to take the Trouble of getting in his Estate. The Testator lives *ten* Years after this, and acquires an additional Estate, and dies, not having altered nor new published his Will.

The Bill was by the Legatees to call Mr. Noden, who was the surviving Executor, to an Account for the personal Estate, alledging he was intrusted therein for their Benefit. The Defendant by Answer confessed the Will; that the Testator lived *ten* Years afterwards, and acquired

quired a considerable additional personal Estate, and conceived he was intitled to it, as being the surviving Executor, but submitted to the Judgment of the Court.

Upon long Debate of this Case, the Court agreed in Opinion, that the Defendant should be but in the Nature of a Trustee for the Benefit of the Legatees. Lord *Trevor* conceived *Cordell* could not be said to die Intestate, (as was urged by the Plaintiff's Counsel) as to the new acquired Estate; for having left a Will, and an Executor, he could not be said to die Intestate: But he took it, that upon the Face of the Will, the Defendant *Noden* was only an Executor in Trust for the Plaintiffs, and that the new acquired Estate should be distributed to the Legatees in the Will, in Proportion to the Legacies thereby devised; and as if the Estate had fell short, they must have abated in Proportion, so now it is increased, it shall be advanced in Proportion.

Lord *Rawlinson* of the same Opinion, and rested much on the Words *I dispose of my Estate after mentioned, and what else I have in the World, as follows, &c.*

Lord *Hutchins*: That *Noden* was a Trustee, and the Estate should go to augment the Legacies in Proportion, and said there might a Trust appear upon the Face of a Will in an Executor, as well as upon the Face of a Deed or Assignment; and cited the Case of *Pring and Pring*, Ant. Case 94. where in the Will it was said, he made J. S. Executor in Trust, and not said for whom, and decreed a Trust for the Widow. And said he was told of a Case adjudged in the Court, when he was absent through Sickness, where a Man had made his Wife and J. S. Executors, his Wife being aged and unable to collect and get in the Estate, and made his Wife residuary Legatee: It happened that the Wife died in the Life-time of the Testator, who left four Children, who brought a Bill against the surviving Executor, and their Bill was dismissed: Tho' upon the Will,

the Wife was made residuary Legatee, and the Intention of the Testator, no Question, was that she should dispose of the Estate for the Benefit of the Children, and confided in her for that Purpose.

Cafe 145.
Fovis 17 Julii,
Lords Commif-
sioners.

Hunsden versus Cheyney.

The Mother who was the absolute Owner of a Term, is present at a Treaty for her Son's Marriage, and hears her Son declare, that the Term was to come to him at his Mother's Death, and is a Witness to the Deed, whereby the Reversion of the Term is settled on the Issue of this Marriage after the Mother's Death. The Mother is compellable in Equity to make good this Settlement, and to settle the Reversion of the Term accordingly after her Death.

THE Mother to whom a Term was limited in Tail, stands by at a Treaty of a Marriage, intended to be had betwixt her Son and the Plaintiff's Mother, and hears her Son upon that Marriage declare, that the Term was to come to him after the Death of his Mother, and is a Witness to the Deed, whereby the Son took upon him to settle the Reversion of the Term expectant on his Mother's Decease, on the Issue of that Marriage, and did not mention or insist she had more than an Estate for Life therein: The Bill was brought by the Son of that Marriage, complaining that his Grandmother, notwithstanding the Premises, gave out she *was Tenant in Tail of the Term*, and could dispose of the Term at her Pleasure, and threatened to alien it, and prayed the Benefit of the Marriage-Settlement, and that the Defendant might be compelled to make it good, as to the Reversion of the Term after her Decease.

And though it was insisted on for the Defendant, that she was not guilty of any Fraud or ill Practice, but was ignorant of her Title, and knew not that she, as being Tenant in Tail of a Term, might dispose of it, and was no Party to the Marriage-Agreement, or concerned in it, and that it might rather be presumed, that she was imposed upon by her Son, and made to believe that she had but an Estate for Life, when she had in Truth the Ownership of the whole Term in her, yet

yet the Court decreed it for the Plaintiff; and as a like Case cited the Case of Dr. *Amyas*, who stood by and suffered a Purchaser to go on without disclosing of his Title, and the Case between *Charles Clare* and the Earl of *Bedford*, who only witnessed a Deed, and told the Money lent at his Master's Chamber, being his Clerk, and for that alone had his own Security postponed.

A Prior Incumbrancer being a Witness to a subsequent Mortgage, does not disclose his own Incumbrance. He shall be postponed.

Dale versus Smithwick.

Case 146.
Eodem die.

THE Plaintiff lent *seventy* Pounds to the Defendant's Uncle, and for his Security took only a Warrant of Attorney to confess a Judgment in Ejectment of three Clofes upon a feigned Demise for *twenty* Years.

One borrows 70 l. of A. and as a Security gives him a Warrant of Attorney for a Judgment in

Ejectment of 3 Clofes of Land, upon a feigned Demise for 20 Years. This is a defective Security, but a good Agreement in Equity to charge the Land.

Per Cur. It is a defective Security, and amounts to a good Agreement in Equity to charge the Land, and decreed it accordingly against the Heir.

Martin versus Long.

Case 147.
Die Veneris,
18 Julii,
Lords Commissioners.

J. S. Devises to his Son *Martin* a Lease-hold Estate to him, his Executors, Administrators and Assigns for ever; but if he died before *Twenty-one* without Issue, in that Case devises it over to his Brother. The Question was, whether the Remainder over was good: It was objected, that it was a Perpetuity, for that the Remainder depends on *Martin's* Dying without Issue; for if he die before *Twenty-one*, though he leaves a Child, and that Child afterwards dies without Issue, *Martin* may be said to

Devise of a Term to J. S. and his Assigns for ever, but if he dies without Issue before 21, then to go over to his Brother. This is a good Devise over.

to be dead before *Twenty-one* without Issue. *Sed non allocat' per Cur.* Decreed the Remainder over good, and the like Case between *Smith* and *Smith* in the Exchequer, was cited to be so adjudged.

Claxton versus Claxton.

Case 148.

Eodem die,
Lords Commissioners.

Devise of Land upon which Timber is growing, to *A.* for Life, Remainder to *B.* in Fee, paying several Legacies within a limited Time. And in Default of Payment, the Remainder in Fee is devised over to *C.* he paying the Legacies. Upon a Bill brought by *B.* the Court gave Leave to *B.* to cut down Timber for the Payment of the Legacies, tho it was opposed by the Tenant for Life, and the Devisee over. *Post.* Case 199.

ONE *Morris Claxton* devises his Lands to the Defendant *Dorothy* his Widow for Life, Remainder to the Plaintiff and his Heirs, paying several Legacies at the Times appointed in his Will for that Purpose; and if he do not pay accordingly, Remainder over to one *Bacon*, he paying the Legacies; and if he failed, the like Remainder over to the Defendant *Felton*, he paying the Legacies: Now the Plaintiff's Bill was, in regard there was a great Quantity of Timber growing upon the Estate, which belonged to him in Right of his Reversion, that he was willing it should be sold, and the Legacies paid, but that the Widow, who had barely an Estate for Life, and could make no Profit thereof her self, yet she in Combination with the other Remainder-Men, designing to make the Plaintiff forfeit his Estate by Non-payment of the Legacies, and refused to permit him to fell the Timber, though he offered Satisfaction for any Damage she should sustain thereby, and therefore prayed he might have Liberty to cut and carry off the Timber, and sell it for Payment of the Legacies, making the Widow Satisfaction.

The Widow by Answer insisted, that the Plaintiff had no Right to take off the Timber in her Life-time, and the Defendant *Felton* hoped he should not be compelled to consent to the doing thereof.

It was objected, that the Plaintiff had made the Widow and Mr. *Felton* Parties, and had not *Bacon*, who was next in Remainder after the Plaintiff, before the Court, but Mr. *Felton* a more remote Remainder-Man; the Answer that was given, was that *Bacon* was willing and consenting to it, and therefore they had no Occasion to make him a Defendant.

The Court thought it reasonable that the Plaintiff should have Liberty to take off the Timber, making Satisfaction to the Widow for breaking the Ground by Carriage, Waste, &c. and referred it to a Master to see what Quantity of Timber was necessary to be felled for Payment of the Legacies, and what might be conveniently spared. Lord *Hutchins* cited a Case of *Nelson* and *Nelson*, where he said was a like Decree for Sale of Timber, in the Life-time of the Tenant for Life, for Payment of Legacies.

*Edward Wareham, and o-
ther Creditors and Le-
gatees of Sir Anthony
Brown,* } Plaintiffs.

Case 149.
Eodem die.

*Sir George Brown, Nephew
and Heir of Sir Anthony,
Will. Brown the Execu-
tor, & al',* } Defendants.

SIR *Anthony Brown* being seised in Fee of several Ma-
nors and Lands in the County of *Wilts* and *Bucks*,
19 Octob. 1688, made his Will, and thereof made the

R r

Defendant

One devises
to 2 of his Si-
sters 400 l.
apiece, and
to his 3d Si-
ster what his
Executors
should think

fit. The Court decreed the 3d Sister should have 400 l. also, and be made equal to her two other Sisters, if the Estate would hold out.

Defendant *William Brown* Executor, and by his Will devised unto *two* of his Sisters 400*l.* apiece, and unto the *Third*, what his Executors should think fit, and then (*inter alia*) devised as followeth, *viz.* I give and bequeath all that Manor of *Ludgishall*, and the Manor of *Biddwell* in the County of *Wilts*, and all that Lordship of *D.* in the County of *Berks*, unto my Brother *John Brown*, and to the Heirs of his Body; and for want of such Issue, I give the same to my Brother *George Brown*, and the Heirs of his Body; and for want of such Issue, I give the same to my Uncle *Anthony Brown* and his Heirs. *Item*, I give and bequeath unto my Executor, full Power and Authority to raise out of my Estate, the Sum of *five Hundred Pounds*, for the Use of the next Heir of my Estate, if my said Executor shall think it necessary: And also I desire my Executor, to see all my just Debts which he shall find due, and my funeral Charges, paid and satisfied. *Item*, I give and bequeath unto my said Executors, all the Rest and Residue of my whole Estate unbequeathed, to pay and distribute according as my said Executor shall think it most fit and requisite.

A. devises Lands to B. in Tail, Remainder to C. and gives his Executor Power to raise out of his Estate 500 l. for his next Heir, and desires him to see his Debts paid. This gives the Executor a Power to sell the Lands to pay the Debts.

Upon the Reading of this Will, the Court held that *William Brown* the Executor, had sufficient Power to sell the Lands, and that the real Estate by the Will was subjected to the Payment, both of Debts and Legacies, and decreed it accordingly. And as to the eldest Sister, who was to have only what the Executors should think fit, they thought it reasonable she should have *four Hundred Pounds*, and be equal with her other Sisters; but reserved the Consideration thereof, until after the Account taken, and they should see how the Estate would hold out.

I

Tyrrel versus Beake.

Cafe 150.
Die Lune, 21
Juli, Lords
Commissioners.

THE Defendant was Owner and Freighter of an interloping Ship that went to the *East-Indies*, the Plaintiff was Captain of a Man of War, and took the Defendant's Ship at Sea, even out of the Limits of the *East-India* Company's Charter, and she was condemned in the *Admiralty*, and the Ship and Goods delivered to the King's Use. Upon the Plaintiff's Return to *England*, the Defendant brought an Action of *Trover* against him the Plaintiff; the Defendant at Law first put in a Plea in *Abatement*, which was over-ruled, then pleaded the same Matter in *chief*, and thereupon Judgment was obtained against him, and a Writ of Inquiry of Damages executed, and Damages assessed to 1300*l.* To be relieved against which the Plaintiff brought his Bill, alledging, that what he did, was by Virtue of his Majesty's Commission, and as he was Captain of a Man of War; that the Ship and Goods were condemned in the *Admiralty*, and seized to the King's Use; that he received not one Shilling to his own Use; that the Damages were excessive, as would appear by the Bills of Lading, if produced, and that the Writ of Inquiry was by Contrivance executed, when he was at Sea; so that no Defence could be made, and done the last Day of the Term, about Noon of the same Day; so that he could not move the Court at Law for a new Trial that Term; and Judgment was entered up before the next Term; so that then he came too late. The Defendant pleaded the Proceedings at Law *prout*, &c. that Defence was made at the executing the Writ of Inquiry, that his Ship and Goods were really worth one Thousand three Hundred Pounds, &c.

The Plaintiff Captain of a Man of War seizes the Defendant's Ship, (being an Interloper,) out of the Limits of the *East-India* Company's Charter, and she and her Goods condemned in the *Admiralty*, and delivered over to the King's Use. The Defendant, the Owner and Freighter of the Ship, brings *Trover*, and recovers 1300*l.* Damages. The Plaintiff brings Bill to be relieved against this Judgment; Defendant pleads the Judgment and Proceedings at Law. Plea over-ruled.

The Court disallowed the Plea, and ordered the Defendant to answer, and continued the Injunction to Hearing.

Hitchcox

Cafe 151. *Hitchcox & al' versus Sedgwick & al',*
 23 Julii,
 Lords Commis-
 sioners.
 Post. Cafe 187. *& econtra.*

THE Cafe was, that one *Slaney* was joint Factor with one *Cudmore* at *Lisbon* in *Portugal*, in 1682, and they being considerably indebted, procured a Letter of Licence from their Creditors, 18 Nov. 1684. *Slaney* being seised of the Manor of *Lulsey*, in the County of *Worcester*, demises the same to one *Minshal* for five Hundred Years, by way of Mortgage to secure a Debt of eight Hundred Pounds. Some Time after *Slaney* comes over into *England*, and in *March* following borrows two Thousand two Hundred Pounds of *Sedgwick*, and by Lease and Release the 6th and 7th of *March*, 1684, makes a Mortgage in Fee to him of the said Manor of *Lulsey*, and on the 7th of *March*, *Minshal* being paid off with this Money, assigns his Mortgage to one *Harris* in Trust for *Sedgwick*. It seems that on the 21st of *Feb.* 1684, but unknown to *Sedgwick*, a Commission of Bankruptcy was taken out against *Slaney* and *Cudmore*, and on the 2d of *March* before *Sedgwick's* Mortgage, the Commissioners had made an Assignment to *Yote* and *Birds* in Trust for the Creditors: *Sedgwick* hearing of it, and understanding that the Estate was sufficient to pay all the Creditors, who were then come in, as also to pay him his two Thousand two Hundred Pounds, is advised to come in as a Creditor, and paid his Contribution; and *August* 14, 1685, there was a Deed of Distribution made of the said Manor, that is to say, the same was valued at three Thousand Pounds, and that Money distributed amongst the Creditors. *Sedgwick's* Share was two Thousand two Hundred Thirty-five Pounds six Shillings and five Pence. On the *Decemb.* 2. 1685, more Creditors came in, and a second Distribution is made: In *Jan.* 1685, the Assignees sold the Manor, and conveyed it to *Noden* in Trust

Truſt for *Sedgwick* for *three Thouſand Pounds*. *Sedgwick* had in Money and Bills the whole Conſideration-Money there, and had an Allowance of his own Debt, and paid the reſt of the Monies to the Aſſignees for the Creditors. After this ſeveral Orders on Petitions were made by the late Lord Chancellor *Jefferies*, for ſetting aſide this Purchase, and Proceedings upon the Statute of Bankrupt, and for letting in other Creditors, and the Aſſignees were ordered to repay the Money, and *Noden* to re-convey to the Aſſignees.

The Plaintiff's Bill was by the Creditors of *Slaney*, to be let in under the Commiſſion of Bankrupt, and to have the Lands ſold for their Satisfaction, and to redeem the firſt Mortgage, if precedent to the Bankruptcy: *Sedgwick's* Bill was to have a Reconveyance from the Aſſignees, and he reſtored to what he had loſt by arbitrary Orders on the Petitions. The principal Queſtions in the Caſe were,

Whether a Man who lends Money to a Bankrupt after a Commiſſion of Bankruptcy ſued out againſt him, and actual Notice of it, can come in under the Statute as a Creditor.

Whether one who lends Money to a Bankrupt after a Commiſſion ſued out againſt him, but before

actual Notice of it, can come in under the Statute as a Creditor. By two Lords Commiſſioners againſt one, who doubted, he cannot.

Secondly, Whether *Sedgwick* having really and *bona fide*, lent his Money without any actual Notice of the Bankruptcy, and having an Aſſignment of *Minsbal's* Mortgage, by which he might protect himſelf at Law, a Court of Equity ſhall take that Plank from an Innocent Purchaſer.

A. makes a Mortgage, and afterwards a Commiſſion of Bankruptcy is taken out againſt him, and Commiſſioners make an

Aſſignment of his Eſtate, and then *B.* lends 2000*l.* to the Bankrupt on a ſecond Mortgage having no Notice of the Bankruptcy, and afterwards he gets in the firſt Mortgage. This prior Mortgage ſhall not protect the Mortgage ſubſequent to the Bankruptcy.

Whether a Distribution by Commissioners of Bankrupt among the Creditors upon a supposed Value of the Bankrupt's real Estate, when the Commissioners had no Money to distribute, is fraudulent, and to be set aside.

A third Question was made, whether any Distribution or Dividend in this Case had been well made, in regard that though a Deed for that Purpose was made in Aug. 1685, and the *three Thousand* Pounds mentioned to be distributed amongst the Creditors, yet in Truth the Manor was not then sold, nor had the Assignees any Money to distribute, but this was a colourable Distribution contrived to defraud and shut out the rest of the Creditors.

As to this last Matter it was answered, that the Distribution was well and regular, and so held to be by the Court, and that nothing is more usual than to make a Distribution before the Estate be actually sold, and the Words of the Act of Parliament are that the Commissioners shall have the ordering of the Bankrupt's Estate, so there is no Necessity for them to sell and distribute the Money amongst the Creditors; if they allot a Proportion of the Land to each Creditor, it is well enough.

As to the *first* Question, whether *Sedgwick* could come in as a Creditor for Money lent after the Commission sued out; Lord *Trevor* and *Hutchins* held that he could not, but was excluded; *Rawlinson* doubted, and took it to be a new Point not yet settled, and that there were no Words in the Act to exclude him.

As to the second Point, Lord *Rawlinson* was of Opinion that *Sedgwick* as an innocent Purchaser ought to have the Advantage of all his Securities to defend himself at Law, and that this Court ought not to take any Advantage from him; and said he would consider the several Steps, that this Court had gone in Favour of Purchasers, in allowing them to defend themselves by any Advantage they could get at Law: That where a Purchaser

chaser buys in an old Statute or Mortgage, though nothing be due upon it, he shall be admitted to defend himself by it, as was the Case of *Higden and Calamy*, 21 Car. 2. and the Case of *Wymonfel and Hamland*, May 1674, and many Cases of that Kind. The next Step has been that Purchasers, who have got an Advantage at Law, though by undue Means, have been permitted to profit by it. And for that Purpose cited the Cases of *Burnel and Ellis*, where *Ellis* had got the Deed of Rent-charge into his Hands: And 22 Car. 2. Sir *John Fagg's* Case, who got the Deed of Entail into his Hands by a Trick: And the Case of *Harcourt and Knowel*, where a Release was obtained from a Grantee of a Rent-charge, without any Consideration and by Fraud, and yet a Purchaser admitted to take the Advantage of it: And the Case of Lord *Huntington and Greenville* first decreed to protect a Purchaser, and after that a Release gained from an Administrator *de bonis non*: And the Case of *Seybourne and Clifton*, where Plaintiff and Defendant had each of them purchased a Reversion, expectant on the Death of Tenant for Life, the Plaintiff's Bill was, that he might examine his Witnesses to preserve their Testimony, and be admitted to try his Title in the Life-time of the Tenant for Life; but forasmuch as the Purchaser was a Defendant, the Court would do nothing in it, but dismissed the Plaintiff's Bill, and he lost his Land for want of examining his Witnesses; and as to what has been objected, that the Suing out the Commission, was presumptive Notice of the Bankruptcy to all Persons, and that *Sedgwick* was bound to take Notice of it: He said this Court had been always very careful not to impeach Purchases by presumptive Notice, and for this cited the Case of *Brampton and Barker*, 2 die Junii, 1671. Tenant for Life, Remainder to his first Son mortgaged for one Thousand five Hundred Pounds: The Deed of Settlement was then produced,

When a Purchaser buys in an old Statute or Mortgage, tho' nothing is due upon it; yet in Equity he shall defend himself by it: So he shall, though he got in this prior Incumbrance by undue Means.

Court wont give Leave to Plaintiff to examine Witnesses to perpetuate Testimony, tho' in case of a Purchase of a Reversion, where there can be no Trial at Law during the Estate for Life.

Court of Equity, in impeaching a Purchaser's Title upon presumptive Notice. Tenant for Life, Remainder to his first Son, assures the

Mortgagee that he had no Son, whereas he had a Son born five Days before, and delivers the Settlement to the Mortgagee. The Mortgagee being advised that before the Birth of a Son the Tenant for Life might destroy the contingent Remainder, lends his Money, having no Notice a Son was born. The Son of the Mortgagor shall not be relieved against this Mortgage.

duced, and seen by the Purchaser, who notwithstanding lent the Money, being advised that the Tenant for Life, not having then any Son born, could destroy the contingent Remainders; whereas in truth there was a Son born *five* Days before the Lending of the Money; but the Mortgagees having no Notice thereof and having got the Deed of Settlement, the Court would not relieve against the Purchaser; but dismissed the Bill. And the Case of *Philips and Redhil*, 17 Nov. 1679, Where Tenant for Life sold as Tenant in Fee, and the very Deed of Settlement at the Time of the Purchase was produced and delivered to the Purchaser himself; yet the Court would not affect the Purchaser with the presumptive Notice; but dismissed the Bill.

As to the Objection, that a Bankrupt had nothing in him to sell or dispose of, but the Estate was devested by Act of Parliament, and the Inheritance and Equity of Redemption vested in the *Commissioners*, who by the Act have Power to perform Conditions, and at the Time of the Commission sued out, the Mortgage was not forfeited. He said there had been Cases in this Court, where a Man purchased from a Bankrupt who in Truth had no Estate at all in him, and yet such Purchaser by buying in an Incumbrance has been permitted to protect himself; as where a Man first made a Mortgage, and after for a further Consideration absolutely released the Equity of Redemption, and after all this makes a second Mortgage for *one Thousand* Pounds, such second Mortgagee shall protect himself by an old Statute; and cited the Case of *Taylor and Tabor* where the Defendant in the late Times having purchased under the Parliament Title, after the Restoration of King *Charles 2.* purchased in an old Statute, and this Court would not relieve against the Purchaser; and he put this Case; A Man articles to sell unto *J. S.* afterwards *J. D.* gets a second

A Man makes a first Mortgage and afterwards for a further Consideration, absolutely releases the Equity of Redemption, and then makes a second Mortgage. The second Mortgagee shall protect himself under an old Statute. One in the Time of the

5

cond

Rebellion purchased under the Parliament's Title, and after the Restoration gets in an old Statute; Equity would not relieve against him. One articles to sell Lands to *A.* and afterwards articles to sell the same Lands to *B.* *B.* pays the Money and gets a Conveyance, and *A.* assigns his Articles to *C.* who gets in an old Statute; he shall defend himself by it.

cond Article, and actually pays his Money, and has a Conveyance. J. S. afterwards assigns the Benefit of his Articles to a Man, who gets in a Statute, and he was permitted to defend himself by it. And he said forasmuch as *Sedgwick* had in this Case got the Law on his Side, he could not consent to do any Thing to take a Plank from an innocent Purchaser, as *Sedgwick* appeared to be, no Manner of actual Notice being proved; nor could it be presumed he would have been so mad as to lend *two Thousand two Hundred Pounds*, if he had known *Slaney* was a Bankrupt. And altho' the Commission was sued out before the Money lent, he did not think that ought to bind him, or to be such Notice as should affect a Purchaser.

A Plank not to be taken from an innocent Purchaser.

Lord *Trevor* and *Hutchins* were of a contrary Opinion, and held first that he was not a Creditor within the Act of Parliament. And *secondly*, That he was not in the Case of an innocent Purchaser: When the Commission was sued out, he was bound to take Notice: Lord *Hutchins* said, the Case turned upon this, that *Slaney* at the Time of *Sedgwick's* Mortgage, had no Estate or Interest in him, either in Law or Equity: all was devested and gone by the Act of Parliament, to which all Persons are presumed to be Parties, and are bound by it. And the Act gives the *Commissioners* Power to perform Conditions, and in this Case the Mortgage was not forfeited; but in Case it had, he held the *Commissioners* should have had the Equity of Redemption; and said the Cases that had been put, would not come up to this Case, for that there was a Difference where a Man had devested himself of his Estate by his own Act, and where it was taken out of him by Act of Parliament, whereunto all Persons are supposed to be Parties, and are concluded by it; and said that seemed a very strong Case to him that had been put of a Purchaser's, in the late Times, Buying in a Statute to protect his Title; if that had been allowed, most *Cavaliers* would have lost their Estates. And said he

Every one bound to take Notice of a Commission of Bankruptcy when taken out.

An honest
Debt may be
lost by play-
ing a Trick
to come at it,
as by adding
a Seal to a
Note, which
is good with-
out it.
Fraudulent
Distributions
by Commis-
sioners of
Bankrupt,
may be set
aside by the
Lord Chan-
cellor on a
Petition.
Whether
Trading be-
yond Sea, or
Committing
an Act of
Bankruptcy
beyond Sea,
be within the
Statutes of
Bankrupt.

looked upon the Distribution that was in this Case to be a fraudulent Contrivance, to divide when they had nothing to distribute; and said, though *Thomas Sedgwick* had an honest Debt, he had lost that Honesty by playing a Trick to come at it; and cited Sir *William Beversham's* Sister's Case, who by adding a Seal to a Note, which was sufficient without a Seal, lost her Security. And said he thought the Lord Chancellor had done well to set aside the colourable Distribution and Sale, and that he might well do it, even upon a Petition. And said it had been so done in the Lord *Clarendon's* Time; and that it appeared in the Case that *Slaney* was a Factor in *Portugal*, and so long ago as in (82.) did that in *Portugal*, which if done in *England*, would have made him a Bankrupt; but that Question was not yet settled, whether the committing Acts of Bankruptcy beyond Sea, or whether trading only beyond Sea, be within the Reach of the Statutes. He said in the Case of one *Anderson*, who traded in *Ireland*, he was adjudged a Bankrupt within the Statute; but there it was proved, he came some Times over to *Chester* to buy Goods, and therefore he did not see any Bankruptcy that would reach *Minshall's* Mortgage.

And thereupon it was decreed that the Land should be sold, *Sedgwick* to be paid the *eight Hundred* Pounds, and Interest due on *Minshall's* Mortgage, then the Costs of this Suit to be born out of the Estate, and the Residue to be paid amongst all the Creditors in Proportion; but *Sedgwick* not to come in for his *two Thousand three Hundred* Pounds.

Thomas Bradley, one of the
younger Sons of *Thomas*
Bradley Deceased, } Plaintiff.

Cafe 152.
Eodem die,
Lords Com-
missioners.

Richard Bradley, Son, Heir }
and Executor of the said } Defendants.
Thomas Bradley & al', }

T *Thomas Bradley Deceased*, the Father of the Plaintiff and Defendant, *Sept. 7, 1688*, made his Will, and devises to each of his younger Children pecuniary Legacies, and particularly to the Plaintiff *one Hundred Pounds* at *Twenty-one* or Marriage, and thereby deviseth unto the Defendant his *three* Copyhold Messuages at *Mile-End* in Fee, and likewise his Leasehold Estate of several Tenements at *Ratcliff* and *Redriff* to the Defendant his Executors, Administrators and Assigns, *subject nevertheless, and my Will and Pleasure is, that the Copyhold Messuages or Tenements, and also the Leasehold Premises herein before bequeathed to my Son Richard Bradley, and also what shall be herein given to my Son Richard Bradley, shall be liable and chargeable for the Payment of the Legacies before given to my younger Children.* It happened that there was no Surrender of the Copyhold Estate to the Use of the Will, and *that* being of the Tenure of *Gavelkind*, the Plaintiff got himself presented and admitted to a *third* Part of the Copyhold, as descended on him in *Gavelkind*, and having lately attained his Age of *Twenty-one*, exhibited this Bill for Satisfaction of his *one Hundred Pounds* Legacy, and prayed an Account and Discovery of the personal Estate in order thereunto.

The

The Defendant confessed the Will, set forth the Value of the Estate, that he was willing to pay the Legacy, in case he might enjoy the Land according to the Will; but set forth how his Brother taking the Advantage of the Want of a Surrender, had got himself admitted; and unless he might have the Copyhold, hoped he should not be compelled to pay the Legacies; for if so, he who was the eldest Son and Heir, and unto whom the Testator intended much the greater Part of his Estate, would have the least Share of it.

Equity will supply the Want of a Surrender of a Copyhold, when it is devised for a Provision for younger Children, or in favour of Creditors, or a Purchaser.

A Defective Execution of a Power to provide for younger Children supplied in Equity.

When this Cause came first to be heard, the Court took Time to consider of it, and would be attended with Precedents; and the Cause coming on again to be heard, the Precedents, that were insisted on, were the Case of *Hardham and Roberts*, Jan. 22, 1682-3, where by the Custom of the Manor, a Surrender ought to be into the Hands of *two* Tenants, and the Surrender was into the Hands of one only; yet being for a Provision for a younger Child, the Court supplied that Defect, and the Case of *Croft and Lyster* Feb. 22, 1675, where Husband and Wife were Jointenants for Life, Remainder in Fee to the Wife; the Husband purchases the Freehold, and takes the Conveyance to the Use of himself and his Wife, and their Heirs; the Husband dies, the Wife surrenders to the Use of a Daughter by a former Husband, and decreed accordingly against the Heir: And the Case of *Smith and Ashton*, where the Defective Execution of a Power was supplied in Equity, being a Provision for younger Children. And several other Cases were cited, where Surrenders and Liveries had been supplied in Equity; but those Cases were grounded upon a long Possession and Enjoyment.

It was objected first, that there was sufficient personal Estate without the Copyhold for Payment of the Legacy; and if the Copyhold was charged, it was but in Aid
I and

and Supplement of the personal Estate; and here being no Deficiency, there was no Need to supply the Want of a Surrender, upon Pretence that it is for making Provision for younger Children. And *secondly*, that the Plaintiff's Bill was barely for his Legacy, and he ask'd it only out of the personal Estate, and the Defendant had no Bill to have the Defect of a Surrender supplied.

The *Commissioners* all concurred in Opinion, that the Want of the Surrender ought to be supplied, and therefore decreed the Plaintiff to re-surrender the Copyhold, and the Defendant in the mean Time to hold and enjoy, and upon surrendring he to be paid the *one Hundred Pounds* Legacy.

Lord *Hutchins*: I take it the Objection that the Heir has no Bill to have the Want of a Surrender supplied, turns upon them; for a Man in many Cases may defend himself with that, which would not give him Title to sue. There is no Doubt but in the Case of a Purchaser the Want of a Surrender shall be supplied, and so in the Case of a Creditor, or Provision for Payment of Debts; and there having been Precedents already of Relief, where it is a Provision for Children, he thought the best Service they could do was to make the Rule uniform, and to stick to a Rule. As to the Objection that the personal Estate is sufficient to pay the Legacies, the eldest Son has no Legacy, and the Provision intended him will be gone, if the Surrender be not supplied. Suppose the Houses were burnt down, so that the personal Estate fell short, no Doubt but the younger Children would have an Equity to charge the Copyhold, and to supply the Defect of a Surrender, and there ought not to be one Sort of Equity for an eldest, and another for a younger Son.

Cafe 153.
24 Die Julii,
Lords Commif-
oners.

Woodman verſus Blake, & econtra.

One ſeiſed in
Fee of Lands
of 10000 l.
Value, ſer-
tles it ſo, that
in Cafe his
eldeſt Daugh-
ter within 6
Months after
his Death,
ſhould pay
6000 l. to the
Uſe of his
other four
Daughters,
then the eld-
eſt to have
the Land.
But if ſhe
failed in
Payment,
then the 2d
to have the
like Privi-
lege. The 6
Months paſt
without Pay-
ment. Whe-
ther the eld-
eſt Daughter
can aſſign
over this
Privilege.
Poſt. Ca. 202.

SIR Thomas Bade having five Daughters by Deed ſet-
tles his *Hampſhire* Eſtate ſo, that in caſe his eldeſt
Daughter ſhould pay 6000 l. within *three* Months after
his and his Wife's Deceafe, to be equally diſtributed a-
mongſt his other Daughters, that then ſhe ſhould have
the Eſtate, being worth *ten Thouſand* Pounds to be ſold;
if ſhe failed, then the like Power to another Daughter,
with Power in the Deed to change, alter or revoke the
ſame. By Will reciting his Power to alter or revoke the
Deed, he deviſes that his eldeſt Daughter ſhall have the
Preemption, and gives *ſix* Months Time for Payment of
the Money. The eldeſt Daughter within the *ſix* Months
made Application to the Truſtees, that they would join
in Mortgage or Sale for raiſing of the Money; and ſome
Difficulties ariſing about it, ſhe, upon the Expiration of
the *ſix* Months Time for Payment of the Money, exhibit-
ed her Bill in this Court, and being indebted to the now
Plaintiff *Woodman*, aſſigned her Intereſt and Right of Pre-
emption to him.

The Question was, whether the *ſix* Months being
elapſed, the ^{Plaintiff} ſhould have any Benefit of the Aſſignment.
It was inſiſted for the Defendants, that the Intention of
the Teſtator was to keep the Eſtate in his Family, and
therefore in caſe one Daughter was not able, or ſhould
neglect, to pay, he limits that Privilege over to another.
Now here comes *Woodman*, the Aſſignee of a Daughter, to
take the Eſtate out of the Family, contrary to the Inten-
tion of the Donor; and that the Deed was not revoked
by the Will, but only altered as to the Time of Pay-
ment, ſo that if the firſt Daughter failed, that Privilege
is to go over to another by the Deed, which ought to be

taken strictly, in Favour of those who were to come after. The Court took Time to consider of it.

Earl of *Plymouth* versus *Hickman*.

Case 154.
Eodem die,
Lords Com-
missioners.

THE Case appeared to be, that in 1681, a Settlement was made of *Tovey's* Estate, whose Daughter the Lord *Windsor* married, and out of that Settlement Lands called *Breedon* and *Redmarley* were omitted, to the Intent that if a Purchase should offer it self of Lands more convenient, and lying better to the Lord *Windsor's* Estate, these might be sold and other Lands purchased; much about the same Time in 1681, there was a Treaty for the Purchase of the Manor of *Bromesgrove*, (being the Lands in Question) carried on by *Emes*, on Behalf of the Lord *Windsor*, and *Emes* and Lord *Windsor* were obliged by the Articles to pay the Purchase-Money, and in the same Year, to wit, in 1681, is the Purchase made, and the Conveyance taken in the Name of the Earl of *Plymouth* and *Emes*, and to the Heirs of the Earl of *Plymouth*. The *three Thousand three Hundred Pounds* Consideration-Money is mentioned in the Deed of Purchase to have been paid by the Earl of *Plymouth*, and was in Truth by him borrowed of the Earl of *Conway* on a Mortgage of his own Estate. The Lord *Plymouth* at the Courts he held there, declared it was his Son's Estate. In 1683, Sir *William Hickman* lends *three Thousand three Hundred Pounds* to pay off the Lord *Conway*, and he accepts of a Security of the Lord *Windsor's* Lands, to wit, of *Breedon* and *Redmarley*; and thereupon the Earl of *Plymouth's* Security was discharged: To this Security the Earl of *Plymouth* was a Party, and, as was said, gave a Receipt on the back of it, for the *three Thousand three Hundred Pounds*. The Earl of *Plymouth* afterwards by his Will devises this Manor of *Bromesgrove* (*inter alia*) for the Payment of his Debts: And now the Question

Though in the Purchase-Deed, the Consideration-Money, is mentioned to be paid by the Purchaser, and there is no express Declaration of a Trust; yet upon the Circumstances of the Case, decreed a Trust, though to the Disappointment of the Purchaser's Will and of his Creditors.

Question was, whether here was a Trust for the Plaintiff, the Infant Heir, sufficiently declared in Writing, according to the Statute of *Frauds and Perjuries*.

It was insisted on for the Defendants, that here was no sufficient Declaration of the Trust; that as to the Articles, nothing was more usual than for one Man to article for another; that when the Matter is proceeded in, as in this Case, and Conveyances come to be executed, the Articles are out of Doors, and the Deed of Purchase declares the Money was paid by the Earl of *Plymouth*, as in Truth they cannot controvert, but that it was; then, when should the Trust begin? for it was no Trust at the Time of the Purchase; and there is no express Declaration of the Trust in Writing to this Day; the most they can make of it, is but an Inference, that because the Father had the like Sum of Money afterwards out of the same Estate, that therefore that Money must be applied to the Purchase, and come in Lieu of the Consideration-Money which was paid by the Earl; and this to disappoint a Man's Will, and to discredit it, who is not presumed to do an ill Thing *in articulo Mortis*, and to prevent his Creditors of their Satisfaction.

Per Cur. We think it a Trust, upon the Face of the Deeds; though Creditors are Favourites, we must not pay them out of other Mens Estates, nor as Justice *Twisden* was wont to say, *steal Leather to make poor Men Shoes*, and decreed it for the Plaintiff.

Case 155.
28 die Julii,
in Court, Lords
Commissioners.

Beeton versus Darkin & contra.

One dies Intestate leaving an Uncle and a deceased Uncle's Son, whether the deceased Uncle's Son shall come in for a Share on the Statute of Distribution. *Post.* Case 213.

THE Question arose upon the Statute for *Distribution of Intestate's Estates*; in this Case there were *four*

four Brothers and a Sister, being Uncles and Aunt to the Intestate, one of them was dead leaving Children; the Question was, whether these Children should come in for a Share.

Mr. *Finch* argued that before the Making of this Statute, if there were a Brother living and a Nephew, the Brother should have had the Administration, and the Nephew should have had nothing. But now by this Act of Parliament the Nephew comes in for a Share, but the Act goes only to Brothers and Sisters Children and their Representatives, which will not reach this Case, for the Words of the Act are, there shall be no Distribution further than Brothers and Sisters Children and their Representatives, and that must be intended of Collaterals to the Intestate.

Objected *per* Lord *Hutchins*: If there be two Uncles both dead leaving Issue, the Child of one of them gets Administration; by Mr. *Finch*'s Rule, the Administrator is not bound to distribute.

Mr. *Finch*: That is not my Argument, I do not say that even in that Case there shall not be Distribution amongst those who are in equal Degree; but what I say is, that there shall not be any Representation amongst Collaterals to the Intestate, beyond Brothers and Sisters Children.

Mr. *Solicitor General*, and Mr. Serjeant *Levinz*, argued *econtra*, that the Proviso in the Act of Parliament, that there shall be no Representation beyond Brothers and Sisters Children, must be taken with Relation, not to the Intestate, but to the Persons amongst whom the Distribution is to be made: There are no such Words in the Act of Parliament, as that there shall be no Representation amongst the Collaterals to the Intestate beyond Brothers and Sisters Children to the Intestate; there

wants the Word (Intestate) in that Place to support Mr. *Finch's* Argument.

Per Lord Hutchins, the Ecclesiastical Court very anciently made Distribution of Intestates Estates, long before the Act of Parliament; many Precedents whereof were lately produced at the Bar of the House of Lords in the Case of *Crook* and *Watts* between the half Blood and the whole Blood, that the Spiritual Court was not prohibited from making Distribution until the Reign of King *James* the First, and the Prohibition was then grounded on the Statute of *Henry* 8. which directs the Ordinary to grant Administration to the next of Kin, and when that was done, they had executed their Authority; and he took it that the Words in the Act of Parliament, to distribute according to the Laws for that Purpose, and Rules in the Act afore-mentioned, the Word (Laws) must relate and be intended of Ecclesiastical Laws, and the Usage in the Spiritual Court before that Time practised.

1 Salk. 250.
Pett v. Pett,
contra ad-
judged. Post.
Ca. 213. contr.

The Court inclined that the Nephew was well intitled to a Share with the Uncles and Aunt, but took Time further to consider of the Case.

Case 156. *Taylor & ux', & al' versus Bell, Bagnal & al'*.
Die Mer', 30
Julii,
in Court, Lords
Commissioners.

A Woman
resorts to
Places of
Gaming at
Court, and
borrows
Money to
supply Per-
sons of Qua-
lity in their
Gaming, and
gives the
Lenders

THE Plaintiff's Wife resorted to Places of Gaming at Court, and by supplying Persons of Quality there, with Sums of Money and otherwise, made considerable Profit, and for the better carrying on this Sort of Trade, she borrowed great Sums of Money of several Persons, and amongst others of the Defendants and their Wives,

great Rewards, and afterwards borrows more, and is arrested for the last Money lent, and gives Bond and Judgment for it, and brings a Bill to have an Allowance for the former excessive Premiums which she allowed. The Court would not relieve otherwise than on Payment of Principal, Interest and Costs.

Wives, boasting to them the great Advantage she made by this Sort of Dealing, and that they should have the Benefit of it ; and for gaining the better Credit with them she would bring them five Guineas for the Loan of ten for a Week, and so from Time to Time, alledging their Money had gained so much Profit ; and they finding this great Profit were encouraged to lend greater Sums, at least *one Hundred*, or *two Hundred* Guineas at a Time, and then put them off, that there had been Disappointments, and but little Play, but that there would shortly be great Gluts of Play, and great Profits made, and they should be sure to have at least five for one. The Defendants at last suspecting her fair Promises, arrested the Plaintiff her Husband, who had then lately married her, and the Plaintiff the Wife also, by her Maiden Name, and held them in Custody until they agreed to an Account of what they alledged was due, and gave Bonds with Sureties, who had been some of her like Customers, for Payment of the Monies, with a Warrant of Attorney to confess Judgments against the Plaintiff *Taylor* and his Wife.

The Bill was to be relieved against those Securities thus obtained, and to bring the Defendants to a fair Account, setting forth the Plaintiffs had no Dealings with them, but by Way of Monies borrowed and repaid, and annexed a Schedule of Receipts and Payments. The Defendants by Answer confessed the Fact to be as above, and that they had often received *five* or *ten* Guineas for the Loan of *ten* Guineas for a Week or *ten* Days, as Profit that had been made of the same, and so of other Sums, and they lent and gave the Plaintiff new Credit for the Sums so paid as Profit ; so that it appeared by their Answers, that though they had got Securities from the Plaintiff for great Sums of Money, that yet the Defendant *Bell* had in Truth received more than she really lent to the Plaintiff, and that there was but little due to *Bagnal* ; but insisted that the Sums so received were paid as Profit, and not towards Satisfaction of the Monies lent.

For

Though a
Security be
hazardous,
yet this will
not justify
excessive In-
terest.

For the Plaintiff it was insisted there ought to be an Account; by their own Answers it appears there is no such Sums due, as those for which they have got Securities. As to the Pretence that the Monies repaid were so paid as Profit made at Play, and not to satisfy the Monies due, it was said, they might make what Agreements they thought fit amongst themselves, but if they came into *Westminster-Hall*, there would be but little Regard given to them; they must there be governed by the Rules at Law. Now here they had no Right to any Profit arising by Play, for they run no Hazard; they of their own Shewing were to have their Principal again in all Events; then it comes to this, that it is a Debt for Money lent, and the Measure there is what is due for Principal and Interest; and as to what they object, that the Plaintiffs made great Profit with their Money, and they run a great Hazard in trusting us, they run the same in Hazard that other People do who lend Money on a Promise or personal Security, and that Hazard will not justify the Taking of unlawful Interest; and where a Merchant borrows Money, and makes great Advantage by it, by ingrossing a particular Commodity or the like, that will not intitle the Lender to come in a Sharer with him for the Profit, nor for him to take more than statutable Interest. In this Case it appears by the Defendants own Answers, that the Bonds they have gained from the Plaintiffs, are within the Provision of the Statute against excessive Usury, but they got a Warrant of Attorney from us, and have entered up Judgment, so we have lost our Opportunity of defending our selves at Law, but ought to be relieved in this Court, and cited the Case of *Powell and Hall* in the *Exchequer*, where *Hall* had got Judgment in a Trustee's Name, upon a Bond given for a Play-Debt; there the Court, though the Plaintiff had slipt his Opportunity at Law, directed an Issue and relieved the Plaintiff.

The

The Court thought not fit to relieve the Plaintiffs, but ordered them to pay Principal, Interest and Costs at Law and here, or the Bill to be dismissed with Costs, for that the Court would not interpose or meddle with Play-Debts and Things of this Kind.

Per Lord Hutchins, If the Sureties had not been Plaintiffs as well as *Taylor* and his Wife, he would not have relieved even against the Penalty.

Colonel *Leighton's* Case.

Case 157.

Memorandum, That upon a Caveat put in against the Passing of a Patent to Colonel *Leighton* of the Office of *Warden* of the *Fleet*, upon hearing Counsel on both Sides, it was admitted that the Inquisition having found two Escapes, though but for small Debts, *that* amounted to a Forfeiture of the Office; nay, that one voluntary Escape made a Forfeiture.

Inquisition finding two negligent Escapes *per* Warden of the *Fleet*, is Forfeiture of the Office, though but for small Sums. So is one voluntary Escape a Forfeiture.

But it was objected against Passing the Patent; that Colonel *Leighton* had been too hasty in this Matter, and proceeded illegally in having applied and obtained a Promise and Order for a Grant before any Inquisition taken, or Forfeiture found, which they alledged was against the Bill of Rights, and mentioned the Case in *Co. 7 Rep. fol. 36.* as the granting Forfeitures on penal Laws.

Grant by the Crown of an Estate, &c. forfeited before any Inquisition finding the Forfeiture, is illegal.

Secondly, That the Inquisition in this Case had not found what Estate the *Warden* had in the *Fleet*; for in Case he had but an Estate for Life only, as in Truth he had not, then the Forfeiture, if any, would not be to the King, but to him that had the Inheritance, which was

Warden of the *Fleet*, if but Tenant for Life, his Forfeiture of the Office belongs to the Reversioner and not to the Crown.

Y y

the

the Point adjudged in the Duke of *Norfolk* and *Brandon's* Case; 39 H. 6. and that Point was agreed in *Whichcott's* Case, and in *Mitton's* Case, Co. 4 Rep. and *Crabley* the Exigenter's Case in *Dyer*; and in the Lady *Broughton's* Case of the *Gate-House* at *Westminster*, she having but an Estate for Life in it, the King could not have the Forfeiture, but the *Dean* and *Chapter* had it.

As to the first Objection, it was answered that Colonel *Leighton* had not proceeded unduly or illegally in order to the Obtaining of this Patent, for that in Truth the Inquisition bears Date, and was taken before the Warrant for passing of the Patent, and though it was not filed till afterwards, that is not material; for this is none of those Cases where the Statute requires the filing of an Inquisition, and only in Cases of Grants of Lands and Tenements,

In Case of an Inquisition finding a Forfeiture by the Warden of the Fleet, whether it ought to find, what Estate the Warden had in the Office.

9 Co. 95. a.

And as to the second Objection, that the Inquisition has not found what Estate the Warden had therein, it is a strange Objection; for that first the Inquisition does not direct that any such Thing shall be inquired into, and *Mounson's* Case in *Moor* 216, 217, is that the Inquisitors must not exceed the Commission, though to find a Matter necessary to be found; nor was it done in Sir *George Reynell's* Case, or in any Case, nor is it possible to be done: Who can tell what private or secret Conveyances the Warden may have made? So to say the Warden had but an Estate for Life, and that therefore the Forfeiture was not to the King, but to him that had the Inheritance, was a foreign Objection, and a Matter that could not at this Time come judicially before the Court; so they relied on it that a Forfeiture being found, that *prima facie* was to the King, which was sufficient Ground for him to seize and grant. If there be a Reversioner who has the Inheritance, he may come in, and set forth his Title; and in the Lady *Broughton's* Case, there the *Dean* and *Chapter* upon the Inquisition and before Judgment, were by the Court

Court admitted to come in, and surmise on the Roll that they had the Inheritance.

Per Cur. It is a Matter of great Consequence to the King, and to the Subject, should the Seal be put to this Patent, it might occasion a general Escape of all the Prisoners in the *Fleet*, and therefore would know his Majesty's Pleasure before they would pass the Grant.

Court cautious how they pass a Patent for Grant of Warden of the *Fleet*, because it may occasion a general Escape of the Prisoners.

I

D E

D E

Term. S. Michaelis,

1690.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Case 158. Note, *per* Lord Commissioner *Hutchins*.

Policy of
Ensurance,
how far it
extends.

WHERE a Policy of Ensurance is against Re-
straint of Princes, *that* extends not where the
Ensured shall navigate against the Law of Countries, or
where there shall be a Seifure for not paying of Custom,
or the like, *die Martis, 14^o Octobris*.

Case 159.

Marshfield versus Weston.

In what
Cases, as to
Matters un-
der 40 s. Par-
ty's own Oath
is allowed to
be a Proof.

IN an Account between the Plaintiff a Gardiner,
and the Defendant a Seedsman, though the Defen-
dant be allowed Sums under forty Shillings upon his
Oath as to his Seeds sold, and delivered, &c. yet the
Plaintiff shall not be allowed any Thing upon his Oath,
as to Trees that he sold and delivered to the Defendant or
the like.

Per

Anonymus.

Cafe 160.

PER Cur. A Man having a Mortgage of a Lease for Years, afterwards lends more Money to the Mortgagor on Bond, if the Executor comes to redeem, he shall not be admitted to a Redemption, unless he pays both Debts, though no special Agreement that the Bond-Debt should stand secured by the Mortgage.

Lessee for Years mortgages his Term, and afterwards borrows more Money of the Mortgagee on Bond, and dies, his Executor shall not redeem without paying the Bond as well as the Mortgage.

ecutor shall not redeem without paying the Bond as well as the Mortgage.

Smith versus Duffield.

Cafe 161.

Die Luna, 27 Octobris 1690. in Court, Lords Rawlinson and Hutchins.

THE Plaintiffs Bill claimed a Provision of *three Thousand Pounds* made for Daughters, upon Failure of Issue Male, by a Settlement in *one Thousand six Hundred Thirty-one.*

Bill is to have 3000 l. provided for Daughters Portions, on Failure of Issue Male

by an old Settlement in 1631. The Brother of the Plaintiffs who might have barred them by a Recovery, giving them by Will above the Value of the 3000 l. it shall be intended a Satisfaction. *Post. Cafe 244.*

For the Defendant it was insisted, that this dormant Settlement had not been taken Notice of in the Family, and having been made *Sixty-two Years* since, was in Truth forgotten, and not regarded, for otherwise the Plaintiff's Brother, who by Virtue of this Settlement was Tenant in Tail, precedent to the Provision for Daughters, might have destroyed and barred that Provision. And the Brother, who had it then in his Power, and might have destroyed that Provision without making any Compensation to his Sisters, has by his Will given them his whole personal Estate, being of greater Value than the Provision made them by the Settlement, and therefore in Conscience they ought not to make this Demand, and cited the Cafe of *Brook and Yeomans.*

Z z

The

The Court was of Opinion that the Devise of the personal Estate ought to be taken as a sufficient Compensation of the Plaintiff's Demands, and therefore dismissed the Bill, which was to redeem or foreclose, with Costs.

Case 162.
Die Mercurii,
29 Octobris,
in Court, Lords
Commissioners,
Rawlinson
and Hutchins.

Sir Thomas Smith Bar. Peter Wilbrabam and Anne his Wife & al', } Plaintiffs.

Dame Abigal Smith Widow, Richard Lister and Frances Pate his Wife, Sir Charles Holt Bar. & al', } Defendants.

THIS Cause came now to be reheard upon the Defendant's Petition, who conceived themselves aggrieved, by the Decree made upon the Hearing of the Cause by the late *Lords Commissioners*.

Grandfather being Tenant for Life, Remainder to his first Son in Tail, Remainder over, with Power to charge the Estate with 250 l. per Ann. Annuity, does by Deed charge the Premises

The Case was that upon the Marriage of Sir Thomas Smith with Dame Mary his Wife, being the Grandfather of the Defendant Frances Pate Smith, now Wife of the Defendant Lister, by Settlement on his Marriage assured the Manors and Lordship of *Hough Weston cum Charleton Grash and Great Shavington in Com. Cestr.* to the Use of himself for Life, Remainder to Dame Mary his Wife for her Jointure, Remainder to the first Son in Tail with other Remainders over.

with 250 l. per Ann. for four Years, to commence from his Death, in Trust to raise 1000 l. Part to be paid to A. and the other Part to the Plaintiff B. and dies. The Son pays A. what was due to him, and he delivers up the Deeds and they are suppressed. The Son takes the Profits for four Years and more, and leaves a Daughter his Heir at Law, and leaves no personal Assers. The Daughter enters on the Estate. The Lands shall be liable in her Hands to pay the Money due to the Plaintiff with Interest, though the Term for Years that was to secure the Money is expired; and though the Person be dead that received those Profits, and should have paid the Money in Question.

Provided that the said Sir *Thomas* should have Power by any Deed or Writing attested by *two* Witnesses to grant an Annuity or Rent-charge not exceeding *two Hundred and fifty* Pounds out of all the said Manors and Premises, or any Part thereof, to any Person for any Term not exceeding *four* Years, to commence after the Death of Sir *Thomas* and Dame *Mary*.

Sir *Thomas* pursuant to the Power by Indenture *July* 23, 1666, grants an Annuity of *two Hundred and fifty* Pounds *per Ann.* to Sir *Robert Holt* for *four* Years, to commence after his Death, upon Trust to dispose thereof, as he by Deed or Will should direct or appoint.

Sir *Thomas* afterwards by Deed-Poll appoints *one Hundred and fifty* Pounds of the said Monies to be expended in his Funeral, and *one Hundred and fifty* Pounds in a Monument to be erected for him in *Covent-Garden* Church, and gave several Sums to Sir *Robert* and his *Lady*, (who was his Daughter) and their Children, and distributed the rest amongst the Plaintiffs and those they represent.

In *April* 1668, Sir *Thomas* died, and upon his Decease the Premises came to Sir *Thomas* the Son, who prevailed with Sir *Robert Holt* to deliver up the Indenture of Rent-charge, and to join in a Fine and Deed to lead the Uses thereof, whereby Sir *Thomas* the Son became seised in Fee of the Premises; and in Lieu of the said Indenture of Rent-charge delivered up as aforesaid, Sir *Thomas* and his Trustees make a Mortgage to Sir *John Bridgman*, and *Humphrey Jennings* Esq; being Persons nominated by Sir *Robert Holt*, for a Term of *seven* Years, defeasable on Payment of the said *one Thousand* Pounds by several annual Payments therein mentioned; after this Sir *Robert Holt* has Satisfaction made to him for the Sums payable to himself, his Wife and Children, and thereupon the Indenture of Rent-charge, the Deed-Poll for Distribution

bution, and the subsequent Mortgage for *seven* Years are suppressed and hush'd up.

Sir *Thomas Smith* the Son enjoyed the Profits during his Life, and upon his Decease the Premises descended and came to his only Daughter and Heiress, the Defendant *Frances Pate Smith*, now the Wife of *Lister*, who had ever since taken the Profits; and the Defendant Dame *Abigal* was Executrix of Sir *Thomas* the Son, her late Husband, but had not Assets.

The Plaintiffs Bill was for that as much as the Deed had been thus concealed from them, and Sir *Thomas* the Son and Heir having received the Profits, which ought to have been applied to have satisfied their Demands, that therefore the Defendant Dame *Abigal* might either pay them out of the Assets, if any she had, or that the Land might stand charged.

The Defendant, Dame *Abigal*, insisted she had not Assets; and the Defendant, the Heir, insisted, that if there were such Deeds *ut supra*, which she did not admit, that yet the Profits which ought to have satisfied the Plaintiffs Demands, were taken by her Father, and not by her, and the *four* Years for the Rent-charge, as also the subsequent Term for *seven* Years, were both expired before the Lands came to her Possession, therefore insisted that the Lands ought not to stand charged in her Hands.

Upon hearing the Cause, it being fully proved, that there were such several Deeds, (*ut supra*) and that the same had been suppressed or concealed by Agreement between Sir *Robert Holt* and Sir *Thomas Smith*; the Court thereupon declared, that although the *four* Years Term for Payment of the Rent-charge, and the *seven* Years Mortgage-Term was expired, yet the Plaintiffs Share of the *one Thousand* Pounds which remained unpaid, ought

ought to remain a Charge on the said Lands ; and decreed the same accordingly, with Interest at 4 *l. per Cent.* from *April 5, 1672*, being the Time when the Mortgage-Term for *seven Years* expired, and cited Sir *Andrew Corbet's Case* ; where even at Law, if the Heir has taken the Profits which should be applied for Payment of Debts, the Lands shall still remain charged therewith.

And now upon the Rehearing, the *Lords Commissioners* confirmed the former Decree *in omnibus*.

Robinson versus Dufgale.

*Case 163.
Die Veneris,
31 Octobris,
in Court, Lord
Hutchins,
Master of the
Rolls.*

THE Case was, that *J. S.* by his Will devised his Lands to *A.* for Life, Remainder to *B.* in Fee, he paying *four Hundred Pounds* ; whereof *two Hundred Pounds* to be at the Disposal of his Wife, in and by her last Will and Testament to whom she shall think fit to give the same. The Wife dies intestate, the Plaintiff takes out Administration, and brings his Bill to have this *two Hundred Pounds*.

*A. by Will
devises his
Land to B.
in Fee, pay-
ing 400*l.*
whereof
200*l.* to be
at the Dis-
posal of his
Wife, by her
Will, to
whom she
should think*

fit. The Wife dies Intestate, her Administrator shall have this 200*l.* the Property thereof being absolutely vested in the Wife.

For the Defendant it was insisted that the Property was not absolutely vested in the Wife, but that she had only a Power to dispose by Will, if she thought fit ; and not having made any Disposition, it becomes a lapsed Legacy, and the Defendant not chargeable with the Payment of it, and cited for that Purpose the Case of *Pease and Stileman ver. Mead* in *Hob. fol. 9.* where the Condition of a Bond was, that the Defendant *Mead* should pay *twenty Pounds* to such Person or Persons as *Eliz. Hanchett* should by her Will and Testament in Writing name and appoint the same to be paid to, and she died having made her Will, and *Pease* and *Stileman* Execu-

A a a

tors,

tors, but no exprefs Appointment; and it was there adjudged, that an exprefs Appointment was neceffary, and that the Plaintiffs the Executors, as Affignees in Law, were not entitled thereunto.

But the Court took it, that the whole Intereft and Property of the *two Hundred* Pounds vefted in the Wife, and that ſhe had Power to diſpoſe of it as ſhe thought fit, and therefore decreed it for the Plaintiff as Adminiſtrator of the Wife.

Cafe 164.
In Court, die
Lune, 10
Novembris.

Porey verſus Marſh & al'.

One dies leaving a Debt by Judgment, and another by Bond; the Judgment-Creditor levies his Debt out of the perſonal Eſtate; whether the Bond-Creditor ſhall in Equity ſtand in the Place of the Judgment-Creditor, and charge the Land with his Debt.

THE Plaintiffs being Bond-Creditors, brought their Bill againſt the Heir and Executor, and againſt Sir *John Thomſon* who had a Judgment, which bound the Land; but he being at a good Underſtanding with the Heir, refuſed to go upon the Land, but levied his Debt upon the perſonal Eſtate, ſo that there was nothing left to ſatisfy the Plaintiffs. They prayed that Sir *John Tompſon* might either refund, or they might have the Benefit of his Security to follow the Land.

It was inſiſted for the Defendant the Heir, that here being no Truſt nor equitable Aſſets, they were to be adminiſtered in a Courſe of Law, and that there was no Precedent, where this Court had interpoſed, where there were only legal Aſſets, but left the Creditors to take their Satisfaction in a Courſe of Law, unleſs where the Court has interpoſed that Bond-Creditors ſubſequent to a Decree, ſhall not ſweep away the Aſſets. As to the Caſe of *Knight* and *Gay*, that was cited on the other Side, it was not like to this, where a Man having a Mortgage and Statute as a further Security, and he by Virtue of the Statute ſwept away the perſonal Eſtate,

Estate, and the Plaintiff a Legatee in that Case had a Decree to go upon the Land; for there the Land was the principal Security; but in the Matter in Question, the Judgment affected the personal Estate as well as the real; and as to *Sibly's* Case in the Lord *Jefferies's* Time, this Point was stirred, but no Decree made in it.

Lord Commissioner *Hutchins* inclined to relieve the Plaintiff, and said the Heir in many Cases has the Assistance and Favour of the Court, as to make the personal Estate first liable to Debts, and to be applied in Ease and Exoneration of the real Estate, and even an *heres factus* has had that Relief here, and he therefore thought it reasonable *e converso*, that as the Heir was to have Equity, he ought to do Equity. *Vide* the Order.

Lovel versus Lancaster.

Case 165.
Eodem die.

J. S. devises Land to *A. B.* for Payment of Debts and *J. D.* devises to *J. D.* certain Lands which the Testator in his Life-time had mortgaged, and likewise gives him his personal Estate: The Question was, whether *J. D.* should have the Benefit of the Trust for Payment of Debts, so as to have the Money owing on the Mortgage paid off by Monies raised out of the Trust, that the Lands might come to him clear of the Debt owing to the Mortgagee.

One devises *B. Acre* to *A.* for Payment of his Debts; devises *W. Acre* to *B.* which the Testator had mortgaged, and likewise devises to *B.* all his personal Estate. *B.* shall take the

mortgaged Premises *cum onere*, and though the personal Estate is devised to *B.* and the Land is devised for the Payment of the Debts; yet the personal Estate shall be subject to the Debts.

Per Cur. He must take the mortgaged Lands *cum onere*; and the personal Estate also, though devised to him, yet must be subject to the Debts, notwithstanding Lands were devised for Payment of the Debts.

Case 166.

In Court,
Mercurii, 12
die Novemb.

Decree

5 Car. 1.
that all the
Miners with-
in the Parish
of D. as well
for the Time
being as to
come, shall
pay to the
Vicar for
Tithe, the
tenth Dish
of Lead-ear
cleaned.
All Miners
within the
Parish held
to be within
the Decree,
though not
Parties to
the Decree,
nor claiming
in Privy under any that were.

Browne versus Booth.

THE Plaintiff being Vicar of the Parish of *Wirksworth* in *Derbyshire*, brought a *Subpœna* in the Nature of a *Scire fac.* against the Defendants to enforce the Performance of a Decree made 5 Car. 1. by which (amongst other Things) It was decreed that all the *Miners* within the said Parish, as well for the Time being, as to come, should pay the *tenth Dish* of Lead-Oar cleaned, &c. to the Vicar of the said Parish for the Time being for Tithes, &c. The Defendants appeared to the *Scire facias*, and set forth they claimed not in Privy under any of the Parties to that Decree, and that some of them were seised of Mines not then found out or opened, and that there had not been any Performance or Execution of the Decree and other Matters in Avoidance.

Per Cur. The Decree extends to all Miners within the Parish for the Time being or to come, so the Defendants are within the Letter, and expressly bound by the Decree, and as long as the Decree stands in Force must obey.

Case 167.

In Court, die
Jovis, 13
Novembris.

Estate *pur auter vie* may be limited to a Man and his Heirs, and may be entailed, and may descend, tho' a Term for Years cannot be so entailed. *Post*, Case 205.

Finch versus Tucker.

THE Question arises on Exceptions taken to a Master's Report, who had reported the Defendant's Answer to be insufficient, the Plaintiff by his Bill seeking a Discovery of a Settlement made by one who was Tenant *pur auter vie*, and the Plaintiff claiming as Issue in

in Tail. The Defendant insisted such Limitation, if any there were, was void, and that he ought not to be put to discover such Settlement, if any such there were.

Per Cur. We remember not any express Precedent in the Point, but take it that a Term *pur autre vie* may be limited to a Man and his Heirs, and may be entailed, and shall descend, and is not like the settling of a Term for Years in Tail, where, as has been often adjudged, the Tenant in Tail is looked upon to have the whole Estate in him, and may dispose of it at his Pleasure.

Lomax versus Hide.

Case 168.

*Eodem die,
in Court.*

THE Plaintiff being a second Mortgagee, and coming to redeem the Defendant, who had been at great Expences in Law-Suits to foreclose the Mortgagor, and otherwise in Relation to the Estate. The Court ordered that his Costs should not be taxed as in an adversary Suit, but that he should be allowed all his Costs and Expences, as is done in the Case of a Solicitor, who lays out and disburses Money for his Client and the like, and the Court further ordered that the Profits of the Estate in Question, should in the first Place be applied to pay and satisfy what was due for such Costs, Charges and Disbursements, before it is applied to sink the Principal, for that it was not reasonable he should expect for it, and be allowed it only at the Foot of the Account, (as had been usually done) whereby to make him loose the Interest of what he had so laid out, for ten or more Years together.

The second Mortgagee brings a Bill to redeem the first Mortgagee, who had been put to great Charge, in foreclosing the Mortgagor. *Cur.* The Costs which the first Mortgagee has been put to, shall not be taxed, as in Case of an adversary Suit, but he shall be allowed all his Costs and Charges, as is done in Case of a

Solicitor who lays out Money for his Client; and the Profits of the mortgaged Premises shall be first applied to pay off those Costs, before they go to sink the Principal.

Note, The Parties being in Court, the Matter was compromised, and the Sum remaining due to the Defendant, agreed on in Court.

Cafe 169.
In Court 9 die
Novembris.

Broom Whorwood versus *Simpson*, &
econtra.

A. articles to
sell Lands to
B. for 15000*l.*
the whole to
be paid in
Money, or
so much
Land re-
turned, as
would make
up what he
paid short of
the 15000*l.*
A. conveys
Part of the
Lands to *B.*
and by his
Perswasion
values that
Part at an
Under-va-
lue; and
then *B.* sells
this Part to
C. and would
then have
returned so
much of the
Rest as
would make
up the
15000*l.* Ar-
ticles set a-
side as un-
reasonable,
but the Sale
by *B.* to stand.

THE Plaintiff in Right of his Wife, who was one of the Daughters of Sir *John Fortescue* Bar. was seised of the Manors of *Over Shenley* and *Neither Shenley* in the County of *Bucks.* The Defendant *Simpson* had been for many Years employ'd in the Management of the Estate, and at last articles with Mr. *Burdett*, whom the Plaintiff had impowered on that Behalf, to become the Purchaser thereof, at *fifteen Thousand* Pounds; and by the Articles *Simpson* was either to pay the whole in Money, or might return Lands to make up what he paid short in Money of the *fifteen Thousand* Pounds; pursuant to the Articles, the Defendant had obtained a Conveyance of Part to himself, at an Under-Value, alledging it was not material, what Sum was mentioned to be the Consideration of the Conveyance, in Regard he was to make up the whole *fifteen Thousand* Pounds, and had sold other Parcels, and paid the Money, as the Plaintiff *Broom Whorwood* appointed, amounting in the whole to about *four Thousand five Hundred* Pounds, and would now return so much Land as should make up the *fifteen Thousand* Pounds.

The original Bill brought by *Broome Whormood* was to set aside the Articles, and the cross Bill to have them performed, and Time for the Performance of them enlarged.

Upon the Hearing, though there was no Surprise, Fraud or Circumvention proved, and though Conveyances had been made pursuant to the Articles, several Sales made, Part of the Purchase-Money paid, and the Articles in great Part performed; yet the Court set aside the Articles, and the Conveyance made to *Simpson*; but as to Strangers to whom *Simpson* had *bona fide* sold, those Purchases were to stand, the Court declaring they looked on *Simpson*, but as an Agent for the Plaintiff, and being one in whom the Plaintiff reposed great Trust and Confidence, which he had deceitfully abused, and the Articles themselves seem to manifest a Surprise, the Plaintiff having Occasion to sell to raise Money, and yet by the Articles, *Simpson* might pay as small a Sum of Money as he pleased, and return what of the Lands he thought fit to make up the Value; and the Court took it they had the greater Latitude in this Case, because *Simpson* had elapsed the Time prefixt by the Articles, in which he was to make good the *fifteen Thousand* Pounds by Money, and Return of Lands. And this Decree was afterwards confirmed on an Appeal.

Matthew versus Hanbury & ux', & al'. Case 170. In Court, 10 die Novemb'.

THE Plaintiff as Executor to *Eusebius Matthew* his Father, brought a Bill to be relieved against several Bonds obtained from the Testator by one *Frances Moore*, whilst Sole, now the Wife of the Defendant *Hanbury*, some of them being taken in her own Name, and others in the Name of other the Defendants, her Trustees; the Bill charging that those Bonds were extorted from him by Threats, and Menaces, and by undue Means, and were not for any real Debt, or other good

Bill by Executor to avoid Bonds given by Testator, on Suggestion that they were gained by Threats and undue Means. Defendant by Answer says they were entred into for Money lent, and Debts

due. It appeared by Proof, Defendant was a common Harlot, and Plaintiff's Father had unlawful Conversation with her. *Cur'*, Though this not set forth in the Bill, yet the Defendant's answer, saying, The Bonds were given for Money lent, this sufficiently puts it in Issue, though not laid in the Bill. Where the Party himself that is culpable comes for Relief, against the said Bonds, Court may refuse; otherwise where his Executor comes.

Post. Ca. 226. Consideration: But upon the Proofs it appeared that the Defendant *Frances* was a common Harlot, and that the Plaintiff's Father, an old weak Man, having an unlawful Conversation with her, was prevailed upon to enter into the Bonds in Question.

It was objected by the Defendant's Counsel, that the Plaintiff could not be relieved upon this Bill, having charged only that the Bonds were obtained by Force and other undue Means, and charged not any Thing in particular of any *turpis contractus*, and so had not made a proper Case upon his Bill, which was the Reason of the Dismissal in the Case of *Peyto* and *Wanklin*.

Per Cur. Though where the Party himself, who was the Person culpable, comes to be relieved, the Court may justly refuse to interpose; yet where the Plaintiff is an Executor only, as in the principal Case, *that* varies the Matter: And in this Case the Defendant by Answer having sworn the Bonds were entred into for Monies lent, or other Debts owing to her, *that* sufficiently put the Matter in Issue, and gives the Plaintiff an Opportunity, to prove that the Bonds were entred into upon the Account of an unlawful Conversation between the Testator and Defendant, and not for Monies lent or real Debts; and whereas the Trustees had declared a special Trust for a particular Purpose, as to one of the Debts, *per Cur.* *That* will not avail, there being no Proof that the Testator was privy thereunto, or directed such Trust, and therefore decreed an Account of what should appear to be justly due for Monies lent, and other real Debts, and on Payment the Bonds to be delivered up.

Mich. Portington Arm' versus Alexander Com' Eglington & al'.

Cafe 171.
In Court, 14
Novembris.

THE Plaintiff being seised of the Manor of *Portington*, and other Lands in the County of *York*, and being of mean Parts and easy to be imposed upon, and having two younger Brothers; the Countess of *Eglington*, who was his Relation, and Mr. *Green*, who was his Cofin, and had been his Tutor at *Cambridge*, designing to preserve the Estate in the Family, prevail upon him to enter into Bond to the Countess of *Eglington* of *six Thousand* Pounds Penalty, (and as Mr. *Green* had penned the Condition of the Bond) it was to settle his Estate on himself and Heirs Male of his Body; and for want of such Issue, then to his next Brother in Tail Male; and for want of such Issue, to his third Brother in Tail Male; the Estate to be settled so as to make the Estate-Tail as durable as may be.

Plaintiff being a weak Man, was prevailed on by two of his Relations to give Bond to one of them to settle his Estate to the Use of himself in Tail Male, Remainder to his two Brothers successively in Tail Male. Plaintiff marries and makes a Settlement on his Marriage, and brings a Bill for Delivery up of the

Bond, and it would have been decreed, had not the Plaintiff by Bill offered to settle Part.

The Plaintiff afterwards married Mr. *Nevil's* Daughter, and made a Settlement of the Estate upon the Marriage, and now preferred a Bill to have the Bond delivered up to be cancelled; and had been decreed accordingly, but that he offered by his Bill to settle Part of his Estate in Tail on his Brother.

Lingard versus Griffin.

Cafe 172.
Die Veneris,
14 Novemb',
in Court. Lords
Commissioners.

IN this Case amongst other Things, a Fine and Non-claim was allowed to be a good Bar to an Equity of Redemption.

A Fine and Non-claim a good Bar to an Equity of Redemption; so 'tis a

Bar to a Bill of Review.

C c c

Per

Per Lord Commissioner Hutchins, a Fine and Non-claim allowed a good Bar to a Bill of *Review*, and cited *Sir Nicholas Stourton's Case*, where a Fine and Non-claim was allowed by Lord Chief Justice *Hale*, to be a good Bar to an Equity of Redemption: And it was insisted in this Case, that the Fine was levied in (*Eighty*) and the Plaintiff's Father died not until *Eighty-four*, and that therefore the Fine being levied with Proclamations in the Life-time of the Father, and he living *four* Years after, that should run upon the Heir though an Infant, and be a good Bar. But as to the Fine in this Case it was insisted, it could be no Bar, for that the Fine was levied upon the making of the Mortgage to *Lingard*, and to strengthen his Security, and therefore could be no Bar to the Equity of Redemption; for that the very Estate which then passed by the Fine, was a redeemable Estate.

Case 173.
In Court, Lords
Commissioners,
15 die Nov'.

Howman versus *Corie*; and *Corie* versus *Howman* and *Chettleburgh*.

A. by Will
gives his
Daugh-
ter 400 l.
and devises
Lands to her
until his Son
B. should
pay her this
400 l. She
marries C.
whose Father
covenants to
settle Lands
of 100 l. per
Ann. and B.
her Brother
covenants to
pay the 400 l.

to the Husband; and upon Payment, the Lands devised to the Daughter were to be discharged of this 400 l. the Husband dies. Decreed the 400 l. belongs to the Wife, and not to the Executor of the Husband.

THE Case was, that *William Copping* by Will (*inter alia*) devised *four Hundred Pounds* to his Daughter *Judith*, charged on certain Lands called *Reading* and *Brickilne*, and devised these Lands unto his said Daughter, until his eldest Son should pay or make good unto her the *four Hundred Pounds*. *Judith* marries *William Corie*, whose Father *George* covenanted to settle on *Will*, and *Judith* Lands of *one Hundred Pounds per Ann.* present Maintenance and Jointure, &c. and *George Copping* the Brother of *Judith*, who was in Possession of the Lands

Lands charged with the Portion, covenants to pay the *four Hundred Pounds* to *William Corie* his Sister's intended Husband; and it is thereby further covenanted between all the Parties on Payment of the *four Hundred Pounds*, the Lands should be discharged.

The Settlement was not made, nor *George Corie* able to perform his Covenant on that Behalf, nor was the Portion paid.

But Matters standing thus, *George Copping*, who was to pay the *four Hundred Pounds* Portion, dies, and devises all his Lands for Payment of his Debts and Legacies to *William Corie* and one *Chettleburgh*: *William Corie* accepts the Trust and dies. *Howman* having agreed and articulated to purchase the Lands charged with the *four Hundred Pounds*, brings his Bill, that he may pay his Money safely; and *Judith Corie* having survived her Husband, brings her Bill to have the *four Hundred Pounds*, which was her Portion, paid to her: And the Question in this Case was, whether the Portion should survive to the Wife, or whether by the Marriage-Articles it was not so vested in *William Corie*, the Husband, as that it should go to his Administrator.

For the Plaintiff it was insisted, that the Covenant from *George Corie* was but an additional Security, and did not change the Nature of the Debt, but it still continued a Charge upon the Land, and as a *Chose in Action* it survived to the Wife, although it was agreed that the Husband during the Coverture might have released or discharged it; and that it still continued a Charge upon the Land, was the more plain from the Covenant, that when the Portion was paid, the Land should be discharged: And of that Opinion was the Court, and decreed it for the Wife.

Cafe 174.
In Court, die
Luna, 17
Novembris.

Gorray versus Ustwick.

Bill against
an Executor
for a Debt
due from the
Testator, and
though the
Debt was
proved, yet
Plaintiff sent
to Law: But
Bill retained
till after the
Trial, in order
to take
the Account
of Affets, if
Verdict for the Plaintiff.

THE Plaintiff's Bill was to have a Debt due to him from the Defendant's Testator, and secured by a Bill of Sale of Goods. The Defendant the Executor denied, he knew or believed there was any such Debt; and although the Debt was proved in this Court, the Plaintiff was sent to Law to recover his Debt; but the Bill retained until after the Trial had, and if the Plaintiff recovered at Law, then he might resort back for an Account of Affets.

Cafe 175.
In Court, 19
die Novemb'.

Awdley versus Awdley.

Committees
of a Lunatick
invest
Part of his
personal Estate
in the
Purchase of
Lands in
Fee. This
shall still be
taken as personal
Estate,
and in Case
of his Death
shall go to the next of Kin, and not to his Heir.

THE Committees of one *Awdley* a Lunatick, having invested Part of the Lunatick's personal Estate in a Purchase of Lands, made in the Lunatick's Name, to him and his Heirs, the great Question in the Cause was, whether the Committees had not exceeded their Power, by changing the personal Estate into a real Estate, and thereby defeating the next of Kin, in Favour of the Heirs at Law.

For the Defendants it was insisted, that the Committees had acted fairly in this Matter, having made the Purchase, and taken the Conveyances in the Name of the Lunatick, so that in case he had recovered and become of *sane* Memory, he might have insisted, that the Lands were purchased with his Money, and have had the Benefit of the Purchase, whether the Trustees would or not, and cited the Case of *Zoach* and *Lloyd*, where the

Mother, as Guardian to her Infant-Son, had out of his personal Estate paid off a Mortgage; the Infant afterwards died, and the Estate descended to a remote Heir; and then the Mother would have had back the Money, but the Court denied any Relief in that Case; and likewise the Case of *Dennis and Badd*.

Mother as Guardian of an Infant, out of his personal Estate pays off a Mortgage upon his Land; the Infant dies, and the Land Money back.

descends to a remote Heir. The Mother shall not have the

But it was answered, that the Trustee had bound himself, by making the Purchase in the Lunatick's Name, so had no Election, but the Lunatick might have accepted or refused the Purchase; and as to the Case of *Zoach and Lloyd*, there the Guardian had done no more than what by the Justice of this Court she might have been enforced to do, *viz.* to apply the personal Estate in Ease of the real, by taking off the Incumbrances that lay upon it; and suppose in this Case the Lunatick had been indebted by simple Contract, and had left no personal Estate, should not this Court have made these purchased Lands liable to that Debt?

And where a Mortgagor releases to the Heir of the Mortgagee in Fee, the Mortgage being forfeited; the Administrator shall have the Benefit of that Estate, even though there be no Debts. And in the Case of *Wood and Thornebourgh* versus *Nosworthy*, where there was a Mortgage in Fee forfeited, and the Mortgagor would not redeem, yet the Administrator should have the Estate, though there were no Debts; and so in case a Mortgagor be foreclosed, or that the Mortgagee be of so antient a Date, as in the ordinary Course of the Court, it is not redeemable; yet in case the Mortgagee be not actually in Possession, it shall be looked upon to be personal Estate.

Mortgagor releases to the Heir of the Mortgagee in Fee, yet the Executor or Administrator of the Mortgagee, shall have the Benefit of the Mortgage, tho' there are no Debts. So if a Mortgagee in Fee dies, and the Mortgagor will not redeem; yet the Executor or Administrator of the Mortgagee shall have the Benefit of the Mortgage. So he shall, though the Mortgage be foreclosed, or be of so antient a Date as not to be redeemable, unless the Mortgagee be in the actual Possession.

nistrator of the Mortgagee shall have the Benefit of the Mortgage. So he shall, though the Mortgage be foreclosed, or be of so antient a Date as not to be redeemable, unless the Mortgagee be in the actual Possession.

After great Debate, and upon reading the Statute made touching the Granting of the Custody of Lunatics, whereby it is provided, that the Surplus shall be safely kept, and delivered to him, if he recover; if not, upon his Death to be imployed for the Benefit of his Soul, &c. The Court decreed an Account of the personal Estate, and the Lands purchased to be sold, and the Money to go, and be divided as personal Estate, amongst the next of Kin.

Where a Man charges himself by his Answer, whether his Answer shall be allowed as a good Discharge.

Post. Ca. 277.

Note, Per Cur. The Case of *Howard and Brown* was the first Case in this Court, where because a Man had charged himself by Answer, that his Answer should be allowed as a good Discharge, and that it ought to be the last.

Case 176.
Mercurii, 19 die Novemb.

Moyse versus Little.

Father on his Son's Marriage covenants, during his Life to pay his Son 15 l. per Ann. the Son becomes a Bankrupt. His Creditors shall not have the Benefit of this Agreement.

Ant. Case 89.

THE Defendant on Marriage of his Son settles Lands on himself for Life, Remainder to his Son for Life, &c. and covenants during his own Life, to pay his Son *fifteen Pounds per Ann.* the Son becomes a Bankrupt, the Plaintiff as an Assignee brings the Bill against the Defendant the Father, to have the Benefit of this Agreement, and to compel Payment of the *fifteen Pounds per Ann.*

Cr. Car. 548.
March 24.
1 Rol. Abr.
523

Per Cur. An Assignee under a Statute of Bankrupt, is not intitled to have the Performance of an Agreement made with the Bankrupt, and that it was so adjudged in the Case of *Drake* and the *Mayor of Exeter*, and therefore dismissed the Bill. Vide *Jones's Rep.* 437. the Case of *Crispe and Pratt*, that Copyhold Lands are within the Statute of the 13th of *Eliz.* and *Parker and Bleake,*

Bleake, that the Widow of a Copyholder, who was a Bankrupt, and where the Commissioners had made an Assignment of the Copyhold, shall not have her *Free-Bench*. Jo. Rep. 451.

Jackson versus Rawlins.

Cafe 177.
20 Die Nov.

A Man having married an Administratrix, the Plaintiff obtains a Decree against the Husband and Wife for *one Thousand five Hundred Pounds*, out of the Estate of the Intestate; then the Wife dies. The Question was, whether he could proceed against the Husband without reviving and bringing an Administrator of the Wife before the Court.

A Man marries an Administratrix. Plaintiff obtains a Decree against him and his Wife for 1500*l.* she dies. Whether the Plaintiff can proceed against the

Husband, without reviving against the Administrator of the Wife,

It was insisted, that although the Decree is to pay only out of Assets, and though the Wasting might be before the Coverture, yet now the Husband and Wife are bound to answer it, as far as any Assets came to the Wife's Hands, and being once charged, the Death of the Wife shall not discharge him. *Tamen Semble* the Husband is not bound to answer it farther than the Value of the Estate, which he had with his Wife; and the Rule in Equity is, where two or more are liable to a Demand, you shall not proceed against one alone, but must bring all the Persons liable before the Court.

Where 2 are liable to a Demand, you cannot proceed against one alone.

Peacock versus Spooner.

Cafe 178.
Veneris, 21
Novembris,
in Court, Lords
Commissioners.

A Term of *nine Hundred Years* was assigned to Trustees in Trust to permit and suffer the Husband and

Ant. Cafe 38.
Post. Ca. 326.
Term assigned in Trust for Baron and Feme

for their Lives, Remainder in Trust for the Heirs of the Body of the Feme by the Baron; Baron and Feme die. The Term shall go to the Heir of the Body of the Feme by the Baron, and not to her Executor or Administrator. The Words *Heirs of the Body* being a good *descriptio Personæ*.

and Wife, and the Survivor of them, to receive the Profits, for so many Years of the Term, as they or the Survivor of them should happen to live, and after their Deaths to the Use of the Heirs of the Body of the Wife, by the Husband to be begotten: Question whether the Words, (*Heirs of the Body*) are Words of Limitation, or only a Description of the Person, so as the Heir of the Body shall take by Purchase.

Per Cur. Held that the Heir of the Body took by Way of Purchase, and as a Person well described, and the Limitation of the Term to them good, and therefore dismissed the Bill that was brought by the Executor of the Wife, as supposing the Term belonged to him.

Note, The Lord Chancellor *Jefferies* in *Eighty-eight* had decreed it for the Plaintiff.

Note, In this Case they cited the Case of *Wareman* and *Seaman*, and relied upon it, as also *Bowman* and *Tates*, where the Words (*Heirs of the Body*) were looked upon to be a good Description of the Person, intended to take in a Settlement made on a second Marriage, although there was Issue by a former Wife, and so he was not in Strictness Heir. *Wyld's Case* in *Cook's Reports*, is not allowed to be Law.

Note, This Decree and Dismissal was affirmed upon an Appeal to the House of *Lords*.

Vide *Webb* versus *Webb*, Feb. 20, 1710, A Decree at the Rolls grounded upon the Case of *Peacock* and *Spooner* reversed. And decreed the Limitation to the Heir Male void, and that the Whole vested in the Father, by the Limitation to him for Life, Remainder to the Heirs of his Body.

Anonymus.

Anonymus.

Case 179.
23 Die Nov.

PER Cur. Where a Commission is returnable *sine dilatione*, if it be within the Kingdom it must be returned by the *second* Return of next Term; if executed afterwards, it is void, and the Depositions ought to be suppressed.

A Commission returnable *sine Dilation* must be executed before the second Return of next Term.

Anonymus.

Case 180.

WHERE the *Baron* and *Feme* exhibit a Bill for a Demand in Right of the Wife, the Defendants answer, and the Cause being at Issue, several Witnesses are examined, and Publication past, but before it proceeds to a Hearing, the Husband dies; the Wife marries a second Husband, and they bring a new Bill for the same Matter. It was moved they might be restrained from examining the Witnesses examined in the former Cause; but not allowed by the *Court*. The Wife was not bound by the Proceedings in the former Cause, and therefore examine, as if no Examination had been in the former Cause.

Baron and Feme exhibit a Bill for a Demand in Right of the Wife, Defendants answer, Witnesses are examined, and Publication passes; Baron dies, Feme marries a second Husband. On a new Bill, they may examine again the same Witnesses as were

examined in the former Cause. *Post.* Case 234.

Pritchard versus Langher.

Case 181.
26 Die Nov.
in Court, Lords Commissioners.

MRS. *Katharine Williams* lent her Brother in Law, the Defendant *Langher*, one Hundred Pounds, and took a Bond for it in the Name of one *Morgan Jenkins*; Mrs. *Williams* and the Defendant differing about some

Payment of Money to a Trustee, with Notice of the Trust, is a Mispayment, tho' the Trustee had Judg-

E e e

Reckon-

ment and Execution against the Person that paid the Money.

Reckonings that were between them, the Bond is put in Suit by Mrs. *Williams*, in the Name of *Morgan Jenkins* her Trustee; and to avoid Charges, the Defendant confessed a Judgment in the *Grand Sessions* in *Wales*. The Defendant to prevent being taken in Execution, pays the Money to *Morgan Jenkins* the Trustee, who gave a Warrant of Attorney to one *John Deere*, to acknowledge Satisfaction on the Judgment, which was done accordingly.

The Bill was to compel the Defendant to pay the Money again to the Plaintiffs, the Administrators of *Katharine Williams*, and decreed accordingly, with full Costs, the Court declaring it to be a Fraud in the Defendant, who knew the Money was Mrs. *Williams*'s, to pay it to her Trustee; and the principal Evidence of the Fraud was, that there was a new Attorney made, or named to acknowledge Satisfaction on the Judgment, and not the Attorney on Record, who was imploy'd by Mrs. *Williams*. And although in this Case it was insisted, that it was hard to decree a double Payment in Equity, where the Money was really paid to the Person that Mrs. *Williams* intrusted, and by Law was intitled to receive it; and the rather, for that in this Case Mrs. *Williams* lived in *London*, so that the Plaintiff who lived in *Wales* could not have Recourse to her, and had no other Way to avoid being taken in Execution. *Sed non allocatur.*

Case 182.
10 Die Dec.
in Court.

Took versus Took.

Plea of an
Outlawry
with the
Common A-
verment of
the Identity
of the Person
need not be
upon Oath.

REference to the *Six Clerks*, whether by the Course of the Court a Plea of an Outlawry with the Averment of the same Person ought to be upon Oath. In the Lord *North*'s Time it was ruled, it might be without Oath, because it might come in on the other Side to aver, that he was not the same Person.

Per Cur. Being only the common Averment of Identity of Person, allowed the Plea to be good without Oath, but gave the Plaintiff Leave to amend paying *twenty Shillings* Costs. *Per Lord Hutchins*, to avoid Pleas of Outlawry, may make all that have Outlawries against him Defendants.

A good Method to avoid the Plea of an Outlawry, is to make all those, that

have Outlawries against the Party, Defendants.

Anonymus.

Case 183.
11 Decembris,
in Court.

THE Case of *Cloberry* and *Lampen* cited, where a Legacy was devised to a Child, payable when *Twenty-one*, and he dies before, his Administrator shall have it, but he shall wait and expect for it, until such Time as the Son would have been *Twenty-one*, and this confirmed upon an Appeal to the House of Lords, tho' the Lord *Nottingham* for some Time doubted whether it should not be paid presently; but it was said, *that* was but an Invention to encourage Administrations.

2 Vent. 342.
Legacy given to a Child payable when 21; the Child dies before, his Administrator shall have the Legacy, but shall stay for it, till such Time as the Child, if he had lived, would have come to 21.

Vide Saunders's Case, Legacy payable at *Twenty-one*, the Child dies in Minority. If by the Will it was to be paid with Interest, it shall be paid to the Administrator presently; but if it does not carry Interest, the Administrator must expect, until the Child would have attained the Age of *Twenty-one*.

D E

Term. S. Hillarii,

1690.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Cafe 184.
Jan. 19.

Cookes versus Mascall & econtra.

Marriage Agreement reduced into Writing, tho' not signed by either Party, yet decreed to be performed.

Q. 21. 24.

IN *Eighty-two* a Marriage was treated to be had between the Plaintiff *Cookes* and the Defendant *Mascall's* Daughter, it being pretended Sir *Thomas Cookes* would make a considerable Settlement on the Plaintiff his Kinsman, and Proposals being made in order to mutual Settlements, *Mascall* to settle *forty* Pounds *per Ann.* in present, and *Edward Cookes* the Father, to settle the Reversion of his Estate at *Wick*, after the Death of him and his Wife, and to allow his Son *twenty* Pounds *per Ann.* for Maintainance in the mean Time, and *Mascall* to settle Reversions of Copyholds, Part after the Death of himself and Wife, of the Value of *eighty* Pounds *per Ann.*

In 1684, a Meeting was appointed and held at *Worcester* in order to a full Agreement; there the Proposals were discoursed on, and all Parties seemed to allow and approve thereof. In *October* 1684, *Cookes* the Father, with one *Baker* an Attorney, came over to *Mascall's* House at *Fordebigg*, in Order to make a full Agreement touching

touching the Settlement to be made on the intended Marriage: Mr. *Baker* having discoursed both Parties, proceeded to draw the Agreement into Articles in Writing, to be mutually signed by the Parties; but before the same were ready for Execution, upon Discourse between *Mascall* and *Cookes* they disagree. And *Mascall* by his Answer swore positively, that he then reflecting that Sir *Thomas Cookes* had refused to make any Settlement on his Kinsman, as it was pretended he would, and *Cookes* the Father also refusing to settle a further Estate upon the Plaintiff to answer the Reversion, that *Mascall* settled expectant on the Death of his Mother *Wallis*, he therefore refused to proceed any further in Order to perfect the Agreement, and never signed it: But *Cookes* put up what *Baker* had wrote into his Pocket, and so they parted, and had no further Meeting nor Treaty: But old *Cookes* swore that after the Articles were drawn, they were read over and agreed to, and that *Mascall* promised to meet at another Time to execute: That young *Cookes* was afterwards permitted to come to *Mascall's* House, and in *December* 1684, married his Daughter, *Mascall* being privy to it, helping to set them forwards in the Morning, and entertaining them, and seemed well pleased with the Marriage, upon their Return to his House at Night.

Upon this Case *Cookes* the Father, having by his Answer offered to perform the Agreement on his Part; the Court thought fit to Decree *Mascall* also to perform the Agreement, according to what was contained in the Writing drawn by *Baker*, though that was not signed by *Mascall*, as was intended it should have been, nor any other Agreement reduced into Writing.

Cafe 185.
Jan. 24.

Douglas versus Vincent.

One by Letter under his Hand promised 1000*l.* with his Niece, but in the same Letter dissuaded her

from marrying the Plaintiff, but afterwards was present at, and gave her in Marriage. *Cur.* would not decree the Payment of the 1000*l.* but leave the Plaintiff to his Action at Law.

THE Bill being for *one Thousand Pounds*, as promised by Sir *Matthias Vincent* with his Niece by a Letter under his Hand, but in the same Letter he dissuaded her from marrying the Plaintiff, yet was afterwards present at the Marriage, and gave her in Marriage.

In this Cafe the Court would not decree the Payment of the *Thousand Pounds*, but left the Plaintiff to bring his Action to recover it as he could at Law.

Cafe 186.
Jan. 27.

Fairebeard versus Bowers.

A voluntary Judgment given by a Freeman of London, payable three Months after his Death,

is to be postponed to Debts by simple Contract, and to the Widow's customary Part, but will bind the Freeman's legatary Part.

GEORGE BOWERS, a Freeman of London, having three Bastards by Joan Fairebeard, confesses a Judgment to her in *one Thousand Pounds*, defeasanced for Payment of *five Hundred Pounds* in three Months after his Death.

Decreed that this Judgment being voluntary, it shall not prevail against Debts by simple Contract, nor against the Widow of the Freeman, but that she must have her Share according to the Custom of the City, without any Regard had to this Judgment; but his Debts being paid, the Judgment would bind the legatary Part.

Wiseman versus Vandeputt.

Cafe 187.
Jan.—and
on 21 Martii.

THE Plaintiffs being Assignees under a Statute of Bankruptcy taken out against the *Bonnells*, brought their Bill for a Discovery and Relief touching two Cases of Silk at first consigned by *Altenory* and *Altoery* to the *Bonnells*, then considerable Merchants in *London*; but before the Ship set sail from *Leghorne*, News came that the *Bonnells* were failed, and thereupon *Altenory* and *Altoery* alter the Consignment of the Silks, and consign them to the Defendant.

A. being beyond Sea, consigns Goods to *B.* then in good Circumstances in *London*, but before the Goods arrive becomes a Bankrupt. If *A.* can by any Means, prevent the Goods coming

ing into the Hands of *B.* or the Assignees, 'tis allowable in Equity, and *B.* or the Assignees, shall have no Relief in Equity.

Upon the first Hearing, the Court ordered all Letters, Papers, &c. to be produced, and that the Parties proceed to a Trial in *Trover*, to see whether the first Consignment, notwithstanding the Altering thereof, and new Consignment made, before the Ship failed, vested the Property of those Silks in the *Bonnells*; and upon the Trial, and Verdict being given for the Plaintiffs, the Cause now came on upon the Equity reserved.

The Court declared the Plaintiffs ought not to have had so much as a Discovery, much less any Relief in this Court, in Regard that the Silks were the proper Goods of the two *Florentines*, and not of the *Bonnells*, nor the Produce of their Effects; and therefore they having paid no Money for the Goods, if the *Italians* could by any Means get their Goods again into their Hands, or prevent their coming into the Hands of the Bankrupts, it was but lawful for them so to do, and very allowable in Equity.

And

And it was so ruled in the like Case between *Wigfall* and *Motteux*, &c. and lately between *Hitchcox* and *Sedgwick* in Case of a Purchase, without Notice of Bankruptcy. Therefore decreed an Account, if any Thing due from the *Italians* to the *Bonnells*, that should be paid the Plaintiffs, but they should not have the Value of the Silks by Virtue of the Consignment or Verdict, and put the *Italians* to come in as Creditors under the Statute of Bankrupts.

Case 188.
Jan. 28.

Bentham versus Alston.

Ant. Ca. 134.
Incumbent
of a Parson-
age being
old, he toge-
ther with the
Grantee of
the next A-
voidance join
in a Lease of
the Tithes
rendring the
Rent half
yearly, viz.
Midsummer
and *Christ-*
mas. Incum-
bent dies be-
fore *Midsum-*
mer Day.

DOCTOR *Tudor* the Incumbent, having leased the Rectory and Tithes to *three* of his Parish at *three Hundred and Twenty Pounds per Ann.* for *three Years*, rendring Rent half yearly at *Midsummer* and *Christmas*, the Doctor being old, the Lessees upon taking a new Lease, desired the Plaintiff, who had a Grant of the next Avoidance, to join therein, that they might be sure to enjoy their Bargain, who agreed accordingly. Doctor *Tudor* died before *Midsummer* the last half Year's Day, the Lessees having first collected and got all, or greatest Part of the Tithes, &c.

The Lessee gathered in the Tithes, except a small Part which he got in afterwards. Who shall have the *Midsummer* Rent?

The Plaintiff in Equity would have had a Decree for the half Year's Rent; *first*, because he was bound by the Agreement; for if the Doctor had died before any Tithes collected, yet he was bound and must have permitted the Lessees to have enjoyed. And *secondly*, because the Lessees had received some Tithes after the Death of Doctor *Tudor*, which was an Evidence, that they looked upon their Lease as continuing, and acted under the Agreement made by the Plaintiff.

But

But it was objected, if the Rent was payable to any one, the Executors of Doctor *Tudor* had a better Right than the Plaintiff, and they no Parties.

Per Cur. Of Opinion in the old Books that the Fee is in the Patron during the Vacancy, and a Release to him alone is good. Recommended it to the Parties to end the Matter by Compromise.

Newman versus Barton.

Cafe 189.
Jan. 31.

THE Question being whether an Executor should compel a Legatee to refund. And the Cafe of *Grave* and *Bainson* cited, where one Legatee being paid in full his whole Legacy, and there wanting Assets to pay the other Legacies, it was decreed for the Benefit of the unsatisfied Legatees, that the Legatee who had received his full Legacy, should refund, and be paid only in Proportion; and the Cafe of *Hodges* and *Waddington* where a Creditor compelled a Legatee to refund.

Vol. I. Page 94, and Cafe 153.
Where Assets fall short, Legatees shall refund to unsatisfied Creditors. But where an Executor has made a voluntary Payment to a Legatee, he shall not

make him refund. Otherwise if the Executor pays a Legatee by Compulsion.

Per Cur. A Creditor shall follow the Assets in Equity, into whosoever hands they come. But where the Executor had voluntarily paid the full Legacy, and afterwards Assets proved deficient to pay the other Legacies, they conceived neither the Executor, nor any of the other Legatees should compel him to refund; but if the Payment had not been voluntary, but he had recovered his Legacy by Decree, there he should have refunded.

Cafe 190.
Feb. 4.

Whittingham verſus Thornburgh & al'.

Policy of Inſurance for infuring a Life gained by Fraud ſet aſide, with Coſts both at Law and in Equity, and the Premium received on the Policy to go in Part of Coſts.

THE Defendant *Thornburgh* in March, 1689, cauſed a Policy of Inſurance to be drawn for the Enſuring the Life of one *Edward Harwell* for a Year, and left it at one *Samuel Luplon's* Office, to get Subſcriptions at *five Pounds per Cent. Premium*; and to draw in the Plaintiffs and others to under-write the Policy, procured one *Marwood*, a near Neighbour of *Harwell's* to under-write *one Hundred Pounds*; and he giving out he knew *Harwell* healthy and like to live, and the Plaintiffs relying on ſuch Information, under-wrote the Policy. *Whittingham* for a *Hundred Pounds*, the other *four* for *fifty Pounds* apiece. *Harwell* ſoon after died.

It appearing that *Thornburgh* had no Eſtate or Intereſt that depended on *Harwell's* Life; that *Marwood's* Subſcription was only colourable to draw in others, and that *Harwell* was in a languiſhing Condition; though *Marwood* affirmed and pretended he was his Neighbour and a healthful Man, and the Plaintiff having upon the firſt Diſcovery of the Contrivance offered to return the *Premium*, and publiſhed the Fraud to prevent others from being drawn in; and the Defendants intending to get a very large Subſcription, having by a like Contrivance, got between *one* and *two Thouſand Pounds* on making the like Inſurance, on the Life of *William Sweeting*, the Court therefore decreed the Policy of Inſurance to be delivered up to be cancelled, and a perpetual Injunction againſt the Verdict thereon obtained at Law, and the Plaintiffs their full Coſts both at Law and in this Court, and the Money received for the Premium to go in Part of their Coſts.

Mergrave versus Le Hooke.

Cafe 191.
Feb. 11.

THE Plaintiff's Bill was to redeem a Mortgage made by his Father to the Defendant, who by Answer insisted, that the Plaintiff's Father had made him two several Mortgages of several Lands, that the Plaintiff endeavoured to defeat him of one of those Mortgages, by Reason of an Entail, and hoped that in Equity he should redeem both or neither.

1 Vol. Cafe 236.
If A. makes two several Mortgages, and dies, and one of the Mortgages is of an entailed Estate, or is deficient in

Value. The Heir of the Mortgagee shall not be admitted to redeem one, without redeeming the other.

Per Cur. He shall redeem both or neither; and so if one Mortgage had been deficient in Value, and the other Mortgage had been more worth than the Money lent upon it, the Heir should not have been admitted to redeem the one without the other.

Miller versus Warren.

Cafe 192.
Feb. 19.

SIR John Borlace by his Will devises to the four Children of Sir Henry Miller one Thousand five Hundred Pounds apiece in this Manner, viz. to Nicholas Miller one Thousand five Hundred Pounds to be paid him, when he shall attain the Age of Twenty-one; to Benjamin Miller one Thousand five Hundred Pounds, when he shall attain the like Age; to Elizabeth Miller one Thousand five Hundred Pounds, to be paid at eighteen, or Marriage; the like to Mary Miller; and in Case one, or more of the aforesaid Children shall happen to die, before his, her, or their respective Legacy or Legacies shall become due to them as aforesaid, then my Will and Meaning is, that his, her, or their Legacy or Legacies shall be equally divided amongst the Survivors of them; and in Case three of them shall happen

Devise of a Legacy of 1500l. to A. payable at his Age of 21, and if A. die before, then to B. A. dies in the Life of the Testator, yet B. shall have the Legacy.

happen to die before their respective Ages or Days of Marriage, then my Will and Meaning is, that the afore-said Legacies to them bequeathed shall be and remain to the Survivor of them. *Mary* one of the *four* Children of *Miller* died in the Life-time of the Testator: The Question was, whether that *one Thousand five Hundred* Pounds should go to the surviving Children.

Decreed that it should survive. If a Legacy is devised to *A.* at *Twenty-one*, and if he die before, to *B.* tho' *A.* die in the Life of the Testator, the Legacy shall go to *B.* But where a Man devised *three Hundred* Pounds to his Sister, willing her to give thereof *two Hundred* Pounds to her Child, she died in the Testator's Life-Time: Bill by the Child for the *two Hundred* Pounds dismissed.

Case 193.
Feb. 20.

Norfolk versus Gifford.

One Charges his Lands with 6000*l.* for the Child with which his Wife was *privement enfeint*, if it prov'd a Daughter, with a Clause of Entry for Non-payment. A Daughter is born, who died, the Mother as her Administratrix would have had the *six Thousand* Pounds raised: But the Bill was dismissed.

ent of, if it proved a Daughter, with Clause of Entry for Non-payment. A Daughter is born and dies. The 6000*l.* shall not go to her Administrator. *Ant.* Case 67, 88.

Ant. Case 86. The Case of *Powell* and *Morgan* was cited, where a Term raised for the Portion of a Daughter was extinguished, by the Inheritance descending on the Daughter, yet revived and set up in Equity for the Benefit of Creditors.

Alford versus Earle.

Case 194.
Feb. 21.

Joseph Jackson senior, possessed for *Ninety-nine* Years of Lands in *Barton Regis*, if his Brother *John Jackson* so long live, by Will *July* 17, 1658, devises all his Interest in *Barton Regis*, which he held for the Life of his Brother *John Jackson*, with Liberty in *nine* Months Time to change the Life, to his Daughter *Sarah*, and desires her Life may be put in, in Lieu of his Brothers. On *Octob.* 20, 1659, he surrenders the Term, and takes a new Lease for the like Term of *Ninety-nine* Years, if his Son *Joseph Jackson* so long live; and afterwards adds several Codicils to the Will, taking no Notice of this Leasehold Estate.

One devises a Lease to his Daughter, and afterwards renews the Lease, and afterwards adds a Codicil to his Will. Whether the Renewal of the Lease is a Revocation: And whether the adding a Codicil to his Will is a Republication.

First, Whether Renewing of the Lease be a Revocation of the Devise to his Daughter *Sarah*. And

Secondly, If a Revocation, whether the Codicils amount not to a Republication: The Case of *Bret* and *Rigden* cited, where a Devise was to *J. S.* and his Heirs; *J. S.* died, a new Publication after his Death will not carry it to his Heir.

Plowd. 342.

The Case of *Cotton* and *Cotton* cited, tried in the *Common Pleas* before Lord Chief Justice *North*, where the Testator's Saying his Will was in a Box in his Study, amounted to a new Publication.

Testator saying his Will was in a Box in his Study, amounted to a Republication.

Cafe 195.
Jan. 15. *Edwin Mil', and Stafford*
& al', Owners of the } Plaintiffs.
Ship Falcon,

East-India Company, Defendants.

Though a
Charter-par-
ty is so pen-
ned, that no
Freight can
be recovered
upon it at
Law, yet
if the
Owners of
the Ship
have a just
Demand, E-
quity will re-
lieve.

SIR *Humphrey Edwin* and *Stafford* the Part-owners, and *Prestwith* Master of the Ship *Falcon*, let her to Freight to the *East-India Company*, by Charter-party dated Feb. 20, 1683, by which the Plaintiffs agreed to fit up the Ship with all Necessaries, so as she might be ready to sail by the 10th of *March* then next following, and she was to go from Port to Port, and to any Port or Place within the Limits of the *East-India Company's* Charter, as they should direct; but was to be dispatched back for *England* on or before the 24th of *Jan.* 1684, or so soon after as to save her Moorsoon for *England* that Year; or in Default of her being dispatched within the Time aforesaid, the Owners were to pay four Months Demurrage, at seven Pounds ten Shillings per diem for her Moorsoon so lost, and her Stay in *India*, after the 20th of *Jan.* 1684, with this further Clause, that the Company might detain the Ship in their Employment in Trade or Warfare for any longer Time, not exceeding twelve Months, after the 20th of *Jan.* 1684, after the Rate of seven Pounds ten Shillings and six Pence per diem Demurrage, until the Ship be dispatched from the last lading Port, or Expiration of the twelve Months, which shall first happen; but after the twelve Months expired, the Ship is to return to *England*, and the Company not to be liable for any further Demurrage, or any Damage that may accrue by her Detention after that Time. The Company covenant, on the Ship's Arrival in *England*, to pay Freight for three Hundred and one Tun, and Demurrage

murrage from the 20th of *Jan.* 1684, until the Ship should be dispatched for the Space of *twelve* Months after the said 20th of *Jan.* 1684; and it was thereby provided, that until *six* Days after the Ship shall have returned to the Port of *London*, and made a Right and full Discharge of all her Lading, the Company are not to pay, nor to be liable to pay any of the Sums of Money agreed on for Freight or Demurrage, or for detaining the Ship in *India*, it being the Intent of the Parties, that if the Ship should be lost either in her outward or homeward bound Voyage, nothing should be paid by the Company for Freight or Demurrage.

The Ship set sail according to the Charter-party, arrived in *India*, and was imploy'd by the Company in trading from Port to Port for *one* Year and upwards: The Ship arrived in *India* Nov. 23. 1684, and was to enter into Demurrage in four Months afterwards, which was the 23^d of *March*, 1684, and the *twelve* Months after (during which Time the Company by their Charter-party might detain her) ended *March* 23, 1685. but the Ship was imployed in the Company's Service, so that she arrived not at *Surat* until 1686, and from thence was ordered to *Bombay*, where the Ship having been so long detained in those Seas, was surveyed, and found not sufficient for a Voyage to *England*; and on *Sept.* 24, 1686, the Seamen were discharged, and the Ship left there.

The Company refused to pay any Thing for Freight or Demurrage, because by the express Provision of the Charter-party, they were not to pay until *six* Days after the Ship's Arrival in *England*, and discharged of her Lading; and if they were to pay any Thing, yet they were to be charged with Demurrage until *March* 23, 1685, only, and for no longer, and so it is provided by the Charter-party, and refused likewise to account for the
Value

Value of the Ship, or shew how they had disposed of her.

Per Cur. Though the Charter-party is so penned that nothing can be recovered at Law, yet the Plaintiffs had a just Demand, and ought to be relieved in Equity; and cited the Case of *Westland* and *Robinson* (where as in most Cases there was to be no Freight paid for the outward bound Cargo, but only a certain Rate *per Tun* for the homeward bound Cargo,) when the Ship arrived beyond Sea, the Factor had no Goods at all to load the Ship with, so she was forced to come home with her Ballast: But in that Case the Court decreed the Payment of Freight; and so was it done in a like Case of a Ship that was hired at *New Castle* for a Voyage to the Duke of *Cowrland's* Country, there being Freight to be paid only for the homeward bound Cargo; and when the Ship came thither, the Goods were seized and attached, so as the Ship was forced to come home empty, and yet their Freight was decreed.

In the principal Case the Court decreed the Company should account for what they had made of the Ship, that they should pay Demurrage according to the Rate mentioned in the Charter-party, and that they should also be charged in Respect of Freight; but as to the *Quantum* of the Freight, the Court would further consider of it, in regard that by the Charter-party there are several Rates agreed on to be paid, as Freight for the homeward bound Cargo, *viz.* for Callicoes, *&c.* *Twenty-one Pounds per Tun*, for Salt-petre, *&c.* *eighteen Pounds per Tun*, for Iron, Copper, *&c.* *six Pounds per Tun*; and therefore, before final Judgment, would be informed what Quantities of these respective Commodities were usually brought home on such a Voyage, and how much in Proportion to each other.

Baden & al' Creditores
Philippi nuper Com' Pem- } Plaintiffs.
broke,

Case 196.
 Feb. 7.
 Trevor, Ras-
 lingson, Hutch-
 ins.

Comitiss. Pembroke, Dom'
Jefferies, & Domina
Charlot ux' ejus' fil' & } Defendants.
hæres dicti Philippi Com'
Pembroke,

*P*hilip late *Earl of Pembroke*, upon the Marriage of the now *Ant. Case 50.*
 Countess of *Pembroke*, in Consideration of *ten Thousand*
 Pounds Portion, and pursuant to Articles by which he
 had covenanted to charge his Estate in *Glamorganshire*,
 with a Rent or Annuity of *one Thousand three Hundred*
 Pounds *per Ann.* to her for her Life, and afterwards a-
 greed to make it up *one Thousand five Hundred Pounds per*
Ann. did by Indenture *Octob. 1, 1675*, demise to the
 Earl of *Sunderland* and Lord *Godolphin* his Manors and
 Lands in *Glamorganshire* for *Ninety-nine* Years at a Pepper-
 Corn Rent, and by Indenture *Octob. 2. 1675*, the Earl
 of *Sunderland* and Lord *Godolphin* redemise the Premises
 to Earl *Philip* for *Ninety-eight* Years and *eleven* Months at
 a Pepper-Corn Rent during his Life, and after his Death
one Thousand five Hundred Pounds per Ann. by half yearly
 Payments, during the Life of the Countess, for her Join-
 ture, and after her Death a Pepper-Corn Rent during
 the Residue of the Term, with a Covenant for Payment
 of the Rent, and a Clause of Re-entry for Non-pay-
 ment.

The said late *Earl* by Way of Demise and Redemise,
 had secured the Payment of several Annuities for Life,

viz. for securing an Annuity of *seventy Pounds per Ann.* to one *Uphill* for Life, the said late *Earl* and his Trustees had demised a Meadow called *Burdensball* Meadow to *Richard Uphill* for *Ninety-nine* Years, and *Uphill* by Indenture bearing Date the next Day after redemised the Premises to the late *Earl* for *Ninety-eight* Years and *six* Months, reserving the Rent of *seventy Pounds per Ann.* during *Uphill's* Life, and a Pepper-Corn during the Residue of the Term, a Clause of Re-entry, and a Covenant from *Uphill*, if the Rent was paid, to surrender the Term; and in like Manner secured other Annuities to *Negus* and others.

The said *Earl* also with his Trustees, to secure *four Thousand* Pounds to his *three* Sisters, and *four Hundred* Pounds *per Ann.* to the present *Earl*, demised several Manors and Lands in *Monmouthshire* to *Villers*, *Salladine* and *Chomley* for *five Hundred* Years, in Trust out of Rents and Profits to raise the Interest of the *four Thousand* Pounds, and the *four Hundred* Pounds *per Ann.* to the present *Earl* for his Life, clear of all Taxes and Deductions, under a Proviso that on Payment of the *four Thousand* Pounds and Interest, and securing the *four Hundred* Pounds *per Ann.* to the now *Earl's* Content, they should at the Request of the late *Earl* surrender the Term.

The said *Earl* in *November 1682*, demised the Manor of *Patney* in *Wilts* for *one Thousand* Years to one *Clerke*, as a collateral Security for his Enjoyment of the Manor of *East Overton*, which he had bought of the late *Earl*.

And *June 18. 1683*, by Articles under Hand and Seal, did covenant for him and his Heirs for *five Thousand and two Hundred* Pounds to convey to *Pinseint* and his Heirs the Manor of *Patney*, and *Pinseint* covenanted in a Week after the Conveyance made, to pay the *five Thousand and two Hundred* Pounds. *Pinseint* pays Part of the Purchase-

Purchase-Money to pay off an old Statute and other Incumbrances, and before any Conveyance made, the *Earl* dies greatly indebted by Bond and otherwise.

Upon the first Hearing of this Cause by the Lord Chancellor *Jefferies* on *July 11*, 1688, assisted by the *Master* of the *Rolls*, Mr. Justice *Lutwich* and Baron *Powell*, it was decreed that the Term for *Ninety-nine* Years raised for securing the *one Thousand five Hundred Pounds per Ann.* to the Countess for Life, was raised only for a particular Purpose, and that being done, then to attend the Inheritance, and go to the Heir, and not to be taken as a Term in Gros, to be Assets to answer Debts by simple Contract; and that *Pinseint* being willing to go off, he should be repaid, and his Purchase discharged, and reserved the Consideration of the other Points for further Debate.

Now upon Debate before the *Lords Commissioners*, they were of Opinion that the mortgaged Terms derived out of the Earl's Inheritance, were Assets, and liable to Bond-Debts only, and not to Debts by simple Contract; and decreed *Pinseint's* Purchase should go on, and the Heir convey, and the Purchase-Money be paid to the Executors.

A. articles to sell Lands, and dies before a Conveyance made. The Heir decreed to convey, and the Purchase-Money to be paid to the Executors.

Roger Baker and Eliz. ux', Plaintiffs. Case 197.
Feb. 24.

Francis White & al', Defendants.

THE Plaintiff *Elizabeth* whilst a Widow, was by the Contrivance of her Sister *Anne*, now the Wife of *Alwin*, and of the Defendant *White*, at a Meeting for that Purpose appointed at the *Devil Tavern*, prevailed

Ant. Case 97.
A. being a Widow gives a Bond to pay *B.* 100 l. if she marry again, and *E.* gives a Bond to the Wi-

dow, to pay her Executors the like Sum, if she should not marry again. The Widow soon after marries. Her Bond decreed to be delivered up.

vailed upon, to give a Bond of *two Hundred* Pounds Penalty to the Defendant *White*, dated *Octob. 8, 1683*, conditioned that if the Plaintiff *Elizabeth*, then a Widow, should afterwards marry again, then she, her Executors, Administrators or Assigns, should pay the Defendant *White*, his Executors, &c. *one Hundred* Pounds in *eight* Days after such Marriage; and the Defendant *White* at the same Time gave her a Bond, of the like Penalty, conditioned to pay the Executors, &c. of the said *Elizabeth* *one Hundred* Pounds, if she the said *Elizabeth* should not marry again before she departed this Life. The Plaintiff *Elizabeth* having married the Plaintiff *Baker*, they brought their Bill to have her Bond delivered up; and although it was insisted that the Plaintiff was well apprized of what she did, being then a Widow, and near *thirty* Years of Age, and the Matter had been often discoursed of, and considered by her at other Meetings between them before that Time, at which the Bond was executed, and after the Giving of the Bonds, declared herself well satisfied therewith; and though the Money the Defendant was to pay, was not payable in the Lifetime of *Elizabeth*; yet it would help to increase her Daughter's Portion; and that if she the said *Elizabeth* had died unmarried, the Defendant *White* could not have been relieved against his Bond.

Non allocatur; But the Bond was decreed to be delivered up to be cancelled.

Case 198.
Feb. 26.

Finch versus Newnham.

A Devisee obtains a Decree to hold and enjoy against the Heir, who it was supposed had

John Finch of *Godstone* in *Surry*, having Issue only one Daughter, and being minded to keep Part of his Estate in his Name, by his Will in *Octob. 1684*, devised to

suppressed the Will. Pending this Suit, a third Person gets an Assignment of a Mortgage made by the Testator, and then purchases the Equity of Redemption of the Heir, with Notice of the Will. The Court would not admit the Purchaser to dispute the Justice of the Decree, nor to try at Law, whether the Will was not cancelled by the Testator.

to the Plaintiff, his near Kinsman, in Tail Male, a Messuage in *Godstone* called *Hammerlands*, with Remainder over, and gave to his Daughter his Lands in *Sussex*, and about *six* Months after died; *Elizabeth* the Daughter within *three* Days after the Death of her Father married one *Ditcher*, and they with one *Cooper* were supposed to destroy this Will, after the Death of the Testator.

The now Plaintiff brought his Bill against *Ditcher* and his Wife, and in *June* 1687, obtained a Decree at the *Rolls*, to hold and enjoy the Lands according to the Will against *Ditcher* and his Wife and all claiming under them. The Estate so devised to the Plaintiff, being by the Testator, prior to his Will mortgaged to one *Budgin* for one Hundred Pounds; the Defendant pending the Suit, buys in the Mortgage from *Budgin*, and also the Equity of Redemption from *Ditcher* and his Wife. The now Defendant was served with the former Decree, and appeared and was examined, and set out his Title under the Assignment of this Mortgage; thereupon the Plaintiffs were put to bring their Bill to redeem the Mortgage; the Defendant by Answer insisted, that although he had been informed before his Purchase, that it was pretended, that there had been such Will made, yet upon Enquiry was assured and satisfied, that such Will was destroyed by the Testator in his Life-time, and therefore proceeded in his Purchase; and insisted the former Decree, to which he was no Party, was unjust, in decreeing the Lands to be enjoyed according to such pretended Will. But in Regard he purchased *pendente lite*, and with Notice that there was a Will, the Court would not admit him to examine the Justice of the former Decree, nor to try at Law, whether such Will was cancelled or destroyed by the Testator; but declared he should be bound by the former Decree, and accordingly decreed the Redemption of the Mortgage to the Plaintiff.

Case 199. *Aspinwall & al' versus Leigh & al'.*
Martii 4.

A Term for
 Years is limited for Payment of
 Debts, Remainder to
A. for his Life *sans*
 Waste, Remainder to
 his first, &c.
 Son in Tail.
A. being in Want, the Court gave him Leave to cut Timber for his Support, not exceeding the Value of 500*l.*
Ant. Case
 148.

SIR Gilbert Ireland by Deed of the 23^d of April 1675, grants a Term for five Hundred Years to the Defendant *Leigh*, and others, of his Manors and Lands in *Lancashire*, to commence after the Decease of him and his Wife, for Payment of Debts and Annuities; and by Will of the same Date, devises the Reversion and Inheritance thereof to the Plaintiff for Life, without Impeachment for Waste, Remainder to his first, and other Sons in Tail-male, with divers Remainders over. Sir *Gilbert* and his Wife both being dead, and the Trustees in Possession under the Trust for Payment of Debts and Annuities, which was like to have a long Continuance, the Plaintiff brought his Bill, setting forth that he was reduced to great Want, and that there was much decaying Timber upon the Estate, and that he had an Estate for Life limited to him *without Impeachment of Waste*, expectant on the Determination of the Trust, and that the Trustees had no Power to cut the Timber, and prayed he might be permitted to take off the Timber, allowing for what Damage he did the Estate.

And although it was objected, that the Plaintiff might die before the Trust performed, and until then, could not be let into Possession, and to decree that he in the mean Time might take off the Timber, would be a Prejudice to his Sons or other Remainder-Men; yet the Court decreed a Commission to go to take off Timber for the Plaintiff's Relief and Support, not exceeding five Hundred Pounds.

Lord Stowell versus Cole.

Case 200.
5 Martii.

PER Cur. Where a mutual Account is decreed, and there happens an Abatement, the Defendant in such Case may revive.

After a Decree of a mutual Account, the Defendant may revive.

D E

Termino Paschæ,

1691.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Case 201.
April 30.*Martha Cottle* Widow, Plaintiff.*Jane Fripp* Widow, and } Defendants.
James Fry,

The Husband in Consideration of his Wife's joining with him in a Fine, and parting with her Jointure of 40 l. per Ann. gives her Trustee a Bond to settle other Lands of 40 l. per Ann. on the Wife for Life, Remainder to the Heirs of his Body by her. The Husband being indebted in other

THE Defendant *Jane Fripp* having a Portion of *four Hundred Pounds*, *Edward Fripp* her late Husband's Father, pursuant to an Agreement made before Marriage, settled a Jointure of *forty Pounds per Ann.* on the Defendant for Life, issuing out of an impropriate Parsonage of *Tilshed* in *Wiltshire*. *Richard Fripp* the Defendant's late Husband, prevailed on the Defendant to levy a Fine, and to join in the Sale of the Impropriation to one *Hollyday*, and in Consideration thereof, and in Lieu of her Jointure, the said *Richard Fripp*, *Jan. 24, 1677*, gave Bond, to the Defendant *Fry*, of *one Thousand two Hundred Pounds* Penalty, conditioned that if he should at any

Bonds, dies Intestate, and the Wife takes Administration, and confesses Judgment to her Trustee: On a Bill by another Bond-Creditor decreed the Wife's Bond as to her self only, to be performed before the Plaintiff is paid; but the Children to have no Benefit of this Bond, preferable to the other Bond-Creditors.

any Time during her Life, settle Lands and Tenements of the yearly Value of *forty* Pounds *per Ann.* beyond Reprises, to the Use of the Defendant *Jane* for Life, in lieu of her Jointure, Remainder to the Heirs of the said *Richard Fripp*, on the said Defendant begotten, or in Default of such Settlement, if the said *Richard Fripp* should pay to the Defendant *Jvy* *seven Hundred* Pounds, to the Use of the said *Jane* for Life, Remainder to the Use of the Children of the said *Richard Fripp*, begotten on the Body of the Defendant, the Bond to be void.

Richard Fripp, May 18, 1683, borrowed *fifty* Pounds of the Plaintiff *Cottle*, on his and his Brother *Benjamin Fripp's* Bond, and before Payment died Intestate. The Defendant, his Widow, having taken Administration, the Bill was to have an Account and Discovery of his Estate, in order to satisfy the Complainant's Debt, and complained of fraudulent Demands set up by the Defendants. The Defendant by Answer insisted on the Bond to *Jvy* to be satisfied in the first Place, she having confessed Judgment thereon to *Jvy*, and being left without any other Provision for her self or Children.

Upon Debate, the Court decreed that the Bond and Judgment to *Jvy* should be allowed, and stand good so far as to secure *forty* Pounds *per Ann.* to the Wife for Life; but as to the Remainder to the Children, or any Settlement to be made for them, the Court took it, that upon the Wording of the Condition of the Bond, the Husband was to have been Tenant in Tail, and might have barred such Settlement, if made, as to the Children, and therefore as against the Plaintiff, the Defendant must have a Satisfaction prior to him, but as to the Children he must be preferred, and decreed it accordingly.

Cafe 202.
21 Martii.

Woodman versus Blake.

Ante Cafe
153.
One having
three Daugh-
ters, devises
Land to his
eldest
upon Condi-
tion that she
within six
Months after
his Death,
pay certain
Sums to her
two other
Sisters, and
if she
failed, then
he devised
the Land to
his second
Daughter on
the like
Condition, &c. THE Lands in Question were settled by the Father of the Plaintiff's Wife on Trustees, (of which Colonel *Sackville* was the Survivor) to such Uses, Intents and Purposes, as he by Deed or Will should appoint, and by his Will made *six* Months afterwards, having Issue only *three* Daughters, and being willing his Estate should not be divided, but go intirely to one of his Daughters, devised and appointed his Estate to the Plaintiff's Wife, being one of his Daughters, she within *six* Months paying certain Sums to the other of his Daughter's; if she failed, then he gave and appointed the Lands to another Daughter, she paying the like Sums of Money to her Sisters, and upon her failing, to his *third* Daughter in like Manner.

The Court may enlarge the Time for Payment, though the Premises are devised over, and in all Cases that lie in Compensation, the Court may dispense with the Time, tho' even in Case of a Condition precedent.

The Question was, whether the Plaintiff not having paid the Money within the six Months, should have the Benefit of the Bequest, being in the Nature of a Pre-emption.

1 Vol. Cafe
23, 159. *Per Cur.* The Court may enlarge the Time of Payment beyond the *six* Months, and hath usually done it, even in the Case of a Condition precedent, and in all Cases that lie in Compensation, as in the Case of *Popham* and *Bamfield*, and this Case is much the stronger with the Plaintiff, in Regard there is no Devise of the Land it self; but the Will is in the Nature of a Declaration of Trust, and the Bill is preferred within the *six* Months, (that is to say) within *six* Kalendar Months, and the Plaintiff claimed not a naked Power, but a Power coupled with an Interest, and is relievable within the Reason of the Case of *Pitcarne* and *Wheeler*.

Com' *Salisbury & ux'*, Plaintiffs.

Bennet & ux', Defendants.

Case 203.

1 *Mait.*

Rawlinson,
Hutchinson,
Lords Commis-
sioners.

MR. *Simon Bennet* devised to his *two* Daughters *One by Will,*
twenty Thousand Pounds apiece, to be paid them *having two*
at their respective Age of *Twenty-five* Years, or Marri- *Daughters,*
age, which should first happen, so as such Marriage was *gives 20000*l.**
with the Consent of the Mother and other Trustees, *to each, pay-*
and after such Time as they respectively had attained the *able at 25,*
Age of *sixteen* Years. If either of them married before *or Marriage,*
sixteen, or without Consent, then such Daughter to have *so as such*
only *ten Thousand* Pounds Portion; and directed that the *Marriage be*
Surplus of his personal Estate, should be invested in *with the*
Lands, and settled on his Daughters and their Issue, *Consent of*
with cross Remainders, &c. *the Mother*
and the Tru-
tees, and
after the
Age of 16.
If either of
the Daugh-
ters marry
before 16, or
without Con-

sent, such Daughter to have only 10000*l.* Portion. Testator afterwards treats with the Plaintiff for a Marriage with his eldest Daughter, and he dying before the Marriage had, she afterwards marries the Plaintiff; with Consent of her Mother and the Trustees, but before her Age of 16. yet she shall have the whole 20000*l.*

In the Life-time of Mr. *Bennet*, a Marriage was treated of to be had between the Plaintiff and his Lady; but before any Agreement made, old Mr. *Bennet* died, and the Plaintiff, the *Earl*, married his now Wife, before she attained her Age of *Sixteen*, but with the Consent of her Mother and Trustees.

Whether he should have only *ten Thousand* Pounds, or *twenty Thousand* Pounds Portion, was the Question.

For the Plaintiff it was insisted, that here was no express Devise over, and that it was a Clause inserted, and intended only *in terrorem*; and old *Bennet* himself after the Making of this Will, though his Daughter was under *Sixteen*, treated to have married her to the Plaintiff,

Plaintiff, so (as it stood on the Will) if there had been any Condition precedent, or Forfeiture, he had afterwards dispensed with it. Here the whole Portion comes out of the personal Estate, and is a Legacy, and therefore Regard ought to be had to the Law and Usage in the Spiritual Court, where Conditions of this Nature are odious. And the Case of the Duke of *Southampton* cited, where Relief was given in the like Case.

The Court decreed the *twenty Thousand Pounds* to the Plaintiff.

Case 206.
Trevor,
Rawlinson,
Hutchins,
Lords Commissioners.
5 *Maii.*

Cecil & al, Plaintiffs.

Comes *Salisbury*, Defendant.

THE Plaintiffs the younger Children of the late Earl of *Salisbury*, brought their Bill for the Execution of a Trust, under the Will of their Father, for raising their Portions and Maintenances, and prayed the Trustees might be decreed to sell, &c. the Defendant the *Earl*, whilst a Minor, desired the Trust-Estate might not be sold, and offered to subject other Lands not within the Trust, for the better raising of the Portions, so that then a Sale would not be necessary: Upon the Hearing of the Cause, the Question was, whether he should be bound by this Offer in his Answer, he being then a Minor.

An Infant bound by the Offer made by him in his Answer, if the other Side are thereby delayed; and if the Infant does not immediately after his coming of Age apply to the Court, in order to retract his Offer, and amend his Answer.

Per Cur. Shall hold him to his Offer, for by that Means, he hath delayed a Sale, &c. and if he would have departed from what he had offered, he ought immediately when he came of Age to have applied to the Court, to have retracted his Offer, and amended his Answer.

Answer: But though he came of Age in 1687, yet no Complaint was made, either that he had been deceived, or defrauded, or an improper Defence made for him; but acquiesced in the Answer to this Time. This Court hath often decreed building Leases for *sixty* Years of Infants Estates, where for their Benefit. A Common Recovery suffered by an Infant is good; and if the Court is satisfied, it is for the good of the Infant, will take it. Where an Exchange is made, if the Infant continues in Possession after he comes at Age, he shall be bound by it. So where a Jointure is made after Marriage, if after the Death of her Husband, the Wife enters, she shall be bound by it. In *Sir Edward Moseley's Case*, where a Provision was made for his Lady in lieu of her Jointure, by Articles during Coverture, she after the Death of her Husband, entred on *Forty-six Pounds per Ann.* Part thereof only, and she thereby was held obliged to perform the whole Articles. And the Lady *Widrington's Case* was cited, where she and her Husband agreed to an Inclosure, and she was bound by it, even as to her Jointure.

Court of Equity often decrees building Leases for 60 Years, of Infant's Estates, where 'tis for their Benefit. Infant exchanges Land, and continues in Possession of the Lands given him in Exchange, after his coming of Age, he shall be bound. Provision made for a Wife in lieu of her Jointure, by Articles during Coverture; if the Wife after her Husband's

Death enters but upon Part of these Lands, she is obliged to perform the whole Articles.

Baker versus Bayley.

*Case 205.
1 Mail.*

THE Defendant that had an Estate for three Lives, settled it to the Use of himself in Tail, Remainder to the Plaintiff; the Defendant surrenders the old Lease, and takes a new Lease to himself: The Plaintiff's Bill was to have the Benefit of the Remainder preserved to him.

A. having an Estate for 3 Lives, settles it to the Use of himself in Tail, Remainder to B. The Remainder is void, or if good, it

might be barred by Deed, Surrender, or other Conveyance.

Lease *pur au-*
ter vie, is not
within the
Statute *de*
donis.
Ant. Ca. 167.

Bare Articles
a Bar to an
Intail of an
Equity.
1 Vol. Ca. 8.
2 Ch. Cases
78.

3 Keb. 475,
486, 498.

An Estate
pur auter vie
of Lands in
Burrough
English shall
descend to
the customary Heir.

Cur. Take the Remainder to be void, and dismiss the Bill. *First*, a Lease *pur auter vie*, is not within the Statute *de donis*, and therefore if a Limitation over had been good, it might have been barred by a Deed, or Surrender, or other Conveyance, without a Common Recovery, as in the Case between *North* and *Champernoone* where bare Articles shall be a Bar to an Intail of an Equity, and though there was a Recovery in that Case, yet that was not material, in Regard there was no Tenant to the ~~Præcipe~~ ^{Præcipe}; and in this Case, if it had been an Intail within the Statute *de donis*; yet the Plaintiff's Remainder not to be regarded, by Reason the Defendant has a prior Estate in Tail, and might at any Time bar the Remainder. The Case of *Dowdeswell* and *Dowdeswell* cited; adjudged *per* Lord Chief Justice *Hale*, that an Estate *pur auter vie* of Lands in *Burrough English*, should descend and go to the Heir in *Burrough English*.

Case 206.
Eodem die.

Baker versus Child.

Bill will not
lie to quiet
one in the
Possession of
a Pew in a
Church, tho'
Plaintiff be-
fore had a
Decree be-
fore the Or-
dinary, for
this Pew.

Hob. 69.

THE Plaintiff had obtained a Decree before the Ordinary, for an Isle in a Church, in the Year 1676, and brought his Bill for the Decree of this Court to quiet him in Possession; and it was insisted upon by Mr. *Finch*, that the Bishop had the Disposition of the Seats in the Church, and when he hath disposed thereof, that gives a Right to the Party, and he may maintain an Action, and that was the Case of *Boothby* and *Bayly*, and hoped the Court would not put them to bring their Action, but would quiet the Possession by Decree.

Per Cur. Dismiss the Bill with Costs, for this Court executes not their own Decrees by a Bill, without examining

mining the Justice thereof; but we cannot examine whether the Bishop hath done Right, nor will such a Decree bind the Successors.

Symons versus Rutter.

Cafe 207.
4 Maii.

ON the Marriage of *Elizabeth Symonds* with *John Rutter*, it was agreed by Articles in Writing, that *five Hundred Pounds*, Part of the Portion of *Elizabeth*, should be placed in the Hands of *Sir Francis Child* and *William Pain*, to be placed out at Interest, until it could be invested in a Purchase, with the Consent of *Elizabeth* and *John Rutter* her intended Husband, in Houses or Lands of Inheritance, to be settled to the Use of *John Rutter* and *Elizabeth* his intended Wife for their Lives, and the Life of the longest Liver, Remainder to the Heirs of their two Bodies; Remainder to the Heirs of the Body of *Elizabeth*; Remainder to the Plaintiff the Brother of *Elizabeth*, and his Heirs. The Marriage being afterwards had, and the *five Hundred Pounds* deposited with the Trustees; before any Purchase had, *Elizabeth* died without Issue; *John Rutter* survived, and received the Interest of the *five Hundred Pounds*, during his Life; he being dead, the Plaintiff now claimed the *five Hundred Pounds*, by Virtue of the Remainder to him and his Heirs, and as Brother and Heir of the said *Elizabeth*, and also as having Administration to her *de bonis non* administered by *John Rutter* the Husband, who survived *Elizabeth* his Wife.

By Marriage-Articles agreed that 500 l. the Wife's Portion, should be invested in a Purchase of Lands to be settled on Husband and Wife for their Lives; Remainder to the Heirs of their two Bodies; Remainder to the Heirs of the Body of the Wife; Remainder to the Plaintiff, the Wife's Brother in Fee. The Wife dies without Issue, and then the Husband dies, the 500 l. not being laid out. Whether this Money is to be taken as Land, and go to the Plaintiff, to whom the Husband.

Fee is limited; or as Money, and go to the Executor of the

Per Trevor and *Rawlinson*, The *five Hundred Pounds* in this Case is to be looked on as Money, and not as Land, and go to the Defendant as Administrator to *John Rutter* the Husband, who survived: *First*, because no positive Covenant

Covenant that it should be laid out in Land. *Secondly*, not to be laid out in Land, but by the Consent of *John Rutter* and *Elizabeth* his Wife, and no Purchase made or consented unto; and it remaining therefore as Money, the Interest by the Articles was only appointed to the Survivor, and no Disposition as to the Principal, and must go to the Administrator of the Husband, who survived and the Bill dismissed; for if settled, the Husband had been Tenant in Tail, and might have barred the Issue.

Vol. 1. Case
293, 458.

Per Hutchins, The Intention plain, it should be invested in a Purchase, and plain that a Purchase might have been had after the Death of one of them, because the Survivor by the Articles, is to have only the Interest for his Life; and though if settled, the Husband might have been Tenant in Tail; yet having no Issue, was only Tenant in Tail after Possibility of Issue extinct, and conceived this Case governed by the Rule that had been taken in the several Cases of *Whitwick* and *Fermin*, or *Lawrence* and *Beverley*, being the same Case; and by the Cases of *Annon* and *Honywood*, *Kettleby* and *Atwood*; and must not upon the same Circumstances be taken as personal Estate, which in other Cases had been looked on as Land, and gone as real Estate.

Case 208.

Alcock versus Sparhawk.

Ant. Ca. 140.
J. S. by Will
devises his
Lands to his
Brother who
was his Heir
at Law, in
Fee, gives
Legacies and
makes his
Brother Ex-
ecutor, desi-
ring him to
to see his Will performed.

J Ames Sparhawk, the Defendant's Brother, seised of Freehold and Copyhold, and designing to have intermarried with the Plaintiff, in case he had lived; by Will *April 15, 1679*, drawn by the Defendant his Brother by his Direction, devised as followeth. As touching my worldly Goods, I dispose thereof as followeth. I give

The real Estate is charged with the Legacies.

I give and bequeath to *John Sparhawk* (being the Defendant) my loving Brother, all my Houses and Lands lying and being in *Feevingfield* and *Stradbrook*, and all my Houses in *Theberton* to him and his Heirs: And after other Legacies devises thus. *Item*, I give to Mrs. *Susanna Alcock*, (the Plaintiff) the Sum of *two Hundred Pounds* to be paid by my Executor within *five Years* after my Decease. *Item*, I give my Stone-Ring unto Mrs *Susanna Alcock*, and I do nominate and appoint my loving Brother *John Sparhawk* to be my sole Executor of this my last Will and Testament; desiring him to see the same performed, according to the Trust and Confidence that I repose in him. And the Testator proposing the Legacies should be paid in *three Years*; the Defendant desired *five Years* Time for the doing of it. The personal Estate proving deficient. The Question was, whether the real Estate was liable.

Per Cur. The Lands are subject and liable even on the Face of the Will. Testator needed not have devised the Lands to his Brother, for he was his Heir at Law, unless he intended his Brother should take them subject to his Legacies: But he is Devisee and Executor, and is desired to see the Will performed; and therefore a much stronger Case than that of *Cloudesty & al'*, Creditors of *Vol. 1. Case 386.* *Dean* against *Pelham*, which was confirmed upon an Appeal to the Lords.

Note, This Decree was also confirmed upon a Bill of Review, and afterwards upon an Appeal to the Lords in *Parliament*.

Whitacre versus Pawlin.

Case 209.
18 *Maii*.

Pawlin and *Loggin* become Partners in some Forges and Iron Mills, and *Pawlin* alledging that *Loggin* had
N n n

An Award is made in an adversary Suit between A. and B. and con-

firmed by the Court, *A.* being then a Bankrupt, but not known to be so. A Commission is afterwards taken out. This Award shall bind the Assignee under the Commission.

not brought his Proportion of Stock into Trade, and had waisted and imbeziled the Joint Stock, brought a Bill against him to be relieved touching the same. The Matter by Consent was referred to Mr. *John Trinder*, who in Regard *Loggin* had not brought in his first Stock, and had waisted and imbeziled the Joint-Stock, Jan. 30, 1685, awarded *Loggin* to deliver to *Pawlin* what remained of the Joint-Stock, and the Lease of the Iron Mills, &c. to be by him enjoyed to his own Use, and thereupon general Releases to be given; which Award, after Exceptions taken to it, was afterwards confirmed, and decreed by the Court. *Loggin* was afterwards found a Bankrupt, and the Plaintiff *Whitacre* as being a Creditor to him by Bond, had an Assignment made to him by the Commissioners, and brought a Bill to have an Account of *Loggin's* Estate, that came to the Hands of *Pawlin*, and alledged, if any such Award was made, it was after such Time as *Loggin* became a Bankrupt.

Per Cur. There appearing no Fraud or Collusion in the obtaining of the Award, but the same being in an adversary Cause, and the Award after excepted to, &c. although *Loggin* might be then a Bankrupt, yet not being known so to be at the Time of the Award, such Award ought to stand. *Quare*, If the Decree upon a Rehearing was not reversed?

D E

Term. S. Trinitatis,

1691.

IN CURIA CANCELLARIÆ.

Burrel versus Harrison.

Case 210.
10 Junii.

BILL to have an Execution of Articles for a Lease of Lands in *Norfolk*, at the Rent of *thirty Pounds per Ann.* and the Custom throughout *Norfolk* being, that the Landlord should do and be at the Charge of all Repairs during the Term. The Question was, who in this Case should be obliged to repair, . . .

Bill for a specific Performance of Articles for a Lease of Lands in *Norfolk*, where by Custom the Landlords repair: But the Rent reserved on this Lease appearing to be under the Value, decreed the Tenant should covenant to repair.

Per Cur. The Tenant being Plaintiff to have the Lease made, and it being in Proof that *thirty Pounds per Ann.* is not the full Value, decreed a Lease to be made; but that the Plaintiff the Tenant should covenant to repair, and the Rent of *thirty Pounds per Ann.* to be subject to no Deductions, save only Parliamentary Taxes.

Bliman

Case 211.
16 Junii.

Bliman versus Brown.

Bill for Writings and a Partition; Defendant insists, the Plaintiff has no Title, and that there is an Intail subsisting: The Court gave the Plaintiff a Year's Time to try his Title.

THE Plaintiff being a Purchaser, came here for Writings and a Partition. The Defendant insisted there was an Intail, and Plaintiff's Purchase not good. The Court upon the first Hearing gave the Plaintiff a Year's Time to try his Title. Ejectment was brought, and a Copy of the Deed of Intail produced, but the Original lost and not proved to be executed; Verdict against the Intail.

And upon a Trial in Ejectment, Verdict for the Plaintiff; upon coming on upon the Equity reserved, it was insisted, this being a Matter of Right of Inheritance, Defendant ought not to be bound by one Trial; *sed non allocat'*, it being a Decree only for a Partition. *Tamen quere.*

The Cause was now set down on the Equity reserved: The Defendant insisted, he ought not to be bound by one Trial in a Matter of Right of Inheritance; *sed non allocatur*, being a Decree only for a Partition. *Tamen quere.*

Case 212.
23 Junii.

Thomas versus Gyles.

One gives her Son other Lands in Lieu of Lands intailed, and by her Will gives the intailed Lands to her Daughter, and takes a Bond from her Son, to permit her Daughter to

Sarah Gyles, the Mother, agrees to give her Son other Lands in Lieu of Lands intailed, and by Will disposes of the intailed Lands to her Daughter Rebecca, and takes Bond from her Son to permit and suffer the intailed Lands to be enjoyed as she by Will had devised them. The Son dies, leaving the Defendant his Son an Infant, who brought an Ejectment for the intailed Lands. The Plaintiff could not sue the Bond against the Defendant, being an Infant.

enjoy the intailed Lands. The Son dies, leaving an infant Son, who being in Possession of the Lands that came in Recompence, brings an Ejectment for the intailed Lands. By Reason of the Infancy of the Grandson, the Bond could not be sued. The Daughter brings a Bill, and is decreed to be quieted in Possession of the intailed Lands, until six Months after the Infant comes of Age, and then the Infant may shew Cause.

Per

Per Cur. The Infant being in Possession of the Lands that came in Recompence, we will at present only quiet the Plaintiff's Possession in the intailed Lands, until *six* Months after the Infant comes of Age, and then he may shew Cause if he thinks fit. The Case of *Burton* and *Jeux* cited, where Partition between Tenants in Tail, though but by Parol decreed to bind the Issue; and the like in the Case between *Rose* and *Rose*. And a Case cited where *J. S.* seised of *Blackacre* in Tail, and of *Whitacre* in Fee, by Mistake devised the intailed Acre, and leaves the Fee-simple to descend. The Devisee came here and had a Decree to enjoy.

Partition between Tenants in Tail, though only by Parol shall bind the Issue. A. seised of *Blackacre* in Tail, and *Whitacre* in Fee, by Mistake devises the intailed Acre, and

leaves the Fee-simple Acre to descend; the Devisee upon his Bill, had a Decree to enjoy.

Maw versus Harding.

ON the Statute for the better settling of Intestates Estates, the Question was on that Clause of the Statute; that there should be no Representation among Collaterals, beyond Brothers and Sisters Children. Whether to be intended of Brothers and Sisters to the Intestate; or whether, when Distribution falls out amongst Brothers and Sisters, though remote Relations to the Intestate, Representation shall be admitted.

Case 213. 20 Julii. Ant. Ca. 155. The Clause in the Statute of Distribution, which says there shall be no Representation among Collaterals beyond Brothers and Sisters Children, must be intended

that none shall take by Representation, but the Children of Brothers and Sisters to the Intestate.

Per Cur. No Representation but between Brothers and Sisters to the Intestate.

Freeman versus Freeman.

Case 214. 21 Julii.

THE Father settles Lands upon his Son in Tail, and takes Bond from him, that he should not dock the Intail. Bill to be relieved against the Bond.

The Father settles Lands upon his Son in Tail, and takes a Bond from him

that he shall not dock the Intail. On Bill to be relieved against the Bond, Bond decreed to be good. If the Son would not have given the Bond, the Father might have made him only Tenant for Life. *Post.* Case 237.

Per Cur. The Bond good; had not the Son agreed to give the Bond, the Father might have made the Son only Tenant for Life; and though the Alienation is not made by the Son, but by his Issue; Bill dismissed with Costs.

Case 215.
16 Julii.

Fane versus Bence.

An only Child of a Freeman of London, advanced in Part, is not to bring such Part into Hotch-Pot.

SIR Vere Fane having married Alderman Bence's Daughter, with whom he received a Portion in Marriage. The Question was, whether she was thereby excluded from her orphanage Share; the Testator not having by his Will, or otherwise, declared her not fully advanced: And in Case she ought to be let into an orphanage Share; it was agreed her Portion was not to be brought into Hotch-Pot, there being none in equal Degree with her, she being the only Child.

Case 216.
23 Julii.

Fothergill versus Kendrick.

A Recognisance being inrolled by the special Order of the Court, after the Time for inrolling it was elapsed, the Conusor betwixt the Date of the Recognisance, and the Enrolling of it, borrowed Money of £. 5. upon a Judgment, which was now over-

A Recognisance was enrolled by special Order of Court, after the Time for the Enrolling of it was elapsed, but being now enrolled, that makes the Recognisance effectual from the Time of the Date. It so happened that the Plaintiff between the Date and the Enrollment of the Recognisance, lent Money to the Cognisor, and took a Judgment for his Security, which now was over-reached by this Recognisance, made good by the subsequent Enrollment: And in Regard the Estate was in Mortgage, and neither the Judgment or Recognisance could reach it without the Assistance of a Court of

reached by the Recognisance, and the Estate of the Conusor was in Mortgage, prior to the Recognisance, so that neither the Recognisance, nor the Judgment could reach the Estate without the Aid of Equity. The Court inclined to give the Preference to the Judgment-Creditor.

of Equity; the Cognisor having only an Equity of Redemption in him; the Court inclined to give the Preference to the Judgment-Creditor, that he might not complain of Wrong done him by the Order for enrolling the Recognisance.

Cook versus Sadler.

Cafe 217.
24 Julii.

THERE being a first and second Mortgage made of the same Estate, the first Mortgagee brought a Bill against the second, to compel him to redeem or to be foreclosed, and foreclosed him accordingly. It so happened that the first Mortgagee by his Will devised the Premises to the Mortgagor, and thereupon the second Mortgagee brought a new Bill to set aside the first Mortgage, and to be let into a Satisfaction of his Money. The Defendant pleaded the former Suit, and Decree of Foreclosure.

A. mortgages Land to B. and after mortgages the same Land to C. B. the first Mortgagee forecloses C. and afterwards devises the Premises to the Mortgagor. Whether C. may now in Equity set aside the first Mortgage. Vol. 1. Cafe 58, 74, 159.

Per Cur. Answer the Bill. Something like the Case of *Bovey and Smith*, where a Purchaser that had Notice, sold to one that had no Notice of the Trust, and afterwards repurchases, the Trust shall revive in his Hands.

Collins versus Goodall.

Cafe 218.
Eodem die.

BILL to be relieved touching a Rent charged upon Lands by a Will; the Defendant pleaded the Statute of Limitations, and that there had been no Demand or Payment in forty Years.

Statute of Limitations as to Rents, extends only to customary Rents between Lord and

Tenant, and not to Rent arising by Grant, or a Will, whereof the Commencement may be shewn.

Per Cur. The Case in *Cook's Reports*, on the Statute of H. 8. concerns only customary Rents between Lord and Tenant,

Tenant, and not to any Rent that commences by Grant or whereof the Commencement may be shewn.

Cafe 219.

Englefield versus Englefield.

THERE having been a Decree made for a very liberal Allowance for the Maintenance of the Infant out of a Trust-Estate, and not according to the Trust; upon a Rehearing it was endeavoured to set aside the Decree.

Where an Infant recovers by a Decree of the Court, the Court may with the Approbation of the Infant's Relations, allot the Infant a Maintenance, though no Provision in the Trust for that Purpose; and this is founded on natural Equity.

Per Cur. Where an Infant recovers by Decree of the Court, the Court may with the Approbation of the Infant's Relations, allot him a Maintenance, though no Provision in the Trust for that Purpose; and this founded on natural Equity: And though in this Case the Decree went beyond the Rules of regular Equity, yet a Decree being made in it, we will not reverse it, though possibly we would not have made the Decree.

D E

Term. S. Michaelis,

1691.

In CURIA CANCELLARIÆ.

*Owen versus Curzon.*Case 220.
Dec. 16.

AN Administrator as such, obtains a Decree, but before Enrollment, or any further Proceedings dies. The Administrator *de bonis non* brings a Bill of Revivor, to have the Benefit of that Decree, whereto the Defendant demurred, because the Administrator *de bonis non* came not in Privy to the Administrator, that obtained the Decree, but claimed paramount, and therefore could not revive.

Administrator obtains a Decree, and dies, the Administrator *de bonis non* may revive this Decree, within the Equity of Statute 30 Car. 2. cap. 6.

Per Cur. By the Oxford Act, after a Judgment obtained by an Administrator, the Administrator *de bonis non* may revive; and so in this Court where a Decree is obtained, as there was in this Case.

Stat. 30 Car. 2. cap. 6.

P p p

Underwood

Cafe 221.
Dec. 7.

Underwood versus Mordant.

By Marriage Articles, the Household Goods and Plate of the Wife were assigned to Trustees, the Husband to have the Use of them for his Life only, afterwards to the Wife, her Executors and Administrators. But if the Husband survived, then the absolute Property to be to him. *A.* having got Judgment against the Husband, takes the Goods in Execution. The Wife's Friends give Security to the Sheriff, who returns *nulla bona*, whereupon *A.* brings an Action against the Sheriff and recovers. Afterwards the same Goods are taken in Execution by *B.* another Creditor of the Husband, and the Sheriff on the like Security given him by the Wife's Friends, returns *nulla bona*, whereupon *B.* also brings Action and recovers. The Wife's Trustees bring Bill, but could have no Relief, it being all at Law, in whom the Property of the Goods are.

The Defendant *Mordant* having recovered a Debt against *Suckley* the Husband, takes the Household Goods and Plate, &c. in Execution, the Friends of the Wife give Security to the Sheriff, and he thereupon returns *nulla bona*. And *Mordant* brings his Action against the Sheriff for a false Return, and recovers against him. And afterwards the same Goods were taken in Execution by one *Pyle* for a Debt, also due from *Suckley* the Husband; and upon the like Return of *nulla bona*, the like Recovery was had against the Sheriff, and after a Writ of Error spent, the Plaintiff brought his Bill for Relief.

Per Cur. There being an Assignment made of the Goods in Question to Trustees, the Matter is purely at Law, whether such Assignment well vests the Property in the Trustees, and whether fraudulent as against a Creditor or not. *That* having been already tried, no Room for Equity

Equity to interpose; if we should relieve the Plaintiff, we must declare *that* not to be fraudulent in Equity which is found to be so in Law. And as to that Part of the Case where two several Creditors have recovered the Value of the self-same Goods, it was the Folly of the Party not to provide better for himself. For altho' when a Man recovers against another in *Trover*, there the Property of the Goods vests in the Defendant against whom the Damages were recovered; yet where the Sheriff returns *nulla bona*, and there is a Recovery against him for his false Return, *that* vests no Property of the Goods in him; but they remain in the Party, and are liable to any subsequent Execution for his Debt.

In *Trover* the Plaintiff recovers; the Property of the Goods vests in the Defendant, against whom the Damages for them are recovered. But where upon a *Fi. fa.* the Sheriff returns *nulla*

bona, and an Action is brought against him for a false Return, and a Recovery is had against him, the Property of the Goods is not vested in him, but they are liable to any other Execution.

Raw and Elizabeth ux' versus Pole.

Case 222.
13 Jan.

Leonard Pole, the Defendant's elder Brother, upon his Marriage with the Defendant *Elizabeth*, settled the Lands in Question upon her for her Jointure. The Defendant was privy to the Treaty of Marriage, and ingrossed the Jointure-Deed, and concealed the Intail, *Leonard Pole* the Defendant's elder Brother being Dead without Issue, and having devised the Inheritance of these Lands to the Plaintiff *Raw*; the Defendant *Pole* having the Deed of Intail in his Custody made by his Grandfather, brought his Ejectment and recovered; the Plaintiffs brought their Bill for Relief, and the Defendant by Answer confessed he was Privy to the Marriage-Treaty, and ingrossed the Plaintiff *Elizabeth's* Jointure-Deed, and that he had then the Deed of Entail in his Hands; but did not mention his Title, nor discover the antient

A. on his Marriage with B. settles Lands for her Jointure, which were subject to an Intail; C. Brother of A. was privy to the Intail, ingrossed the Jointure-Deed, had the Deed of Intail in his Custody and concealed it. A. the Husband devises the Inheritance of the Premises to J. S. and afterwards dies without Issue, and J. S. marries

Deed

the Widow; C. the Brother sets up the Intail, and brings an Ejectment. J. S. and his Wife bring a Bill to be relieved against this Deed of Intail. Decreed the Wife to hold her Jointure; but Bill dismissed as to the Husband's Claim under the Will, it being a voluntary Conveyance.

Deed of Entail, because he apprehended his Brother would dock the Intail.

The Court decreed the Plaintiff *Elizabeth* to hold and enjoy her Jointure against the Defendant, and all claiming by or under him, and a perpetual Injunction against the Judgment in Ejectment. But as to the Plaintiff *Raw*, who claimed the Reversion and Inheritance by a voluntary Devise; the Bill as to him was dismissed, Dr. *Ant. Ca. 145.* *Amye's Case*, and *Charles Clare's Case* cited.

Note, This Decree was afterwards affirmed upon an Appeal to the House of *Lords*.

Case 223.
11 Nov.

Coddrington versus Webb.

BILL for a new Trial, suggesting the Plaintiff's Mark to the Bond was forged by one *Webb*, and by Surprise Defendant had recovered against him at Law, all the pretended Witnesses to the Bond being dead. New Trial ordered, *Tewke's Case*, *Swinfield's Case* cited. Bill for a new Trial, Plaintiff suggesting that her Mark to the Bond was forged by one *Webb*, and all the pretended Witnesses to the Bond were dead, and that the Verdict was recovered by Surprise. A new Trial ordered.

Case 224.
Eodem die.

Deakins versus Buckley.

WHERE a Citizen of *London* by Will had devised *seven Hundred Pounds* for Mourning, the Question was, whether this *seven Hundred Pounds* should come out of the whole Estate, or only out of the legatory Part; for it was insisted, if there had been no Direction by the Will, or if the Will had only directed that the Expences of the Funeral should not exceed such a Sum, there the Deduction must have been out of the whole Estate. A Freeman of *London* devises 700 *l.* for Mourning. It shall be paid only out of the legatory Part, and not out of orphanage or customary Part.

Per Cur. Mourning devised by the Will must come out of the legatory Part, and not to lessen the orphanage and customary Share.

Dame *Mary Vernon*, Relict
of Sir *Thomas Vernon* of } Plaintiff. Case 225.
Hodnet, } 10 Nov.

Jones, Squibb, Tilson & al, Defendants.

SIR *Thomas Vernon* in 1680, by Will devises several A. devises Lands to Trustees to pay his Debts, and then to pay his Wife 200 l. per Ann. for her Life: Testator lives several Years, and his Debts are increased from 2000 to 10000 l. for 8000 l. whereof his said Trustees were bound. A. the Testator by Deed and Fine conveys his Lands to his said Trustees Manors and Lands to *Jones & al*, to pay his Debts, then to pay *two Hundred Pounds per Ann.* to the Plaintiff for her Life, and to make Provision for younger Children, Sir *Thomas Vernon* living many Years afterwards, his Debts increased from *two Thousand five Hundred Pounds*, to *ten Thousand Pounds* or thereabouts; and *Jones* and *Squibb* being bound with him for Payment of about *eight Thousand Pounds*, Sir *Thomas Vernon* conveyed all the Premises to the Defendants and their Heirs to sell to pay his Debts, and the Surplus to him and his Heirs, in which Conveyance the now Plaintiff joined, and levied a Fine to bar her Dower, and to corroborate the Security.

to sell to pay his Debts, and the Surplus to him and his Heirs, and his Wife joins in the Fine and Conveyance. Whether this is a Revocation of the Wife's 200 l. per Ann. or whether she shall have her 200 l. a Year out of the Surplus of the Money after the Debts paid. Decreed for the Wife. *Quere.*

The Question was, whether this Conveyance should amount unto a Revocation of the Will as to the *two Hundred Pounds per Ann.* thereby devised to the Plaintiff for Life; or whether the Surplus after the Debts paid, shall not be liable to the *two Hundred Pounds per Ann.* Decreed *pro Quer*. Q.

Q q q

Bainham

Cafe 226.
24 Octob.

Bainham versus Manning.

Bond to a
House-keep-
er for secret
Service. E-
quity will not
relieve: O-
therwise if
the Bond was
given to a
common
Strumpet.
Ant. Ca. 170.

BOND to a House-keeper for secret Service, Bill to be relieved against it dismissed. The Case of *Uphill* and *Bowman* cited, where the Bill was likewise dismissed. But in the Case of *Hanbury* and *Matthews* there relieved against such a Bond, because the Woman appeared to have been a common Strumpet, and by her Insinuation prevailed upon the old Man. Lord Commissioner *Hutchins* cited the Case of Mr. *Fortescue*, who had presented a Parson to a Living, and took a Bond from him to resign on Request at any Time within seven Years; Mr. *Fortescue*'s House-keeper, being the Parson's Sister, got the Bond and delivered it over to her Brother. Bill to discover this Matter and to be relieved. The Defendants demurred, and the Demurrer allowed.

Cafe 227.
Eodem die.

Draddy versus Deacon.

Subsequent
Agreement
with A. by a
Factor of a
Merchant
for Freight
at 6l. 10s.
per Tun,
good, tho' A.
took no No-
tice, he had
made a for-
mer Agree-
ment with
the Mer-
chant for
Freight at 3l.
10s. per Tun,
that Agree-
ment having
been obstruc-
ted by an
Imbargo.

THE Plaintiff, a Merchant in Town, hired the Defendant's Ship to Freight for a Voyage to *Bourdeaux*, at three Pounds ten Shillings per Tun, it happened that an Imbargo was laid upon all Merchants Ships for six Weeks. The Ship afterwards proceeds on her Voyage to *Bourdeaux*, and the Defendant not discovering what Agreement he had made with the Plaintiff in *England*, the Plaintiff's Factors and Correspondents there, agree to allow the Defendant six Pounds ten Shillings per Tun, upon which latter Agreement the Defendant had recovered at Law. Bill to be relieved against the Verdict found upon the second Agreement, which was obtained by Fraud in concealing the former Agreement.

Per Cur. Bill dismissed, looking upon the Defendant to be at Liberty to make a new Agreement, by Reason that the Performance of the first was obstructed by the Imbargo, after laid upon all Merchant Ships.

Mildmay versus Hungerford.

Cafe 228.
Eodem die.

A Copyhold at *Newington* being devised by the Plaintiff for Life, Remainder to his first and other Sons in Tail, Remainder to the Defendant *Sir Giles Hungerford* in Fee; the Plaintiff being minded to make himself absolute Owner of the Estate, his Wife being then privement *ensient* of a Son, was advised that if he bought in the Reversion in Fee from *Sir Giles Hungerford*, and took a Surrender thereof to his own Use, *that* would merge his Estate for Life, and by Consequence destroy the contingent Remainder to his Son, there being then no Issue born; and therefore he agreed to give *Sir Giles Hungerford* five Hundred and fifty Pounds for the Reversion; and now brought his Bill to be relieved against the Security given to the Defendant, for that he was deceived therein, in Regard he now understood such Surrender of the Reversion would not bar the Son since born, in regard the Freehold and Inheritance was in the Lord, so not the like Inconvenience as of Freehold Estates at Common Law, in respect of contingent Remainders, where there is none against whom to bring the *Præcipe*. *Per Cur.* Pay Principal, Interest and Costs, or be dismissed with Costs.

to Tenant for Life of a Copyhold, with a contingent Remainder to his first Son in Tail, takes a Conveyance of the Reversion in Fee of the Copyhold, before the Birth of the Son. The contingent Remainder is not destroyed, the Freehold being in the Lord.

Cafe 229.
10 Novemb.

African Company versus *Parish & al'*.

*African Com-
pany hires
the Defen-
dant's Ship
to freight,
Defendant
covenants
not to trade
in any of the
Goods in
which the
Company
deal, and in*

THE *African Company* hired the Defendant's Ship to freight; the Defendant by Charter-party covenants as is usual in like Cafes, that if the Defendant traded in the Goods the Company dealt in, he would pay such and such particular Sums to the Company in respect thereof, and deduct such Sums out of the Freight, that should be coming to him.

such Cafe covenants to pay double the Value for all such Goods, with Liberty to the Company to deduct the same out of the Freight. The Company bring a Bill to discover whether the Defendant did trade in any of the said Goods. Tho' this be a Penalty, yet it being the Defendant's own Agreement, the Defendant is bound to discover.

Bill by the Company to discover, whether the Defendant had not traded in any such, and what Goods in particular, &c. The Defendant pleads the Charter-party, by which it appears that the Sums therein mentioned were of double the Value of the Goods themselves, and so was in the Nature of a Penalty, and that he ought not to be compelled to make a Discovery by Answer touching the same, so as to subject himself to such Penalties.

Per Cur. The Defendant must be bound by his own Agreement, having agreed it shall be deducted out of the Freight, he ought to discover; and it hath been adjudged so several Times in the Cafe of the *East-India* Company. *Quere*, if ordered to answer over?

Clergis Mil' versus Albermarle Ducisfam. Case 230.
Eodem die.

*C*hristopher Duke of *Albermarle*, devised several Jewels of great Value to the old *Dutchess* for Life, and after her Decease, gave the same to his Son the late *Duke*. The Plaintiff Sir *Thomas Clergis* brought his Bill against the *Dutchess* the Widow, and the other Executors of the said late *Duke*, for a Discovery and Satisfaction for the Jewels, claiming the same as Administrator to the old *Dutchess*, and that she was intitled thereunto, as well for that the same were devised to her as aforesaid; as also that she was intitled thereunto as her *Paraphernalia*.

Devise of a personal Thing to one for Life, Remainder to another, the Remainder is good, it being the same as if the Use of a Thing was devised to one for Life, the Remainder over.
Post. Ca. 316.

To which Bill the Defendant pleaded the Will of the old *Duke*, by which the same were devised to the *Dutchess* only for Life, Remainder to the late *Duke*.

For the Plaintiff it was insisted by Mr. *Attorney General*, that it was a well known and allowed Difference in Law, that as to Chattles real they may be disposed of for several Estates and Durations, viz. for Life, with Remainder over; but as to Chattles personal, they cannot be so disposed of, but where the Property first vesteth, that carrieth the absolute Ownership, and cannot be granted to one for Life, Remainder over to another, but the Remainder will be void. And to say, as has been insisted on by the Defendant's Counsel, that where a Chattle personal is given or devised to one for Life, Remainder over to another, such Gift and Devise must be construed and taken to be only the Use of it to the first Devisee for Life, and not a Devise of the Thing it self, is to confound Things, and to render insignificant the Distinction that has been taken, and al-

R r r

lowed,

lowed, that where only the Use of a personal Chattle hath been devised to one for Life, with a Remainder over, the Remainder is good; but if the Thing it self were granted or devised for Life, or for any other Time, with a Remainder over, there the Remainder is void; and yet according to this Notion now taken at the Bar, be the Devise one Way, or other, it shall amount but to one and the same Thing; and cited the Case in *Marsh's Reports*, fol. 106. *Brooke's Abr. Tit. Devise* 13.

For the Defendant it was insisted, that this being in the Case of a Will, made by a Man supposed to be *inops concilii*, such Exposition ought to be made thereof, as the whole Will may stand and take Effect; and therefore in this Case the Devise of the Jewels to the *Dutchess* for Life, with a Remainder over, must be construed and taken to be a Devise of the Use of them to her for her Life only, and has been so settled in several Cases, and the Law at this Day is not so strait as formerly taken to be, as to the Disposition of Chattles personal; and cited the Case of the Lord *Ferrars*, where Goods in *Tamworth Castle* were by Sir *Robert Sherly* devised to his *Lady* for Life, and after her Death to his *Son*, and held good by Justice *Ellis*, and confirmed afterwards by Lord *Nottingham*, that the Devise of the Goods for Life must be intended only the Use of them; and the Case of *Spencer* and *Abell*, and the Case of *Catesby* and *Nicholls*, where Goods were devised to one for Life, Remainder over, decreed good, &c. and as to the Pretence of the Plaintiff's claiming them as *Paraphernalia*, there was no Reason for that Demand; for although where *A.* dies Intestate, or by Will does not dispose of the Jewels, his Wife may claim (in case there be no Debts) the Jewels suitable for her Quality, to be worn as the Ornaments of her Body, as her *Paraphernalia*; yet held in

Cro. Car. 343,
4, 5, 6.
1 Rol. Abr.
911, (9)

Crooke's Reports, that if the Husband by Will devises away the Jewels, such Devise shall stand good against the Wife's Claim of *Paraphernalia*: But in this Case the old

Dutchess

Dutcheſs in her Life-time made no Election or Claim to have them as her *Paraphernalia*, and her Adminiſtrator could not ſet on Foot ſuch Pretence after her Death, to which ſhe had made no Claim in her Life-time. The Plea after ſeveral Arguments before the *Lords Commiſſioners*, and after before the *Lord Keeper* was allowed.

The Husband deviſes the Wife's Jewels to the Wife for Life, the Remainder to his Son. The Wife makes no Election or

Claim to have the Jewels as her *Paraphernalia*, her Adminiſtrator cannot make this Claim.

Callingham verſus Mellish.

Caſe 231.
6 Novemb.

THE Teſtator deviſed ſeveral Lands to the Defendant his Nephew to pay his Debts, and makes his Nephew Executor, and makes no Diſpoſition as to the Surplus.

One deviſes his Lands to his Nephew to pay his Debts, and makes his Nephew Executor; but

makes no Diſpoſition of the Surplus, whether the Deviſee ſhall have the Surplus, or whether it ſhall go to the Heir. If an expreſs Legacy is given to the Heir; in ſuch Caſe the Deviſee ſhall have the Surplus.

The Queſtion was, whether here ſhould be a reſulting Trust as to the Surplus for the Heir, or whether the Nephew ſhould take the Surplus as Deviſee and Executor.

For the Plaintiff it was inſiſted, that by the Deviſe to ſell to pay Debts, the Intention of the Teſtator was to make Proviſion for the Payment of his Debts, and not of any Benefit to the Deviſee, and the rather becauſe the Deviſee was alſo made Executor, whoſe Office it is to ſee the Debts paid.

For the Defendant it was inſiſted, that in a like Deviſe in the Caſe of *Crompton* and *North*, the Surplus was adjudged to the Deviſee againſt the Heir. And by Mr. *Finch*, though in a Conveyance, where no Uſe is declared as to the Surplus, it may reſult to the Heir; yet in the Caſe of a Will, there the Deviſee is to take to his own Uſe, if no Trust is declared, and it can be no reſulting Trust for the Heir.

Note,

Note, In the Case of *Crompton* and *North*, a particular Legacy was devised to the Heir. *Quere* the Order.

Case 232.

King versus Ballett.

By the Statute of Frauds the Trust of a Fee is Assets at Law; but the Trust of a Term is not.

NOTE, By the Statute of *Frauds* and *Perjuries*, the Trust of an Inheritance is made Assets at Law, but the Trust of a Term is not: And by a Clause, where Judgment is obtained against the Testator, the Sheriff may take the Trust-Estate in Execution.

Case 233.
31 Nov.

Greaves versus Powell.

A Devise to Trustees for Payment of Debts and Legacies, and the Trustees are made Executors. The Estate falls short.

A Devise is to Trustees for Payment of Debts and Legacies, and the Trustees are made Executors: The Estate falling short, the Question was, whether the Debts are to be paid in the first Place, or only in Average with the Legatees. The Debts must be paid first, because the Trustees being made Executors, the Money is legal Assets.

Per Cur. No Doubt in this Case, Trustees being also made Executors, the Money, when the Estate is sold, becomes legal Assets; and Debts therefore must be preferred. Lord Commissioner *Hutchins* cited Sir *John Bowle's* Case, first heard before Lord Keeper *Bridgman*, where upon a Trust for Payment of Debts and Legacies, it was decreed they should be paid *pari passu*, and bear the Loss in Average: But *that* Cause was afterwards heard by the Lord *Nottingham*, who ordered the Debts should be first paid, and said he would not make a Man sin in his Grave, and mentioned the Complaint of the Prophet, where the Creditor had taken away the Children for Satisfaction of the Father's Debt; and that his Opinion

was,

was, that in the Case of a Trust for Payment of Debts and Legacies, the Debts ought to be preferred, and satisfied in the first Place, before the Legatees should have any Benefit of the Trust.

Shelberry versus Briggs & ux'.

Case 234.
30 Octob.

THE Plaintiff's Bill was to have the Payment of a Legacy devised to him by a Will, of which the Defendant's Wife was made Executrix. The Defendants answered, divers Witnesses were examined, and Publication passed. The Husband dies.

Bill for a Legacy against Baron and Feme, who was Executrix of the Testator. Defendants answer, and

Witnesses are examined, and Publication past; Husband dies. No Abatement, and the Wife shall be bound by the Answer and Depositions; but it might be otherwise, if the Wife's Inheritance was in Question.

It was insisted, that the Wife was not bound by the Answer, nor by the Depositions taken, whilst she was under Coverture. *Ant. Ca. 182*

Sed non allocatur per Cur. Here is no Abatement, and the Wife shall be bound by the Answer and Depositions: But in Case of the Wife's Inheritance it might be otherwise.

Rous versus Noble.

Case 235.

THE Testator devised a Legacy to his Child an Infant, payable at the Age of *Twenty-three*, and made his Wife Executrix; she marries a second Husband, and dies, and he takes Administration *de bonis non*, with the Will annexed, his Wife being residuary Legatee: Bill suggests his Insolvency, and prays that he might give Security to pay the Legacy when payable, and decreed accordingly.

Testator gives a Legacy to his Child, payable at his Age of 23, and made his Wife Executrix and residuary Legatee. She marries again and dies. Her second Hus-

band takes Administration *de bonis non*, &c. Upon a Suggestion of Insolvency the second Husband ordered to give Security to pay the Legacy when due.

S f f

DE

D E

Term. S. Hillarii,

1691.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Cafe 236.
26 Jan.

Styant versus Staker.

The Lord
enfranchises
a Copyhold
with all Com-
mon thereto
belonging.
Though the
Common be
extinct at
Law, yet it
subsists in E-
quity.
2 Cr. 253.
Yelv. 189.
Moor 667.
1 Brownl.
173, 230.

THE Lord of the Manor enfranchises a Copyhold, with all Commons thereto belonging or appertaining, and afterwards buys in all the other Copyholds, and then disputes the Right of Common with the Copyholders he had enfranchised, and at Law recovers against the Plaintiff, because the Prescription of Common to the Copyhold was destroyed by the Enfranchisement; and the Grant of the Copyhold, with all Common thereunto belonging and appertaining gives no Right of Common, because when enfranchised no Common in Point of Law belonged or appertained thereunto.

Per Cur. Decreed the Plaintiff should hold and enjoy against the Defendant, the same Right of Common as belonged to the Copyhold, and Costs against the Defendant.

Jervis versus Bruton.

Cafe 237.
9 Feb.

John Morris settles Lands on his Daughter and the Heirs of her Body, Remainder to his own right Heirs, and takes a Bond from the Daughter not to commit Waste; the Daughter having levied a Fine, and afterwards committing Waste, the Bond was put in Suit.

One settles Land upon his Daughter in Tail, and takes a Bond from her not to commit Waste. Bond not binding in Equity.

Per Cur. An idle Bond, and decreed to be delivered up to be cancelled; and like *Poole's* Cafe cited in the Cafe of *Tatton* and *Molleneux* in *Moor's Reports*, where a Recognisance conditioned that Tenant in Tail should not suffer a Recovery, is decreed to be delivered up, as creating a Perpetuity.

Ant. Ca. 214.

Moor 809,
810.

Earle versus Stocker.

Cafe 238.
5 Feb.

AN Award set aside, the Arbitrator appearing to have an Interest in the Cargo touching which the Award was made, and therefore put too great a Value thereon; and in *five* Days after the Award made, the Money awarded was attached by the Arbitrators for Debts owing to them by *Stocker*. In the Butcher of *Croydon's* Cafe, Lord *Bridgman* did not set aside the Award, barely because the Damages were excessive, but gave another Reason, *viz.* It was agreed it should be referred to indifferent Persons, and it appeared one of the Referrees was the Butcher's Cozen. In *Pitt* versus *Dawkra*, the Arbitrators promised to hear Witnesses, but making the Award before they had so done, the Award was set aside. In the Cafe of *Smith* and *Coryton*, the Arbitrator promised not to make his Award until *Smith* (who was not well) should come abroad. Lord *Nottingham* inclined

An Award set aside, the Arbitrators being interested in the Cargo, touching which the Award was made, and therefore put too great a Value thereon. Vol. I. Cafe 147. Arbitrators promised to hear Witnesses, but made the Award before. The Award set aside.

clined for that Reason to set it aside: But the Matter ended by Compromise.

Cafe 239.
22 Feb.

Rundle versus Rundle.

Post. Ca. 249.

*A*Lexander Rundle purchases a Copyhold Estate in a western Manor for his own Life, and the Lives of John his Son, and of Alice, who was his Niece. Alexander and John his Son being both dead, the Plaintiff, who was the Widow and Administratrix of Alexander, brought her Bill again Alice setting forth the Custom of the Manor prout, and that the Name of Alice, was made Use of by Alexander in Trust for him, who paid the whole Fine, &c. and prayed the same might be decreed a Trust, and made liable to the Debts of Alexander. Vid. Order.

Cafe 240.
27 Feb.

Gainsborough Comitiff. versus Gainsborough Com'.

One by Will subjects his real Estate to pay his Debts, and makes his Wife Executrix. Parol Proof admitted, to prove Testator's Declarations, that his Executrix should have his personal Estate, exempt from his Debts.

THE late Earl of Gainsborough having by his Will subjected his Lands and real Estate for Payment of his Debts, made the now Plaintiff, the Countess, his Executrix, intending thereby, as was alledged by the Plaintiff, that she should have all his personal Estate to her own Use, freed and discharged from the Payment of his Debts; but that Mr. Milbourne who drew the Will, either through some ill Design, or Ignorance, omitted to insert a Devise in the Will of the personal Estate to the Plaintiff, pretending the making her Executrix amounted to as much, and was the same Thing in Effect. And complained that the Creditors threatened to follow the personal Estate, whereas a sufficient Provision was made for them out of the real Estate; and if the personal Estate was exhausted, or applied in the Payment

Payment of Debts, she ought to be reimbursed as much, out of the real Estate. And prayed she might examin her Witnesses as to the Declarations of the Testator, that the Plaintiff his Relict and Executrix should have his personal Estate to her own Use.

As to so much of the Bill as sought to examin Witnesses touching the Testator's Intention or Declaration, that the Complainant, his Executrix, should have his personal Estate to her own Use, or to examin Matters *de hors*, and foreign to the Will in Writing, &c. The Defendant demurred, for that it appeared by the Bill, that there was a Will in Writing, and *that* Will proved by the Plaintiff, the Countess, and that it was of dangerous Consequence to admit Proof by Parol, to control, vary, or alter a Will in Writing; and the rather, in this Case, for that the *Countess* had not so much as attempted to prove such parol Declaration, as a Codicil in the Spiritual Court.

On the arguing of this Demurrer, it was said by *Serjeant Hutchins*, then one of the *Lords Commissioners*, that he thought the Bill ought to be answered, and the Plaintiff admitted to the Proof of her Allegations. As to the Objection that the Plaintiff had not proved the Declaration of the Testator, that she should have the personal Estate to her own Use, as a Codicil in the Spiritual Court, he thought it not necessary as this Case was, in Regard the Averment was not to make a Title to the Plaintiff, but to rebut the Defendant's Equity, who would have the personal Estate applied to Debts in Exoneration of the real Estate. And insisted much on the Case of *Crompton* and *North*, where the Testatrix devised her Lands to Mr. *North* to sell and dispose of for Payment of her Debts, the Heir brought his Bill, insisting, that as to the Surplus after Debts paid, it belonged to him by a resulting Trust, being not disposed of by the Will; the Defendant insisted there was no resulting

T t t

Trust,

Vol. I. Case
462.

Trust, and that the Testatrix had declared, she intended the Surplus for the Defendant. Upon the Hearing there were two Questions: *First*, Whether a Fee passed by the Will or not? and adjudged there did. *Secondly*, Whether any resulting Trust when Debts paid? and adjudged there was not, without reading the Depositions by which it was proved, she declared her Trustee should have all: But the Court there declared, that the Estate in Law being vested in the Devisee, that he should have been admitted to his Proof of the Testatrix's parol Declaration, if it had been wanting and necessary. And this was in the Case of Land; and much rather may parol Proof be admitted as to a personal Estate, and cited the Case of *Foster and Munt*, and of *Pring* versus *Pring*, where the Executor who confessed the Trust, was examined, and read against the other Executor who denied it. And *Serjeant Rawlinson* cited a Case of *Kingsmill and Ogle*, where the Surplus by Will was devised to the Wife; Averment taken that she was intended only as a Trustee for her Son, and that the Testator so declared at the making of the Will. And a Decree grounded on the Proof made thereof. *Per Cur.* Answer the Bill.

Case 241.
23 Feb.

Woodford versus *Swayne*.

Ant. Ca. 114.

THE Plaintiff being a Factor for a West-Country Clothier, who became a Bankrupt; the Question was, whether the Plaintiff having Cloaths of the Bankrupt's in his Hands, might thereout retain his full Debt, or must come in as a Creditor under the Statute of Bankrupt, and accept of a Satisfaction in Proportion with other Creditors, and account for the Cloaths he had in his Hands.

Bishop of Worcester versus Parker.

Cafe 242.
Feb. 7.

BILL to discover whether a Lease made in Queen Elizabeth's Time for *Ninety* Years, in Trust for Doctor *Lopus*, to commence after the Estates then in Being were determined, were not efflux'd in Point of Time, and charges it would so appear by Deeds and Writings in the Hands of the Defendant the Assignee of the Lease, and that he knew the Lease was expired, but refused to discover.

The Bishop brings a Bill against one that was an Assignee of a Lease, charging the Defendant knew that the Lease was expired, and that the same did appear by Writings in his

Custody. Defendant pleads that he was a Purchaser of the Lease, and was then informed, that there were *Fifty seven* Years to come in the Lease, and therefore gave *nineteen* Years Purchase for it. Allowed a good Plea.

The Defendant pleads the Lease, and that he was informed, that in *Seventy-seven* when he purchased, there was *Fifty-seven* Years to come in the Lease, and therefore gave after the Rate of *nineteen* Years Purchase for it, and therefore ought not to make any Discovery to impeach or weaken his Title. Plea allowed, and a Demurrer also.

Jesson versus Jesson.

Cafe 243.
Feb. 5.

SIR Will. Jesson by Settlement in 1669, on his Marriage with *Penelope Villars*, and in Consideration of 1500*l.* Portion secured to be paid by Sir *George Villars*, limited several Manors and Lands to himself for Life, Remainder to *Penelope* his intended Wife for Life, Remainder to first and other Sons of the Marriage, Remainder to Trustees for the Term of *one Thousand* Years, Remainder to the Heirs

Post. Cafe 244, 288, 320. By a Marriage-Settlement a Term for Years expectant on failure of Issue Male, is raised for securing 3000*l.* Portions for Daughters not preferred in the Life

of the Father, payable at eighteen or Marriage. There are a Son and two Daughters. The Father in his Life-time, by a Sale of Part of his Estate, raises 1800*l.* for his Daughters, payable at Twenty one or Marriage, and dies, leaving also a Son by a former Marriage, who dies an Infant without Issue. This 1800*l.* though payable at a different Time, and tho' not intended to go as Part of the Portion, (there being a Son then living) shall be taken as Part of the 3000*l.* Portion.

Heirs of the Body of Sir *William*, Remainder to his own right Heirs. And as to the Term for *one Thousand* Years, the Trust thereof was declared to be that in Case there should be no Issue Male of that Marriage, or if such Issue Male should die without Issue before *Twenty-one*, and there should be one or more Daughters between them, not preferred in the Life-time of the said Sir *William Jesson* and *Penelope*, then if one Daughter 1500*l.* if two or more 3000*l.* to be equally divided between them at *eighteen* or Marriage; if not paid, Trustees after the Death of Sir *William* and *Dame Penelope* without Issue Male, might raise it by Leasing or Sale, and what Maintenance they thought fit in the mean Time, and then the Term to attend the Inheritance. Provided if the next in Remainder shall pay, &c. the Term to cease.

March 10, 1680, Sir *William Jesson* demises several Messuages, &c. unto Sir *William Villers* and *Woollaston* for *Ninety-nine* Years, if Sir *William* should so long live, upon Trust by Rents, Issues and Profits, to raise (*inter alia*) 2000*l.* for the Portions of *Penelope* and *Anne*, *Margaret* and *Thomas*, the *four* younger Children, Infants and unmarried. Thereupon Sir *William Villers* and Sir *William Jesson*, agree to sell the Trust-Estate, being a Term for *Ninety-nine* Years, determinable on the Death of Sir *William Jesson* for 2000*l.* of which, *two Hundred* Pounds was to be paid to Sir *William Jesson*, and the 1800*l.* to Sir *William Villers*, which he agreed to accept in Lieu of the 2000*l.* by this Trust provided for the two surviving Daughters.

May 1688, Sir *William Jesson* died, leaving Issue the Plaintiff his eldest Son by a former Venter; and *Villers Jesson*, and two Daughters by his last Wife; *Villers Jesson* died without Issue an Infant.

The Question was, whether the 1800*l.* raised by Sir *William Jesson* out of his own Estate for Life, shall be taken in Part of the 3000*l.* now become due, and payable unto the two Daughters by the Marriage-Settlement, on Failure of Issue Male of that Marriage.

It was insisted by the Defendant's Counsel, that the 1800*l.* ought not to go in Part of the 3000*l.* *First*, It was not declared by Sir *William Jesson* that it should go or be taken in Part; and Sir *William Villers* the Trustee, examined in the Cause, swears it was not discoursed of nor intended to go in Part. *Secondly*, By the Marriage-Settlement, the Portion is to be paid at *eighteen* or Marriage. By the later Deed at *Twenty-one* or Marriage, and if die before, to survive.

Per Cur. Decree the 1800*l.* to go and be taken in Part of the 3000*l.* Portion. It might have been a Question, whether the Daughters should have more than the 1800*l.* but no Question whether *that* should go in Part; and cited the Case of *Blois* and *Blois*, where even a Legacy shall go in Part. And all the Precedents are, that there shall not be a double Provision or double Satisfaction, and cited *Elkenhead's* Case, who having made his Will, and thereby devised 1000*l.* apiece to each of his *five* Daughters, and after Legacies paid, gave the Surplus of his Lands equally amongst his *five* Daughters, and gave 1000*l.* Portion with one of them in Marriage, she was excluded from the 1000*l.* intended by the Will.

D E

Termino Paschæ,

1692.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Case 244.
6 Apr.*Duffield versus Smith*

By a Marriage-Settlement, in case of Failer of Issue Male, a Remainder is limited, to the Daughters until they should raise 3000*l.* for Portions. There is Issue a Son and two Daughters. The Father by Will gives the Daughters 700*l.* apiece, and dies. The Son gives by his Will to the Daughters, to the Amount of 3000*l.* and devises the Land to his

Male Heirs, and dies without Issue. The Father or Son's Legacies to the Daughters shall not be a Bar, and Satisfaction of the 3000*l.* secured by the Marriage-Settlement. *Ant.* Case 161, 243. *Post.* Case 288, 324.

THE now Defendants having formerly brought a Bill, claiming a Charge of 3000*l.* upon the Estate, as a Provision for Daughters, on Failer of Issue Male, secured by a Settlement made on the Marriage of *Knightly Duffield* their Father; and their Brother having devised the Land to the now Plaintiff *Duffield*, they pray'd he might either pay the 3000*l.* or be foreclosed, and the now Plaintiff, then Defendant, insisting that his Testator had by his Will left an ample Recompence to his Sisters, by large Legacies, and making them Executors, by which they profited above 3000*l.* that Bill upon hearing on the 27th of *October* 1690, was dismissed with Costs. And the now Plaintiff brought on his Bill to Hearing, to have a Decree to hold and enjoy the Land against the Claim of the 3000*l.* the Plaintiff's Testator having by his Will given, and left an ample Recompence

Recompence to the Defendants his Sisters, exceeding the Value of 3000*l.*

And the Case appeared to be, that *Knightly Duffield* the Defendants Father, upon his Marriage in 1631, conveyed the Lands to the Use of himself for Life, Remainder to his Wife for Life, Remainder to the first and other Sons in Tail Male, Remainder to the Daughters of that Marriage until 1500*l.* if but one, and 3000*l.* if more than one, were raised and paid, Remainder to his right Heirs. There was Issue of the Marriage *Andrew* a Son, and *two* Daughters. *Knightly Duffield*, the Defendants Father, by Will devises 600*l.* to one of the Daughters, and 700*l.* to the other, and dies. After his Decease, *Andrew Duffield* the Son devises 700*l.* apiece to his *two* Sisters, and also makes them Executors and residuary Legatees, by which they had all the Residue of his personal Estate, amounting to near 7000*l.* and by the same Will devises the Lands comprised in the said Marriage-Settlement of 200*l.* *per Ann.* to the now Plaintiff (being his Cousin German and Heir Male of the Family,) for his Life, Remainder to his first and other Sons in Tail. The Daughters had brought an Ejectment to recover the Lands, the 3000*l.* not being paid, and *that* depended on a special Verdict.

The Question was, whether what was given to the Defendants, either by the Will of their Father, or by the Will of their Brother, or what they took as being made Executors thereof, should in Equity be construed, or taken as a Satisfaction of the 3000*l.* in Part, or for the Whole.

For the Defendants it was insisted, that although there was a special Verdict now depending at Law, yet it must at the Hearing of this Cause be taken, that the Defendants have a good Estate in Law, until the 1500*l.* apiece be paid them, otherwise the Plaintiff has

no

no Pretence to come for Relief in Equity. *Secondly*, That although the former Bill brought by the now Defendants, to foreclose the Plaintiff, was dismissed, yet *that* is not now to be made Use of; but if the now Plaintiff will have a Decree in this Cause where he is Plaintiff, it must be upon the Circumstances and Merits of the Cause.

As to the Merits of the Cause, *first*, there could be no Pretence that the Legacy given by the Father to his Daughters, should be reckoned as any Satisfaction of the 3000*l.* in Question, as not being adequate in Value; but besides the Father had then a Son living, and it was altogether contingent and uncertain, whether the 3000*l.* would ever arise, and become payable or not, and it was but reasonable the Father should make some certain Provision for his Daughters. And as to the Will of *Andrew Duffield* their Brother, though the Benefit they take thereby is of greater Value than the 3000*l.* yet there is nothing in the Will that declares it to be in Lieu or Satisfaction of the 3000*l.* nor that necessarily implies, that it was so intended; and if they will pretend this was a dormant Settlement, and he knew not of it; *that* destroys their Pretence, that what they took by the Will was intended in Lieu, or Satisfaction of the 3000*l.* by the Settlement; and this 3000*l.* coming to the Daughters in Lieu of the Land, of which they who are the Heirs at Law, are disinherited, there was no Ground for the Court to make a strained Construction, in Favour of a voluntary Devisee, against the Heirs at Law; and *that* distinguishes this Case from all the Precedents cited on the other Side. And although it is objected, that the Brother might have barred his Sisters by a Common Recovery, without making any Compensation; and might have declared, that what they took by his Will, was in Lieu and Satisfaction of the 3000*l.* by the Settlement, yet he hath not so done; and the Question is not, what he might have done, or what might have been fitting

fitting or prudent for him to have done ; but the Case depends on what he hath in Fact done.

Per Lords Commissioners Trevor and Hutchins (Rawlinson dissenting) decreed, the Provision made by the Brother's Will to be construed and taken in Lieu and Compensation of the 3000*l.* by the Marriage-Settlement ; for he having by the same Will devised away the Lands to his Cofin, and Heir Male of his Family, it implied, that what he had given by the same Will to his Sisters, was to be in Lieu of their Interests in the Lands, and as to the Point of Satisfaction, the Sisters are not to be considered as Heirs, but as in the Nature of Mortgagees. And cited the Cases of *Blois and Blois, Yeoman and Brooks, Dekins and Powell, Jesson and Jesson, Osbaston and Strickland, &c.* *Ant. Ca. 243.*

Note, This Decree was afterwards reversed upon an Appeal to the House of Lords.

Hungerford versus Earle.

Case 245.
14 Apr.

THE Father makes a voluntary Settlement on Trustees to raise Money to pay his Debts therein mentioned, and Portions for his younger Children, reserving 50*l.* *per Ann.* to himself for Life, Remainder of the whole to his Son for Life, and to his first and other Sons in Tail, &c. The Plaintiffs are Bond-Creditors to the Father, for Money lent *twelve* Years after the Making of this Settlement.

The Father makes a Settlement on Trustees in Trust to pay his Debts therein mentioned, reserving 50*l.* a Year to himself for Life, Remainder to his Son, &c. Father continues in

Possession, and *twelve* Years after contracts Debts by Bond, whether the Settlement is fraudulent as to the Bond-Creditors.

Question whether the Settlement fraudulent against them. *Per Lord Commissioner Hutchins:* The Settlement fraudulent, and the Plaintiffs ought to have a Decree ;

X x x

for

A Deed not
fraudulent at
first, may
afterwards
become so,
by being
concealed or
not pursued.

for it is proper to be determined here, for this Court determined touching Charities, and Frauds, long before the Making of any Statute concerning the same: This Settlement not pursued, for the Trustees did not enter and take Possession according to the Deed, but permitted the Father to live in the House, &c. And a Deed not at first fraudulent, may afterwards become so by being concealed, or not pursued, by which Means Creditors are drawn in to lend their Money; but the other two Commissioners doubting it was sent to be tried at Law.

Case 246.
30 Apr.

Battily versus *Cooke & al'*, late Churchwardens, and also the present Churchwardens of-----

Bill against
Churchwardens, because they refused to sign a Rate for reimbursing the Plaintiff according to a Vote and Order of Vestry. They being out of their Office, the Decree was prayed against them and their Successors. Q.

BILL against the Defendants, lately *Churchwardens*, because they refused to make a Rate to reimburse the Plaintiff according to a Vote and Order of Vestry. And cited *Jefferies* Case in *Co. 5 Rep.* that the Majority may bind as to Parish Duties.

Vote and Order of Vestry. They being out of their Office, the Decree was prayed against them and their Successors. Q.

Objections should have come whilst Defendants were Churchwardens, that if they had been decreed to pay, they might have reimbursed themselves by a Rate. *Per* Serjeant *Philips* Decree against Dr. *Crowther* and Successor: So here would have it against the Churchwardens and Successors. Q.

Ligo versus Smith and Leigh.

Cafe 247.
22 Apr.

THE Plaintiff, Tenant under a Jointress at *forty* Pounds *per Ann.* for *sixty* Years, if the Jointress should so long live, had committed Waste *sparsim*, so as at Law the Estate was forfeited; but insisted he had improved the Estate from 40*l.* to 60*l. per Ann.* and offered to take a Lease of it at that Rent for *fifty* Years absolute, and to answer the Value of the Timber upon a *Quantum damnificatus*. Sir Percival Hart's Case cited, where he had voluntarily made a Settlement to himself for Life, then to his Nephew; afterwards he committed Waste *sparsim*, and the Nephew recovered, so as Sir Percival could not go out of his House. Q.

The Under-Tenant of a Jointress commits Waste *sparsim*, but had improved the yearly Value; and offers to take a Lease at the improv'd Rent, and to pay for the Timber cut. *Quære*, whether the Court will relieve as to the Waste.

Benson versus Benson.

Cafe 248.
25 Apr.

UPON the Marriage, the Husband being an Inhabitant within the *Province* of *York*, Provision was made by Settlement for the Wife in case she survived. It was thereby also agreed that she should not claim any Part of her Husband's personal Estate by the Custom of the *Province* of *York*, or otherwise. The Husband afterwards dies intestate, leaving his Wife, and *two* Children.

An Inhabitant within the *Province* of *York*, makes a Settlement on his Wife, in Bar of what she might claim by Custom of *York*, or otherwise out

of the personal Estate. Husband dies intestate, leaving the said Wife and Children. How the Wife's customary Part shall go.

Question whether the whole personal Estate shall be now divided between the two Children, as if there had been no Wife? Or, how the Third (belonging to the Wife according to the Statute for settling Intestate's Estates, but of which she is excluded by the Marriage-Agreement) shall be disposed of.

Per

Per Mr. Finch: The Husband is in the Nature of a Purchaser of his Wife's Share, and without Doubt might have disposed of it by Will, and what he might have disposed of by Will, the Statute has disposed of for him, and is in the Nature of a Will for all Intestates. As was resolved in the Case of *Travell* and *Pecock*, and in *Ryder's* Case. But it was observed by *Lord Commissioner Hutchins*, that the Agreement being in 1669, and the Act of Parliament in 1670, she could not by the Agreement be excluded of the Right that accrued to her by the Statute, made subsequent to the Agreement. *Quere.*

Case 249.
25 Apr. and
1 Junii.

Rundle versus Rundle.

Ant. Ca. 239.
A Copyhold
is granted
to 3, suc-
cessively,
but no Cu-
stom proved
that the first
Taker had
the Power of
disposing the
whole, nor
that the first
Taker paid
the Purchase
Money. This
shall not go
to the Exe-
cutor of the
first Taker,
but shall go
in Successi-
on.

THERE being no Custom within the Manor where the Copy is to Three for their Lives *successive*, that the first Taker may surrender the Copy, and dispose of the Estate, the Court would not decree the remaining Life to be a Trust for the first Taker, and to go to his Executor or Administrator, as had been done in other Cases where there was such Custom. And also for that upon looking into the Copy, it appeared there was a former Copy to *Richard Rundle* the Father, and *Alexander* the Son, and the Surrender is by them both *Sub Conditione*, that the Lord make a new Grant for three Lives *prout*. And it is *dant Domino de fine, &c.* So in Truth the Estate moved rather from *Richard* the Father, than from *Alexander* the Son; nor does it appear the Fine was paid by *Alexander*. And also for that it was proved in the Cause, that it was intended that the Son of *Alexander* should have married the now Defendant; and that *Alexander* declared the now Defendant should have the Estate, whether she married his Son or not, and therefore dismissed the Bill: But it was agreed

I

per

per Cur. That if it had been a Trust, the Administrator should have had the Benefit thereof, though an Estate for Lives, and whether Freehold or Copyhold, or an Office; and it had been so adjudged, as to a *Prothonatary's* Office. The Cases of *Tbyn* and *Brompsfield*, *Clark* and *Davis*, *How* and *How* cited.

An Estate in a Copyhold *pur auter vie*, shall go to Executors or Administrators, as well as a Freehold *pur auter vie*.

Stafford versus Southwick.

Case 250.
2 *Maii.*

THE Defendant intrusted *Tyms* a Scrivener to lend out 100*l.* at Interest, he lends it to the Plaintiff, from whom he takes Bond, and also a Warrant of Attorney to confess a Judgment in Debt for 100*l.* both in the Name of the Defendant, to whom he delivers a Copy of the Judgment, but keeps back the Bond. The Plaintiff afterwards pays *Tyms* the Money, and takes up the Bond, unknown to the Defendant; the Defendant suing the Judgment at Law, the Plaintiff's Bill was to be relieved against it. Q.

A Scrivener lends 100*l.* his Client's Money to B. and takes a Bond and Warrant of Attorney for a Judgment, in the Client's Name, and keeps the Bond, and gives the Client the Copy of the Judgment, to pay the

and afterwards receives the Money and delivers up the Bond. Whether B. liable to pay the Money over again.

Cooper versus Cooper.

Case 251.
3 *Maii.*

THE Father having devised a Copyhold of the Tenure of *Burrough English*, to his eldest Son, and devised Houses in *London* to his youngest Son; but had made no Surrender to the Use of his Will: The Question was, whether the Defect of a Surrender should be supplied in Equity, to make good a Provision for a Child, and the Case of *Bradley* and *Bradley* was cited, as a Case in Point, and that this was rather a stronger Case, because that it appears that the Father before his Death in-

One devises his Copyhold being *Burrough English*, to his eldest Son, and devises Houses to his youngest Son. The Houses are soon afterwards burnt, and were never entered upon by the younger Son. The Court as this Case was

Y y y

tended,

circumstanced, would not supply the Want of a Surrender.

tended, and would have gone down into the Country, to have made a Surrender to the Use of his Will; but it being in the Time of the great Plague, was prevented from so doing. But in Regard the Provision intended for the youngest Son, was a Devise of some Houses in *Milk-Street*, which within about *twelve* Months after were burnt down in the great Fire of *London*, and the younger Son then an Infant, and never entred thereon, nor received any of the Profits. The Court therefore, as this Case was circumstanced, would not supply the Defect of a Surrender.

Case 252.
13 *Maii.*

The Attorney General versus Guise.

Charity, tho' given to an illegal or superstitious Use shall not be void, for the Benefit of the Executor or Heir; but be applied *cy pres*, &c.

John Snell by his Will charged his real and personal Estate with an annual Sum or Exhibition for the Maintenance of *Scotchmen*, in the University of *Oxon*, to be sent into *Scotland*, to propagate the Doctrine and Discipline of the *Church* of *England* there. Now by the late Act of Parliament, *Presbyters* are settled in *Scotland*; and it was insisted, that although the Charity cannot now take Place according to the Letter and express Direction of the Will, yet it ought to be performed *cy pres*; and the Substance of it may be pursued; that is to propagate the Doctrine and Discipline of the *Church* of *England*, though not in the Form and Method intended by the Testator, and shall not be void, so as to fall into the Estate, and go to the Heir; and cited *Syderfin's* Case, where 1500 *l.* was devised to be disposed to such Charities, as he by Writing had appointed; the Writing being lost, the Application of the Charity left to the King; and *Gates* and *Jones's* Case in the *Exchequer*, affirmed upon an Appeal to the House of *Lords*; where a Charity was given to maintain popish Priests, applied to other Uses by the *King*, and not to turn to the Benefit of the Heir.

Vol. 1. Case
223.

The Case of Mr. *Combes* decreed in 1679; where *he* devised a Salary for Maintenance of Independent Lectures in *three* Market-Towns, and devised the Estate thus charged, to his Nephew, who afterwards devised it for Payment of his Debts. Bill was brought to have the Lands sold for Payment of the Debts; afterwards upon an Information for the Charity, the growing Payments and Arrears were decreed, and the *Independent* Lectures changed into *Catechistical* Lectures, in the same *three* Market-Towns; and this, though there were not sufficient to pay the Debts.

*Elizabeth James, Dorothy
Humphrys, and Dame
Anne Stephens, Sisters and
Coheirs of Richard Col-
lins deceased,* } Plaintiffs.

Case 283.
2 *Maii.*

John Hales Arm' & al', Defendants.

*R*ichard Collins being seised in Fee of several Lands, by his Will of Jan. 17, 1683, devises the same to his dear Friend *John Hales* the Defendant for Life, and devises one third Part of the Reversion to each of his *three* Sisters respectively, and her Heirs.

A. devises Lands incumbered with Debts, to *B.* for Life, Remainder to *C.* in Fee. *B.* cuts down Timber from the Estate.

B. decreed to pay *two* Fifths of the Debts, and *C.* the remaining *three* Fifths, and *B.* to account for the Timber which he had cut; and this to be taken as Part of the *three* Fifths, which the Remainder-Man was to pay. *Post.* Case 289.

The Bill was to discover the Incumbrances upon the Estate, and compel the Defendant to bear his Share and Proportion thereof, complaining the Defendant increased the Debts by Non-payment of Interest, so that their Reversion might in a little Time become charged with

with as much as it is worth, and the Defendant go away with all the Profits during his Life, without paying so much as Interest upon the Mortgages, and charged he had cut down Timber, for which he ought to be accountable.

Per Cur. Decree the Defendant Mr. *Hales* the Devisee for Life, to pay *two* Parts in *five* of the Debts, and the Plaintiffs the Reversioners, the other remaining *three Fifths*, and the Defendant to account for the Timber, being but barely Tenant for Life, and not with Power to do or commit Waste; and what he hath raised by Timber to be taken as so much in Part of what the Reversioners are to pay, by the Direction before given towards the Discharging of the Incumbrances.

D E

Term. S. Trinitatis,

1692.

In CURIA CANCELLARIÆ.

*Goddart versus Garrett.*Cafe 254.
1 Junii.

THE Defendant had lent Money on a *Bottom-Rhea Bond*, but had no Interest in the Ship or Cargo, the Money lent was 300 *l.* and he insured 450 *l.* on the Ship; the Plaintiff's Bill was to have the Policy delivered up, by Reason the Defendant was not concerned in Point of Interest, as to the Ship or Cargo.

One having
no Interest in
the Ship,
lends 300 *l.*
on a Bottom-
ry Bond, and
insures 450 *l.*
on the Ship.
Policy de-
creed to be
delivered up.

Cur. Take it that the Law is settled, that if a Man has no Interest, and insures, the Insurance is void, although it be expressed in the Policy *interested or not interested*, and the Reason the Law goes upon, is that these Insurances are made for the Incouragement of Trade, and not that Persons unconcerned in Trade, nor interested in the Ship, should profit by it; and where one would have Benefit of the Insurance, he must re-

One having
no Interest in
a Ship in-
sures it, the
Insurance is
void, though
the Policy
runs, *Interest*
or no Interest.
But if he is
interested in
the Ship, he
may insure
more than
the Value of
his Interest.

Z z z

nounce

Where one
insures a Ship, if he would have any Benefit of the Insurance, he must renounce his Interest in the Ship.

nounce all Interest in the Ship. And the Reason why the Law allows that a Man having some Interest in the Ship or Cargo, may insure more, or *five* Times as much, is that a Merchant cannot tell how much, or how little, his Factor may have in Readiness to lade on Board his Ship. And it was said, that the usual Interest allowed on *Bottom Rhea*, was 3 *l. per Cent. per Menssem*, and you may insure at 6 or 7 *per Cent.* for the Voyage: So if this Practice might be allowed, a Man might be sure to gain 30 *l.* or more *per Cent.* *Per Cur.* Decree the Policy of Insurance to be delivered up to be cancelled.

Note, That in this Case, Notice was taken in the Policy, that it was ^{made} to insure Money on Bottom Rhea.

Note also, That in this Case, the Ship survived the Time limited in the *Bottom-Rhea* Bond, and was lost within the Time limited in the Policy. So if Insurance good, Defendant might be intitled to the Money on the Bond, and also on the Policy.

Case 255.
1 Junii.

Tudor versus Samyne.

The first Husband assigns a Term for the separate Use of the Wife. The second Husband may sell or dispose of it, tho' he has no Provision for his Wife.

DOCTOR *Sermon*, the Defendant's first Husband, being possessed for the Residue of a Term of *Thirty-one* Years, granted by Doctor *Lamplugh*, in the Year 1676, conveyed it over to Trustees for the separate Use and Benefit of the Defendant his Wife. She marries *Samyne* a second Husband, who first mortgages this Term to *Venner*, and he and *Venner* assign to the Plaintiff.

Husband may dispose of the Trust of a Term which he has in Right of his Wife, as

The Bill was against the Wife and her Trustees to compel them to assign over the legal Estate to the Plaintiff. And decreed accordingly; for as the Husband may as well as of the legal Estate of a Term which he has in her Right.

dispose of a Term for Years, where the legal Estate was in his Wife; so he may of the Trust of a Term, without either the Wife or the Trustees joining; and Sir *Edward Turner's Case* cited, that a Term assigned by the first Husband for the separate Use of the Wife, may be sold or disposed of by the second Husband. Vol. 1.

It was objected that the Husband in this Case had made no Settlement or Provision for the Wife; and if he was Plaintiff, the Court would not decree the Trustees to assign to him, without making some Settlement on the Wife; and the Plaintiff who derives under the Husband, ought not to be in any better Condition. *Sed non allocatur.*

Saunders versus Dehew.

Case 256.
3 Junii.

ANNE Bayly being possessed of a Term for Years makes a voluntary Settlement thereof in Trust for her self for Life, Remainder to her Daughter *Isabella Barnes* for Life, Remainder to the Children of *Isabella*, by Mr. *Barnes*, her then Husband. *Isabella* for 200 l. mortgages the Lands in Question to the Plaintiff, who pretends he had no Notice of the Settlement; *Isabella* in the Mortgage-Deed being called the Daughter and Heir of *John Bayly*. The Plaintiff hearing of it, gets an Assignment of the Term from the Trustees.

A Purchaser or Mortgagee shall not protect himself by taking a Conveyance from a Trustee after Notice of the Trust, for by taking such Conveyance he becomes the Trustee himself.

Per Cur. Though a Purchaser may buy in an Incumbrance, or lay hold on any Plank to protect himself, yet he shall not protect himself by the Taking a Conveyance from a Trustee after he had Notice of the Trust, for by taking a Conveyance with Notice of the Trust, he himself becomes the Trustee, and must not, to get a Plank to save himself, be guilty of a Breach of Trust. And the Plaintiff's Bill being brought against the Children of *Isabella* to foreclose them, the Court refused so to do, saying,

saying, if he might be suffered to protect himself, by thus getting in the legal Estate, they would not carry it on by a Decree in Equity to foreclose.

Note ; In this Case it was objected, that the Plaintiff could not be an innocent Purchaser without Notice, because *Isabella*, who made the Mortgage, had no Title but under the Settlement; and as to her being called Daughter and Heir of *John Bayly*, it was known that the Estate was only a Chattle; if it had been pretended to be an Inheritance, some Deed or Settlement must have been produced to make it so.

Note ; In this Case, the Plaintiff had also bought in a Mortgage made by *Anne Bayly* her self, which though subsequent to the Settlement, *that* being voluntary, was a good Mortgage.

Case 257. *Whitchurch & al' ver' D'nam Baynton.*
27 Junii.

Debt on Bonds for Payment of Sums certain, to be preferred in Payment to Demands on Articles founding in Damages.

ON the Marriage of Mr. *Henry Baynton* with the Defendant, then the Lady *Anne Willmott*, by Articles of July 14, 1685, Mr. *Baynton* agrees to settle 1900 *l. per Ann.* Jointure, and 1500 *l. per Ann.* more on the Issue Male, &c. And Lady *Anne* agreed, when of Age, to levy a Fine and settle her Lands on Mr. *Baynton*, and the Issue of the Marriage, her Lands being valued at 21000 *l.* Mr. *Baynton* when of Age, confirms the Article by an Indorsement, and afterwards a Settlement was made by Mr. *Baynton*, which was approved of by the Countess of *Rocheſter*, the Defendant's Mother, but in Fact, though the Jointure was near 1900 *l. per Ann.* the Lands upon the Issue Male did not hold out to be 1500 *l. per Ann.* and great Part of that too in Reversion. Mr. *Baynton*, by purchasing Sir *Edward Hungerford's* Estate of *Farley Castle*, became greatly indebted, and in

June 1691, devised all his Lands unfettled to be sold for Payment of his Debts.

The Bill was brought by the Creditors of Mr. *Baynton*, against the Widow, his Infant Son and Trustees, to have the Lands sold for Payment of Debts, complaining it was obstructed by the Defendant's Setting up so many pretended Claims by the Marriage-Agreement, &c. The Defendant disclosed the Articles, and the Settlement after made, and the Deficiency thereof in Point of Value.

Per Cur. There is no Covenant that the Estate shall continue of the Value in the Articles, nor that it should be of that Value in present Possession, and therefore the Settlement ought to stand, the Articles being sufficiently performed. And if the Settlement is deficient; yet in Regard there is no Covenant in the Articles, nor Mention of any particular Lands, the Widow and Infant must come in for a Satisfaction after the Bond-Creditors, whose Debts are ascertained and fixed, and their Demands on the Articles only found in Damages,

Fletcher & al' versus Stone.

Cafe 258.
13 Julii.

T*Heophilus Tilden* mortgaged his Lands to *Weldefh* for 550*l.* and gave Bond for Performance of Covenants, and became also indebted to the Plaintiffs by Bond, and by Will devises his Lands to the Defendant and his Heirs, (the Defendant having married his Daughter) and also makes him Executor, who would exhaust the personal Estate to pay off the Mortgage, so as to leave no Assets, liable to the Plaintiffs Bond.

One dies indebted by Mortgage, with a Bond to perform Covenants and owes other Debts on Bond. The personal Estate shall be applied to pay off the Bond-Debts in the first Place.

Account decreed of the personal Assets, and no Allowance to be thereout made in Respect of the Bond for Performance of Covenants in the Mortgage-Deed.

Cáse 259.
29 Junii.

Gudgeon verſus Ramſden.

An Inteflate
being an In-
habitant in
the Province
of York, has
a Son and
Daughter,
and no Wife,
and in his
Life-time
gives his
Daughter

THE Inteflate being an Inhabitant in the *Province* of *York*, left Iſſue a Son and Daughter only, and no Widow, the Daughter had a Portion given her in Marriage, in Lieu and full Satisfaction of what ſhe might Claim by the Cuſtom of the *Province* of *York*; the Son was alſo advanced by a Settlement of Lands.

1000 *l.* Portion, in Bar of what ſhe might claim by the Cuſtom of *York*. This being ſaid to be in Bar of her cuſtomary Part, ſhall be no Bar of her diſtributory Part on Statute of Diſtribution, nor ſhall ſhe bring the ſaid 1000 *l.* into Hotch-pot.

The Queſtion was, how this Eſtate ſhould be diſtributed. For the Heir it was inſiſted, that now the Cuſtom of the *Province* of *York* is to be quite laid out of the Caſe, and the ſame Diſtribution made of the Eſtate, as of any other Inteflate's Eſtate, and by Conſequence the Daughter to bring her Portion into *Hotch-pot*; but the Heir to have a full Share, without Regard to what Lands had been ſettled upon him.

Per Cur. The Daughter muſt not bring back her Portion into *Hotch-pot*, for that came in Lieu of the cuſtomary Part, and was as the Price the Father thought fit to give her for the ſame.

Vol. 1. Caſe
339.

Vide Beckford's Caſe, where a Child is advanced, what is to be brought into *Hotch-pot* ſhall not go into the whole Eſtate, but only into the Share belonging to the Children, and not to augment either the Widow's or legatory Part.

3 Mod. Rep.
58.

Vide Palmer and Allicot's Caſe in *K. B.* adjudged, tho' the Child die before Diſtribution, the Eſtate veſted immediately, and ſhall go to the Adminiſtrator of the Child; for it is an Act not only for the Diſtribution, but for the better ſettling of Inteflate's Eſtates.

D E

D E

Term. S. Michaelis,

1692.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Sparkes versus Smith & al'.

Case 260.

Nov. 4.

Lords Com-
missioners.

John Sparkes the Plaintiff's Father seised in Fee of a Brewhouse, and two other Houses in *Southwark*, in 1688, demised them to *Richard Gwin* for seven Years at 30*l.* per Ann. with Covenants that the Lessee should repair, &c. *Gwin* the Lessee died; *Berisford* married his Widow and Executrix, and having borrowed Money of the Defendant *Smith*, for securing the Repayment thereof did assign the Lease of the said Houses to *Smith*, defeasible on the Payment of the Money with Interest.

Lessee for Years of a Brewhouse, with Covenants to repair, assigns it by Way of Mortgage to B. B. was never in Possession; Brewhouse much out of Repair, the Mortgagee, though it was

his Folly to take an Assignment, and not an Under-lease; yet Equity will not compel him to repair. *Post.* Case 336.

The Houses being greatly out of Repair, the Plaintiff's Bill was to compel the Defendant to discover whether the Lease was not assigned to him, and to compel him to perform the Covenants on the Lessee's Part.

The Defendant by Answer insisted he never was in Possession, nor received any of the Rents; that in 1690,

Berisford gave him an Order on one of the Tenants for 20*l.* which was paid him in Part of what was due on the Mortgage, and not as Rent.

Per Cur. It was the Mortgagee's Folly to take an Assignment of the whole Term, whereby to subject himself to the Covenants in the original Lease, and not to take a derivative Lease of all the Term, but a Month, or Week, or a Day, as he might have done; yet in as much as he is only a Mortgagee, who never was in Possession, we will not assist the Plaintiff to charge him, or decree him to perform the Covenants in *Specie*, but leave the Plaintiff to recover at Law as well as he can, and therefore dismissed the Bill.

Cafe 261.
9 Nov.

Sherman versus Sherman.

Tho' length
of Time no
Bar betwixt
Merchant
and Mer-
chant; yet
if Dealings
betwixt them
have ceased
for several
Years, and
one of them
dies, and the
surviving
Merchant
brings a Bill
for an Ac-
count, the

THE Plaintiff's late Husband and Defendant had Dealings together as Merchants, the Bill was for an Account; and although it was agreed that the Length of Time was no Bar, yet the Plaintiff's Husband living many Years after the Trade and Dealings between them ceased, and after some Differences and Disputes had arisen between them, and acquiesced to the Time of his Death; the Court therefore dismissed the Bill, and left the Plaintiff to recover at Law, if she could.

the Court will not decree an Account, but leave the Plaintiff to his Remedy at Law.

Among Mer-
chants, if an
Account
current be
sent from one
to the other,
who receives
it and makes

Per Lord Hutchins; Amongst Merchants it is looked upon as an Allowance of an Account current, if the Merchant that receives it does not object against it, in a second or a third Post.

no Objections for two or three Posts, this is looked upon as an Allowance of the Account.

Hall

Hall versus Hall.

Cafe 262.
Nov. 11.

THE Plaintiff was the Widow of a Freeman of the City of *London*, and brought her Bill against the Defendants the Children, to discover the Estate, and to have her customary Part paid her. The Defendants pleaded, that their Father by Deed executed in his Life-time, had given his Goods to them.

If a Freeman of *London* absolutely gives away his Goods in his Life time to any of his Children, this is good. But if he keeps the

Deed of Gift in his own Power, or continues in Possession of the Goods, then it is a Fraud upon the Custom.

For the Plaintiff it was insisted, that such pretended Deed was a Fraud on the Custom, and in Truth was but in the Nature of a Will, the Words of it being, I give and devise, and so cannot prevent the Customs taking Place; as was resolved in the Lady *Dethick's* Cafe, and in the Cafe of *Green* and *Lambert*.

For the Defendant it was insisted, it was not a Will, but a Deed under Hand and Seal, and delivered as his Act and Deed, and therefore the Words give and devise will not make it a Will.

Per Cur. If Goods are absolutely given away by a Freeman in his Life-time, this will stand good against the Custom. But if he has it in his Power, as by the keeping of the Deed, &c. or if he retains the Possession of the Goods, or any Part of them, this will be a Fraud upon the Custom.

Lane versus Williams & al.

Cafe 263.
Nov. 15.
Rawlinson,
Hutchins,
Lords Com-
missioners.

J. S. and Defendant *Williams* Testator were Partners as Woollen-Drapers, J. S. gives a Note to the Plaintiff for 4 B borrows Money of C. and gives a Note for the same for himself and Partner. Tho' this Money was not brought into Partnership, nor the Note given with the Privity of the other Partner; yet held *per Cur.* that this would bind the other Partner. *Post.* Cafe 282.

A. and B.
Partners as
Woollen-
Drapers. A.

for 150*l.* received and borrowed of him, which he promises to repay, and subscribed it for himself and Partner. The Bill was for a Discovery and Satisfaction out of the Assets against *Williams* the Executor of the surviving Partner, to oblige him to pay, it being insisted for the Defendant at the *Rolls*, that this Money was never brought into Trade, nor was contracted upon the Account of the Partnership; and therefore, although one Partner signed it, as for himself and Partner, *that* could not bind the Partner that was not privy nor consenting thereunto; and the Master of the *Rolls* dismissed the Bill.

Now upon an Appeal, the Court declared they took it that both Partners were bound; but the Note being of pretty long standing, therefore ordered the Defendant to admit Assets in an Action at Law to be brought, and not plead the Statute of Limitations, otherwise would decree for the Plaintiff.

Cafe 264.
22 Nov.

Chaffen versus Gawden.

Bill brought
to be relieved
pro certo
Letæ.

THE Bill was to be relieved *pro certo letæ*; for the Plaintiff it was said, that the Tenants owing Suit and Service to the Sheriff's Turn, the Lord for Ease of the Tenants purchased a Leet, and for that Ease the Tenants of each Tithing agreed to pay the Lord a Sum certain; and the Surmise was, that the Tithing-Man being to collect and pay over to the Lord, the Lord in this Cafe had no Remedy but in Equity. *Cur. Advis' vult.*

2

Walton

Walton versus Com' Stanford & econtra. Case 265.
25 Nov.

WALTON's Bill was to be quieted in the Enjoyment of a Messuage and Lands during the Continuance of a Lease for *two* Lives, supposed to have been made thereof; and it appearing that upon a Partition of a considerable Estate between the Lord *Stanford* and Sir *Boucher Wray*, the Lands in Question were allotted to the Lord *Stanford*, as a Reversion expectant on the Determination of *two* Lives then in Being, and if the Lease was lost, or was defective and not good in Law; yet it ought to be made good as against the Defendant, who had an Allowance upon the Partition, as if a good Estate for Lives were then in Being; and so it was adjudged in the Case of one *Prettyman*, who purchased a Reversion expectant on the Determination of an Estate granted to *J. S.* by a Copy of Court-Roll for his Life; and altho' in Truth there was no Copy nor Grant of an Estate for Life, yet decreed *J. S.* should enjoy *pur vie*. But in this Case the Parties were sent to Law, to try whether any such Lease in Being at the Time of the Partition.

One buys a Reversion expectant on an Estate for Life to *A.* *A.* shall enjoy it in Equity against the Purchaser, tho' *A.* had no Title to the Estate for Life.

Lord Chief Justice *Holt* versus *Mill & al.* Case 266.
6 Decemb.

THE Plaintiff having lent *J. S.* 600 *l.* on Mortgage, and afterwards discovering that the Estate was premortgaged to the Defendant, got in an old satisfied Incumbrance, and now brought his Bill to compel the Defendant to redeem or foreclose.

Third Mortgagee buys in the first, and brings Bill to foreclose the second, if he don't pay both. He

need not prove the Money actually lent on the third Mortgage, the Producing an Acquittance being sufficient.

It

It was objected, that the Plaintiff in this Case (as between him and the Defendant who was a Purchaser) ought to have proved the actual Lending and Payment of the Consideration-Money, and the Producing the Deed or an Acquittance was not sufficient. *Sed non allocatur.*

Case 267.

Cass versus Rudele & al'.

A. articles on Behalf of *B.* to purchase four Houses in *Jamaica*, and to pay 800*l.* for the same. The Houses are soon afterwards swallowed up by an Earthquake; and *A.* had no Assets of *B.* yet decreed to pay the Purchase-Money.

THE Defendant, on the Behalf of *Jeremiah Tilly*, articles to purchase of the Plaintiff *four* Houses at *Port Royal* in *Jamaica*, by which Articles the Plaintiff covenants to convey, and the Defendant on behalf of *Tilly* covenants to pay 800*l.* for the Purchase thereof by Articles dated *Aug. 6. 1690*, afterwards 100*l.* is paid in Part. The Bill was for a specifick Performance of the Articles. The Defendant insisted he had not sufficient Effects of *Tilly's* in his Hands, and that the Plaintiff had not made out a good Title to the Houses, by which Means the Agreement had not been performed, and pending this Suit, the great Earthquake happened at *Jamaica*, in which the *four* Houses in Question (*inter alia*) were intirely destroyed and swallowed up; and therefore such Agreement ought not now to be decreed in *Specie*, but the Plaintiff rather left to recover what Damages he can at Law.

But the Court notwithstanding the Estate *pendente lite* was destroyed and gone, and notwithstanding Defendant had not sufficient Effects of *Tilly's* in his Hands, decreed a specifick Execution of the Articles. And the same was afterwards affirmed upon an Appeal to the *House of Lords*.

Bond versus Kent.

Cafe 268
19 Dec.

K*Ent* purchased of *Bond* the Lands in Question, and remortgaged them for securing Part of the Purchase-Money, and for other Part thereof gave a Note payable on Demand, on which 200 *l.* remained unsatisfied. *Kent* devises his Lands to be sold for Payment of his Debts, and dies not leaving sufficient Assets.

200 *l.* the other Part thereof. *A.* devises those Lands to be sold for Payment of his Debts. This 200 *l.* Note, tho' for Part of the Purchase-Money, shall not be preferred to other Debts, nor be a Charge on the Land in Equity.

The Question was, whether this 200 *l.* remaining due on the Note, being for Part of the Consideration-Money, shall have a Preference to other Debts, and be looked on in Equity as a Charge upon the Land; and the rather, for that the Plaintiff as Mortgagee hath the real Estate in him.

Per Cur. Can have no Preference, but must accept Satisfaction in Proportion only with the other Creditors.

Beckford versus Beckford.

Cafe 269.
7 Dec. 1 Jac. 2.
Lord Jeffe-
ries.

WHERE a Freeman of *London* dies, leaving a Wife and Children, some whereof were only in Part advanced, and others fully advanced. The Children who were in Part advanced, must bring in what they have respectively received into Hotch-pot; but it shall be brought into the Childrens Third only, and not

4 C

Vol. 1. Cafe 339.
Money brought into Hotch-pot by an Orphan, is to be brought into the Orphanage-Part only, and not to increase the

Widow's customary Part, or the testamentary Part.

to increase the Widow's or Executors Third, (*viz.*) the Estate left by the Testator at his Death shall be first divided into three Parts, *viz.* the Widow's third Part, the Orphanage-Part, and the legatory or testamentary Part, and then what the Children in Part advanced had received, shall be brought into the Orphanage-Part only, and not to increase the whole Estate.

D E

Term. S. Hillarii,

1692.

In CURIA CANCELLARIÆ.

*Christ-College in Cambridge versus Widdrington.*Case 270.
25 Feb.
Rawlinson,
Hutchins,
Lord Commis-
sioners.

THE Cause heard and referred to an Account; as to one Article of the Account, there was a single Witness against the Defendant's Oath.

Where there is a single Witness against the Defendant's Oath, this is

not sufficient Evidence for a Decree, nor will the Court direct a Trial at Law.

Per Cur. Not sufficient Evidence to decree against the Defendant, and the Plaintiff having had the Benefit of a Discovery on the Defendant's Oath, we will not send it to be tried at Law, where one Witness is sufficient; although it was insisted by the Defendant's Counsel, that it might be tried at Law.

*Papworth versus Moore.*Case 271.
Eodem die,
Master of the
Rolls.

A Legacy of 300*l.* devised to J. S. to be paid at Twenty-three Years of Age, if he die before, to go over to A. and B. J. S. died an Infant.

Ant. Case
183, 241.
Legacy of
300*l.* to be
paid to A.
it presently.

at his Age of 23, if he die before, to go over to B. A. dies before 23, B. shall have

Question,

Question, whether it should be paid to *A. B.* presently, or not until such Time as *J. S.* would have been 23.
Per Cur. Decreed to be paid presently.

Case 272. *Abbot versus Lee and Cuthbert & al.*

Devise.

George Cuthbert having Issue *William, Edward, Jane* and *Mary*, May 17, 1681, by his Will devised to his said two Daughters 550 *l.* apiece, and ordered the same should be laid out in the Purchase of Lands by his Executors within one Year after his Decease, to the Use of his said two Daughters, and the Heirs of their two Bodies, and in Case either of them should die before Marriage, that the Sum of 150 *l.* Part of the Portion of her so dying, or if the 1100 *l.* should be laid out in Land, that so much Land that should be of the Value of 150 *l.* should go to the surviving Sister, and the other 400 *l.* being the Residue of the Legacy of her so dying, or Land to that Value, if such Purchase should be then made, should go to his two Sons equally to be divided betwixt them and their Heirs, and made *Jane* his Relict, and *Henry Lee* his Executors; *William* and *Edward* the two Sons died without Issue, *Jane* also died unmarried, *Mary* survived, and married *Thomas Abbot*, the Plaintiff, and died without Issue. The Plaintiff took Administration to his Wife, and in *Trin.* 1685, exhibited a Bill against the Executors, and *William Cuthbert* the Heir at Law, to have the 550 *l.* and 150 *l.* paid to him as Administrator to his Wife.

The Defendant *Cuthbert* insisted, that the Money by the Direction of the Will being to be invested in Lands, within a Year after the Testator's Decease, the Money ought now to be looked upon as Land; and if a Purchase had been made according to the Direction of the Will,

it would have descended to him, he being Heir at Law to the Testator, and to his four Children the Legatees. But the Court decreed the 550 *l.* and 150 *l.* the whole 700 *l.* to *Abbot* as Administrator to his Wife.

Garsh versus Egerton.

Cafe 273.
4 Mar.

ON Debt on a Bond and *deins age* pleaded, there were two Non-suits, and at last a Verdict for the Defendant. Bill furnished that the Evidence at the Trial was a Church-Book, which the Plaintiff had since discovered, was rased and altered, and *Egerton's* Name put in the Place of another Person; and likewise that there was a Picture in the House of Major General *Egerton* that would help to make out his Age.

After 2 Non-suits and a Verdict for Defendant; on an Issue of *deins age*, on Debt on Bond, Bill was brought suggesting the Register on which the Verdict was given, was razed and al-

tered. Defendant pleaded the Non-suits and Verdict. Ordered to answer the Bill.

Defendant pleaded the Non-suits and Verdict on full Evidence, and by Answer set out that the Church-Book was given in Evidence on the Trial, and the pretended Razure then observed and insisted on; and that the Witness, who made the Affidavit annexed to the Bill, and swears to have made this Alteration in the Church-Book by the Direction of the Lady *Egerton*, was a Witness at those Trials, and that the first Non-suit was in 1655, the Verdict *twelve* Years ago, and that after such Trials, and Length of Time, he ought not to be farther troubled in Equity.

But the Court ordered him to answer the Bill, and mentioned the Cafe of *Harder* and *Syse*, where after *five* Trials, Lease or no Lease, it was at last discovered that in an Office *Post mortem*, the Lease was found and set out *in hec verba*.

Case 274.

20 Mar.

At the Rolls.

Pope versus Onslow.

One makes 2

Mortgages

of several

Estates, for

several

Sums, and

one of the

Mortgages is

deficient in

Value.

If the

Mortgagor

brings his

Bill to

redeem one,

he must

redeem

both.

THE Plaintiff as Assignee of a Statute of Bankrupt, brought his Bill to redeem a Mortgage of the Manor of *Newington* in *Kent*, made by the Bankrupt to the Defendant.

The Defendant by Answer insisted, that he first lent the Bankrupt 200*l.* on a Mortgage of a particular Tenement, and afterwards lent him 300*l.* on a Mortgage of the Manor of *Newington*, which was of better Value than the Money due, but the first Mortgage was deficient in Point of Value. *Per Cur.* If the Plaintiff will redeem one, he shall redeem both.

D E

Termino Paschæ,

1693.

IN CURIA CANCELLARIÆ.

Ashfield versus *Ashfield* Dominam.Case 275.
27 Apr.

THE Plaintiff having obtained a Decree for his Portion, out of the Assets of Sir *John Ashfield*, the Defendant's late Husband; on the Master's Report it appeared, that Sir *John Ashfield* by Deed had assigned the personal Estate, to which the Defendant was intitled, as Executrix to her former Husband, to Trustees, upon Trust for such Uses, Intents and Purposes, and for such Person and Persons, as he by Deed or Will should direct or appoint, and in Default of such Appointment in Trust for himself, his Executors, Administrators and Assigns; and afterwards by his Will devises this Estate to his Wife and Children.

Husband assigns a personal Estate belonging to his Wife as Executrix, in Trust for such Uses as he by Deed or Will should appoint; and in Default of such Appointment in Trust for himself, his Executors, &c. He afterwards devises this Estate to his

Wife and Children. This is Assets, and the Devise to the Wife and Children is only a Legacy, and it must be liable to the Debts of the Husband in the first Place.

Per Cur. This Assignment alters the Property of the Estate, and the Trust being general, as he should direct or appoint, he was Owner in Equity, and had the Power and Disposal of this Estate during his Life; and the
I Disposition

Disposition and Appointment he hath made by his Will to his Wife and Children, is but in the Nature of a Legacy, and the rather in this Case, because no Notice is taken in the Will of the Power of appointing, and therefore decreed it to be Assets, and liable to the Plaintiff's Demands.

Case 276.

May 5,
in Court.

Fawcet versus Bowers.

One for
300*l.* grants
a Rent of
60*l.* per Ann.
for seven
Years.
Whether
redeemable.

THE Plaintiff for 300*l.* had granted to the Defendant 60*l.* per Ann. for seven Years payable half yearly, and secured by Demise and Redemise.

The Master of the Rolls decreed a Redemption on Payment of what was Arrear of the annual Payment without Interest or Costs. On an Appeal the Court took Time to consider of it.

Case 277.

May 8,
in Court.

Hampton versus Spencer & econtra.

Plaintiff for
80*l.* conveys
an Estate
absolutely to
the Defen-
dant, and
brings a Bill
to redeem.
Defendant
insists the
Conveyance
was absolute;
but confesses
that after
the 80*l.* paid
with Interest,
it was to be
in Trust for
the Plaintiff's
Wife and
Children.

HAMPTON in Consideration of 80*l.* paid by the Defendant *Spencer*, conveys an House, and surrenders a Copyhold Estate to the Defendant and his Heirs; the Bill was for a Reconveyance on Payment of the Remainder due of the 80*l.* and Interest. The Defendant by Answer insisted, that the Conveyance was absolute to him and his Heirs, without any Proviso, Clause, or Agreement, that the Plaintiff might redeem, &c. But confessed it was in Trust, that after the 80*l.* with Interest was paid, Defendant should stand seised for the Benefit of the Plaintiff's Wife and Children, although no such Trust was declared by Writing.

Plaintiff replies to the Answer, and no Proof of the Trust; yet decreed the Trust for the Benefit of the Wife and Children.

For the Plaintiff it was insisted, that he having replied to the Defendant's Answer, who had not made any
Proof

Proof of such pretended Trust; he was bound by his Confession, that he was not to have the Estate absolutely to himself, and no Regard ought to be had to the Matter set forth in Avoidance of the Plaintiff's Demand, because the Defendant had not proved it; yet the Court decreed the Trust for the Benefit of the Wife and Children. *Ant. Ca. 175.*

Plowman Widow versus Plowman & Case 278.
econtra. Eodem die, in Court.

ON the Son's Marriage, the Father settles a Lease for Years, held of the *Queen Dowager*, on the Son for Life, to the Wife for Life, and then to the Issue of that Marriage; the Son covenants from Time to Time to renew the Lease, and to assign it to Trustees to keep the Lease on foot, as long as the Wife, or any Child of the Marriage should live. The Son renews the Lease in his own Name, and makes no Assignment thereof to Trustees, and dies greatly indebted, without Assets.

A. on the Marriage of B. his Son, settles a Lease on B. for Life, to his Wife for Life, and then to the Issue of the Marriage: B. covenants from Time to Time to renew the

Lease, and to assign it on the same Trust. He renews the Lease, but does not assign it to the Trustees, and dies greatly indebted. This Lease is bound by the Marriage-Agreement, and is not Assets for Payment of B.'s Debts.

Per Cur. The Lease is bound by the Marriage-Agreement, and shall not be Assets, nor liable to Debts.

Domina Holles versus Wyse.

Case 279.

THE Plaintiff lent the Defendant Money on a Mortgage at 5 *l. per Cent.* Interest, but if not punctually paid, then to answer Interest at 6 *l. per Cent. per Ann.* There being a great Arrear of Interest, the Question was, whether it should be computed after the Rate of 5 *l.* or 6 *l. per Cent.*

Interest reserved at 5 l. per Cent. but if not duly paid, then to answer Interest at 6 l. per Ann. Great Arrear of Interest. Mortgagor Nomine pænæ.

decreed to pay but 5 *l. per Cent.* the Reservation at 6 *l. per Cent.* being only as a

Decreed the Defendant should pay but 5 *l. per Cent.* and the Court looked upon the Reservation of 6 *l. per Cent.* but as a *Nomine pœnæ*, to oblige the Defendant to the more punctual Payment. But the Case of Lord *Hallifax* was cited, where Interest reserved at 6 *l. per Cent.* but if duly paid, agreed to accept 5 *l. per Cent.* and because not punctually paid, Interest allowed at 6 *l. per Cent. per Ann.*

But where Interest was reserved at 6 *l. per Cent.*, *Ant. Ca. 131.* and if duly paid, then agreed to take 5 *l.* Interest not duly paid, and Court allowed 6 *l. per Cent.* *Post. Case 303.*

Case 280.

Cotton versus Cotton.

Plaintiff being an Executor and residuary Legatee of her former Husband, lends 100 *l.* to *A.* and *B.* for which she took a Note in her own Name, and as a farther Security took also a Bond from *A.* and *B.* in the Name of *J. S.* in Trust for her self, and afterwards marries *B.* one of the Obligors, who died. The Bill was to compel Payment of 100 *l.*

in a Trustee's Name, and after marries *B.* one of the Obligors; the Bond is not extinct.

It was insisted by the Defendant's Counsel, that the Bond being a Trust for the Wife, and she marrying one of the Obligors, the Marriage was a Release of the Debt, and it was extinguished, as it would have done in Case the Bond had been in her own Name. *Sed non allocatur.*

D E

Term. S. Trinitatis,

1693.

In CURIA CANCELLARIÆ.

*Woodroffe versus Farnham.*Case 281.
17 Junii.

THE Bill was to be relieved against a Bond of *one Hundred Pounds* Penalty for Payment of *fifty Pounds* and Interest. The Case appeared to be that the Plaintiff and Defendant being both of them Apprentices, the Defendant at *two* sittings at *Whisk*, had won of the Plaintiff about *one Hundred Pounds* in the whole, for the securing *fifty Pounds*, Part thereof, the Bond in Question was given. The Defendant by Answer acknowledged the Money won at Play, and though he was unwilling and declined playing for so much; yet the Plaintiff, would not suffer him to give over.

h

Per Cur. Gaming ought to be discouraged in all Cases, and much more in this, where it is between Apprentices; by the Custom of *London*, it is a sufficient Cause for a Master to turn away his Apprentice, because he frequents Gaming, and may justify it before the Chamberlain;

By the Custom of *London*, a Master may justify turning away his Apprentice, if he frequents Gaming.

berlain ; and the Custom seems to be grounded on good Reason, the Master being in Danger to have his Cash wasted, and his Shop and House robbed, to supply the Extravagances of an Apprentice, who frequents Gaming. Decreed the Bond to be delivered up and cancelled.

Cafe 282.
30 Junii.

Lane versus Williams.

Ant. Ca. 263.
A. and B.
Partners as
Woollen-
Drapers, A.
receives
Money in
the Shop,
and gives his
Note for it.
Though no
Proof that

ONE *Newberry* and *Williams* the Defendant's late Husband, being Woollen-Drapers and Partners, *Newberry* survived, and some Years after *Newberry* also died, and the Plaintiff sought to recover the Debt against the Executors of *Newberry*, who signed the Note; but there being a Deficiency of Assets, he now brought this Bill to have Satisfaction out of the Estate of *Williams*.

this Money was brought into Stock, or used in Trade; yet this Note being given in the Shop by one of the Partners, it shall bind both; and though this Note at Law binds only the Executor of the surviving Partner, yet in Equity the Creditor may follow the Estate of the other.

For the Defendant it was insisted, that it does not appear that *Williams* was privy or consenting to the borrowing of this Money, or that it was brought into Stock, or used in the Trade: And had the Plaintiff demanded it in the Life-time of *Newberry*, or before his Estate was wasted and Assets exhausted, the Defendant might have had Recourse to the Bond of Copartnership, to repair the Loss sustained by *Newberry's* taking up this Money, and giving such Note, without the Consent or Privy of her Husband; but she had now lost that Remedy, by the Plaintiff's Laches in not demanding the Debt sooner; and therefore the Plaintiff ought not to have the Assistance of a Court of Equity to charge her. The Master of the Rolls, before whom the Cause was first heard, dismissed the Bill.

Per

Per Cur. The Money being paid at the Shop, the Note of one Partner binds both; and tho' at Law the Note stands good only against the Executor of the surviving Partner, who was *Newberry*, who received the Money, and signed the Note, yet proper in Equity to follow the Estate of *Williams* for Satisfaction; and decreed it accordingly.

Richardson versus Goodwin & al'.

Cafe 283.
14 Julii, in
Court.

Richardson senior, and Richardson junior, and one Gonson were Partners together in the Trade of a Dry-Salter; Gonson imbezils and wastes the Joint-stock, contracts private Debts, and becomes a Bankrupt. The Commissioners assign the Goods in Partnership. Bill by the Plaintiff for an Account and to have the Goods sold to the best Advantage; and insisted that out of the Produce of the Goods, the Debts owing by the Joint-trade ought to be paid in the first Place, and that out of Gonson's Share, Satisfaction must be made for what Gonson had wasted or imbeziled; and that the Assignees could be in no better a Case than the Bankrupt himself, and were intitled only to what his third Part would amount unto clear, after Debts paid, and Deductions for his Imbezilment; and the Court seemed to be of that Opinion. But sent it to a Master to take the Account, and state the Case.

A. and B. Partners in Trade; A. imbezils the Joint-stock, and contracts private Debts and becomes Bankrupt, and his Estate is assigned by the Commissioners: First out of the Joint-stock all the Partnership Debts are to be paid; then whether out of A's Share, Satisfaction is not to be made for what he has imbeziled of the Stock,

before his own private Creditors can come in. *Post.* Cafe 628.

Garret & ux' versus Pritty & al'.

Cafe 284.
14 Julii, in
Court.

MR. Pritty by his Will devised *three Thousand Pounds* to his Daughter the Plaintiff *Garrett's* Wife, at

4 F

Twenty-

marry with the Consent of *A. B.* and if she married without such Consent, then she was to have but 500 *l.* and the 3000 *l.* Legacy to cease. The Daughter marries without Consent, yet she shall have her whole 3000 *l.* because it is not devised over, but only to fall into the Surplus. *Post.* 323.

*One devises 3000 *l.* to his Daughter at 21, or Marriage, provided she*

Twenty-one, or Marriage, and recommended her to the Care of one Mr. *Scriven* his Friend. Provided if she married without the Consent of *Scriven*, her Legacy of *three Thousand Pounds* to cease, and she to have but *five Hundred Pounds*, and made the Defendant his Son Executor, and residuary Legatee. The Plaintiff intermarried without the Consent of *Scriven*; yet the Court decreed her the whole *three Thousand Pounds* with Interest from the Marriage, and principally because it was not expressly devised over, but to fall into the Surplus.

Case 285. *Bellasis Domina versus Compton and Frankland & al.*
Eodem die.

* Mortgage assigns over his Mortgage to *J. S.* and declares a Trust by Parol for other Persons. *J. S.* acknowledges the Trust. There being an express Trust declared, tho' by Parol only, shall prevent a resulting Trust to the Assignor.

THE Defendant *Compton* made a Mortgage for a Term for Years to the Lord *Bellasis*, for securing *one Thousand eight Hundred Pounds* and Interest; the Lord *Bellasis* assigns it over to the Defendant *Frankland*, and some Time afterwards gave Instructions for the Drawing of a Declaration of Trust, that *A.* and *B.* should have *Twenty Pounds per Ann.* apiece for Life out of the Interest-Money, then to his Grand-Daughter, the Daughter of the Lord *Dunham*, if she attained *Twenty-one*; but if died before, then to the Lady *Abergavenny* and *three* other of his Daughters: But before this Deed was executed, the Lord *Bellasis* dies, having made his Will, and the Lady *Bellasis* Executrix. She brought her Bill, alledging the Assignment was made in Trust for the Testator. The Defendant *Frankland* confessed the Assignment, and that he was to take no Benefit to himself, and set forth the Trust to be *ut supra*.

The Statute of Frauds and Perjuries which saves resulting Trusts extends only to such as were resulting Trusts before the Statute.

The Counsel for the Plaintiff would have this to be a resulting Trust; but for the Defendant it was answered, that there being an express Trust declared, though but

but by Parol, there could be no resulting Trust, for resulting Trusts are saved indeed by the *Statute of Frauds* and *Perjuries*; but are only saved and left as they were before the Act: Now a bare Declaration by Parol, before the Act, would prevent any resulting Trust.

The Court seemed to be of that Opinion, that there could not in this Case be any resulting Trust, and inclined to decree for the Defendant. But it being insisted on by the Plaintiff's Counsel, that the Lord *Bellasis* was not *compos Mentis*, when he gave Instructions for the Deed of Trust, and there being some Proof to that Purpose, the Court directed that Matter to be tried at Law.

Chichester Bar. versus Bickerstaff Mil' & al. Case 286.
14 Julii.

THE Plaintiff was Brother and Heir to Sir *John Chichester* deceased, who married Sir *Charles Bickerstaff*'s Daughter, and by Articles on the Marriage, Sir *Charles* was to pay *one Thousand five Hundred Pounds* in Part of the Portion, which together with *one Thousand five Hundred Pounds* more, to be advanced by Sir *John*, within *three Years* after the Marriage, was to be invested in Lands, and settled on Sir *John* for Life, his intended Wife for Life, to first and other Sons in Tail, Remainder to Daughters, Remainder to Sir *John*'s right Heirs. Sir *John* and his *Lady* within a Year after the Marriage, fall sick of the Small Pox, the Wife dies first, and Sir *John* in *three Days* after, without Issue; Sir *John* having made a Will, and the Defendant Sir *Charles* Executor; and devised the Residue of his personal Estate after Debts, &c. paid, to the Defendant *Frances Chichester* his Sister.

Vol. 1. Case 293, 458.
Money by Marriage-Articles is agreed to be laid out in Land, and settled on the Husband and Wife, and their Issue, Remainder to the right Heirs of the Husband. The Money at first is bound by the Articles; yet when Husband and Wife are dead without Issue, the Money is in the Disposal of the Husband, and

will be Affets, and go to his Executor or Administrator; and a *fortiori* to his residuary Legatee.

The

The Plaintiff's Bill was to compel the Defendant Sir Charles, to pay him the *one Thousand five Hundred Pounds*, insisting that by Virtue of the Marriage-Articles, the Money ought to be looked on and considered in Equity as Land, and therefore belonged to him as Heir to his Brother.

Per Cur. This Money, though once bound by the Articles, yet when the Wife died without Issue, became free again, and was under the Power and Dispose of Sir John, as the Land would likewise have been, in Case a Purchase had been made pursuant to the Articles, and therefore would have been Assets to a Creditor, and must have gone to the Executor or Administrator of Sir John; and this Case is much stronger where there is a residuary Legatee, and therefore dismissed the Bill.

Money shall in many Cases be considered as Land, when bound by Articles in order to a Purchase, but whilst it remains still Money, and no Purchase made, the same shall be deemed as Part of the personal Estate of such Person, who might have aliened the Land in Case a Purchase had been made.

Case 287.
23 Julii.

Domina Stowell versus Cole.

Mortgagor brings a Bill to redeem. An Account is decreed, a Report made, divers Proceedings are had in the Cause, and the Plaintiff is ordered to pay Costs, and deliver Possession. this Suit.

THE now Defendant *Cole* brought a Bill against the Lord *Stowell*, the Father of the late Lord *Stowell*, to redeem a Mortgage. The Cause was heard, and an Account decreed, a Report made, and diverse Proceedings thereon, and Orders made for *Cole* to pay Costs, and to deliver Possession. The Lord *Stowell* died, and
The Defendant, the Mortgagee dies. Whether his Executor can revive this Suit.

and made the late Lord *Stowell* his Son Executor, who brought a Bill to revive the former Suit, and several Proceedings were thereupon had, and (*inter alia*) an Appeal to the *House of Peers*, from some Order made touching the Account in Question; but before the Matter was finally determined, the Lord *Stowell* the Son also dies. The now Plaintiff as Executor to her late Husband, brought a Bill to foreclose, as likewise to revive the Decree and Proceedings in the Cause wherein *Cole* was Plaintiff, and to have the Benefit of Orders for Costs, and for Delivery of Possession.

It was insisted by the Defendant *Cole*'s Council, that as this Case was, the now Plaintiff who stood in the Place of the Defendant in the former Cause, could not revive, the Bill being only to redeem, and in such Case if upon the Event of the Account it should be found too heavy, and the Estate not worth redeeming, all that could be done was to dismiss the Bill with Costs, and the Court could not decree the Plaintiff to pay what should appear to be due upon the Account. But where a mutual Account is decreed upon a Dealing in Trade, or the like, there possibly the Plaintiff shall not be admitted to dismiss his Bill after an Account decreed; but shall upon his own Bill be decreed to pay what shall be found due upon the Account; so in that Case there may be Reason that a Defendant may revive.

Where there is a Decree for a mutual Account, Plaintiff on his own Bill may be decreed to pay the Balance of the Account, and Defendant may revive as well as the Plaintiff in Case of an Abatement.

Per Cur. If this Question was *res integra* and came in the first Instance before the Court, possibly a Defendant, as this Case is, could not revive, but in as much as in this Case upon the Death of the Lord *Stowell* the Father, there was a Bill of Revivor brought by the Lord *Stowell* his Son and Executor, and upon an Appeal from an Order of this Court to the *House of Peers*, the Lords confirmed the Proceedings in that Cause; cer-

tainly the Lady *Stowell* in this Case has the same Right to revive upon the Death of her Husband, as he had upon the Death of his Father.

Case 288.
25 Julii.

Goodfellow versus Burchett.

One on the Marriage of his Daughter, gives a Bond to the Husband for the Daughter's Portion, and afterwards by Will devises Land of much greater Value, to the Husband and the Wife and their Heirs. The Devise, no Satisfaction of the Bond, though there be a Defect of Assets to pay the Testator's Debts.

THE Cause having been heard, and an Account decreed; upon the Master's special Report the Case appeared to be, that one *Hill* on the Marriage of his Daughter to the Defendant *Burchett*, gave a Bond to him for Part of the Portion. And afterwards devised several Lands to his Son in Law *Burchett* and his Wife and their Heirs, being of much greater Value than the Debt, and makes his Son in Law *Burchett* also Executor. The Plaintiff was a Creditor of *Hill* the Testator, and comes to discover Assets real or personal, to satisfy his Debt due by Bond; and the Master stated several other Matters specially for the Judgment of the Court, and thereupon *three* Questions did arise.

First, Whether the Land thus devised shall in Equity be construed or taken as a Satisfaction of the Bond-Debt; and for the Plaintiff the Cases of *Blois* and *Blois*, *Jesson* and *Jesson*, *Brooke* and *Yeomans*, and several other Cases, where a Legacy of a greater Value had been construed to be intended in Satisfaction of a Debt; and on the other Hand the Case of *Smith* and *Duffield* was cited, where the Court had so decreed it, and that Decree reversed upon an Appeal to the House of Lords.

Per Cur. Cases of this Nature depend upon Circumstances, and where a Legacy has been decreed to go in Satisfaction of a Debt, it must be grounded upon some Evidence, or at least a strong Presumption that the Testator did so intend it. But there is no Room for that
in

in this Case. It plainly appearing the Testator intended to give all he could to his Son in Law and Daughter, and to defraud his Creditors; so cannot presume the Devise of the Lands was intended in Satisfaction of the Bond-Debt.

Secondly, Another Point in this Case was, that the Defendant the Executor had lost a Bond for a Debt, that was owing to his Testator; and it was insisted on for the Plaintiff, that the Defendant ought to stand charged therewith, and make good the Debt to his Testator's Estate. For the Defendant it was insisted, that a Bond is not Assets at Law, but a Creditor must expect until the Money due upon it be recovered; nor is the Loss of a Bond a *Devastavit* at Law, and it would be hard to make the Executor answer it out of his own Estate, in Case the Obligor was insolvent, as in this Case he was, especially in Equity; and the rather for that the Losing of the Bond, did not lose the Debt, but might be recovered in Equity, and the Defendant had already brought a Bill against the Obligor for that Purpose.

An Executor loses a Bond due to the Testator; whether he is chargeable with the Debt to the Creditors of the Testator.

The Court inclined to charge the Defendant with the Debt; but for the present directed only that the Defendant should prosecute the Suit brought by him against the Obligor with Effect, in order to recover the Money due on the Bond that was lost, and respited Judgment in the mean Time.

Thirdly, A third Point in this Case was, whether a Judgment confessed by the Executor to a Bond-Creditor, after the Bill brought in this Court by the Plaintiff, who was also a Bond-Creditor, should be allowed upon the Account. It was insisted for the Defendant, that it ought to be allowed; for that the Bringing of a Bill in Equity is not stronger, nor can bind the Assets more than the Bringing of an Original at Law, and even in

Bond-Creditor brings a Bill against an Executor for Recovery of his Debt, and pending this Suit, the Executor confesses a Judgment to another Bond-Creditor; the Executor may

pay this Judgment before the Bond-Debt,

that Case after an Original filed by a Bond-Creditor, if another Bond-Creditor brings his Action, the Executor may confess Judgment on the later Action, and *that* shall take Place. The Executor may retard one Action, and confess Judgment to another subsequent Action; and in some Cases is obliged to confess Judgment for his own Defence, and plead such Judgment to other Actions then depending; otherwise if several Actions should come to be tried at the same Time, he might be doubly charged, and obliged to answer the Value of the Assets twice over: But a voluntary Payment indeed made after an Original filed, or Bill exhibited, shall not be allowed. But even in the Case of a voluntary Payment, if the Suit at Law be not by Original, but for the Purpose upon a *Latitat* out of the *King's Bench*, there a voluntary Payment shall stand good, tho' after the Action brought.

Per Cur. Allow the Payment on the Judgment confessed after the Bill brought.

D E

Term. S. Michaelis,

1693.

IN CURIA CANCELLARIÆ.

*Ballet versus Spranger.*Case 289.
12 Nov.

VIDE the Case and Decree as to what Proportion Ant. Ca. 253.
the Devisee for Life ought to bear of Mortgages,
and other Incumbrances on the Estate.

Weekes versus Slake.

Case 290.

THERE having been an Inclosure made out of Lord of a
the Common, and young Wood and Timber Manors in-
thereon growing, and the Plaintiff insisting it was an closes part of
Improvement within the Provision of the Statute of *Mer-* a Common,
ton, and *W. 2.* The Court thought fit to continue the In- insisting it
junction, and directed a Trial to be had the next was an Im-
Affises, whether sufficient Common left for the Tenants. *Merton.* Court conti-
nue the In-
direct a Trial, whether sufficient Common was left for the Tenants. *Post. Case 322.*

Case 291.

Cutler versus Coxeter.

A devises his personal Estate to his Wife, whom he makes Executrix, she takes as Executrix, and it shall be applied to exenorate the real Estate. *Post.* Case 299.

SIR *Edward Bathurst* by Will devised his personal Estate to his Wife, whom he made Executrix. *Per Cur.* she takes it as Executrix, and the personal Estate is to be applied in Exoneration of the real Estate; *Wilkinson* the Six Clerks Case cited.

Case 292.
25 Nov.*Greaves versus Powell.**Ant. Ca.* 233.

WHERE an Estate was subjected by Will, for Payment of Debts and Legacies, Question was, whether the Debts should have a Preference. *Vid.* Decree.

Case 293.

Cary versus Taylor.

One dies Intestate leaving a Daughter, the Wife of *J. S.* The Daughter dies Intestate, and after her Husband dies Intestate. Whether the Share of the Daughter shall go to her own Administrator, or to the Administrator of her Husband.

A. married *B.* the Daughter of *J. S.* who died Intestate; *B.* dies before any Distribution made of her Father's Estate; *A.* also dies before any Distribution made or Administration taken to his Wife: The Plaintiff is Administrator to *A.* the Husband; the Defendant is Administrator to *B.* the Wife. The Question was, whether the Plaintiff or Defendant had the Right to the Share of the personal Estate of *J. S.* remaining undistributed.

It was admitted on all Hands, that the Share which *B.* was intitled to of her Father's personal Estate was an Interest vested, and that before any Distribution made, or the Time by the Statute limited for the making Distribution

tribution was expired. But the Doubt was, whether it was so vested, as a Legacy assented unto, that it should vest in the Husband without taking Administration to his Wife or not. And for the Plaintiff it was insisted, that since the Statute for settling Intestates Estates, the Administrator is but in the Nature of a Trustee, and therefore the taking of the Administration is as the Acceptance of a Trust, and implies an Assent, that the Estate shall be distributed according to the Statute; and therefore the Shares of the Persons intitled to Distribution must be considered, not only as a Legacy, but as a Legacy assented unto, and consequently go to the Plaintiff, the Administrator of the Husband. *Tamen Vid.* the Decree.

Platt versus Sprigg & al'.

Cafe 294.
11 Nov. at the
Rolls.

THE Defendant *Richard Sprigg* in 1681, made a Mortgage of the Lands in Question for the Term of *one Thousand Years* to one *Morcall*, to secure *one Thousand Pounds* and Interest, and also confessed a Judgment to one *Adams* for *one Hundred and fifty Pounds*; and afterwards upon his Marriage settles these Lands, thus in Mortgage, and incumbred with the Judgment to the Use of himself for Life, Remainder to the Use of Trustees during the Life of the Husband, to support contingent Remainders; Remainder to his Wife for Life, Remainder to his first and other Sons in Tail, Remainder to his own right Heirs; and having no Issue, articles to sell these Lands to the Plaintiff, who brings his Bill and sets out these Matters, and that the Trustees refused to join, and the Mortgagee threatened to enter, and pray'd a specific Execution of the Agreement, and that the Trustees might join in Conveyances.

Trustees in a Marriage-Settlement for preserving contingent Remainders, (there being no Issue) are Decreed to join in a Sale, the Settlement being only of an Equity of Redemption, and the Wife consenting to the Sale.

Sprigg and his Wife by Answer set out the Settlement; that they had been married *six Years* and had no Issue; confessed

confessed the Contract with the Plaintiff, and were willing to perform it. The Trustees set out the Marriage-Settlement, and were willing to do as the Court should direct, being indemnified.

Where a Settlement on Marriage is made of an Estate subject to a Mortgage, if the Mortgagee forecloses the Husband and Wife, it will bind, though Issue is afterwards born.

For the Plaintiff it was insisted, that the Settlement being only of an Equity of Redemption, the Mortgagee was not bound thereby, but might not only enter but foreclose, which would bind, though there should be Issue afterwards born. And the Husband and Wife not being able to redeem, a Sale was absolutely necessary, otherwise the Benefit of Redemption would be lost, as well to the Husband and Wife, as also to the Issue in Case there should be any.

The *Master* of the *Rolls* decreed the Trustees to join in a Sale and to be indemnified, the Settlement being only of an Equity of Redemption, the Wife being in Court and examined, whether she freely consented thereunto or not.

Case 295.

Fox versus Crane and Wight.

A mortgages Lands to B. afterwards upon Marriage settles the same on himself for Life, to his Wife for Life, Remainder to the Heirs of his Body by his Wife. Afterwards A mortgages the same Lands to C. and makes Affidavit they were free from

John Wight the Defendant's Father was seised in Fee of the Lands in Question, and in 1676, mortgages them to one *Barnes* for one Thousand Years to secure three Hundred Pounds and Interest; and in 1688, without taking Notice of this Mortgage, in Consideration of the Marriage then intended, settles those Lands to the Use of himself for Life, to his intended Wife for Life, for her Jointure, Remainder to his Heirs on the Body of *Marry* his intended Wife to be begotten. The Marriage was accordingly had, and Portion paid, and the Defendant *Wight* was the eldest Son of the Marriage.

Incumbrances. A. dies Intestate, leaving a Son. D. administers to A. during the Minority of the Son, and out of A.'s personal Estate pays off the first Mortgage, and takes an Assignment in Trust for the Son. Decreed the Administrator shall not be allowed, as against the second Mortgagee, what he paid in Discharge of the first Mortgage.

After this *Wight* the Father mortgages these Lands again to the Plaintiff, and makes *Affidavit* they were free from Incumbrances, and shortly afterwards in 1691, dies Intestate. The Defendant *Crane* being the Uncle of the Defendant *Wight* takes Administration during his Minority; and hearing of the Mortgage to *Barnes*, which was prior, and might impeach the Marriage-Settlement, pays what was due on it out of the personal Estate, and takes an Assignment of the Mortgage, and also of a Bond given for Performance of Covenants to himself in Trust for his Nephew the Infant.

The Plaintiff being Creditor by Mortgage with a Covenant for Payment of the Money, and Bond for Performance of Covenants, brought his Bill that he might either redeem the first Mortgage and hold the Estate, until he received what was due on both the Mortgages, or that the personal Estate of *Wight* the Father might be applied to satisfy his Debt, and that what *Crane* the Administrator had paid in Discharge of the first Mortgage, might not be allowed out of the personal Assets, but remain a Charge upon the Lands.

For the Defendant it was insisted, that the Defendant *Wight*, the Issue in Tail coming in under the Marriage-Settlement, was a Purchaser as well as the Plaintiff, and prior in Time, and if they were both Plaintiffs before the Court to redeem the first Mortgage, it would be decreed to the Defendant *Wight*; for in this Case *qui prior est tempore potior est jure*, and much less would the Court take that Advantage from him, when, without the Assistance of the Court, he had got that Mortgage assigned in Trust for himself. And as to the personal Estate, it was as reasonable to apply it to pay off the first Mortgage, as to pay off the latter; and where there were Creditors in equal Degree, the Administrator might prefer which of them he thought fit; and that this was

not within the Reason of the Case between *Knight* and *Keyme*: There the personal Estate was applied, in Prejudice of a Bond-Creditor, to satisfy a Statute which bound the Lands, and the Bond could not affect them, and the Court usually marshals the Assets, so as all Creditors may have a Satisfaction; but never to prevent any Creditor from obtaining Satisfaction of his Debt, nor a Purchaser from protecting his Purchase; and in this Case the Issue in Tail is certainly in the Nature of a Purchaser; and though the Father had a Power to bar the Intail, yet not having done it, the Issue was in *per formam doni*, and now the Settlement was become as effectual, as if it had been limited to the first Son, and was so intended by the Statute, until that Fiction in Law of a Common Recovery was invented; and the Case of *Weale* and *Lower* was cited, where Tenant in Tail had sold at a full Value, and received the Consideration-Money, and had covenanted to levy a Fine and was decreed to do it; yet dying (though in Prison in Contempt for not performing the Decree,) the Issue in Tail could not be bound by it.

Tenant in Tail sells for a full Value, receives the Money, and covenants to levy a Fine, and was afterwards decreed to do it; yet dying,

(tho' in Prison for not performing the Decree) his Issue could not be bound.

The *Master* of the *Rolls* decreed the Plaintiff's Debt to be satisfied as far as Assets of *Wight* the Father, and directed that in taking of such Account, *Crane* the Administrator should not, as against the Plaintiff, be allowed the 150 *l.* by him paid to *Barnes* on his Assigning of the Mortgage.

Case 296.
5 Dec.

Lynes versus Brown.

A Copyhold Estate is surrendered to *J. S.* who resurrendred the same, provided if *A.* paid not 20 *l.* *per Ann.* to *J. S.* without any Charges or Deductions *J. S.* to re-enter, and the Surrender to be void. Question, whether a Deduction to be out of the 20 *l.* *per Ann.* for Parliament

liament Taxes. This being neither properly a Rent-Annuity, nor Interest-Money.

Wilkinson versus Brayfield.

Cafe 297.
6 Decemb.

Woodhouse versus Brayfield.

THE Defendant *Brayfield* having by the Means of *Fogg* an Attorney, prevailed on *Elizabeth Corie* to levy a Fine of some Houses in *Normich*, and to execute a Deed leading the Uses thereof to *Brayfield* and his Heirs; and it being proved, that she at the Time of levying the Fine declared, she must make use of some Friend's Name in Trust, and afterwards by Will declaring she had levied such Fine only in Trust, and the better to enable her to dispose of the Estate, and thereby devised it to *Wilkinson* and his Heirs, subject to the Payment of her Debts. And altho' *Brayfield* proved a great Familiarity and Friendship between them, and that she had declared he should have her Estate; yet decreed, not only that the Estate should be liable to the Creditors Debts; but that *Brayfield* should convey the Estate to the Devisee *Wilkinson* and his Heirs.

A Convey-
ance by Deed
and Fine
gained with-
out Confide-
ration and
indirectly.
Court relie-
ved against
it.

D E

Term. S. Hillarii,

1693.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Cafe 298.
Jan. 29.*Symonds versus Gibson.*

Bond given by *A.* to *B.* for *B.*'s quitting his Pretence, and procuring *A.* to be admitted Purser to one of the King's Ships. **B**ILL to be relieved against *four* Bonds entred into by the Plaintiff's Testator to the Defendant for quitting his Pretence, and procuring the Plaintiff to be admitted Purser of one of the King's Men of War. Court relieve on Payment of Principal, without Interest or Costs.

Per Cur. We cannot set aside the Bonds, but will relieve on Payment of the *four Hundred Pounds* Principal, without Interest or Costs.

Cafe 299.
Jan. 25.*Barton al' Stone versus Barton.*

One devises, after Debts and Legacies paid, the Surplus of his Estate to his Wife and Son *John*, equally, whom he makes his Executors, but if she should marry, that then she should render the Right of being an Executrix, to the Testator's Son *Roger*, he to be Partner with his Brother *John* in the Executorship. The Wife marries again, she thereby loses her Right to the Surplus, and to the Executorship. **B**arton by Will devised the Surplus of his Estate (his Debts and Legacies being paid) to the Plaintiff his Wife, and *John* his eldest Son, equally to be divided betwixt

twixt them; and then adds, *whom I make my Executors:* And further wills, that she should continue his true Widow, but if she marry again, *my Will is, she shall render the Right of being my Executrix to my Son Roger, to be Partner with his Brother John in the Executorship.*

The Plaintiff, the Widow of the Testator, married one Colonel *Stone*, but furnished by the Bill she was never actually married to him; but upon a Libel in the Spiritual Court, it was sentenced she was married, and *that* confirmed upon an Appeal; and *Stone* being also dead,

The Question was, taking it that she had been married to *Stone*, whether by that Marriage she had forfeited her Share of the Surplus.

The Case of *Wilkinson*, and of *Cutler* and *Coxeter* cited, Ant. Ca. 291. where upon like Devices, it was decreed the Wife should take as Executor, and not as Legatee. The Master of the Rolls was of Opinion that she had, as well lost her Share of the Surplus, as her Right to the Executorship, and dismissed the Bill.

Mill versus Darrel & al'.

Case 300.
7 Mar.

THE Case was, that the Father died Intestate, leaving younger Children unprovided for, being indebted by mortgage, with a Covenant for Payment of the Money, and having entred into a Recognisance as a farther Security. The Mortgagee by Virtue of the Recognisance came upon the personal Estate for Satisfaction of his Debt, so that there was nothing left for the younger Children.

One dies Intestate leaving younger Children, and indebted by Mortgage with a Covenant for Payment of the Mortgage-Money. Whether the Mortgagee shall be permitted to ex-

haust all the personal Estate by the Covenant, and leave the younger Children destitute.

The Question was, whether the younger Children, who were Plaintiffs against the Heir and the Mortgagee, should have a Recompence for their Shares of the Father's personal Estate, exhausted in Payment of the Debt secured by Mortgage, out of the mortgaged Lands.

For the Plaintiff it was insisted, that the Statute for settling Intestates Estates has made a Will for those that die Intestate; and they have the same Right to their respective Shares, as if such Shares had been respectively devised to them: Now when the personal Estate is devised away, it shall not be applied in Exoneration of the real Estate, and though the Heir and Mortgagee should agree to charge the Debt on the personal Estate, yet the Legatees shall be repaid out of the real Estate.
Cur' advisare vult.

Cafe 301.
10 Mar.
Lord Keeper
Somers.

Sheldon & ux' versus Dormer.

Where there
is a Trust for
raising Por-
tions out of
Rents and
Profits, the
Lands may
be sold.

BY Settlement on Sir John Dormer's Marriage, the Lands in Question were limited to Sir John for Life, Remainder to his first and other Sons in Tail, with other Remainders over to the Heirs Male of the Family. Proviso that Sir John Dormer might charge the Premises with five Thousand Pounds for Daughters Portions. Sir John Dormer having Issue a Son and a Daughter, by Deed, reciting his Power in his Marriage-Settlement, charged the Premises with five Thousand Pounds for his Daughter's Portion, payable at eighteen or Marriage; and for the more effectual raising thereof, doth appoint that certain Trustees shall have the Possession immediately from and after his Decease, until they shall by Rents and Profits raise and receive the five Thousand Pounds; Part of the Estate supposed to be liable to this Charge was evicted, as being Copyhold; other Part,

as being by a prior Settlement intailed, and what remained was not worth above 4000*l.* to be sold.

And the Question in this Case was, in regard the Lands were by the Settlement intailed on the Son, who was a *Lunatick*, with Remainders over to the Heirs Male of the Family, and the Charge upon the Estate being only by Virtue of a Power reserved in that Settlement, and Sir *John* having in a particular Manner directed the Way of raising it, *viz.* that the Trustees should receive and take the Profits until the 5000*l.* were raised; whether the Court, as this Case was, ought to decree a Sale.

Lord Keeper, We are here upon a Construction of a Trust, where the Intent of the Party is to govern; and Courts of Equity have always in Cases of Trusts, taken the same Rule of expounding Trusts, and of pursuing the Intention of the Parties therein, as in Cases of Wills; and that even in Point of Limitations of Estates, where the Letter is to be as strictly pursued, as in any Case. Now in the Case of a Will, where an Estate is charged with the raising of a Sum of Money, though it be by Rents and Profits, there the Court has frequently decreed Sales; and this Case is stronger than many of those Cases, because here is a Time prefixt for the raising of the Portion, which cannot be done by annual Rents and Profits by the Time limited: Nay, in this Case it can never be done, because the Estate charged is defective in Value, and the annual Profits will not pay the Interest. That this Case was not at all like the Case of an *Elegit*, where the Party is to hold until paid by Profits; there he has such an Interest as the Law gives him, and a Court of Equity has nothing to do to intermeddle: Nor like the Case, where a Term for Years is allotted for the raising of the Portion, and it effluxes in Point of Time, before the Portion is raised, there a Court of Equity cannot enlarge the Estate, nor charge the Inheritance.

In

In this Case it is agreed, if Sir *John Dormer* had only said, that pursuant to his Power he charged the Premises with 5000*l.* without going further, that the Court might have decreed a Sale. Now in the first Part of his Deed, he does execute his Power, and expressly declares the Estate shall stand charged: Then he proceeds and says, that for the more effectual Raising of the 5000*l.* the Trustees shall enter and hold until the Money be raised by Rents and Profits. It would be an unnatural Construction, to say that he meant by this to restrain what he had before done: What he says for the more effectual Raising, you would construe to hinder and restrain the Raising of it; but the truer Construction of that Clause is, that no Part of the Profits should be diverted, or otherwise applied, until the 5000*l.* were raised; and the Remainder-Men in Trust contend for nothing, since the Estate can never answer the Charge laid thereon, and therefore decreed a Sale and all Parties to join.

Case 302.
10 Mar.
in Court, Lord
Keeper.

Peyton versus Ayliffe.

THE Case was, Sir *Robert Peyton* the Plaintiff's Father, being possessed of several Houses in the *Old Bayly* for long Terms for Years, granted to him by the City of *London*, made a Mortgage of the Premises, and being intitled to the Equity of Redemption, was in the Reign of King *James* the Second outlawed for High Treason. An Inquisition was afterwards sued out, and found *Peyton's* Title to the Houses in Question, and the same were thereupon seised into the *King's* Hands: The *King* being thus intitled, by *Letters Patent* in Consideration of one Hundred Pounds, grants the Premises to the Defendant *Ayliffe*, who had also got an Assignment of the Mortgage. The Outlawry was afterwards reversed for Error.

A. possessed
of a Lease
for Years is
outlawed for
Treason, the
King grants
away the
Term, the
Outlawry is
reversed, the
Term ought
to be re-
stored.

The Plaintiff as Executor to his Father, to whom he was also Heir, brought this Bill to redeem the Mortgage.

The Question was, whether by the Reversal of the Outlawry, he ought to be restored to his Equity of Redemption notwithstanding the Seizure into the *King's* Hands, and Grant made by Letters Patent as aforesaid.

It was insisted by the Plaintiff's Counsel, that only the Profits during the Time the Outlawry stood in Force were forfeited, and not the Lease it self, and consequently the Equity of Redemption was not forfeited. The Lease being the Principal, is to be restored upon the Reversal, although the Profits be forfeited and lost; and for that Purpose cited the Case of *Eyre and Woodfine* in *Cr. Eliz.* 278. upon Reversal of an Outlawry for Recusancy, the Party was restored to a Chattle Lease, and *Beverly and Cornwall's* Case in *Moor*, the Party upon Reversal restored to the Right of presenting to a Living; and the Case of *Pinfold and Northey* in the *Exchequer*, the Party restored to *East-India* Stock, though granted away by *Privy Seal*, and transferred pursuant thereunto in the Company's Books. And the Case of *Garret* and the Earl of *Holland* in the Court of----- about the Year 1668, where a Man that had a Debt due to him by Judgment and was outlawed, *Progers* the Grantee from the Crown acknowledges Satisfaction upon the Record of the Judgment; and yet upon Reversal, that Acknowledgment of Satisfaction set aside, and Restitution made; and also the Case in 2 *E. 4.* put in *Hoe's* Case in the *Fifth Report*; they admitted that as to the Profits received there could be no Restitution. The Judgment upon the Reversal being to be restored to what was not answered to the *King*; but the Party was always restored to the principal Thing forfeited, which in this Case was the Lease; and seemed to doubt whether an Equity of Redemption of a Term for Years was forfeited by the Outlawry or not.

5 Co. 90. b.
1 Roll. Abr.
778.

For the Defendant it was answered, that as to the Case of *Eyre* and *Woodfine*, that would not be much to the present Question; for there was a great Difference between an Outlawry for Treason, and an Outlawry for Recusancy, where although the Outlawry be regular, and no Error to be found in it; yet if the Party at any Time conforms, the Outlawry is to fall; and yet in that Case the Lord Chief Baron *Periam* differed in Opinion from the other *Barons*. And as to the Case of *Pinfold* and *Northey*, there the Grant was made to the Person, at whose Suit the Party was outlawed; and do take it that the Person who sues and outlaws the Defendant has a Right to be satisfied in the first Place; and if whilst the Estate remains in his Hands the Outlawry be reversed, there may be reason the Party shall be restored: As where a Term is taken in Execution, if delivered over to the Party, on Reversal of the Judgment, the Defendant shall be restored to the Term; but if the Term was sold to a Stranger, there, though the Judgment should be afterwards reversed, the Party shall not be restored to the Term. And here in this Case, the Defendant has not purchased from the Sheriff, but from the *King* himself; and insisted, there is no Case in the Books where a Term for Years after an Outlawry being actually sold, was ever restored to the Party upon the Reversal of the Outlawry. Lands of Inheritance, or a Freehold shall be restored, but not the mesne Profits. And as the Profits are forfeited and lost, so is a Term for Years, when taken into the *King's* Hands and disposed of, being but a personal Thing; and cited the Case of *Wilkinson* and *Rockley* in *Keble's* Reports, where after Seizure into the *King's* Hands, upon Reversal of the Outlawry, the Party was not immediately restored, but put to plead it off in the Exchequer, and ought so to do, at least in this Case, the Seizure being not only of the Equity of Redemption, but of the Term it self; and cited the Case of *Goodier* and *Ince* in *2 Crook*, where upon a Reversal after an *Elegit*, there shall

² Kcb. 871.

² Cr. 246

¹ Roll. 778,
³, 4

shall be Restitution from the Party, but not from the *King*.

The *Lord Keeper* decreed the Plaintiff should be admitted to redeem. The Judgment upon the Reversal is, that the Party shall be restored to all that has not been answered to the *King*, which in all Cases has been understood of the *meine* Profits answered to the *King*, and not as to the principal Thing it self, though seised into the *King's* Hands, and that is undoubtedly so as to a Freehold or Inheritance; and he saw no substantial Difference in the Case of a Leasehold, and took Notice that the Case of *Northey* and *Pinfold* was ended by Compromise; but the Lord Chief Baron *Hale* was of Opinion, that there ought to have been Restitution in that Case.

D E

Termino Paschæ,

1694.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Cafe 303.
27 Apr. in
Court Lord
Keeper.

Shode versus Parker.

A Mortgage
is made with
Interest at
5 l. per Cent.
provided
that if the
Interest be
not paid
within two
Months after
due, then to
pay 5 l. 10 s.
this is in Na-
ture of a Pe-
nalty, and the Court will relieve against it; otherwise if 5 l. 10 s. per Cent. be reserved originally, and to be lessened to 5 l. per Cent. if duly paid within two Months after due.

THE Bill being to foreclose a Mortgage, the Interest by the Deed was to be 5 l. per Cent. per Ann. and made payable half-yearly, and if not paid by the Space of two Months after the Time of Payment, then to pay after the Rate of 5 l. 10 s. per Cent. per Ann. for Increase of Interest, the Interest being run greatly in Arrear; the Question was, after what Rate the Interest should be computed upon the Redemption of the Mortgage.

Ant. Ca. 279.

The Court decreed Interest to be computed at the Rate of 5 l. per Cent. per Ann. only, and took a Difference where the Interest was reserved at 6 l. per Cent. but to be reduced to 5 l. per Cent. if paid half-yearly; there if the Party will have the Benefit of lowering or reducing the Interest, he must comply with the Times of Payment; and so decreed in the Lord *Hallifax's* Case; but

where the Interest is to be increased, if not paid at the Day, *that* is but in the Nature of a Penalty, and relievable in Equity.

Quere tamen, for the Agreement of the Parties seems to be the same in either Case, and whether Interest is to be reduced upon Compliance with the Times of Payment, or to be advanced in Default thereof, seems only to be a Difference in the expressing one and the same Thing.

Pilkington Mil' versus Stanhope.

Case 304.
3 Maii, in
Court.

THE Plaintiff having brought a Bill to redeem an old Mortgage, against the Defendant, who was then an *Ambassador*, at the Court of *Spain*; the Defendant obtained an Order, that all Proceedings should cease, until his Return from his *Embassy*: The Plaintiff moved to discharge the Order; and upon Debate it was agreed a *Protection* lies for an *Ambassador*, *quia profecturus*, or *quia moraturus*, and may at Law cast an *Essoin* for a Year and a Day, and may afterwards renew it, if the Occasion continues.

Bill against an Ambassador to redeem; Court ordered all Proceedings to stay for a Year and a Day, unless the Defendant should return sooner. An Ambassador, when Defendant, has a Right to an *Essoin* for a

Year and a Day, and afterwards to renew it, if the Occasion continues.

The Court ordered a Stay of Proceedings for a Year and a Day from this Time, unless the Defendant should sooner return into *England*.

Dodswell versus Nott.

Case 305.
18 May.

THE Suit being touching the Loss and Misapplication of a Sum of Money given for the Benefit of the Parishioners: The Question was, whether any Inhabitant of the Parish ought to be admitted as a Witness.

Where there is a Dispute being touching Money given to Parishioners, none of the Inhabitants

of the Parish ought to be Witnesses.

For the Plaintiff it was insisted, that the Interest was so minute and inconsiderable, that it could not be presumed to influence the Witness, or bias him in his Evidence, and cited the Case in *first Siderfin*.

1 Sid. 192.

Per Cur. The Cases, where the Party was concerned in Interest, though never so small, have always prevailed, and it was so resolved upon great Debate in the Case of the City of *London* concerning the *Water Bailiff*.

4

D E

Term. S. Trinitatis,

1694.

In CURIA CANCELLARIÆ.

*Thompson versus Towne.*Case 306.
9 Julii.

J. S. on Sale of Lands, takes a Bond from the Purchaser to pay any Sum or Sums of Money not exceeding 500*l.* as he should by Will appoint, and J. S. by Will distributes it, and appoints Payment of it to several of his Relations. The Bill was brought by Creditors of J. S. for Satisfaction out of Affets, and (*inter alia*) to have the 500*l.* applied towards Payment of their Debts.

Where a Man has a Power to dispose of Money by his Will, this is Affets, and liable to his Debts.
Post. Ca. 425.

Per Cur. J. S. having Power to dispose, the 500*l.* must be looked upon as Part of his Estate, and decreed it to be Affets liable to the Plaintiffs Debts.

D E

D E

Term. S. Michaelis,
1694.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Case 307. *St. John's College* versus *Fleming Mil' & al'.*

Dean and
Chapter
make a Lease
to a Man,
his Execu-
tors and Ad-
ministrators
for three
Lives. This
was held to
be a de-
scendible
Estate, and

THE *Dean and Chapter* of *Carlisle* made a Lease to *J. S.* for *three Lives, Habend'* to him, his Executors, Administrators and Assigns for *three Lives*; the Lessee dying, the Question was, whether this should be looked upon as a descendible Estate and go to the Heir, or whether the Executor should have it.

The Court decreed it to be in its Nature an inheritable Estate, and that it should go to the Heir; and the Cause afterwards ended by Compromise.

Shouldham versus Shouldham.

Cafe 308.
6 Nov. in
Court.

BY a Marriage-Settlement, the Frehold Estate was settled to the Husband and Wife for Life, and to the first and other Sons in Tail; and in Default of Issue Male, a Term of *five Hundred Years* was limited to Trustees to raise Portions for Daughters, with Remainder over to the Defendant, the Heir Male of the Family; and this was Part of the Husband's Estate who made the Settlement. There was a Covenant in the Deed, that for the better Stay of Livelihood for the Wife, and more ample Provision for the Issue of the Marriage, he would settle the Copyhold Estate to the same or the like Uses, and subject to the same Trusts or Provisoos, &c. as far as the Custom of the Manor would allow of it. There was afterwards a Surrender made to the Use of the Husband and Wife for Life, and first and other Sons in Tail with Remainder over. There being no Issue Male of the Marriage, and the Frehold Estate not sufficient to raise the Daughters Portions, they brought a Bill to have the Copyhold subjected and made liable thereunto. And for the Defendant it was insisted, it was not the Intention of the Parties to the Settlement that the Copyhold should be liable thereunto; nor would the Custom of the Manor allow of the raising such Term in Failer of Issue Male, for raising of Daughters Portions.

By a Marriage-Settlement, a Frehold Estate, was settled on Husband and Wife for their Lives, Remainder to the first, &c. Son in Tail, Remainder to Trustees for 500 Years to raise Portions for Daughters, Remainder over. Covenant from the Husband to settle his Copyhold Estate to the same Uses. A Surrender is made, but no Term is limited. The Frehold Estate not being sufficient to raise the Daughters Portions, Decreed the Copyhold Estate should be charged, and liable to raise the Portions.

The Cause was first heard at the Rolls, where the Bill was dismissed, but upon an *Appeal* to the Lord Keeper, he decreed the Copyhold Estate to stand charged and liable to the raising of the Portions.

Cafe 309.
7 Nov. in
Court.

Wankford verſus Fottherly.

One by Letter ſays he will give 1500*l.* Portion with his Daughter. The Daughter marries, and the Father is privy to it, and ſeems to approve of it; Daughter dies, and Husband adminiſters. Father decreed to pay the 1500*l.* Portion.

THE Defendant was decreed to pay 1500*l.* as his Daughter's Portion in Marriage with the Plaintiff *Wankford*, who after his Wife's Decease took Adminiſtration to her. The chief Evidence for the Supporting of which Decree was a Letter, proved to have been Writ by his Direction, wherein it was ſaid he would give 1500*l.* Portion with his Daughter; and that he was afterwards privy to the Marriage, and ſeemed to approve thereof. And this Decree was afterwards affirmed upon an Appeal to the Houſe of Lords.

Cafe 310.
Nov. 19.

Holt verſus Holt.

Plaintiff's Father ſeiſed in Fee of Land, articles to pay 7*l.* S. 1000*l.* for the Building of it, and before the Houſe was built. The Plaintiff the Heir may compel the Builder to build it, and his Father's Executor to pay for it.

JAMES *Holt* the Defendant's late Husband, and Father to the Plaintiff, articles with *J. S.* touching the Building of an Houſe, and covenants to pay *J. S.* 1000*l.* for the Building of it, and before the Houſe was built dies Intestate. The Plaintiff the Son and Heir, on whose Inheritance the Houſe was to be built, brought his Bill againſt the Widow and Adminiſtratrix, to compel her ſpecifically to perform this Agreement, and decreed accordingly.

Cafe 311.

Rowney's Cafe.

Baron and Feme Jointenants for their Lives. Baron ſows the Land and dies before Severance. Who ſhall have the Corn?

JOHN *Rowney* on his Marriage, ſettles the Lands in Queſtion to the Uſe of himſelf and his Wife for their Lives, and of the Survivor of them, Remainder to the Heirs of their two Bodies, &c. The Husband dies, leaving the Ground ſowed with Corn. The Queſtion was, whether the Emblements on the Land ſettled as aforeſaid, ſhould go to the Wife, or to the Executors of the

Hus-

Husband. It was admitted, that where Strangers are Jointenants, it would survive; but being between Husband and Wife, they would have it to be within the Reason of the Case, where the Husband is seized in Right of the Wife; and there by the Opinion of my Lord Rolle, the Emblements shall go to the Executor of the Husband. The Court proposed to each to take a Moiety, which was agreed to.

Where Strangers are Jointenants, the Emblements will go to the Survivor.

Clerk versus Clerk & Dominam Turner. Case 312. Nov. 29.

SIR Philip Warwick conveys his House of *Frognall* and four Farms to Trustees upon Trust, that his Sisters, the Lady *Turner*, and *Arabella Clerk*, might cohabit in the capital House, and equally divide the Rents and Profits of the four Farms betwixt them, and the Whole to the Survivor of them. *Arabella Clerke* in her Life-time makes a Lease of her Moiety to her Daughter for eighty Years to commence upon her Decease, if the Lady *Turner* should so long live, and soon after dies.

Devise to 2 equally to be divided, and to the Survivor of them, they are Jointenants.

First, it was resolved, that this was a Joint-Estate, and not a Tenancy in Common; for although the Words (*equally to be divided betwixt them*) sometimes in a Will may make a Tenancy in Common only by Way of Construction, and that it was the Intent of the Testator that there should be a Division or Partition; yet if afterwards in the Will it is declared, as in this Case, it should go to the Survivor, *that* would oust such Construction, and it would be a Joint-Estate, even in the Case of a Devise by Will.

Secondly, Taking it to be a Joint-Estate, the Lease made by *Arabella*, tho' to commence after her Decease, is a Severance of the Jointenancy; and the Lease of her Moiety will be good against the Survivor.

A. and B. are Jointenants. A. makes a Lease for Years of his Moiety to commence upon his Death, if B.

D E

shall so long live. This is a Severance of the Jointenancy, and the Lease will bind B. if he survives.

D E

Term. S. Michaelis,

1695.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Cafe 313.
30 Octob.

Snell verſus Clay.

Tenant by
Curteſy ſhall
have the Aid
of Equity a-
gainſt a Truſt
Term assign-
ed in Truſt
to attend the
Inheritance.

THE Plaintiff as *Tenant by the Curteſy*, brought his Bill to be relieved againſt a Term for Years that was assigned in Truſt to attend the Inheritance, and had been ſet up by the Heirs at Law in Bar to his Title, and decreed accordingly, that the Term ſhould not be made Uſe of againſt him by the Heirs at Law.

Cafe 314. *Richards verſus Dominam Bergavenny.*
Nov. 15.

An Houſe,
together with
the Furni-
ture thereof,
is limited to
a Feme, and
ſuch Heir of
her Body as
ſhould be li-
ving at her
Death; and
in Default of
ſuch, Re-
mainder over.
The Feme has an Eſtate-Tail in the Houſe, and the abſolute Property in the Furniture.

AN Eſtate, together with the Furniture of the Houſe, being limited to the Lady *Bergavenny*, and ſuch Heir of her Body as ſhould be living at her Death, and in Default of ſuch, the Remainder over. The Queſtion was, whether the Goods go over to the Remainder-Man, or whether the abſolute Property thereof veſted in the Lady *Bergavenny*.

Per

Per Cur. The Limitation of the Estate to the Lady Bergavenny, and such Heir of her Body as should be living at her Death, with a Remainder over for want of such, is an Estate-Tail: A Devise to a Man for Life, Remainder to the Heir of his Body, tho' in the singular Number, or to the Issue of his Body is an Estate-Tail: But if the Limitation is as in *Archer's Case*, to J. S. for Life, Remainder to the Heir of the Body of J. S. in the singular Number, and to the Heirs of the Body of such Heir, there J. S. is but Tenant for Life. But in the principal Case, the Limitation making an Estate-Tail in the Land, the Goods disposed in the same Clause, must go in the same Manner, and consequently the absolute Property is in the first Devisee, and no Remainder of Goods after an Estate-Tail is good; for the Words (*Heir of her Body*) must not as to the Land, be construed to be Words of *Limitation*, and make an Estate-Tail, and as to the Goods, to be only Words of *Designation* of the Person intended to take the Goods; and besides his Intention appears, that the Goods should go along with the House, and the Devisee to have like Interest in both.

Devise to A. for Life, Remainder to the Heir of his Body, (tho' in the singular Number) is an Estate-Tail.
1 Co. 66. b.

The Words (Heirs of the Body) can't in the same Clause, be construed Words of Limitation, as to Lands, and as to Goods Words of Designation of the Person.

Stephenson versus Wilson.

Case 314.
15 Nov.

BILL by the Plaintiff, an Administrator, to be relieved, after a special *plene Administravit* pleaded, and Verdict and Judgment thereon, upon Pretence that the Attorney at Law without Direction, pleaded that the Defendant had not Notice of the Original until the 12th of March, and had then fully administrated. Issue taken, that the Defendant had Notice before the 12th viz. on the 6th of March, whereas in Truth he had fully administrated before the 6th of March, and in Truth before the Original purchased, so that the Right was never tried at Law.

An Action at Law by a Creditor against an Administrator; Defendant by Mistake of his Attorney pleads a false Plea, and Verdict for the Plaintiff, tho' Merits never tried; yet Equity will not relieve.

Bill dismissed at the *Rolls*, and the Dismission affirmed upon an Appeal to the *Lord Keeper*.

Cafe 315. *Shaw & al' vers'us Lady Standish Wid',*
26 Nov. and Sir *Richard Standish* her Son.

BY Articles made between Sir *Richard Standish* Deceased, the late Husband of the Lady *Standish*, and Father of the Defendant Sir *Richard*, whereby Sir *Richard* reciting he was seised in Fee of the Manor and Wastes of *Hoapy* and *Anglezack* in *Lancashire*, wherein were supposed to be several Rakes, Veins, Pipes and Flats of Lead-Ore; and that Sir *Richard* being minded to take the Plaintiffs *Shaw* and *Smith*, and one *Jowle* to be Partners with him, in managing all Mines discovered, or to be discovered in any of the Soils of Sir *Richard*: They agree to become Partners together for *Twenty-one* Years in *Fifths*, viz. Sir *Richard* two *Fifths* and one *Tenth*, *Shaw* and *Smith* each a *Fifth*, and *Jowle* one *Tenth*, and covenant to bear Profits and Loss in Proportion; provided if any one of the Partners should be minded to desist, and signify such his Intention, and pay his Share of the Charges and Expences to that Time, the Agreement as to him, on his Releasing his Interest to the rest, to be void. And thereby it was further covenanted, that Sir *Richard* and his Heirs, in Recompence of his Title to the Soil and Royalty, should also have a *Tenth* of the Ore of the Shares of the said *Shaw* and *Smith*, and *Jowle*. Pursuant to the Articles they searched for Mines, and after *two* Years Time, and the Expence of about 120*l*. they discovered a valuable Mine, and worked for about the Space of *three* Months, and then Sir *Richard* dies. The Bill was to have the Benefit of the Agreement.

A. enters in-
to Partner-
ship in *Fifths*
with 3 others
for 21 Years,
in digging
for Mines in
A.'s Lands,
A. to have 2
Fifths, and
in Considera-
tion of his
Ownership of
the Land, to
have a *Tenth*
out of the
Share of the
other Part-
ners.
A. dies, and
his Widow
sets up a vo-
luntary Set-
tlement
made after
Marriage.
Court incli-
ned, that the
Partners
were as Pur-
chasers, and
that the vo-
luntary Set-
tlement
should not
stand against
them.

The

The Defendants the Lady *Standish* and her Son insisted, that *twelve* Years before the making of the Agreement, Sir *Richard* after Marriage settled his Estate to himself for Life, to his Lady for Jointure, Remainder to their first, and other Sons, with Power only to charge it with *three Thousand* Pounds for younger Childrens Portions.

The principal Question at the Hearing was, whether the Plaintiffs under these Articles were to be considered as Purchasers, so as they might avoid this voluntary Settlement, and become intitled to have their Agreement decreed in Equity.

For the Plaintiffs it was insisted, that they were in the Nature of Purchasers, and that by the Statute of 27 *Eliz.* all voluntary Conveyances are void as against Purchasers; and there was a Difference between Purchasers and Creditors, for the Statute of 13 *Eliz.* makes not every voluntary Conveyance, but only fraudulent Conveyances, void as against Creditors; so that as to Creditors, it is not sufficient to say the Conveyance is voluntary, but must shew they were Creditors at the Time of the Conveyance made, or by some other Circumstances make it appear that the Conveyance was made with an Intent to deceive or defraud a Creditor: But in the Case of a Purchaser, all voluntary Conveyances are void without more, by the express Provision of the Statute. And it has been adjudged at Law, that a Lessee at a Rack-Rent and who paid no Fine, is a Purchaser within the Statute, and shall avoid a voluntary Conveyance: And insisted, they had at least as strong a Case under the Articles, as the Case of a Lessee at a Rack-Rent, and were as much Purchasers as such Lessees can be reckoned to be; and in Truth their Case was more like that, where a Lessee paid not only an annual Rent, but had also paid a Fine, they having run the Hazard of losing the Money expended in Search for a Mine, and had actually

A Lessee at a Rack-Rent, and who paid no Fine, is a Purchaser, and shall avoid a voluntary Conveyance.

actually expended 120*l.* before any Mine discovered; and the Defendants would now reap the Benefit of what they had gained with such Hazard and Expence as aforesaid.

For the Defendants it was answered, that a Lessee at a Rack-Rent is bound to pay his Rent during the Term, and that whether the Land was worth his Money or not; but under these Articles the Plaintiffs were at Liberty to go off and desist, when they pleased, and it was at their Election whether they should go on, and expend any Thing or not, either in the Search for, or in the Working of the Mine, when found, and what they were to pay in this Case, was not any certain Sum, but only a *Tenth* Part of the Ore that should be got.

The Court took Time to consider of it, but inclined to decree for the Plaintiffs, for Execution of the Agreement against the voluntary Settlement.

Case 315.
Eodem die.

Sawyer versus Bletsoe.

Husband
conveys
Lands to a
Trustee in
Fee, in Trust
out of the
Rents, to pay
6 *l.* per Ann.
for the sepa-
rate Use of
the Wife,
and to be at
her Disposal,
then to the
Use of the
Husband for
Life, after
his Decease,
to the Use of
the Heirs of
the Wife,
until the

Richard Bayly, by Deed and Fine, conveys to Sawyer and his Heirs several Lands therein mentioned, to the Intent he might receive and take out of the Rents and Profits 6 *l.* per Ann. during the joint Lives of him the said Richard Bayly and his Wife, as a separate Provision for the Wife, so as the Husband might not intermeddle, but to be at her sole and separate Dispose, then to the Use of Richard Bayly for Life, and after his Decease to the Heirs of the Wife, until the Heirs or Assigns of the Husband should pay unto the Executors, Administrators or Assigns of the Wife, 100 *l.* with Interest until the Heirs or Assigns of the Husband should pay to the Executors, Administrators or Assigns of the Wife, 100 *l.* with Interest from the Death of the Husband, then to the Wife for her Life for her Jointure, Remainder over. The Wife dies first, having by her Will disposed of this 100 *l.* Held: the Wife had no Power to dispose of this Money.

terest from the Death of *Richard Bayly*, then to the Wife for her Life for her Jointure, with other Remainders over. The Wife dies in the Life-time of her Husband, but takes upon her to make a Will, and disposes of the 100 *l.* amongst her Relations, and made *Samyer* Executor. *Richard Bayly* afterwards by Will devised the Lands to *Bletsoe*, who had married his Daughter. *Samyer* had formerly brought an Ejectment in the Name of the Heirs of the Wife and recovered at Law. *Bletsoe* the Devisee of the Lands by the Will of *Richard Bayly* brought his Bill to be relieved; and on the Hearing of the Cause, was decreed to pay the 100 *l.* with Interest from the Death of *Richard Bayly*; or in Default of Payment, his Bill was to stand dismissed with Costs, and for Non-payment the Bill was dismissed accordingly, and the Costs taxed and paid. And the Ejectment Lease being expired, *Bletsoe* got a Conveyance from the Heirs of the Wife, by which he had gained the Title at Law; so that *Samyer* was now become Plaintiff in Equity, to have the 100 *l.* with Interest paid; and by his Bill set forth the Proceedings in the former Cause, and complained of the Conveyance obtained by *Bletsoe* from the Heirs of the Wife, who were but in the Nature of Trustees for the Benefit of the Executor and Legatees of the Wife.

First it was agreed, that notwithstanding the Dismission of *Bletsoe's* Bill, *Samyer* being now Plaintiff by an original Bill, the Cause was open, and the Merits of the Case properly before the Court, so that the Question was, whether upon the Deed the Wife dying in the Life-time of the Husband, had Power to appoint or dispose by Will or otherwise this 100 *l.*

Tho' Plaintiff's Bill is dismissed on the Merits; yet if by the Plaintiff's gaining the legal Estate, Defendant is forced to be Plaintiff; the Cause is open, and

the Merits of the Cause are before the Court.

Secondly, it was agreed that where the Wife has Power to dispose in the Life-time of the Husband, though

If a Wife has a Power to dispose of Money in the Life of her Husband, she

4 P

may dispose of it by a Writing in Nature of a Will, though not so provided.

it be not particularly provided that she may dispose by Will; yet a Disposition by a Writing in the Nature of a Will would be a good Disposition or Appointment.

So that the Question was reduced to this, *viz.* whether as the Deed is penned, it was the Intention of the Parties, that although she died in the Life-time of her Husband, she might dispose of this 100 *l.*

And the Court was of Opinion that she could not, for that it appears that if the Husband survived, the 6 *l. per Ann.* was to cease; for he was in such Case to hold the Estate for his Life exempt from any Charge, and the 100 *l.* was to be paid with Interest only from the Decease of the Husband, and if the Husband survives her, he is in Law her Assignee. And it is observable that Care is taken, that she, notwithstanding the Coverture, might dispose of the 6 *l. per Ann.* but no such Provision as to the 100 *l.* And besides it is reasonable to suppose, that if it had been intended that the 100 *l.* should remain a Charge upon the Estate, although the Husband should survive, it would not only have carried Interest during the Life of the Husband, but Provision would have been made that the Husband in his Life-time might have redeemed and freed his Estate: But the Deed provides only that the Heir of the Husband might pay the 100 *l.* and therefore dismissed the Plaintiff's Bill.

D E

Term. S. Michaelis,

1696.

In CURIA CANCELLARIÆ.

*Hide versus Parrot.*Case 316.
14 Off.

THE Plaintiff *Hide's* Father devised the Goods in his House at *Hounsditch* in these Words, *I give and bequeath unto my Wife, all my Household Goods that are in my Dwelling-House at Hoddesden in the Parish of Much-Amwell, during her natural Life: And after her Decease I give and bequeath my said Household Goods unto my Son Joseph for ever.* The Question was, whether the Devise over of these personal Chattles (as the Will was worded) was good or not.

A. devises Household Goods to his Wife for Life, and afterwards to his Son. This is a good Devise over, and the same, as if the Devise had been only of the Use of the Goods, to the Wife for Life. Ant. Case 230.

It was insisted by the Defendant's Counsel, that the Devise over was void, and relied on the Difference taken in the Books, where the Thing it self was devised, as in this Case the Goods were devised, the Devise over was void; but where only the Use of them is devised to one for Life, it is otherwise; and for that Purpose cited the Case 37 H. 6. 30. *Brook's Abridgment*, Tit. *Devise*, *Plowden's Commentaries* 521. *b. Owen's Reports* 33. and *Marsh's Reports*

Reports 106. where a Prohibition was granted out of the Court of Common Pleas, to the Court of the Marches of *Wales*, for proceeding for the Devise over of a personal Chattle.

For the Plaintiff it was answered, that all these Authorities cited were built upon the Case of 37 *H. 6.* but of latter Times it had been otherwise resolved upon great Debate, and instanced in the Case of the Lord *Ferrars*, *Hart* and *Say*, and *Vachell* and *Vachell*, &c. and that in the present Case, the same arising upon a Will, a Construction (as far as the Law will admit) is to be made, that the Intention of the Testator may take Place. And therefore if a Man possessed of a Term for Years, grants the Term to one for Life, the Remainder over; the Remainder over is void: But in the Case of a Will, or of an Assignment by Way of Trust, there the Remainder over is good.

The *Lord Keeper* held that the Devise over was good, for as to the personal Chattles, the Civil and Common Law is to be considered, and there the Rule is, where personal Chattles are devised for a limited Time, it shall be intended the Use of them only, and not the Devise of the Thing it self, and therefore allowed the Remainder over to be good.

Where a personal Chattle is devised for a limited Time, this is to be intended of the Use of it, and not of the Thing it self.

D E

Term. S. Hillarii,

1697.

IN CURIA CANCELLARIÆ.

Lucius Henry Cary Lord
Viscount *Falkland*, Son
and Heir of *Edw. Cary*,
an Infant, by his Guar-
dian,

Plaintiff.

Case 317.
Jan. 25.

James Bertie and *Elizabeth*
his Wife, *Sir William*
Whitlock, *John Grout* and
others,

Defendants.

John Cary of *Stanwell* Esq, having neither Wife nor
Child, and the Defendant *Elizabeth*, now the Wife of
Mr. *Bertie*, being his Niece and Heir at Law, on Sept.

4 Q

One devises
Lands to
Trustees and
their Heirs,
in Trust to
pay such of
his Debts and
Legacies as

his personal Estate should fall short to pay; then in Trust for his Niece *Elizabeth* (his Heir at Law) for her Life, in case she within three Years after his Death should be married to the Lord *Guilford*, Remainder to her first, &c. Son by the Lord *Guilford* in Tail Male. In Default of such Issue, or in case the said Marriage should not take Effect within the three Years, then in Trust for the Lord *Falkland* for Life, Remainder to his first, &c. Son in Tail Male, Remainder to his own right Heirs. The Niece's Marriage with the Lord *Guilford* does not take Effect, and after the three Years she marries Mr. *Bertie* with the Trustees Content. This is a Condition precedent, and Equity cannot relieve against the Non-performance.

10, 1685, he made his Will, and thereby devised his Manor of *Stanwell*, and divers other Manors and Lands, being his own real Estate (except his Manor of *Caldicot*, which he thereby gave to his Kinsman *Edward Cary*) to *Grout*, *Hall* and *Whitlock* and their Heirs, upon Trust, (*inter al'*) to pay what Debts and Legacies his personal Estate should not extend to satisfy, and then in Trust for the Honourable *Elizabeth Willoughby*, the Defendant, his Coſin and Heir, in Caſe ſhe ſhould within *three* Years after his Death be married to *Francis Lord Guilford*, for her Life; and after her Death, in caſe ſuch Marriage was had, to the eldeſt Son of the Lord *Guilford* on her Body to be begotten, and to the Heirs Males of the Body of ſuch Son; and for Default of ſuch Iſſue, to all other the Sons of the ſaid *Elizabeth* by the Lord *Guilford* in Tail Male; and in Default of ſuch Iſſue, or in caſe ſuch Marriage ſhould not take Effect within the ſaid *three* Years, then in Trust for *Anthony Lord Falkland* for Life, and to his firſt and other Sons in Tail Male; in Default of ſuch Iſſue, in Trust for *Edward Cary*, the Plaintiff's Father, for Life, and to his firſt and other Sons in Tail Male; and in Default of ſuch Iſſue, in Trust for the right Heirs of the ſaid *John Cary* the Teſtator: And devised to his Truſtees the Leaſehold ſubject to the ſame Truſts, as are declared concerning the Freehold; and devised to them his Houſhold Goods at *Stanwell*, that the ſame might go and be for the Benefit of ſuch Perſon, who by Virtue of his Will ſhould be intitled to his Houſe.

Sept. 18, 1685, he made a Codicil, only directing ſome other Legacies.

The 20th of the ſame Month he makes another Codicil, reciting that by his Will he had appointed the Truſt of his real Estate, to be for the Benefit of the Honourable *Elizabeth Willoughby*, in Caſe ſhe ſhould within *three* Years after his Deceafe be lawfully married to the Lord

Guilford: Now his Will is, that if the said Marriage should take Effect before Years of Consent, and if not afterwards, when of a competent Age, ratified, the said *Elizabeth Willoughby* should have no Benefit of the said Trust, other than she should have had, if the Marriage had been never solemnised; and devises the Tuition of his Niece to the Lady *Wiseman*, the Lord *Guilford*'s Sister, and soon after died.

The Marriage between the Lord *Guilford* and *Elizabeth Willoughby* did not take Effect within the *three* Years, and after they were elapsed, she intermarried with the Defendant Mr. *Bertie*, having first by her Trustees come to an Agreement with *Anthony Lord Falkland*, and *Edward Cary* (the Plaintiff's Father) that they, on the Terms agreed on, should permit her to enjoy the Estate; but they being both but Tenants for Life and since dead, the Plaintiff, the Son and Heir of *Edward Cary*, brought his Bill claiming the Benefit of the Trust, demanding an Account of Profits, and a Conveyance of the legal Estate from the Trustees.

Mr. *Bertie* and his Wife had also brought their Bill to the like Effect. This Cause was heard by the Lord Chancellor *Somers*, assisted with the two Chief Justices, and this Day was appointed for the Delivery of their Opinions.

Lord Chief Justice *Treby*. I take this Will to be designed by the Testator for a final and fixed Settlement of the Estate, and although *Elizabeth Willoughby* was his Niece and Heir at Law; yet the Lord *Falkland* was of his Name and Blood, though not altogether so nearly related to him, as the Defendant, his Niece and Heir at Law: And it appears likewise in the Case, that the Testator was related also to the Lord *Guilford* by Marriage, but not in Blood.

First,

First, He was of Opinion that the Defendant *Elizabeth*'s being willing and consenting, or endeavouring to bring about the Marriage, would not be of any Avail or Moment in this Case; for that the Will was formed not upon the Endeavour or Agreement of the Parties to marry, but upon the Event. If a Marriage should be had according to the Will, then his Niece was to have an Estate for Life, and so to first and other Sons of Lord *Guilford* on her Body begotten; but was to take nothing by the Will, unless the Marriage was actually had. And this appears more plainly by the Codicil, whereby it is provided, that although a Marriage should be so far proceeded in, as to be solemnised between his Niece and the Lord *Guilford infra annos nobiles*, yet unless afterwards confirmed, when both of Age capable to contract Marriage, (for by Law until both are of competent Age, that is the Man *Fourteen*, and the Woman *Twelve*, either of them are at Liberty to go off from such Marriage) such Marriage was not to be reckoned a Marriage within the Intention of the Will, nor would his Niece take any Estate thereby.

He observed Mr. *Bertie*'s Counsel seemed to be a little at a Loss, what Relief, what Conveyance to ask from the Trustees, whether a Fee, or an Estate in Tail Male to *Elizabeth*, and her first and other Sons by Mr. *Bertie*, or whether to content themselves only with an Estate for Life.

In the determining and judging upon this Case he was of Opinion,

First, That no Regard was to be had to the Greatness or Quality of the Persons. The Rule the Divine Law-giver laid down was, that there should not be any Respect, even to the Poor, in Judgment, much less to the Rich.

Secondly, That all the parol Proof on both Sides is to be rejected, and thrown out of the Case, (that is to say) the Declarations of the Kindness the Testator had for his Niece the Defendant, and that she was his Heir, and he would not disinherit her, and the like, &c. And the great Incertainty there is of Proof in this Case shews how necessary it was to make the Statute against *Frauds and Perjuries*. The Case therefore must be determined as it stands upon the Will, and consequently to enter into an Inquiry what Regard he had to his Niece; how far he considered the Lord *Guilford* either in Point of Affection, or in Gratitude for good Offices received, or by Reason of Affinity by Marriage, or the like, is not material, nor necessary to know; and it may be it is not possible now to know what induced him to limit his Estate in the Manner as by his Will is expressed; but he having done it, we must agree with the Lord *Dyer*, that Mens Deeds and Wills, by which they settle their Estates, are the Laws that private Men are allowed to make, and they are not to be altered even by the *King* in his Courts of Law, or Conscience; we must take it as we find it.

In Case of a Devise of Lands no Regard to be had to parol Declaration.

And that being so, thus far his Intention plainly appears, that his Heir should not have his Estate, unless she married with the Lord *Guilford*, and likewise that neither the Lord *Guilford*, nor his Issue were to have any Benefit by it, unless he married his Niece. And the Condition, which is a Condition precedent, not having been performed, the Marriage not having taken Effect, it is plain that the Estate by the Letter of the Will is gone over to the Lord *Falkland*, and the Trust of the Estate vested in him.

All that remains is, whether a Court of Equity can relieve in this Case, and in what Manner.

First, The Defendant *Elizabeth* cannot have the Inheritance, for if she had performed the Condition in the Will, she was to have had but an Estate for Life, with a Remainder to her first and other Sons by the Lord *Guilford*; and she must not have a greater and better Estate by not performing, than she could have had in Case she had performed the Condition.

Secondly, If she cannot be intitled to the Inheritance, yet it hath been insisted on by her Counsel, that she ought to have an Estate for her Life, and to her first and other Sons in Tail Male by Mr. *Bertie*; for that it was not through her Default, that the Marriage with the Lord *Guilford* was not accomplished, and that she has equitably performed the Will, by marrying a Person equal in Quality and Estate to the Lord *Guilford*; and this they call a Performance of the Condition *cypres*, that she hath gone as far as was in her own Power, and cited the Case of *Popham* and *Bamfield*, where the Court relieved upon an Equivalent as a Precedent to suit this Case.

Vol. 1. Case
73, 159.

But that Case is not like this; and they run upon a plain Mistake, in saying that they come to be relieved against a Forfeiture; and that the Testator by his Will principally intended the Advancement of his Niece; whereas the Will is made in Derogation of her Right as Heir at Law. And although the Testator might be willing, and it would be agreeable enough to him if such Marriage took Effect, yet he handles that Matter with some Indifferency; for he does neither enjoin his Niece to marry the Lord *Guilford*, nor so much as recommends to either Party, but leaves them at their Liberty. But if the Marriage took Effect, the Estate was to go accordingly; if not, the Estate was to go to those of his Name and Blood. If they should marry, they were to take the Estate; it is given to them in the Con-junctive, to neither of them severally; there is no Latitude

tude left for her to choose another Man: It is not a Case in Compensation; it is not capable of an Equivalent to answer the Will of the Testator: Nor can, as I apprehend, a Court of Equity relieve, or decree even an Estate for Life to the Defendant, unless they can decree Mr. *Bertie* and the Lord *Falkland* to be the same Person.

Lord Chief Justice *Holt* was of the same Opinion, that the Bill ought to be dismissed; and first was clear of Opinion that all the parol Proof, as to what the Testator either declared, or intended, was to be disallowed, and the Case must stand confined to the Will, and is to be considered as it stands upon the Will alone, and must have been so even before the Making of the Statute of *Frauds and Perjuries*; for by the Statute of *Wills*, by which Men are enabled to make Wills, and devise their Lands, it must be a Will in Writing; and should parol Proof be admitted, it would introduce a mighty Incertainty; and an infinite Inconvenience. The last Will of a Man is looked upon as the last serious Act of his Life, as to the Disposition of his Estate, and must be admitted sufficient to repeal all former Wills, and much more to control all parol Declarations.

It is plainly a Condition precedent. In Cases of Conditions subsequent, that are to defeat an Estate, those are not favoured in Law; and if the Condition becomes impossible by the Act of God, the Estate shall not be defeated or forfeited; and a Court of Equity may relieve to prevent the Devesting of an Estate, but cannot relieve to give an Estate that never vested. The Case of *Fry and Porter* is much a stronger Case, and more proper for Relief, the Condition there being to be performed by an Infant, and an Infant too that had no Notice of the Condition in the Will. In the Case of the Earl of *Mountague* and Earl of *Bath*, there the Duke of *Albermarle* who made the Settlement, and had reserved a Power to revoke, yet having tied himself to strict Terms, as to the Man-
ner

Equity cannot relieve against the Breach of a Condition precedent.

1 Mod. 300.

ner and Circumstances of doing it, although by his last Will made in a very solemn and deliberate Manner, he sufficiently expressed his Intention and Resolution to revoke it; yet the Court would not relieve in that Case; and if the Party himself, who was Master of the Estate, and might have disposed of it as he pleased, is to be tied down to the Terms and Circumstances he had imposed upon himself; those that claim or derive under him; those to whom he gives an Estate upon Terms and Conditions, must stand much more obliged to the Performance of the Conditions and Circumstances upon which it is given. And if the Condition becomes impossible even by the Act of God, as in case the Lord *Guilford* had died within the *three* Years, or soon after the Death of the Testator, he was of Opinion the Estate would never arise; there would be no Relief even in that Case, much less is there any Room for Relief in the Case in Question.

In case of doubtful Words of a Will, an Heir is to be favoured: Not where the Will is plain.

On the Will, the Testator's Intention is plain and express, that his Niece should not have the Estate unless the Marriage took Effect; an actual Marriage was plainly by him intended upon the Face of the Will; and by his further Declaration in the Codicil put beyond Doubt. The Prospect that such Marriage might take Effect, seems to be the only Consideration that induced him to give the Estate in such a Manner as he has done. It appears by the Proof in the Cause, that he had a real Kindness and Affection for the Lord *Guilford*; and as he had a Kindness and Affection for his Niece, so it likewise appears he was desirous to preserve the Estate in his Name and Family. And whereas it is objected, that the Heir at Law is to be favoured, *that* may hold, where the Words are ambiguous or doubtful, there shall be no strained Construction to work a Disinheritance. But where there is no Doubt, no Ambiguity, the Plea of Heirship must not control a plain and express Will. And it is very vain, what has been pretended, that he did

not

not intend to disinherit his Heir, when the whole Frame and Intent of the Will is to prevent the Descent, and that she should not take as Heir. And it is likewise as vain to talk of an Equivalent; although the Lady may be as well preferr'd, or advanced in Marriage to Mr. *Bertie*, that is no Equivalent to the Testator, who had an Affection for the Lord *Guilford*, and was for ought appears an utter Stranger to Mr. *Bertie*, and was minded his Niece should marry the Lord *Guilford*: It is in Truth no more an Equivalent, than it may be pretended to be a Performance of the Condition; and it would be hard to maintain, that where an Estate is given upon Condition that the Niece marries one Man, to say that she has performed that Condition; not in marrying him, but in marrying another Man; and concluded, that if it was a Rule in Equity, that Estates ought to go according to the Will of the Dead, he must advise the Lord *Chancellor* to dismiss the Bill; but if this Court can alter Wills, it might be proper to relieve the Plaintiff in the cross Cause.

Lord Chancellor concurred in Opinion with the two *Chief Justices*, and observed that it was plainly a Condition precedent, for that by the Will the *three* Years Profits after the Decease of the Testator were to be applied to pay the Debts, so nothing descended in the mean Time, nor vested; and there was no Ground to maintain what was offered from the Bar, that this should be deemed a Condition subsequent, or to divest an Estate, and observed there could not be stricter Words to make a Condition precedent, than what were inserted in the Will.

And his Intention is manifest that his Niece should take nothing as Heir, unless there should happen to be a Failer of Issue Male of the *Carys*; but in Case his Niece married the Lord *Guilford*, then he preferred her, and she was to take before the Lord *Falkland*, and the rest of his Name

and Blood; but if such Marriage was not had, then the Lord *Falkland*, and those of his Name and Blood are prefer'd to her. If Lord *Guilford* had intermarried with her, and had died without Issue Male, it is plain that neither her Daughters by him, nor any Issue Male of hers by any after taken Husband, could have become intitled to the Estate by the Devise in the Will.

As to what has been said of its being an hard Limitation, and that being in the Case of a Trust, there is a great Latitude of expounding in a Court of Equity, to correct the Rigour of a Devise. Limitations of Estates, whether it were by Way of Trust, or by Estates executed at the Common Law, were to be governed by the same Rule; and it is much better, that an Estate should be carried from the Heir by a hard or imprudent Disposition, than that the Courts in *Westminster-Hall* should take upon them to vary from the Intention of the Testator expressed in his Will.

King as *Pater patriæ* has the Direction of Charities, Infants, Ideots, Lunatics.

Divers Privileges of Infants.

And as to the Plea of Infancy, it is true Infants are always favoured. In this Court there were several Things that belonged to the King as *Pater patriæ*, and fell under the Care and Direction of this Court, as Charities, Infants, Ideots, Lunatics, &c. afterwards such of them as were of Profit and Advantage to the King were removed to the *Court of Wards* by the Statute; but upon the Dissolution of that Court, came back again to the Chancery, where the Interests of Infants is so far regarded and taken Care of, that no Decree shall be made against an Infant, without having a Day given him to shew Cause after he comes of Age. An Infant may by his *Prochein Amy* call his Guardian to an Account, even during his Minority: If a Stranger enters and receives the Profits of an Infant's Estate, he shall in the Consideration of this Court, be looked upon as a Trustee for the Infant, and the like. But the Court never pretended to change the Nature of Infants Estate, or to make

that absolute, which was defeasible. Where an Estate is given to an Infant upon a Condition, such Act as an Infant can perform, must be done by him; and Infancy in such Case is no Excuse; and so it was held in that Case of *Fry and Porter*, which has been cited.

But Infants
are bound by
Conditions.

The Case of *Popham and Bamfield* has no Resemblance to this Case, for here can be no Equivalent; the Nature of this Condition is not in Point of Value, but on a collateral Act to be done: And as to the Case of the Earl of *Salisbury* which was cited, there was a Performance of the Condition in Substance, and there was no express Devise over of the 10000*l.* in case the Countess, then Mrs. *Bennet*, did not observe the Circumstances prescribed by the Will as to her Marriage. And so likewise the Case of *Ventris and Glide* on Sir *Nich. Staughton's* Will. The Consent of the Aunt was asked, and she did not absolutely refuse, but pretended she was coming to Town, and being a suitable Match, and all other Relations consenting, the Consent of the Aunt was, what she ought, according to the Trust reposed in her, to have given, Application being made to her on that Behalf: and besides the Aunt's Consent, there were Trustees as to the Portions, until the Daughters attained *Twenty-one*, and the Condition of Consent was taken to have Relation to the Term only, to their Marrying in their Infancy, and there the Daughter had attained *Twenty-one* before her Marriage.

And therefore, upon the whole Matter, he was of Opinion,

First, That Mrs. *Bertie* had no Pretence to claim the absolute Fee and Inheritance of the Lands in Question: It would be very absurd to say she should profit by disobeying, and that she should take a greater and better Estate by non-performing, than she could have had by the Performance of the Condition.

Secondly,

Secondly, Nor can her Claim of having a like Estate, or a Conveyance *cypres*, viz. to her and her Issue by *William Bertie*, as it would have been to her and her Issue by the Lord *Guilford*, (if the Marriage had taken Effect) be any Way maintained or supported, either by Precedent, or Reason, unless Mr. *Bertie* could really become the Lord *Guilford*.

When the next in Remainder by Practice or Contrivance, prevents the Performance of a Condition, Equity will relieve.

Thirdly, As the Condition was the Performance of a collateral Act, and did not lie in Compensation, he did not see any Thing that could be a just Ground for Relief in a Court of Equity, or to give Mrs. *Bertie* even an Estate for Life, unless the Remainder-Men (who were to take the Estate on Non-performance of the Condition) had used any indirect Practice, or Contrivance to prevent the Marriage from taking Effect.

And dismissed the Bill of Mr. *Bertie* and his *Lady*, and in the other Cause decreed the Trustees to execute Conveyances, according to the Trust, to the Lord *Falkland*, &c.

Note; This Cause was afterwards, upon an Appeal to the *House of Lords* in Parliament, ended by Compromise.

Case 318.
Feb. 1.

Bowater & ux' versus Elly.

Trustees joining with the *Cestuy que Trust* in Tail in a Feoffment, will bar an Estate-Tail in a Trust.

Elly the Defendant's Grandfather being seised of the Lands in Question, by his Will devised the same to Sir *Simon Archer*, and others and their Heirs, in Trust for *John Elly* the Father for Life, Remainder to *Elizabeth* the Wife of *John* the Father for Life, Remainder to the Heirs of the Body of *John* the Father by *Elizabeth* his Wife; they had Issue *John* a Son, and *Mary* a Daughter,

ter, now the Wife of the Plaintiff *Bowater*; *John Elly* the Father died, *Elizabeth* his Wife survived him; *Elizabeth* the Mother, and *John* the Son, together with Sir *Simon Archer* the surviving Trustee, join in a Feoffment to the Use of *Elizabeth* the Mother for Life, Remainder to *John* her Son and his Heirs. *John* the Son by his Will devises the Lands to *John Elly* his Kinsman and Heir Male of the Family in Fee, subject to the Payment of several Debts and Legacies. The Plaintiff's Bill was to have the Trust and Conveyance executed. The Question was whether this Feoffment was a Bar in Equity to the Plaintiff's Demand who derived her Title under an Entail of the Trust of the Lands in Question.

For the Defendant it was insisted, that *John Elly* the Testator's Grandson being Tenant in Tail, with the Reversion in Fee to himself, had it been of a legal Estate or Use executed at Common Law, might by Fine or Common Recovery have barred the Plaintiff; a Feoffment would have made a Discontinuance; and this Court so far favours the Owner of the Inheritance, that had a Power to dispose, that if Tenant in Tail make a Feoffment, or a Deed of Vouchers as is commonly practised in *Wales*, the Issue in Tail or Remainder-Man shall not have the Assistance of a Court of Equity, to defeat the Conveyance, but must defeat it at Law if he can. And so it was adjudged in the Case of *Shar-* Vol. I. Case
rard and *Stapleton*, where the Intail being discontinued ^{210.} by Feoffment, the Court would not oblige the Defendant to discover where the Freehold was, to enable the Plaintiff to find out a Tenant to the *Præcipe*, against whom he might bring his *Formedon*.

But here the Intail is only of a Trust, and is not within the Statute *de donis*, and so a Fine or Recovery not necessary, but is alienable by any other Conveyance, made by him who hath an Estate of Inheritance in the Trust. *Ant. Ca. 205.*

In this Case, if the Mother and Son had brought a Bill against the Trustee, the Court would have decreed the Trustee to convey to them, or to whom they should appoint, and possibly he might have paid Costs for refusing to convey, and putting his *Cestuy que Trust*, to the Charge of an unnecessary Suit. And in this Case the Trustee having done that voluntarily, without a Suit, which if he had refused to have done, the Court would have compelled him to do, is as strong and as valid when done, without a Suit, as if it had been done pursuant to a Decree; and no Trustee was ever yet blamed for doing that without a Suit, which this Court would have compelled him to have done; and yet if the Plaintiff has any Relief in this Case, it must be upon a supposed Breach of Trust in the Trustee; for the legal Estate is well passed and settled; and if not done in Breach of Trust, there is no Ground for this Court to relieve the Plaintiff.

No Trustee
ever blamed
for doing
that without
a Suit, which
Equity
would com-
pel him to do.

The *Lord Chancellor* held, that the Complainants equitable Title under the Intail, was well barred by the Feoffment, and dismissed the Bill.

Case 319. *Smith versus Burroughs, Loader & al.*
Feb. 7.

One just
come of Age,
intituled to an
Estate of
3000 l. per
Ann. being
drawn into a
Statute for
1000 l. upon
which he
received
only 300 l.
is relieved
upon the
Circum-
stances of
Fraud.

THE Plaintiff being just come of Age, and intituled to a real Estate of 3000 l. per Ann. and upwards, but then in Possession of Trustees, for the raising of Portions for younger Children, and wanting 1000 l. proposed to take it up upon a Mortgage of some Part of his real Estate; but *Loader* the Scrivener persuaded him, that it might be better done, and with less Trouble, by giving only a Recognisance for Repayment of it: And it likewise appeared by Proof in the Cause, that the

the Plaintiff *Smith* all along declared he would have the Money of a Gentleman, and not of a *Mechanick*, as his Expression was, because then he might expect Gentleman-like Usage; however *Loader* the Scrivener concerted the Matter between him and the other Defendant *Burroughs* a *Vintner*, that *Burroughs* did not appear as the Lender, but pretended to act as on the Behalf of a Friend and Acquaintance of his, a Gentleman that lived in the Country; *Smith* the Plaintiff, together with *Loader* the Scrivener (who readily offered to be bound for his Customer) both enter into the Statute, 300*l.* is paid to *Smith* in Goldsmiths Bills, more offered to be paid in *Guineas*; but being then of uncertain Value, Mr. *Smith* would not take them at the Rate they then went, and was by Agreement to have come the next Day for the Residue of the Money; but the Meeting was put off, and several Disappointments happened from Time to Time: At length the 300*l.* before lent is made up 1000*l.* by paying about 100*l.* in Money to *Loader*, and discounting an old Debt he owed *Burroughs*; and by a Parcel of Wines which *Burroughs* put off to *Loader* at the Price of 400*l.* though after sold for 150*l.* and according to the Proof in the Cause were not worth above 200*l.*

The Plaintiff's Bill being to be relieved against the Fraud, the Question was, whether the Plaintiff should be bound by the Payment made to *Loader* of 400*l.* in Wines, and 300*l.* in Money and by Discount of an old Debt, or whether he should only repay the 300*l.* and Interest received by himself.

It was insisted for the Defendant *Burroughs*, that *Loader* was the Plaintiff's Scrivener and Agent in this Matter, and trusted by him, and therefore in that Respect the Plaintiff ought to be bound by what *Loader* did, and pretended he would have paid the whole in *Specie*, and provided Money for that Purpose; but that *Loader* chose to have Wines, and offered to discount his own Debt; and there

there was some Proof in the Cause to that Effect. And it was further insisted, that if *Loader* was not to be considered as Agent for the Plaintiff, and as a Person trusted by him; yet in Regard *Loader* was as well bound in the Statute as the Plaintiff, as he was joint Cognisor with the Plaintiff; a Payment made to either of the Cognisors of the Statute ought, as to the Defendant *Burroughs*, to be allowed as a good Payment.

But it was answered that *Burroughs* knew the Plaintiff *Smith* was the Borrower, that he intended to have had it on a Mortgage, and of a Country Gentleman, and that he was a Party to the Contrivance, in altering the Security proposed from a Mortgage to a Statute.

And if *Loader* had been impowered and intrusted by the Plaintiff *Smith*, to receive the Money, it was never intended that his own Debt should have been discounted, nor had he any Authority to take Wines in Lieu of Money.

Per Cur. Decree that the Plaintiff shall be relieved on Payment of the 300*l.* and Interest, and a perpetual Injunction against the Statute, as to any further Demand thereon against the Plaintiff.

Cafe 310.
9 *Maii.* *Thomas Bar. & ux' versus Kemish Bar. & ux'.*

On Marriage
Lands are
settled on *A.*
for Life, Re-
mainder to
the first, &c.
Son of the
Marriage in Tail Male, Remainder to Trustees for 500 Years, to raise 5000*l.* Portions for Daughters, payable at 18, or Marriage, Remainder to *A.* in Fee. After the Marriage *A.* settles other Lands, and a Term is created for raising the like Sum of 5000*l.* for Daughters on Failure of Issue Male, payable at 16, or Marriage. *A.* dies leaving a Daughter his Heir at Law, who attains 18, and dies unmarried. The Trust of the Term is not merged in the Fee, but the Portion shall go to the Daughters Executors, and is disposible by her Will; but there shall be but one 5000*l.* raised.

ON Marriage of Sir *Thomas* with the Lord *Wharton's* Daughter, there was by the Marriage-Settlement a Term lodged in Trustees for the raising of 5000*l.*

5000*l.* for Daughters on Failure of Issue Male, and a Maintenance until the Portions were payable, which was to be at *Eighteen*, or Marriage; and subject to that Term, the Estate was intailed on the Issue Male, with a Remainder to the right Heirs of Sir *Thomas*.

After the Marriage had, Sir *Thomas* made a Settlement of other Lands, and thereby likewise lodged a Term in Trustees for raising the like Sum of 5000*l.* for Daughters on Failure of Issue Male, payable at *Sixteen*, or Marriage, and a Maintenance in the mean Time with Remainders over *prout*.

There being Issue a Son and Daughter of that Marriage, the Son died in his Minority unmarried, and the Estate descended upon his Sister and Heir, who having attained the Age of *Nineteen* and upwards, in her last Sickness made a Will nuncupative, and thereby mentioned to devise all that was in her Power to devise to her Mother, then the Wife of Sir *Charles Kemish*, (by whom he had several Children) and died. Her Mother proved the Will in the Prerogative Court, and the real Estate descended to the Plaintiff's Wife, her Heir at Law.

The Plaintiff's Bill was, as being Heir at Law, to be relieved against a Judgment in Ejectment, obtained by the Trustees on the Terms for Years lodged in them, for raising Portions for Daughters as aforesaid.

The Question was, What passed to the Lady *Kemish* by the Will of her Daughter, whether both or either of the Sums of 5000*l.* charged on the Lands in Manner aforesaid, as Portions for Daughters in Failure of Issue Male; and whether in the Consideration of a Court of Equity, the Sums intended for the Portion of Mrs. *Thomas* were not merged or extinguished, and the Trust determined, either by her dying unmarried, before the Portion was raised, or by the Inheritance of the whole Estate descending upon her,

as being the Heir at Law to her Brother, Father, and Grandfather.

For the Plaintiff it was insisted, that the Trust was determined, and the Proceedings in the Trustees Names ought to be stay'd by the Injunction of this Court.

Vol. 1. Case
201.

First, Because the several Sums of 5000 *l.* and 5000 *l.* were intended as a Portion for Mrs. *Thomas*, and she dying in her Minority and unmarried, the Intention of the Trust was answered, and there was no Occasion for the raising of a Portion; and therefore the Proceedings upon the Ejectment in the Trustees Names ought to be stay'd by the Injunction of this Court, and the Terms ought to be assigned to the Plaintiff the Heir at Law: And insisted this was the Reason of the Decree in the Case of *Pawlet* and *Pawlet*, where it was held, that the Daughter dying an Infant and unmarried, the Portion should not be raised for the Benefit of her Administrator; but should sink into the Inheritance, for the Benefit of the Heir, although there was no Provision or Clause in the Settlement, that the Portion should in such Case cease.

Secondly, That the Inheritance descending upon her, the whole Estate was consolidated, and the Term was no longer a Trust for the Raising of a Portion for her, but the whole intire Term became a Trust for her, and she might have compelled the Trustees to have assigned the Term to her, or to whom she should appoint; and to make her Portion to be a subsisting Charge on the Estate, is in Effect to say she was Debtor to her self.

Thirdly, That where Matters come to be controverted, between the Heir, and Administrator, the Heir is generally favoured, and ought to be so in this Case; the rather because here were no Debts to pay, and the Nuncupative Will was made when she was almost *in extremis*,
2 . and

and doth not contain any particular Devise of the Portion; but is in general, of all she had Power to dispose of, and cited the Case of *Narbone* and *Narbone*, where by Articles of Marriage, 12000*l.* was to be laid out in Land, and settled to the Husband for Life, Remainder, as to Part, to the Wife for her Jointure, Remainder to the first and other Sons in Tail; and in Failure of Issue Male, a Term to Trustees for raising Portions for Daughters, Remainder to the right Heirs of the Husband. The Husband dying leaving Issue only a Daughter; on a Bill brought to have the Money invested in Land and settled according to the Articles; the Court in that Case decreed a Performance of the Articles, but with this, that there should not be any Term in Trustees for the Raising of a Portion for the Daughter; but that the Estate subject to the Mother's Jointure, should go to the Daughter and her Heirs; and the Reason given by the Court was, that it was in vain to direct any such Term, since the Daughter was the Heir at Law, unless it were for the Benefit of an Administrator, to the Prejudice of the Heir, as that Case might happen, which the Court thought not reasonable.

Fourthly, It was insisted, if the Portion provided by the Marriage-Settlement was still a subsisting Charge upon the Estate; yet there ought to be but one Sum of 5000*l.* raised, and the later Provision should be taken to be in Lieu and Satisfaction of the Former, as had been adjudged in the Case of *Blois* and *Blois*, *Jesson* and *Jesson*, and in many other like Cases. *Ant. Ca.* 243, 244.

For the Defendant it was answered,

First, That this Case was not within the Reason of the Judgment given in the Case of *Pawlet* and *Pawlet*, for there the Portion which was to be out of Lands, was made payable at *Eighteen* or Marriage, and the young Lady happened to die unmarried, and before the Age of *Eighteen*

Ant. Ca. 67.

Eighteen, of which Age she wanted a Year at her Death; but in the principal Case, the Portion was not only *debitum*, but was also become payable in her Life-time, and therefore may be more properly resembled to the Case of the Earl of *Rivers* and Earl of *Derby*; but is in Truth a much stronger Case, for there being no Time appointed for the Payment of the Daughter's Portion; but the Term for raising of it being to commence upon the Decease of her Father, whom she survived, there although she died in her Infancy and unmarried, it was looked upon as an Interest vested, and went to her Administrator, and was so decreed in this Court, and affirmed upon an Appeal to the Lords in *Parliament*; and much more might the Portion in this Case be deemed an Interest vested, since it was made payable at a certain Time, and she survived the Time appointed for Payment thereof.

Secondly, Although the Inheritance descended and vested in her as Heir at Law, yet there could be no *Merger* of the Term, for that was lodged in Trustees; and where an Infant hath two Rights in her, this Court which is to take Care of Infants, will always preserve that Right, which is most beneficial to the Infant; and in this Case, it was for the Interest and Advantage of the Infant, that the Portion should be looked upon as a continuing and subsisting Charge, and not sink into the Inheritance; because it might have been a Means to have preferred her in Marriage during her Infancy, and before she was capable of making a Settlement of her real Estate; and likewise when of the Age of *Seventeen*, she was capable of disposing by Will her personal Estate, either for Payment of Debts, or in Legacies amongst her Relations; and in the Case of *Narbone* and *Narbone* that was cited, if the Infant had desired her Portion might have been raised, in order to prefer her in Marriage, or the like, no Doubt but the Court would have decreed it to be raised out of the Land. And in case there had been a Bill brought as on the Behalf of Mrs. *Thomas*, to have the

the Term assigned, so as it might have merged in the Inheritance; the Court would not have so decreed, because it would have been to the Prejudice of the Infant; and for that Reason in the Case of *Audley* and *Audley*, where the Committee of a *Lunatick* had invested Part of the *Lunatick's* personal Estate in a Purchase of Lands, when that Matter came to be controverted between the Heir at Law and the next of Kin, the Court there decreed that it should still be accounted as personal Estate; and the next of Kin consenting to accept the Lands at the Value they were purchased at; the Land was decreed to be sold accordingly; or otherwise the Committee must have been charged with the Money, and have disposed of the Land as he could. And so it was likewise adjudged in the Case of one *Dennis*, where the Guardian of an Infant took upon him to invest Part of an Infant's personal Estate in the Purchase of Lands. *Ant. Ca. 175.*

Thirdly, It was insisted by the Defendant's Counsel, that both the 5000 *l.* ought to be raised; for that the later Provision is not said to be in Lieu or Satisfaction of the former, and they are made payable at different Times; the 5000 *l.* by the Marriage-Settlement at *Eighteen*, or Marriage; that of the Provision of the Father at *Sixteen*, or Marriage; if the Father had married a second Wife, and had Issue Male, yet the 5000 *l.* by the Marriage-Settlement must have been raised; but the later 5000 *l.* was not to arise but in Failure of Issue Male of the Body of the Father, as well of the first, as of any other after taken Wife: And as the Daughter by the first Wife was to have 5000 *l.* although the Father should have had one or more Sons by a second Wife; so in Case he should have no Son at all, but only Daughters by a second Wife, or should think fit to give the Estate to any collateral Heir, it might be reasonable to augment and double the Daughters Portion; and that might be a sufficient Reason to induce the Father to make this fur-

ther Provision for his Daughter: And as it is not declared that the later Provision was intended to be in Lieu and Satisfaction of the Former, there was nothing in the Deed that lead to such Construction, nor that necessarily implied any such Matter, but rather the Contrary; being not only made payable at several Times as aforesaid; but also different Sums appointed for Maintenance, until the Portions were payable. And the Case of *Duffield* and *Smith* was cited, where the Daughters had Portions charged upon Lands, and their Brother afterwards by Will gave them his personal Estate, and devised the Lands to a Kinsman of his Name; although the personal Estate so devised was of better Value than their Portions; yet upon an *Appeal* to the Lords in *Parliament*, it was adjudged they should have both the one and the other.

Post. Ca. 418. The Lord Chancellor was of Opinion, that as the Term in Law was not merged, so neither was the Trust determined or extinguished in Equity, but remained still a subsisting Charge upon the Estate, and ought to be raised and paid to the Lady *Kemish*, who had Administration with the Will annexed.

And likewise held, that only one 5000*l.* with the Maintenance ought to be raised, and the Defendant to take by which of the two Settlements she thought most to her Advantage; but to discount what Profits were received from the Death of Mr. *Thomas* the Brother: The 5000*l.* to carry Interest from the Time it was payable.

Note; This Decree was afterwards affirmed upon an Appeal to the Lords in *Parliament*.

Henningham versus Henningham.

Case 321.

BY a Settlement in 1675, both the Estates, (to wit) the *Norfolk* and *Suffolk* Estates were made subject and liable for the raising of 2000 *l.* for the Portion of the Defendant *Abigail Henningham*, by a Term for Years that was to commence upon the Determination of the Estates then in Being; both the Estates respectively being then subject to Jointures, and other Estates for Lives. The *Suffolk* Estate by the Limitations of the Settlement being come to the now Plaintiff *Mr. Henningham*; it so happened that the Lives on the *Suffolk* Estate happened first to die, and *that* Estate falling first into Possession, and the Term first taking Place upon that Estate, the now Defendant had brought a Bill and obtained a Decree that the Term should be sold for raising of her Portion. *Mr. Henningham* to prevent the Sale of the Term, paid the 2000 *l.* and Interest; and now brought his Bill to be reimbursed a Proportion of the 2000 *l.* and Interest out of the *Norfolk* Estate, which was lately since that Decree descended upon the Defendant; so that now she, who before was intitled only to a Sum of 2000 *l.* charg'd upon both the Estates, was intitled to the Inheritance of the *Norfolk* Estate.

the Life on the *Norfolk* Estate fell, and the Fee-simple thereof descended to the Daughter. *J. S.* that paid the 2000 *l.* shall have Contribution out of the *Norfolk* Estate, in Proportion to its Value, only the *Suffolk* Estate shall be valued as an Estate in Possession, and the *Norfolk* Estate as an Estate in Reversion.

By a Settlement, two Estates, one in *Norfolk*, and the other in *Suffolk*, are subjected to the Raising of a Portion of 2000 *l.* to a Daughter, by a Term of 500 Years, commencing after the respective Decease of two several Lives; one Life upon the *Suffolk* Estate, and the other upon the *Norfolk* Estate. The Life on the *Suffolk* Estate fell, and the Daughter bringing her Bill for the 2000 *l.* *J. S.* to whom that Estate was come, paid the 2000 *l.* Afterwards

The Lord *Chancellor*, assisted with the Master of the *Rolls*, held, that what was now asked by the Plaintiff was consistent with the former Decree, by which the Term that covered both the *Norfolk* and *Suffolk* Estates was to be sold to raise the Portion, and the Plaintiff having paid the whole, was intitled to demand Contribution from the *Norfolk* Estate, the Inheritance where-
of

of was now vested in the Defendant her self, and decreed each Estate to bear its Proportion. But with this, the Term being to commence and take Place as the former Estates fell in, and the Lives upon the *Suffolk* Estate first dying; in the adjusting what Proportion each Estate was to pay, *that* is to be valued as an Estate in Possession, and the other an Estate in Reversion; and so to value what the Term upon each Estate respectively was worth to be fold.

Case 322.

Arthington versus Fawkes & al'.

Lord incloses Part of the Common, infisting it was an Improvement within the Statute of *Merton*, and that he had left sufficient Common for the Tenants.

The Tenants throw open

the Inclosure by Force. Court grant an Injunction, and at hearing direct Issues, whether the Defendant had a Right of Common; and whether sufficient Common left.

THE Lord of a Manor having inclosed Part of a Common, and the Tenants by Force throwing open the Inclosures, brought his Bill to quiet him in Possession, surmising he had only improved according to the Statute of *Merton*, and had left a Sufficiency of Common; but that some of the Defendants (although they pretended to have a Right) were not intitled to Inter-Common upon the Waste in Question.

Ant. Ca. 290.

Upon the Hearing, two Issues were directed to be tried at Law.

First, As to some of the Defendants, whether they had Right of Common there.

Secondly, Whether there was sufficient Common left beyond what was inclosed.

And the Injunction was continued in the mean Time, although a new Inclosure, and made not above *two* Years before the Bill exhibited.

D E

Term. S. Trinitatis,

1698.

IN CURIA CANCELLARIÆ.

Stratton versus Grymes.

Case 323.

MR. *Stratton*, a Citizen and Freeman of *London*, having Issue a Son and a Daughter, devises two Thirds of his legatory Part to his Daughter; but if she married without the Consent of her Mother, then her Brother to have 500*l.* of what he had so devised to his Daughter.

Devise of a Legacy to a Daughter; but if she marry without her Mother's Consent, then 500*l.* of the Daughter's Legacy to go to the Son. The Daughter marries without the Mother's Consent, the Son shall have the 500*l.* *Ant.* Case 284. *Post.* Case 415.

The Daughter marries without the Consent of her Mother.

Per Cur. This is not to be taken as a Clause *in Terrorem* only, but the five Hundred Pounds upon her marrying without the Consent of her Mother, is well de-

vifed over, and an Intereft vefted in her Brother, who in this Cafe muft be looked upon as a Perfon the Teftator confidered, and had in his Thoughts, as to what Provifion he was to have, and what Benefit to take by his Will, as well as the Daughter; and this is according to the Difference taken by the Lord Chief Juftice *Hale*, in the Cafe of Sir *Henry Bellafis*, and in the Cafe of *Davis* and *Hatton*.

D E

Term. S. Michaelis,

1698.

In CURIA CANCELLARIÆ.

*Hooley versus Booth & al'.*Case 324.
Novemb. 9.

Anthony Booth having Issue a Son by the first *Venter*, and *two* Sons and *six* Daughters by a *second* Wife, settles his Estate in Question on his eldest Son by his second Wife in Tail Male, Remainder to his second Son by his second Wife, and the Heirs Males of his Body; and in Default of such Issue, to the Son by his first Wife. Provided, if both his Sons by the *second* Wife died without Issue Male, so that the Estate came to his eldest Son, that then his eldest Son, or his Heirs, should, within *four* Months after the Estate came to him or them, pay 1000*l.* to his Daughters; or in Default, the Trustees therein named to enter and raise it.

One devises Lands to his Son by his second Wife in Tail Male, Remainder to his eldest Son by his first Wife. Provided, that if the Land should come to his eldest Son, that then he or his Heirs, should pay 1000*l.* to the Testator's Daughters within four

Months after the Estate should come to them, and in Default of Payment, the Trustees to enter and raise the Money. The Son by the first Wife dies, leaving a Son. The Son by the second Wife suffers a Recovery of a Moiety of the Lands, and dies without Issue; so that the Moiety only of the Premises, comes to the Son of the Son by the first Wife. Though no Part of the Premises ever came to the eldest Son; yet the Moiety of the Lands shall be liable to the Payment of the whole 1000*l.* without any Apportionment.

George, one of the Sons by the *second Venter*, enters and levies a Fine and suffers a Common Recovery; but his Mother being then living, who had a Jointure in a Moiety of the Estate; the Recovery as to that Moiety was void, there being no Surrender made of her Estate for Life; and she being since dead, and both her Sons dying also without Issue, one Moiety of the Estate by Virtue of the said Settlement, came to the Grandson of *Anthony Booth* being the Son of his Son by his first Wife.

The Bill was by the Daughters to have the *one Thousand Pounds* raised.

The Defendants Counsel made two Objections to the Plaintiffs Demand.

First, That the Estate never came to *Anthony* the eldest Son by the first Wife, for he died in the Life-time of his Brothers of the half Blood; but they afterwards dying without Issue, one Moiety of the Estate came to the Son of *Anthony*; but not coming to *Anthony* himself, the Charge of 1000 *l.* according to the Words of the Proviso did not arise, or attach upon the Estate.

But that Objection was over-ruled by the Court, the very Proviso being, that if the two Sons by the second Wife died without Issue Male, that his eldest Son, or his Heirs, should within *four Months* after the Estate came to them, pay, &c.

Secondly, It was objected, that in Regard the whole Estate did not come to *Anthony* or his Heirs, but a Moiety only, there did not accrue to the Defendant so great a Benefit, as was intended him, and in Respect whereof he was to pay the 1000 *l.* and therefore the Charge ought not to arise at all; the Moiety that was conveyed away under the Common Recovery, being better worth
than

than 1000*l.* or if the Defendants Moiety ought to be charged with any Thing; yet at most it ought to be but with a Moiety of the 1000*l.*

But this *Objection* was also over-ruled by the Court, for that the 1000*l.* was a legal subsisting Charge, and the Daughters did not claim under, but paramount, *George*, who suffered the Common Recovery, and therefore there was no Apportionment, but the Daughters were intitled to the Whole.

Bayley versus Powell.

Case 325.
Decemb. 6.

Elizabeth Burges by Will gave several Legacies therein specified, to all her next of Kin by Name; and likewise gave particular Legacies to *Mead* and *Powell* two Dissenting Ministers, and made them her Executors; but did not make any express Disposition of the Surplus of her personal Estate.

Devise of express Legacies to the Executors, and also to the next of Kin; and no Disposition of the Surplus. How the Surplus shall go.

The Question was, whether the Executors must retain it to their own Use, or should be obliged to distribute it to the next of Kin.

The Case of Sir *William Basset* cited as a much stronger Case, where he had devised his Lands to his Executors, to be sold for Payment of Debts; and further Wills, that if there should be any Surplus after his Debts were paid, it should be deemed Part of his personal Estate, and go to his Executors; yet even in this Case, they were decreed to account and pay over the Surplus to the next of Kin.

D E

Term. S. Trinitatis,

1699.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Case 326. *John Dafforne and Thomas Dafforne ver-*
July 27. fus Goodman and Bolt & al'.

One possessed of a Term for Years, on his Marriage assigns it to Trustees, in Trust for himself for Life, Remainder to his Wife for Life, Remainder to the Heirs of the Body of the Wife by the Husband.

They have a Son. This is a good Limitation to the Heirs of the Body of the Wife, and they are Words of Purchase, and not of Limitation.

John Bolt possessed of a Term for *Ninety-nine* Years of *Peachy* Farm, in *Hallow* in *Worcestershire*, held by a *Lopus* Lease of the Bishop of *Worcester*, Feb. 23, 1680, on his Marriage with *Apoline* his Wife, assigns the Term to Trustees in Trust for himself for Life, Remainder as to a Moiety to *Apoline* his intended Wife for Life for her Jointure, Remainder to the Heirs of the Body of *Apoline* by him to be begotten, Remainder as to the other Moiety to the Children of the Body of *Apoline*.

John Bolt died, leaving Issue by *Apoline*; the Defendant *Bolt*; *Apoline* married a *second* Husband, by whom she had Issue a Son *Thomas*, and died. *John Dafforne* her Husband took Administration to *Apoline* his Wife, who together with *Thomas Dafforne* his Son, brought their Bill against

against *Goodman* the Trustee, to compel him to assign over the Term to them, and account for the Profits.

For the Plaintiff it was insisted, that the Trust as to a Moiety being that the Trustees should permit *John Bolt* to receive the Profits for Life, Remainder to *Apoline* for Life, and then in Trust to permit the Heirs of the Body of *Apoline*, by *John Bolt* to be begotten, to receive the Profits during the Residue of the Term; that thereby *Apoline* became Tenant in Tail, and the whole Term vested in her, and consequently belonged to the Plaintiff *John Dafforne*, as her Administrator.

But the Lord Chancellor held, that the Case of *Peacock and Spooner*, settled on an Appeal to the House of Peers in Nov. 1689, by which the Decree of this Court made in 1688, was reversed, must govern this Case: There the like Limitation to the Heirs of the Body of the Wife by the Husband to be begotten, adjudged to be taken as Words of Purchase, and not as Words of Limitation, and that on View of that Precedent, his Lordship had lately decreed accordingly in a like Case; and said it would be in vain to make a Decree, to be reversed on an Appeal, and therefore dismissed the Bill as to that Moiety.

As to the other Moiety limited to the Children of the Body of *Apoline*, it was insisted, that the Plaintiff *Thomas Dafforne*, as being a Child of her Body, though by a second Husband, was by the Words of the Trust intitled to a Share of that Moiety; and that it ought to be equally divided between him and the Defendant *Bolt*, the Son of *Apoline* by her first Husband, they two being the only Children of *Apoline*.

Children of the Body of the Wife. This shall be intended for the Children of the Wife by this Marriage, and not to let in her Children by another Husband.

But

But the Lord *Chancellor* dismissed the Bill as to that Demand also; for that it being the Estate of *John Bolt*, and the Settlement to the Purposes before mentioned being made on his Marriage; the Declaration of Trust for the Benefit of the Children of *Apoline*, must be intended the Children of that Marriage, and not as a Provision for any Child of her by any other Husband.

4

D E

Term. S. Michaelis,

1699.

In CURIA CANCELLARIÆ.

*Lawrence versus Lawrence Widow.*Case 327.
Novemb. 21.

MR. *Lawrence* by his Will devised some Legacies out of his personal Estate to his Wife, and devised to her Part of his real Estate during her Widowhood, and devised the Residue of his Estate to Trustees for *Twenty-one* Years, for Payment of Debts and Legacies; the Remainder of the whole Estate he devised to the Plaintiff, (who was his Godson, and of his Name, but a remote Relation) for Life, and to his first and other Sons in Tail, &c.

his first Son, &c. Whether, if the Wife accepts of this Devise, it does not bar her of her Dower.

Ore by will gives a Legacy to his Wife, and devises to her Part of his real Estate, during her Widowhood, and devises the Residue of his whole Estate to J. S. for Life, Remainder to

In this Case the Lord Chancellor *Sommers* was of Opinion, that although what was given to the Wife, was not declared to be in Lieu and Satisfaction of Dower, and although no Estate for Life was devised to her, but only during Widowhood; yet that in Equity it ought to be taken, that what was so devised was intended to be in

5 A

Lieu

Lieu and Satisfaction of Dower, and that it might be plainly collected and intended from the Will, that it was so intended, because he has thereby devised all other his real Estate to other Uses; and a collateral Satisfaction may be a good Bar to Dower in Equity, though not pleadable at Law, and decreed that she must either take her Dower, and wave the Devise, or accept the Devise, and wave her Dower. This Decree was afterwards reversed by *Lord Keeper Wright*.

Case 328.

Barnardiston versus Fane & al'.

One devises his Land to *J. S.* paying 1000*l.* to his Daughter. *J. S.* makes Default in Payment. The Daughter recovers in Ejectment. The Heir of *J. S.* brings a Bill, and is relieved on Payment of Principal, Interest, and Costs; though

Edward Rothwell having two Daughters and Heirs, devised his real Estate to his Kinsman *Sir Richard Rothwell*, paying 1000*l.* apiece to his two Daughters, within six Months after the Decease of his Wife. The Money not being paid, the Daughters who were the Heirs at Law brought an Ejectment, and recovered; the Plaintiffs claiming under *Sir Richard Rothwell* the Devisee, brought their Bill to be relieved, and obtained a Decree for that Purpose, paying what remained unpaid of the 2000*l.* with Interest and Costs.

to the Disinherison of an Heir, and in favour of a voluntary Devisee.

Although it was objected that *Sir Richard Rothwell* claiming only as a voluntary Devisee, ought not to be relieved in Equity against the Breach of the Condition, whereby to establish a Disinherison against the Defendants; but that he ought at his Peril to have taken Care to have performed the same; and that there being neither Purchaser nor Creditor in the Case, Equity ought not to assist a Devisee against the Heir, but the Law ought to take place; *sed non allocatur*.

Tabor versus Grover.

Cafe 329.
Nov. 13.

UPON an Appeal from the *Rolls*, the Cafe was, that a Mortgage was made of a Copyhold Estate by a Surrender thereof to one *Mabel Porter*, who was admitted Tenant, and died in 1690, *Thomas Porter* her Son and Heir, and Executor entred, and was also admitted. And by his Will, but without any Surrender to the Use of his Will, devised to the Plaintiff, who was also Administrator *de bonis non* to *Mabel Porter*.

A Mortgage in Fee, tho' two Descents cast, and tho' more due upon it than the Value, and tho' the Mortgagee by Answer says he'll not redeem; yet it shall go to the Executor, and not or released.

to the Heir, the Equity of Redemption not being foreclosed,

The Defendant was Heir at Law both to *Mabel* and *Thomas Porter*, and would have this to be taken as a real Estate, being so long since forfeited, and two Descents cast, and more due than the Value of the Estate, and the Mortgagors by Answer refusing to redeem, and submitting to be foreclosed; and the Devise of *Thomas Porter* to the Plaintiff void at Law, for want of a Surrender to the Use of the Will.

But decreed at the *Rolls* to the Plaintiff as Administrator *de bonis non* to *Mabell Porter*; and the Decree was affirmed upon the Appeal, there being no Foreclosure, nor Release of the Equity of Redemption.

Tredway versus Fotherley.

Cafe 330.
Novemb. 27.

THE Plaintiff was a Copyhold Tenant of Inheritance, in the Manor of *Rickmondsworth* in *Hertfordshire*, of which the Defendant was Lord, and to secure 700*l.* borrowed

Copyholder in Fee makes a conditional Surrender for securing a Sum of Money at

the End of six Months. Money not being paid, and Mortgagee willing to continue his Money, they desire the Lord that the old Surrender might be taken up, and a new one made for six Months longer. But the Lord insisted the Mortgagee should come in and be admitted, and pay a Fine of two Years Value. Equity will not relieve against the Lord

borrowed of *Grove*, surrendered to him his Copyhold, to be void if repaid in *six* Months. At the End of the *six* Months the Mortgagee being willing to continue his Money on that Security, desired the old Surrender might be taken up, and a new one made for *six* Months longer, but the Lord refused to accept the new Surrender; but insisted the Time for Payment upon the first Surrender being elapsed, *Grove* the Mortgagee ought to come in and be admitted, and take up the Estate, and pay an arbitrary Fine of *two* Years Value, and for that Purpose called Courts, and caused Proclamations to be made, &c. but before the third Court the Bill was exhibited, complaining of this as an unjust Proceeding in the Lord, to gain to himself an arbitrary Fine, and to oppress his Tenant, and to enforce *Grove* to take the Advantage of the Forfeiture of the Mortgage, though he did not desire it; but was willing to accept of a new conditional Surrender.

The Court refused to make any Decree in Favour of the Plaintiff, save only to try it at Law, (if he thought fit,) whether the Lord was by the Custom of the Manor bound to renew the Surrender, or to accept the *second* Surrender; if not, although a hard Case, yet was not to be relieved in Equity. This being the Opinion of the Court, the Matter was afterwards ended by Compromise, and a Fine of 40 *l.* paid to the Lord, the Estate being 100 *l.* *per Ann.*

Case 331.
Eodem die.

Allen versus Sayer.

A. devises
Lands to
Trustees un-
til Debts
paid, and
then to an
Infant and
his Heirs.

J. S. seised of the Lands in Question, devised them to Trustees *until* Debts paid, then to the Plaintiff *Allen* and his Heirs; *Allen* being then an Infant, the Defendant
f^r entred

Defendant enters and levies a Fine, and *five* Years pass. Infant when of Age brought an Ejectment, but was barred because the Trustees should have entred. Equity will relieve, and not suffer an Infant to be barred by Laches of the Trustees; nor to be barred of a Trust Estate during his Infancy. The Infant in this Case shall recover the mean Profits.

entred on the Estate, and levied a Fine in 1678, and *Non-claim* passed; the Plaintiff when of Age brought an Ejectment, and was Nonsuit by the Fine and *Non-claim*, and now brought his Bill to be relieved for Possession, and an Account of Profits.

And altho' the Fine and *Non-claim* was a good Bar at Law, the legal Estate being in the Trustees, who were of full Age, and ought to have entred; yet the Plaintiff ought not to suffer for their Laches, being an Infant; and as soon as of Age made his Entry, and brought his Ejectment, and likewise his Bill in this Court, before five Years incurred after he attained his Age. And the Court decreed the Possession, and an Account of Profits, declaring the Fine and *Non-claim* should not run upon the Trust in the Infant's Minority, nor he suffer for the Laches of his Trustees.

Note; It did not appear whether the Debts were all paid, nor whether the Plaintiff became intitled to the Possession.

Parker versus Blackbourne.

Cafe 332.

ONE of the Defendants, a necessary Party, having been a Lodger in London, and not now to be found; the Plaintiff obtained an Order that Service of Process to appear and answer at his last Place of Abode, should be deemed good Service, and left the same at the House where he so lodged, and carried on the Process to a *Sequestration*, and then brought on the Cause against the other Defendant *Blackbourne*; who insisted that if the Plaintiff ought to be relieved against him, he ought to have a Decree over against the other Defendant; and therefore he was concerned to see the Proceeding was regular, and insisted that it being above *twelve Months* since

Leaving a *Subpœna* to appear and answer at the Lodgings of a Defendant, who was not to be found, not good Service, tho' an Order was obtained for that Purpose, it appearing afterwards that the Defendant had left his Lodgings above a Year before the *Subpœna* served.

since the other Defendant had left that Lodging; the Service was not good, and the Court was of that Opinion.

Cafe 333. *Draper & al' verſus Borlace, Ive and Hill.*

A Counſel having a Statute from *A.* adviſes *B.* to lend *A.* 1000*l.* on a Mortgage, and draws the Mortgage with a Covenant againſt all Incumbrances, and conceals his own Statute. The Statute ſhall be poſtponed to the Mortgage.

Draper, Naylor and Hill having lent *Borlace* 8000*l.* *Naylor* 3000*l.* *Draper* 3000*l.* and *Hill* 2000*l.* on a Mortgage in Fee of his Manor of *Trehudro*, and on a Statute of 16000*l.* Penalty, as a farther Security; the ſaid *Hill* being a Counſellor of *Lincolns-Inn*, was afterwards adviſed with by *Mr. Ive* in lending of 2000*l.* to *Borlace* on a Mortgage of the Manor of *Gargoll*, being a Leaſe for three Lives held of the Biſhop of *Exeter*, *Mr. Hill* encouraged *Ive's* Lending of the Money, drew the Mortgage, and therein was a Covenant that the Eſtate was free from Incumbrances, making no Mention of the Statute, *Trehudro* being ſuppoſed to be deficient. The Queſtion was, whether *Hill* ſhould be admitted to take Advantage of the Statute to leſſen *Ive's* Security upon *Gargoll*.

Per Cur. If he who only conceals his Incumbrance ſhall be poſtponed, much more ought *Mr. Hill*, who was intruſted as Counſel by the Mortgagee, and encouraged the Lending of the Money, and drew the Deed with Covenant that the Eſtate was free from Incumbrances; and decreed that *Ive* ſhould be ſatiſfied his 2000*l.* out of *Gargoll* before *Hill* ſhould charge the ſame with his Statute.

Cafe 334.
Decemb. 8.

Penbay verſus Hurrell.

A. ſeiſed in Fee, by Deed and Fine conveys the Lands to the Uſe of Trustees for 70 Years if *A.*

ſo long live, Remainder to Trustees for 3000 Years, and after the Death of *A.* then to his Son *B.* Whether the Remainder to *B.* is good.

Roger Hurrell ſeiſed in Fee, had Iſſue *Sampſon Hurrell* his eldeſt Son, and by Deed and Fine conveys to Trustees for ſeventy Years, if *Roger Hurrell* ſhould ſo long live,

live, Remainder to Trustees for 3000 Years, and from and after the Death of *Roger* the Father, to *Sampson* the Son for Life, and to his first and other Sons in Tail Male, Remainder to *Henry second* Son of *Roger* for Life, and to his first and other Sons in Tail Male, with other Remainders over. *Roger* the Father, and *Sampson* his Son, by Deed and Fine, convey to the Plaintiff.

Question whether the Remainder to *Sampson* for Life, and to his first and other Sons in Tail Male, Remainder to *Henry* for Life, and his first and other Sons in Tail, were good or void Remainders. If void, Plaintiff well intitled as a Purchaser: The Objection was, that an Estate of Freehold was to commence *in futuro*, for the first Freehold Estate is limited to *Sampson*, which is not to arise until the Expiration of the Terms, and after the Death of *Roger*; and no Estate for Life limited to *Roger*, unless an Estate for Life shall be supposed to result back to *Roger*.

For the Plaintiff it was insisted, that the Conveyance here working by way of Transmutation of Possession, no Estate for Life can result, nor arise by Implication of Law; as there may in a Covenant to stand seised, or in a Will; but where a Conveyance works by Transmutation of Possession, no Estate results, or arises but by express Limitation.

For the Defendant it was insisted, that every Man is supposed to be seised of the Estate and of the Use, and where he conveys by Deed and Fine, or Feoffment, if no Use is declared, the Whole results back; and Uses at Law are the same as Trusts now; and in the Case of *Webb* and *Cranmer* resolved upon an Appeal to the House of Lords, that no Trust being declared during the Life of the Duke of *Southampton* (but only from and after the Decease of him and his Wife without Issue, and she being dead without Issue, and the Duke yet living) that
during

during his Life the Trust resulted, and descended to the Heirs at Law of Sir *Henry Wood*.

Whereunto it was replied by the Plaintiff's Counsel, that if what the Defendants Counsel contend for should be admitted; *viz.* that whatever Use is not declared or disposed of, either remains in the Party, or results back; *that* would put an End to all Questions on contingent Remainders; and all Vacancies in Settlements, shall be supplied by that Notion of a resulting Use; and even in the Case of a Will, where there is an express Estate limited to the Party; as in this Case a Term for *seventy* Years to the Trustees, if *Roger* so long lives, he cannot have any other, or greater Estate by Implication.

Moor 284.
3 Cr. 321.
Raym. 228.
1 Rol. 238,
317, 438.

The Cases of *Fenwick* and *Mitford*, and *Pibus* and *Mitford*, before Chief Justice *Hale*, *Lane* and *Pannell*, *Roll's first Rep.* and the Case of *Speed* and *Davis* cited.

The Court took Time to consider of it.

D E

Term. S. Hillarii,

1699.

In CURIA CANCELLARIÆ.

*Halfpenny versus Ballet.*Case 335.
Feb. 9.

ON Marriage treated to be had between the Plaintiff and the Defendant's Daughter, an Agreement was reduced into Writing and signed by the Plaintiff, and delivered to *Ballet* to be signed by him, but he by Answer denied he ever signed it, but tore it being dissatisfied with it, in some Particulars; but his Objections not being to any material Parts of the Agreement, and he having permitted the Plaintiff to Court his Daughter, and the Marriage being afterwards had, and he not declaring his Dislike until asked for Payment of the Portion, and permitting the young Couple to live with him; the *Master* of the *Rolls* decreed the Agreement and Payment of the Portion.

A Marriage treated betwixt Plaintiff and Defendant's Daughter, and the Articles signed by the Plaintiff, but not by the Defendant; but the Defendant permitting the Plaintiff to Court his Daughter; and not declaring his Dislike to the Marriage, and permitting the

young Couple to live with him. Court decreed the Defendant to pay the Portion according to the Articles.

5 C

D E

D E

Term. S. Trinitatis,

1700.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Cafe 336. *Pilkington* versus *Shaller* and *Jefferies*
June 3. & al.

Lease for Years subject to a Ground-Rent, is assigned over by way of Mortgage to J. S. for 100 l. The Mortgagee never entred and lost the 100 l. Mortgage-Money, and is sued by the Lessor for the Ground-Rent. No Relief, it being his own Fault, to take the Mortgage by way of Assignment, and not by way of Under-lease.

THE Plaintiff lent to one *Richardson* 100 l. by way of Mortgage on an Assignment of a building Lease; and although she never entred nor took Possession, and lost the 100 l. lent; yet the Defendant had recovered against her, as Assignee, the Rent reserved on the Lease.

Ant. Ca. 260. The Plaintiff's Bill was to be relieved against the Recovery at Law, and although a hard Cafe, could not be relieved; but the Bill was dismissed, she being ill advised to take an Assignment of the whole Term; whereas if she had taken only a derivative Lease, she could not have been liable to the Rent reserved on the first Lease.

Constable

Constable versus Constable & al'.

Case 337.

UPON the Hearing of this Cause on *June 25,* 1695, a Question arising upon the Custom of the *Province of York*, touching the Distribution of the personal Estate of the Father; an Issue was directed to be tried at Law, whether the Father having by Settlement on his Marriage settled his real Estate to himself for Life, Part to his Wife for her Jointure, the Remainder of the whole to his *first*, and other Sons in Tail, Remainder to his own right Heirs; the eldest Son was thereby excluded by the Custom of the *Province of York*, from having any Share of his Father's personal Estate; and it being found that he was thereby debarred and excluded, and the Cause coming now to be heard on the Equity reserved, it was decreed accordingly.

By a Marriage Settlement *A.* is Tenant for Life, Remainder as to Part to his Wife, for Life, Remainder as to the whole to the first Son, &c. in Tail. By Custom of *York* the eldest Son by Means of this Settlement is excluded from a Share of his Father's personal Estate.

Lord Culpepper versus Fairfax & ux' & al'.

Case 338.
June 8.

THE Plaintiff's Bill being to be relieved touching an Annuity charged on the Estate of the Defendant's Wife; Mr. *Cheney Culpepper*, the Plaintiff's Brother, was examined as a Witness for the Plaintiff. It was objected against his Evidence, that he was concerned in Interest, having the like Annuity by the same Deed charged upon the Estate, which was in Fact true; but the late Lord *Culpepper* had made him another Satisfaction in Lieu of it, and he had released his Annuity; but *that* not appearing by any Proof in the Cause, the Court put off the Hearing, and gave the Plaintiff Liberty to examine Witnesses to prove that *Cheney Culpepper* had released his Annuity, before he was examined as a Witness in the Cause.

A. and *B.* claiming, each of them, a Rent-charge out of Land, by the same Deed, *B.* can be no Witness for *A.*'s Title to his Rent-charge, being a Party interested, until he has released his own Rent-charge.

Spearing

Cafe 339.
June 12.

Spearing & ux' verſus Lynn.

A Miſtake in the Title of an Order amended, though to charge a Surety that gave a Recogniſance to abide the Order of hearing.

A Recogniſance to abide ſuch Order as ſhould be made upon the Hearing of the Cauſe, being put in Suit againſt *Field of Hatton-Garden* Vintner, who was one of the Securities. It fell out, that in the Title of the Order for confirming of the Report, the Words *& ux'*, were omitted, the Defendant at Law took Advantage thereof, and pleaded there was no ſuch Order made in the Cauſe; the Plaintiff perceiving the Miſtake, obtained an Order from the *Maſter* of the *Rolls* to amend the Title of the Order, by adding the Words, *& ux'*, and the ſame was afterward confirmed by the Lord Keeper.

Cafe 340.
June 17.

Biſhop of Oxon verſus Leighton & al'.

A. on his Marriage conveys his Land to a truſtee to the Uſe of himſelf for Life, Remainder to his Wife for Life, Remainder to the Heirs of their two Bodies, Remainder to *A.* in Fee. Proviſo, that in Default of Iſſue of the Marriage the Truſtee ſhall convey to ſuch Uſes as the Survivor ſhould appoint. Altho' the Husband deviſes the Land and dies firſt without Iſſue, yet the Wife has a good Power of diſpoſing of the Eſtate by her Appointment.

T *Thomas Powell* on the Marriage of his Wife, by Leaſe and Release conveyed to *Holland* and his Heirs, to the Uſe of himſelf for Life, to his Wife for her Jointure, Remainder to the Heirs of *Powell* on the Body of his Wife to be begotten, Remainder to the right Heirs of *Thomas Powell*. Proviſo, that in Default of Iſſue of their Bodies, *Holland* ſhould convey to ſuch Uſes as the Survivor ſhould appoint. *Thomas Powell* deviſed to the Defendant *Leighton* and his Heirs. The Wife ſurvived, and appointed *Holland* to convey to Sir *Francis Winnington* and his Heirs, to the Uſe of her ſelf and her Heirs; and ſhe by Will deviſed to the Plaintiff and his Heirs. The Plaintiff could not recover at Law, by Reaſon that *Holland* had not made ſuch Conveyance as Mrs. *Powell* directed.

Lord Keeper: The Lord *Dyer's Scintilla juris* remains in *Holland*, and although the Proviso be unskilfully penned, it amounts unto a Power of revoking, and limiting new Uses; and decreed the Defendant to admit that *Holland* had conveyed according to the Wife's Appointment, prior to the Will of the Wife, by which she devised to the Plaintiff.

The Case of *Jenning* and *Hellier* cited, where the Devise was, if the Son die before *Twenty-one*, or without Issue, I give and devise the Premises to *J. S.* Adjudged on a special Verdict, that if the Son die before *Twenty-one*, although he leave Issue, the Issue shall not take, but the Remainder-Man; and the Case of *Saul* and *Gerrard* in *Cro.* and *Price* and *Hunt* in the Exchequer, and *French's* Case in *Dyer*, insisted upon by Justice *Powel*.

One devises if his Son dye before 21, or without Issue, that the Lands shall go to *J. S.* The Son dies before 21, but leaves Issue, *J. S.* shall have the Land. *Post. Ca.* 356. 3 Cr. 525.

Procter & al' versus Cowper.

Case 341. June 22, 1700.

THE Bill was to redeem a Mortgage made in 1642, the Mortgagee entred in 1650, *three* Descents on the Defendant's Part, and *four* on the Part of the Plaintiff; yet the Length of Time being answered for the greatest Part by Infancy or Coverture; and forasmuch as in 1686, a Bill was brought by the Mortgagee to foreclose, and an Account then made up by the Mortgagee, the Court decreed a Redemption, and an Account from the Foot of the Account in 1686.

Mortgagee admitted to redeem a Mortgage made in 1642, after 3 Descents on the Defendant's Part, and 4 of the Plaintiff's Part. Length of Time answered by Infancy and Coverture,

and an Account made up by the Mortgagee in 1686.

Cafe 342.
June 26,
1700. *Wray Bar. & al' versus Lady Williams.*

SIR *Griffith Williams* grants a Term for *Ninety-nine* Years to Mr. *Buckley*, as a collateral Security for other Lands he had sold him. Sir *William Williams* the Son of Sir *Griffith* entred, and dying, the Defendant his Widow recovered a *Third* of those Lands for her Dower. The Bill was to be relieved against that Recovery in Dower.

Cafe 343.
June 29. *Darrel versus Molesworth.*

Divers Legacies given by a Will, and the Will is, that if any Legatee died before his Legacy was payable, it should go to his Brothers and Sisters; and Sisters; a Legatee died in the Testator's Life-time; no lapsed Legacy, but shall go to his Sister.

A Legacy of 50*l.* is given to *Darrel Trelawny* at 21, or Marriage, 50*l.* to *Elizabeth Trelawny* at *Twenty-one* or Marriage; and in the Close of his Will the Testator adds, if any Legatee died before his Legacy was payable, the same should go to the Brothers and Sisters of such Legatee; *Darrel Trelawney* died in the Life-time of the Testator; adjudged it was no lapsed Legacy, but should go to his Sister.

Cafe 344.
June 28. *Tilly Mil' versus Wharton & econtra.*

New Trial granted by the House of Lords.
Post. Ca., 382. **W**Harton on a Plea of *non est factum*, had obtained a Verdict on a Bond of 3000*l.* Penalty for Payment of 1500*l.* and there not being sufficient personal Assets, *Wharton* brought a Bill to have a Trust of Lands executed in Aid of the personal Estate. The Defendant insisted the Bond was forged, and had made a strong Proof of it; but *that* being the Point tried at Law, the Court would not enter into the Proof thereof, or permit the

the Depositions to be read: But admitted if the Witnesses had been convicted of Perjury, or the Party of Forgery, that might have been a just Ground for Relief in Equity, especially since the Prosecuting of Attaints was become in a Manner impracticable; but upon an Appeal to the *House of Peers*, a new Trial was directed, and the Bond found to be forged.

If a Witness be convicted of Perjury, or the Party of Forgery, good Cause for a new Trial.

Arethusa Lady Dowager Clifford versus Earl of Burlington Lord Clifford & al. Case 345. *Eodem die.*

THE Lord Clifford by Marriage-Settlement was made Tenant for Life, of several Manors and Lands in Ireland, with Power to make a Jointure not exceeding 1000 *l. per Ann.* upon his Marriage with the Lord Berkeley's Daughter, he covenanted to settle a Jointure on her of 1000 *l. per Ann.* and pursuant thereunto a Settlement was made, and a Particular of Lands mentioned, and set out for the Jointure, and which in the Particular given him, were computed at 1000 *l. per Ann.* but in Truth fell short, and were not above 600 *l. per Ann.* the Bill was to have the Jointure made up 1000 *l. per Ann.*

Tenant for Life with Power to make a Jointure of 1000 *l. per Ann.* upon Marriage, covenants to make a Jointure on his Wife of 1000 *l. per Ann.* Afterwards gives a Particular of Lands mentioned to be 1000 *l. per Ann.* which are settled

for the Jointure, but prove to be but 600 *l. per Ann.* Decreed the Jointure to be made up 1000 *l. per Ann.* by the Issue in Tail.

It was insisted for the Defendant, that he claimed under the Marriage-Settlement as a Purchaser, and the late Lord Clifford had only a Power to have charged the Estate with 1000 *l. per Ann.* if he had not done it at all, and had died without executing of his Power, a Court of Equity could not have done it for him, and have raised a Jointure of 1000 *l. per Ann.* upon the Estate, tho' it had been reasonable and just for him to have done it in his Life-time. So if he had executed his Power but in Part, that cannot be extended or carried further in

Tenant in Tail covenants to settle a Jointure and dies, Issue in Tail not bound by the Covenant.

in Equity. If Tenant in Tail covenants to make a Jointure although he might have done it by a Fine or *Common Recovery*, a Court of Equity cannot relieve, or decree a Jointure.

But the Court in this Case decreed the Jointure to be made up 1000 *l. per Ann.* against the Issue in Tail, who was not privy to the Marriage-Treaty, nor guilty of any Fraud.

Eyton versus Eyton.

Case 346.
July 6.

Defendant suppresses a Marriage-Settlement, whereby a Remainder in Tail is limited to Plaintiff's Father, all prior Estates being spent. Decreed Plaintiff to hold and enjoy the Estate.

THE Defendant having suppressed a Marriage-Settlement by which a Remainder in Tail Male was limited to the Plaintiff's Father, and all the prior Estates spent: Upon Proof made that the Settlement came to the Defendant's Hand, and that he had confessed it in an Answer to a former Bill, though he now denied it; the Master of the *Rolls* decreed the Plaintiff should hold and enjoy the Estate; and this Decree was confirmed upon an Appeal to the *Lord Keeper*.

Dr. Steward versus East-India Company.

Case 347.
July 10.

Bill to be relieved against an Award made by some of the Members of the *East-India Company*; and those Members, and the Arbitrators are made Defendants. They may demur to the whole Bill, without

BILL to be relieved against an Award made by some of the Members of the *Company*, touching the *Quantum* of Freight due to the Plaintiff, from the *Company*. The Arbitrators and some of the particular Members being made Defendants, they demurred to the whole Bill, because the Plaintiff could have no Decree against them, and their Answers would be no Evidence against the *Company*, and the Plaintiff might examine them as Witnesses. Demurrer allowed, without putting them to answer as to Matters of Fraud and Contrivance.

Jones

answering to the Fraud; for the Plaintiff can have no Decree against them, nor can their Answer be read against the *Company*; but they ought to be examined as Witnesses.

Jones versus Beale & al.

Cafe 348.
Octob. 20.

William Williams in 1681, devises 15 *l.* apiece to each of his Relations of his Father's and Mother's Side; and devises the Surplus of his Estate, after Debts and Legacies paid, to the Plaintiff, and made the Defendants Executors; he left several Cousin Germans on the Father's and Mother's Side, who were his nearest Relations. The Defendants the Executors paid *fifteen* Pounds to one *Dorothy Smith*, who was one of the Testator's Cousin Germans, and likewise *fifteen* Pounds apiece to *four* of her Children.

One devises 15 *l.* apiece to each of his Relations of his Father and Mother's Side, and gave the Surplus of his personal Estate to *A.* and makes *B.* Executor. *B.* the Executor, paid 15 *l.* to the Testator's Cousin German, and

man, and 15 *l.* apiece to her 4 Children. The Court allowed the Payment to the Children, and would not restrain the Devise to the Relations within the Statute of Distributions.

The Plaintiff insisted this was a *Male* Administration, as to what was paid to the Children; for that in Cases of such general and uncertain Devises, the Court had always restrained it to such Kindred, as would be intitled by the Statute for settling Intestates Estates; so that the Payment ought to have been only to the next of Kindred, which were the Cousin Germans, and not to their Children.

The Lord Keeper being attended with Precedents, allowed the 15 *l.* apiece to the *four* Children of *Dorothy Smith* to be well paid, as against the Plaintiff the residuary Legatee; and took Notice of the Case of *Arnold* and *Bedford*, where although it is mentioned in the Order that the Devise to the Kindred should be governed by the Statute for Distribution of Intestates Estates; yet there the Children of Brothers and Sisters were let in to receive a Share in the Life-time of their Parents, which is not allowable on a Distribution under the Statute.

D E

Term. S. Michaelis,

1700.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Case 349.
Octob. 24.*Champernoon versus Gubbs & al'.*

Plaintiff had
120 l. per Ann.
Rent-charge
settled for
her Jointure;
and there be-
ing a great
Arrear, and
not sufficient
Distress on
the Land;
Plaintiff
brought her
Bill that
the Defen-
dant, the
Devisee of the Inheritance, might set out sufficient Distress; or that the Plaintiff might hold and enjoy till paid the Arrears. *Cur.* when the Party has provided one Remedy, *viz.* by Distress, we will not give her another, unless some Fraud be proved in letting the Land lie fresh, or depasturing the Land in the Night-time only. *Post.* Case 354.

THE Plaintiff on her Marriage had a Rent-charge of one Hundred and twenty Pounds per Ann. settled on her in lieu of a Jointure, with Power of Distress; and there being no less than five Hundred Pounds Arrear, and no sufficient Distress to be found on the Land; the Bill was against the Devisee of the Inheritance, that a sufficient Distress might be set out, or that the Plaintiff might hold and enjoy the Land until satisfied the Arrears, and the growing Payments.

The Lord Keeper thought not fit to relieve the Plaintiff, declaring the Law never gives any other Remedy, than what the Party has provided for himself, and the Remedy here being only by Distress, and not to enter upon and hold the Lands, declared he could not relieve the

the Plaintiff, unless some particular Fraud had been proved; as letting the Land lie fresh, or depasturing it in the Night-time, on purpose to prevent a Distress; and if that were the Case, such Fraud by Tenant for Life ought not to turn to the Prejudice of the Remainder-Man, to charge the Land with Arrears, which incurred in the Time of the Tenant for Life, and declared he must dismiss the Bill.

The Defendant proposing that if the Plaintiff would quit the Arrears, he would pay all the growing Annuity and be decreed to pay it; her Counsel took Time to return an Answer to the Proposition.

Colchester versus Arnett.

Case 350.
Octob. 30.

BILL by the Landlord to compel the Defendant his Tenant at a Rack-rent to surrender his Lease, whereby to enable the Plaintiff to renew with the Church, the Plaintiff offering by his Bill, (as he had before done) as soon as the grand Lease was renewed, to make a new Lease to the Defendant for the Term then to come, and under the same Rent, &c.

Lessee of a Church-Lease, makes an Under-lease, and would have the Under-Lessee to surrender in order to enable him to renew with the Church.

There being no Covenant in the Tenant's Lease to surrender, the Court cannot compel him to do it.

Per Cur. There being no Covenant in the Under-lease to compel the Tenant to surrender to enable the Plaintiff to renew, Court cannot compel him thereunto, and dismissed the Bill.

Ferrars

Case 351.
O^rob. 26.

Ferrars versus Cherry & al'.

One Purchaser having Notice of a Settlement, whereby the Vendor was but Tenant for Life, Remainder to his first, &c. Son in Tail, and afterwards sells to one who had no Notice. Tenant for Life dies leaving a Son. Decreed the last Purchaser shall hold the Land; but the first shall account for the Purchase Money which he received, with Interest from the Death of the Tenant for Life.

THE Defendant purchased from the Plaintiff's Father and Mother the Lands in Question by Deed and Fine, whereby they conveyed to him and his Heirs; whereas pursuant to an Agreement made on their Marriage, the Estate was settled to the Plaintiff's Father for Life, Part to the Mother for her Jointure, Remainder of the Whole to the first and other Sons in Tail Male, &c. and it appeared by the Proofs in the Cause, that the Defendant *Cherry* had Notice of the Settlement, and that the same amongst the other Writings was delivered to him. Upon his Purchase the Defendant took in a Mortgage-Term, which was prior to the Settlement, and enters, and afterwards sold the Estate, Part to *Howland*, and other Part to *Harwood*, who were made Defendants to the Bill, and pleaded they were Purchasers without Notice; and the Plaintiff not being able to prove any Notice upon them, the Bill as against them was dismissed; but as against the Defendant *Cherrey*, the Court decreed him to account for the Consideration-Money for which he sold the Estate, with Interest, from the Decease of the Plaintiff's Father and Mother, thereout discounting what was due on the Mortgage, made prior to the Settlement.

The Settlement was made after Marriage, but in pursuance of Articles before the Marriage; but the Articles are not taken Notice of in the Settlement. However the Purchaser having

Notice of the Settlement, it was incumbent on him to inquire whether it was voluntary, or made in pursuance of an Agreement before Marriage.

It was objected, that although it now appears by the Proof, that the Settlement which was made after Marriage, was made pursuant to Articles made before the Marriage; yet it was not so recited in the Settlement, nor any Notice taken therein of the Agreement or Articles before Marriage; and for ought appeared to the Defendant *Cherrey*, the Deed was fraudulent, as against a Purchaser.

Per Cur. He ought to have enquired of the Wife's Relations, who were Parties to the Deed, whether it was voluntary, or made pursuant to an Agreement before Marriage, and having Notice of the Deed, must at his Peril purchase, and be bound by the Effect and Consequence of the Deed.

Moyse versus Gyles.

Cafe 352.
Octob. 30.

THE Plaintiff's late Husband and his Ancestors had, together with the Defendant and his Ancestors, long enjoyed a Church-Lease in Moieties, and had several Times renewed it under an Agreement, that no Advantage should be taken of Survivorship; but on the last Renewal of the Lease by the Plaintiff's Testator and the Defendant, there was no express Agreement made to bar Survivorship. The Plaintiff's late Husband falling ill of the Small Pox, sent for a School-Master, and intending to sever the Jointenancy; made a Grant or an Assignment of his Interest to his Wife the Plaintiff, and likewise by Will devised it to her.

The Plaintiff's Husband and Defendant had enjoyed a Church-Lease in Moieties, under an Agreement that there should be no Benefit of Survivorship. Upon the last Renewal, the Lease was taken in both their Names, and no express Agreement against Survivorship. The Plaintiff's Husband being sick, by Deed assigned his Moiety of the Lease to his Wife; and by his Will devised it to her. The Grant to the Wife is void, and the Devise will not sever the Jointenancy.

The Plaintiff's Bill was to be relieved against Survivorship, and it was insisted by the Plaintiff's Counsel, that the new Lease should be presumed to be taken under the same Agreement as the former Leases were, *viz.* that no Advantage should be taken of Survivorship, or that the Court upon the Circumstances of the Case should supply the defective Grant or Assignment to the Wife.

Per Cur. The Grant to the Wife is absolutely void in Law, and the Will cannot take Effect to prevent Sur-

vivorship, and no Agreement appearing to exclude it, the Court dismissed the Bill.

Case 353.

Nov. 12.

Master of the
Rolls.

Seeling versus Crawley.

An Agree-
ment for the
Husband and
Wife's part-
ing, and for
the Husband's
returning his
Wife's Por-
tion to her
Father, and
for the Fa-
ther's in-
dempnifying
the Hus-
band from
the Mainte-
nance and
Debts of his
Wife, establi-
shed by a
Decree, tho'
the Husband
offered to
receive and
maintain his
Wife.

THE Defendant having married the Plaintiff's Daughter, on a Quarrel between him and his Wife, they agreed to part, and the Defendant gave a Note to the Plaintiff to pay him 160*l.* (being the Portion the Plaintiff had given with his Daughter) on Demand, the Plaintiff saving him harmless from any Debts his Wife may contract, and against all Demands for her Maintenance, &c. The Wife with her Child went thereupon and lived with the Plaintiff her Father, and were maintained by him; the Bill was to compel Payment of the 160*l.* the Plaintiff offering to perform the Agreement on his Part. And altho' the Husband now offered to take his Wife home and maintain her and her Child, and allow the Plaintiff for the Time past; yet the Court decreed the Defendant to pay the 160*l.* to the Plaintiff, upon his giving Security to indemnify the Defendant against the Debts and Maintenance of the Wife and Child.

Foster versus Foster.

Case 354.

Nov. 11.

Devisee of a
Rent-charge
out of Lands
with Power
of Distress
dies. His
Executrix
brings a Bill
for the Ar-
rears. Decreed
that she
may enter
and hold and
enjoy till
paid the Ar-
rears and
Costs.

Ant. Ca. 349.

Foster the Son seized of an Estate at Bromley in Kent, devised the same to the Defendant, and devised thereout 100*l.* per Ann. to his Father, payable half yearly, and in Default of Payment to enter and distrain, and the Distress to detain until the Arrears paid; the Plaintiff the Widow and Executrix of the Father, brought her Bill for Satisfaction of the Arrears, and the Master of the Rolls decreed the Arrears with Costs and Charges, and she to enter and enjoy until satisfied; though the Lord Keeper this Term dismissed the Bill in the like Case between Champernoou and Gubbs.

Attorney

Attorney General at the Relation of the Cafe 355.
Nov. 13.
Inhabitants of Clapham verſus Hewer
& al'.

A School-Houſe being erected on the Waſte, by the voluntary Contribution of the Inhabitants, Mr. *Atkins* the Lord of the Manor enfeoffs about *Eighteen* of the principal Inhabitants and their Heirs, in Truſt, and to the Intent that the Inhabitants of *Clapham* may for ever have a School, &c. as of the Gift of *Richard Atkins*. Upon a Diſpute between the Inhabitants and the ſurvi-ving Truſtees, the Queſtion was whether the Truſtees, or the Inhabitants ſhould nominate the School-Maſter; and for the Plaintiff the Cafe of *Hinley Chapel* in the Pariſh of *Wigan* in *Lancashire* was cited, where Ground was granted to Truſtees, whereon to erect a Chapel for the Celebration of Divine Service, for the Uſe of the Inhabitants: Decreed in the *Dutchy*, that the Nomination of the Miniſter was in the Inhabitants.

A School-Houſe being erected by voluntary contributions of the inhabitants of A. on the Waſte, the Lord of the Manor enfeoffs Truſtees in Truſt that the Inhabitants of A. may for ever have a School, &c. as of the Gift of the Lord. Whether the Truſtees or the Inhabitants are to nominate the School-Maſter.

Lord Keeper: This not being a Free-School, is not a Charity within the Proviſion of the Statute of Queen *Elizabeth*, and conſequently the Inhabitants have not a Right to ſue in the Name of Mr. *Attorney General*. If the Lord of a Manor ſhould erect a Mill, and convey it to Truſtees, to the Intent the Inhabitants might have the Convenience of grinding there; the Inhabitants ſhould not be admitted to ſue here in Mr. *Attorney General*'s Name; and declared unleſs the Plaintiff could produce Precedents where the Court had relieved in like Cafes, he would diſmiſs the Bill.

If not a Free-School, the Inhabitants have no Right to ſue in the Attorney General's Name.

Cafe 356.
Nov. 18.

Woodward versus Glasbrook.

One devises
several Par-
cels of Land
to his several
Children in
Tail, and if
any of them
die before
21, or un-
married,
such Child's
Part to go to
the surviving
Children. If
any of the

THE Testator *Edward Glasbrook* by his Will (*inter alia*) devised a House in *Lime-Street* to his Son *James* and *Thomas*, and the Heirs of their Bodies in equal Moieties, and devised other Houses to his other Children in like Manner, and then adds, *but my Will and Mind is, that if any of my said Children shall die before 21, or unmarried, the Part or Share of him or her so dying shall go over to the Survivors.*

Children die unmarried, though above the Age of 21, his Share shall go to the surviving Child ; but such Survivor shall have such Share for Life only.

In Ejectment before the *Lord Chief Justice Holt*, he was of Opinion that *Thomas* dying unmarried, though he attained his Age of *Twenty-one*, his Moiety went over to the Survivors ; and that *John* another Son likewise dying unmarried, though after *Twenty-one*, that his half went over to the Survivors.

What goes
over on one
Child's
Death, shall
not go over
again a se-
cond Time.

Secondly, That what went over to *John* on the Death of his Brother *Thomas* would not go over again a *second Time*.

Thirdly, That by the Devise over, only an Estate passed to the Survivors for their Lives ; and the Court decreed an Account to be taken, and a Partition to be made accordingly.

q

Cafe 357.
Nov. 20.

Nichols versus Tolley & al.

Devise.

John Giles having his own Life in a Copyhold held of the Bishop of *Worcester*, procured a Copy in Reversion to be granted to *Grace* his Wife, *Pritchett*, and *Andrews*,

drews, for their Lives *successive*; but this was in Trust for *John Giles* and his Heirs; *John Giles* by his Will devises the Copyhold after the Decease of him and his Wife, to the Heirs of his Body on his Wife *Grace* to be begotten, if such Issue shall be living at the Decease of him, his Wife or Survivor, Remainder over to the Plaintiff; he left Issue living at the Time of his Decease, but such Issue died in the Life-time of his Wife.

Per Lord Keeper, The Word (*Survivor*) must not be rejected, and the Word (*or*) must be expounded (*and living at the Decease of the Survivor*) so that he held the Remainder over good; and if that Point had been otherwise, yet the Plaintiff had been well intitled as Heir at Law to the Testator *John Giles*, and decreed it accordingly.

Nicholls versus How and Porter & al', Case 358.
& eontra. Nov. 21.

B*evis Loyd* having first purchased a long Term for Years in the *Lamb-Inn*, and of other Houses in *St. Clement's Parish*, and afterwards purchased the Inheritance, he afterwards became Receiver of *North Wales*, and having Occasion for 500*l.* assigned over the Term by way of Mortgage to *J. S.* Afterwards on the Marriage of *Evan Loyd* his Son, he settled the Houses in *St. Clements* (*inter alia*) on himself for Life, Remainder to *Evan Loyd* and the Heirs of his Body. There was Issue of the Marriage a Daughter, now the Wife of *Porter*. After this *Bevis Loyd* mortgages these Houses to *Mr. John Nicholls* for 1800*l.* The *King* extends these Houses for the Debt of *Bevis Loyd*; and *Nicholls* gets an Assignment of the Extent, and a *Privy Seal* for the Debt.

From what Time the Lands of a Receiver of the Crown are bound by the Statute of 13 *El. Ca.* 4.

First, Resolved that by the Statute of Queen *Elizabeth*, the Land and real Estate of *Bevis Loyd* was bound and stood liable to answer the *King's* Debt, although he was not actually a Debtor to the *King*, nor any Extent against him in several Years after.

When the King's Receiver is seized of the Inheritance, and there is a Term for Years attending the Inheritance, the Term is

Secondly, That where a Term is attendant on the Inheritance, if the *King* extends the Inheritance, he shall have a Right to the Term; but if it be a Term in gross, and assigned before any actual Extent, the Assignment will stand good, and the Term not liable to the *King's* Debt.

bound as well as the Inheritance. But if the *King's* Receiver is possessed of a Term in gross, and it is assigned before an actual Extent, the Assignment is good against the Crown.

Case 359.
Nov. 24.

Finch versus Resbridger.

After a long Enjoyment of a Water-Course running to a House and Garden, through the Ground of another, it shall be presumed the Owner of the House has a Right to the Water-Course; unless the other Party can shew a special License, or an Agreement to restrain it in point of Time.

THE Bill was to quiet the Plaintiff in the Enjoyment of a Water-Course to his House and Garden, through the Ground of the Defendant. It appeared upon the Proof, that there had been a long Enjoyment of this Water-course, particularly by the Earl of *Arundel*, and after him by the Duke of *Norfolk*, and that the Plaintiff had scoured and repaired it, when there was Occasion, and that the *Duke* was in the quiet Enjoyment of it, when he sold to the Plaintiff.

For the Defendant it was insisted, that the Earl of *Arundel* in 1662, took a long Lease of the Lands, now the Defendant's, and that whilst he held those Lands as Lessee, he made the Water-Course in Question; and that after the Expiration of the Lease, he was many Times denied Liberty to scour or amend the Water-Course, and several Witnesses deposed to that Effect;

and the Defendant insisted it was only upon Sufferance, and not founded upon any Agreement or Consideration.

This Cause being first heard before the *Lord Chancellor Sommers*, he directed an Issue to be tried at Law, whether there was any Agreement made between any of the Owners of the Plaintiff's and Defendant's Estates respectively, for the making or continuing of the Water-Course in Question.

Upon a Rehearing before the *Lord Keeper Wright*, he decreed for the Plaintiffs, declaring a quiet Enjoyment was the best Evidence of Right, and would presume an Agreement, and the Proof ought to come on the other Side to shew the special License, or that it was to be restrained or limited in point of Time.

A long quiet Enjoyment is the best Evidence of a Right.

Mitchell versus Edes.

Case 360.
Master of the Rolls.

THE Plaintiff being an Assignee of the Wages due to a Seaman, the Defendant was his Administrator, and insisted the Agreement was but in the Nature of a Letter of Attorney, and consequently revoked by the Death of the Intestate; and there being Bond-Debts the Intestate's Estate ought to be applied in a Course of Administration; and the Debt owing by the Plaintiff, for securing or Satisfaction whereof the Assignment was made, was only a simple Contract Debt.

A Seaman assigns his Wages to J. S. as a Security for a Debt he owed to J. S. and died intestate. It was insisted that this was only an Agreement in Nature of a Letter of Attorney,

and determined by the Seaman's Death, and that there were Bond-Debts. Decreed J. S. shall be paid in Course of Administration.

The Court decreed an Account of Assets, and the Plaintiff to be paid in a Course of Administration.

Hanson

Case 361.

Hanson versus Derby.

On a Bill to redeem an Account decreed, and 240*l.* reported due, and Exceptions to the Report. Pending which the Defendant the Mortgagee commits Waste. Court orders the Mortgagee to deliver up the Possession, on the Plaintiff's giving Security to abide the Event of the Account.

THE Bill being to redeem a Mortgage, on the Hearing an Account was decreed, and 240*l.* reported due; to which Report, the Plaintiff had taken Exceptions. The Cause thus standing in Court, the *Lord Keeper* on a Motion and reading Affidavits, that the Defendant had burnt some of the Wainscot, and committed Waste, ordered the Defendant to deliver up Possession to the Plaintiff, who was a *Pauper*, giving Security to abide the Event of the Account.

Case 362.
Novemb. 30.

Bennet versus Edwards and Selby & al'.

Bill to foreclose an Infant. By Decree it is sent to a Master to see what due. Master reports what is due for Principal, Interest and Costs. Whether upon a subsequent Order to carry on Interest, the former Interest during the Infancy shall carry Interest.

A Bill being brought that an Infant might redeem a mortgage, or be foreclosed, upon the Hearing it was decreed to an Account, and the Infant to pay what should be reported due, unless Cause within *six* Months after he became of Age. A Report made and confirmed of 2600*l.* due, and a subsequent Order being made to compute Interest from the Report, the *Lord Keeper* doubted whether Interest ought to be allowed for the Interest.

whether Interest ought to be allowed for the Interest.

Case 363.
Master of the
Rolls.

Smith versus Bruning.

Decemb. 2.

A Marriage Brocage Bond decreed to be delivered up, and a Gratuity of 50 Guineas actually paid to be refunded.

THE Court not only decreed a Marriage *Brocage* Bond to be delivered up, but a Gratuity of *fifty* Guineas actually paid to be refunded.

and a Gratuity of 50 Guineas actually paid to be refunded.

Sheffield

Sheffield versus *Lord Castleton & ux'*. Case 364.
Decemb. 4.

THE Lord *Fanshaw* the Father, together with his Son, on the Marriage of his Daughter to Sir *Thomas Chappel*, become bound in a Recognisance of the 5th of May 1660, for Payment of 1500*l.* to Sir *Thomas Chappel*, as his Daughter's Marriage-Portion. It so fell out, that this Recognisance was not confirmed by the Act of the *Convention* for Confirmation of judicial Proceedings, that Act having Relation to the first Day of the Sessions, which was April 25, 1660, and confirmed only Recognisances then taken.

A. is bound as a Surety in a Recognisance dated May 5, 1660, for Payment of Money, which happened not to be made good by the Convention Act; for confirming judicial Proceedings; the Act not extending to

that Day. *A.* being a Surety only, and having no Consideration for entering into this Recognisance, the Court would not make it good, nor allow it to be so much as a Debt.

The Question now was, Whether this should in a Court of Equity be looked upon as a Debt which the Lord *Fanshaw* the Son, (whose Widow and Executrix the Lord *Castleton* had married) was in Conscience obliged to pay, and should be decreed to be satisfied out of his Assets.

For the Defendant it was insisted, that *Thomas* Lord *Fanshaw* the Son, did not concern himself in the Treaty of Marriage, made no Promise to pay, nor had any Allowance or Consideration from his Father. All that appears is, that he intended and submitted to be bound as Surety for his Father; but it falls out he is not effectually bound: Now where a Man intended to become bound as a Surety, and had promised and declared he would so do, and died before he did it; or if he afterwards thought better of it, and altered his Mind, no Bill would lie in Equity to enforce him to become bound, or to compel his Executors to pay the Debt.

The Lord Keeper dismissed the Bill.

Cafe 365.
Decemb. 6.

Gardner versus Pullen.

One is bound by Bond to transfer 300*l.* *East-India* Stock before Sept. 30, then next. Tho' the Stock was much risen, Defendant decreed to transfer the 300*l.* Stock in Specie, and to account for all Dividends, from the Time that it ought to have been transferred.

THE Plaintiff became bound to the Defendant in a Bond of 500*l.* Penalty, that he or one *Phillips* would on or before Sept. 30, 1698, transfer 300*l.* Stock in the *old East-India Company*, and Stock being now much risen, the Question was, on what Terms the Plaintiff should be relieved against the Penalty of the Bond, whether to answer the Value of the 300*l.* Stock, according to what it was worth on the Day on which he ought to have transferred it with Interest from that Time, or whether he should be obliged to transfer 300*l.* Stock in Specie. •

Per Cur. Decree the Plaintiff to transfer 300*l.* Stock in a Fortnight, and account for all *Dividends* since he ought to have transferred, and Costs at Law and here, or dismiss the Bill with Costs.

Cafe 366.
Eodem die.

Sprigg versus Sprigg.

Devise of Lands to his Executors to be sold, and thereout to pay 500*l.* to *A.* if he return from beyond Sea, and the Residue to *B.* *A.* died before Testator. This 500*l.* Legacy being given on a Contingency that never happened, is as no Legacy, and falls into the Devise of the Residuum: Otherwise if it had been an absolute Legacy of 500*l.*

SPrigg devised his Lands in *Brigstock*, after the Decease of his Wife, to his Executors to be sold, and thereout to retain their Costs and Charges, and to pay 500*l.* to his Nephew *Thomas Sprigg*, if he came from beyond the Sea, and gave a Release, and Discharge for it. The rest and Residue of the Money to be raised by Sale, he devised to seven Persons therein named, being Nephews and Nieces. *Thomas Sprigg* never returned, and is supposed to be dead at the Time of the Will.

The

The Plaintiff as Heir to the Testator, brought his Bill against the Executors and residuary Legatees, demanding to have either the 500*l.* or to that Value of the Land, as undisposed of, and resulting to him as Heir at Law.

It was admitted, that in the Devise of the Residue of a personal Estate, if a Legatee was dead at the Time of making the Will, the residuary Legatees shall not have the Benefit of that Legacy, and that it shall not fall into the Residue; nothing being intended to pass by that Devise, but the Residue after that and other Legacies paid.

But in this Case the *Lord Keeper* was of Opinion that the Devise of 500*l.* to *Thomas Sprigg* if living and shall return from beyond Sea, is a contingent Devise, and on a Condition Precedent, which not happening, is as if never given. But if it had been an absolute Devise, it would not have passed to the residuary Legatee by the Devise of the rest and Residue, and dismissed the Bill.

Lord Ranelagh versus Sir John Champante. Case 367.
Decemb. 11.

THE Court upon the Account allowed the Defendant but 6*l. per Cent. per Ann.* for a Debt contracted in *Ireland*, because the Bond for securing of it was executed here in *England*. Bond executed in *England* for a Debt in *Ireland*, shall carry but 6*l. per Cent.* Interest.

Harvey versus East-India Company. Case 368.

THE Plaintiff having a Decree against the *East-India Company* for 3700*l.* a *Distringas* issued against them and Money, and a *Distringas* issued out against them, Court refused to give them any Time, or to let them be examined on Interrogatories: Otherwise if it was a *Distringas* on mean Process. After a Decree against a Corporation for a Sum of Money, and a *Distringas* issued on

and they came in, and entred their Appearance with the *Register*, and prayed they might be examined, and all Proceedings on the *Distringas* might be in the mean Time stay'd. And it was insisted by the *Attorney General*, that the *Distringas* was to compel the Defendants to appear to answer, which is to answer upon *Interrogatories*, and that there is the same Reason that a Corporation should be admitted to shew Matters in Avoidance to save their Goods, as there is for a common Person to save his Liberty, and to prevent a Commitment.

But the *Lord Keeper* was of Opinion that there being a Decree against the Corporation for 3700*l.* Execution was to go without their being farther heard, as in the Case of a Judgment at Law; but where a Decree *agit in personam*, there the Defendant shall be admitted in Favour of Liberty to shew Cause, why he should not be committed. The *Distringas in Process* against a Corporation is to answer as well the Contempt as the Bill or Complaint; but when upon a Decree, it is *ad comparendum & solvendum*, and in the Case of Dr. *Hussey* against the *Grocers Company* 24 Car. 2. a Sequestration issued on the Return of the first *Distringas*; and so in *Cholmley* and the *Grocers Company*; and the Court refused in this Case to grant any Stay of Process, or for the Defendants to be examined.

Private
Members of
a Company
made liable
to the Com-
pany's Debts,
where the Company had no Goods.

Note; In the Case between Dr. *Salmon* and the *Hamborough Company*, the Members in their private Persons were made liable, the *Company* having no Goods.

*Attorney General versus Mayor, &c. de Case 369.
Coventry.* Lord Keeper,
Lord Chief
Justice Holt,
Justice Pow-
el, Justice
Blencoe.

IN the 34th Year of Hen 8. upon the Dissolution of Monasteries the Lands in Question, then under several Leases for Lives at a Rent of *seventy Pounds per Ann.* but of much greater Value when the Lands should come in Possession, (now about *three Hundred Pounds per Ann.*) were purchased from the Crown, at the Price of *one Thousand four Hundred Pounds*. The Corporation of Coventry was then very low and poor, and by their common Box-Money, Sale of their Goods, and of a Gold Ring, &c. raised about *four Hundred Pounds*; the Residue of the Purchase-Money was paid by Sir Thomas White, and in Articles between the Town and Sir Thomas White, in which Notice is taken of the low and decayed Condition of the Corporation, it was agreed that *seventy Pounds per Ann.* should be applied to several Charities therein mentioned, *viz.* about *Forty-five Pounds per Ann.* to place out Apprentices, and to be lent to decayed Tradesmen, *five Pounds per Ann.* to the Mayor and Aldermen of Coventry, and *twenty Pounds per Ann.* to Merchant-Tailors Company, and after the Expiration of *thirty Years*, the Charity of *Forty-five Pounds* was to circulate, and be applied one Year for the Benefit of the Town of *Leicester*, the second for the Town of *Northampton*, the third for *Warwick*, and the fourth for *Coventry*, and so for ever by such Rotation. In the Articles the Town of *Coventry* are mentioned to be the Purchasers, tho' *one Thousand Pounds* of the Money was paid by Sir Thomas White.

ved by the Corporation of *Coventry*. The Lands themselves not being given to the Charities but particular Rents out of the Lands, decreed the Corporation should have the Surplus of the Profits. But this Decree reversed by the House of Lords.

The Town of *Coventry* had always the Possession, and Sir Thomas White becoming poor, he wrote to the Corporation,

poration, in Regard many of the Leases were fallen into Possession, and the Revenue greatly increased, that they would settle 40 *l. per Ann.* on his Wife for Life, which they refused to comply with; but had all along paid the Charities, and disposed of the Surplus as they thought fit.

The Information was brought by the *Attorney General*, on Behalf of the Towns of *Leicester, Northampton* and *Warwick*, to compel the Corporation to account for the improved Value of the Lands, and to have the same applied to the Charities mentioned in the Articles.

8 Co. 130.

For the Plaintiffs it was insisted, that *seventy Pounds per Ann.* was the whole Rent reserved on the Leases at the Time of the Articles, and the *seventy Pounds per Ann.* being appointed to Charities, the whole was appointed to Charities, and as the Value of the Lands increased, so ought the Charities to be increased in Proportion, according to the Resolution in the Case of *Thetford School*, and that the Length of Time was no Bar; that there was no Statute of Limitations against God and Religion; what was once given to Charity ought to be so applied, and what had been imbeziled ought to be restored.

But for the Defendants it was insisted, and the *Lord Keeper*, and the *three Judges* were all of that Opinion, that this Case was not within the Reason of the Case of *Thetford School*, but a plain and substantial Difference appears, for in that Case the Lands were given to the Charity; and although in directing the Application of it a Sum certain is given to maintain a School-Master, and Sums uncertain to other Charities, amounting to what was the then Value of the Estate, as the Estate increased, it was reasonable the Charity should increase, for no one else was to take any Benefit thereof. But in the present Case, not the Lands themselves, but *seventy Pounds per Ann.* issuing out of the Lands is allotted to Charities,

Charities, and the Town of *Coventry* is exprefly mentioned to be the Purchafers; and it appears that they raifed *four Hundred Pounds*, Part of the Confideration-Money, and that with fome Difficulty, by Sale of their Goods, their Gold Ring, Box-Money, &c. and when they were in that low and decayed Condition, as is mentioned in the Articles, the Plaintiffs would have it prefumed they were fuch good Chriftians as to fell all they had to give it to the Poor.

And although a Charity is not barred by Length of Time, or any Statute of *Limitations*; yet it is an Evidence that the Surplus belonged to *Coventry*, becaufe they have enjoyed it ever fince the Purchase: And in the Lifetime of Sir *Thomas White*, he in his Letters takes Notice they enjoyed it, and that Leases were fallen in, and the Surplus confiderable; yet claims not that Surplus, or that it ought to go to Charities; but in a precarious Manner defires them to make a Provifion for his Wife for Life.

A Charity is not barred by Length of Time or the Statute of Limitations.

It was ftrongly infifted by the Lord Chief Juftice *Holt*, that the Articles mentioning the Corporation to be the Purchafers, there could be no Averment received to the Contrary. This Purchase was after the Statute of 7 H. 8. by which all Ufes were deftroyed, and no fuch Thing as a Truft then thought of; nor could a Corporation aggregate be feifed to an Ufe, it being held no *Subpœna* lay againft them; and the Recital that Sir *Thomas White* advanced the Money doth not imply that he was to be the Purchafer, but the Contrary is expreffed in the Articles, that the Corporation were the Purchafers. The Deed ought to be expounded by it felf, and by what appears in it, there being no Reference in the Deed to any Thing foreign to it, and it would be a Matter of moft dangerous Confequence to conftrue Deeds by foreign Matters or Conjectures; it would put all Things into Confufion, and render all Things incertain. It is the peculiar

peculiar Advantage of Mankind from all the rest of the Creation, that they can commit Things to Writing, and transmit them to Posterity; and cited *Bedell's Case*, 7 Co. 39. *b.* where a particular Consideration being mentioned in the Deed; the Court would not allow the Averment of any other Consideration, as for natural Love, Affection, &c.

And concluded that the Surplus was always intended for the Corporation, the Lease it self not being given to the Charity, but only *seventy Pounds per Ann.* out of the Lands. In the Case of *Adams and Lambert*, where Lands were *twenty Pounds per Ann.* and but *ten Pounds per Ann.* appointed to the Priest, there the whole adjudged to the Queen, because the Lands were given, and not a Rent out of them; and in the Case of *Cherry and Dethick*, there the Devise of a Rent was adjudged a Devise of the Land it self; but in this Case but *seventy Pounds per Ann.* allotted to the Charities, and the Payment of *seventy Pounds per Ann.* to the Charities is a good Performance of the Articles, and I am of Opinion, if I have Lands of *forty Pounds per Ann.* and grant out of those Lands *forty Pounds per Ann.* to a Charity; that if the Lands increase to *one Hundred Pounds per Ann.* the Charity shall have only *forty Pounds per Ann.*

The Information was unanimously dismissed. Upon an Appeal to the *House of Lords*, the Dismission was reversed, and the Defendants ordered to account for the improved Value of the Land, and the Charities to be augmented in Proportion.

Amburst

Amburst versus Dawling.

Case 370.
Lord Keeper.
Decemb. 14.

THE Defendant having mortgaged the Manor of *Thunderley*, to which an Advowson was appendant, to the Plaintiff, who brought the Bill to foreclose, the Church became void; the Defendant moved the Court for an Injunction to stay the Proceedings in a *Quare impedit* brought by the Plaintiff.

A Manor with an Advowson appendant, being mortgaged, the Church becomes void. The Mortgagor shall present, un-

less foreclosed; and if pending a Suit by the Mortgagee to foreclose, the Church becomes vacant, though the Defendant has no Bill, the Court will grant an Injunction to stay Proceedings in a *Quare impedit* brought by the Plaintiff. *Post.* Case 500.

Per Cur. Although the Defendant *Dawling* hath no Bill, yet being ready and offering to pay the Principal, Interest and Costs, if the Plaintiff will not accept his Money, Interest shall cease, and an Injunction to stay Proceedings in the *Quare impedit*; for the Mortgagee can make no Profit by presenting to the Church, nor can account for any Value in respect thereof, to sink or lessen his Debt, and the Mortgagee therefore in that Case, until a Foreclosure, is but in the Nature of a Trustee for the Mortgagor.

Mortgagee, till a Foreclosure, is but in Nature of a Trustee for the Mortgagor.

And the like Order was made between *Jory* and *Cox*, where the Defendant had an Injunction against the Plaintiff to stay his Presenting to a Church, that became vacant pending the Suit.

Burnett Arm' versus Kinnaston.

Case 371.
Lord Keeper.
Decemb. 16.

THE Plaintiff's Testator having married the Sister of the Defendant *Kinnaston*, her Portion was secured

A Man marries a Woman intitled to a Mortgage in Fee, and after

5 K

Marriage assigns his Interest in the Mortgage to Trustees, to call in the Money, and lay it out in Land to be settled upon the Husband and Wife, and their Issue, Remainder to the Heirs of the Husband. Husband dies without Issue, and after the Wife dies. This Mortgage is as a Chose in Action, and the Wife surviving, it shall go to her Executor, and not to the Executor of the Husband.

red to her by a Mortgage in Fee of Part of the Defendant's Estate. The Plaintiff's Testator after Marriage made an Assignment of his Interest in the Mortgage, and by Articles between him and several Trustees therein named, the Money was to be called in, and invested in Land to be settled to the Use of the Husband and Wife, and their Issue, Remainder to the right Heirs of the Husband.

The Husband and Wife being both dead without Issue, the Plaintiff claimed the Benefit of the Mortgage by Virtue of the Articles, as claiming under the Husband.

But the Court dismissed the Bill, because the Husband had not an absolute Power over the Mortgage; but being in the Nature of a *Chose in Action*, he had only a Right to reduce it into Possession, and not having so done in his Life-time, his Assignee stood but in the Place of the Husband, and could have no greater Right, or Power than the Husband himself had, which was only to reduce it into Possession in his Life-time, and not having so done, it survived to the Wife, notwithstanding the Articles, and must go to her Administrator.

Case 372.
Master of the
Rolls.

Eodem die.

A. borrows
200 l. of B.
and gives B.
a Mortgage
defeasanced
to be void on
B.'s paying A.
40 l. per Ann.
for 8 Years
by quarterly
Payments.
Court relieved
on Payment of the
200 l. and
simple Interest.

James versus Oades.

THE Plaintiff being possessed of a reversionary Term for *Thirty-six* Years to commence with the Year 1700, of the Value of about *two Hundred Pounds* per Ann. when the Estate should fall into Possession; in the Year 1683, applied to the Defendant Oades a Scrivener, to lend him the Sum of *two Hundred Pounds*; they came to an Agreement for that Purpose, viz. that the Plaintiff should assign his Term to the Defendant, defeasanced to be void on the Payment of *forty Pounds* per Ann. for *eight* Years by quarterly Payments.

Plaintiff's Bill was to redeem, paying Principal, Interest and Costs; the Defendant insisted to have the Benefit of his Bargain, and Interest from the Time of each quarterly Payment, and the rather, because he lent his Money in 1683, on such a remote Reversion.

Per Cur. What is usually called a *Bristol Bargain* is ~~twenty~~^{fourty} Pounds *per Ann.* for *seven* Years for *one Hundred Years*; but this goes beyond it, and is extended to *eight* Years, *viz.* *one Hundred and sixty* Pounds for every *Hundred*, by *twenty* Pounds *per Ann.* and should it be allowed of, it may be carried to *nine* Years, and so on without any Stint or Bounds; and declared it to be an Agreement against Conscience, and decreed a Redemption on Payment of the *two Hundred* Pounds with simple Interest at *six* Pounds *per Cent.*

Hilchins Wid' versus Hilchins.

Case 373.
Lord Keeper.
Decemb. 17.

S Amuel Hilchins in 1679, deviseth, that if his Stock and Credits Abroad should not be sufficient for Payment of his Debts and Legacies, that his Executors should pay the same out of the Rents and Profits of his real Estate; and when Debts and Legacies were paid, devised his real Estate to his Son *Giles Hilchins* in Tail, with Remainder over, and shortly afterwards died; the Executors enter on the real Estate. *Giles Hilchins* the Son married the Plaintiff *Silvetha*, and died in 1681, before the Debts were paid, and before he had any Possession. In 1694, the Plaintiff *Silvetha* recovered her Dower in the Mayor's Court, and *two Hundred and Twenty-seven* Pounds for Damages, and had her Dower set out by Meets and Bounds by the Sheriff, but had not recovered the actual Possession, an old satisfied Mortgage to Sir *John Tippetts* standing in her Way; and therefore she brought

brought her Bill against the Executors, alledging the Debts and Legacies were long since paid, and against the Remainder-Man, and also against the Defendant *Sarah Hilchins* the Testator's Widow, to set aside her Pretence of Dower, alledging the Testator had made no other Provision for her, which was intended in lieu and Recompence of Dower, though not so expressed in the Will, yet was implied, because he had devised all the rest of his Estate, to other Purposes, and as to that Matter it was insisted by the Plaintiff's Counsel that in the Case of *Ant. Ca. 327. Lawrence and Lawrence*, it was decreed by the late Lord Chancellor *Sommers*, that where the Testator had devised Part of his real Estate to his Widow for Life, and other Part to her during her Widowhood; and devised the rest of his Estate to other Purposes, that what was so devised to his Widow, should be deemed and taken to be in Lieu and Satisfaction of Dower; and set aside her Recovery in Dower. And a Cross-Bill was brought by the Devisee of the Lands and Executors, to set aside *Silvetha's* Recovery of *two Hundred and Twenty-seven Pounds* for Damages, for detaining her Dower, and upon the first hearing it being referred to a *Master* to take an Account of the personal Estate, and Rents and Profits of the real Estate received by the Executors, and how much the Debts and Legacies amounted to; the *Master* had made his Report therein, and thereby certified that sufficient was raised for Payment of all the Debts and Legacies in the Year 1693, and that the Recovery in Dower was not until 1694.

Devise of
Lands to Ex-
ecutors till
Debts paid,
Remainder
to his Son in
Tail. The
Son marries
and dies, be-
fore the
Debts paid.
The Estate
of the Exe-
cutors is only a Chattel Interest,

Per Cur. It must be admitted that the Estate in the Executors was but a Chattel Interest, and as such could not hinder Dower; they were only to receive the Rents and Profits until Debts and Legacies paid, and *that* Interest determines at Law, when the Trust is satisfied, and therefore her Recovery in *Dower* was just; but as to the Damages

4

and will not hinder the Son's Wife of Dower. But the Wife's Dower cannot commence in Possession, nor Damages be recovered for detaining it, but from the Time of the Debts being paid.

Damages that is carried too far back, she having recovered the Value from the Death of her Husband ; whereas she ought to have had Damages but from the Time of Debts paid, and Trusts performed. As for the Testator's Widow she not having recovered her Dower, *that* is to be laid out of the Case, and the Plaintiff's Dower is not therefore to be looked upon as *dos de dote*, and decree the Mortgage made to Sir *John Tippetts* for *one Thousand Years*, and since assigned to the Defendant, to be set aside, and the Plaintiff to be let into her Dower ; but set aside the Verdict as to the *two Hundred and Twenty-five Pounds* Damages, and she to have only an Account of the *Third* of the Profits from the Time the Debts were paid, and Trust performed.

Anonymus.

Case 374.
Lord Keeper.

THE Testator seised of a Reversion in Fee expectant on the Determination of an Estate for Life, devised the same to *A.* and *B.* to be sold for the Payment of his Debts and Legacies, and made the said *A.* and *B.* his Executors.

A Reversion in Fee expectant on an Estate for Life, is devised to *A.* and *B.* for Payment of Debts and Legacies,

and *A.* and *B.* are made Executors. The Devisees being Executors, the Money raised by Sale is legal Assets, and the Debts must be first paid ; otherwise if the Trustees had not been made Executors.

The Question was, Whether the Money raised by the Sale should be deemed legal Assets, and consequently the Debts to be thereout paid in the first Place, or only as equitable Assets, and consequently the Debts and Legacies to be paid in Proportion & *pari passu*.

Decreed that the Debts should be first paid. The Devise being to the same Persons as are named Executors,

tors, the Money becomes legal Affets: But if to Trustees not made Executors, it had been otherwise; and cited the Case of *Hixon* and *Witham* in *Chancery Reports*, and *Rolle's Abr. Tit. Executor*. Land devised to be sold by Executors for Payment of Debts, the Money raised by Sale is legal Affets, and the Case of *Edwards* and *Graves* in *Hobart*.

1 Chan. Ca.

248.

1 Rol. Abr.

920. G. 6.

Hob. 265.

D E

Term. S. Hillarii,

1700.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Johnson Mil' & ux', Plaintiffs.

Case 375.
Lord Keeper.
Jan. 28, 29.

Sir Edward Northey & al', Defendants.

THE Earl of *Cleveland* having in 1638, settled the Manor of *Toddington*, and several Lands in *Bedfordshire*, to the Use of himself for Life, Remainder to the Lord *Wentworth* for Life, and to his first and other Sons in Tail; in Default of such Issue to the Heirs Females of the *Earl*, with a Power to revoke by Deed or Will.

The Earl of *Cleveland*, and Lord *Wentworth* his Son, make a Letter of Attorney to *Thomas Byers* to sell the Premises to pay Debts, and to pay the Surplus as they should appoint.

And an Act of Parliament was also made empowering Trustees to sell to pay Debts, and the Surplus to the Earl of *Cleveland*.

The

The Lord *Wentworth* died without Issue Male, leaving Issue a Daughter, the Lady *Philadelphia Wentworth*, who in 1684, by Deed conveyed to her Mother the Lady *Philadelphia* and her Heirs, but kept the Deed in her own Custody, and afterwards by Will devised the Lands to her Mother for Life, and then to be sold to pay Debts, and died without Issue.

Bill brought by the old Lady *Lovelace*, as only Daughter and Heir Female of the Earl of *Cleveland*, and Heir at Law to the Lady *Philadelphia Wentworth*, to have the Deeds and Writings, and to set aside the Deed of 1684, as gained by Fraud, or as a Trust for the Daughter.

And a Bill was brought by the Lady *Philadelphia Wentworth* to have up the Settlement of 1638, as being revoked, and to have all other Deeds and Writings which concerned the Premises, setting out her Title by the Conveyance from her Daughter by the Deed in 1684. To which Bill the Lady *Lovelace* answered to the Effect of her Bill, and the Cause proceeded, and divers Witnesses examined, and a Decree was made against the old Lady *Lovelace ex parte*.

The Lady *Lovelace* died, pending the Suit, and *John* Lord *Lovelace* her Son, being also dead, and the old Lady *Wentworth* being also dead, and having devised the Lands to Sir *Edward Northey & al'*, to be sold for the Payment of Debts,

Sir *Henry Johnson* and the Lady *Wentworth*, Baronefs of *Nettlestead*, his Wife, being the only surviving Child of the Lord *Lovelace*, brought their Bill against the Trustees and Executors of the Lady *Philadelphia Wentworth*, to set aside the Deed of 1684.

And a Bill was brought by the Creditors to have the Benefit of the former Decree made *ex parte*, and to have the Lands sold for Payment of Debts.

Per Cur. First, the Limitation to the Heirs Females of the Earl of *Cleveland* was determined, and the Lady *Wentworth* the Wife of Sir *Henry Johnson* could not make Title under that Limitation, because she must in such Case derive all by Females; whereas the old Lady *Lovelace* the Daughter of the Earl of *Cleveland*, left a Son the late Lord *Lovelace*, who left Issue two Daughters, of which the Plaintiff, Sir *Henry Johnson's* Lady, was the Survivor.

A Son's Daughter cannot take by a Limitation to the HeirsFemale of the Body of the Father, for such HeirsFemale must derive all by Females.

But then it was insisted that the old Lady *Lovelace* had suffered a Common Recovery.

Secondly, Per Cur. Whereas Sir *Henry Johnson* had examined Witnesses in this Cause, wherein he was Plaintiff, to the same Matters put in Issue in the former Causes, and in Truth examined the same Witnesses as had been examined in the former Causes; those Depositions were irregular, and therefore ordered to stand suppressed; for although the Creditor's Bill was to have the Benefit of the former Decree, so that the Court might examine the Justice of that Decree; yet that must be done upon the Proofs in that Cause, wherein the Decree was made, and not upon any new Proofs.

In a Bill brought to have the Benefit of a former Decree, Plaintiff cannot examine Witnesses, much less the same Witnesses to the Matters in Issue in the former Cause. But on such a Bill, the Court may examine the

Justice of the former Decree; but then it must be upon the Proofs taken in the Cause, wherein that Decree is made.

Thirdly, A Doubt arising whether the Settlement of 1683, was revoked, two Issues were directed to be tried at Law, *viz.*

First, Whether the Settlement of 1684, was revoked.

Secondly, Whether the old Lady *Lovelace* suffered a good Common Recovery.

But Sir *Henry Johnson* afterwards submitted to become a Purchaser of the Estate under the Trustees.

Lydiatt & al, on the Be-
half of the Hospital of } Plaintiffs.
Felstead in Essex,

Cafe 376.
Lord Keeper.
Feb. 3.

Sir *John Foach*, Defendant.

THE Lord *Rich*, who founded the *Hospital* amongst other Rules, directs that no Lease should be made for any longer Term than *Twenty-one* Years, and that thereon should be reserved the old Rent, and no more, and that the Fine to be taken on such Lease should not exceed *two* Years Value.

The Farm at *Bromley*, Part of the *Hospital* Lands, had been leased accordingly at *eighteen Pounds per Ann.* and some Corn-Rent; but the Price of Provisions increasing, the Hospital in 1640, made a Lease reserving the old Rent, but took a Deed of Covenants from the Lessee to pay an additional Rent of *Thirty-two Pounds per Ann.* over and above the Rent reserved.

In 1659, the *Hospital*, at the Recommendation of the Lord *Warwick*, made a Lease to *John Atwood* senior, for *Twenty-one* Years, reserving the old Rent of *eighteen Pounds per Ann.* and by Deed of Covenants the Lessee covenants to pay *Thirty-two Pounds per Ann.* additional Rent, and the *Hospital* covenants from Time to Time to renew until the Term should be made up *sixty* Years; and in 1679, made a new Lease accordingly; and in 1682, the Lease was renewed again at the old Rent, and at the same Time an Indorsement was made on the Deed
2 of

of Covenants of 1659, that during the Term in the last Lease, the Lessee would pay the additional Rent of *Thirty-two Pounds per Ann.*

Sir *John Foach*, who had purchased of *Atwood*, brought a Bill to have the Lease renewed, pursuant to the Covenant in 1659; and upon hearing his Bill was dismissed, the Covenant to renew until the Term of *Twenty-one* Years was made up *sixty* Years, being the same, and as much to the Prejudice of the *Hospital*, as to grant a Term for *sixty* Years at first, which was contrary to the Rules of the Founder.

Rules on the Foundation of an Hospital, that no Lease should be made for above 21 Years. The Hospital make a Lease for 21 Years, with a Covenant by Renewal to make it up to the Hospital

60 Years. This Covenant is not binding in Equity, as being equally prejudicial to the Hospital as a Lease for 60 Years.

And thereupon Sir *John Foach*, since he could not have the Lease renewed, refused to pay the additional Rent of *Thirty-two Pounds per Ann.* and the *Hospital* could not recover it at Law, *that* Agreement not being indorsed on the Lease of 1682, but on the Deed of Covenants of 1659, and the Indorsement was that the Corporation performing their Covenants for renewing, he would pay the increased Rent of *Thirty-two Pounds per Ann.* during the Term of *Twenty-one* Years granted by the Lease of 1682.

And it was now insisted on by the Defendant, that as the Plaintiffs would not perform their Agreement, by making up the Term *sixty* Years, so he ought not to be compelled to pay the additional Rent; the Agreement being mutual, it ought to be mutually performed. And altho' Sir *John Foach* purchased with Notice of the Agreement for the Increase of Rent; yet at the same Time he took Notice that the Corporation had agreed to renew, and to make up the Term of *Twenty-one* Years in the Lease of 1659, to the Term of *sixty* Years.

Lord

A Corporation for a Charity, are but Trustees for the Charity, and may improve, but cannot do any Thing to the Prejudice of the Charity, or in Breach of the Rules of the Founder.

Lord Keeper. The Corporation are but Trustees for the Charity, and might improve for the Benefit of the Charity, but could not do any Thing to the Prejudice of the Charity, in Breach of the Founder's Rules, and agreed Sir *John Foach's* Bill was well dismissed; for the Court could not have decreed a Renewal pursuant to the Covenant, without decreeing them to be guilty of a Breach of Trust, and said, although it was an Indenture of mutual Covenants on the Lessor's Part to renew, and on the Lessee's to pay the additional Rent of *Thirty-two Pounds per Ann.* yet those Covenants appeared in the Deed to have been made on distinct Considerations, *viz.* the Covenant for Increase of Rent, because the Price of Provisions was raised; and the Covenant for Renewal, because the Lessee undertook to lay out *one Hundred Pounds* in Building, and so not dependant on each other; and he looked upon it as a Fraud and Imposition on the *Hospital*, that the Agreement for the additional Rent was indorsed on the Deed of Covenants of 1659, and not on the Counterpart of the Lease of 1682, and therefore decreed the additional Rent and Arrears to be paid during the Term of *Twenty-one* Years in the Lease of 1682, and that Sir *John* and his Assigns paying the additional Rent of *Thirty-two Pounds per Ann.* and the reserved Rent of *eighteen Pounds per Ann.* might hold and enjoy during the Residue of the Term of *Twenty-one* Years.

Case 377.
Lord Keeper.
Feb. 7.

John Clerk by Committee versus *Rich. Clerk & al'.*

John Clerk the *Lunatick* being seised of the Manors of *Ardington* and *Isbury*, and being a very weak Man, if not a *Lunatick*, in 1665, made a Settlement by Deed, Fine and Common Recovery, by which *five Hundred Pounds* apiece was to be raised for his Brothers and Sisters, who

who were left destitute of any Provision, the Father dying intestate, and subject thereunto the Estate was limited to him for Life, Remainder to the Heirs of his Body, Remainder to the Heirs of *John Clerk* the Father; his Mother joined in the Settlement, and it was openly transacted, with the Concurrence of Friends and Relations.

John Clerk afterwards married the Sister of one *Gerrard*, who got the *Lunatick* home to him, and engaged him in many Debts by Bond, and otherwise; and in 1685, the *Lunaticks* Son and only Child being about *nineteen* Years old died, and thereupon a Commission was sued out and *John Clerk* found to be a *Lunatick*, and had so been from 1658, and that without any lucid Intervals. But this Inquisition by the Direction of Sir *Robert Samyer* then *Attorney General*, was taken off the File, and an Agreement was made, that *Isbury* should be sold to pay Debts in a Schedule amounting to 6000*l.* and that *Ardington* should be settled to the Use of the *Lunatick* for Life, and to his first and other Sons by his then Wife, Remainder to the Defendant *Richard Clerk*, &c. In 1698, another Commission issued, and then he was found to be a *Lunatick* on the Day the Commission was executed, without saying from what Day he became a *Lunatick*.

The Bill was brought to set aside both the Settlements, as well that in 1655, as that in 1685.

For the Defendant *Rich. Clerk* it was insisted, that the first Settlement in 1655, was by Deed, Fine and Common Recovery, and fairly and openly transacted, and with the Privity and Concurrence of the Friends and Relations of *John Clerk*, who might be a weak Man, but not a *Lunatick*, or if a *Lunatick*, might have lucid Intervals; and therefore if the Conveyance was good at Law, it ought not, after this Length of Time, to be impeached or questioned in a Court of Equity; and the rather since it had been in good Measure executed, by

the raising and paying the younger Childrens Portions; and that *Richard Clerk* the Brother did not profit by the second Settlement; but for Payment of the *Lunatick's* Debts joined in a Sale of *Isbury*, and so barred himself of the Inheritance of *Isbury*, and so ought in Equity to be looked upon as coming in upon a good Consideration, and not having been guilty of any Fraud or ill Practice, his Title ought not to be impeached in Equity.

A Settlement if made by a Lunatick, though reasonable, and for the Convenience of the Family, ought to be set aside in Equity.

Per Cur. If *John Clerk* was in Fact a *Lunatick*, altho' the Settlement in other Respects is reasonable, and for the Convenience of the Family, yet it ought to be set aside in Equity.

ought to be set aside in Equity.

But there not being any sufficient Proof of his being a *Lunatick* in 1655, and that Settlement by Deed and Fine having been acquiesced in, the Court directed an Issue to try if he was a *Lunatick* in 1685, and if with lucid Intervals, whether the Settlement was executed in such Interval.

Cafe 378.
Lord Keeper.
March 7.

Sir *William Reresby*, Exceptant.

Farrer School-Master, *Dun* } Respond'ts.
Usher of *Pocklington* School, }

Charity-Lands being let at a great Under-value, Lease set aside, and the Lessee decreed to pay the Arrears of Rent according to the full Value of the Land, and to deliver up the Possession.

DR. *Downham* having given several Lands for the Maintenance of a *Master* and *Usher* of the Free-School of *Pocklington*, and they being incorporated by Act of Parliament in 1661, in Consideration of a Fine of 20 l. and the Surrender of a former Lease granted a Term of *Eighty-one* Years of the Lands in Question to the *Exceptant's* Father at 24 l. per Ann.

Upon a Commission of charitable Uses, it was found by *Inquisition*, that the Lands contained 164 Acres, and were of the Value of 133 *l.* 16 *s.* 8 *d.* *per Ann.* and the Commissioners thereupon decreed the *Exceptant* to deliver Possession to the Trustees therein named, and to pay the Arrears of Rent after the Rate of 133 *l.* 16 *s.* 8 *d.* *per Ann.*

To which Decree Sir *William Reresby* having taken Exceptions, the Court confirmed the Decree, as to the Making of the Lease void, and delivering Possession; and directed a Commission to set out and ascertain the Charity Lands, from the other Lands of Sir *William Reresby's*, the same lying intermixed.

Bromley versus Jefferies & al'.

Cafe 379.
March 14.

SIR *Rowland Berkley* settled his Manor of *Cotheridge* on Trustees to be by them sold after his Death, and the Money thereby arising to be disposed of as in the Settlement is mentioned, and as he by his last Will and Testament should appoint, with a Power of Revocation, and afterwards on the Marriage of the Plaintiff, with one of his Daughters, covenanted that if the Plaintiff survived Sir *Rowland*, and had Issue by his Daughter, that the Plaintiff should have *Cotheridge* 1500 *l.* less than any other Purchaser would give for the same.

A. on the Marriage of his Daughter to *B.* covenants that *B.* should have his Land called *C.* for 1500 *l.* less than any other would give for it, and afterwards devises this Estate to his Grandson for Life, with Remainders

over and dies. The Court refused to decree a specific Execution of this Agreement, by Reason of the Uncertainty of it, and it not being mutual.

Sir *Rowland* lived twenty Years after this, and by his Will revokes his Settlement, and devises *Cotheridge* and the Manor of *Acton Beacham* unto the Plaintiff, and to the Defendant, and other Trustees for the Term of ten Years upon Trust, to apply the Profits as therein mentioned

mentioned, Remainder to his Grandson *Green* for Life, with Remainder to his first and other Sons in Tail, he and they taking upon them the Name of *Berkley*, and thereby (*inter alia*) gave a Legacy of 1000*l.* to the Plaintiff, and 500*l.* to his Daughter the Plaintiff's Wife, &c.

The Court upon the Hearing refused to Decree a specifick Execution of this Agreement from the Uncertainty of it, because if the Estate was not to be sold, but the Plaintiff was to have it, it was not practicable to know what a Purchaser would give for it. Secondly, that the Agreement was not mutual, the Plaintiff was not bound to take it at any Price; and it was observed, that as the Covenant was worded, if the Plaintiff had died in the Life-time of Sir *Rowland*, the Covenant was of no Effect; and it was said if Sir *Rowland* after this had a Son, *that* should have discharged the Covenant, like as in the Case of *Fitzherbert*, fol. 23. cited in *Shelley's* Case, where the Father lying sick, directs his Trustees to convey to his only Daughter, and afterwards he recovered and had a Son, who was relievable even by the Opinion of the Judges.

Case 380.
Lord Keeper.
Eodem die.

Yates versus Phettiplace.

THE Defendant's Father had mortgaged his Manors of *Pudlicoat*, and afterwards intailed the Equity of Redemption on the Defendant his Son; and by Will devised some Leasehold and personal Estate to be applied for the Payment of his Debts and Legacies; directing that if his personal Estate was applied to pay off his Mortgage, the same should be kept on Foot to make

A. having entailed his Land on his Son subject to a Mortgage, by Will devises his Leasehold and personal Estate to pay his Debts and Legacies, and directs if his personal Estate is applied to pay the Mortgage, it should be kept on Foot to make good his Daughter's Portion, and gives her 3000*l.* to be paid at 21, or Marriage, if married with Consent, if not, but 1000*l.* she died at six Years of Age. The Portion shall not be raised for the Benefit of her Administrator.

make good his Daughter's Portion, and thereby devised to his Daughter 3000 *l.* to be paid her at *Twenty-one*, or Marriage, if married with Consent, if not, then but 1000 *l.* and died, leaving Issue the Defendant his only Son, and a Daughter; the Daughter died when but *six* Years old, to whom the Mother, late the Wife of the Plaintiff *Yate*, took Administration; and Mr. *Yate* was her Executor, as also Administrator *de bonis non* to the Daughter, and was now Plaintiff to have the 3000 *l.* Portion.

And for the Plaintiff it was insisted, this was not within the Reason of the Case of *Pawlet* and *Pawlet*, that the Portion should extinguish in the Land for the Benefit of the Heir. Vol. 1. Ca. 201.

First, There the Settlement was by Deed, here the Portion is provided by Will.

Secondly, There it was to be raised only out of the Land; here the personal Estate is liable as well as the Land, and has been applied in Part to pay off the Mortgage that was on the Land.

But the Court dismissed the Bill, and declared it to be within the Reason of the Lord *Pawlet*'s Case; and besides the Devise being of 3000 *l.* at *Twenty-one* or Marriage, which Marriage was to be with Consent, it did not vest in the Daughter, but was contingent; and the Lord *Keeper* was of Opinion that a Devise to *J. S.* of 1000 *l.* to be paid at *Twenty-one*, and a Devise to him at *Twenty-one* was all the same, and the Testator's Intention the same in both Cases; and said the Distinction taken by *Swinbourne* and *Godolphin* between the Age being mentioned in the Body of the Devise, and where in the Time of Payment, he looked upon it as a *Distinction without a Difference*, and that the Authorities they cited did not come up to what they laid down. Post. Ca. 385, 403.

A Devise of a Legacy to one at 21, or to be paid at 21, is all one.

Case 381.
Lord Keeper.
March 20.

St. John verſus Turner.

A. mortgages in 1639, and in 1663, his Heir brings a Bill to redeem; he dying the Suit is revived by his Co-heirs, who obtain a Decree in 1672, but do not prosecute it, and *B.* having purchased the Equity of Redemption of them, he now brings a Bill to have the Benefit of the former Decrees. Bill dismissed by Reason of the Difficulty of the Account and Length of Time.

John St. John in 1639, demised the Lands in Question in *Cold Overton* in *Com. Leicester* to *Sir Richard Holford* to counter-secure him against Debts, for which he stood bound as Security, amounting to about 4000*l.* In 1649, *Sir Richard Holford* having been arrested and imprisoned for the Debts of *St. John*, entred on his Security, and by his Will devised 1000*l.* apiece to his two Grand-daughters, 500*l.* to his Son *Richard* out of this Estate, and the Surplus to his Sons *Thomas* and *Richard*, whom he made Executors. In 1662, the Executors allot to each Grand-daughter Part of the Lands for their 1000*l.* apiece, and *Richard* takes Part for his 500*l.* and the Residue was divided between *Richard* and *Thomas*.

In 1663, a Bill was brought by *Benjamin St. John* the Heir, to redeem, and decreed to an Account; and afterwards he dying, the Suit was revived by his three Daughters and Co-heirs, and thereupon again in 1672, decreed to an Account; and particular Directions given as to Part of the Lands purchased by *Dr. Amy*, *Sir Richard Holford* having encouraged him to purchase, without discovering that those Lands were comprised in his Security; and the Plaintiff being of the same Name had purchased from the Co-heirs of *St. John* several Lands, and amongst the rest their Equity of Redemption of the Lands in Question, and brought his Bill to redeem, and to have the Benefit of the former Decrees.

Lord Keeper dismissed the Bill, and would not allow the Plaintiff to redeem by Reason of the Difficulty of the Account after such great Length of Time; for that
the

the Mortgagor himself acquiesced from 1639 to 1663, and neither paid the Debt, nor sought a Redemption; and although there were Infants, yet the Time having begun upon the Ancestor, it shall run even upon Infants, as it is at Law in the Case of a *Fine*; and although they afterwards obtained a Decree, yet not having prosecuted it, and the Cause being now within one Year of the *Grand Climacterick*, it is fit it should rest in Peace.

Though Infancy may be an Answer to the Objection of Length of Time in not coming to redeem a Mortgage; yet where

the Time begins upon the Ancestor, it shall run on against his Infant Heir, as in the Case of a *Fine* at Common Law.

Wharton & ux' versus Tilly Mil' & ux', & al'. Case 382. Lord Keeper. March 22.

Ennice Brown, now the Wife of the Plaintiff *Wharton*, being a Niece of Sir *John Roberts*, whose Widow and Executrix and Devisee the Defendant had married, they set on Foot a Demand of 1500*l.* by Bond from Sir *John Roberts*, and there being great Reason to suspect it was forged, upon the Action at Law the Plaintiffs first suffered a Nonsuit upon full Evidence; upon a *second* Trial there was a Verdict against the Bond; but before Judgment was entred up, the Plaintiffs moved and obtained a new Trial, and therein prevailed and had a Verdict, and now brought a Bill to have Satisfaction out of a Trust-Estate for the Bond-Debt, there being not personal Assets; but Sir *John* had subjected his real Estate to the Payment of his Debts.

Ant. Ca. 344.

And the single Question was, Whether the Court upon the Circumstances of this Case would decree a Satisfaction out of the Trust-Estate, upon the Credit of the Verdict, without directing an Issue, or giving the Defendant an Opportunity to try it again; and the Court decreed for the Plaintiffs. But upon *Appeal* to the *Lords in Parliament*, a new Trial was directed, and the Bond found to be forged.

Vide Post. Ca. 401.

D E

D E

Termino Paschæ,

1701.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Cafe 383.
 Lord Keeper.
 May 13.

Warburton versus Warburton.

Where a Term is limited to raise Portions for younger Children by Rents and Profits, the Heir may have the Portions raised by a Sale, though the younger Children oppose it, as well as they may insist on a Sale, if they think fit.

UPON rehearing of this Cause, the *first* Question was, Whether the younger Childrens Portions should be raised by Sale, or only out of Rents and Profits, as the same should arise. By the Settlement a Term of *Ninety-nine* Years was lodged in Trustees for raising the Portions of the younger Children by Rents, Issues and Profits; and subject to the Term, the Estate was limited to the Plaintiff the eldest Son for Life, and to his first and other Sons in Tail, with other Remainders over; and in the mean Time only 40*l. per Ann.* limited to the Plaintiff for his Maintenance. The Defendants the younger Children insisted that their Portions might be raised by annual Rents and Profits, and the Plaintiff the Heir confined in the mean Time to his Allowance of 40*l. per Ann.* The Heir insisted, that the Portions should be raised by a Sale, that he might thereby be let into the immediate Possession of the Residue of the Estate.

The *Lord Keeper* confirmed the former Decree; for as the younger Children might have compelled a Sale; *Post. Ca. 385.* so in this Case it being for the Benefit of the Heir to have a Sale made, he might justly insist thereon, altho' the younger Children opposed it; they opposing the same not for their own Benefit, but in Prejudice to the Heir.

The *second* Point was, that the personal Estate, and 400*l.* to be raised out of the Trust-Estate should be distributed by the *two* Daughters his Executrixes amongst themselves and their Brothers and Sisters according to their Need and Necessity, as in their ^{Discretion} ~~Discretion~~ they should think fit, and insisted on their Power to dispose thereof, as they thought fit; and that the Defendants were not intitled to any Part thereof.

*A. gives 400*l.* to his 2 Daughters his Executrixes, to be distributed amongst themselves, and their Brothers and Sisters according to their Necessity, as in their Discretion*

tion they thought fit. The Court settled the Distribution, and decreed a double Share to one of the Children.

The *Lord Keeper* decreed a double Share thereof to the Plaintiff the Heir, as looking upon him to stand most in Need thereof, and confirmed his former Decree, which was also upon an *Appeal in Parliament* affirmed.

City of London versus Richmond & al'.

*Case 384.
Lord Keeper.
May 16.*

THE City of *London* articulated with *Aldersea* to lay a new leaden Pipe of *five* Inches Diameter for the carrying of Water to *Cheapside* and *Stocks-Market*, which it was affirmed would carry *twenty* Tun of Water each Hour; and whilst this was doing, the City by a Committee treat with *Houghton* to grant him a Lease of the Water, reserving sufficient to serve the Conduits and

Equity will decree an Assignee of a Lease to pay the Rent become due since his Assignment, and which shall become due, whilst he continues in the Possession, but not

5 P

Prisons

during the Continuance of the Lease; for he may, if he can, get rid of the Lease by assigning it to another.

Prisons with Water, and he agreed to pay a Fine of 2750*l.* and a Rent of 750*l. per Ann.* for fifteen Years; and a Lease was made accordingly. *Houghton* the Lessee assigns over the Lease to the Defendants *Richmond, Delanoy, Glover, and Bowater*; but it did not appear that *Glover* and *Bowater* accepted the Assignment. The Assignment was in Trust for such Persons as should buy Shares, the whole being divided into 900 Shares, valued at 10*l.* each Share. It so fell out that the Pipe would not discharge above six Tun *per Hour*, and so instead of being a beneficial it would not produce, after the Conduits, Prisons, and Tankard-bearers were served, above the 300*l. per Ann.* *Houghton* became insolvent, and the Rent in Arrear.

The Bill was brought against *Richmond* and others the Assignees of the Lease, as also against several who had bought Shares, to have the Arrear of Rent paid, and the growing Rent, and the Performance of the Covenants in the Lease.

It was objected that the Plaintiffs had not proper Parties, for *Houghton* the Lessee, who had assigned over, was liable, and no Party; and the Plaintiffs had not all the Owners of Shares, that ought to contribute to the Rent, before the Court. The *first* Part of the Objection was allowed that *Houghton* ought to be a Party; but as to the later Part, that all the Sharers were not Parties, was disallowed; the Assignees, by dividing of it into so many Shares, had made it impracticable to have them all before the Court.

Upon a Bill brought against an Assignee of a Lease to pay the Rent, and perform the Covenants in the Lease, the original Lessee ought to be a Party. But if the Assignee has divided his Interest in the Lease into a great Number of Shares, it is not necessary to make all the Sharers Parties.

Secondly, That the Defendants as Assignees, if liable, were liable at Law, and the Plaintiffs ought to take their Remedy there; and no good Ground to decree them to be farther liable in Equity than they were at Law; and

an Assignee may by Law assign over, and then remains no longer liable.

To which it was answered, that possibly the Assignees might not be liable at Law, if it was an incorporeal Inheritance, for they had no Privity of Estate; yet they enjoying the Thing demised, ought in Equity to answer the Rent: But it was agreed the Decree ought only to be for the Arrears of Rent since the Assignment, and what should incur and become due whilst they should continue the Possession; but if they could get rid of it by assigning over, they were not to be prevented from so doing in Equity, or to be decreed to pay the Rent during the Residue of the Term, or longer than they continued the Possession; and how far an Assignee named or not named is bound to perform Covenants in the Lease, cited *Spencer's Case*. 5 Co. 16. a.

Thirdly, It was objected, that the Rent reserved being 700 *l. per Ann.* and the real Value not 300 *l. per Ann.* it was against the Rules of Equity, to decree *in Specie* such a hard and unreasonable Bargain.

Lord Keeper. As a beneficial Bargain will be decreed in Equity; so if it happens to be a losing Bargain, for the same Reason it ought to be decreed.

As a beneficial Bargain will be decreed in Equity; so if it proves a

losing one, it ought by the same Reason to be decreed.

Fourthly, It was objected, that the Assignees in this Case were but in the Nature of Trustees for the other Sharers, and Equity ought to decree against the *Cestuy que Trust*, and not against the Trustees. *Sed non allocatur.*

Jackson

Cafe 385.
Lord Keeper.
May 17.

Jackson versus Farrand.

A. by Will gives 500*l.* to his Daughter, to be paid by his Executors at her Age of 21, out of his personal Estate, and Rents of his real; and if not raised by that Time, the Executors to stand seised and take the Rents, till the 500*l.* was raised, and after Payment

T *Thomas Farrand* having only a Son and Daughter in 1682, made his Will, and devised 500*l.* Portion to his Daughter, to be paid by his Executor at her Age of *Twenty-one*, out of his personal Estate, and Rents, and Profits of his Lands; and if not raised by that Time, his Executor should stand seised, and receive and take the Rents, Issues and Profits of his Lands until the 500*l.* should be raised and paid, and after Payment devised the Lands to his Son. The Plaintiff married the Daughter at her Age of *Eighteen*, and she died before she attained the Age of *Twenty-one*, leaving Issue a Daughter. The Plaintiff as Administrator to his Wife, brought his Bill to have the 500*l.* raised out of the Land.

gives the Land to his Son. The Daughter marries at 18, and dies under 21; the Husband takes Administration. Decreed the Portion to be raised, and that by a Sale, though the Land by Reason of the Incumbrances would produce little more than the 500*l.*

Ant. Ca. 380.
Post. Ca. 403.

For the Defendant the Heir it was insisted, *first*, that the Portion ought not to be raised, because the Daughter died before the Age of *Twenty-one*, *Secondly*, if to be raised, yet by the Profits only, and not by a Sale.

Ant. Ca. 383. The Court decreed the Portion to be raised with Interest and Costs, and *that* by a Sale; wherein the Defendant the Heir was forthwith to join; and this, altho' the Incumbrances were so great, that the whole Inheritance would produce little more than the 500*l.*

Randall versus Bookey.

Cafe 386.
May 22.

RObert Randall having a Wife, but no Child, and two Brothers and two Sisters, by Will gave a Moiety of a Banker's Debt to his Nephew and Nieces, and the other Moiety to his Wife, and made his Wife his sole Executrix; and devised several Lands unto two Trustees and their Heirs, in Trust to permit his Wife to receive the Profits for Life, and then to sell, and out of the Money to be raised by Sale to pay 100*l.* to his Brother George (who was his Heir at Law) 120*l.* to his Brother Thomas, and 100*l.* to his Sisters. Defendant Bookey married the Widow, and was her Administrator.

Land is devised to Trustees to sell, and out of the Money arising by the Sale, amongst other Sums to pay 100*l.* to his Heir at Law; and no Disposition is made by the Testator of the Surplus of his Estate. The Land shall not be turned into

personal Estate, nor more sold than is necessary to pay the Legacies, and the Heir shall have the Surplus.

Per Cur. First, the Wife, by the Devise of a Moiety of the said Banker's Debt, was excluded from the Surplus of the personal Estate, as Executrix, altho' there was no Child, and that Legacies were given to the Brothers and Sisters out of the Land; which had not been necessary, unless the Testator intended the Surplus of his personal Estate for his Wife, that otherwise had been sufficient to pay those Legacies.

Secondly, Although the Land is devised to Trustees and their Heirs in Trust to sell, and thereout to pay the several Legacies therein mentioned, and amongst the rest a Legacy of 100*l.* to his Brother George his Heir at Law; yet the Land shall not be turned into personal Estate, nor more sold, than what is necessary for the Payment of the Legacies, and the Heir shall have the Surplus.

Cafe 387.
May 31. *Brown and Sandys versus Trant and Bridges & al'.*

PLaintiffs as Assignees under a Statute of Bankruptcy pray an Account of the Estate of *Hind* the Banker, seised by the Defendants, on Pretence of Debts owing to the *King* by Virtue of several Extents sued out for that Purpose, viz. one original Extent for the *King*, and two other Extents *in Aid* by the Defendants, who were Farmers of the Excise.

Assignees under a Commission of Bankruptcy, bring a Bill for an Account against some Persons who had seised the Bankrupt's Estate by Virtue of 3 Extents, one for the *King*, and the other two were Extents in Aid. Bill dismissed, the Matter being properly cognisable in the Court of Exchequer, which is the *King's* Court of Revenue.

Court of Chancery will not examine the *Quantum* of the *King's* Debt, nor how far Extents sued out are necessary.

It being objected that this Matter was properly cognisable in the Court of *Exchequer*, which was the *King's* Court of Revenue, and that this Court would not examine what was the *Quantum* of the Debt due to the *King*, or how far the Extents were necessary, the *Lord Keeper* allowed the Objection, and dismissed the Bill.

And as to the Precedents, which had been produced, where this Court had held Plea in like Cases, he said they did not come up to this Case.

Vol. 1. Cafe 454. In the Case of *Capel* and *Brewer*, the Defendant, who sued the Extent *in Aid*, confessed by Answer he had sufficient of his own Estate to pay the *King's* Debt.

But otherwise it is, where the Defendant, who has sued out an Extent in Aid, confesses by Answer, he has sufficient Estate of his own to pay the *King's* Debt.

Or where it appears to be a fraudulent Contrivance by an Extent in Aid, to gain a Preference to a Debt of an inferior Nature.

And in the Case of *Cholmley* and *Sturt*, it appeared to be a fraudulent Contrivance by an Extent *in Aid*, to gain a Preference to a Debt of an inferior Nature.

D E

Term. S. Hillarii,

1701.

IN CURIA CANCELLARIÆ.

Sir Copleston Warwick Bamfield *versus* *Popham & al'.* Case 388.
Lord Keeper.
Jan. 24.

HENRY Rogers by Will devised his Estate to Trustees and their Heirs, in Trust for the Defendant Popham for Life, and to his first and other Sons in Tail; *But in Case the Defendant Popham died without an Heir Male of his Body begotten*, the Trust to be void; and in such Case he gave the Estate to Defendants: The Bill was brought to stay Waste, and for an Account of Timber already sold, Mr. Popham having no Son.

A Devise to Trustees and their Heirs in Trust for A. for Life and to his first, &c. Sons in Tail; but if A. dies without an Heir Male of his Body begotten, then to go over. A. is only Tenant for Life; and the Words, if he dies without an Heir Male, &c. does not give him an Estate-Tail by Implication. Post. Case 414.

The Question was, Whether the Words, *if he die without an Heir Male of his Body begotten*, gave him an Estate-Tail by *Implication*; and it was held it could not enlarge an express Estate devised to him for Life.

Saunders

Case 389.

Jan. 24.
Master of the
Rolls.*Saunders versus Nevil.*

Where a Trust is limited to a Man and the Heirs of his Body with Remainders over, the Court will not decree the Trustees to convey to him an Estate in Fee, but an Estate-Tail only.

A Trust being limited to the Plaintiff, and the Heirs of his Body with Remainders over; the Bill was to have the Trustees convey to him in Fee.

The *Master of the Rolls* decreed them to convey an Estate-Tail only, and refused to decree a Conveyance in Fee; and the Case of Mr. *Cooke* and *Woodward* was cited, where the Lord *Jefferies* did refuse to decree a Conveyance in Fee, the Remainder after an Estate-Tail being limited to a *Charity*.

Case 390.

Jan. 27.
Lord Keeper.*Peters & al' versus Soame & al'.*

A. being bound in a Bond to *B.* the Bond is assigned by *B.* to *C.* in Satisfaction of a Debt due from *B.* to *C.* *B.* becomes a Bankrupt, and *C.* not being able to sue at Law in *B.*'s Name, brings a Bill against *A.* to be paid the Money due on the Bond. Whether *A.* out of the Money due on the Bond shall retain a Debt due to himself from *B.*

Darwin the Receiver of the *New-River* Rent, assigned to the Plaintiff *Peters* a Bond, wherein the Defendants *Soame* and *Green* were bound to him in 700 *l.* for Payment of 350 *l.* and this Assignment was to indemnify him against two Debts, for which he stood bound as Surety for *Darwin*, and in Satisfaction of 30 *l.* he owed the Plaintiff. *Darwin* became a Bankrupt, so *Peters* could not sue in the Name of *Darwin* at Law, and brought his Bill to have the Money decreed to him in Equity. Defendant *Soame* insisted *Darwin* is indebted to him for Rent received for four *New-River* Shares, and insisted to retain it out of the Bond; and the Assignees insisted to have the Bond; they being just Creditors, as well as the Plaintiff, and had the Law, as well as Equity, on their Side.

Per

Per Cur. The Assignees can have no better Right than the Bankrupt himself; and as the Bankrupt is bound by the Assignment; the Assignees under the Statute must be bound likewise, and stand in his Place; but they insisting *Darwin* was a Bankrupt before he assigned the Bond; he directed *that* to be tried at Law.

But said, he was in Doubt whether *Soame* might not retain for his Debt, and that *Stoppage* seemed to be a good Equity in such Case.

Cooke versus Parsons.

Case 391.
Feb. 1.

ON a Bill of Review an Error assigned was, that Lands were decreed to be sold pursuant to the Will for Payment of Debts, without giving the Heir a Day to shew Cause, after he came of Age.

Lands are devised to be sold for Payment of Debts. The Lands may be decreed to be sold without giving the Heir, who is an Infant, a Day to shew Cause, when he comes of Age. Otherwise if he is decreed to join in the Sale.

Lord Keeper confirmed the Decree, for the Lands being devised to be sold for Payment of Debts, there is nothing descends to the Heir, and an immediate Sale may be decreed without giving him a Day to shew Cause, though an Infant; but if he had been decreed to have joined in the Conveyance, there he must have had a Day after he came of Age.

Cafe 392.
Feb. 10.

Phillips versus Phillips.

A. by Will devises Lands to Trustees and their Heirs, in Trust, that the Profits should be equally divided between his Wife and Daughter, during the Wife's Life; and after her Death he devised the same to the Use of his Daughter in Tail, with Remainders over; the Daughter died during the Mother's Life. Decreed this to be a Tenancy in Common between the Mother and Daughter, and that during the Mother's Life, the Daughter's Moiety did not descend or result to the Heir, but was an Interest undisposed of, and in nature of a Tenancy *pur autre vie*, and should go to the Administrator of the Daughter.

*W*illiam Phillips by Will devised his Lands to *Powell* and *Jennings* and their Heirs, in Trust that the Profits should be equally divided between *Elizabeth* his Wife and his Daughter *Martha*, during the Life of *Elizabeth*; and after her Decease he gave and devised the same to his Trustees and their Heirs, to the Use of his Daughter *Martha* and the Heirs of her Body, with Remainders over. *Martha* the Daughter died without Issue, *Elizabeth* the Wife yet living. *David Phillips* the Heir at Law was Plaintiff against the Defendant *Elizabeth* the Widow, and the Trustees, for an Account of a Moiety of the Profits, tho' the Defendant the Widow insisted, that she by Implication or Survivorship, was intitled to the whole for her Life.

This Matter being referred to the Judges of the *Common Pleas* for their Opinion, they unanimously certified, that it was a *Tenancy in Common* between the Wife and Daughter; so that the Mother had no Title to the Daughter's Moiety, either by Survivorship or by Implication; nor did that Moiety during the Life of *Elizabeth*, either descend or result to the Heir; but as to that Moiety during the Life of *Elizabeth*, it was an Interest undisposed of, and in the Nature of a Tenancy *pur autre vie*, and consequently belonged to the Administrator of *Martha* the Daughter, and decreed accordingly.

Nevill versus Nevill.

Cafe 393.
Lord Keeper.
Feb. 25.

SIR Christopher Nevill devised (*inter alia*) 500*l.* to the eldest Son of John Nevill to be begotten, to Place him out Apprentice, and died; after his Death John Nevill had a Son born, the Plaintiff, who brought a Bill for this Legacy. It was objected he was not capable to take, because not born at the Testator's Death; or if he might take, yet being given for a particular Purpose, *viz. to place him out Apprentice*, he was not intitled, until fit to be placed out.

A Legacy of 500*l.* is given to the eldest Son of A. to be begotten, to place him out Apprentice. A. has a Son born after the Testator's Death, who brings a Bill for the Legacy, and it is decreed to be paid him, though not born in the Testator's Life-time; and though the 500*l.* was given for a particular Purpose.

Not allowed, but the Legacy decreed to be paid.

New-River Company versus Graves.

Cafe 394.
March 2.

BILL to be quieted in their Enjoyment of Pipes laid through a Field, called *Long Field*, first laid there by Consent of the Tenant, who had a long Term for Years, upon Satisfaction made to him for the Damage; and the Lease being now expired, and the Field lately purchased by the Defendant Graves, he plucked up the Pipes.

The Act of Parliament relating to the New-River-Water Company ought to have a liberal Construction, so as the Town in general may be served with Water.

For the Defendant it was insisted, *first*, that by the Act of Parliament, the Company had only a Power to bring the Water in a Trench *ten* Foot wide of Brick or Stone, and not to lay Pipes.

Secondly,

Secondly, They had Liberty given by the Act, only to serve the City with Water, and not any Parts adjacent; and those Pipes were used to serve *Hackney, Shore-ditch*, and *White Chapel*.

Per Cur. The Act is to be taken in a liberal Sense, that the Town in general might be served with Water, without Regard to its being within or without the Liberties of the City; and although a Trunk or Trench of *ten* Foot wide is mentioned in the Act of Parliament; yet the Intent of the Act was to give Power in *alieno solo* not exceeding *ten* Foot wide; and agreeable thereunto was the Decree made by the Lord *Sommers*, between the *New-River Company* and *Henly*, where although the Act of Parliament mentions the Serving the *North* Part of the Town with Water there, it went *Southward* and *South-west*, to serve *Westminster* and *Chelsea*, &c. and yet held to be within the Benefit of the Act: And therefore decreed a Commission to issue to ascertain the Damages the Defendants sustained, and the Plaintiffs to be quieted in the Possession of their Pipes.

Cafe 395.
March 4.

Toulson versus Grout.

A Legacy
given to a
Bankrupt
before his
Bankruptcy,
may be assigned by the
Commissioners.

William Dawson having devised a Legacy of 600 *l.* to his Son, payable at *Twenty-one*, for which he had obtained a Decree, and 637 *l.* reported due; before he received the Money he became a Bankrupt, and the Commissioners assigned the Legacy, and Benefit of the Decree.

The Bill was by the Assignees to have the Benefit of the Decree, to which the Defendants the Executors demurred

red, insisting that a Legacy was not within the Compass or Provision of any of the Acts made against Bankrupts to be assigned to the Creditors.

But the Demurrer was over-ruled, and said, that the Act of Parliament ought to be taken in the most beneficial Sense, for the Advantage of the Creditors.

D E

Termino Paschæ,

1702.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Case 396. *Harcourt* versus *Sherrard* and Dame *Anderson ux'*.
 Lord Keeper.
 May 20.

Defendant having by Answer consented that an Award made by her Father might be confirm'd, prayed she might amend her Answer, she having made Oath, that she never read the Award, and that her Answer was prepared by her Father, who had wronged her in the Award. Motion denied *per Cur'*.

THE Defendant the Lady *Anderson* having by her Answer consented, that an Award made by her Father might be confirmed, desired Leave to amend her Answer in that Particular, having made Oath, that she never read the Award; and that such Answer was prepared for her by her Father, who had wronged her in the Award; but the Court refused to give her Leave to amend her Answer.

Case 397.
 May 2.

Fretwell versus *Stacy*.

A Legacy given to Executors for Care and Pains, if a Deficiency of Assets, they must abate in Proportion with the other Legatees.

White versus Taylor.

Case 398.

THE Bill was brought for an Account of the personal Estate of one *Thomas Ely*; the Defendant having answered, and Witnesses being examined, it happened that in the Title of the Interrogatories the Plaintiff was called *Tho. White*, instead of *John*. *Per Cur.* cannot read the Depositions, nor can the Title be amended, and this, although most of the Witnesses were since their Examination gone to Sea.

The Plaintiff's Christian Name being mistaken in the Title of the Interrogatories, the Depositions could not be read, nor would the Court permit the Title to be amended,

though most of the Witnesses since their Examination were gone to Sea.

Sheppard versus Kent.

Case 399.

MR. *Kent* having by Will devised his Lands to his Executors, to be sold in Aid of his personal Estate, and the Creditors having joined in a Bill, and obtained a Decree for the Payment of their Debts out of Assets, and the Trust-Estate; some of the Creditors that were Plaintiffs in that Cause, to gain a Preference of the rest, had obtained Judgments against the Executors.

After Creditors have joined in a Bill, and obtained a Decree for Payment of their Debts out of legal and equitable Assets, none of them shall be permitted

to obtain a Preference of the others by obtaining Judgments against the Executors.

Upon a Bill now brought by the other Creditors to be relieved against those Judgments; the *Lord Keeper* was of Opinion, *first*, since all the Creditors had joined in a Bill, and had obtained a Decree for Payment of all their Debts without any Preference; and the Decree being since prosecuted, and Monies paid under it, that such of the Creditors as were Plaintiffs in the Cause, wherein such Decree was obtained, should not now gain a Preference by Judgments obtained by Confession.

And

Where there are legal and also equitable Assets, the Creditors, who will take their Satisfaction out of the legal Assets, shall have no Benefit of the

equitable Assets, until the other Creditors, who can only be paid out of those Assets, have thereout received an equal Proportion of their respective Debts.

And declared his Opinion to be, that where there were legal and also equitable Assets, the Creditors who would take their Satisfaction out of the legal Assets, should have no Benefit of the equitable Assets, until the other Creditors, who had only a Remedy out of the equitable Assets, had thereout received an equal Proportion to their respective Debts.

Cafe 400.
Lord Keeper.
May 7.

Bateman versus Bateman.

A. purchases Lands in his eldest Son's Name, and puts him into Possession, and the Son falling sick, takes a Declaration of Trust from him, and after the Son's Recovery he is permitted to continue in Possession. The Son marries and dies, and the Father gets a Conveyance from his younger Son. The eldest Son's Wife shall have Dower in these Lands.

Joas Bateman the Father in 1691, purchased an Estate at *Erith* in *Kent*, in the Name of *William Bateman* his eldest Son, and he was put into Possession, and about a Year afterwards falling sick, his Father *Joas* got him to execute a Deed, declaring his Name was used only in Trust for his Father; but he recovering of his Sickness continued the Possession as formerly; and in 1695, married the Defendant, the Widow of *Vanackre*, she having a Jointure of 600 *l. per Ann.* and an Inheritance of 400 *l. per Ann.* more. Upon the Marriage an Agreement was made, that, in case she survived *William Bateman*, he would leave her 4000 *l.* and gave a Bond to perform Covenants. As to Dower nothing was mentioned one Way or other. *William Bateman* dying without Issue, Sir *James Bateman* his Brother and Heir conveyed to *Joas Bateman* the Father.

The Defendant the Widow of *William*, brought her Writ of Dower. *Joas Bateman* the Father brought his Bill to be relieved against it, and obtained a Decree at the *Rolls*. Now upon an *Appeal* to the *Lord Keeper*, he dismissed the Plaintiff's Bill, declaring it to be a secret and fraudulent Deed of Trust, to deceive Creditors and Purchasers.

Tovey & al' versus Young & al'.

Cafe 401.
May 11.

THE Plaintiffs being *London* Cheesemongers, and having formerly bought Cheese in *Suffolk* by Factors, found, that although they paid their Factors; yet the Dairy-Men not being paid by the Factors, many Times sued the Merchant and made him pay for the Cheese again. They gave Notice publicly that they would not buy by Factors, nor be answerable for them; yet after such Notice given were sued by such as acted as Factors, and Verdicts were obtained against them in *Suffolk*. The Bill was for a new Trial in an indifferent County, and cited for Precedents the Cases of *Humphrys* and *Peyton* 11 Nov. 15 Car 2. A new Trial after a Trial at Bar. *Henvill* and *Graham* versus *Holland*, 28 Car. 2. after a Verdict on a *plene Administravit*, a material Witness being absent at the Trial, and a Voucher since discovered to make out the Payment of the Sum of 50*l.* *Ives* and *Hankey*, 8 Dec. 3 Jac. 2. in the Case between the *Cheshire* Dairy-Men and the *London* Cheesemongers. *Tilly* and *Wharton*, new Trial upon a Bond supposed to be forged. *Scott* and *Hilton* the like, there being five Trials in all.

Verdicts being recovered in *Suffolk* by the Factors there, against the *London* Cheesemongers, brought their Bill for a new Trial in an indifferent County. Bill dismissed.

Art. Ca. 382.

But the Court would not relieve in this Case, but dismissed the Bill.

Com' *Huntington* versus Countess of *Huntington*.

Cafe 402.
Lord Keeper.
May 12.

THEophilus Earl of *Huntington* and the Countess *Elizabeth* his first Wife, the Mother of the present Earl, join in a Mortgage

5 T

A. joins with B. her Husband in making a Mortgage for Years of her

Inheritance, to raise Money to buy a Place. B. covenants in the Mortgage to pay the Money, and on Payment thereof by the Proviso the Term is to cease. The Mortgage is afterwards assigned, and the Proviso is that on Payment by them, or either of them, the Term is to be assigned as they or either of them shall direct. B. by Letter soon after the Mortgage, promises his Wife to apply the Profits to pay it off. He pays off the Mortgage and takes an Assignment in Trust for himself, and by Will gives it to a second Wife; the Son and Heir brings a Bill to have the Mortgage assigned to him. The Court would not relieve him, but on Payment of Principal, Interest and Costs; but this Decree was reversed upon an Appeal to the House of Lords.

Mortgage of her Inheritance for 4500*l.* to supply the Lord's Occasions, to pay for the Place of Captain of the *Band of Pensioners*; and subject to the Mortgage, which was for a Term of Years, the Estate was settled to Countess *Elizabeth* for Life, Remainder to the now Plaintiff her Son in Tail; and the late Earl in the Mortgage-Deed covenants to pay the Money, and the Proviso was, That on Payment of the Mortgage-Money the Term was to cease. The Mortgage was several Times assigned, and particularly in 1683, and the Countess joined in it; and there the Proviso was, that on Payment of the Money by them or either of them, the Mortgage-Term was to be assigned, as they or either of them should direct or appoint.

The Mortgage bore Date *Aug. 1, 1682.* On the 5th of the same *Aug.* the late Earl by Letter thank'd the Countess for having sealed the Mortgage; and added, that the Profits of the Office should be religiously applied to pay off the Incumbrance: But yet afterwards, when Money came in, he paid off the Mortgage; but took an Assignment thereof in Trust for himself, and by Will devised his personal Estate to the Defendant, the Countess his *second* Wife, and the Benefit of this Mortgage.

The Plaintiff's Bill was to have the Mortgage assigned to him. But the *Lord Keeper* declared he could not decree for the Plaintiff, but upon the usual Terms of a Redemption on Payment of Principal, Interest and Costs, discounting Profits.

But upon *Appeal* to the *Lords* in *Parliament*, the Plaintiff obtained a Decree to have the Mortgage assigned to him.

Bruen versus Bruen.

Cafe 403.
May 15.

BY the Marriage-Settlement, a Term was lodged in Trustees, to commence after the Decease of the Father and Mother, in Trust to raise 3000*l.* in *twelve* Months after the Death of the Survivor, for Portions for Daughters; there being Issue only one Daughter of the Marriage, the Father by Will devised the Trust-Lands to make good his Wife's Jointure of 200*l.* *per Ann.* and for raising 3000*l.* for his Daughter's Portion; and died, leaving Issue a Daughter, who died when *five* Years old. The Mother took out Administration to her, and claimed the 3000*l.* against the Uncle and Heir.

A Term is created by Marriage-Settlement to raise 3000*l.* for Daughters Portions within 12 Months after the Death of the Survivor of Husband and Wife. There being one Daughter, the Father by Will devises the Trust-Lands

to make good his Wife's Jointure, and to raise 3000*l.* for his Daughter's Portion. The Daughter shall not have two Portions of 3000*l.* and she dying at the Age of five Years, and the Portion being to be raised out of Land, it shall not be raised for her Administrator.

Per Cur. First that the Will shall be taken as relative to the Settlement, and construed as for the better securing the 3000*l.* by the Settlement, and not as a Devise of another 3000*l.*

Secondly, It being for a Portion to be raised out of the Land, and the Daughter dying when but *five* Years old, before she had Occasion for a Portion; although no Time was appointed for the Payment of it, it shall merge in the Land for the Benefit of the Heir, and not go to the Administrator.

Ant. Ca. 380.

D E

Term. S. Michaelis,

1702.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Cafe 404.
Decemb. 5.*Kendar verſus Milward.*

A. dies inteſtate leaving a Wife and 2 Daughters; after his Death 200 l. is found hid in a Wall, and 200 l. in a Box. The Widow lays out this Money in Land, and ſettles it to the Uſe of her ſelf for Life, Remainder to her Daughters in Tail, Remainder to her own right Heirs.

Thomas Chalkley a Meal-Man of *Uxbridge* died Intefſtate, leaving a Widow and *two* Daughters. It was proved that 200 Guineas were found hid in a Hole in the Wall, and 200 l. in Silver in a Box, beſides his Stock in Trade. The Widow inveſts the 400 l. in a Purchase of Lands of Inheritance, and ſettles the ſame to her ſelf for Life, Remainder to her two Daughters in Tail, Remainder to her own Right Heirs; both the Daughters died without Iſſue inteſtate; the Defendant as Heir to the Mother entered on the Lands.

After the Death of the Mother and two Daughters, Plaintiff as Adminiſtrator to the Daughters, brings a Bill againſt the Heir at Law, to have *two Thirds* of the 400 l. out of the Land as perſonal Eſtate, and the *Maſter of the Rolls* decreed for him; but the Decree was reverſed by the *Lord Keeper*, Money having no Ear-Mark.

The Plaintiff, as next of Kin, and as Adminiſtrator to the Daughter, brought his Bill to ſubject the Land to the 400 l. that is, to refund *two Thirds* thereof, as being

being personal Estate belonging to the Daughters; and several Witnesses were examined, proving that the 200 *l.* so found in the Wall, and the 200 *l.* in the Box was invested in this Purchase.

The *Master* of the *Rolls* decreed for the Plaintiff; but upon an Appeal to the *Lord Keeper*, the Decree was reversed, being within the Reason of the Case of *Kirk* and *Webb*, lately affirmed upon an Appeal in *Parliament*, that Money had no Ear-Mark, and could not be followed *Post. Ca. 438.* when invested in a Purchase.

Haines versus Haines.

Case 405.

THE Uncle having devised his real Estate, Part to the Plaintiff, and other Part to other Relations, and disinherited his Nephew and Heir at Law; at the Funeral of the Uncle, a younger Brother of the Heir at Law snatched the Will out of the Hands of the Executor, and tore it in many small Pieces; and most of them, and particularly such Part, wherein was the Devise of the Land, were picked up and stitched together again.

A. devises Lands to several Persons, and after his Death, one, who was a Friend to the Heir at Law, snatches the Will out of the Executor's Hands, and tears it in pieces. The Pieces being gathered up, and stiched together, a Bill is brought to establish the Will, and decreed the Devisees to hold and enjoy, and the Heir to convey to them.

The Bill was to have the Will established; and decreed that the Devisees should hold and enjoy against the Heir; and he to convey to the Devisees, although no direct Proof made that the Heir directed the Tearing of the Will.

Cafe 406. *Sir John Heathcoate ver. Sir John Fleete.*

Bill to discover who was Owner of a Wharf and Lighter, to enable the Plaintiff to bring Action for Damages his Goods

BILL to discover, who was Owner of a Wharf and Lighter, to enable the Plaintiff to bring an Action for the Damages his Goods sustained by the Lighter's being over set, by Negligence of the Lighter-Man. The Defendant demurred.

had sustained by the Negligence of the Lighter-Man. Defendant demurred. Demurrer overruled. See the next Cafe.

D E

Term. S. Michaelis,

1703.

In CURIA CANCELLARIÆ.

*Morse versus Buckworth.*Cafe 467.
Oftob. 18.

THE Ship called the *Turkey Merchant*, taking Fire by the Neglect of the Master, or Ship's Crew, the Plaintiff who was one of the Freighters, and had his Goods burnt, brought his Bill to discover, who were Part-owners of the Ship, to enable him to bring his Action. The Defendant demurred.

See the preceding Cafe.

In both these Cafes it was insisted on for the Defendant, that it was a hard Demand in its Nature. The Plaintiff might recover at Law, as he could, but was not to be assisted in Equity; and compared it to the Cafe, where a Fire happens in a Man's House, and burns his Neighbours also; altho' he is liable to Damages at Law, yet the Plaintiff in such Cafe shall not be assisted in Equity.

Per Cur. The Cafes are not alike. In the Cafe put, it is true, the Law gives an Action; but it doth not arise out of any Contract or Undertaking of the Party;
but

but in the Cafes before the Court, the Lighter-Man receives a Premium, or Wages for Undertaking to conduct the Goods to the Wharf; and so the Masters or Owners are by Agreement to have Freight for carrying and transporting of the Goods; and it is within the Reason of the Cafe of any common Carrier; and therefore overruled the Demurrers, and ordered the Defendants to answer.

Cafe 408.
Oftob. 23.

Webster versus Bishop.

An Award is made a Rule of Court according to a Submission for that Purpose, and an Attachment is taken out for not obeying the Award, and then the Party dies, against whom the Attachment issues. By the Act of Parliament the Attachment is gone, and the Remedy lost.

WEBSTER having submitted to an Award, and that the same should be made a Rule of Court, the same was accordingly made a Rule of this Court; and an Attachment issued out against him for not performing the Award. *Webster* was afterwards found a *Lunatick*. *Bishop* took out a *Subpœna scire fac'* against the Executrix and Heir, to carry on the Rule of Court to an Execution.

Per Cur. The Act of Parliament directing it to be carried on by an Attachment, as is done in other Courts for disobeying a Rule of Court; by the Death of the Party the Attachment is gone, and the Remedy lost.

Cafe 409.
Oftob. 29.

Humble versus Bill & al'.

A. having a Term in the Printing-Office for 21 Years, by Will directs that 2000*l.* shall be raised out of the Profits for his Daughter, and her Children, and made *B.* Executor; *B.* mortgages the Term. Decreed the Daughter and her Children should redeem, or be foreclosed; but this Decree was reversed by the House of Lords.

BILL having a Term for *Twenty-one* Years in the *Printing-Office*, devised (amongst other Things) that 2000*l.* should be raised out of the Profits of the *Printing-Office* for his Daughter, the Wife of *Darcy Savage*, and

and their Children, and made one *Garret* Executor; who first mortgaged the Term in the *Printing-Office* to *Dr. Brown*, and the same was afterwards assigned to *Sir William Humble* for 1800 *l.*

It was insisted, here was no Occasion to sell to pay Debts, and *Sir William* having Notice of the Will, was to take the Estate subject unto the 2000 *l.*

But the Court was of Opinion, that the Executor of a testamentary Estate, had the Power over it so as to alien or sell, as he should judge necessary; and that if he sold in Prejudice of a residuary or specifick Legatee, they might have their Remedy against the Executor, but not follow the Estate into the Hands of a Purchaser; for should that be allowed, no one would venture to buy of an Executor; for it would be unreasonable that a Purchaser should take upon him to make out the Account, as to the *Quantum* of the Debts or Assets; nor is he intitled to have the Vouchers to make out such an Account; and if such Difficulties be put upon Purchasers of Chattles, &c. from Executors, it will follow, that Executors will be under an Incapacity, and disabled to sell, though there be never so much Occasion for it, for Payment of Debts; and therefore the Court decreed an Account to the Plaintiff of the Rents and Profits, and to hold and enjoy the *Printing-Office*, and Defendants to redeem, or be foreclosed.

Note; This Decree was afterwards reversed upon an *Appeal* to the *House of Lords*.

Stribblehill versus *Brett*.

Case 410.
Nov. 13.

Defendant had a Lease made by *Thomas Thynn* Esq; of the Impropriation of *Thame* for two Lives, in Reversion after another Lease for Life of *Mr. Thynn* of *Egham*. Decree grounded on 2 Verdicts at Law, reversed by the *House of Lords*.

Egham. On the Death of Mr. *Thynn* without Issue, the Estate came to the Lord *Weymouth*, who had made a Lease, under which the Plaintiff claimed.

The Plaintiff's Bill was to set aside the Defendant's Lease upon Surmise, that the Consideration of the Lease was Colonel *Brett's* Undertaking to procure a Marriage to be had between Mr. *Thynn* and the Lady *Ogle*.

It was objected by the Defendant's Counsel, that the Lord *Weymouth* being a Remainder-Man, claimed by Settlement paramount, and came not in Privy of Estate; and therefore neither he nor his Lessee intitled to controvert, whether the Lease was made on good Consideration or not; but not allowed.

Lease granted by Tenant in Tail in Consideration of procuring a Match, set aside at the Suit of the Remainder-Man.

Per Cur. If the Lease was gained by Fraud, or an unjust Consideration, it is to be deemed void, and the Estate discharged of it, as if no such Lease had been made.

The Court directed an Issue to be tried at the Bar of the Court of *Common Pleas*, whether the Lease was made in Consideration of Colonel *Brett's* Assisting to effect or procure the said Marriage. Two Verdicts for the Defendant, and thereupon the Bill was dismissed.

Upon an Appeal to the *Lords in Parliament*, the Decree was reversed, and without Regard to the Verdicts, the Lease was set aside.

Richardson

*Richardson versus Sydenham.*Case 411.
Nov. 16.

ONE *Allay* demises six Acres of Pasture Land at *Lambeth*, being Copyhold, for three Years at 13 *l.* per Ann. The Tenant, who was by Trade a Gardiner, covenants to lay out 100 *l.* in Improvements, and in Consideration thereof, the Lessor covenanted at the End of the Term to grant a new Lease under the same Rents and Covenants. The Defendant having purchased the Estate, refused to grant the new Lease. Decreed *pro Quer.* and Covenants. Purchaser of the Inheritance decreed to make good this Covenant.

A. makes a Lease for 3 Years, and in Consideration of the Lessee laying out 100 *l.* in Improvements, covenants at the End of the Term to grant a new Lease at the same Rent

*Nevil & al' versus Johnson & al'.*Case 412.
Nov. 19.

THE Lord *Lovelace* by Will devised his real Estate for Payment of Debts, the Surplus to the Plaintiffs. The Creditors brought a Bill for the Payment of their Debts, and to set aside several Conveyances fraudulently obtained, and made Sir *Henry Johnson* and his Wife, and also the Legatees, Defendants; and obtained a Decree for Payment of their Debts, and to set aside the Conveyances, as unduly obtained by Sir *Henry Johnson*.

The Creditors of Lord *Lovelace* obtain a Decree for payment of their Debts, and to set aside some Conveyances gained by Fraud, and Sir *Henry Johnson* and the Legatees are made Defendants.

The Legatees having brought their Bill against Sir *Henry Johnson*; the Question was, if the Depositions in the former Cause touching the Fraud could be read in this. *Per Cur.* The Question being the same in both Causes, and Sir *Henry Johnson's* Defence the same, the Depositions ought to be read.

Now the Legatees brought their Bill against Sir *Hen. Johnson* and his Wife, praying to set aside Conveyances, and to have an Account of the Surplus of the Estate.

The Question was, Whether the Depositions taken in the former Cause, as to the Fraud and undue Obtaining of the Deeds, could be read in this Cause for the Legatees

gatees against Sir *Henry Johnson & ux'*, who were *Co-Defendants* in the former Cause.

Per Lord Keeper and Master of the Rolls, there being the same Question in both Causes; and Sir *Henry Johnson's* Defence being the same in both Causes, the Depositions ought to be read.

Cafe 413.
Decemb. 16. *Baskerville* versus *Baskerville* and Lady *Gore & al'*.

A. on the Marriage of his Son with *B.* a Widow, articles to make a Settlement in Consideration of a Portion of 2600*l.* to be paid to him. 1000 *l.* of the Portion being tied up by Articles on *B.'s* first Marriage, it could not be paid. On Bill brought by the Father, the Articles were decreed at the *Rolls* to be performed in six Months, or delivered up. Upon an Appeal to the *Lord Keeper*, he decreed the Son to make good the 1000 *l.* he being a Party to the Articles, and also bound by his Wife's Covenant, who had thereby, whilst Sole, covenanted for Payment of the Portion.

Baskerville the Father, upon the Treaty for the Marriage of the Defendant his eldest Son, with Mrs. *Reyner* Widow, the Daughter of the Lady *Gore*, by Articles of April 1, 1699, between *Baskerville* Father and Son on the one Part, and Mrs. *Reyner* and *John Gereher* Uncle on the other Part; *Baskerville* the Father covenants, in Consideration of the intended Marriage had, and of Payment of the Portion of 2600 *l.* he would settle on his Son for Life, Part for Jointure, Remainder of the Whole upon the first Son, &c. It fell out that 1000 *l.* Part of the intended Portion upon her first Marriage with Mr. *Reyner*, was lodged in the Hands of Trustees to be invested in Lands, and settled on *Reyner & ux'* for Life, Remainder to their Issue, Remainder to her Children by any other Husband, Remainder to the right Heirs of *Reyner*; so that this 1000 *l.* could not be paid to compleat the Portion as was intended; and until the whole Portion was paid, *Baskerville* refused to settle.

The Marriage was had, and there were several Children, and *Baskerville* the Father wanting the Portion to provide for his younger Children, brought his Bill against his Son and Daughter, and *William Gore* the Uncle, to have the Portion

Portion paid, or Articles delivered up; and a cross Bill was brought to have the Articles performed, and a Settlement made in Proportion to so much of the Portion as could be raised and paid.

The Cause was first heard at the *Rolls*, and there decreed the Articles to be performed in *six* Months, or delivered up to be cancelled.

Upon an Appeal to the *Lord Keeper*, he held the Decree so far to be good, that *Baskerville* the Father could not be compelled to settle without having the Portion paid; but in as much as the Marriage was had, it would be very hard to discharge the Marriage-Articles; and the Son being a Party to the Articles, he was of Opinion, that the Son was bound to pay the Portion; and if he had not been a Party to the Articles; yet his Wife, whilst *Sole*, having covenanted for Payment of the Portion, the Husband after Marriage would be bound to perform that Covenant; and therefore decreed the Husband to make good the 1000*l.* of the Portion.

Bampfild versus Popham.

Cafe 414.

THIS Cafe came on to be argued before the *Lord* Ant. Ca. 388.
Keeper, assisted with the Lord Chief Justices *Holt*
and Trevor, and Justice *Powell*, who all unanimously a-
 greed, that Mr. *Popham* had only an Estate for Life;
 and that it was a fixed Rule in Law, that an *express*
Estate for Life, cannot be enlarged by an Implication; by
 express Words it may; as in the common Cafe, if an
 Estate be given to *J. S.* for Life, and after his Decease
 to the Heirs of his Body; *that* by express Words en-
 largeth his Estate, and makes him Tenant in Tail. But
 it is otherwise in this Cafe, where an express Estate for
 Life is limited to him, and his first and other Sons in
 Tail, provided if he die without an Heir Male, or if he

An express
 Estate for
 Life cannot
 be enlarged
 by an Impli-
 cation; but
 may by ex-
 press Words.

1 Sid. 47.

1 Vent. 214.
Pol. 101.

dies without Issue Male, or for want of Issue Male, altho' such Words are sufficient to create an Estate-Tail, yet it is only by Implication, and when an express Estate for Life is not before limited. Even in a Will, an Implication shall not alter an express Estate; but where there is a subsequent Devise in express Words to the same Person, to whom an Estate for Life was before devised, *that* will enlarge the Estate; as in the Case of *Plunckett and Holmes*, or *Wedge-wood's Case in Siderfin*; the Case of *King and Melling* cited; *Milliner and Robinson's Case*, Moor 682. *Frencham's Case*, 43 Eliz. *Burleigh's Case* cited by *Hale*. *Clerk and Davy*, Rolle 839. Devise to *Rose* for Life, and if she have Heir of her Body, the Heir to have it; adjudged that *Rose* had only an Estate for Life, *Cr. Eliz.* 313. *Owen* 148. *Bullington and Barnadiston*, Devise to *Evers Armin* for Life, if he died without Issue Male, Remainder over: Agreed it would not make an Estate-Tail.

And it was said, that the Reason of the Thing, and Intent of the Testator, as well as the Rules of Law, were against him. *First*, for that it is plain the Testator intended that the first and other Sons should take by Purchase, and not by *Descent*; and the Occasion of the Proviso, that if he left no Heir Male, &c. was not intended to enlarge the Estate, but to govern and direct what was to become of the Trust, in Case there was no Son to carry it over to the Plaintiff. And as to the Objection, that a *Posthumous* Son was not expressly provided for, but might be by this implied Estate-Tail: It was answered, *that* was a remote Contingency, and it may be, not thought of by the Testator; and he might not think it necessary to provide for a *Posthumous* Son; but manifestly thought it necessary to provide, that it should not be in the Power of the Father to bar his Son; and therefore made him but Tenant for Life; and besides, it being of a Trust, *that* might support the Remainder to a *Posthumous* Son.

I

Secondly,

Secondly, It was objected, that by the Codicil the Testator recites, he had devised an Estate-Tail to the Defendant. It was answered, that in common *Parlance*, and in ordinary Acceptation, where an Estate is given to the Father for Life, and to his first and other Sons in Tail, it is looked upon as an Entail; and is the strictest way of entailing an Estate. But *secondly*, a Recital in a Will or Codicil, cannot amount unto a Devise. 2 Vent. 56.

Thirdly, As to *Sunday's Case* in the 6th Report, if he have Issue Male, his Son to have it, and if he die without Issue Male, the Estate to go over; there adjudged the Son should have an Estate-Tail, but *that* no Way affects this Case, because no express Estate for Life.

It was admitted that no Estate-Tail, even in a Deed, may be raised by Implication, as is adjudged in the Case of *Gardner and Sheldon* in *Vaughan's Reports*; and where there is not any express Estate before limited, as a Devise to a Man and the Heirs of his Body, and then comes the Clause, if he die without Heir; *that* shall not enlarge the Estate by Implication; but by express Words it may be done; as in *Lewis Bowles's Case* 11 Rep. Covenant to stand seised to the Use of a Man and his Wife for their Lives, Remainder to the first and other Sons, Remainder to the Heirs of their two Bodies; there the Remainder is express and good.

No Estate-Tail in a Deed can be raised by Implication. *Vaugh. 259.*

79. b.

Decreed an Injunction to stay Waste, and an Account of what Timber was felled.

Aston

Case 415.

Aston versus Aston.

A. by Will gives Portions to his Daughters, but mentions no Time, when to be paid, but adds a proviso, that his Daughters should marry with Consent of his Wife; and if any married without such Consent, her Portion to go over. On a Bill brought by the Daughters for their Portions, the Court decreed the Portions to be paid; but on Security to refund, if the Condition should be broken.

*S*IR Willoughby Aston by Will directed, that the Portions of his then unmarried Daughters (being *six*, Plaintiffs) of 6000*l.* provided by his Marriage-Settlement, should be made up 4000*l.* apiece out of his personal Estate, and Lands devised to be sold for that Purpose; provided that each of his said Daughters be married with the Consent of his Wife, if living; and if dead, then with the Consent of his eldest Son, in Writing, signed in the Presence of *three* or more Witnesses before Marriage; and if any of my Daughters shall marry without such Consent, her Portion shall go, first to make up the other Daughters Portions 4000*l.* apiece, if the Fund prove deficient; and if any Surplus, *that* to go to his younger Sons.

Where Portions are provided for Daughters by a Settlement, the Father cannot by his Will annex any Condition to the Payment of them, or devise them over, in case of the Death of any of the Daughters, before their Portions become payable.

The Lord Keeper decreed *first*, as to the 6000*l.* provided by the Settlement, the Father had only a Power of appointing Portions; that in Case either of them died before her Portion was payable, and unmarried, that the Portion would extinguish in the Land for the Benefit of the Heir, and he could not annex any Condition to it or devise it over.

over, in case of the Death of any of the Daughters, before their Portions become payable.

Secondly, That although the Devise be to them, if married with Consent; yet it is but a Condition subsequent, and not precedent, and the Portions are vested Portions.

Thirdly, That in Case of Marriage without Consent, although but a Condition subsequent, the Court cannot relieve

relieve against the Forfeiture, by Reason of the Devise over; altho' it be a hard Condition, no Time being limited, but goes to a Marriage at any Time, even after the Age of *Twenty-one*.

Decreed the Portions to be paid; but on Security to refund, in case the Condition should be broken.

The Cases of *Bellasis* and *Earl*, 1 *Chan. Rep.* 22. *Stratton Ant. Ca.* 323. and *Grimes*.

Attorney General at the Relation of Pet- Case 416.
Decemb. 17.
tifer versus Rye and Warwick & al'.

Michael Foxley, Tenant in Tail, by Will devised the Premises in Question for the Maintenance of a *School-Master* and other *charitable* Uses. The Question was, Whether a Devise by Tenant in Tail, who levied no Fine, nor suffered any Recovery, be a good Appointment within the Statute of *charitable Uses* against the Defendants, who claimed under the Intail. The Commissioners below had decreed it to the Charity; and upon Exceptions now taken to the Decree, it was confirmed by the *Lord Keeper*, who said, he was of Opinion, that the Intent of the Act of the *Queen* for *charitable Uses*, was to make the Disposition of the Party as free and easy as his Mind; and not to oblige him to the Observance of any Form or Ceremony either of *Lease* or *Release*, or *Common Recovery* or *Fine*, &c. and cited the Case of *Collison* in *Hobart*; where before the Statute of *Wills*, a Will of Land made 15 *H. 8.* devising the same for Repair of Highways, was adjudged to be good within the Statute of the *Queen*, though made long after, *Moor* 888. the same Case, but there called *Rolle's Case*.

Tenant in Tail devises Lands for Maintenance of a School-Master, and other charitable Purposes. Decreed to be a good Appointment within the Statute of charitable Uses, tho' no Fine was levied, or Recovery suffered.

Hob. 136.

Griffith Flood's Case in *Hobart*, a Devise to *Jesus College* being in *Mortmain*, and void at Law; yet allowed good within the Statute of the *Queen*.

Damus's Case Moor 822, a Feme Covert Adminiftratrix devises to Charity, and held good.

Rivett's Case Moor 890. Devise of a Copyhold without a Surrender to the Use of the Will held good; and so in *Reppington* versus *Reppington*, and the Town of *Chaid* and *Opie*.

Higgins ver. *Town of Southampton*, on the Will of one *Mill*, *June* 26, 1671, a Devise out of a Manor held in *Capite*, decreed good, being to a Charity; altho' otherwise the Will void, as to a third Part; *Wild* and *Windham*, who assisted in that Case, saying, that the Statute of the *Queen* was an enabling Act, giving Power in any Manner to dispose to charitable Uses.

In the Case of *Sir John Platt* and *St. John's College*, in 27 *Car. 2.* a *Misnomer* supplied. 1 *Chanc. Rep.* 267.

D E

Term. S. Hillarii,

1703.

In CURIA CANCELLARIÆ.

*Pyke versus Williams, & econtra.*Case 417.
Feb. 4.

THE Defendart *Williams* having mortgaged the Lands in Question to one *Marsh* for 760*l.* died, leaving an Infant; and it being for the Advantage of the Infant that the Estate should be sold, an Act of Parliament was procured for that Purpose; and the Widow and Trustees held a publick Survey for the Sale of it; at which *Pyke* appeared, and offered 1250*l.* for it; but one *Goulson* bid 1350*l.* and signed the Contract, but shortly afterwards died; and then the Plaintiff *Pyke* offered again 1250*l.* which was accepted, and agreed unto; Conveyances directed to be made, and Possession actually delivered in *June* 1692; but Disputes arising about settling the Conveyances; *Pyke* in *Sept.* 1692, got an Assignment from *Marsh* of the Mortgage, and gets it antedated as in *July* 1692.

A publick Survey is held for Sale of an Estate, and *A.* offering 1250*l.* for it, it is accepted and agreed to, and Conveyances are ordered to be got ready, and *A.* is put into Possession; but Disputes arising about settling the Conveyances, *A.* gets an Assignment of a Mortgage to which the Estate is subject, and antedates it, and refuses to go on with the Purchase: Tho' the Agreement was only parol; yet on the Circumstances of this Case, *A.* was decreed to proceed in the Purchase.

The Plaintiff *Pyke's* Bill was, that the Defendant might redeem or be foreclosed; the cross Bill was to compel *Pyke* to go on with his Purchase. *Pyke* by Answer confessed he agreed to purchase for 1200 *l.* that Directions were given for drawing the Conveyances, touching which Disputes afterwards arose between them; denied he entred pursuant to his Contract for the Purchase, but under the Assignment of the Mortgage; and denied the Mortgage was antedated; in all which Particulars his Answer was fully disproved; and the single Question was, Whether upon the Circumstances of this Case, although the Agreement was only *Parol*, it should be decreed, and *Pyke* held to his Purchase.

And as Instances where *parol* Agreements, in Part executed by delivering of Possession, &c. had been decreed since the Statute against *Frauds and Perjuries*, were cited the Cases of *Foxcraft* and *Lister*, where the Plaintiff, pursuant to a *parol* Agreement for a building Lease of *Wild House*, proceeded to pull down Part, and build Part; and before any Lease executed, the Owner of the Soil died; the Defendants his Representatives knew nothing of the Matter, and insisted on the Statute made for the *Prevention of Frauds and Perjuries*, and the Lord Keeper dismissed the Bill; but upon an Appeal to the Lords in *Parliament*, that Dismission was reversed, and a building Lease decreed; and the Case of *Butcher and Butcher*.

The Lord Keeper decreed *Pyke* to proceed in the Purchase, in case he could have a good Title; and for that Purpose referred it to a Master.

Laurence versus Blatchford & al.

Case 418.
Feb. 26.

*E*Uſtace Man upon his Marriage, ſettled to the Uſe of himſelf for Life, to his Wife for Life, to his firſt and other Sons in Tail Male; in Default of ſuch Iſſue to Trustees for 500 Years in Truſt, if but one Daughter, to raiſe 2000 *l.* for the Portion of ſuch Daughter, payable at *twenty-one* or Marriage. He left Iſſue only one Daughter, and by Will deviſed all his Lands to Trustees for the Term of *ſixty* Years, to pay Debts and Legacies, Remainder to his Daughter in Tail; in Default of Iſſue to the Defendants, the *Blatchfords*, his Siſter's Children, and deviſed ſome Fee-Farm Rents to his Daughter and her Heirs.

A Daughter's Portion ſecured by a Truſt-Term not extin-guiſhed by a Deviſe of the Lands to the Daughter in Tail.

The Plaintiff, with the Conſent of the Friends and Relations, married the Daughter, when *ſixteen* Years of Age; and Articles were entred into, whereby the Plaintiff covenanted to pay the Legacies charged upon the Eſtate, amounting to 1500 *l.* within *ſix* Months after the Marriage; and on the Behalf of the Wife it was covenanted by her Friends, that ſhe, when of Age, ſhould ſettle her Eſtate on the Plaintiff for Life, &c.

The Plaintiff gave a Statute, and likewise a Mortgage of his own Eſtate to ſecure Payment of the Legacies, and by an Indorſement on the Mortgage the ſame was to be void, unleſs the Wife's Eſtate was ſettled on the Plaintiff for Life. The Wife died an Infant, the Plaintiff not having paid the 1500 *l.* Legacies, nor received the 2000 *l.* Portion.

The Bill was to have the 2000 *l.* Portion paid to him as Adminiſtrator to his Wife; and to have up the Statute and Mortgage, and Articles, without paying the

1500*l.* Legacies, being he could not enjoy his Wife's Estate for Life.

The Questions were first, Whether the Portion was extinguished by the Devise of an Estate-Tail to the Daughter, expectant on the Trust-Term for *sixty* Years for Payment of Debts and Legacies; and it was insisted it could not be extinguished; because nothing descended or came to her in Possession, only a Reversion expectant on the *sixty* Years Term, and *that* also but of an Estate-Tail. Whereas in the Case of *Kemish* and *Thomas*, the Fee-simple in present Possession descended on the Daughter; yet *that* was no Extinguishment of the Portion, but held to be subsisting, and to go to her Administrator.

Ant. Ca. 320.

Secondly, If not extinguished, whether what was given by the Will should be deemed a Satisfaction.

Thirdly, If the Indorsement on the Mortgage only was sufficient to discharge the Statute and Articles also; and held it was sufficient for that Purpose; all being executed at one and the same Time; the same Witnesses, and Part of the same Agreement, and all to be looked upon as but one Conveyance.

Case 419. *Elizabeth Gerrard Spinster versus Sir Francis Gerrard.*
Lord Keeper.
Feb. 29.

By Marriage-Settlement a Term is limited to raise 5000*l.* if but one Daughter, to be paid at 21 or Marriage, which should first happen after the Death of the Father and Mother, or within *six* Months after either of those Days or Times. There being one Daughter only, and she having attained 21, and her Father being dead, her Portion was decreed to be raised in the Life-time of her Mother.

Jointure; Remainder to the first and other Sons in Tail; but if Sir *Charles* should die without Issue Male, having one or more Daughters, then to Trustees for the Term of 500 Years, in Trust to raise 5000 *l.* if one Daughter, to be paid at *Twenty-one* or Marriage, which should first happen next after the Decease of Sir *Charles* and *Honoriam*, or within *six* Months after either of those Days or Times; so as such Daughter do not marry before *Eighteen*, without the Consent of Parent or Grand-Parent, if then living. Sir *Charles* died without Issue Male, left only the Plaintiff a Daughter, who in 1698, attained *Twenty-one*, the Mother still living.

The Question was, Whether the Portion should be raised in the Life-time of the Mother; for, if not, the Daughter, as she was already *Twenty-one*, if she is to expect after the Decease of her Mother, a Portion may come too late to prefer her in Marriage; and besides, according to the strict Letter of the Deed, if she should marry in the Life-time of her Mother, she is not to have any Portion even after the Decease of her Mother, the Portion being made payable at *Twenty-one* or Marriage, which should first happen after the Decease of Sir *Charles* and *Honoriam*; and therefore it was insisted that the Words, *or within six Months after either of the Days or Times aforesaid*, were intended to provide for the Case, which hath happened; viz. that if the Daughter attained *Twenty-one* or married in the Life-time of the Mother, there should be *six* Months Time afterwards allowed for raising of it: If she married, or attained *Twenty-one* after her Mother's Decease, then to be raised immediately, or in any of the Cases, within *six* Months after *Twenty-one* or Marriage; and the Portion was decreed to be raised accordingly.

Vide the next Case.

Staniforth

Cafe 420. *Staniforth and Clerkson versus Staniforth.*

Feb. 29.

In Court, Master of the Rolls.

By Marriage-Settlement, Lands are limited to Husband and Wife for their Lives, Remainder to the Heirs Male of their Bodies; and if there should be no Issue Male of their Bodies, and one or more Daughters, then to Trustees for 5 Hundred

Years from the Decease of the Survivor, in Trust by Sale or Mortgage, to raise 1000*l.* for Daughters Portions; but there is no Time appointed for the Payment of them. The Father dies leaving a Daughter only. The Portion vesting in the Daughter in the Life-time of the Mother, it was decreed to be raised by a Sale with reasonable Maintenance in the mean Time, though no Maintenance is provided by the Settlement.

March 13.

The Cause being now further heard, upon View of Precedents, *viz.* *Hilliar versus Jones*, and the Cafe of *Ant. Ca. 308. Shouldham versus Shouldham*, where future Terms have been decreed to be sold to raise Portions, although not to commence in Possession, until after the Death of the Father and Mother, and the Cafe of *Gerrard and Gerrard*, lately decreed by the Lord Keeper.

The Master of the Rolls declared, *first*, that by the Contingency of the Father's Death without Issue Male of that Marriage, leaving a Daughter, the Term did arise, though not to take Effect in Point of Profits, until after the Death of the Mother.

Secondly, That the Portion doth vest in the Daughter, in the Life-time of the Mother.

I

Thirdly,

Thirdly, No Time being appointed for the Payment of the Portion, nor any Maintenance in the mean Time, that she was intitled to a reasonable Maintenance, not exceeding the Interest of the Portion, from the Death of the Father; or at least-wise from such Time, as the Portion might have been raised by a Sale.

And decreed the Portion to be raised by Sale with a reasonable Maintenance in the mean Time.

Rooke versus Rooke.

Cafe 421.
Mar. b 1.

J. S. seized in Fee devised *Blackacre* to *A.* for Life, and devised to *B.* *all his Lands, not before devised*, to be sold, and the Money to be divided between his younger Children.

A. seized in Fee devises *Blackacre* to *B.* for Life, and devised to *C.* *all his Lands not before devised*, to be devised to *C.*

be sold. By this Devise of *all his Lands*, &c. the Reversion of *Blackacre* was well

The Question was, Whether the Reversion of *Blackacre* past by the Devise of all his Lands not before devised; and it having been referred to the *Judges* of the *Common Pleas*, they unanimously agreed and certified, that the Reversion was well devised; and it was decreed accordingly.

D E

Term. S. Michaelis,

1704.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Case 422.
Novemb. 8.*Brandling versus Owen, & econtra.*

THE Plaintiff having first made a Lease to the Defendant *Owen* of a Colliery, and after mortgaged to him the Manor of *Felling* and the Colliery : The Bill was to redeem. The Plaintiff insisted the Defendant had broken the Covenants in his Lease, by not having left sufficient *Baulks* and *Pillars* to support the Work : And *secondly*, being by his Lease to pay 10*s.* for every Tun of Coals ; he had made his Waggon of a larger Size than ordinary, to defraud him in that Particular.

The Court left him to recover Damages at Law, as he could, on the collateral Covenants for not working of the Colliery ; and such Damages were not to be brought into the Account of Redemption.

But as to the over Size of the Waggon, directed an Issue at Law.

Hall verſus Adkinſon and Daniel.

Cafe 423.

THE Plaintiff by his Bill charged that in the Mortgage made by one *Wyſbinburgh* to *Adkinſon*, there was a Trust declared for the Benefit of the Plaintiff; but the ſaid *Adkinſon* having ſince conveyed to *Daniel*, he reſuſed to diſcover the Trust. The Defendant *Daniel* by Answer ſaid, that in the ſaid Mortgage there was no Trust declared for the Benefit of the Plaintiff; whereto the Plaintiff replied, and the Queſtion now at the Hearing was, Whether the Defendant *Daniel* ſhould be obliged to produce the Deed or not.

Bill for a Discovery whether in a Mortgage made by *A.* to *B.* which had been aſſigned to the Defendant, there was not ſome Trust declared for the Benefit of the Plaintiff. Defendant by Answer denied there was any

Trust declared for the Plaintiff. The Answer being replied to, the Queſtion at the Hearing was, Whether the Defendant ſhould be obliged to produce the Deed; the Court would not compel him to do it. *Q.*

Lord Keeper. I will not oblige him to produce it; by this Method all Purchaſers may be blown up. *Q. tamen.*

Needham verſus Smith.

Cafe 424.
Nov. 17.

UPON an Appeal from the *Rolls*, it was objected to the Evidence of one *Norris*, a Witneſs examined in the Cauſe, and read at the Hearing at the *Rolls*, that ſince that Hearing, in Answer to a Bill exhibited againſt him, he had confeſſed, that on the Day on which he was examined as a Witneſs, he took a Bond of the Plaintiff, that if the Plaintiff recovered the Eſtate in Queſtion, he would convey Part of it to the ſaid *Norris*.

Upon an Appeal from the *Rolls*, it was objected to the Evidence of a Witneſs examined in the Cauſe, and read at the former Hearing, that he had ſince, by Answer to a Bill exhibited againſt him,

confeſſed that on the Day he was examined, the Plaintiff gave him a Bond, that if he recovered the Land in Queſtion, he would convey Part of it to the Witneſs. By the Opinion of the *Lord Keeper*, aſſiſted by two Judges, this Answer was ordered to be read.

The

The Question now was, Whether that Answer should be now read to take off his Evidence; and the *Lord Keeper*, assisted with the Lord Chief Justice *Holt*, and Justice *Powel*, were all of Opinion, that the Answer ought to be read.

Upon an Appeal from the *Rolls* the Cause is intirely open.

After Publication you may examine to the Competency, as well as a Credibility of a Witness.

Justice *Powel*. The Cause upon an Appeal from the *Rolls* is intirely open; and if the Answer had been in then, it might have been read there, and you may now read it here upon the Appeal: And as to the Objection that was made, that after Publication you may examine as to the Credibility, but not as to the Competency of a Witness, it was a Difference without *Colour* of Reason; if you may examine to the Credibility, which goes to Part, you may certainly examine to the Competency, which goes to the whole, and totally destroys his Evidence. And as to the Objection, that by taking the Advantage of an Answer to take off the Evidence of a Witness, the adverse Party looseth the Opportunity of cross examining of him: It was answered, that it being proved, the Witness was a Party interested; no Proof is to be admitted to shew him not to be interested.

If after hearing, a Witness is convicted of Perjury, the Party may take Advantage of it upon a Rehearing.

Lord Chief Justice. If after the Hearing, a Witness is convicted of Perjury, you may take Advantage of it upon a Rehearing.

Lord Keeper. Though a Witness is examined an Hour together at Law, if in any Part of his Evidence it appears that he was a Party interested, the Court will direct the Jury, that he is no Witness, nor any Regard to be had to his Evidence.

The Answer thereupon was read.

Lassells & al' versus Dominum Cornwallis. Case 425.

THE late Lord *Cornwallis*, on his Marriage with the Daughter of Sir *Stephen Fox*, reserved to himself in the Marriage-Settlement, a Power to charge the Estate with 6000 *l.* 3000 *l.* Part thereof for younger Childrens Portions, and any Sum not exceeding 3000 *l.* for such Purposes, as he should think fit. The Lord *Cornwallis* by Deed appointed 3000 *l.* for his^d Daughter of that Marriage; and having sold some Lands to Sir *Stephen Fox*, appointed the other 3000 *l.* to him as a collateral Security for the Enjoyment of his Purchase; and if no Incumbrance did arise, the Appointment as to him was to be void; and by his Will he devised the last 3000 *l.* to his Daughter.

A. by Marriage-Settlement having a Power to charge the Estate with any Sum not exceeding 3000 *l.* for such Purposes as he thought fit, by Deed appoints the 3000 *l.* as a collateral Security for quiet Enjoyment of an Estate he had sold; and if no Incumbrance did appear, the

Appointment was to be void; and by Will devises the 3000 *l.* to his Daughter. Upon a Bill by the Creditors of *A.* the 3000 *l.* was decreed to be applied to the Payment of his Debts.

The Plaintiffs as Creditors to the Lord *Cornwallis*, brought their Bill to have the last 3000 *l.* raised, and applied for Payment of Debts.

Lord Keeper. The Court has not gone so far, as where a Man has a Power to raise Money, if he neglect to execute that Power, to do it for him; although he thought that might be reasonable enough, and agreeable to Equity in Favour of Creditors; and the Case of the Lady *Beaufoy* came something near that; there was a Power to charge Portions for younger Children not executed; but Dr. *Walker*, the Trustee, had covenanted that he would execute his Power; but in the principal Case, the Power was executed by appointing the 3000 *l.* as a collateral Security to Sir *Stephen Fox*; and no Incumbrance arising upon his Purchase, resulted back to the Lord *Cornwallis*;

Ant. Ca. 306.
A. sells an
Estate to B.
and leaves
500 l. Part
of the Pur-
chase-Money
in his Hands,
and takes a
Bond in the
Name of C.
to pay the
500 l. as A.
by Will should direct.

and he accordingly took upon him to devise it to his Daughter; which brings it within the Reason of the Case of *Thompson and Town*, where the Vendor left 500 l. Part of the Consideration-Money in the Purchaser's Hands, and took a Bond in the Name of J. S. that he should pay it as he should direct by Will, and devised it to J. S. and made him Executor. This 500 l. was decreed to be Assets, and the Decree was confirmed upon an Appeal to the *Lords* in Parliament.

A. devises the 500 l. to C. and makes him Executor. This 500 l. was decreed to be Assets.

Decreed the *three Thousand Pounds* to be raised and applied to the Payment of Debts.

Case 426.
 Decemb. 1.

Lamlee versus Haman & ux'.

A Widow on the Marriage of her Son, agrees to release her Jointure, that he might make a Settlement, and the Son privately agrees to assign a Leashold Estate to his Mother. This Agreement of the Son's was set aside as fraudulent.

THE Mother, a Widow, on the Marriage of her Son, agreed in Consideration of a Marriage-Portion, to make a Settlement of several Lands, in which she had a Jointure, which by Agreement she was to release to her Son. The Son being possessed of a Leasehold Estate agrees to assign the Lease to his Mother; but no Notice was taken thereof in the Marriage-Agreement, and therefore set aside, as an underhand and fraudulent Agreement; and the Cases of *Kyte* and *Coventry*, Sir *Richard Butler* and Sir *Henry Chancey*, &c. were cited.

Post. Case 450, 664. Vol. 1. Case 233, 344, 464.

Case 427.
 Decemb. 4.

Eacles & ux' versus England & ux'.

A. by Will gives 300 l. to B. and declares her Will and Desire, that he

ON an Appeal from the *Rolls*, the Case was, that *Elizabeth Heydon* by Will April 20, 1689, devised in these

4

give the 300 l. to his Daughter at his Death, or sooner, if there be Occasion for her Advancement. B. dies three Days before A. and the Daughter dies at sixteen unmarried. The 300 l. decreed to the Administrator of the Daughter.

these Words : *Item; I give unto my loving Kinsman Richard Hammerton the Sum of three Hundred Pounds, one Hundred Pounds Part whereof he doth owe me, which I do intend to give to my Cousin Susan Hammerton, his youngest Daughter; but my Will and Desire is, that he will give the said three Hundred Pounds unto his Daughter Susan at the Time of his Death, or sooner, if there be Occasion for her better Advancement and Preferment.* The Testatrix at the Making of her Will was in *England*, and it so fell out, that *Richard Hammerton* died in *Ireland* eight Days before the Death of the Testatrix.

The Cause was heard at the Rolls, July 1, 1702, when it was decreed, that the *one Hundred Pounds* Bond to the Testatrix should be assigned to the Plaintiffs, and the *two Hundred Pounds* paid with Interest from the exhibiting the Bill.

Note; The Plaintiff's Wife was Administratrix to *Susan* the Daughter, who died unmarried, when but *sixteen* Years of Age.

Now upon the Appeal it was admitted, that the Words, *I Desire, or I Will*, amount unto an express Devise; and that if a Devise be to one for Life, directing him at his Decease to give it to *J. S.* that amounts only to a Devise of the Use of it to the Devisee for Life, Remainder over to *J. S.*

The Words, *I Desire, or I Will*, in a Will amount to an express Devise. If a Devise is to *A.* for Life, directing him at his Death

to give it to *B.* that amounts to a Devise of the Use of it only to *A.* for Life, Remainder to *B.*

But it was insisted on by the Defendants Counsel, that a Benefit was designed to *Richard Hammerton*, and that he was not a bare Trustee; for he was to have the Interest of the *three Hundred Pounds* for his Life, at least until there was Occasion for it, for the better Preferment,

ferment, or Advancement of his Daughter *Susan*; and he had but a contingent Interest, *viz.* if there was Occasion for it to advance or prefer her; but she dying unmarried, and but *sixteen* Years of Age, could not have called for it, nor would her Executor or Administrator have been intitled to it, if her Father had survived her.

But it was answered, that if *Richard Hammerton* had survived the Testatrix, he had at most been intitled to retain it during his Life, and when ever he had died, had the Daughter been but *two* Years old, it must have gone to her; but if there was Occasion, it might have been called for by her, even in his Life-time: And according to the Rules of Law in *Brett and Rigdens* Case, if a Devise be of Lands to *J. S.* and his Heirs, and *J. S.* die before the Testator, the Heir cannot take; but the Devise is void: But if a Devise be to *A.* for Life, Remainder to *B.* although *A.* die in the Life-time of the Testator; yet the Devise to *B.* is good, and he shall take it immediately.

Plowd. 345.
a.

It was also insisted, that if a Legacy is given to *A.* in Trust for *B.* although *A.* died in the Life-time of the Testator, the Devise shall stand good for the Benefit of *B.*

The *Lord Keeper* seemed to doubt of that Point; but confirmed the Decree at the *Rolls*, and dismissed the Appeal.

Bishop

Bishop versus Sharp.

Cafe 428.
Decemb. 9.

T*Hankfull Bishop* having Issue only a Daughter an Infant, devised some particular Legacies, and gave the Residue of his personal Estate to his Daughter, and devised his real Estate to her and her Heirs; but if she died unmarried, and before the Age of *Twenty-one*, to the Plaintiff, who was his Brother, and now become Heir at Law both to the Testator and his Daughter; and made the Defendant's late Husband Executor in Trust for his Daughter: The Daughter attained the Age of *sixteen* Years, and then died without Issue and unmarried, having made her Will, and devised her personal Estate to the Defendant. The Testator had mortgaged the real Estate for *four Hundred Pounds*, and the Plaintiff's Bill was, that being not only *Hæres factus*, but also Heir at Law, both to the Testator and his Daughter, the Testator's personal Estate ought to be applied to pay off the Mortgage, and exonerate the real Estate.

A. by Will after some Legacies gives the Residue of his personal Estate to his Daughter, and gives his real Estate to her and her Heirs; and if she died under 21, gives his real Estate to his Brother. The Daughter dies at 16, and by Will gives all her personal Estate to *B.* The Estate being subject to a Mortgage, the Brother, who is both Heir to the Testator and his

Daughter, brings his Bill to have the Mortgage paid off, out of the personal Estate. Whether the personal Estate in the Hands of *B.* shall be applied to exonerate the real.

But for the Defendant it was insisted, that the first Testator devised some particular Legacies, and devised the Rest and Residue of his personal Estate to his Daughter; and she having, though an Infant, made a good Will, as to her personal Estate, (for it was agreed a Female may make a Will at *twelve* Years, Male at *seven-teen*; at *fifteen*, if proved to be a Person of Discretion) and devised it to the Defendant, that the Plaintiff by Reason of such Devise was outed of his Equity, and was not intitled to have the personal Estate of the Testator applied to exonerate his real Estate.

A Female may make a Will at 12, a Male at 15, if proved to be a Person of Discretion.

Whereto it was replied, that there was no particular Devise of any Thing in certain to the Daughter, but only a general Devise of his personal Estate, which can pass no more than what shall be left after Debts and Legacies paid; and as the personal Estate is liable to Debts, it must so remain, notwithstanding such Devise; and there is nothing in the Devise, that imports either that the Debt in Question, which is a Debt on the personal Estate, by Reason of the Covenant in the Mortgage-Deed, or any other Debt of the Testator's, should not be paid out of his personal Estate; and manifestly his other Debts must be thereout paid; there being no other Fund for the Payment thereof: Nor is there any Thing in the Will, that the personal Estate should be freed or exempt from the Payment of any Debts; or that the Debt in Question should remain a Charge on the real Estate only.

Ant. Ca. 240. In the Case of the Countess of Gainsborough, the Proof was, that having devised his Lands in Rutlandshire for the Payment of his Debts, he declared the same should be raised and paid out of that Estate, and that his Wife should have his personal Estate freed and exempt from the Payment of Debts and Legacies: And in the Case of Mr. Moore and the Countess of Meath his Wife, and the Earl of Meath, the Residue of the personal Estate, after Debts and Legacies paid, was devised to the Countess; yet there the personal Estate was decreed to pay off a Mortgage, and the Decree was affirmed upon an Appeal to the Lords in Parliament.

And altho' the Devise here be not in the same Words, *The Rest and Residue after Debts paid*; yet *that* is implied in every residuary Devise: Where there is an universal Legatee, such Legatees can take only what is left after Debts paid, and the Will performed.

Quere, If the Bill was dismissed, as to this Point.

In this Case, the Defendant as Guardian to the Infant, took an Assignment of the Mortgage; and although the Mortgagee had never entred; yet the *Lord Keeper* was of an Opinion, that as to the Profits received out of the mortgaged Lands, the Defendant should be taken to be in Possession as Mortgagee, and not as Guardian. 2.

Combes versus Spencer.

Case 429.
Decemb. 8.

William Spencer having married one of the Daughters and Coheirs of *Sir John Baker*, he and his Wife levied a Fine, and joined in a Deed leading the Uses of that Fine, and thereby gave Power to *William Spencer* to charge his Wife's Inheritance with *five Thousand Pounds*; the Plaintiff claimed Part of that *five Thousand Pounds* by the Appointment of *Mr. Spencer*, and brought his Bill to have the same raised out of the Estate.

A Copy of a Deed to lead the Uses of a Fine, and enrolled for safe Custody only, allowed to be read as Evidence at a Trial at Law.

The Plaintiff, to make out his Title, produced a Copy of the Fine, and likewise a Copy of the Deed of Uses, the same being inrolled: But it was objected, that the Copy from the Inrollment of the Deed of Uses ought not to be read as Evidence, especially against the Defendant the Wife; first, because it was a Deed that did not take Effect by Inrollment, but was only inrolled for safe Custody, and is not Evidence; nor is the Inrollment it self without particular Circumstances to support it, as proving the original Deed was in the Defendant's Custody or Power, or accidentally lost, &c. so as to intitle a Plaintiff to read a Copy, or Counter-part of a Deed: And of that Opinion was the *Master of the Rolls*, who said, that in Case of an Inrollment for safe Custody, the Deed may be said to be recorded; but where a Bargain and Sale is inrolled pursuant to the Statute, the Inrollment is a Record, so that a Copy of it may be

be read in Evidence: And it was also objected, that though the Husband and Wife were both Parties to the Deed, it was acknowledged by the Husband only.

Note; Afterwards upon a Rehearing, an Issue at Law was directed, whether such Deed of Uses was executed; and upon the Trial, a Copy of the Deed was allowed to be read, and a Verdict for the Deed.

Case 430.

Callow versus Mime.

A Witness was examined before the Hearing, whilst she was interested, but after the Hearing she released her Interest, and was examined again before the Master. Her Depositions before the Master allowed to be read.

A Witness was examined, whilst she was interested, before the Hearing; and the Cause being heard and decreed to an Account; she was re-examined after the Hearing before the *Master*, on the Account, having first released her Interest.

It was objected, that she ought not to be read, for having been examined whilst interested, and her Depositions published, she was thereby engaged, and almost under a Necessity of standing to what she had before sworn, and could not be free to retract or contradict it; and if, because an Interrogatory is leading, *that* is sufficient to suppress the Deposition, this is a much worse Practice; and the Witness not only lead, but obliged to swear, as she had sworn before. The Tending to a Witness a Deposition ready drawn, or if brought by the Witness in Writing, and delivered so in to the Examiner or Commissioner, is a sufficient Cause to suppress a Deposition; by the like Parity of Reason, the Deposition in this Case ought not to be received.

But the *Lord Keeper* over-ruled the Objection, and ordered the Witness to be read.

D E

Term. S. Hillarii,

1704.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Henry Clavering, Plaintiff.

Case 431.

Sir James Clavering & al', Defendants.

OLD Sir *James Clavering* having three Sons, *John*, *James*, and the Plaintiff *Henry*, in 1663, settled *six Hundred Pounds per Ann.* on *John* his eldest Son; and having increased his Estate, settled about *five Hundred Pounds per Ann.* on *James* his second Son; and in 1684, settled the Manor of *Lamedon* on Trustees, in Trust from and after his Decease, to pay to the Plaintiff his *third* Son for Life (he having been extravagant, and in Disgrace with his Father) and likewise to pay his Daughter *Katharine* one Hundred Pounds per Ann. for her Life; and to pay the surplus Profits to Sir *James* his Grandson, and after the Death of the Annuitants to convey the

A. in 1683, makes a voluntary Settlement of an Estate, subject to some Annuities, in Trust for his Grandson and his Heirs, and afterwards in 1690, he makes another voluntary Settlement of the same Estate, to the Use of his eldest Son for Life, and to his first, &c. Sons in

6 E

Tail, with Remainders over; and by Will gives a considerable Estate to his Grandson. Altho' it was proved that *A.* always kept the Settlement of 1683, in his Custody, and never published it; and it was after his Death found amongst waste Papers; and the Deed of 1690, was often mentioned by him; and he told the Tenants, the Plaintiff was to be their Landlord after his Death; yet the Son could not be relieved against the first Settlement.

the said Manor to his said Grandson Sir *James* and his Heirs. After this old Sir *James* having greatly increased his Estate in the Year 1690, without Regard to the Settlement of 1684, conveyed the Manor of *Lamedon* to the Plaintiff for Life, and to his first and other Sons in Tail, Remainder to *Henry* and his first and other Sons in Tail, Remainder to his Grandson Sir *James*, and his first and other Sons in Tail; and about the same Time made another Provision for his Daughter *Katharine*, by assigning to her a Mortgage of *eighteen Hundred Pounds*; and in 1697, by Will devised his personal Estate to be invested in Lands, and settled on Sir *James* for Life, and his first and other Sons in Tail; which personal Estate was of the Value of *fifteen Thousand Pounds*, or thereabouts. After the Death of old Sir *James*, the Plaintiff entred and took Possession of *Lamedon*, and received the Arrears of Rent, which were devised to him by the Will of his Father, who intended the Arrears to go along with the Estate; but Sir *James* having found the Settlement of 1684, got the Tenants to attorn to him.

The Plaintiff's Bill was to be relieved against the Settlement of 1684, and to have the Benefit of the Conveyance of 1690. And for the Plaintiff it was insisted, he was proper to be relieved in Equity; because it appeared on the Proofs, that old Sir *James* had never delivered out or published the Settlement of 1684, but had it in his own Power, and it was after his Death found amongst his waste Papers; and it is to be presumed, he apprehended he had a Power either to change or alter it, as he thought fit; he having always had it in his own Possession or Power, or possibly might have forgotten it; the Deed of 1690, being often mentioned by Sir *James*, as the Settlement of *Lamedon*, and so indorsed with his own Hand; and in his Life-time he told the Tenants, that the Plaintiff was to be their Landlord after his Decease; and the Defendant had no Reason to complain, his Grandfather having by Lands, and the Devise of his personal Estate, left him an Estate of *three Thousand Pounds*

per Ann. great Part of which he was not obliged to leave him by Settlement or otherwise, but out of his Bounty to his Grandson; so that if in the Settlement of 1690, he had done him any Wrong, he had given him an ample Recompence, by leaving to him Estates, that were indisputably in his Power to have given to the Plaintiff, instead of *Lamedon*, had he been informed or apprised, that it was not in his Power to have given *Lamedon* to the Plaintiff; but that the voluntary dormant Settlement of 1684, would take Place: And it would be very hard upon the Plaintiff, who had no other Provision; whereas *Henry* the second Son had at least *five Hundred Pounds per Ann.* settled on him by old Sir *James*.

Lord Keeper declared, he was sufficiently satisfied that the Manor of *Lamedon* was intended as a Provision for the Plaintiff, and that it was but a reasonable Provision; yet the Case was too hard to be relieved in Equity.

First, Admitting it to be the Intention of old Sir *James*, that the Plaintiff should have *Lamedon*; yet *that* was not a sufficient Foundation to decree upon. If a Will be prepared and every Thing done, but it is not published; or if published, and but one Witness to it: If a Deed is signed and sealed, and by Accident not delivered; in all these Cases the Intention is plain; yet not relievable in Equity: So if a Will is made by a *Feme Covert* of Lands of Inheritance to *J. S.* and the Husband dies, and then the Wife; although her Intention is plain; and although after the Death of her Husband, when she became *sui juris*, she might have devised the Lands to *J. S.* or by a Republication have made the former Will good; yet *that* Case is not relievable in Equity.

In the Lord *Lincoln's* Case, it was intended the Estate should have gone along with the Honour, and was so devised by *five* or *six* Wills successively; but no Relief could be had against a subsequent voluntary Conveyance, though

A Rule in
Law, that the
first Deed,
and the last
Will, shall
take Place.
Posb. Ca. 476.

A. being dis-
pleased with
his Son,
makes an ad-
ditional Set-
tlement for
his Wife's
Jointure, but
keeps the
Deed in his
own Custody,
and being reconciled to his Son, cancels it. The Wife after her Husband's Death, finds the cancelled Settlement, and recovers by Virtue thereof.

though made for a particular Purpose only, which never took Effect. It is a common Rule in the Law, that the first Deed, and the last Will are to take Place. And if a prior Deed, without more, might be discharged by a subsequent Deed, there would never be Occasion to insert Powers of Revocation; and *that* had been an idle and unnecessary Provision in Deeds, and would not have been so long used and practised by learned Men; and although the Settlement in 1684, was always in the Custody or Power of Sir *James*; yet *that* did not give him a Power to resume the Estate: And although voluntary Conveyances, if defective, shall not in many Cases be supplied in Equity; yet where there hath been a Covenant to stand seised to the Use of a Relation, although it is a voluntary Settlement; yet this Court in the ancient of Times always executed such Uses. In the Lady *Hudson's* Case, where the Father, having taken Displeasure at his Son, made an additional Jointure on his Wife, but kept it in his Power; and being afterwards reconciled to his Son, cancelled the additional Jointure, and died; the Wife after his Decease found the cancelled Deed, and recovered by Virtue of it.

And as to the Equivalent, or Recompence given to Sir *James* in lieu of *Lamedon*, the voluntary Settlement of 1690 being void by Reason of the prior Settlement of 1684, cannot give the Plaintiff an Equivalent out of the personal Estate. A Recompence equivalent to a void Settlement is nothing at all.

Dismissed the Bill as to any Relief against the Deed of 1684, but decreed the Payment of the Annuity and Arrears.

Note; Afterwards this Decree was affirmed upon an Appeal to the Lords in Parliament.

Hanes

Hawes versus Warner.

Case 432.

THE Testator *Hawes* by his Will mentions, that he computed, that the Surplus of his personal Estate, his Debts and Funerals being thereout first paid, would amount unto 5800*l.* and so distributes the 5800*l.* in several pecuniary Legacies to his Grandchildren; and Wills if his personal Estate fell short, they should abate in Proportion; if the said Surplus amounted to more, such Surplus to go to his said Grandchildren in the same Proportions, as he had devised the 5800*l.* and by the same Will devises to *Nathaniel* and *Thomas Hawes*, two other of his Grandchildren, several Houses and Warehouses then mortgaged for 1400*l.*

A. by Will computing the Surplus of his personal Estate, after Debts and Legacies paid, would amount to 5800*l.* gives the 5800*l.* to some of his Grandchildren in several Proportions; and Wills if the Surplus fell short, they should abate in Proportion.

on; if it amounted to more, it should be divided between them in the same Proportions. Decreed that a Mortgage on an Estate devised to two other Grandchildren should be paid out of the personal Estate, although by this Means the personal Estate would fall short of the 5800*l.*

The Question was, Whether this Mortgage should be paid out of the personal Estate; for if so, the Surplus would not amount to 5800*l.* as the Testator had computed it; and the Case of Captain *Bright* was cited, that a Devisee of Land shall not have Aid of the personal Estate, to pay off a Mortgage, in Prejudice of a pecuniary Legatee.

Lord Keeper. An express Devise shall not be defeated by applying the personal Estate to pay off a Mortgage, even for the Sake of an Heir, much less of a Devisee of the Land, who is but *Hæres factus*; but here the Devise is not of 5800*l.* certain, but of the Surplus after his Debts and Funerals paid, which he computed at 5800*l.* and if he was mistaken in the Computation, *that* would not oust the Devisee of his Equity; it being mentioned that he computed the Surplus would be 5800*l.* after Debts and Funerals paid, im-

An express Devise shall not be defeated by applying the personal Estate, to pay off a Mortgage, in Favour of an Heir at Law.

plies he intended his Debts, of which the Debt by Mortgage is one, should be paid out of the personal Estate: And decreed it accordingly.

Legacies are given by a Will to four Grandchildren, upon Condition that as they came of Age, they should release all Claims to the Testator's Estate. This Condition must be taken *distributively*; and such only as refused to release shall forfeit their Legacies.

And whereas the Testator was indebted to the Estate of his eldest Son *Thomas Hawes*, who left a Widow and several Children, to whom the Testator by his Will had severally and respectively given Legacies, upon express Condition, that the Widow of his Son *Thomas* within *three* Months after his Decease, and her *four* Children respectively, as they came of Age, should release all Claims and Demands out of his Estate, which they might claim in Right of his Son *Thomas*, or by the Custom of the City of *London* or otherwise; the Legacies so given to them to be void, and to go over to the Children of his Daughter *Warner*.

The *Lord Keeper* was of Opinion, that the Condition or Proviso was to be taken *distributively*; that such only should forfeit their respective Legacies, who did not release; and those who did release should not be prejudiced by those, who should refuse; their Refusal should only forfeit their own Legacies.

Cafe 433.

Atkinson versus Webb.

A gives Bond to B. her Servant, to pay her 20 *l.* per Ann. quarterly for her Life, free from Taxes, and by Will, without taking Notice

THE Lady *Pratt* had by Bond secured 20 *l.* per Ann. to Mrs. *Atkinson* who had been her Woman, payable quarterly, free of Taxes, during her Life: By Will, taking no Notice of the Bond, devised to her 20 *l.* per Ann. for her Life, payable half yearly; but not said to be free from Taxes.

of the Bond, gives B. 20 *l.* per Ann. for her Life, payable half yearly; but not said free of Taxes. Decreed the Annuity, by the Will, not to be a Satisfaction of the Bond, and that B. should have both the Annuities. *Post.* Cafe 448.

Lord Keeper. The Annuity devised not so beneficial, as that secured by Bond; that which is less, not to be presumed in Satisfaction of that which is greater; And decreed the Annuity additional, and not as given in Lieu or Satisfaction of the Bond.

Gundry versus Baynard.

Case 434.

AN Estate is given to Mrs. *Baynard* and the Heirs of her Body; if she left no Sons, and only *two* Daughters, the eldest to pay the younger 300*l.* and to have the whole Estate. She leaving only *two* Daughters, and the eldest neglecting to pay the 300*l.* the younger brought a Bill for an Account of Profits, and for Possession of half of the Estate; and at the *Rolls* obtained a Decree, that the Defendant should pay the 300*l.* with Interest from the Mother's Death in *six* Months, or in Default thereof, to account for Profits of a Moiety; and the Moiety to be set out by Commissioners, and the Plaintiff to hold and enjoy it accordingly.

Lands are given by Will to a Woman and the Heirs of her Body; and it is declared, if she left no Sons, and only 2 Daughters, the eldest should pay the younger 300*l.* and have the Estate. There being only 2 Daughters, and the 300*l.* not being paid, the younger brought her

Bill for an Account of Profits, and for Possession of half the Estate. The Court may decree the Defendant, though an Infant, to pay the 300*l.* in *six* Months, with Interest from the Mother's Death, or in Default, to account for Profits of a Moiety, and the Moiety to be set out by Commissioners; but the Defendant being an Infant, must have a Day to shew Cause, when she comes of Age.

Upon an Appeal to the *Lord Keeper*, the Decree to stand as to the Account of Profits and Partition: But the Defendant being an Infant, the Words, *hold and enjoy*, which amounts unto a Foreclosure, to be struck out, or Defendant to have a Day after she comes of Age, to shew Cause.

Hooper

Case 435.

Hooper versus Eyles and Rideout.

A Guardian
borrows Mo-
ney of *A.* to
pay off an In-
cumbrance
on the In-
fant's Estate,
and promises
to give *A.* a
Security for
his Money,
but dies be-

Rideout, the Infant, having an Estate charged with 150 *l.* and the Money being called for, *Anne Rideout* his Aunt and Guardian borrowed it of the Plaintiff, and paid off the Incumbrance, and promised to give the Plaintiff a Security for it; but before she had so done, died; the Defendant *Eyles* her Administrator.

fore it was done. Though *A.*'s Money was applied to pay off the Incumbrance; yet the Court would not decree him a Satisfaction of his Debt out of the Infant's Estate.

The Plaintiff by his Bill sought, *first*, to have a Satisfaction out of the Infant's Estate, his Money having paid off the Incumbrance that was upon it: But the *Lord Keeper* refused so to decree. Without some Contract or Agreement, you cannot charge the Land or follow the Money, though invested in Land, or applied to pay off the Incumbrance: And for that Purpose cited the Case *Ant. Ca. 404.* of *Kirk and Webb*, and *Cuthbert and Lee*.

But the Aunt having disbursed more than she had received out of the Infant's Estate; decreed *that* Account to be taken, and what was due to the Aunt, to be raised out of the Infant's Estate, and applied as Assets to satisfy the Plaintiff's Debt.

Case 436.

Acton Widow versus Peirce and Saxby & al'.

Bond given
to the Wife
before Mar-
riage to leave
her 1000 *l.*

John Acton on his Marriage agreed to leave his Wife the Plaintiff 1000 *l.* if she survived him: The drawing of the

though ex-
tinguished at Law by the Marriage, yet good in Equity, and shall bind the real Assets; and decreed the Wife after her Husband's Death to redeem a Mortgage, and to hold over; tho' Copyhold, as well as Frechold included in the Security.

the Marriage-Agreement was left to one *Nomel*, the Parson of the Parish, who made a Bond from *Acton* to the Plaintiff his intended Wife in 2000 *l.* conditioned to leave her 1000 *l.* if she survived him. The Marriage being had, *John Acton* mortgaged his Estate, and died.

The Plaintiff's Bill was to have the Benefit of the Bond, although released at Law by the Intermarriage; and that she, as a Bond-Creditor, might be admitted to redeem the Mortgage, and hold over, until satisfied what she should pay for the Redemption, and also the Bond-Debt.

It was objected, *first*, although it might subsist as an Agreement in Equity, and intitle the Plaintiff to a Satisfaction out of the personal Estate; yet the Bond being void, it could not be looked upon as a Specialty, or bind the real Assets. Hob. 216.

Lord Keeper. The Bond, if set up, must be wholly and intirely set up, and not in Part only, to bind the personal Assets, and not the real.

Secondly, It was objected, if a good Bond, yet it could only affect the Freehold, and could not give her any Right to redeem the Copyhold Estate: But it was answered, that although a Bond will not bind a Copyhold Estate, yet the Free and Copyhold being both in one Mortgage, the Plaintiff is intitled to redeem the Whole.

Decreed for the Plaintiff, to redeem, and hold over.

Cafe 437.
Feb. 22.

Roundell & ux' versus Breary.

A. on the Marriage of his Son, covenants for himself, his Executors and Administrators, in one Month after the Marriage, to settle Lands of the Value of 150*l. per Ann.* but no Lands in particular are mentioned in the Articles, to the Use of the Husband, and *first* and other Sons, and for raising Portions for Daughters. The Marriage took Effect.

A. on the Marriage of his Son, covenants for himself, his Executors, without naming his Heirs, to settle Lands of 150*l. a Year* on the Son, and the Issue of the Marriage, but dies before any Settlement made. The Son enters on the real Estate, as Heir to his Father, and settles it for the Jointure of a second Wife, who has no Notice of the Articles. Decreed the Articles to be a Lien on the Lands, whereof the Father was then seised, tho' no particular Lands are mentioned in the Articles.

Henry Breary died, having never made any Settlement; his Son thereupon entred upon the Lands, whereof his Father died seised, as Heir, and as descended to him, and married the Defendant a *second* Wife, and settled Part of the Lands upon her for a Jointure, and *first* Son &c. and devised the Residue to his Son by the *second* Wife, charged with Portions for younger Children.

The Plaintiff's Bill was to have 150*l. per Ann.* of the Lands whereof *Henry Breary* died seised, settled to the Uses in the Marriage-Articles.

For the Defendant it was insisted, *first*, that no Lands in particular being mentioned in the Articles, but to settle Lands of the annual Value of 150*l.* *Henry* after such Covenant might sell or devise at his Pleasure the Lands, whereof he was then seised, notwithstanding the Articles; there being no Lien upon those Lands; but only a Covenant to settle Lands of that Value.

Secondly, That no Lands in particular are bound, or mentioned in the Articles; and *Henry Breary* having not performed his Covenant, the Plaintiff's Remedy must be a Satisfaction out of his Affets; and that only his personal Affets were liable, and not his real Affets, or what descended from him to his Son; because the Covenant was only for him, his Executors and Administrators, and not for him and his Heirs.

Thirdly, The Defendant, the Widow, a Purchaser without Notice, and could not be affected by the Articles.

The *Lord Keeper* was of Opinion, that although no Lands were mentioned in the Articles; yet the Covenant should be a *Lien* upon the Land, whereof *Henry Breary* was then seised, unless he had purchased and settled other Lands within the Time limited by the Articles, and which were not settled on the *second* Wife, who came in as a Purchaser without Notice.

Trelawny versus Williams.

Cafe 438.

THE Defendant having a *Tin-set* in the Plaintiff's Land, the Plaintiff was to have an *eighth* Part set out upon the Grass, *viz.* the Whole to be divided into *eight* Heaps; a Barrow-full to each Heap, and so round again, and then to cast Lots. The Bill complained that the Defendant had not divided into *eight* Heaps, as he ought to have done; but laid the Adventurers *seven* Shares or Parts on *one* Heap, and the Plaintiff's on another; and that the Barrows which went to his Heap were not so full, as those carried to the other Heap; and the Plaintiff prayed an Account.

Stannary
Court a
Court of
Law, but not
of Equity.

The

The Defendant insisted that the Plaintiff gave Leave, and consented to divide into *two* Heaps only; and that if he had wrong done him, he ought to have sued in the *Stannary* Court.

If the Party insists the Court of Chancery has not Jurisdiction of the Matter in Question, he must plead to the Jurisdiction of the Court, and not object it at the Hearing.

The *Lord Keeper* decreed an Account, the Defendant not proving that the Plaintiff agreed to divide into *two* Parts only: And as to the Objection that the Plaintiff ought to have sued in the *Stannary* Court, it was answered, that the *Stannary* Court was a Court of Law, and not like the Counties *Palatine*, and Principality of *Wales*, who have Courts of Equity, as well as Law; and yet even there to oust this Court, the Defendant must plead to the Jurisdiction; all the Queen's *Denizens* have a Right to resort to her Courts of Equity.

The Agreement for the *Tin-set* in this Case was in Writing, and no Time was mentioned therein; but it was agreed on both Sides, that the same by Custom of the *Stannaries* is good for *Tin*, as long as the Adventurers will work it.

But the Plaintiff insisted, that as to *Mundick* or to any other Metals, as *Copper*, &c. if found in the same Mine, it was but in the Nature of a Lease at Will.

Case 439. *Mackdowell & ux' versus Halfpenny.*

A. devises his Estate to *B.* his Son charged with 500 *l.* to his Grandaughter, the Daughter of *B.* payable at 21 or Marriage. *B.* marries his Daughter and gives her 1500 *l.* Portion, but no Notice is taken of the 500 *l.* Legacy, nor any Release given. *Twenty-one* Years afterwards the Daughter and her *second* Husband bring a Bill against the Father for the 500 *l.* Bill dismissed. The 1500 *l.* shall be presumed a Satisfaction of the 500 *l.* especially after such a Length of Time.

one or Marriage, in 1684 the Grandfather died. In 1685, within a Year after the Death of the Grandfather, the Defendant married his Daughter to Mr. *Palmer*, her first Husband, and gave her 1500*l.* as her Marriage-Portion; but no Mention was made of the 500*l.* Legacy, or any Release or Discharge taken for it; and now after *Twenty-one* Years, the *second* Husband with his Wife brought their Bill against the Defendant her Father for the 500*l.* Legacy.

And for the Plaintiff was cited the Case of *Chudleigh* and *Lee*, where a greater Portion given, yet afterwards decreed to pay a Legacy, not taken Notice of in the Marriage-Agreement.

But the Bill was dismissed; it being to be presumed that the 1500*l.* Portion was intended in Satisfaction of the 500*l.* Legacy, especially after this Length of Time.

Harris versus Mitchell.

Case 440.
Feb. 28.

IN the Submission it was provided, if the Arbitrators did not make their Award within the Time limited, they should choose a *third* Person *Umpire*, whose *Umpirage* should be final. The *two* Arbitrators did not make their Award within the Time limited; and not agreeing who should be Umpire, the one proposing *Chaplin*, and the other naming *Ramsfey*, they agreed to throw *Crofs* and *Pyle*, who should have the Naming of the Umpire, or whose Man should stand.

Arbitrators, if they could not agree, were to choose an Umpire; they make no Award; and not agreeing about the Person to be Umpire, they throw *Crofs* and *Pyle*, who should name him. The

Umpire thus chosen by Lot makes his Award. The Court set aside the Award for that Reason.

And by Lot *Ramsfey* was to be the Umpire; and the Arbitrators accordingly indorsed on the Back of the Bond, that they had appointed *Ramsfey* to be Umpire, who

summoned both Parties, and they attended him, and he afterwards made his Umpirage.

The Bill was to set aside the Award, and amongst other Things assigned for Cause, that the Umpire was not duly chosen, according to the Intent of the Submission, but by Lot as aforesaid; and the *Master* of the *Rolls*, before whom the Cause was heard, thought *that* a sufficient Cause to set aside the Award. An Election or Choice is an Act, that depends on the Will and Understanding; but the Arbitrators followed neither in this Case, and it is a Distrusting of *God's Providence* to leave Matters to Chance.

Case 441.

Clifton versus Jackson.

A. on the Marriage of his Son B. settles Lands to the Use of B. for Life, Remainder to the Wife for Life, Remainder to the Heirs of their 2 Bodies, Remainder to B. in Fee. **S**IR *Gervas Clifton* purchased the Manor of *Allwoodly* in the County of *York*, and on the Marriage of his Son *Robert* with *Sarah Parkhurst*, the Plaintiff's Father and Mother, the same was settled to *Robert* for Life, to *Sarah* his intended Wife for Life, Remainder to the Heirs of the Body of *Robert* and *Sarah* to be begotten, Remainder to *Robert* in Fee. B. and his Wife by Deed and Fine, mortgage in Fee, and subject to the Mortgage the Lands are settled to the Use of B. for Life; and after his and his Wife's Death, to the Heirs of her Body by him begotten, Remainder to his right Heirs. The Wife after her Husband's Death suffers a common Recovery. Whether the Estate of the Wife for Life by the first Settlement, and the Limitation to the Heirs of her Body by the second, did consolidate; and if it did, whether the Estate of the Wife was alienable within the Statute of 11 Hen. 7.

Afterwards *Robert* and *Sarah* by Deed and Fine convey to the Earl of *Chesterfield* in Fee, by way of Mortgage for the securing 1000*l.* and after the 1000*l.* and Interest paid, the Estate was settled to the Use of *Robert* for Life, and after his and his Wife's Decease, to the Heirs of the Body of *Sarah* by him to be begotten, Remainder to his own right Heirs. *Robert* the Plaintiff's Father died, *Sarah* the Plaintiff's Mother, with the Earl of *Chesterfield*,

field, the Mortgagee, join in a *Fine* and *common Recovery*, and articles with *Robert Jackson* to sell to him for 3500*l.*

Jackson brings his Bill against the Mother and the Plaintiff, then an Infant of *two* Years old, to have a specifick Performance of those Articles; and in 1678, a Decree was made by the Lord *Nottingham* for that Purpose, and the Money paid to the Plaintiff's Mother, and *Jackson* put into Possession.

The Plaintiff brought his Bill of Review to reverse the former Decree; and the chief Point insisted on was, Whether the Estate in the Wife was alienable, or within the Statute of 11 *Hen.* 7. as a Provision made by the Husband for the Wife.

For the Plaintiff it was insisted, that the Wife being only Tenant for Life by the *first* Deed, and the *second* Settlement having limited the Estate to the Heirs of her Body; *that* Limitation is but a contingent Remainder, and will not consolidate with the Estate for Life, it not being by the same, but by a distinct Conveyance: But where one takes an Estate of Freehold, and by the same Conveyance there is a Limitation to the Heirs of his Body, there the Heirs of the Body shall not take as Purchasers; but those Words, the Heirs of his Body, will be taken to be Words of Limitation, and operate to enlarge the first Estate: But where the Estate for Life is by one Conveyance, and the Grant to the Heirs of his Body by another, the Estates do not consolidate; but the Limitation to the Heirs of the Body will remain, as a contingent Remainder, and cited *Litt. Sect.* 352. *Chudleigh's Case*, 1 *Roll.* 317. *Lane and Pannell's Case*.

Secondly, If the Estates would consolidate, yet still it would be an Estate-tail not alienable, as being the Provision of the Husband, and within the Provision of the Statute of 11 *Hen.* 7. and for that Purpose cited *Crook*
Eliz.

Eliz. fol. 24. The Plaintiff *third* Husband and Wife seized of a Copyhold in Fee; the Husband purchaseth the Freehold to him and his Wife, and the Heirs of their Bodies, held to be within the Statute of *H. 7.* the Case of *Snow and Cutler*, 1 *Lev.* 136. Copyhold to Husband and Wife, and the Heirs of the Husband, and the Husband surrenders to the Use of his Will, and deviseth to the Wife and the Heirs of her Body. The Estate shall not consolidate; and cited the Case of *Crocker and Kelsey* in *Jones's Reports* 60. *Baggott and Palmer*, *Moor* 250. and it was observed that the Statute of *H. 7.* by express Words extends to Uses.

For the Defendant it was insisted, that the Statute of *H. 7.* is a penal Statute, not to be extended, or assisted by any Construction in a Court of Equity; no more than the Statute of *Gloucester*, which gives *locum vastatum*, and treble Damages; and in many Cases there are different Rules in legal Estates, and in Estates in Equity; at Law the Wife is to have Dower, and the Husband to be Tenant by the Courtesy, but not so of a Trust.

Secondly, The Wife by joining in the Mortgage, and subjecting her Estate for Life to the Payment of the Mortgage-Money, became in the Nature of a Purchaser of an Estate-tail in the *second* Settlement; and the Limitation to the Heirs of her Body ought not to be looked upon as the Provision of the Husband, but as her own Purchase.

Whereto it was replied, that as to the Objection that the Statute of *H. 7.* was in the Nature of a penal Law; the Plaintiff comes not for any Penalty, or to make the Wife forfeit any Thing, but to discover whether she was a person disabled from aliening. And as to *Dower* and *Tenancy* by the *Courtesy*, those are Creatures of the Common Law, and depend intirely on the Nature of the *Seisin*: But where there is an Act of Parliament,

that binds as well in Equity as at Law, and the Rules of Descents are to be sacred, and best preserved in our Law, and the Rules in Law and Equity are the same: But *Dower* and *Tenancy by the Courtesy* are collateral to the Estate; and although the Estate for Life to the Wife by the *first* Settlement, is to be allowed as valuable, yet not adequate to an Estate of Inheritance; and where the Estate moves from the Husband, be it in Value more or less, yet it is of the Provision of the Husband, and within the Statute; and it is not a penal Statute, but a remedial Law, and therefore extended and construed favourably for the Benefit of the Heir, in all the Cases in our Books. A Copyhold is not indeed within the Statute, because the Lord shall not have a Tenant put upon him that cannot alien; and as to the Objection that the Wife is to be considered as a Purchaser; every Jointress is so, either for a Portion paid, Land given in Lieu, or in Consideration of Marriage; yet it is still of the Provision of the Husband, and within the Statute of 11 H. 7. It is sufficient that the Estate moves from the Husband, though upon never so valuable a Consideration paid by the Wife.

Lord Keeper was of Opinion, that a Trust, or an Equity of Redemption was within the Provision of the Statute of 11 Hen. 7. which expressly extends to Uses: But if it be a penal Statute, as the Statute of *Gloucester*, the Heir shall not be aided or assisted in Equity.

And he was in Doubt whether the Estates did not consolidate, though by several Deeds. The Authorities are only in the Affirmative, that if by the same Deed, it shall consolidate, not negatively, that if by different Deeds, they should not; and in the Case of *Pibus* and *Mitford*, there no express Estate for Life limited but arises by Implication, and there held that the Estate was consolidated.

Cur advisare vult.

Cafe 442. *Fletcher & al' verſus Dominam Sidley & al'.*
 March. 6.

A. makes a Bill of Sale of his Goods to a Trustee, for one who lived with him as his Wife, and was ſo reputed. Bill of Sale ſet aſide as fraudulent againſt Creditors.

THE Cauſe having been heard, and coming on upon the Maſter's Report ; the Cafe appeared to be, that Sir *Charles Sidley* had by Bill of Sale made over his Goods to a Trustee for the Defendant, who lived with him as his Wife, and was ſo reputed ; and having alſo purchaſed a Leaſe of a Houſe in *Bloomsbury*, where he dwelt, in the Name of Sir *Francis Winnington*, takes a Declaration of Truſt to permit Sir *Charles* to enjoy for Life ; then in Truſt for the Defendant, during the Reſidue of the Term.

The Court upon the *firſt* Hearing ſet aſide the Bill of Sale of the Goods and perſonal Eſtate, as fraudulent againſt the Plaintiffs the Creditors ; and decreed an Account thereof.

A. purchaſes a Leaſe of a Houſe in the Name of B. and takes a Declaration of Truſt to permit A. to enjoy for Life, and

The Queſtion now before the Court was, Whether the Leaſe of the Houſe at *Bloomsbury* ſo purchaſed in Truſt, in the Name of Sir *Francis Winnington*, ſhould be liable to the Creditors, and brought into the Account of the perſonal Eſtate.

then in Truſt for one who lived with him as his Wife, and was ſo reputed. This Leaſe is not Aſſets of *A.* nor liable to his Creditors after his Death ; for when a Man purchaſes, he may ſettle the Eſtate as he pleaſes.

For the Defendant it was inſiſted, *firſt*, that it did not appear that Sir *Charles Sidley* was indebted, or that the Plaintiffs were Creditors at the Time of the purchaſing the Leaſe.

Secondly, And principally, that it cannot be Aſſets of Sir *Charles*, becauſe he never had the Term in him ; was
 I only

only to enjoy for Life, Remainder to the Defendant, during the Residue of the Term; and it being so settled upon the Purchase, it could not be liable to his Creditors; for as in his Life-time he might have given the Money to the Defendant to have purchased the Lease herself; so he might by the same Reason direct a Conveyance to be made to her, or a Declaration of Trust for her Benefit.

So if a Man purchases a Freehold Estate to himself for Life, Remainder over to another; such Remainder shall not be void or fraudulent, even as to Creditors by Bond or Judgment; and said it is a new Pretence to say, a Man made a Purchase fraudulently. A Man may alien on Purpose to defraud his Creditors; and there the Statutes against fraudulent Conveyances will reach it: But as to Purchasing, a Man may do it, or let it alone at his Pleasure; may purchase for Years or for Life, or in Tail or in Fee, as he pleases, and may take in what Remainder-Men he pleases; and insisted *that* could never be Assets, that a Man never had in him.

The *Lord Keeper* inclined to that Opinion, that fraudulent Conveyances are made so only by the several Statutes made for that Purpose; as the Statute of *Merton*, where the Father enfeoffs his Son and Heir apparent, to defeat the Lord of his Wardship, &c.

Stephenson versus Houlditch & al'.

Cafe 443.
Feb. 5, 1703-4.

THE Plaintiff an Apprentice had sued in the *Mayor's* Court to have 150*l.* repaid, which his Mother had given to the Defendant to take him as his Apprentice

If upon a *Certiorari* Bill the Cause is brought on to Hearing, the Court, if they think fit, may

make a Decree, or send it back to the Mayor's Court to be determined there; and sometimes the Court sends it back after Publication passed, and a *Subpoena* served to hear Judgment, and before the Hearing.

Apprentice in the Trade of a Linen Draper. The Defendant brought his *Certiorari* Bill; and upon bringing his Bill, he entred into Bond to prove his Suggestions within the Time limited, as usual; and upon a Reference to a *Master*, he certified the Plaintiff had proved his Suggestions; and thereupon, although a *Procedendo* was several Times moved for, it was denied: So the Defendant was necessitated to reply, and both Sides examined their Witnesses; and Publication being passed, the Plaintiff served the Defendant to hear Judgment: And upon opening the Nature of the Case, the *Lord Keeper* and *Master* of the *Rolls* were both of an Opinion, that it should be sent back to be determined in the Mayor's Court; and the *Register* said, it had been often done both Ways, sometimes retained and decreed here, but oftner sent back: Sometimes after Publication, and sometimes after a *Sub-pœna* served to hear Judgment.

In this Case the Apprentice first obtained that his Indentures should be delivered up, and so decreed in the Mayor's Court, because not inrolled; although it was at the Instance of his Mother they were not inrolled; yet *that* would not excuse the Master, who had covenanted to inrol the Indentures; and although the Apprentice was bound for *seven* Years; yet covenanted to make him free at the End of *five* Years.

If an Apprentice in London marries without his Master's Consent, the Master cannot turn him away for that Reason, but must sue his Covenant.

Secondly, Whereas the Apprentice had married without the Privy of his Master; yet *that* would not justify his Turning him off, but must sue his Covenant.

Matter cannot turn him away for that Reason, but must sue his Covenant.

D E

Termino Paschæ,

1705.

IN CURIA CANCELLARIÆ.

Domina Oxenden per prochein amie ver- Case 444.
fus Sir James Oxenden & al, & e-
contra.

UPON the Marriage of the Defendant Sir *James* By Articles before Marriage 6000 *l.*
with the Plaintiff, the Sister of the Lord *Rock-* Part of the Portion, is agreed to be invested in Land, and settled on Sir *James* for Life; Husband for Life, then to his Wife for Life, Remainder as a Provision for younger Children, Remainder to the Husband in Fee, The Husband having by his Cruelty forced his Wife to separate from him; the Court decreed the Interest of the 6000 *l.* to be paid her for her separate Maintenance till Cohabitati-
ingham, 6000 *l.* Part of the Portion was paid to Sir *James*, and a Settlement made of 1000 *l.* per Ann. for Jointure, &c. The other 6000 *l.* was by the Articles to be invested in Lands, and settled on Sir *James* for Life; then to the Plaintiff for Increase of her Jointure, Remainder as a Provision for younger Children, Remainder to Sir *James*, and his Heirs and Assigns; and until a Purchase made to be placed at Interest, with the Consent of the Plaintiff and Defendant, and her Trustees. The Marriage being had, and there being no Issue, and the Money lying dead, and some Leashold Estates, which by the Marriage-Articles were to be kept up, not being re-
6 K
newed

decreed the Interest of the 6000 *l.* to be paid her for her separate Maintenance till Cohabitati-
on. *Post* Case 598, 657.

newed, as they ought to have been; and Sir *James* by his cruel Usage having forced the Plaintiff, his Wife, to separate from him,

The Lady *Oxenden's* Bill was to have the Marriage-Agreement performed, the Leases filled up and renewed; and in Regard of ill Usage, to have an Allowance for Maintenance.

Sir *James's* cross Bill was to have the 6000*l.* which, by the Default or Obstinacy of the Trustees, lay dead, invested in a Purchase, and until a Purchase found, to be placed at Interest, on Security, or on some of the publick Funds.

The ill Treatment of the Lady being fully proved, the Court decreed, that the 6000*l.* should be placed out at Interest, and the Plaintiff to receive it for her separate Maintenance, until there should be a Cohabitation; and it was said by the *Lord Keeper*, that as the Court of Equity will oblige a Husband, who comes into Equity for his Wife's Portion, to make a Settlement upon the Wife by way of Jointure, or to secure a Maintenance to her, in Case she out-lives the Husband; the Court ought much rather to do it, where the Wife is at present reduced to a starving Condition; and especially, when, as in this Case, the Execution of a Trust is to be directed by the Court.

When a Husband comes into a Court of Equity for his Wife's Portion, the Court will oblige him to make a Settlement upon her, or secure her a Maintenance in Case she survives him.

Case 445.
May 14.

Toller versus Carteret.

Bill that Defendant might redeem a Mortgage of the Island of

SIR *Philip Carteret*, Owner of the Island of *Sarke*, made a Mortgage thereof to one *Willowe*, the Plaintiff's Intestate, for five Hundred Years for 500*l.*

Sarke, or be foreclosed. Defendant pleaded to the Jurisdiction of the Court, that the Island was Part of the Duchy of *Normandy*, and had Laws of their own, and were under the Jurisdiction of the Courts of *Guernsey*. Plea over-ruled, because the Mortgage was of the whole Island, and for that the Defendant was served here, for *Equitas agit in personam*.

The Bill was, that the Defendant might redeem, or be foreclosed.

The Defendant pleaded to the Jurisdiction of the Court, that the Island of *Sarke* was Part of the *Dutchy of Normandy*, and had Laws of their own, and were under the Jurisdiction of the Courts of *Guernsey*, and not within the Jurisdiction of the Court of Chancery; and cited 4 *Inst.* 284. *Anderson's 2 Rep.* 115. *Kelloway* 202.

Lord Keeper over-ruled the Plea, because the Grant was of the whole Island; and *secondly*, that the Court of Chancery had also a Jurisdiction, the Defendant being served with the Process here, & *Æquitas agit in personam*, which is another Answer to the Objection.

Lamb Wid' versus Parker.

Case 446.

EDward Parker by his Will devised to his younger Son, *Wyke Parker*, a Messuage with Appurtenances in *Zeale monachorum* for *Ninety-nine* Years, if *three* Lives lived so long; yielding and paying unto the Plaintiff, his Sister, 20 *l. per Ann.* until *twelve* Years old, and thence 40 *l. per Ann.* for Life. The said *Edward Parker* afterwards in *Nov.* 1682, for 300 *l.* Fine, demised the said Messuage to one *Levett* for *Ninety-nine* Years, if *three* Lives lived so long; yielding and paying 50 *l. per Ann.* to the Testator, his Heirs and Assigns.

A. by Will devises to his Son a Messuage for 99 Years, if 3 Lives lived so long, paying his Sister 40 *l. per Ann.* for her Life, and afterwards makes a Lease to *B.* of the same Messuage for 99 Years, if 3 Lives lived

so long, paying 50 *l. per Ann.* to the Lessor and his Heirs. Decreed at the Rolls, that the Lease was a Revocation of the Devise; but upon an Appeal to the *Lord Keeper*, decreed to be no Revocation, and that the Daughter should be paid her Annuity.

The Question was, Whether this Demise to *Levett* was a Revocation of the Devise to *Wyke Parker*, and consequently of the Annuity payable to the Plaintiff.

The

The Cause was heard at the *Rolls*, and there held to be a Revocation. Now upon an Appeal to the *Lord Keeper*, adjudged to be no Revocation; for that by the Lease to *Levett*, the Term for *Ninety-nine* Years commenced immediately in the Life-time of the Testator: The Term to *Wyke Parker* was for *Ninety-nine* Years from the Testator's Death, and altho' both determinable on *three* Lives, and possibly *Levett's three* Lives might live longest; yet a reversionary Interest passes, and will carry the Rent reserved on *Levett's* Lease; and the Rule where a subsequent Act shall amount to a Revocation by Implication, is, that such Implication must be necessary, and wholly inconsistent; and for that Purpose cited *Cr. Jac. Cook and Bullock* 49. 1 *Roll. Abr.* 616. A Devise for *forty* Years, afterwards the Testator grants a Lease for *twenty* Years of the same Premises; *that* is no Revocation, only *pro tanto*. *Cro. Car.* 23 & 24. A Devise in Fee; a Lease subsequent revokes not the Devise. *Gardner and Sheldon's* Case in *Vaughan's Reports* 259. A Revocation by Implication must be a necessary Implication. *Hall and Dunch*, a Mortgage subsequent to a Devise no Revocation, but *pro tanto* only.

Vol. I. Case
325.

Decreed for the Plaintiff.

3

Attorney

Attorney General, ad relationem Cossart Cafe 447.
May 18.
and *Dutrie* versus *Sothon & ux', & e-*
contra.

ONE *Costell* having made several Wills, and therein devised 600*l.* to a *French*, and the like Sum to a *Dutch* Church; but after his Decease there being no Will to be found, Defendant *Sothon*, his Nephew and next of Kin, applied to the *Prerogative* for Administration; but being opposed there by the Relations; who were named Executors, in one or more Wills made by *Costell*, the Cause, whether the Defendant should have Administration or not, depended eighteen Months in the *Prerogative*: At last the Defendant was told, he should have Administration; but that it was expected, he should give Bond to pay 300*l.* to each of the said Churches. The Bond is read in open Court, and then Sentence is pronounced. After this the Relators appealed to the *Delegates*, and there the Sentence was confirmed.

A. having made several Wills, and thereby given 600*l.* to a *Dutch* Church, and the like Sum to a *French* Church; but no Will being to be found after his Death, the Brother endeavours to get Administration in the prerogative Court, but was opposed; and after the Cause there had depended eighteen Months, the Brother was told he should have Administration; but it was expected he should give Bond to pay each of the Churches 300*l.* Bond is given and read in Court, and then Sentence is pronounced, and afterwards confirmed by the Delegates. Upon an Information by the Attorney General, that the Churches might have the Benefit of the Bond, and a cross Bill to set it aside, as being unduly obtained; Court declared, if the Bond was not given freely, but by Compulsion, it ought to be set aside, or at least not carried into Execution. At length both Bills dismissed.

The original Bill was to have the Benefit of the Bond, or Note given for the Payment of the 300*l.* to each Church; and the cross Bill was to have the Bond or Note delivered up to be cancelled, as being unduly gained.

Lord Keeper. The Question is, Whether the Bond was given freely and voluntarily, or by Compulsion; if by Force or Terror, though not so as to make it *per dures*, it ought to be set aside, or at least not carried into an Execution. A Judge may fairly mediate an Accommo-

dation; but not put Terms upon pronouncing Sentence, or giving Judgment. *Nulli vendemus, nulli differemus, justitiam, says Magna Charta.*

There being Proofs in the Cause, that there were such Wills once made; and likewise it appearing by the Proofs, that the Testator had afterwards changed his Mind, thereupon the *Lord Keeper* declared, he was not satisfied to decree a Performance or Execution of the Bond, nor to set it aside; and dismissed both Bills.

Cafe 448.
May 23.

Brown versus Dawson, & contra.

A. on his Wife's Joining in Sale of Part of her Jointure gives her a Note to pay her 7 l. 10 s. per Ann. for her Life, and afterwards on Sale of a farther

MR. Dawson on his Wife's Joining in Sale of Part of her Jointure, gave her a Note to pay her 7 l. 10 s. per Ann. for her Life; and upon a *second* Sale of a farther Part of her Jointure, gave her a Bond to pay her 6 l. 10 s. per Ann. for her Life; and afterwards by Will, without taking Notice either of Bond or Note, devised unto her 14 l. per Ann. for her Life.

Part, gives her a Bond to pay her 6 l. 10 s. per Ann. for her Life; and by Will, without taking Notice of the Note or Bond, gives her 14 l. a Year for Life. The Devise shall be a Satisfaction of the Bond and Note. *Ant* Cafe 433. *Post*. Cafe 454.

Per Cur. The Devise shall be taken to be in Lieu and Satisfaction of the Bond and Note.

Cafe 449.
May 24.

Burkitt Wid' versus Burkitt.

A. by Will duly executed devises a Copyhold Estate to his Wife, and on the Day of his Death, orders his Nephew to obliterate

William Burkitt, Rector of Dedham in Essex, by Will in Writing attested by three Witnesses, devised to his Wife a Copyhold Estate in Ealing; afterwards the Testator on the Day of his Death, directed his Nephew to obliterate some Devises, but nothing as to the Copyhold

some Devises, but nothing as to the Copyhold, and then caused a Memorandum to be wrote, that he approved of the Will as obliterated, but does not republish it; and ordered his Nephew to carry it to one to write it fair, and before it is done, he becomes delirious. Held to be a good Will, and that the Copyhold passed.

Copyhold devised to his Wife, and then caused a Memorandum to be wrote that he had examined, perused and approved of the Will as so obliterated and altered by his Nephew in his Presence, but did not republish it in the Presence of *three* Witnesses; but directed his Nephew to carry it to Mr. *Eldred*, to have it wrote out fair, but before it was brought back became delirious.

Held to be a good Will, and the Trustees decreed to surrender accordingly.

Lamlee versus Hanman & ux'.

Case 450.
Rolls, May 24.

L *Amlee* the Mother having a Jointure in Part, and 10 *l. per Ann.* devised to her by her Husband, and charg'd on the other Part of the Premises in Question, on the Marriage of *Lamlee* the Son, the Mother joined in the Settlement, and accepted 15 *l. per Ann.* in Lieu; and the Day before the Settlement, had taken a Security from her Son for 10 *l. per Ann.* out of the Leasehold Estate, which was not comprised in the Marriage-Settlement; and the Son covenants to pay it. The Son died; the Plaintiff his Widow took Administration. The Defendant brought an Action of Covenant against her for Non-payment of the 10 *l. per Ann.*

Under-hand
Agreements
on Marriage,
set aside as
fraudulent.
Ant. Ca. 426.

The Bill was to be relieved against that Action, insisting that the Defendant was guilty of a Fraud in making this private Agreement with her Son to have 10 *l. per Ann.* over and above the 15 *l. per Ann.* mentioned in the Marriage-Settlement.

And decreed for the Plaintiff, 1 *Roll. Abr. Tit. Marriage*, the Daughter promised to repay 10 *l.* Part of the Marriage-Portion of 90 *l.* adjudged at Law to be a fraudulent and void Promise; and in the Case of *Peyton* and

- Vol. 1. Cafe 233. *Blaidwell, Pasch. 9. May 1684,* where Sir *John Blaidwell* having a Kindness for *Yelverton Peyton*, treated a Marriage for him with *John Roberts* for his Niece, and a Settlement agreed for 2500*l.* Portion; he obtained a Redemise of Part of the Estate settled for present Maintenance, and a Release of what *Blaidwell* had covenanted to settle after his Death, and both set aside in Equity.
- Vol. 1. Cafe 344. And also cited the Cafe of *Redman* versus *Redman*, 9 Dec. 1685, the Widow of *Redman* relieved, although privy and consenting to the Fraud, and giving of the Bond.
- Vol. 1. Cafe 464. *Gale and Lendo* 1687, where the Brother gave a Bond to make up his Sister's Portion the Sum, that was insisted on, but took a Bond from her before Marriage to repay. The Husband died, the Wife survived, and was relieved against the Bond; from which Precedents it may be collected, that that which is the open and publick Treaty and Agreement upon Marriage, shall not be lessened, or any Ways infringed by any private Treaty or Agreement.
- That which is the open and publick Treaty and Agreement on Marriage shall not be lessened or infringed by any private Agreement.

And decreed a perpetual Injunction of the Action.

D E

Term. S. Trinitatis,

1705.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Blois and Martin Executors of the Lord
Viscount *Hereford* versus *Dominam*
Viscountess *Hereford & al'*.

Cafe 45r.
June 13.

ON the Marriage of the late Lord Viscount *Hereford* with the Defendant, one of the Daughters and Coheirs of Mr. *Narbone*, on the Treaty of Marriage, they being both Infants, there was an Act of Parliament procured for settling a Jointure in Bar of Dower; provided if she, when of Age, did not settle her Lands, Part of the Jointure to cease; but nothing said, as to the personal Estate: But upon the Treaty of Marriage Inquiry was made, what was the Portion or Fortune of Mrs. *Narbone*; and a Particular given in of what her personal Estate amounted unto, and (*inter alia*) Mention made of the Mortgage for 1300*l.* taken in the Lady *Bacon's* Name. The Lady *Bacon* being dead, and having made her *three* Daughters Executrixes, their Husbands

6 M

gave

A. marries
B. who has
an Estate in
Land, and a
Fortune in
Money. They
being both
Infants, an
Act of Parli-
ament is ob-
tained for
settling a
Jointure on
the Wife in
Bar of Dow-
er; provided
that the Joint-
ure shall
cease, if the
Wife when
of Age did
not settle her
Land; but
nothing said
as to the per-
sonal Estate.
Part of the

Fortune is a Mortgage for 1300*l.* taken in a Trustee's Name. The Wife when she came of Age settled her own Land; and afterwards the Husband dies. Decreed the Mortgage to the Executors of *A.* and that it should not survive to his Wife as a Chose in Action.

gave a Declaration of Trust, that half belonged to the Lady *Hare*, and the other half to the Lord Viscount *Hereford*. The Marriage being had, and a Settlement made by the Defendant, after she came of Age, of her Lands, pursuant to the Marriage-Agreement; the Lord Viscount *Hereford* died, having made the Plaintiffs his Executors.

The Question was, Whether this Money should go to the Plaintiffs, Executors of the Lord Viscount *Hereford*, or as a *Chose in Action*, should survive to the Wife.

When a Man makes a Settlement equivalent to his Wife's Portion, it shall be intended, that he was to have the Portion, tho' there is no particular Agreement for that Purpose. *Lord Keeper*. I lay no Stress upon the Declaration of Trust; lay that out of the Case; the Law of this Court will presume a Promise; and in all Cases, where a Settlement equivalent, it shall be intended the Husband was to have the Portion. The Wife shall not have her Jointure and Fortune both; and the rather in this Case, because a Trust; and the Husband could not come at it, so as to alter the Property without the Assistance of this Court; and the Defendant was condemned in Costs.

Now the Counsel cited the Precedents of *Cleeland* and *Cleeland*, where a Jointure settled in Consideration of 100 L. Portion; whereas the Wife had 150 L. more in her Brother's Hands. The Husband died, the Wife survived. Decreed at the *Rolls*, and confirmed upon an Appeal, that the 150 L. should survive to the Wife.

Burnett and *Kinafton*. A Mortgage in Fee to the Wife. The Husband by Articles agrees to settle it on his Wife for Life; and the Wife died; the Husband afterwards died. Mr. *Kinafton* the Brother got Administration *de bonis non* to his Sister, and decreed for him; although the Husband had done what lay in his Power to alter the Property of it.

Ruddiard

Ruddiard versus *Nearn* 1702, A Jointure made in Consideration of 500*l.* paid down, and of 500*l.* which the Wife had in the Chamber of *London*. The Husband died, and the Wife survived; decreed to the Wife.

Gilbert versus *Emerton*.

Case 452.

THE Plaintiff by his Bill surmised, that he and the Defendant having been Partners in buying and selling of Cattle, and in returning Money; they paid 1460*l.* into the Exchequer, upon the Account of Mr. *Woodcock*, the Receiver of *Leicestershire*; and that 600*l.* Part thereof was the proper Monies of the Plaintiff; but the Defendant had been paid by *Woodcock* the whole 1460*l.* and refused to pay the Plaintiff the 600*l.* The Defendant by Answer denied that 600*l.* of the 1460*l.* was the Plaintiff's Money; but swore it was all his own Money.

An Issue at Law was directed in a Matter, where the Plaintiff had a proper Action at Law, and was under no Impediment in respect of bringing such Action.

The Plaintiff had *three* Witnesses, who swore the Defendant confessed that 600*l.* of the 1460*l.* was the Plaintiff's Money.

And although it was insisted, that little Regard ought to be given to Witnesses, who only swore a Confession, when the Defendant had denied it upon his Oath; but besides, if there was any Doubt in it, the Plaintiff might bring his Action at Law; there being no Impediment, nor Reason for a Court of Equity to meddle in it.

Yet the *Lord Keeper* directed, that the Plaintiff should bring his Action, and the Defendant not to insist on the Statute of *Limitations*: And the Plaintiff's Counsel insisting rather to have an Issue directed; he did accordingly direct it to be tried, whether 600*l.* Part of the 1460*l.* was the proper Money of *Gilbert*, or not.

Note

Note in the Case of *Peeres* and *Bellamy*, although the Assignees under the Statute of Bankruptcy, were disabled from recovering the Effects belonging to the Bankrupt's Estate by a Fraud in the Defendant's, *viz.* their having altered the Bills of Lading and Invoices; and even the Ship's Name, that the Assignees might not know or discover the Goods, that were assigned to *Bellamy* the Bankrupt; yet there the *Lord Keeper* refused to direct an Issue, saying it was a Matter triable at Law, and refused to direct that the Statute of *Limitations* should not be given in Evidence.

Case 453.

Fellowes versus Owen.

Two Trustees for Sale of an Estate, join in a Conveyance of it to a Purchaser, and in a Receipt for the

TWO Trustees, each received 1000*l.* upon the Sale of the Trust-Estate, and both joined in the Sale, and executed Conveyances; one of them afterwards became insolvent.

Consideration-Money; but each of them received only a Moiety thereof. One of them afterwards becomes insolvent; the other shall not be answerable for what the insolvent Trustee received. *Post.* Case 464, 516.

Otherwise it is where Executors join in Sales.

The Question was, Whether the solvent Trustee should be charged with what his Co-Trustee received, or should only be answerable for what he received himself. In the Case of *Heaton* and *Marryott*, Trustees for Sale of Lands, each answerable for his own Receipts only; but in the Case of Executors, where they join in Sales, it is otherwise; and the *Lord Keeper* doubted in this Case, and would consider of it.

Perry versus Perry.

Case 454.

ON the Plaintiff's Marriage, *Edward Perry* her Husband covenanted to purchase and settle upon her for her Jointure 20*l. per Ann.* and if he died before such Purchase or Settlement made, she should have 300*l.* out of his Estate for her own Use. The Marriage was had, and before any Purchase or Settlement, *Edward Perry* the Husband died without Issue, having made his Will and the Defendant Executor; and thereby devised to the Plaintiff his Wife 330*l.* for her Life, with Power to dispose of 30*l.* Part thereof at her Death, and the Residue of the 330*l.* upon her Death, he devised over to other Relations.

*A. on his Marriage covenants to purchase and settle 20*l.* a Year on his Wife for her Life, and if he died before it was done, to leave her 300*l.* out of his personal Estate for her better Livelyhood and Maintenance. He died without making any Settlement,*

and by Will gives his Wife the Interest of 330*l.* for her Life, with a Power to dispose of 30*l.* at her Death. Decreed first, that she was intitled to the 300*l.* by the Articles, and that the Executors were not at Liberty to settle 20*l.* a Year on her for her Life. Secondly, That the Legacy was not a Satisfaction of the Articles; but she should have the 300*l.* by the Articles, and the Legacy too.

The Bill was to have 300*l.* absolutely by the Articles, and also the Use of 330*l.* for her Life by the Will, with Power to dispose of 30*l.* Part thereof.

And the Questions were, *first*, Whether the Plaintiff was intitled to have the 300*l.* and Interest by the Articles, or only 20*l. per Ann.* for her Life; and it was decreed at the *Rolls*, that she had a Right to the 300*l.* and Interest, and that the Executor could not now be at Liberty to settle 20*l. per Ann.* for Life, as the Testator might have done.

The *second* Question was, Whether the 330*l.* devised as aforesaid, should be in Lieu of the Articles, or be looked upon as an additional Bounty and Provision for the Wife: The Words of the Articles being, that if the Husband did not purchase and settle 20*l. per Ann.* on

Ant. Ca. 448.

her for Life, he would leave her out of his personal Estate 300 *l.* for her better Livelyhood and Maintenance: And decreed she should have as well the 300 *l.* by the Articles, as also the Legacy by the Will.

And this Decree now affirmed upon an *Appeal*.

Case 455.

Oldham versus Litchford.

A. devises Land to his Brother, and makes him Executor; and wills that out of his personal Estate, and Half a Year's Rent of his real Estate, he should pay his Legacies; and gives an Annuity to his Nephew. It being proved that the Brother promised the Testator to pay the Annuity, otherwise he would have charged his *John Litchford* made his Will, and the Defendant *Abell Litchford* his Brother Executor, and devised to him his real Estate; and thereby willed, that his Executor out of his Rents in Arrear and other his personal Estate, and out of Half a Year's Rents and Profits of his real Estate, after his Death, should pay his Debts and Legacies therein after mentioned; and by his Will, amongst other Legacies, devised 40 *l. per Ann.* to the Plaintiff his Wife's Nephew, to maintain him at *Cambridge*, to be paid by his Brother and Executor. The Testator dying, the Defendant his Executor alledged, he had fully administered the personal Estate; as also the Half Year's Profits of the real Estate, which incurred after the Testator's Death; and therefore refused to pay the *forty Pounds per Ann.* to the Plaintiff.

charged his real Estate therewith; Decreed the real Estate to be charged with the Annuity.

The Question was, Whether the real Estate was chargeable therewith or not; it being charged by the Bill, and proved by Mr. *Bagshaw*, that the Defendant promised the Testator, he would pay the Annuity to the Plaintiff; otherwise the Testator would have charged his real Estate with the Payment of it.

It was admitted, that the Will had made only the Half Year's Rents and Profits of the real Estate liable; but upon the Evidence of Mr. *Bagshaw*, it was decreed

at the *Rolls* for the Plaintiff, and affirmed upon an Appeal by the *Lord Keeper*.

Corpus Christi College in Oxon versus Case 456.
Paroch' de Naunton in Com' Gloucest'.

IN 1660, a Decree was made by Commissioners of Issue at Law charitable Uses against Mrs. *Oldys* for *four* Acres of Land in her Possession, belonging to the Parish of *Naunton* on a Rehearing of Exceptions taken to a Decree made by Commissioners of charitable for Repairs of the Church, whereby she was decreed to deliver Possession, and account for Arrears.

Uses, after that Decree had been twice confirmed.

Mrs. *Oldys* in 1681, took Exceptions to the Decree, and upon arguing thereof the same were over-ruled, and the Decree confirmed.

Afterwards in 1690, the *College* came, and alledged that Mrs. *Oldys* was only their Tenant, and prayed that they might be admitted to take Exceptions to the Decree; and they were admitted so to do; and their Exceptions were over-ruled, and the Decree confirmed again.

Upon a Rehearing before the *Lord Chancellor Sommers*, he directed a Trial at Law, Whether *four* Acres in the Possession of Mrs. *Oldys* belonged to the Parish of *Naunton* for Repairs of their Church.

Upon a Rehearing, the *Lord Keeper Wright* confirmed the last Order.

Cafe 457.
June 26.

Cave Domina verſus Cave Bart.

A. deviſes 4000l to his Son, to be paid at his Age of 25, and Intereſt in the mean Time, and he to have a Maintenance thereout; and directs the 4000l. to be raiſed out of a Truſt-Eſtate. The

SIR *Roger Cave* by his Will deviſed *four Thouſand Pounds* to his Son *Charles*, to be paid him at his Age of *Twenty-five*, and Intereſt in the mean Time, and he thereout to have a Maintenance. *Charles* died under Age, and the *four Thouſand Pounds* being to be raiſed out of a Truſt-Eſtate the Queſtion was, Whether the *four Thouſand Pounds* ſhould be raiſed and paid to his Representative, or merge in the Land for the Benefit of the Defendant, the Heir.

Son dies under *Twenty five*. This is a veſted Legacy, and ſhall go to his Executors. Vol. 1. Cafe 201.

Decreed it ſhould be raiſed, it being an Intereſt veſted in *Charles*; for although it was not payable until his Age of *Twenty-five*, yet it was to carry Intereſt immediately.

Pictures and Glaſſes put up inſtead of Wainſcot, or where Wainſcot would otherwiſe have been put, ſhall go to the Heir, and not the Executor.

4 Co. 64. a.

And a Queſtion ariſing, Whether ſome Pictures and Glaſſes belonged to the Heir or to the Executor: The Lord Keeper was of Opinion, that although Pictures and Glaſſes generally ſpeaking are Part of the perſonal Eſtate; yet if put up inſtead of Wainſcot, or where otherwiſe Wainſcot would have been put, they ſhall go to the Heir. The Houſe ought not to come to the Heir maimed and diſfigured. *Herlackenden's Cafe*, Wainſcot put up with Screws, ſhall remain with the Freehold.

Steward versus Rumball.

Cafe 458.
July 12.

Brigadier *Villars* borrowed *five Hundred Pounds* of Sir *Walter Plunkett* on Bond and Judgment, in which the Defendant was bound as Surety, and forced to pay the Debt. The Brigadier died, and the Lady *Grandison* his Wife took Administration, and afterwards married Lieutenant General *Steward*. The Defendant had received several Sums in Part, and had got Judgment against the Plaintiff by Default, and *Devastavit* returned for *six Hundred and seventy Pounds*, and the Money levied in the Sheriff's Hands.

A Man has Judgment for the Penalty of a Bond. Though the Principal and Interest exceed the Penalty; yet he shall recover no more than the Penalty. *Quere.*

The Bill was to be relieved, paying what was due, discounting what had been paid by Assignment of the Brigadier's Pay or otherwise; and the Bond being of *one Thousand Pounds* Penalty, and the Debt and Interest much exceeding that Sum; a Question arose, Whether the Payments formerly made should be applied in the *first* Place to pay the Interest then in Arrear, and afterwards to sink the Principal; and so the Plaintiff to have now the Benefit of the Penalty, to recover what remained due.

The *Lord Keeper* was of Opinion, that including what had been paid, though at several Payments, and many Years since, that the Defendant should have in the Whole no more than the Penalty of the Bond, saying a Man can have no more than his Debt; and the Penalty is the utmost of the Debt. *Tamen Quere.*

Case 459. *Tarback & al' versus Marbury & al'.*

A. conveys Lands to the Use of himself for Life, with Power to mortgage such Part as he shall think fit, Remainder to Trustees to sell to pay all his Debts, and afterwards becomes indebted by Judgments, Bonds and simple Contract. This is fraudulent, as against the Judgment Creditors, and they shall not be compelled to take a Satisfaction in Average with the other Creditors, having no Notice of the Settlement.

William Marbury in 1672, made a Conveyance to *Brook* and others of his Estate, to the Use of himself for Life, with Power to mortgage such Part of the Estate as he should think fit, Remainder to the Trustees and their Heirs in Trust, to sell and pay all his Debts. After this he becomes indebted by several Judgments and Statutes, as likewise on Bond and simple Contract. The Estate was all covered with Mortgages, and the Inheritance in *Brook & al'*, the Trustees, when the Judgments were obtained, and Statutes acknowledged; so that the Creditors by Judgment and Statute, could not recover their Debts by Law.

The Question was, Whether the Creditors by Judgment and Statute should be preferred in Point of Payment, to Creditors by Bond and simple Contract, or must submit to come in under the Deed of Trust, and content themselves to be paid in an Average with the other Creditors.

The Deed of Trust is fraudulent as against Creditors by Statute and Judgment.

First, Because *William Marbury* continued in Possession, and kept the Deed in his Custody, and might produce it or not, as he pleased; and the Creditors had no Notice of it.

3

Secondly,

Secondly, Having reserved to himself a Power to mortgage, and charge the Estate with what Sums he thought fit, he might have charged it to the full Value, which amounts in Effect to a Power of Revocation; and therefore fraudulent, as against Creditors by Statute and Judgment.

A. makes a voluntary Settlement, reserving to himself a Power to mortgage what Part he pleased. This amounts in

Effect to a Power of Revocation, and therefore fraudulent as against Creditors by Judgment.

D E

Term. S. Michaelis,

1705.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Cafe 460. *Franklyn & al' versus Countefs of Burlington.*
 Octob. 31.

A. devifes that the Furniture and Pictures of his three Houses in B. three Houses; and wills, that his gilt Plate belonging to C. and D. should go along with the three Houses. **R**ichard Earl of *Burlington* by Will devifed, that the Furniture and Pictures of his *three* Houses at *Lanesborough, Burlington* and *Chifwick*, fhould go along with the his gilt Plate belonging to his *Chapel*, fhould be folely appropriated to that Ufe. Adjudged the Plate then at the *three* Houfes, paffed by this Devife.

Question, Whether the Plate then at the *three* Houfes fhould pafs by the Devife of his Furniture and Pictures; and adjudged that it fhould pafs.

I

Thomas

Thomas versus Thomas.

Cafe 461.
Nov. 6.

*A*lexander Thomas by Will in 1691, devised *one Thousand Pounds* a-piece to his *six* younger Children, payable at *Twenty-one* or Marriage, to be raised by Trustees, by Sale of Lands appointed for that Purpose; and his Mind and Will was, that if any of his Children died before *Twenty-one* or Marriage, the *one Thousand Pounds* of the Child so dying, should be disposed of to one or more of his Children then living, in such Manner as his Executrix should think fit; and made his Wife Executrix. *Martha* one of the younger Children dying unmarried and under Age, the Mother the Executrix appointed *one Thousand Pounds* to be paid to her Daughter *Mary*.

A Man gives Legacies to his Children to be paid at 21 or Marriage, and if any of them died before 21 or Marriage, the Legacy of such Child to be disposed of to one or more of the Children then living, in such Manner, as his Wife, whom he made Executrix, should think

fit. One of the Children died under Age and unmarried; the Mother appoints the whole Legacy of such Child to one of the other Children. A good Appointment.

Question, Whether such Appointment should stand, and *Mary* have the whole *one Thousand Pounds*; or the other younger Children come in for any Share or Proportion thereof.

Lord Keeper. The Power special and particular, that the Wife might dispose to one or more; and not like the Cases of a general Trust in the Executrix to distribute amongst the younger Children at Discretion; there an unreasonable and indiscreet Disposition may be controlled by a Court of Equity: But this is *Casus provifus*, it is expressly provided, that she might give all to one.

Where an Executrix has a general Power to distribute a Sum of Money amongst Children at Discretion; an unreasonable or indiscreet Dispo-

sition may be controlled by a Court of Equity.

Decreed the Appointment to stand.

Cafe 462.
Nov. 6.

Adams versus Buckland.

Adminiftration granted to *two*, *one* dies, it furvives to the other.
But if a Letter of Attorney is made to *two*, and *one* dies, the Authority ceafes.

AN Adminiftration granted unto *two*; the *one* dying, the Question was, Whether the Adminiftration ceafes; like a Letter of Attorney unto *two*, *one* dies, the Authority ceafes.

Lord Keeper. It is not a bare Authority; but rather an Office. Adminiftrators are enabled to bring Actions in their own Names, come in the Place of Executors, and the Office furvives.

Cafe 463.

Burton versus Knight.

Nov. 8.
Award fet afide for Partiality in the Arbitrators.

THE Submiffion was to *three* Arbitrators, or any *two* of them. They all *three* had feveral Meetings, and heard the Parties and Witneffes. *Hudfon*, one of the Arbitrators, not agreeing with the other *two*, they have Meetings by themfelves, at fome of which *Knight* was admitted to be prefent; and whilft *Burton* was held in Hand, that the Time fhould be enlarged, or at leaft fhould have been farther heard, the *two* Arbitrators privately and without Notice, either to *Burton*, or to *Hudfon* the other Arbitrator, draw up and publifh their Award, and imploied *Knight's* Attorney to draw it up.

Decreed at the *Rolls* to be fet afide, and the Decree confirmed by the *Lord Keeper*, becaufe the Proceedings of the Arbitrators were partial and unfair.

First, Where a Submission is unto *three* or any *two* of them, if *two* by Fraud or Force will exclude the other; *that* alone is sufficient to vitiate the Award.

If a Submission is to 3, or any 2 of them; and 2 by Fraud or Force exclude the other; *that* alone is sufficient to vitiate the Award.

Secondly, Nothing could be more partial than to let *Knight* be present at their private Meetings, and admit him to be heard to induce Alterations in their intended Award, and at the same Time industriously to conceal their Meeting from *Burton*; and although they met him, and had Debates with him *three* Days after they had determined to make their Award; yet mentioned nothing of it, and at last left it to *Knight's* Attorney to draw up the Award.

Private Meetings of the Arbitrators with one of the Parties, and admitting him to be heard to induce an Alteration in the Award, is Partiality.

Fellowes versus Mitchell and Owen. Case 464.

THE Plaintiff *Fellowes*, and the Defendant *Owen* Ant. Ca. 453. were made Trustees on the Marriage of *Charles Mitchell* and his Wife, and had a Term for Years lodged in them of the Manor of *Long Braddy*, in Trust to raise *two Thousand Pounds* to be placed out at Interest, or invested in Lands with the Approbation of *Charles Mitchell*, and Interest and Profits to *Charles Mitchell* for Life, and to the Wife for Life, and then to the Children, as the Wife should appoint; and in Default of an Appointment, to them equally. Mr. *Pollixfen* advanced the *two Thousand Pounds*, with other Monies, upon a Mortgage of the Estate; the Trustees both joined in an Assignment of the Estate, and in a Receipt or an Acquittance for the *two Thousand Pounds*: But it was paid, *one Thousand Pounds* thereof to the Plaintiff, and the other *one Thousand Pounds* to his Co-Trustee, the Defendant *Owen*, who is since become insolvent; *Charles Mitchell* present and consenting to the Payment.

The

The Question was, Whether the Plaintiff *Mitchell* should be liable to the *one Thousand Pounds* received by *Owen*; and decreed he should not, and upon Payment of the *one Thousand Pounds* received by him into Court, to be indemnified.

It was admitted, that the Precedents, that had been produced, as *Foster and Townley, Cro. Car. 312. Murrell and Pitt, and Widmore and Bond, &c.* were for making joint Trustees, if they had joined in Receipts and Acquittances, to be answerable for each other: But *that* seemed to be against natural Justice, unless they had so joined in Receipt, as not to be distinguished, what had been received by one, and what by the other; there indeed of Necessity they must both be charged with the Whole; and that is from their own Neglect or Default: As if another Man should blend his Money with mine, by rendering my Property uncertain, he loses his own. And there was a Difference between Joint-Trustees and Executors: Executors may act separately, if they think fit; but if a Trust-Estate is to be sold, the Trustees must both join in conveying, and also in Receipts; otherwise no one will purchase: And since one Trustee has equal Power, Authority and Interest with the other, the one cannot in Reason insist or desire to receive more of the Consideration-Money, than the other, or to be more Trustee than his Partner or Co-Trustee.

Cafe 465.
Nov. 9.

Steward versus Bridger.

Lord of the
Manor of *A.*
brings a Bill
for a Rent of
8 s. payable
out of a Copy-

THE Defendant held a Copyhold of the Manor of *Ipeing*, at the Rent of 8 s. *per Ann.* and it so appeared

2

hold held of the Manor of *B.* and though it appeared by the Rolls of the Manor of *B.* from *H. 8. to Car. 1.* that the Copyhold was held of the Manor of *B.* at the Rent of 8 s. and though it was admitted by the Plaintiff that the Copyhold was held of the Manor of *B.* and he had no other Evidence of his Title to the Rent, but that it had been paid him near *twenty* Years; yet the Court decreed him the Arrears and growing Rent, and denied the Defendant a Trial at Law.

peared by the Court-Rolls of *Hen. 2. of Phil. & Mary*, and down to *Car. 1.* and in the *12 Car. 1.* Mrs. *Heather*, the Defendant's Mother, was admitted, as of the Manor of *Ipeing*. The Plaintiff Owner of the Manor of *Dean*, which he purchased from Sir *Peter Bettefworth*, who formerly was Owner of both Manors, now brought his Bill to compel Payment of the *8 s. per Ann.* and altho' he admitted, that the Copyhold was held of the Manor of *Ipeing*, and not of the Manor of *Dean*; yet the Rent having been paid to him for near *twenty* Years, which was the only Evidence he had to shew for it, the Arrears and growing Rent were decreed to him; and a Trial at Law denied, though prayed by the Defendant. The *Lord Keeper* saying, it was agreeable to the Rules of Law; where in Case of *Incroachment* of Rent; if the Tenant makes but one Payment of more than was due, he shall never go back from it: And after a Payment of *twenty* Years, a Grant of the Frehold of the Copyhold from the Lord of the Manor of *Ipeing* shall be presumed.

By the Rules of Law, in Cases of Incroachment of Rent, if the Tenant makes but one Payment of more than is due, he shall never go back from it.

Pendleton versus Grant.

Case 466.

IN a Will the Bequest was, *I give my Household Stuff, as Brass, Pewter, Linen and Woollen whatsoever, except a Trunk under the Chamber Window.* The Person, who made the Will, was examined as a Witness; and swore the Testator directed him to insert all his Goods, except the Trunk.

There being a Devise in a Will of all the Testator's Household Stuff, as Brass, Pewter, Linen and Woollen, except a Trunk; the

Person who drew the Will was examined, to prove that the Testator directed him to insert all his Goods except the Trunk, and was allowed to be read.

Question, Whether he should be admitted to be read. Ordered to be read, as in Case of a Devise to Son *John*, when he had *two* of the same Name; or if the Devise had been of his Trunk, when the Testator had *three* Trunks.

Case 467. *Draper & al' versus Jennings & al'.*

A. has a first Mortgage, and *B.* a second, and subject to these Mortgages the Estate is settled on *C.* for Life, Remainder on *D.* an Infant.

A. brings a

Bill to foreclose, though *B.* has not the like Remedy over against *D.* who because of his Infancy cannot be foreclosed; yet *B.* must redeem *A.* in *six* Months, or be foreclosed.

THE Plaintiff had a Mortgage on the Manor of *Swallowfield* for a Term of *five Hundred Years*; the Defendant a subsequent Mortgage. The Estate subject to these Mortgages was settled on the Earl of *Clarendon* for Life, Remainder to the Lord *Cornbury*, now an Infant of *fourteen Years* of Age.

Per Cur. Although the Defendant cannot have the like Remedy over against the Lord *Cornbury*, who, because an Infant, cannot be foreclosed; yet the Defendant must redeem within *six* Months or be foreclosed.

Objected, Some intervening Incumbrancers not made Parties. It was answered, the Plaintiff might notwithstanding foreclose such Defendants as he had brought before the Court.

Objected, The Infant had a Right to redeem all, and therefore he to have the *first* Election, and to be *first* foreclosed. Not allowed.

Case 468. *Mountague & al' Executors of Ewer versus Tidcombe and Haskins.*

A. puts his Son Apprentice to *B.* and gives Bond for his Fidelity, and takes a Covenant from *B.*

that he would, at least once a Month, see his Apprentice make up his Cash. The Apprentice imbezils the Cash; and *B.* brings Action on the Bond. On a Bill by *A.* to be relieved, decreed, that *A.* should be answerable for no more than *B.* could prove his Servant had imbezilled in the first Month after the Imbezilment began.

MR. *Ewer* gave the Defendant, a *Spanish* Merchant, *six Hundred Pounds* to take his Son Apprentice, and entred into a Bond of *one Thousand Pounds* for his Fidelity;

Fidelity ; and at the same Time took a Covenant from his Master, that he should, at least once a Month, see his Apprentice make up his Cash. The Defendant brought an Action on the Bond, alledging the Apprentice had run out *eight Hundred and fifty Pounds*. Bill to be relieved against it.

Lord Keeper. The Meaning of the Covenant is, that the Defendant should not only see to the Casting up of his Cash, that it was right in Figures, but to see the Cash effectually made up ; and therefore the Defendant's Pretence, that his Apprentice had inserted in his Accounts Goldsmiths or Bankers Notes, as remaining, when he had disposed of them, is no Excuse ; that the Bond and the Covenant ought to be taken as one Agreement ; that the Plaintiff would be answerable, provided Accounts were taken Monthly ; would be liable but for one Month's imbezilment : And decreed the Plaintiff should be answerable for no more than the Master could prove the Apprentice imbeziled in the first Month, when the Imbezilment began.

Tilley & ux' versus Bridger & al'.

Case 469.
Nov. 26.

ON an Appeal from the Rolls the Question was, Whether the Plaintiff was intitled to Relief for mesne Profits received by the Defendant, whilst a Cause was pending in this Court ; and the Defendants had an Injunction.

A Person is intitled to mesne Profits, but from the Time of his Entry.

Lord Keeper. Not intitled to Profits, but from the Time of Entry. If the Plaintiff entred, he may recover at Law, the Injunction did not prevent an Entry ; and dismissed the Bill.

An Injunction does not prevent an Entry.

Best

Case 470.

Best versus Stampford.

A Woman, who is *Cestuy que Trust* of a Term, having the Inheritance in her, marries and dies. The Term shall attend on the Inheritance, and not go to the Husband as Administrator of his Wife.

*F*ane Harris having an Estate of Inheritance given to her by her *first* Husband, on the Marriage of *Brown*, her *second* Husband, demised the Premises to *Binks* for one Thousand Years; in Trust to permit *Brown & ux'*, to receive the Profits during their Lives, and the Life of the Survivor, then in Trust for their Children; but if *Brown* died in her Life-time without Issue, then in Trust for her, and her Executors, Administrators and Assigns. *Brown* died, *Elizabeth* married the Defendant her *third* Husband, and died. The Plaintiff claimed the Term as Heir; the Defendant, as Husband and Administrator to his Wife.

The Question singly, Whether a Woman, who is *Cestuy que Trust* of a Term, and having the Inheritance in her, and marrying a *third* Husband, who survived her, the Term should attend the Inheritance, or go to the Husband as Administrator. Decreed for the Plaintiff the Heir.

Holt versus *Holt*, *Percivall* and *Dowse*, *Pawlett* versus *Pawlett*.

Case 471.
Decemb. 3.
Master of the
Rolls.

Jennings & al' versus Ward & al'.

A. lends Money to *B.* on a Mortgage, and takes a Covenant from *B.* by Deed, that if *A.* should

THE Defendant *Ward* lends Money to *Neale*, the Groom Porter, to carry on his Buildings in *Cock and Pye* Fields, and took a Mortgage from him to secure *sixteen Thousand Pounds* with Interest at *6 l. per Cent.* and in another Deed, that if *A.* should think fit, *B.* should convey to *A.* so much of the mortgaged Estate, as should be of the Value of the Money lent at *Twenty Years* Purchase. Covenant decreed to be set aside as unconscionable.

another Deed executed at the same Time, took a Covenant from *Neale*, that he should convey to the Defendant, if he thought fit, Ground-Rents to the Value of *sixteen Thousand Pounds*, at the Rate of *Twenty Years Purchase*. The Bill being to redeem, the Defendant insisted on that Agreement; but the *Master* of the *Rolls* decreed a Redemption, on Payment of Principal, Interest and Costs, without Regard to that Agreement; but set aside the same as unconscionable. A Man shall not have Interest for his Money, and a collateral Advantage besides for the Loan of it, or clog the Redemption with any By-Agreement.

A Man shall not have Interest for his Money on a Mortgage, and a collateral Advantage besides for Loan of it; or clog the Redemption with any By-Agreement.

Elliott versus Davenport.

Case 472.
Decemb. 5.
Master of the
Rolls.

THE Testatrix by Will reciting, that Sir *William Elliott* owed her *four Hundred Pounds*, gave and bequeathed that *four Hundred Pounds* to him, provided he out of the *four Hundred Pounds* paid several Sums therein mentioned, to his Wife and Children; and the Rest and Residue she freely and absolutely gave to Sir *William Elliott*; and willed and required the Executor to deliver up the Security immediately upon her Death, and not to claim or meddle with the Debt or any Part thereof; but to give such Release or Discharge, as Sir *William* his Executors or Administrators should require or think fit. Sir *William* died in the Life-time of Mrs. *Davenport* the Testatrix.

A. devises to B. 400l. which he owed her, provided that thereout he paid several Sums to his Wife and Children; and the Rest she freely gave to him, and directs her Executor to deliver up the Security, and not to claim any Part of the Debt, but to give such Re-

lease, as B. his Executors, &c. should require. B. dies in the Life-time of the Testatrix. Decreed the Legacies given out of the 400l. to be paid, and the Residue of the Debt to be paid to the Executor.

Whether the *four Hundred Pounds* was released, or was a lapsed Legacy was the Question.

If a Person
says in his
Will, I for-
give such a
Debt, or my
Executor shall
not demand it,
or shall
release it,

It was admitted, if she had only said, *I forgive such a Debt, or that my Executor shall not demand it, or shall release it, that* would have been a good Discharge of the Debt, altho' Sir William died in the Life-time of the Testatrix. this is a Discharge of the Debt, though the Debtor dies in the Life-time of the Testator.

And it was also admitted, that the Money directed to be paid by Sir William to his Wife and Children, out of the Debt of *four Hundred Pounds*, will stand good, as well devised, although Sir William died before the Testatrix.

But if a Debt
is devised by
Will to the
Debtor,
without
Words of
Release or
Discharge of
the Debt,
and the Debtor dies in the Life of the Testator ; the Legacy is lapsed, and the Debt subsists.

And it was likewise admitted, that if a Debt is mentioned to be devised to the Debtor, without Words of Release or Discharge of the Debt ; if the Debtor died before the Testator, *that* will be a lapsed Legacy, and the Debt will subsist.

Now in this Case, the *first* Clause in the Will imports a Devise only ; and the later Clause amounts to a Release and Discharge of the Debt ; and the Executor is enjoined from receiving it. The only Question is, Whether the latter Clause is not to be so coupled to the former, as to be *ancillary* and dependant upon it ; *viz.* if the Legacy took Effect, then the Executor to release, and not to claim the Debt as a Consequence of it ; and the Court was the rather induced to be of that Opinion, because it appears by the Devise over of Part of the Debt to the Wife and Children, it was not the Intent of the Testatrix, that the Will should work by Way of Release or Extinguishment of the Debt.

Decreed the Plaintiff to be allowed what was devised over, and to pay the Residue of the Debt to the Executors.

Blagrove

Blagrove verſus Clunn & ux', & al'.

Cafe 473.
Decemb. 11.
Maſter of the
Rolls.

E*dward Loyd* on his Marriage ſettled ſeveral Lands to the Uſe of himſelf for Life, as to Part to his Wife for Jointure, Remainder to firſt and other Sons of that Marriage; and in Default of Iſſue Male, to the Daughter and Daughters of that Marriage, and their Heirs; until the Remainder-Man, to whom the Eſtate was to go, according to the Limitations of that Settlement, ſhould pay and ſatisfy unto the Daughter *three Thouſand Pounds*, Remainder to the Heirs of his Body, &c. He had Iſſue a Son by that Marriage, and *four* Daughters. The Son died in the Life-time of *Edward Loyd*, leaving a Daughter: He afterwards ſuffered a Common Recovery, and made a Settlement upon that Marriage, and thereby charged the Premifſes with other Lands with the raiſing *three Thouſand Pounds* more. The Plaintiffs were Creditors by Judgment, and their Bill was to be let into a Satisfaction, ſubject to thoſe Charges of *three Thouſand Pounds*, and *three Thouſand Pounds*; and in Exoneration thereof, to have an Account of the Rents and Profits.

Lands are limited by Marriage-Settlement, upon Failure of Iſſue Male, to the Daughters of the Marriage and their Heirs, until the next Remainder-Man ſhould pay them 3000 *l.* there being *four* Daughters only, they entered. Decreed at the Rolls they ſhould account for the Profits; and that the Rents ſhould be applied firſt to pay the Inter-eſt, and then to ſink the Principal; as in

Cafe of a common Mortgage. Decree affirmed by the *Lord Chancellor*, with this Variation, that the Principal ſhould not be ſunk, till a *third* Part was raiſed above the Inter-eſt; and ſo again, when another *third* Part was raiſed.

For the Defendants, the Daughters, it was to be conſidered, that they were as Purchaſers under the Marriage-Settlement; and as ſuch were intitled to retain the Poſſeſſion, and to receive the Rents and Profits to their own Uſe without Account, until the Remainder-Man, or thoſe, who had the next Eſtate or Inter-eſt, ſhould think fit to determine their Eſtate by the Payment of the *three Thouſand Pounds* at one intire Payment.

But the *Maſter* of the *Rolls* decreed the Defendants to account for the Rents and Profits, to be applied in
the

the first Place to pay the Interest of the *three Thousand Pounds*, and then to sink the Principal, as in the Case of a common Mortgage.

Post. Ca. 521. Upon an Appeal to the *Lord Chancellor*, the Decree was affirmed with this Alteration, that the Principal should not be sunk by small Payments; but when a *third Part* was raised beyond all Interest then due, it should go to sink the Principal; and so again, when any other *third Part* was raised, &c.

Case 474
Dec. 17.
Lord Keeper. Comes *Bristol & al'* Creditors of Sir *William Bassett* versus *Hungerford & al'*.

A. in 1687, lends 1000 *l.* to *B.* on a Judgment, at which Time there was a Term of Years attendant on the Inheritance, which had been assigned to 3 Trustees. In 1688, *B.* and one of the Trustees assign the Term to *C.* for securing Money then borrowed of him. *A.* having Notice of this Assignment, gets an Assignment of the Term from the *two* other Trustees to *D.* in Trust for the better securing his 1000 *l.* *A.* shall have the Benefit of this Assignment, and be paid before *C.*

SIR *William Bassett* in 1687, borrowed *one Thousand Pounds* of the Lady *Biddulph* on a Judgment; at that Time there was a Term of *five Hundred Years* kept on Foot, and assigned to *Neville*, Lady *Biddulph*, and *Simon Biddulph* to attend the Inheritance. Afterwards in 1688, Sir *William Bassett*, and *Neville*, one of the *three* Trustees, assigned the Term to *Windham* and *Millington*, for securing *one Thousand five Hundred Pounds* borrowed of them by way of Mortgage; and afterwards Sir *William Bassett*, together with the *two* other Trustees, viz. the Lady *Biddulph*, and *Simon Biddulph* assign the Term to *Garrett*, in Trust for the better securing the *one Thousand Pounds* due to the Lady *Biddulph*.

It was now made a Question, Whether *Windham* and *Millington* should have the Benefit of the whole Term, or only of a *third Part*, there being but *one* of the *three* Trustees that joined in the Assignment; and it was insisted,

lified, that although but *one third* Part passed, as to the legal Estate; yet the *Cestuy que Trust* could make a good Assignment in Equity; and the Lady *Biddulph* ought to be bound thereby, because she lent her Money on the Credit of the Judgment, and before the Assignment to *Garrett* had Notice of the Assignment to *Windham* and *Millington*.

Lord Keeper. Although there is a Term attendant on the Inheritance; yet a Judgment is an equitable Lien on the Inheritance, and consequently affects the Term; and therefore the Lady *Biddulph* having got the legal Estate, as to *two Thirds* of the Term in *Garret*, in Trust for her self, shall have the Benefit thereof, although she had Notice of the Mortgage and Assignment made by the *Cestuy que Trust* with one of the Trustees. And the Mortgage-Term being created in 1679, all mesne Incumbrances were post-poned to the Debt of the Lady *Biddulph*, and of *Windham* and *Millington*.

In this Case *first* decreed at the *Rolls*, Mortgages were to be paid in the first Place, and then Judgments, and then Recognifances, &c. but upon an Appeal to the *Lords*, it was adjudged, that Mortgages were not to be preferred to other real Incumbrances: But Mortgages, Judgments, Statutes and Recognifances, should take Place according to Priority, and as they stood in Order of Time.

Mortgages are not to be preferred to other real Incumbrances; but Mortgages, Judgments, Statutes and Recognifances, shall be paid according to Priority.

In this Case *Simonds* a *Puisne* Incumbrancer after the Bill brought, and after the first Decree made, and in Truth after the Report, gets an Assignment of an old Judgment and Mortgage, hoping thereby to gain a Preference to his Debt.

Per Cur. The Assignment obtained by him being after the Decree made, he shall not profit by it, or change the Order of Payment; but must come in according to the

Time of his own Incumbrance, without Regard to the old Judgment and Mortgage, which he got in after the Decree and Report.

Cafe 475.

Leonard versus Com' Suffex.

A. devises Lands to Trustees to pay Debts and Legacies, and then to settle the Remainder on her Son B. and the Heirs of his Body, with Remainders over; and directs, that special Care should be taken in the Settlement, that it should never be in the Power of her Son to dock the Intail. Decreed the Son should be only Tenant for Life, without Impeachment of Waste, and should not have an Estate-Tail conveyed to him.

THE Countess of *Sheppey* (*inter alia*) devised her real and personal Estate to Sir *Charles Cotterell* & *al*, and their Heirs, for Payment of Debts and Legacies, and afterwards to settle the Remainder; and what should remain unfold, a Moiety to her Son *Henry*, and the Heirs of his Body by a *second* Wife; and in Default of such Issue, to her Son *Francis*, and the Heirs of his Body; the other Moiety to *Francis* and the Heirs of his Body, with Remainders over; taking special Care in such Settlement, that it never be in the Power of either of my said Sons, *Francis* or *Henry*, to dock the Intail of either of the said Moieties, given them as aforesaid, during their, or either of their Life or Lives.

And whether *Francis* and *Henry* were intitled to have an Estate-Tail conveyed to them, or only an Estate for Life, was the Question. The Defendant the Lord *Suffex*, having purchased from *Henry*, and his younger Brother, who was the Plaintiff's Father,

The Sons must be made only Tenants for Life, and shall not have an Estate-Tail conveyed to them; but their Estate for Life shall be without *Impeachment of Waste*: And *first*, because here an Estate is not executed, but only executory; and therefore the Intent and Meaning of the Testatrix is to be pursued. She has declared her Mind to be, that her Sons should not have it in their Power to bar their Children; which they would have if

if an Estate-Tail was to be conveyed to them: And took it to be as strong in the Case of an executory Devise for the Benefit of the Issue, as if the like Provision had been contained in Marriage-Articles; but had she by her Will devised to her Sons an Estate-Tail, the Law must have taken Place, and they have barred their Issue, notwithstanding any subsequent Clause or Declaration in the Will, that they should not have Power to dock the Intail.

As to the Account that had been formerly taken in the Cause, where *Henry* the Father was Plaintiff against the Trustees; although he was but Tenant for Life, and the now Plaintiff claims not under him, but *paramount* him by the Will; yet the Plaintiff or any Issue of *Henry* not being in *Esse* at that Time, all Persons were Parties, that could then be made Parties; and therefore decreed *that* Account to stand, and not to be ravelled into.

A. is Tenant for Life of a Trust, Remainder to his Sons. *A.* before a Son born, brings a Bill against the Trustees, and an Account is decreed, and afterwards taken. This Account

shall bind the Sons; for all Persons, that could be made Parties, were Parties in the Suit.

D E

Term. S. Hillarii,

1705.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Cafe 476. *Chadwick & ux' versus Doleman Mil'.*
 Jan. 25.
 Lord Keeper.

A. by Marriage-Settlement is Tenant for Life, Remainder to Trustees, to raise 4000 l. for younger Childrens Portions, as A. should appoint; Remainder to his first, &c. Sons in Tail. A. appoints the 4000 l. amongst his younger Children, and particularly 2600 l. thereof to B. his second Son.

SIR *Thomas Doleman*, the Father, on his Marriage settled divers Manors and Lands to the Use of himself for Life; and then, as to Part thereof, to his Wife for her Jointure, Remainder to Trustees in Trust, that if there should be both Sons and Daughters of the Marriage, then the Trustees were within *six* Months after his Decease to enter on all, not settled in Jointure; and by Profits to raise any Sum, not exceeding 2000 l. for Payment of Debts, as Sir *Thomas* should appoint; and should also raise 4000 l. for younger Childrens Portions, in such Proportions, as Sir *Thomas* should appoint; and in Default of an Appointment, to be equally divided amongst them; Remainder to *first* and other Sons in Tail.

The eldest Son dies *six* Years afterwards, whereby *B.* became eldest Son, and intitled to the whole Estate after his Father's Death; and thereupon *A.* makes a new Appointment of the 2600 l. to one of his Daughters. Decreed the last Appointment to take place; the first being made to *B.* upon a tacit or implied Condition, that he should not become the eldest Son.

It

It happened that there being several younger Children grown up, and of full Age, Sir *Thomas Doleman* in 1686, by Deed appoints the 4000 *l.* in several Proportions amongst his younger Children, and particularly the Sum of 2600 *l.* to the Defendant *Thomas*, now Sir *Thomas*, his *second* Son, who was at full Age, and under a Treaty of Marriage at that Time. After this the eldest Son, the Defendant's Brother, died without Issue, and the Defendant by the Settlement, as *first* Son, became intitled to the Whole Estate; and thereupon Sir *Thomas*, the Father, made a new Appointment of the 2600 *l.* amongst his other younger Children; particularly 1600 *l.* Part thereof to his Daughter, the Plaintiff. The Bill therefore was brought by *Chadwick* and his Wife against the Defendant Sir *Thomas Doleman*, and the Heir of the surviving Trustee, to have 1600 *l.* raised: And the single Question was, Whether the first or last Appointment should take Place.

For the Defendant it was insisted, that Sir *Thomas* by the first Appointment had well executed his Power by Deed, without Power of Revocation, and at a proper Time for the doing of it: His younger Children grown up, of full Age, in want to be advanced, and put into the World; and particularly the Defendant at that Time under a Treaty of Marriage, and was capable of taking; and by the Appointment had an Interest actually vested in him, which although payable *in futuro*, and not to be raised till after the Death of Sir *Thomas*; yet he might for Support of himself and Family mortgage, sell, or dispose of it, and was in Truth his Subsistence for several Years; there being about the Space of *six* Years between the Making the first Deed of Appointment, and the Death of the elder Brother; and an Interest once vested, is not easily to be divested; and there is nothing in the Settlement, which imports, that after an Appointment made it should divest, if a younger Son happened

to be the eldest and Heir before the Money became payable; but it was sufficient that he was a younger Son at the Time of the Appointment made, when the Father thought fit to execute his Power, who was the proper Judge, as well of the Time, as of the Manner and Proportions; and having made an absolute Appointment, without reserving any Power of Revocation, whereby an Interest vested, it was not to be divested without an express Condition or Proviso for that Purpose; and as the Defendant was a younger Brother for near *seven* Years after the Appointment made, it might have happened that he might have been so for *thirty* or *forty* Years, and might have spent his Fortune; and it would have been hard to make him, as Heir, refund what he had spent, whilst a younger Son, and whilst he had no Benefit of the Estate; and therefore that the *first* Appointment ought to stand: As where there are several voluntary Conveyances, the *first* is to take Place; and so it is, where there are several Appointments made by Deed; and so decreed in the Case of *Anderson* and *Halcher*; and so held in the Lord *Ormond's* Case, and very lately in the Case of *Clavering* and *Clavering*, adjudged upon Appeal to the *Lords* in Parliament, where the Father had made a voluntary Conveyance to the eldest Son, and kept the Deed in his own Custody; and *ten* Years afterwards (having as was supposed) forgot the first Deed, made a Conveyance of the same Lands to a younger Son; and although he left his eldest Son by his Will, another Estate of greater Value, which he might have disposed of, as he pleased, and gave him great Part of his personal Estate, so that he had much more than an Equivalent; yet the Bill of the younger Son to have the latter Deed established, was dismissed by the Lord Keeper *Wright*, and the Dismissal affirmed upon an Appeal to the House of *Peers*.

In voluntary
Deeds, and
voluntary
Appoint-
ments, the
First is to
take Place.

The Lord Keeper said, he admitted the Authority of the Cases cited, and agreed the Rule, that of voluntary Deeds, and voluntary Appointments the First is to take

Place

Place, as well at Law as in Equity; and likewise admitted, that the Defendant, at the Time of the Appointment, was a Person capable to take, and was a younger Child within the Power of appointing; but was of Opinion, that this was a defeazable Appointment; (as he was pleased to term it) not from any Power of revoking, or upon the Words of the Appointment, but from the Capacity of the Person. He was a Person capable to take at the Time of the Appointment made, but that was *sub modo*, and upon a tacit or implied Condition, that he should not afterwards happen to become the eldest Son and Heir; so that he had as it were only a defeazable Capacity in him, and decreed it for the Plaintiff; and added, that although the Appointment had been made in Consideration of Marriage, it would have been the same Thing.

Lady Charlotte Orby & al' versus Lady Case 477.
Mohun.

THE late Earl of *Macclesfield* fettled his *Cheshire* Estate on the Lord *Brandon* his eldest Son for Life, and to his first and other Sons in Tail, Remainder to his second Son *Fitton Gerrard*, and his first and other Sons in Tail, with a Power to the Tenant for Life in Possession, to grant Leases of all Lands anciently demised, reserving the antient and accustomed Rents; and of the other Lands, reserving the best and improved Rents, that could be gotten for the same, Remainder to his own right Heirs. Earl *Brandon* the elder Brother being dead without Issue, and having devised the Reversion in Fee to the Defendant the Lord *Mohun*: And Earl *Fitton* having

old Leases, makes a general Lease to his Sister of all the Lands, *reddendi*, for the Lands that had been let, the antient and accustomed Rents, and for the Lands not usually let, the full and improved Rents and Value thereof. Lease adjudged void by the Lord Keeper and Lord Chief Justice *Trevor*, *contra* the Opinion of Lord Chief Justice *Holt*.

In a Settlement a Power is reserved to Tenant for Life to make Leases of all Lands anciently demised, reserving the antient Rents, and of the other Lands, reserving the best improved Rents. Tenant for Life being ill, and not having the Counter-Parts of the

ving no Issue, and being indisposed in Health, thought fit to execute his Power in Favour of the Plaintiff, the Lady *Charlotte Orby*, and the Dutcheſs of *Hamilton*, the Heirs at Law; but not having the Counter-parts of Leaſes, nor Time to make particular Contracts, by the Advice of Counſel, made one general Leaſe of all his Lands to the Plaintiffs, yielding and paying for the Lands, that had been let, the antient and accuſtom-ed Rents, and for the Demefnes and Lands not uſually let, the full and improved Rents and Value thereof, and ſoon after died without Issue; and whether this was a good Leaſe within the Power or not, was the principal Queſtion in the Caſe.

And the Settlement being by Way of a Covenant for ſuffering a Common Recovery to the Uſes therein mentioned, which Common Recovery was never ſuffered, but the legal Eſtate reſting in the Truſtees, the Bill was to have the Benefit of the Truſt, ſo far as to make good the Leaſes in the ſame Manner as they would have been at Law, in caſe Earl *Fitton* had had the legal Eſtate in him, inſiſting that the Leaſes ought to be allowed as good in Equity.

And for the Plaintiffs it was inſiſted, It was a Rule in the Execution of Powers, that if a Man exceeds his Power, yet it ſhall ſtand good for what was within his Power; but indeed if he doth not do what was neceſſary in the Execution of his Power, *that* Defect is not to be ſupplied. And this Caſe is not to be compared to the Caſe of a Biſhop's Leaſe, or Caſes on the *diſabling* Statutes; but rather to Caſes on the *enabling* Statutes; and as Leaſes are held ſtrictly to the Letter in the one Caſe, ſo the Expoſition is always liberal and favourable in the other Caſe; and as Authorities, cited the Caſe in *Dyer*, A Demiſe of *three* ſeveral Things, with *three* ſeveral *red-dendums*, and held good. *Knight's* Caſe, and *Ayre's* Caſe in *Moor* 51. *Tanfield* and *Rogers*, *Cr. Eliz.* 340. Demiſe by Tenant

Moor 199.

Tenant in Tail of Lands usually demised, and of Lands not usually demised, *reddend'* for the Lands usually demised, the antient and accustomed Rent, and for the Lands not usually demised the best improved Rent: Held to be a good Lease. *Cook Litt. fol. 45.* A Lease for such Number of Years as *J. S.* shall name, is a good Lease.

Lewson and *Piggott's* Case in *B. R.* Power to Lease for *Twenty-one* Years, or *three* Lives, so as *12 s. per Ann.* Rent be reserved. Lease of all within his Power to let, paying the Rent intended to be reserved by the Power, and held to be a good Lease; though neither the Lands, nor the Rent specified or mentioned in certain. *Venables's* Case, held that the Lease good for Lands for which Rent was reserved, and void only for those, for which no Rent was reserved; and there an Averment necessary, and allowed, how many *Cheshire* Acres reserved in the Lease, *Audley* versus *Audley*, A Lease rendring *two* Thirds of the full improved Value, held good. *11 Rep. Dr. Grant's* Fol. 15. b. Case, A *Modus* of *2 s.* in the Pound of the full improved Value held to be good.

3 *Lev. 255.* Custom for a Fine of Copyhold at a Year's improved Value held good; and cited *Plowd. Com.* where many relative Clauses are allowed to be good upon the *Maxim*, that *certum est quod certum reddi potest*; and in Letters Patent the usual Clause *tot tanta & talia* allowed good, though not appearing in the Grant what those Franchises and Royalties were: And it was not difficult to know what the antient Rent is; for it is but looking into the last Lease, according to the Resolution in the Case of *Morries* and *Antrobus*, in *Hardres's* Reports, the Fol. 325. Rent reserved in the last Lease shall be presumed to be the antient Rent.

And as to the Case of *Owen* and *Thomas ap Rees*, in Fol. 94. *Crook Ch.* that Report is of no Authority, because it puts not the Case, but abruptly relates the Opinion of the Judges: And the Case of *Thredneedle* and *Lynham*, 1 Mod. 203.

Lynham, Lord Chief Justice *Vaughan* takes Notice of that Case in *Crook*, and that it went off upon another Point, *viz.* for want of Excepting out of general Words Lands, that had been excepted in former Leases; so more Lands then usually demised, for the same Rent, as when less was demised, and so fell within the Rules of Lord
 5 Co. 3. b. *Mountjoy's Case*.

On the other Hand, for the Defendant it was insisted, that in this Lease the Lessor had not well pursued the Power, nor was the Lease within the Purview or Intent of it; which was to give a Power of Leasing in a reasonable Manner, as Leases fell in; and for keeping of the Estate tenanted, in like Manner as an Owner of an Estate would be supposed to do: But here is no Contract or Agreement with any Tenant, but a general Lease made of all, as well what was usually demised, as not, to the Plaintiff, to the Intent he might have the Benefit of granting Leases, and of putting the Power more particularly in Execution; so that in Truth, it was rather a delegating the Power of Leasing to the Plaintiffs, than an Execution of the Power, and *delegatus non potest delegare*. And should such general Leasing be allowed, it would put the Remainder-Man, or Reversioner under great Difficulties, as well to find out what Lands had been usually demised, and what had not; as also to know what Rent he was to demand, how to distrain or avow; and besides, had the Rent been particularly reserved in the Lease, the Tenant should have been obliged to have paid, whether it had been the antient Rent or not; and there might have been an Action of Debt or Covenant brought against him: And the Intent of the Settlement was, that as the Tenant in Possession should have a Power of Leasing, so on the other Hand, that the Revenue should not be lessened; but that the Remainder-Man or Reversioner should be sure of his Rent, and have it effectually reserved, and secured to him in the most easy and beneficial Manner; and relied on the Case of *Owen*
 and

and *App Rees* in *Crook*, and that in *Thredneedle* and *Lynham's Case*, the Lord *Vaughan* allowed of *that* Authority as reported by *Crook*, and the Matter of the Omission of the Exception not material.

Vide infra Lease held not to be good.

Post. Ca. 485.

Gore versus Knight.

Case 478.
Lord Keeper.

THE Lady *Gore*, the Plaintiff's Mother, upon her Marriage with Sir *John Knight* having reserved to her self a Power by Deed or Will to dispose of her personal Estate, and Rents and Profits of her real Estate, made her Will, and devised to the Plaintiff several Securities for Money and her personal Estate. Sir *John Knight* objected, she had disposed of several Mortgages, &c. that did not appear to be any Part of the Estate, she had so reserved a Power over.

Where a Woman on her Marriage reserves a Power to dispose of her personal Estate, all that she dies possessed of is to be taken to be her separate Estate, or the Produce of it; unless the

Contrary can be made appear; and as she has Power over the Principal, she may dispose of the Interest.

Lord Keeper. It appears not, that any other Estate came afterwards to the Lady; and therefore what she died possessed of is to be taken to be the separate Estate, or the Produce of it, unless the contrary had been made appear; and as she had a Power over the Principal, she consequently had it over the Produce of it; for the *Sprout* is to favour of the *Root*, and to go the same Way.

Ramsden

Case 479.
Feb. 5.
Lord Keeper.

Ramsden versus Langley, & contra.

Mortgagee
having been
at great
Charges to
defend a Suit
at Law,
brought by
the Heir of
the Mortga-
gor, who en-

deavoured to defeat the Mortgage by an Intail, but could not prevail; upon a Bill afterwards brought by the Heir to redeem, the Mortgagee allowed his full Coſts expended in that Suit, and not tied down to the Coſts taxed.

THE Plaintiff by his Guardian having endeavoured to overthrow the Mortgage by a ſuppoſed Intail; and after a ſpecial Verdict, and great Agitation at Law, the Mortgagee having prevailed, the Plaintiff now brought his Bill to redeem.

Allowed alſo
his Coſts in
taking out
Adminiſtra-
tion to the
Mortgagor,
as principal
Creditor.

And the Mortgagee having ſworn he paid and expended above 120*l.* in defending his Mortgage at Law, although he had but 60*l.* Coſts allowed him there, *per Cur.* ſhall not be held down to the Taxation at Law, but ſhall upon the Account be allowed all he laid out, or expended. And the Mortgagee fearing his Mortgage would have been defeated at Law, got Adminiſtration as principal Creditor in the Spiritual Court, *per Cur.* ſhall be allowed the Coſts expended there alſo.

Case 480.
Feb. 9.
Lord Keeper.

Sweetapple verſus Bindon.

A. deviſed
300 *l.* to be
laid out in
Land, and
ſettled to the
Uſe of his
Daughter
and her Chil-
dren, and if
ſhe died with-
out Iſſue, to
go over. She
married B.
and had a
Child by
him, and ſhe
and the Child
being dead,

B. deviſed 300 *l.* to her Daughter *Mary*, to be laid out by her Executrix in Lands, and ſettled to the only Uſe of her Daughter *Mary* and her Children; and if ſhe died without Iſſue, the Lands to be equally divided between her Brothers and Siſters then living. The Plaintiff married *Mary* the Legatee, and had Iſſue by her; but ſhe and her Child being both dead, and the Money not laid out in Land, the Bill was, that the Plaintiff might either have the Money laid out in Lands, and

and the Money not laid out; on a Bill brought by B. decreed the Money to be conſidered as Land, and the Plaintiff to be Tenant by the *Courteſy*.

and settled on him for Life, as being Tenant by the *Courtesy*, or in Lieu of the Profits of the Lands might have the Interest of the Money during his Life.

Per Cur. If it had been an immediate Devise of Land, *Mary* the Daughter would have been, by the Words in the Will, Tenant in Tail, and consequently the Husband would have been Tenant by the *Courtesy*; and in the Case of a voluntary Devise, the Court must take it as they found it, and not lessen the Estate or Benefit of the Legatee; although upon the like Words in Marriage-Articles it might be otherwise, where it appeared the Estate was intended to be preserved for the Benefit of the Issue; and therefore decreed the Money to be considered as Lands, and the Plaintiff to have the Interest, or Proceed thereof, for his Life, as Tenant by the *Courtesy*.

Nash versus Com' Derby, & contra. Case 481.

THE Defendant, the Earl of *Derby*, married one *A*, having 2 of the Daughters and Coheirs of Sir *William Morley*, and in her Right became intitled to the Manor of *Borgrave* in *Sussex*. The Plaintiff held two Copyholds held of the Manor of *B.* cuts Timber within the Manor, and had cut down Timber on the one, on the one, and employs it in repairing the other. to repair the Tenements on the other; and pretended After a Verdict on an Ejectment by the Lord for the Forfeiture, *A.* there was a Custom within the Manor, that he might so do, the Timber being assigned and set out by two of the customary Tenants of the Manor. An Ejectment was brought, as supposing this to be voluntary Waste and a Forfeiture; upon the first Trial a Verdict against the Lord; but upon a new Trial a Verdict against the pretended Custom. The Bill was to be relieved against the Forfeiture. brings a Bill and is relieved; but ordered to pay Costs at Law and in Equity.

It was admitted that by the Custom of the Manor, that when Timber was wanting on one Copyhold Te-

nement, the Lord by his Woodward or Bailiff might assign Timber for Repairs on any of the other Copyhold Estates; but here they were setting up a Custom for *two* of the Tenants to assign to a *Third*, which might be prejudicial to the Lord; and more Timber might, by that Means, be cut than was necessary, and thriving Timber, when there might be found enough of that which was decaying, fit for Repairs. It was also admitted that the Timber was but of small Value, and all of it employed in Repairs upon the Copyhold.

The *Lord Keeper* relieved the Plaintiff against the Forfeiture; but decreed him to pay the Costs of both the Trials at Law, and the Costs of this Suit.

Cafe 482.

Feb. 26.

Lord Keeper.

A. devises to B. all his Goods and Furniture in his House, except his Pictures, which he gives to C. Pictures in Boxes, as well as what were hung up in the House, will pass to C. and so will Pictures bought after the Making of Will.

Gayre versus Gayre and North & al'.

SIR Robert Gayre devised his House in St. *Jermin* Street, and all his Goods and Furniture therein, to his Lady for Life, and after her Decease, to his Son *Robert* and his Heirs, except the Pictures, which he thereby gave to his Sons *James* and *Edward*, the Testator having Pictures hung up in the House, and likewise Pictures in Boxes; and it appeared by Proofs in the Cause, that he had Skill in Pictures, and frequently bought Pictures and sold them again.

Lord Keeper. The Pictures pass not by the Devise to the Lady *Gayre*, but the Exception of the Pictures shall extend as well to the Pictures hung up as Furniture, as to those in Boxes; and as well to those in the House at the Time of the Will, as to those brought in after the Will made.

Altho'

Although the Case in *Swinbourne* 418. was cited, where the Devise of Goods in a House shall pass only what the Testator then had in the House.

Baldwin versus Billingsley.

Case 483.
Feb. 26.
Lord Keeper.

MR S. *Sharpe* by her Will devised 200 *l.* to Sir *Ambrose Phillips* and *Thomas Parker*, in Trust for the separate Use of her Daughter *Billingsley* and her Children. In 1691, the 200 *l.* was lent to *Charles Baldwin*, who became Bound for the same to Sir *Ambrose Phillips* and *Thomas Parker*. In 1695, *Charles Baldwin* trusts *Parker* to receive 100 *l.* for him from *Singleton*, and afterwards states an Account with him, and takes a Receipt from *Thomas Parker*, as for so much received by him upon the Account of Mrs. *Billingsley*; but gave no Notice thereof to Mrs. *Billingsley* until 1699, when *Thomas Parker* became insolvent and absconded.

A. and B. being Trustees of Money for the separate Use of a Feme Covert, lend it to C. who gives Bond to the Trustees, and the Trust is declared in the Condition. The Bond is kept by the Feme, and B. having received Money for C. they

settle an Account, and B. gives C. a Receipt for 100 *l.* as received for the Use of the Feme. B. becomes insolvent. Whether C. is well discharged of this 100 *l.*

The Question was, Whether the Plaintiff should be allowed that 100 *l.* as well paid to *Parker* for the Use of Mrs. *Billingsley*, who always kept and had the Bond in her Hands.

Mr. *Baldwin* by Letters owned that he had intrusted *Parker* to receive and pay Monies for him, and complained that he had been drawn in by *Parker*; and seemed to admit that he should be obliged to make Mrs. *Billingsley* Satisfaction.

Lord Keeper. This is a Case of unusual Circumstances, as here is a Power in *Parker* a Trustee to receive and pay, to call in, and to put out; but the Trust being particularly

Payment to the Oblige, after Notice of an Assignment of the Bond, is not good.

ticularly taken Notice of in the Condition of the Bond, Mr. *Baldwin* ought to have been cautious how he paid the Money; it being in Equity the Money of *Billingsley*, as much as if the Bond had been assigned to her; and Payment to the Oblige after Notice of an Assignment is not good: In the Case of an Assignment of a Bond the Assignee alone becomes intitled to receive the Money: But here in this Case *Parker* remains a Trustee still, and might have received, in Case he had had the Bond; but having delivered over the Bond to Mrs. *Billingsley*, *Parker* had dismissed himself of the Trust, and put it altogether in her Power to receive, &c. and therefore the Payment afterwards to *Parker*, without seeing the Bond, was not a good Payment; and it is plain Mr. *Baldwin* was conscious to himself, that the Payment would not be allowed him; and therefore never mentioned nor took Notice of it until 1699, when *Parker* was failed.

Case 484.

Duplein versus De Roven.

If a Man recovers a Judgment or Sentence in *France*, for Money due to him, the Debt must be considered here only as a Debt on simple Contract, and the Statute of Limitations will run upon it.

Plaintiff and Defendants Intestate were Merchants at *Lyons* in *France*. The Plaintiff recovered a Judgment, or Sentence there, against the Intestate; and afterwards the Intestate failing, compounded for a lesser Sum, for which in 1676, he gave a Note, as for so much due upon an Account stated; but before any Payment or Satisfaction, the Intestate fled out of *France*, and at the *Indies* acquired a considerable Estate; and about four Years before the Bill exhibited died Intestate. The Defendant took Administration to him, and lately had considerable Effects come to his Hands. The Bill was for a Discovery of Assets, and Satisfaction of the Plaintiff's Debt.

The Defendant pleaded the Statute of Limitations.

Per Lord Keeper. Although the Plaintiff obtained a Judgment or Sentence in *France*, yet here the Debt must be considered as a Debt by simple Contract. The Plaintiff can maintain no Action here, but an *indebitatus Assumpsit*, or an *in simul computasset*, &c. so that the Statute of Limitations is pleadable in this Case; and although both Parties were Foreigners, and resided beyond Sea, *that* will not help the Plaintiff. The Statute provides, where the Party Plaintiff, he who carries the Action about him, goes beyond Sea; his Right shall be saved; but when the Debtor or Party Defendant goes beyond Sea, there is no Saving in that Case. It is plausible and reasonable, that the Statute of Limitations should not take Place, nor the *six* Years be running, until the Parties come within the Cognizance of the Laws of *England*; but that must be left to the Legislature.

The Statute of Limitations provides, where the Party to whom a Debt is owing, goes beyond Sea, but not where the Debtor is beyond the Seas.

D E

Termino Paschæ.

1706.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Case 485. *Orby versus Lord Mobun, & e contra.*

April 15.
 Lord Keeper,
 Lord Chief
 Justice Holt,
 Lord Ch. Ju-
 stice Trevor.
 Ant. Ca. 477.

LORD Chief Justice *Holt* differed in Opinion from the Lord Chief Justice *Trevor*, and from the Lord Keeper, and held that the Lease was good, and the Rent certain enough. It must be admitted that a Power to lease, reserving the ancient Rent, is a certain Power, and well enough to be understood, what it is, and what it means; and why shall the same Words, that create and reduce the Power to a sufficient Certainty, when turned into a Lease, render it uncertain? The same Certainty, that is in the Power, is carried over into the Lease, which is the Execution of it; but neither in the one or the other, is it mentioned what the old Rent is; but that lies in an Averment, as 'tis held in *Whitlock's Case*. And that is certain, which may be made Certain. In the Case of the *Abbot of Strata Marcella*, Reference to a former Grant the same, as if former Letters Patent had been recited. A Lease reserving the Rents and Services *inde prius debita & de Jure consueta*, is a good Reservation. Sir *John Mollyns's Case*, 6 Rep. That shall

be

be deemed the ancient Rent, which was the Rent at the Time the Power was reserved, or when the last Lease before was made, if the Estate was not then under Lease, *Hardress's Reports, Morris and Antrobus.* The Word Ancient is not used in respect to the Time past, but in Respect of the Leases to be after made. Fol. 525

If a Dean and Chapter have once increased their Rent they can never go back, because the Statute restrains it. But Tenant in Fee has an absolute Power to diminish, so that the last Rent, before the Creation of the Power, is to be deemed the ancient Rent; and altho' all is comprised in one Lease, it is the same, as if it had been in several. *Knight's Case, and Winter's Case,* there may be several Reservations in one Lease. If the Demise be joint; yet if several Reservations, they shall be taken to be several, *5 Rep, fol. 7. Justice Windham's Case.* A Lease for forty Years, to commence after the Expiration of *two* former Leases, which end at different Times. When the *first* Lease expires, it shall commence as to that Part; but here in the granting Part, it is said severally and distinctly, and not jointly, *6 Rep. Sir Edward Clere's Case, and the Case of Kibbet and Lee, Hob. 312.* what is void, as a Deed or Will, may be a good Appointment, or Execution of a Power; and therefore in his Opinion the Lease, as to the Lands anciently demised, was a good Lease; although not as to the Demesnes, and Lands not usually demised; nothing being more uncertain than what is the best improved Rent. 5 Co. 55. b.
Dyer 308. b.

But the *Lord Keeper,* and Lord Chief Justice *Trevor* were of Opinion, that the Lease was void. As to the Lands not usually demised, *that* was given up; the Remainder-Man could not tell what Rent to demand; and it is in great Measure in the same Uncertainty as to the Lands usually demised, and of the Rent payable for them. As the Intent of the Settlement was, that the Tenant for Life in Possession might lease; so it was on the other Hand,

Hand, that the Revenue should not be diminished; but the ancient Rent at least reserved, and in such beneficial Manner, as might with Certainty, and without any Difficulty be recovered; and for that Reason it is provided, that there should be a Counter-part of the Lease, that it might the better be known what the Rent was, and how to recover it. If the Rent had been mentioned in the Lease, there if the Tenant had refused to pay it, the Proof would have been turned upon the Tenant, to shew the Rent in his Lease was not the ancient Rent, and if he should do so, it would make his Lease void. But as this Lease is contrived, the Remainder-Man might be baffled and nonsuited *twenty* Times, before he could declare or avow in Certain, for the Rent payable in the Lease; and yet the Tenant still holds the Land, and doth not prove his own Lease void, as must have been done in the other Case. All beneficial Clauses and Reservations ought to be observed. In the Lord Mountjoy's Case, if the Rent was anciently reserved Quarterly, and now is reserved Half-yearly, the Lease is void; if Silver instead of Gold; if two Farms, formerly let at 10*l.* each, are both demised at 20*l. per Ann.* not good.

The Question here is not, Whether the Lease is void for Incertainty, as between the Lessor and Lessee; but whether all Requisites are observed, and such beneficial Clauses and Reservations, as ought to have been for the Benefit of a third Person, the Remainder-Man. Where there is a Power of Leasing in general Words, as reserving the antient Rent; in the Execution of the Power which is to be explained and made certain, the Rule, *certum est quod certum reddi potest*, is to be understood of a Reference to that which is absolutely certain, as to former Letters Patent or the like; but this is rather a Delegating the Power of Leasing to the Plaintiff, than an Execution of the Power, and is the first Attempt of the Kind; and it is a good Rule, that what never has been ought never to be; and therefore adjudged the Lease to be void.

Cook versus Cook.

Case 494.
April 17.
Lord Keeper.

A Devise to the Issue of J. S. who then had a Daughter living, and afterwards had a Son born. The Question was, who shall take, and what Estate.

A Devise to the Issue of J. S. who had a Daughter living, and after-

wards a Son born. All the Children shall take, and even Grandchildren, if there were any. But they shall only take an Estate for their Lives.

Lord Keeper. All the Children shall take, and even Grandchildren, if there had been any; but they shall take only an Estate for Life: And although the Devise is to the Issue begotten, *that* makes no Difference: The Words, *begotten and to be begotten*, are the same, as well upon Construction of Wills, as Settlements, and take in all the Issue after begotten. And although upon the Death of the Testator, there was then only a Daughter born; yet upon the Birth of another Child, the Estate shall open, and take in the after-born Son. A Devise to J. S. and his Children: If he hath Children, they take with their Father; but if he hath no Child, it is an Estate-Tail. A Devise to a Man and his Children of a personal Estate. A Child born after the Death of the Testator, shall not take; for it vested upon the Death of the Testator, and shall not be divested. A Devise to the Testator's *two* Daughters, and the Heirs of their Bodies: The Rule of Law is, it is a Joint-Estate for Life, and several Inheritances; but the Testator never meant that the surviving Daughter should turn out the Issue of her deceased Sister, and that was the Point upon the Appeal in *Wilkinson and Spearman*, where the Lords inclined for the Appellant; yet the Judges all agreeing that the Law was so settled, the Lords would not alter it. A Devise to the Testator's *two* Daughters and their

The Words, *begotten and to be begotten*, are the same, as well upon Construction of Wills. *as of Settlements.*

A Devise to J. S. and his Children: If he has Children, they take with their Father; but if he has none, it is an Estate-Tail.

A Devise to a Man and his Children of his personal Estate. A Child born after the Death of the Testator shall not take.

A Devise to *two*, and the Heirs of their Bodies. It is a Joint-Estate for Life, and several Inhe-

6 Z

Issue,

ritances; and so it is, if there is a Devise over: But if there is a Devise over, and one of them dies without Issue, a Moiety shall go over to the Remainder-Man.

A Devise to the Issue of *A.* and for want of such Issue to *B.* *A.* has a Son and a Daughter. They shall take as Persons described; but shall take only an Estate for their Lives.

Issue, and in Default of such Issue to *J. S.* they have a Joint-Estate for Life, and several Inheritances; if one of the Daughters dies without Issue, there shall not be cross Remainders; but her Moiety shall go over to the Remainder-Man upon the Death of the Daughter, for want of such Issue, *i. e.* such respective Issue. A Devise to the Issue of *B.* and for want of such Issue to *C.* *B.* having a Son and a Daughter, they shall take only as Persons described, and have only an Estate for Life; although the subsequent Words, for want of such Issue, seem to imply an Estate-Tail: But then there must be a double Use made of the Word Issue, *viz.* *First*, it is a Word of Implication, who were the Persons to take. *Secondly*, As Words of Limitation to make an Intail, which is not to be admitted.

1 Salk. 236.

In the Case of *Chute and Parker*, or *Tilt and Parker*. A Devise to the Son for Life, and to his first and other Sons in Tail; and, for want of such Issue, to his Daughter *Parker*. It was made a Question whether those last Words, *for want of such Issue*, gave the Son an Estate-Tail by Implication. The Matter ended by Compromise; but the same Question came afterwards in Judgment, in the Case of *Popham and Bampffield*; and adjudged that the Devisee having an express Estate for Life, it could not be enlarged, nor he take an Estate-Tail by Implication.

Case 495. *Townshend & al* versus *Windham and Robinson*.

A. devises a Year's Wages to such of his Servants, as shall be living with him at his Death. Stewards of Courts, or such as are not obliged to spend their whole Time with their Master, are not within the Words of this Devise.

THE Duke of *Bolton* by his Will devised in these Words, *viz.* *Item, I give and bequeath unto such of my Servants, as shall be living with me at the Time of my Death, one Year's Wages.*

Lord Keeper. Steward of Courts, and such who are not obliged to spend their whole Time with their Master, but may also serve any other Master, are not Servants within the Intention of the Will : But I will not narrow it to such Servants only, that lived in the Testator's House, or had Diet from him.

But it shall not be restrained to such Servants only, as lived in the Testator's House, or had Diet from him.

Hill & ux' versus Wiggett.

Cafe 496.
Apr. 20.
Lord Keeper.

AN Entry in the Steward's Book, and a parol Proof by the Foreman of the Jury, admitted as good Evidence, that a Feme Covert surrendered her whole Estate; although the Surrender upon the Roll, and the Admission thereon, was but of a Moiety.

An Entry in the Book of the Steward of a Manor, and a parol Proof by the Foreman of the Jury, allowed as good Evi-

dence against an Entry on the Roll, and an Admission thereon.

Colwall versus Bonython Longeville & al'.

Cafe 497.
Eodem die,
Lord Keeper.

Colwall the Testator on his Marriage with *Lucy Ramsey*, was intitled to her Portion of 8000*l.* in the Chamber of *London*; but a Stop being put to Payment there, and the Credit of the Chamber failed; he by Will declared, that when his Executors should have received his Wife's Portion, He gave 2000*l.* to the three Hospitals, *viz.* *Christ's Hospital*, *St. Bartholomew's*, and *St. Thomas's*; it fell out that 8000*l.* in the Chamber of *London*, was worth but 6300*l.* to be sold.

A. is intitled to 8000*l.* in the Chamber of *London*, and whilst a Stop was put to Payment there, he makes his Will, and declares that when his Executors should receive the 8000*l.* he

gives 2000*l.* to three Hospitals. Afterwards an Act passed for settling a Fund for paying a perpetual Interest for the Orphans Debt, and the 8000*l.* is then worth to be sold but 6300*l.* yet decreed the whole 2000*l.* to be paid.

The Question was, Whether the 2000*l.* should be all paid, or there should be an Abatement in Proportion. It was

was infisted upon for the Hospitals, that from the passing of the Act of Parliament in 1693, which settles the Orphans Fund and gives a perpetual Interest, the Portion ought to be looked upon as recovered, and the 2000*l.* ought to be paid.

Lord Keeper. This is not called a Composition by the Act of Parliament, but intended a Satisfaction; and the Devise is not of 2000*l.* Part of the Debt of 8000*l.* but a Charge upon the Whole; and if the Debt had increased, and been 10000*l.* yet the Legacy was not to increase; neither now when it is of less Value is the Legacy to be reduced; and decreed the Payment of the 2000*l.*

Case 498.

Apr. 22.

Lord Keeper.

Lee versus Lee.

Although a Trustee is not directed to put Money out at Interest; yet if he makes Interest, he shall account for it,

L*ORD Keeper.* Although a Trustee, or Executor, is not impowered or directed to place out Interest; yet where he makes Interest, he shall be accountable for it; and decreed it accordingly.

Case 499.

Apr. 24.

Lord Keeper.

Clare versus Wordell.

A Devisee may bring an original Bill in Nature of a Bill of Revivor, and

shall have the same Advantage of a Decree, as an Heir or Executor, and the Defendant is not at Liberty to make a new Defence. *Post.* Case 599.

A Devisee brings an original Bill in the Nature of a Bill of Revivor. The Question was, Whether the Defendant should be at Liberty to make a new Defence.

Lord Keeper. Where the Bill, altho' original, is only to supply the Want of Privity, and in all other Matters but as a Bill of Revivor, I think the Decree ought to be carried on in the same Manner, as it would have been upon

upon a Bill of Revivor, if the Plaintiff had claimed in Privy. There is no Reason why the Devisee should not have the same Advantage of the Decree, as an Heir or Executor, without entring again into the Merits of the Cause; and the Decree ought to be neither longer or shorter than the first Decree.

Attorney General versus Hesketh Scarisbrick and Sadel. Case 500.
Apr. 26.

Hesketh had mortgaged the Manor and Advowson of *Aughton* in *Cheshire*, first to the Lord *Rivers*, and by Assignment to *Scarisbrick*, who for Non-payment of the Interest had brought an Ejectment, recovered Judgment, and by Consent of *Hesketh* had Possession. After this the Church became void, and *Hesketh* presented one *Butterworth* upon a Simoniackal Contract; the Bishop having Notice of it rejected it. Then the Defendant *Sudell* applies, and has a Presentation from *Hesketh*, and is instituted and inducted; and afterwards being informed that some Objection might be made to his Title, by Reason that *Butterworth* was Simoniackally presented: He surrendered the Church to the Bishop, and took a new Presentation both from *Hesketh* and *Scarisbrick*, &c. *Hinley* gets the *Queen's* Title, and brings the Information in the Attorney General's Name, to remove the Title of the Mortgagee, that he might not be prevented and obstructed in his Suit at Law by the Presentation from him, or his Title being given in Evidence.

Mortgagee of a Manor and Advowson being in Possession, the Church becomes vacant. The Mortgagor makes a simoniackal Presentation of A. which is rejected by the Bishop. Then the Mortgagor and Mortgagee join in presenting B. C. gets the Title of the Crown; and brings an Information in the Name of the Attorney General, to remove the Mortgagee's Title, and that it might not be set up

at Law; and it was so decreed. Ant. Case 379.

Lord Keeper. This is the first Case of the Kind in all its Circumstances; the first Presentation was Simoniackal, and waived by *Butterworth*, who durst not stand the Test of it. The criminal Patron presents *Sudell*, who hearing of the *Queen's* Title, to establish himself and his Possession, surrenders and gets both the Mortga-

gor and Mortgagee to join in a new Presentation ; and if this Contrivance should prevail, it would totally frustrate the Act of Parliament, that excellent Law ; for then every Patron might convey to a Trustee, and then make simoniacal Contracts ; and if discovered and found out, then to prevent the *Queen's* Title, might set up the Title of his Trustee.

It is objected that *Sudell* is innocent, had no Notice when he was first presented, has a legal Title, and therefore not to be impeached or prejudiced, or any Defence at Law taken from him in Equity. Although *Sudell* be acquitted of the Simony, yet he is Partaker of the Fraud to set up the Mortgagee's Title in Opposition to the *Queen's*, and is not only *Particeps*, but the Principal in it, and the Contriver of it ; and the late Act of Parliament hath set the Bounds, that an innocent Incumbent shall not suffer, where the Simoniack died in Possession ; but it is not to be carried further ; and this Case therefore not within the Provision of the Act of Parliament.

The Mortgagee is but a Trustee for the Mortgagor, until the Equity of Redemption is released or foreclosed ; and accordingly he insists not upon his Presentation, as having presented in his own Right, but at the Nomination of the Mortgagor ; and there is no Reason therefore, that it should be set up against the *Queen's* Title ; and the rather also, because it doth not appear the *Queen* had any Notice of the Mortgage, so as she might bring a Bill to prevent the Mortgagee's Presenting ; and besides no Laches incur to prejudice the Title of the *Crown*. And a Court of Equity ought the rather to remove the Impediment, because the Obstruction arises from a Creature of Equity. The Court, that supports Trusts, will prevent Trusts from doing Mischief, and that they shall not be made use of to protect Simony ; and therefore decree the Mortgagee's Right of presenting to be set aside, and not given in Evidence at Law.

Legatt verſus Sewell & ux' and Weller. Cafe 501.
Apr. 21.
Lord Keeper,

George Legatt by his Will in 1685, after Payment of his Debts, Legacies and Funerals, directed the Defendant *Weller* to lay out and inveſt the Reſidue and Surplus of his perſonal Eſtate in Lands, and to ſettle and entail the ſame on *William Legatt* for Life, he paying 200 l. a-piece to his two Siſters, and after his Deceſſe to the Heirs Male of the Body of his ſaid Nephew *William Legatt*, and the Heirs Male of the Body of every ſuch Heir Male, ſeverally and ſucceſſively, as they ſhould be in Priority of Birth and Seniority of Age; and for Want of ſuch Iſſue to his Brother *Henry Legatt* for Life, &c. *William Legatt* brought a Bill in his Infancy againſt *Weller* the Executor, and obtained a Decree that the Money ſhould be laid out in Land, and ſettled according to the Will; but having afterwards attained his full Age in the Year 1690, he obtained a Decree on a Rehearing, that in Regard he was to be Tenant in Tail of the Land, when purchaſed and ſettled, whereby he might bar the Remainders; that the Money ſhould be paid to him, that he might have the laying of it out, or otherwiſe diſpoſe of it as he ſhould think fit; and afterwards in 1703, died without Iſſue, and deviſed to the Defendant *Mrs. Sewell* all his Eſtate, both real and perſonal, paying his Debts, &c.

A Deviſe to A. for Life, he paying 200 l. a-piece to his 2 Siſters, and after his Deceſſe to the Heirs Male of the Body of A. and the Heirs Male of the Body of every ſuch Heir Male, ſeverally and ſucceſſively, as they ſhall be in Priority of Birth, and Seniority of Age, Remainder over. Whether A. is Tenant in Tail, or for Life only.

Henry the Remainder-Man now brought his Bill againſt *Weller* the Executor, and *Sewell* and his Wife, complaining that in Breach of Truſt the Money was paid to *William*, and not laid out in Land and ſettled, as it ought to have been, and he no Party to the Decree.

Lord Keeper. The now Plaintiff being no Party to the former Decree, he is not bound thereby, and the Matter
as

as to him lies open: *First*, Question whether *William* the Nephew was Tenant in Tail, or Tenant for Life only; and

Where Money is devised to be laid out in Land, and settled to the Use of *J. S.* in Tail, with a Remainder over; the Court ought not to decree the Money to be paid to *J. S.* though he will have Power over the Land, when purchased and settled by suffering a Recovery; but ought to decree the Money to be laid out, and the Land settled according to the Will. A Devise or Bargain and Sale by Tenant in Tail of a Trust, not sufficient alone to bar an Intail; but it ought to be barred by a Decree. *Ant. Ca. 129.*

Secondly, If Tenant in Tail, whether the Money was well decreed to him; and was of Opinion, that if he was Tenant in Tail, yet the Money ought not to have been decreed to him; but in a Court of Equity the Trust ought to have been strictly pursued, and the Money invested in Lands, and settled according to the Will. It is admitted it ought to be so, where he, that is to be Tenant in Tail, is an Infant; because he has not a Capacity to bar the Intail until of Age, and may possibly dye before; and therefore it was so decreed in this Case, whilst *William Legatt* was an Infant: And I take it that his Coming of Age did not alter the Case, so as to intitle him to the Money; for if he was Tenant in Tail, altho' of full Age, he might die before he could suffer a common Recovery: So the Remainder-Man had a Contingency, though not so considerable, as when Tenant in Tail was an Infant. But it is an undeniable Rule both in Law and Equity, that *De majori & minori non variant Jura*. A Right to an Unite is as much a Right, as a Right to a Million. And was of Opinion, that a Devise, or Bargain and Sale by Tenant in Tail of a Trust, was not alone sufficient to bar an Intail; but as at Law there is a common Recovery of a legal Estate to bar an Intail; in Equity it ought to be barred by a Decree: But forasmuch as *William Legatt* the Nephew lived above *ten* Years after the first Decree, and Payment of the Money to him; and probably had it been settled in Land, would in his Life-time have barred the Intail, it was too late now to fetch the Money back from him, in Case he was Tenant in Tail. *Quod fieri non debet factum valet.*

As to the principal Point, whether *William Legatt* by the Will was to be Tenant in Tail, or only Tenant for Life. He claims by a voluntary Devise; and altho' *executory*, it is to be taken in the very Words of the Will

as a Devise, and is not to be supported or carried further in a Court of Equity, than what the same Words would operate at Law in a voluntary Conveyance. And *Archer's Case* was cited, where a Devise to a Man for Life, and after his Decease, to his Heir Male, and the Heirs Males of such Heir Male, held to be but an Estate for Life; and the like Case in *Shellie's Case*, to a Man for Life, and his Heirs Males, and the Heirs Males of such Heirs Males, well argued there, that the Words Heirs Males must be Words of Purchase, because they are followed with Words of Limitation.

It was ordered that the Judges of the *Common Pleas* should be attended with a Case for their Opinion, and then the Parties to resort to the Court for further Directions.

Symes versus Vernon.

Case 302.

John Vernon of *Antegoa* devised to the Children of one *Symes*, of whom he had bought a Plantation, 50000 *l.* Weight of Sugar, to be paid by his Executors in ten Years after his Decease, which fell out to be in the Year 1699. The Plaintiff being one of the five Children brought her Bill for a Satisfaction of her Part.

A. living in Antegoa, and having a Plantation there, devises 50000 l. Weight of Sugar to the Children of B. to be paid by his Executors in ten Years after his Death. The Executors not delivering the Sugars within the Time, on a Bill brought by one of the Children; Decreed the Value of the Plaintiff's Legacy to be computed according to the medium Rate of Sugars in Antegoa, at the End of the ten Years, and paid with Interest from the Time it became due.

Per Cur. Although the Defendant might have paid the Plaintiff in Sugar at the Time it became payable by the Will; yet not having so done, it became a personal Duty, and to be paid in Money here.

Decreed that the Value of the Plaintiff's Share of the Legacy should be computed, according to what was the

medium Rate of Sugars in *Antegoa* in 1699, and paid with Interest from the Time it became payable.

Cafe 503.

May 3.
Lord Keeper.

Ibbottson versus Rhodes.

A. lends Money to *B.* on mortgage, but before he does so, sends *C.* to inquire of *D.* who had a prior Mortgage, whether he had any Incumbrance on *B.*'s Estate, who denied he had any. This was proved by *C.* *D.*

ON an Appeal from the *Rolls*, the Case was, that the Defendant *Rhodes* having lent Money to *Shipley* upon a Mortgage of his Estate, and *Ibbottson* being likewise about to lend *Shipley* Money, one *Gargrave* examined as a Witness in the Cause deposed, that the Plaintiff being about to lend Money to *Shipley*, he by the Plaintiff's Direction enquired of the Defendant, whether he had any Incumbrance or Mortgage on the Estate, and denied he had any; and that he enquired a *second* Time, and had the same Answer.

by Answer confessed *C.* enquired of him what Money *B.* owed him; but denied *C.* told him, that *A.* was about to lend *B.* any Money. Decreed at the *Rolls* the Estate should stand charged in the first place with *A.*'s Debt. But upon an Appeal, Issue directed to try, whether *C.* told *D.* that *A.* was about to lend Money on *B.*'s Estate.

The Defendant by Answer confessed that *Gargrave* met him in a publick Market, and enquired of him what Money *Shipley* owed him; but denied that *Gargrave* told him, the Plaintiff was about to lend *Shipley* Money; nor did *Gargrave* upon his cross Examination take upon him to swear it; but slides it in, that the Plaintiff being about to lend Money to *Shipley*, he enquired of the Defendant, if he had any Mortgage, &c. And although it was insisted upon for the Defendant, that to take away the Defendant's Mortgage, or to make him lose or forfeit his Money, it ought to be a very plain and positive Proof, that the Defendant industriously concealed his Mortgage, as designing or contriving to induce the Plaintiff to lend his Money upon a bad Security; yet upon the Evidence, the Master of the *Rolls* decreed, that the Estate should in the first place stand charged with the Plaintiff's Debt, and that the Defendant, although the first

first Mortgagee, should be post-poned for having concealed his Incumbrance.

Lord Keeper directed it to be tried at Law, whether *Gargrave* told the Defendant, that the Plaintiff was about to lend Money on *Shipley's* Estate, when he enquired, what the Defendant's Debt was ; and also directed that upon such Trial, the Answer should be admitted to be read as Evidence.

Defendant's Answer directed to be read as Evidence at a Trial.

Herne Domina & al' versus Frederick Herne.

Cafe 504.
May 3.
Lord Keeper.

SIR *Joseph Herne* on the Marriage of the Plaintiff agreed by Articles, that his Wife, over and above one third Part of his personal Estate, should, if she survived him, have 800*l.* in Money and the Furniture of a Chamber and her Jewels, &c. and it was thereby further declared, that notwithstanding any Thing in the Articles, she should not be debarred of any Thing Sir *Joseph* should give her by Will or Writing, or other lawful Declaration of his Mind or Intention: And Sir *Joseph* having by his Will devised to the Plaintiff the Sum of 1000*l.* the Plaintiff therefore claimed the 800*l.* &c. by the Articles, and also the 1000*l.* devised by the Will, and reheard the Cause as to that Matter.

A. by Marriage Articles agrees to leave his Wife 800*l.* and her Jewels, &c. but it is declared that notwithstanding the Articles she should not be debarred of any Thing he should give her by Will. A. by Will makes a Disposition of his whole Estate, and gives his Wife 1000*l.*

The Wife must either waive the Articles or the Will ; she cannot claim the Benefit of both.

Lord Chancellor. It is true the Articles do provide, that the Plaintiff shall have what her Husband shall think fit to give her more than the Provision there made, and give her a Capacity to take of her Husband ; yet I am of Opinion, that she must either abide by the Will and renounce the Articles, or abide by the Articles and renounce the Will ; and she cannot take by them both ; for although the 1000*l.* devised by the Will is not mentioned

tioned to be in Lieu of what is given by the Articles; yet the Will imports a Disposition of his whole Estate, and allows what was intended for the Wife, and what for the Children; and therefore implies a Condition, that she must accept what is there given her, in Satisfaction of her Demands: If she will take the Benefit of the Will, she must suffer the Will to be performed throughout.

A Child intitled by his Father's Marriage-Articles to a Share of his Father's personal Estate, has a Legacy given him by the Will of his Father. If he will have the Legacy, he must waive the Benefit of the Articles.

And as to the Defendant *Frederick Herne* the eldest Son, who by the Articles was intitled to an equal Share of one Third of the personal Estate, he having 7000*l.* devised to him by the Will; and one Third of the Estate is devised to the younger Children: If he will have the Benefit of the Will, he must renounce the Articles, and accept of what is given by the Will, in Lieu and Satisfaction of what he might claim by the Articles.

Case 505.
May 4.

Aston & al' versus Smallman & al'.

A. and *B.* are Jointenants of the Trust of a Term. *A.* dies, *B.* shall have the whole by Survivorship.

John Smith being possessed of a Lease for Years, which he held of the Lord *Killmurry*, died Intestate, leaving *two* Daughters *Eleanor* and *Mary*: *Tonna* their Grandfather, and *Dod* the Administrator of *John Smith*, surrender the old Lease, and take a new one from the Lady *Killmurry* to *Tonna* the Grandfather, and *Dodd* the Administrator for *Ninety-nine* Years, if the *two* Daughters, and one *John Leach*, any or either of them should so long live; but in Trust, nevertheless for the *two* Daughters. *Eleanor* married *Bradburne* and died, and left *three* Children. The Defendant *Smallman* claimed under *Eleanor* in a Course of Administration, and had also got an Assignment of the Lease from the Executor of *Tonna* the surviving Trustee. The Plaintiffs claimed under *Mary* as Administrators *de bonis non* to her, who survived her Sister *Eleanor*, and brought their Bill to compel the Defen-

Defendant *Smallman* to account for Profits, and to assign the Term to them.

The Question was, Whether *Mary* as Jointenant with her Sister *Eleanor*, and surviving her, became intitled to the whole Term by Survivorship.

For the Defendant it was insisted, that in this Case, there ought not to be any Survivorship allowed in Equity; and as Authorities cited the Cases of *Cox* and *Quaintock*, and of *Billingsley* and *Shore*, and *Draper's* Case, 2 *Par. Chanc. Rep.* 64.

Lord Keeper. A Trust of a Term must go as the Term at Law would have done by the like Limitations; and as Survivorship would have taken Place at Law, it must do so in Equity; and decreed the Defendant to account for Profits from the Death of *Eleanor*, and to assign the Term to the Plaintiffs, or as they should appoint.

D E

Term. S. Trinitatis,

1706.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Case 506.

Wilcocks versus Wilcocks.

A. covenants on his Marriage to purchase Lands of 200 l. a Year, and settle them for the Jointure of his Wife, and to the first, &c. Sons of the Marriage: He purchases Lands of that Value, but makes no Settlement; and on his Death the Lands descend on the eldest Son.

THE Plaintiff's Father upon his Marriage covenanted to purchase Lands of 200 l. *per Ann.* and to settle the same upon himself for Life, and on his Wife for her Jointure, and to the first and other Sons in Tail, Remainder to the Daughters. The Father, who was a Freeman of the City of *London*, died Intestate, having purchased Lands of the Value of 200 l. *per Ann.* but made no Settlement thereof, but permitted them to descend upon the Plaintiff his eldest Son; who now brought a Bill founded on his Father's Marriage-Articles, to have 200 l. *per Ann.* purchased out of the personal Estate, and settled to the Uses in the Marriage-Articles.

On a Bill by the Son for a specifick Performance, decreed the Lands descended to be a Satisfaction of the Covenant.

Post. Ca. 631.

Lord Keeper. The Lands descended, being of 200 l. *per Ann.* and upwards, ought to be deemed a Satisfaction of the Covenant, and decreed it accordingly; and that the personal

personal Estate should be divided and distributed amongst the *three* Children, according to the Custom of the City of *London*, and the Statute for settling Intestates Estates.

One of the Daughters having attained the Age of *seventeen* Years, made her Will, and devised her personal Estate.

A Child intitled to an orphanage Share of his Father's personal Estate,

dying under *Twenty-one*, and unmarried, cannot devise it by his Will; for by the Custom it survives to the other Children; but he may devise his Share under the Statute of Distributions.

Per Cur. The Will is good as to the Share that belonged to her by the Statute; but as to her orphanage Share, she dying unmarried before *Twenty-one*, it survives to the other Orphans by the Custom, and her Will could not take place upon her orphanage Part.

Kingsman versus Kingsman.

Cafe 507.

THE Plaintiff having displeased his Father, who was also jealous that he was not really his Son, made his Will, and devised both his real and personal Estate to the Defendant *Jasper Kingsman*, a *Bargeman*, the real Estate being upwards of 2000 *l. per Ann.* The Plaintiff's Bill was to have a Discovery of the Deeds and Writings, and the Circumstances of obtaining the Will; and whether it was not upon a secret or private Trust for the Benefit of the Plaintiff.

A. disinherits his Son, and by Will gives the greatest Part of his Estate to B. and tells B. if his Son behaved well, he might pay him 20 *l.* a Quarter, and if he used that well, he

might make it up 40 *l.* a Quarter. Decreed the 40 *l.* a Quarter to the Son.

It appeared by Proof in the Cause, and in some Measure confessed by the Defendant's Answer, that the Defendant had confessed to several Persons, that when the Testator delivered his Will to the Defendant, he said to him, if his Son gave him no Disturbance, he might do *so or so*; and being afterwards pressed to discover, what the Testator meant by that Expression, *so and so*;
he

he owned before several Witnesses, that the Testator directed him, that if his Son behaved himself well, he might allow him 20*l.* per Quarter; and if he used that well, he might make it 40*l.* per Quarter.

Upon this Case the Court decreed the Payment of 40*l.* per Quarter to the Plaintiff during his Life.

A. devised a Farm to *B.* for Life, and after some Legacies, devises all other his personal Estate, Lands, Tenements and Hereditaments not before devised to *C.*

The Testator having by his Will devised a Farm to the Plaintiff for Life; and after other Legacies, devised all other his personal Estate, Lands, Tenements and Hereditaments not before devised, to the Defendant; it was made a Question, Whether the Reversion of that Farm passed to the Defendant by that general Devise.

The Reversion of the Farm passed by the general Devise to *C.*

Per Cur. The Reversion well passed.

Case 508. *Scot & ux' versus Haughton and Dr. Fuller.*

A. gives Lottery Tickets amongst her Servants, on Condition if any of them came up a Prize of 20*s.* or more, they should give one Half to her Daughter. The Ticket given to the Foot-Boy came up a Prize of 1000*l.*

ONE Mr. *Cornwallis* having set up a Lottery called the *Wheel of Fortune*, or a *Thousand Pounds* for a *Penny*; Mrs. *Fuller* the Wife of Dr. *Fuller*, sent for *Twenty-four* of those Tickets, and gave them amongst the Servants, upon Condition if 20*s.* or more should come up, her Daughter should have a Moiety of the Lot; and one of them thus given to the Defendant *Haughton*, her Foot-Boy, happened to produce the 1000*l.* Lot.

On a Bill by the Daughter, a Moiety of the 1000*l.* decreed to her.

The 1000*l.* being paid to Dr. *Fuller*, *Scot* and his Wife, Daughter of Mrs. *Fuller*, brought their Bill for a Moiety of the 1000*l.* Lot. And it being undeniably proved by the rest of the Servants and others, that the

Ticket, which cost but one Penny, was given the Foot-Boy on that Condition.

Per Cur. Cujus est dare, ejus est disponere, and an Infant is to be bound by it as well as one of full Age, and may be a Trustee; and decreed it for the Plaintiff accordingly.

A Gift to an Infant on Condition. The Infant is bound by the Condition.

Sanfon & ux' versus Rumsey.

Case 509.

THE Defendant confessed, that he in a Passion had burnt the Articles made upon his Marriage with the Daughter of Mr. Gamage; but it being made appear, that he produced and exhibited them at the Execution of a Commission subsequent in Time to the Day, on which he pretended to have burnt them, he was committed a Prisoner to the Fleet, until he should produce them; and although he afterwards made Oath, he had them not, and could not produce them, and that it was insisted for him, that altho' the Burning of the Articles was a great Misdemeanor; yet a Man was not to suffer perpetual Imprisonment, because he could not do what was impossible for him to do; yet he could not be discharged until he had consented to admit the Articles were to the Effect in the Bill.

A. by Answer confessed he had in a Passion burnt his Marriage-Articles; but it being proved that he had produced them after the Time he said they were burnt, he was committed; and tho' he made Oath he had them not, and could not produce them; yet the Court would not discharge him, till he consented to

admit the Articles to be as in the Bill.

Hook versus Taylor, & econtra.

Case 510.
June 11.
Lord Keeper.

HUGH Phillips being seised in Fee of two several Farms, devised them to Richard Carill, the Father, and Richard Carill, the Son, and their Heirs, in Trust to perform

A Devise of two Farms to the Father and Mother for their Lives, Remainder to Trustees till

7 D

A. and B. respectively come of Age, and then to convey one Farm to A. and the other to B. A. died before the Time came for the Conveyance. A. being to have had an Estate in Fee, the Conveyance shall be made to his Heir.

mit his Father and Mother to receive the Profits for their Lives ; and after their Decease to permit his *two* Nephews to receive the Profits until placed out Apprentices, and when his Nephews respectively attained their full Ages of *Twenty-one*, then to convey one Farm to one of the Nephews, and the other to the other Nephew. *Will. Hook*, one of the Nephews, died in the Life-time of the Testator's Father, and before he attained the Age of *Twenty-one*. The now Plaintiff's Bill was, as Brother and Heir of *Will. Hook*, to have the Farm, intended for *Will. Hook*, conveyed to him.

Per Cur. The Case is no more than a Devise to the Father and Mother for their Lives, Remainder to Trustees till *A.* and *B.* came of Age, and then to convey to them respectively ; although one of the Devisees died before the Time came for the Conveyance ; yet as he was to have had an Estate in Fee, he being dead, the Conveyance shall be to his Heir : And decreed for the Plaintiff accordingly. *Vide Boraston's Case.*

3 Co. 19. 2.

D E

Term. S. Michaelis,

1706.

IN CURIA CANCELLARIÆ.

Thomas versus Freeman.

Case 511

J. S. the *Cestuy que Trust* of a Term, upon his Wife's A Possibility cannot be assigned, but it may be released. Joining in a Sale of Part of her Jointure, by Deed directs and appoints, that his Trustees after his and his Wife's Decease, should assign the Residue of the Term to his Wife's Daughter (under whom the Plaintiff claimed) when she shall attain the Age of *Twenty-one*, or be married, after the Decease of her Father and Mother.

The Daughter being married, she and her Husband in the Life-time of her Father and Mother, assign the Term to the Plaintiff.

Question if such a Possibility could be assigned, and Plaintiff well intitled in Equity.

Lord Keeper. *Equitas sequitur legem*, and that which is the Rule of Law, must be the Rule here. It is a Notion that has obtained at Law, that a Possibility is not assignable; but no Reason for it, if *res integra*; but the Law

Law is not so unreasonable, but to allow, that it may be released. The Law holds it to be unreasonable that there should be an Incumbrance on a Man's Estate, that can no way be discharged; and therefore doth allow that a Possibility may be released; and dismissed the Plaintiff's Bill, but without Costs.

Case 512.

Murry versus Wyse & ux'.

A. devises all the Rest and Residue of his real and personal Estate whatsoever. This will pass a Fee. **R**obert Nott devised unto his Daughter Mary Wyse 50 l. to be paid in three Months; *all the Rest and Residue of his real and personal Estate whatsoever, he gives to his dearly beloved Wife Anne Nott, whom he makes the sole Executrix of his Will.*

Question was, Whether the Inheritance of the real Estate, or only an Estate for Life passed to the Wife, who had made her Will, and devised all her Estate to the Plaintiff Murry.

Lord Keeper Decreed the Inheritance of the real Estate to the Plaintiff. *Vide the Case of Carter and Horner, 4 Modern Report 89. Hanchet and Thelwall, in 3 Mod. Report 104. and Hyley and Hyley 228.*

Case 513.

Nov. 11.

Lord Keeper.

A. mortgages Copyhold Land to B. but the Surrender not being presented within the Time limited by the Custom, became void.

Afterwards *A.* becomes Bankrupt. On a Bill by *B.* against the Assignees, this defective Surrender was made good. *Post. Case 547.*

Taylor versus Wheeler.

Richard Wheeler being seised of a Copyhold Estate, borrowed 400 l. of the Plaintiff in 1698, and surrendered into the Hands of two customary Tenants the Copyhold Estate in Question, to be presented at any Court after Sept. 1699, defeasible on paying the 400 l. and

and Interest. The Mortgagor paid the Interest for *four* Years together ; but no Care was taken to get the Surrender presented ; and in the mean Time the Mortgagor *Wheeler* became a Bankrupt, and died intestate and insolvent. After his Death the Surrender was tendered, but the Homage refused to present it ; because by the Custom of the Manor confirmed by Act of Parliament, all Surrenders were to be void if not presented in *twelve* Months after they were made.

The Bill was brought against the Assignees and the Heir to be relieved, and to supply the Defect of the Surrenders not being presented in Time.

The *Lord Keeper* upon the first Hearing of the Cause, inclined to dismiss the Plaintiff's Bill ; and thought it more reasonable that he should suffer for his own Default, than the other Creditors.

But the Cause standing in the Paper to be farther heard upon the *20th* of *Feb.* and the *Lord Keeper* having been attended with the Precedent of *Burgh* and *Francis*, where the Court had supplied the Defect of Livery against Judgment-Creditors, he was pleased to declare, that although upon the Hearing of the Cause, he inclined not to relieve the Plaintiff, because thro' his Neglect of getting the Surrender presented, the Creditors might be possibly drawn in to give the greater Credit to the Bankrupt ; and the Statute of Bankrupts provides, if Goods remain in the Hands of the Bankrupt, that they shall be liable to the Creditors, and may be sold as Part of the Bankrupt's Estate, notwithstanding any Bill of Sale, &c. yet it was too hard to extend a penal Law in a Court of Equity to the Prejudice of the Plaintiff, who was in the Nature of a Purchaser by a defective Conveyance, and had contracted and agreed for a Security on those Lands, which the other Creditors had not ; but lent to the Bankrupt upon a general Credit ; and

could therefore be intitled to no more than what properly was the Bankrupt's: And against the Bankrupt himself, the Plaintiff had a plain Equity, and he must have been decreed to have supplied his defective Conveyance: Therefore decreed the Defendants to pay the Plaintiff his Principal, Interest and Costs, or to be foreclosed, and the Plaintiff to be admitted to hold and enjoy against the Defendants.

Case 514.
Nov. 25.

Brompton versus Alkis.

A Feme seised in Fee of Lands, charged with specifick Debts, marries. The Husband receives the Rents, but does not pay the Interest of the Debts. The Wife dies without Issue. On a Bill by her Heir, decreed the Husband ought to have kept down the Interest. *Q.*

Richard Brompton seised of a Reversion expectant on the Determination of an Estate for Life, conveyed the same to Trustees, to be sold for Payment of Debts in a Schedule; and if any Surplus, to go to his Heirs, Executors and Administrators.

The Defendant *Alkis* married the sole Daughter and Heir of *Richard Brompton*, and in 1681, obtained a Conveyance from the Trustees to him and his Heirs, and paid some of the Debts: His Wife died without Issue, and the Plaintiff, being her Cousin and Heir, brought his Bill to have a Reconveyance, there having been, as was surmised, sufficient raised by Rents and Profits for the Payment of the Debts.

The Defendant insisted, that what Rents and Profits were received by him, were received in Right of his Wife, and that he was intitled to retain them; and if the Plaintiff will redeem, he ought to pay what the Defendant paid for Debts, with Interest and Costs; and that this was not like the Case of a Tenant for Life, and a Remainder-Man in Fee; there the Tenant for Life shall be obliged to pay one Third of the Debt, or to pay the Interest out of the Profits: But where there is a Debt charged

charged upon the Estate of Tenant in Fee-simple, he may do what he thinks fit with the Land, and much more with the Profits; and his Heir cannot call him to an Account, or complain that he did not pay either Principal or Interest; and where a Man marries an Inheri-
trix, what the Husband doth as to the Management of the Estate is the same, as if done by the Wife; nor shall he be so much as restrained or enjoined from committing of Waste; and there can be no one to question, or call him to Account. Tenant in Fee-simple, as he has the whole Estate, so also he has his Heirs in him. *Non est hæres viventis.*

Per Cur. The Husband, who received the Profits in Right of his Wife, ought thereout to have paid the Interest, and shall not suffer the Debt to increase; and decreed the Defendant to account accordingly. *Q. tamen.*

D E

Term. S. Hillarii,

1706.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Case 515.

French & ux' versus Chichester.

A. by Will charges his real Estate with the Payment of his Debts, Legacies and Funerals; and devised to his Wife, whom he made his Executrix, all his personal Estate, not otherwise disposed of. Decked the personal Estate to be applied in Ease of the real; there being no Words in the Will to exempt the personal Estate from the Debts, and the Wife taking the personal Estate as Executrix.

UPON a Bill of Review, the Error assigned and relied on was, that *John Chichester*, as Heir and Executor to his Father, having raised sufficient out of the real and personal Estate for Payment of his Sisters Portions, devised to them by his Father's Will; and having paid all, but his Sister *Katharine*, who was under Age, did by Deed convey several Lands to Trustees for Payment of his Debts, and afterwards made his Will; and thereby also directed that his Trustees should out of his Trust-Estate pay his Debts, Legacies and Funerals; and thereby devised to his Wife, now the Wife of the Plaintiff *French*, whom he made his Executrix, all his personal Estate not otherwise disposed of, intending thereby a Provision for her, she having been prevailed upon to sell away Part of her own Inheritance.

And the Question now was between the Heir and the Executor, Whether the Wife and Executrix should have the personal Estate as devised to her, and leave the Debts charged upon the Land; or whether the personal Estate should be applied in Ease and Exoneration of the real Estate.

The Defendant Mr. *Chichester*, having paid *Katharine's* Portion, brought his Bill to be reimbursed out of the personal Estate, and obtained a Decree for that Purpose.

For *French* and his Wife, the Executrix of *John Chichester*, it was insisted, that *John Chichester* having charged his Debts upon his Land; and afterwards by his Will having charged even his Legacies and Funerals upon his Land, and devised his personal Estate to his Wife, doth sufficiently manifest his Intention, that his Wife should have his personal Estate as a Provision for her, and to her own Use; and the same was but a small Recompence for the Inheritance she parted with; but if made liable to Debts, the Whole will be exhausted, and the Provision intended for the Wife defeated: And the known Rule is, that where the personal Estate is devised away, the Heir shall not have it applied in Exoneration of the real.

But the Lord Keeper *Wright*, upon the former Hearing, and the present *Lord Keeper*, on the Bill of Review, were both of Opinion, that the Devise being in the same Clause, in which she was named Executrix, and not said free and exempt from Payment of Debts; she must therefore take it as Executrix, and the same must be applied to the Payment of Debts; and therefore allowed the Demurrer, and dismissed the Bill of Review.

Cafe 516.
Jan. 24.
Lord Keeper

Murrell verſus Cox and Pitt.

If Executors
join in recei-
ving Money,
both are an-
ſwerable.
Otherwiſe
where Tru-
ſtees join.

THE Plaintiffs, as reſiduary Legatees, brought their Bill againſt the Defendants the Executors for an Account and Payment of the Surplus; they appeared and put in a joint Answer, and in a Schedule thereunto annexed, ſet forth all their Receipts and Payments, and make themſelves jointly Debtors for the Balance; and *inter al'* therein mentioned, for 200 *l.* Stock in the *East-India Company*, as remaining in their Hands undispoſed of.

After the Answer put in, the Defendants ſell the Stock in the *East-India Company*, both join in the Transfer, and divide the Money; the one receiving 106 *l.* and the other the like Sum. *Cox* after this became inſolvent, and the Defendant *Pitt* inſiſted, that he ought to be charged only with 106 *l.* which was all that he received.

The Cauſe was firſt heard at the *Rolls*, and the Decree joint againſt them both, and conſequently the Defendant *Pitt* liable to pay the Whole; and now upon an Appeal, the *Lord Keeper* affirmed the Decree.

Ant. Ca. 453,
464.

For the Defendant *Pitt*, the Cafes of *Fellowes* and *Owen*, and of *Heaton* and *Marriott*, were cited; where although Truſtees had joined in ſelling and conveying a Truſt-Eſtate, yet each was charged but with his own Receipts: But it was answered that thoſe Cafes, where a Truſtee joins only for Conformity, and in Order to paſs over the Eſtate to a Purchaſer, which cannot be done without his Joining or Releaſing to his Co-Truſtee, differ from the Cafe of Executors, who need not join, but may act ſeverally, if they think fit; each may ſell, aſſign, or releaſe the Whole without joining with the other; and in the

Cafe

Cafe cited of *Fellowes and Owen*, what was done, was with the Privy and Approbation of the *Cestuy que Trust*.

City of London versus Garway & al. Cafe 517.

Thomas Garway devised several Lands to his Wife for Life, she paying 20 *l.* *per Ann.* to A. and B. for their Lives, and the Life of the longer Liver of them; and if she died before them, his Trustees to pay the 20 *l.* *per Ann.* out of the Lands devised to them; and therein devises several Lands therein mentioned to three Trustees and their Heirs upon Trust to sell, and to dispose of the Monies to be raised by such Sale to such Persons, as he should by a Paper, to be signed by him, direct and appoint: Provided if he left no such Paper of Appointment, then the Trustees to stand seised, in Trust for the Benefit of his four Nephews, and if any of the Appointees died before Sale and Payment of the Money, such Share to resort to his Nephews.

A. by Will devises his Land to Trustees to sell, and to dispose of the Money as he by Writing should appoint, and for want of Appointment, to his four Nephews. *A.* by Writing appoints his Trustees to pay several Sums to several Persons; but not near the Value of the Land. Decreed the

Surplus to the Heir, and not to the Nephews, as an Interest resulting, and not disposed of.

Thomas Garway, by a Paper signed by him, appointed his Trustees to pay several Sums of Money to several Persons therein named; but not near to the Value of the Land.

The Question was, Whether the Surplus should pass by the Will to the Nephews, or result as undisposed of to the Heir at Law; and decreed it to the Heir at Law: The Lord Keeper saying, this was not so strong a Case, as that of Sir *Cesar Cranmer* and the Duke of *Southampton*; and that to disinherit an Heir at Law, there must either be express Words, or a necessary Implication, according to the Case in the Year-book of *H. 7.* A Devise

There must either be express Words in a Will, or a necessary Implication, to disinherit an Heir at Law.

A Devise of Lands to the Heir after the Death of the Wife by a necessary Implication gives an Estate for Life to the Wife. Otherwise where the Devise is to a Stranger.

of Lands to the Heir after the Death of the Wife, by a necessary Implication, gives an Estate for Life to the Wife, because the Heir was not to take till after her Death; but if the Devise be to a Stranger after the Death of the Wife, *that* gives no Estate for Life to the Wife by Implication; but the Estate during her Life shall descend, and go to the Heir at Law.

Cafe 518.
Jan. 25.
Lord Keeper.

Creagh & ux versus Wilson & al'.

A. by Will gives his Grandaughter 200 l. on Condition she continued with his Executors till she was *Twenty-one*; but if she was taken from them by her Father who was a Papist, be-

fore *Twenty-one*, or married against the Consent of his Executors, then he gave her but 10 l. The Daughter was placed by the Executors with a Clergyman, who, before she was *Twenty-one*, with Consent of one of the Executors, permitted her to make a Visit to her Father; and he took that Opportunity to marry her to a Papist. Decreed she should only have the 10 l.

John Wilson, a Minister of *Northamptonshire*, devised by his Will to his Grandaughter, the Plaintiff *Elizabeth*, 200 l. provided she continued with his Executors, until she attained the Age of *Twenty-one*; but if she should be taken from them by her Father, who was a *Roman Catholick*, before she attained her Age of *Twenty-one*, or in Case she should marry against the Consent of his Executors, then he gave her but 10 l. and made *John* and *Jane Wilson* his Executors.

The Plaintiff *Elizabeth* did not reside with the Executrix *Jane Wilson*, one of the Executors, she being a Boarder her self; and although *John Wilson* the other Executor was a Housekeeper, yet he was not willing to receive her: And thereupon with the Consent of the Executors, she was placed with Mr. *Joseph Wilson*, a Clergyman; and after she had been there some Time had his Leave, as also the Consent of one of the Executors, to make her Father a Visit, not being *Twenty-one* Years of Age, who took that Opportunity to marry her to a Papist, and gave her a Portion of 200 l. And the Executors refusing to pay the 200 l. Legacy, the Bill was brought by the Plaintiffs for Recovery thereof, and ob-

tained

tained a Decree at the *Rolls* for the Payment of the Legacy, with Interest and Costs.

But now upon an Appeal to the *Lord Keeper*, he declared the 200 *l.* Legacy was given upon a Condition precedent : The Condition describing the Qualification of the Person, who is to take, is in its Nature a Condition precedent : That she should continue with the Executors, is to be understood with them, or with such Person as they should appoint or approve of, as under their Direction ; and they accordingly placed her very properly with Mr. *Joseph Wilson*, a Clergyman, which was agreeable to the Intent of the Testator, that she might be bred a *Protestant*. And although she had the Consent of the Executors that she might go and visit her Father ; yet they did not consent that the Father should marry her ; *that* was the very Thing the Testator intended to provide against ; and although there may be a Difference between a Condition, that she shall not marry without Consent, and where it is (as in this Case) that she shall not marry against their Consent ; according to the Case of *Flemming and Walgrave*, in 1 *Chanc. Rep.* yet it is the same Thing ^{Fol. 58.} where the Marriage is without Consent of the Executors. When they have not an Opportunity before the Marriage to declare their Dislike, it is a Marriage against their Consent, if upon Notice of it they dissent, and declare their Dislike of it ; and therefore reversed the Decree made at the *Rolls*, and dismissed the Bill with Costs as to the 200 *l.* and decreed Payment of the 10 *l.* only.

Cafe 519
Jan. 28.
Lord Keeper,

*Brotherton Widow versus Hatt Widow,
Martha Coy, Sir Edward Hungerford
& al', & econtra.*

A. makes 3
several
Mortgages to
B. C. and D.
and in the
last Mort-
gage B. is a
Party, and
agrees that
after he is
paid, he will
stand a Tru-
see for D.
Decreed that
C. shall be
paid before
D. For all the
Securities
being trans-
acted by the
same Scri-
vener, No-
tice to him
was Notice
to D.
Post. Ca. 547.

SIR Edw. Hungerford mortgaged his Manor of *Blackwater* to *Marsh* and his Heirs, for securing 3000 *l.* and Interest; and afterwards Mr. *Gunter*, the Father of the Plaintiff *Brotherton*, lent Sir Edw. Hungerford 2800 *l.* and by Deed, reciting the Mortgage to *Marsh* for 3000 *l.* Sir Edward declares, that after the 3000 *l.* and Interest paid, the Estate shall stand charged, and be a Security to *Gunter* for the 2800 *l.* and Interest; but *Marsh* was no Party to that Deed. Afterwards the Defendant Mrs. *Hatt* lent Sir Edward 400 *l.* and obtains a Deed, as well from Sir Edward, as from *Marsh*; that after *Marsh* was paid, the Estate should in the next Place stand charged with her 400 *l.* and in like Manner for *Coy*, and several other Persons.

And the Question now was, Whether Mrs. *Brotherton* should be paid, next after *Marsh*'s 3000 *l.* her Security being the next in Point of Time; or whether *Hatt* or *Coy*, &c. should be preferred, because they had got a Declaration, not only from Sir Edward Hungerford; but also from *Marsh*, who by that Means became a Trustee for them after his own Money paid.

It was first decreed at the *Rolls*, and now affirmed upon an Appeal to the Lord Keeper, that Mrs. *Brotherton* should be paid next after *Marsh*, and then Mrs. *Hatt*, and so the Rest, as they stood in Order of Time; because all the Securities being transacted at the Shop of *Williams* and *Ellecker* the Scriveners, who were Witnesses, and engrossed all the Securities, and were in Nature of Agents to all the several Lenders; and Notice to the

Agent

Agent is good Notice to the Party, and consequently they that lend last must come last, having Notice of what was before lent; and the Circumstance of Mrs. *Hatt*, and those, who came after Mrs. *Brotherton*, having made *Marsh* a Party to their Securities seems not very material, since a Mortgagee, when his Money is paid, is but a Trustee for the Mortgagor; and he cannot by any Act of his alone bring a farther Charge upon the Estate; but however the Mortgagor alone, without the Mortgagee, may well charge the Equity of Redemption; and if any one after Notice thereof lend more Money, altho' they should obtain the legal Estate; yet would in Equity stand affected with the Notice, and be bound thereby.

Where there are several Mortgages, they that lend last must come last, having Notice of what was before lent.

Bruges & al' versus Curwin & al'.

Cafe 520.
Jan. 29.
Lord Keeper.

THE Plaintiffs being the greatest Part of the Landholders of the *Hamlets* of *Cleeve* and *Woodmacott*, in the Parish of *Bishops Cleeve* in Com' *Gloucester*, in which Hamlets there were about 5000 Acres of Land, which when not sown with Corn, were used in Common, and were of little Benefit, when over-stockt; and the Landholders had agreed therefore to a Stint, viz. that every Land-owner should put in but *two* Sheep for each Acre he had in the Land, or *one* Cow for *two* Acres, or one *Horse* for *four* Acres; but the Defendant the Rector, and about *nine* others would not agree thereto.

The greatest Part of the Landholders intituled to Right of Common agree to a Stint. This will not bind the rest.

For the Plaintiff it was insisted, that the Bill was not to take away any just Right the Defendants had, but that they might so use their Property, as not to injure their Neighbours; and that upon a Bill of the like Nature, a Decree was obtained 1 *Will.* 3. for the like Stint in the Hamlet of *Southam* in the same Parish. But the Bill was dismissed first at the *Rolls*, and now affirmed upon an Appeal.

Blagrove

Cafe 521.
Jan. 31.
Lord Keeper.

Blagrove & al' versus Clunn & al'.

Ant. Ca. 475.

EDward Lloyd on his Marriage in 1656, settled the Estate in question to himself for Life; Part to his Wife for Jointure, Remainder to *first* and other Sons of that Marriage in Tail Male, Remainder to the Daughters of that Marriage, *viz.* to the Daughter and Daughters of that Marriage and their Heirs, until the next Remainder-Man shall pay and satisfy, if *two* Daughters or more, 3000*l.* amongst them, Remainder to *Edward Lloyd* in Tail Mail, with other Remainders over.

Edward Lloyd had Issue by his *first* Wife, *Edward* a Son and *four* Daughters. *Edward* the Son married, and left Issue a Daughter, the Defendant *Katharine*; then *Edward Lloyd* the Father, (there being no Issue Male of the first Marriage) levied a Fine and suffered a Common Recovery, and became indebted to the Plaintiffs by Judgment, who brought their Bill against *Katharine* the Grandaughter and Heir of *Edward Lloyd* the Father, and against the *four* Daughters of the *first* Marriage, to redeem them on Payment of what remained unpaid of the 3000*l.* and to be let into a Satisfaction of their Judgment.

The Defendants, the Daughters, insisted to retain the Profits without Account, until the 3000*l.* were paid in a gross Sum. *Secondly*, That the Plaintiffs were not intitled to determine their Estate by Payment of the 3000*l.* but such Privilege was reserved and given only to the Person intitled by the Settlement to take next in Remainder; and the Clause in the Settlement being by way of Limitation to the Daughter and Daughters and their Heirs, until the next Remainder-Man shall pay and satisfy 3000*l.* so that they take an Estate in Fee-simple determinable

terminable on the Payment of 3000*l.* by the Remainder-Man; it was in the Election of the Remainder-Man, whether he would pay it or no, and might take his own Time for Payment; there being no Time appointed for that Purpose; but at any Time on Payment of 3000*l.* their Estate was to cease. And therefore as in this Case the Remainder-Man could not be foreclosed; so on the other Hand here ought not to be any Account of Profits, or a Redemption; but the Remedy was only at Law where the Estate might be at any Time determined upon Payment of the *three Thousand Pounds*.

For the Plaintiffs it was insisted, that they as Judgment-Creditors had the same Right to redeem, as the Remainder-Man; where a Man conveys over the Equity of Redemption, or becomes indebted by Judgment, the Assignees or Conusees are intitled to redeem.

Secondly, the Clause in the Settlement is by Way of Limitation to the Daughters and their Heirs, until *three Thousand Pounds* paid; yet not to be understood, until paid at one intire Payment in a gross Sum. The common Proviso in all Mortgages is, that the Deed shall be void, if the Mortgagor paid; yet if the Money was received by broken Payments, or out of Rents or Profits, it is the same, as if paid by the Party; as Payment by the Estate by Perception of Profits is as effectual a Payment, as if paid by the Mortgagor, or by the Remainder-Man. A Payment by a Man's Estate is a Payment by him.

Thirdly, If it should be thought reasonable, or the Intention of the Parties, that the Profits should go against the Interest; yet in this Case *three* of the *four* Sisters have been paid their Portions by Mr. *Lloyd*; and as the Judgment-Creditors stand in his Place, they must at least be intitled to an Account of *three* Parts in *four* of the Rents and Profits, as standing in the Place of the Sisters,

who have received their Portions or Shares of the *three Thousand Pounds*; as if one Sister had received all the Profits, the other *three* might have had an Account against her.

The Cause was first heard at the *Rolls*, and a Decree there made, that the Plaintiffs should redeem on Payment of what remained due for Principal, Interest and Costs, discounting what had been received by Rents and Profits.

The Defendants conceiving themselves agrieved by being directed to account for Rents and Profits, appealed to the *Lord Keeper*, who declared it was not the same with an ordinary Case of Redemption; because here the Remainder-Man could not be compelled to pay, nor could be foreclosed; being he might at any Time defeat and determine the Estate at Law by Payment of the *three Thousand Pounds*; and therefore varied the Decree, *viz.* that the Defendants should account for Rents and Profits, first to pay the Interest; but the Surplus should not annually go to sink the Principal; nor until an entire Sum of *one Thousand Pounds* was raised; and so again, not to sink the Principal, until another *Thousand Pounds* was raised.

Case 522.

Feb. 1.

Lord Keeper.

Lands by Marriage-Settlement are limited to the Sons in Tail Male, Remainder to *A.* the Husband in Fee. Provided if *A.*

Palmer versus Cracroft & al.

Robert Cracroft the Father, the 18th of October 15 Car. 2. upon his Marriage settled his Estate at *Wisby* in *Lincolnshire* to himself for Life, to his Wife for her Jointure, and to their first and other Sons in Tail Male, Remainder to the Right Heirs of the Grandfather. Provided,

and his Wife, or either of them, die without Issue Male living at the Time of his or her Death, leaving only one Daughter unmarried, the Trustees to stand seised till they have raised 1500*l.* for such Daughter; and if more Daughters unmarried at the Death of *A.* and his Wife, or either of them, and no Issue Male living begotten between them, then 3000 *l.* for such Daughters. *A.* dies leaving Daughters, and his Wife *enfeint* of a Son, which is afterwards born. Whether the Daughters are intitled to the 3000 *l.*

vided, if *Robert* and *Anne* his Wife, or either of them die without Issue Male living at the Time of his or her Death, leaving only one Daughter unmarried, the Conu-see of the Fine to stand seised until he had raised 1500*l.* for such Daughter's Portion; and if more Daughters than one unmarried at the Time of the Death of the said *Robert* and *Anne*, or either of them, begotten of their *two* Bodies, and no Issue Male living begotten by *Robert* on *Anne*, 3000*l.* for such Daughters.

Robert died leaving *five* Daughters at the Time of his Death, and his Wife *enseint* of a Son, the Defendant, who was born in about *six* Weeks after his Father's Death; the Plaintiff, who married one of the Daughters, as Administrator to his Wife, brought his Bill to have his Wife's Share of the *three Thousand Pounds* raised, her Sisters having had their Portions paid them.

Question was, Whether upon the Wording of this Proviso, the *posthumous* Son should defeat the Daughters of their Portions.

It was agreed, that there being no Provision for a *posthumous* Son; and the Father dying before the Son born, the Son could not take by the Settlement; for the Remainder must immediately vest, when the particular Estate determined. And it was insisted, that as the Proviso was worded, a Construction could not be made, that the Daughters were to have Portions upon Failure of Issue Male; and whilst Issue Male no Portions to arise; for that the Proviso is special, and operates both Ways, *viz.* If a Son living at the Decease of *Anne* or *Robert* first dying; though there should afterwards be a Failure of Issue Male, no Portions could arise to the Daughters: So *e converso*, if no Son living at the Decease of *Robert* or *Anne*, the Portions should arise, although a Son should be after born.

Lord

10 & 11 Will.
3. c. 16.

Lord Keeper. Generally and most commonly it is the Intent of the Parties, that the Daughters are not to have Portions provided by the Settlement, if there be a Son: So when no Provision is made for a *posthumous* Son, altho' it is the Intent of the Parties, that the Son should have it; yet until the late Statute such *posthumous* Son could not take; so that what might be the Intent of the Parties, cannot be the Rule. And if in this Case the Daughters (upon the Wording of the Settlement, and as it were by Accident not being directly intended by the Parties) become intitled to a reasonable Provision and Portion, he thought Equity would not take it away; but would be further informed as to the Value of the Estate; and whether the other Daughters had received their Portions.

Case 523.
Feb. 3.
Lord Keeper.

Mesgrett & ux' versus Mesgrett & al'.

A. devised 300 l. to B. her Daughter, and that if she married under 21, without Consent of the Executors, or the major Part of them, the Legacy to go to the Children of David Mesgrett; and made the Defendant David Mesgrett, one Tanden and Chamell Executors.

and *two* others Executors. B. being at the House of C. there marries his Son by a former Wife, with his Privy, being under *Twenty-one*: B. and her Husband bring a Bill for the Legacy. C. in Favour of his other Children, insists the Legacy forfeited. The other Executors confess, they had Notice of the Courtship, and did not contradict or disapprove of it. Decreed the 300 l. to the Plaintiffs, there being at least a tacit Consent.

The Plaintiff *Maria* being *eleven* Years old at the Death of her Mother, lived for some Time afterwards with *Chamell*, one of the Executors, and was there courted by the Plaintiff her now Husband, the Son of *David Mesgrett*

grett by a former Wife ; and afterwards the Plaintiff *Maria* removed to the House of the said *David Mesgrett*, where the Marriage was had with the Privy of the said *David Mesgrett*; altho' he now sets up a Pretence that the Legacy was forfeited, and devised over to his Children by his *second* Wife, the Sister of the Testatrix; and the other Executors by Answer confessing that they had Notice such Match was carrying on, did not contradict or disapprove of it; nor remove the young Woman, as they might have done.

Lord Keeper Decreed for the Plaintiffs; it plainly appearing there was at least a tacit Consent; and the Will not prescribing the Manner of the Consent to be in Writing or otherwise: And looked upon it as a Fraud in *David Mesgrett* in promoting the Marriage; and afterwards to pretend a Forfeiture for Want of a Consent to gain the Legacy to his Children by his last Wife.

Noys & ux' versus Mordaunt & al'.

Cafe 524.
Feb. 4.
Lord Keeper.

John Everard having *two* Daughters in 1686 makes his Will, and devises to *Margaret*, his eldest Daughter, his Lands in *Beeston*, and *eight Hundred Pounds* in Money: To *Mary* his *second* Daughter, his Lands in *Stanborn* and *Broom*, and *one Thousand three Hundred Pounds* in Money; provided and on Condition she released, conveyed and assured *Beeston* Lands to her Sister *Margaret*; and devised to his said *second* Daughter *one Thousand three Hundred Pounds* in Money. Provided if he should have a Son, what was devised to his Daughters to be void; and in such Case gave to *Margaret* *one Thousand two Hundred Pounds*, and to *Mary* *one Thousand Pounds*. Provided if he should have another Daughter, then he gave the *eight Hundred Pounds* devised to *Margaret*, to such after-born Daughter, and the Lands at *Stanborn* and *Broom* and the

A. having 2 Daughters *E.* and *C.* devises Fee-simple Lands to *B.* and Lands which were settled upon him in Tail, to *C.* If *B.* will claim a Share of the intailed Lands under the Settlement, she must quit the Fee-simple Lands, for the Testator having disposed of his whole Estate amongst his Children, what he gave them was upon an im-

7 I

one

plied Condition they should release to each other.

one Thousand three Hundred Pounds devised to Mary the second Daughter to the said Mary, and such after-born Daughter equally between them. He shortly afterwards died, and left his Wife *enseint* of a Daughter *Elizabeth*; Mary married *Higgs*, and died without Issue, not having given any Release to *Margaret* her Sister according to the Will.

Elizabeth claimed not only the Lands devised to her by the Will, and a Moiety of what was devised to her Sister *Mary*; but also a Moiety of the *Beeston* Lands devised to *Margaret*; the same on the Testator's Marriage, being settled on himself for Life, and his Wife for her Jointure, and to the first and other Sons, and in Default of Issue Male, to the Heirs of his Body.

Question was, Whether she should be at Liberty so to do, or ought not to acquiesce in the Will; or renounce any Benefit thereby.

Lord Keeper. In all Cases of this Kind, where a Man is disposing of his Estate amongst his Children, and gives to one Fee-simple Lands, and to another Lands intailed, or under Settlement; it is upon an implied Condition, that each Party acquit and release the other; especially as in this Case, where plainly he had the Distribution of his whole Estate under his Consideration, and has given much more to *Elizabeth*, than what belonged to her by the Settlement; and had it in his Power to cut off the Intail.

A Man having Mortgages, one of which was a Mortgage in Fee of Lands in D. on which he had

In this Case the Testator having several Mortgages, and, amongst the rest, a Mortgage in Fee of Lands in *Fenlake*, he devises his Mortgages to his two Daughters, and entered, devises those Lands to his two Daughters and their Heirs, and the other Mortgages to them, their Executors, &c. one of the Daughters dies. Her Share of the Lands in D. shall go to her Heir, and not to her Administrator; for the Testator might intend those Lands to pass as real Estate to his Daughters, though as between him and the Mortgagor, they were but a Mortgage.

and their Executors and Administrators; and devises his Lands in *Fenlake* (upon which he had entred upon Forfeiture of the Mortgage) to his *two* Daughters and their Heirs. *Mary* one of the Daughters dying without Issue, *Higgs* the Husband and Administrator, claims a Moiety of the Lands in *Fenlake*, as Part of his Wife's personal Estate; it being a Mortgage not foreclosed, nor the Equity of Redemption released.

Per Cur. Although it is a Mortgage, as between the Mortgagor and Mortgagee; yet the Testator's Intent was, it should pass to his Daughters as a real Estate, to them and their Heirs, and not as Part of his personal Estate; and *Mary* the Wife of *Higgs* being dead without Issue, it descends and goes to her Sisters, as her Heirs at Law; and *Higgs* as Administrator to his Wife, ought not to have any Part thereof as personal Estate.

Barbara Otway Widow and Executrix of Roger Otway versus Henry Hudson, John Mills, Thomas Fenwick, Anne Dove, Mary Warner & al'.

Cafe 525.
Lord Keeper.
Feb. 27.

Thomas Otway being seised of *three* Copyhold Messuages, held of the Manor of *Tyneman* in the County of *Northumberland*, surrendered to Trustees to the Use of himself for Life, Remainder to *Susanna* his Wife for Life, Remainder to the Heirs of their Bodies; and in Default of such Issue, the said Trustees were to surrender to such other Trustees, as he should by Will appoint to such Uses as should be therein mentioned; *May* 22, 1696, he made his Will, and thereby directed his Trustees to surrender to *Hudson* and *Mills*, in Trust to permit

A. being Tenant in Tail of the Trust of a Copyhold Estate, with Remainder over, and Trustees refusing to surrender the legal Estate to him, he brought his Bill for that Purpose, and pending that Suit, went to the Lords Court, and offered to surrender; but was refused, not having the legal Estate, and thereupon he made his Will and gave the Estate to his Wife and Children. Decreed the Estate to go according to the Will, the Court conceiving the Will sufficient to bar the Intail of a Trust.

permit *John Otway* and the Heirs of his Body to take the Profits, Remainder to *Roger Otway*, the Plaintiff's late Husband, in Tail Male, Remainder to *John Dove* in Tail Male, Remainder to his own Right Heirs; and shortly after died; *John Otway* also died without Issue; and *Susanna* the Wife of the Testator being also dead, *Roger Otway*, the Plaintiff's late Husband, requested the Trustees to surrender to him in Tail Male; which they refusing, *Roger Otway* brought a Bill to compel them to surrender to him, and they put in their Answers thereto; but before any further Proceedings *Roger Otway* died; but pending that Suit, he went to the Lord's Court, and desired to be admitted to surrender; which was refused, because the legal Estate was in the Trustees. Matters standing thus, *Roger Otway* made his Will, and devised the Premises to his Wife for Life, Remainder to her Children by a former Husband and their Heirs, subject to the Payment of his Debts.

The Plaintiff's Bill therefore was, that whereas by the Custom, every Widow of a Copyholder is intitled to her *Free Bench*, or Widow's Estate; and although the Husband had not the legal Estate, yet was Tenant in Tail of the Trust, and endeavoured to have had the Estate at Law surrendered to him; and although the Trustees refused so to do in Favour of the Remainder-man; yet *that* ought not to turn to her Prejudice: And the Bill likewise prayed Relief upon the Will of her Husband, by which as far as in him lay, he had devised the Premises in Manner above-mentioned.

The Defendants *Dove* and *Warner*, as Coheirs to the Testator, insisted the Intail was never well barred, and that they were well intitled.

Per Cur. Decree the Estate to go according to the Will of *Roger Otway*, he having endeavoured to get in the legal Estate, to the Intent he might have made a regular
2 and

and proper Surrender; but the Trustees refusing to comply, he brought a Bill to enforce them, and repaired to the Lord's Court, and made or tendred to make such Surrender as he could; and having devised the Estate to the Uses and Purposes in his Will, the *Lord Keeper* conceived *that* sufficient to bar the Intail of a Trust. Where there is no particular Method in the Lord's Court for barring of Intails, a general or common Surrender is sufficient, even where the Intail is of the legal Estate.

Where there is no particular Method in the Lord's Court to bar Intails, a common Surrender is sufficient, tho' the Intail is of a legal Estate.

The Widow of the *Cestuy que Trust* of a Copyhold Estate, ought to have her *Free Bench* or Widow's Estate, as well as if the Husband had had the legal Estate in him: There it may be said, that *Equitas sequitur legem*; and the Case of *Sweetapple* and *Bindon*, was for that Purpose cited: Where Money was to be invested in Land, and settled on the Wife and the Heirs of her Body; she married and had Issue, but died before the Money was laid out and invested in Land, the Husband her surviving. The *Lord Keeper* decreed, he should have the Interest of the Money for his Life, as he must have had the Profits of the Land, if it had in his Wife's Lifetime been laid out and invested in Land according to the Trust; and that he ought to be Tenant by the Courtesy of a Trust, as well as of a legal Estate.

The Widow of the *Cestuy que Trust* of a Copyhold Estate shall have her *free Bench*, as well as if her Husband had had the legal Estate. Money is to be invested in Land and settled on a Woman in Tail. She marries, has a Child and dies, before the Money is laid out. The Husband shall have the Interest of the Money for his Life.

A Man shall be Tenant by the Courtesy of a Trust, as well as of a legal Estate.

D E

Termino Paschæ,

1707.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Case 526.
 Lord Keeper.
 May 14.

Smith versus Goodman, & econtra.

EDward Warnett in 1702 made his Will, and thereby devised Lands to be sold for the Payment of his Debts and Legacies; and the Surplus after Debts and Legacies paid, he devised to *five* of his Relations, to each a *fifth* Part, of whom *John Smith jun.* one of his Coheirs, (*to wit*) a Sister's Son, was one, and made *Edward Goodman* his other Coheir, his sole Executor, without any Devise to him of his personal Estate; but devised several Lands to him and his Heirs. After the Will the Testator mortgages Part of the Lands devised for a Term of *five Hundred Years* to *John Smith sen.* and levied a Fine *sur Conuzance de droit* for Confirmation of it.

It fell out, that the Person, whom he had directed to draw his Will, had inserted in the Draught thereof a Clause subjecting as well his personal Estate, as the Lands directed to be sold, for Payment of his Debts and Legacies; which the Testator observing, he struck that Clause

out,

out, and told the Drawer of his Will, that he intended his personal Estate for his Executor, and bad him insert a Clause in his Will to that Purpose; who replied, that was not necessary; the Clause being struck out that made it liable to Debts and Legacies, the Executor would of Course, or without more, have the personal Estate.

The Will was afterwards ingrossed, leaving out the Clause struck out by the Testator; by which the personal Estate was expressly mentioned to be subject and liable to the Payment of Debts and Legacies, and without any express Devise inserted of the personal Estate to the Executor; and for the Plaintiff *Smith* it was insisted, that the Case of the Countess of *Gainsborough* was a Case in Point.

D E

Term. S. Michaelis,

1707.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Cafe 527.
 Lord Keeper.
 Octob. 28.

Keat versus Allen.

Bond given to the Wife's Father, in order to obtain his Consent to the Marriage of his Daughter, to repay Part of the Portion if the Daughter died without Issue, where the Daughter was intitled to her Portion by a collateral Ancestor. Bond set aside as a Marriage Brocage-Bond.

THE Plaintiff *Keat* on his Marriage with the Defendant's Daughter, with whom he received *one Thousand two Hundred Pounds* as a Marriage-Portion, was obliged by the Defendant, in order to obtain his Consent to his Daughter's Marriage, to give Bond to pay the Defendant *two Hundred Pounds*; if the Plaintiff's Wife died without Issue, or the Issue died before *eighteen* or Marriage; and the Wife being dead without Issue, the Bill was to be relieved against that Bond, as unduly obtained; the *1200 l.* Portion being given to the Plaintiff's Wife by an Aunt; and as the Father gave her no Portion, there was no Reason for him to require or exact such Bond upon the Contingencies before-mentioned.

Per Cur. It is in Nature of a *Brocage-Bond*; and decreed it to be delivered up to be cancelled, and the Defendant to refund what had been paid for Interest, but without Costs.

Stafford & al' versus Selby.

Cafe 528.

THE Bill was brought by the Plaintiff, as being a Creditor of *Charles Stafford*, who had made a Deed of Trust for Payment of Debts, and for securing Portions to his Brothers and Sisters, (of which the Plaintiff was one) and had afterwards sold and conveyed to the Defendant, who had also taken in a Mortgage from the *Lady Nevil*.

A Person who will take Advantage of the Statute against clandestine Mortgages, must be an honest Mortgagee: And therefore if a Man has used any Fraud, or ill the Statute.

Practise in obtaining a second Mortgage, he shall not have the Benefit of

The Defendant pleaded in Bar to the Bill, that he was a Purchaser without Notice; and also pleaded the Statute against *clandestine Mortgages*; and that the said *Stafford* before the making the said Deed of Trust, had mortgaged the Premises to the *Lady Nevil*, and did not, as the Statute requires, give a Writing under his Hand of all the prior Incumbrances; but made an Affidavit; wherein he set forth several of the Incumbrances, but omitted others of them, particularly mentioned in his Plea.

4 & 5 W. & M. Ca. 16.

The Plea having been replied to, and the Cause now brought on to Hearing, the Defendant chiefly insisted on his Plea of the Statute made against clandestine Mortgages; that Notice in Writing under *Stafford's* Hand of all Prior Incumbrances was absolutely necessary, as much as *three* subscribing Witnesses are necessary to a Will concerning Lands; and as the Statute concerns the Redemption of Mortgages, it was intended as a Rule and Law to Courts of Equity, where Persons come to redeem Mortgages; and therefore to be observed according to the Letter. But the Plea was over-ruled, and a Redemption decreed, and *that* without Costs.

In speaking to the Case, the *Lord Keeper* admitted, that *Charles Stafford* had not observed the Directions of the Act of Parliament; and for ought appeared in the Case of the *Lady Nevill*, she might have taken Advantage of the Act of Parliament, Notice not being given of all the prior Incumbrances.

If a Mortgage by the Statute becomes irredeemable, it will remain so in the Hands of the Assignee, though assigned in Consideration of the Principal, Interest and Costs due thereon.

Secondly, That a Mortgage, which thus by the Statute became irredeemable, a foreclosing Mortgage, as he called it, although assigned over to another in Consideration of what was really due thereon for Principal, Interest and Costs; yet in the Hands of such Assignee it would remain irredeemable, and such Assignee might take Advantage of the Statute against clandestine Mortgages.

If a subsequent Mortgagee redeems such Mortgage, he shall hold the

Thirdly, If a subsequent Mortgagee had redeemed such foreclosing Mortgage, he should also have held the Estate irredeemable.

If there are more Lands in the second Mortgage, than in the first; that seems to be a Case omitted out of the Statute; but the Adding an Acre or two shall not exempt it, for that may be a Contrivance to evade the Statute.

But Part of the Lands being only in the prior Mortgages, and new and other Lands added in the Mortgage to the *Lady Nevill*, this seems to be in that respect a Case omitted out of the Statute; and this penal Law is to be taken with some Strictness: But the Adding of an Acre or two, or the like, should not exempt it out of the Statute, but should be looked upon as a Contrivance to have evaded the Statute; but chiefly and principally relied upon it, that the Defendant had acted unfairly in this Matter, contriving with *Stenkley* and others, to sink Part of the Consideration-Money, by giving Goldsmiths Notes for no less than 1000*l.* Part of it, and paying them into *Stenkley's* Hands, who was insolvent, and upon a private Agreement to share with him Part of that Money; and insisting on a Premium of 50*l.* for advancing of it, so that that Part of the Money stuck

stuck by the Way; whereas the Statute intended to recompence honest Mortgagees for the Trouble, Hazard and Charge they might be put unto; and not to cover a Fraud, or ill Practice, in obtaining an Assignment of a Mortgage, or in becoming a Purchaser; and the Statute therefore does not concern this Equity, where a Man was imposed upon in the Mortgage it self; the Defendant *Selby* acting as Counsel for *Stafford*, when he redeemed the Mortgage from *Bacon*, and procured the Money from the *Lady Nevill*, and had a Premium of 50*l.* for doing it; and to bring *Stafford* to those Terms had exhibited a Bill in *Bacon's* Name to foreclose him, without *Bacon's* Privity; and when he had so distressed him, at last pretended to purchase. And as to the other Part of his Plea, of being a Purchaser without Notice, he had plainly Notice of the Deed of Trust, and therefore decreed as above.

Combs versus Dowell, and Squire versus Dowell. Case 529.
Lord Keeper.
Nov. 4.

A Deed made by *Robert Spencer* and *Elizabeth* his Wife, to declare the Uses of a Fine levied by them of the Wife's Inheritance, being lost, but having been inrolled for safe Custody; upon the first Hearing of these Causes, it being objected, that the Conveyance was not a Bargain and Sale, and so did not operate by the Inrollment; and that therefore the Copy of the Inrollment not to be allowed as Evidence; and the Court seemed to be of that Opinion. But an Issue at Law being directed to try, whether the Deed to lead the Uses of the Fine was duly executed by Mr. *Spencer* and his Wife: The Lord Chief Justice allowed the Copy of the Inrollment to be given in Evidence; and a *Scrivener* also, who drew the Deed, being examined, a Verdict passed for the Plaintiffs, that the Deed was duly executed.

Upon an Issue at Law, whether a Deed to lead the Uses of a Fine levied by a Man and his Wife was duly executed by them, the Deed having been enrolled for safe Custody, and afterwards lost; a Copy of the Inrollment was allowed at the Trial to be given in Evidence.

Walton

Cafe 530.
Nov. 7.

Walton versus Hanbury & al'.

IN 1695, the Defendant and others, Part-owners of the *Danby* Galley, fitted her out as a Privateer, and made the Plaintiff *Walton* Captain, and obtained a Commission by Letter of *Marque* from the Duke of *Savoy*, and sent her to cruise in the *Mediterranean*; where in the Year 1695, the Captain took a *French* Ship, on board whereof were several *Turks* and *Tripolins*. The Captain set the *Turks* on Shore; but detained some of their Effects.

In 1700, Complaint was made by the Consul of *Tripoly* to King *William*; and upon Process issued out of the *Admiralty*, Sentence was given against the Plaintiff, *viz.*

First, That the Ship and Goods were not well taken by an *Englishman*, and *English* Vessels, without any Commission from the *King*; but by Commission from the Duke of *Savoy* only; and therefore if the *Caption* was lawful, yet it was a Perquisite belonging to the *Lord High Admiral*. And *secondly* not good, because the *Tripolins* being in Peace with *England*, their Goods and Effects were not to be seized by *English* Ships or Men.

The Plaintiff having now agreed the Matter with the Consul of *Tripoly* for 500 *l.* and having obtained a Grant from King *William* of the Ship and Goods, obtained a Decree for *two Thirds* of the Value of the Ship and Goods, each Part-owner to pay according to the *Quantum* of his Interest; if any insolvent, the Loss to be born by the Rest, who were solvent, with Interest and Costs.

Hodgson and Caldicot versus Hodgson and Fitch & al.

Case 531.
Lord Chancellor.
Nov. 7.

Robert Hodgson seised of a good real Estate, and possessed of a personal Estate, Sept. 28, 1701, devised to the Defendant Hodgson several Closes of the Value of 60 *l. per Ann.* paying 100 *l.* he owed to J. S. and 100 *l.* he owed by Bond to one Shaw; and devised some small Legacies, and gives all the Rest of his personal Estate to the Plaintiffs his Nieces. It fell out that the 100 *l.* due on Bond was not due to Shaw, but was the Money of Alice Beck, then the Wife of one Fitch. By Reason of this Mistake, the Devisee of the Land refused to pay the 100 *l.* The Plaintiff examined Harvey who drew the Will, and deposed that the Testator declared he meant the 100 *l.* due to the Person, who married Mrs. Beck of Lincoln; and another Witness deposed, that he meant the Debt for which Caldicot was bound as his Surety.

Collateral Proof may be allowed to make certain a Person or Thing, described in a Will.
Post. Ca. 557.
See the next Case.

Decreed for the Plaintiff, *first* at the Rolls, and now brought on by a Bill of Review before the Lord Chancellor, and heard on the Merits, and again decreed for the Plaintiff: Lord Chancellor declaring he saw no Hurt in admitting of collateral Proof to make certain the Person, or the Thing described.

Cuthbert versus Peacock.

Case 532.
Lord Chancellor.
Nov. 10.

Testator indebted to his Niece Frances 100 *l.* by Bond, by Will gave her 300 *l.* and 200 *l.* apiece to her Sisters; and afterwards by a Codicil reduced the

7 M

Legacies

Parol Proof allowed as to a Man's Intention in a Will, where the Question was, whether
Post. Ca. 578.

a Legacy should go in Satisfaction of a Debt due from the Testator to the Legatee.

Legacies of 200 *l.* to 100 *l.* apiece to his other Nieces; but said nothing as to his Niece *Frances*; and afterwards borrowed of his Niece *Frances* 100 *l.* more.

Question was, Whether the 300 *l.* Legacy should go in Satisfaction of the Bond.

Lord Chancellor. The Construction of making a Gift a Satisfaction, had in many Cases been carried too far; that it was reasonable in such Cases to admit of parol Proof, as to the Testator's Intention; and upon reading the Proofs, decreed the 300 *l.* Legacy over and above the Debt; for otherwise the Favourite Niece (as *Frances* was proved to be) deducting the 200 *l.* and Interest due to her out of the 300 *l.* there would not remain above 80 *l.* and she reduced to a less Legacy, than what was given to her Sisters, contrary to the Testator's Intention.

Case 533.
Lord Keeper.
Nov. 11.

Grimston versus *Dominum Bruce & ux'*.

A. by Will gives his Grandaughter 30000 *l.* to be paid by 1000 *l.* a Year, and devises his Lands to *B.* and his Heirs, on Condition that he pays his Debts and Legacies.

The 1000 *l.* a Year not being paid, the Grandaughter enters. If *B.* is relieved against the

Breach of the Condition, it must be upon Payment of Interest for each 1000 *l.* from the Time it became due, together with Costs.

SIR *Samuel Grimston* devised, *inter alia*, 30000 *l.* to his Grandaughter and Heir, now the Wife of the Lord *Bruce*, to be paid by 1000 *l.* per Ann. for sixteen Years, then 2000 *l.* per Ann. until the 16000 *l.* was made up 30000 *l.* but if his Grandaughter dies before it be raised, then Payment to cease: And devises to the Plaintiff, second Son of *Sir William Lucking*, all his Lands in *Hertfordshire* for his Life, Remainder to his first and other Sons in Tail, &c. and all the Rest and Residue of his Estate, real and personal, he devises to him and the Heirs of his Body, upon Condition in both Bequests, that he pays his Debts and Legacies.

Per Cur. The Plaintiff must pay Interest for each 1000*l.* as it became due, and that without any Deduction for Taxes, and with Costs, he being relieved against the Forfeiture by Breach of the Condition, upon which Defendants had entred; and held that the Condition extended to both Devises, *viz.* as well to the *Hertfordshire* Estate, as to what passed by the general Devise of the Rest and Residue of real and personal.

Crouch versus Martin and Harris & al'. Case 534.

THE Plaintiff lent *Arthur Harris*, late Husband of the Defendant 100*l.* on *Bottom-Rhea*; and as a farther Security assigned to the Plaintiff the Wages, that would become due to him in the Voyage to the *Indies*, as Chirurgion of the Ship at 4*l.* 10*s.* per Month; the Ship returned safe to *London*, and 145*l.* became due on the *Bottom-Rhea* Bond. *Arthur Harris* died in the Voyage; the Defendant his Widow took out Administration; and there being a Bond given by her Husband on her Marriage to leave her 400*l.* if she survived him, she confessed Judgment thereon, and insisted *that* Judgment ought to be first paid, and the Wages due to the Husband applied to that Purpose.

A Seaman assigns his Wages, as a Security for Money, and dies indebted to other Persons. This Assignment specifically binds the Wages, and the Money secured thereby shall be paid preferable to all other Debts.

Per Cur. Seamen's Wages are assignable; and the Assignment specifically binds the Wages; and in Truth the Advancing the 100*l.* on the Credit of the Wages is, as it were, paying the Wages before hand; and the Seaman or his Widow must not have his Wages twice.

It is a *Chose in Action*, being due by Contract, although the Service not then done, and a *Chose in Action* is assignable in Equity upon a Consideration paid.

A Chose in Action is assignable in Equity, upon a Consideration paid.

Watson

Cafe 535.
Nov. 13.

Watson versus Hinsworth Hospital.

In the Constitutions for founding an Hospital it was ordained, that no Lease should be made for above 21 Years, and the Rent not to be raised, nor above 3 Years Rent taken for a Fine. Tho' the Tenant of the Hospital Lands is intitled to a beneficial Lease upon Renewal; yet this Constitution is not to be followed according to the Letter, but as Times alter, and the Price of Provisions increases, so the Rent ought to be raised in Proportion.

THE Hospital consisting of a *Master* and *twenty* poor Men and Women of the Gift of Dr. *Holyale*, Archbishop of *York*, who devised his Lands to his Executors, and all his personal Estate to be laid out in founding of the Hospital; the Executors procured Letters Patent for that Purpose, with Power for them to make Ordinances and Constitutions for the governing the Hospital; and they, amongst other Things, did ordain that no Lease should be made for above *Twenty-one* Years, the Rent not to be raised, nor above *three* Years Rent taken for a Fine, or *Gressom*.

The Executors sold Part, and leased out the Residue, reserving only 120 *l. per Ann.*

On a Bill by the Master and Hospital, Sir *Edward Philips* decreed the Lessees to enjoy, paying 120 *l. per Ann.* and afterwards the Cause was heard again by the Lord *Elsmere*, and by the Lord *Clarendon*; and although the Lease was long before expired; yet decreed by Lord *Elsmere*, the Lessee to Account at 120 *l. per Ann.* only, and to have a new Lease for 21 Years at 120 *l. per Ann.* altho' it appeared by the Decree the Lands were 250 *l. per Ann.* so 120 *l.* only to the Hospital, and 130 *l.* allowed to the Tenant in respect of Improvements made by him, and of the Rule or Ordinance, that the Rent should not be raised. In 1663, decreed again by Lord *Clarendon*, assisted with Chief Justice *Hide*, and Chief Baron *Hale*, that the Lease of *Twenty-one* Years, having been some Time since expired, the Tenant should account from the Expiration of the Lease at 120 *l. per Ann.* and that the Tenant should have a new Lease on reasonable Terms,

Terms, and recommended it to the Archbishop of *York*, to call the Parties before him, and to certify what Terms were thought reasonable for a new Lease, who certified the Hospital had agreed to accept *one Hundred Pounds* Fine and 120*l. per Ann.*

Watson the present Tenant having purchased the Lease in Being, now near expiring, and laid out *two Thousand Pounds* in Improvements, brought his Bill to have a new Lease, the Master refusing to renew.

Lord Chancellor. The Constitution just and charitable, that the Rent should not be raised for the Encouragement of the Tenant to improve the Estate; and he ought to find a Benefit by it; and the Hospital also will find an Advantage in having the Rent well secured by an Estate of greater Value, and constantly paid; but the Rule or Constitution is not to be followed according to the Letter, that no more Rent should be taken, than what was at first reserved; but as Times alter, and the Price of Provisions, &c. increases, so the Rent ought to be raised in Proportion; and declared the Tenant was intitled to a beneficial Lease, but not at any certain Rent. That he regarded the Constitution, not in the Letter, but in the Reason of it; and referred it to a Master to certify the Value of what had been laid out in Improvements, and when that was ascertained, referred it to the Archbishop of *York*, to certify what Fine and what Rent he thought reasonable.

Attorney General versus Barnes & ux'. Case 536.

THE Attorney General at the Relation of *Sidney Sussex College* in *Cambridge* set out, that one Dr. *Johnson*, a Member of that College, by Will in Writing

7 N

mention-

A. devises Frehold Lands for a Charity, but the Will was not executed in the Presence of

three Witnesses. Adjudged the Will being void as a Will, it could not operate as an Appointment within the Statute of 43 *Eliz.*

mentioned to devise his Land to the College, to maintain *two* Scholars, to augment Vicarages, and to buy Presentations, and to maintain Widows; and by a Codicil gave other Charities.

To the Will there were no Witnesses at all, but to the Codicil there were *three* Witnesses, who subscribed in the Testator's Presence.

But such a Will may operate as an Appointment, as to Copyhold Lands, where there is a Surrender to the Use of the Will, they passing by the Surrender, and not by the Will.

First, As to such of the Lands, as were Copyhold, it was agreed they were well appointed, they passing by Surrender, and not by the Will.

A. devises Lands by Will to which there are no Witnesses, and afterwards makes a Codicil executed in the Presence of three Witnesses.

Secondly, It was also agreed, as to the Freehold, the Will, as a Will, was void; for although there were *three* subscribing Witnesses to the Codicil, yet that would not support the Will; and it was so adjudged in *C. B.* in the Case of *Lea and Libb.*

The Will is void, as to the Land, and the Codicil will not support it. 3 Mod. 262.

But the great Question was, admitting it void, as a Will, if good as an Appointment; *Griffith Flood's Case*, and *Collison's Case*, *Hob.* 136. and *Moor* 888.

It was insisted, that the Statute of *Frauds* and *Perjuries* makes Wills absolutely void, if there are not *three* subscribing Witnesses thereto; and the Statute is to be strictly taken to prevent Frauds in the Time, when People are easiest to be imposed on.

Lord Keeper took Time to consider of it, and afterwards adjudged, that the Testator intended to dispose by Will; that the Writing imported a Will, and being void as a Will, could not operate as an Appointment.

Wilker versus Bodington.

Cafe 537.

*J*ames Bodington on May 1, 1701, was arrested at the Suit of one *Staines* for a just Debt of 700*l.* secured by Bond; he for Delay pleaded it was for Money won at play, and held out the Plaintiff above *six* Months, which by the Statute *Jac.* 1. was adjudged to be an Act of Bankruptcy, altho' he afterwards paid the Debt, and many *thousand Pounds* to others, and appeared publicly on the *Exchange*, and afterwards (*to wit*) Dec. 1, 1707, made a Settlement on the Defendant his Son's Marriage.

A. purchases of a Man, who had committed an Act of Bankruptcy, but without Notice thereof; afterwards a Commission is taken out, and there being a Term standing out in Trustees,

the Assignee brings a Bill against them and the Purchaser, to have the Term assigned to him. Bill dismissed.

The Settlement was thus: *Henry Bodington* had on his own Marriage, settled Houses in *Lothbury* on *Joseph* and *Peter Grey*, in Trust to secure 2000*l.* to his Wife, if she survived; and now reciting *that* Settlement, with the Privy of the *Greys*, who were Parties to it, he assigns all his Estate, Right, Title, and Interest to the *Russells*, the Wife's Relations, for the Benefit of *Henry* for Life, and of his Wife for Life, &c.

The Plaintiff being the Assignee under a Statute of Bankrupt taken out against *Bodington*, the Question was, Whether a Court of Equity would decree the *Greys* to assign the Term to the Plaintiff, or suffer it to rest in them to protect the Settlement.

For the Defendants it was insisted; that they being Purchasers without Notice of the Bankruptcy; Equity ought not to impeach their Title, if they can defend themselves at Law; and although they have not the legal Estate in them; yet the *Greys*, in whom the legal Estate is, being Parties to the Settlement, are become their Trustees: And in the Case of *Blake* and *Hungerford*, where

Trustees

Trustees declared a Trust for *Blake*, that gave him and those claiming under him a Preference against a Statute acknowledged to *Arnold*, to whom Sir *Jeremy Sambrook* was Executor; although the Statute was acknowledged by Sir *Edward Hungerford*, before he sold his Estate for Life, to his Son *Anthony Hungerford*, under whom *Blake*, &c. claimed; and in the Case of *Hitchcox* and *Sedgwick*, it was allowed that a Purchaser without Notice of the Bankruptcy may be protected, if he gets in a prior Incumbrance. But it was objected here, that it was not said by and with the Consent of the *Greys*, but only with their Privity.

Lord Chancellor. I take it to be the Rule in Equity, that where a Man is a Purchaser without Notice, he shall not be annoyed in Equity, not only where he has a prior legal Estate, but where he has a better Title or Right to call for the legal Estate than the other; and therefore dismissed the Bill.

A Purchaser without Notice shall not be hurt in Equity, not only where he has got in a prior legal Title; but where he has a better Right to call for the legal Estate, than another who has got an Incumbrance prior to his Title.

Case 538.

Higgins versus Dowler.

Alice Higgins possessed of a Term for 999 Years, demised to *J. S.* for 860 Years, in Trust for her self for Life; then to *Henry Higgins* her Son for Life, Remainder to *Mary* his Wife for Life, then to the first Son during the Residue of the Term; and in Default of Issue of such first Son, to the second and other Sons of *Henry* and *Mary*; and in Default of Issue Male, to the Daughter and Daughters of *Henry* and *Mary*, equally to be divided between them, during the Residue of the Term; and in Default of Issue of *Henry* and *Mary*, to *Henry* during the Residue of the Term. There having never been a Son, the Limitation to the Daughters was held good.

A. demises Lands for a long Term in Trust for B. for Life, then to his first Son for the Remainder of the Term, and in Default of Issue of such Son, to the second and other Sons of B. and for Want of Issue Male to the Daughters of B. for the Remainder of the Term.

Upon

Upon a Demurrer the *Lord Chancellor* was of Opinion, that in Regard there never was any Son, but only a Daughter, the Limitation to the Daughter was good. In Case of an exprefs Devise to the *first* Son during the Residue of the Term, Remainder to the Daughter; if no Son, the Remainder to the Daughter will take place; and where devised to the first Son in Tail, *that* gives him the whole Term only by Construction in Law: And an Estate by Construction of Law cannot be greater, or of more Force to make void the Remainder, than an exprefs Limitation of the Residue of the Term.

Godfrey versus Chadwell.

Case. 539.
Lord Chancellor.
Dec. 18.

BILL by a second Mortgagee to redeem. The first Mortgagee pleaded his Mortgage, and Decree to Foreclose the Mortgagor, without Notice of the second Mortgage. Plea over-ruled.

After a Decree by first Mortgagee to foreclose the Mortgagor, a second Mortgagee

may redeem the first, though the first Mortgagee had no Notice of the second Mortgage before the Decree.

D E

Term. S. Hillarii,

1707.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Case 540.
Jan. 31.*Small versus Brackley.*

THE Plaintiff was intrusted by the Defendant to receive the Interest due upon Tallies, which the Plaintiff had pledged or mortgaged to her, and *two* or *three* Times he received the Interest, and paid it to her, and brought back the Tallies and Orders; but at last wanting Money, he received not only the Interest, but also the Principal, and shortly afterwards failed.

A. intrusted by *B.* to receive Interest on Tallies, receives the Principal, and fails, and afterwards compounds with his Creditors; but *B.* would not come in without having a greater Composition, which *A.* agrees to give. *A.* brings a Bill to be relieved against this underhand Agreement; but by having been guilty of a great Fraud and Breach of Trust, and having agreed to make some Satisfaction, was intitled to no Relief in Equity. Bill dismissed.

The Creditors signed a Deed to accept a Composition of *nine Shillings per Pound*, so as all the Creditors signed the Deed within the Time limited; otherwise to be void. Mrs. *Brackley* refused to sign and accept the Composition, unless the Plaintiff would pay her *one Hundred Pounds* down, and *three Shillings* in the Pound over and above the *nine Shillings per Pound*.

The 100*l.* was paid, and Security given for the 75*l.* the Residue of the Composition Money.

Plaintiff brought a Bill to be relieved, the Defendant having been guilty of a Fraud in signing the Composition for 9*s.* *per* Pound to blind the other Creditors, and yet underhand to gain a greater Benefit to her self.

The Cause was heard at the *Rolls*, and Baron *Price* decreed for the Plaintiff; but upon an Appeal to the *Lord Chancellor*, he dismissed the Bill; the Plaintiff having been guilty of as great a Fraud and Breach of Trust, as could be, and not be criminal; and having agreed to make some Satisfaction, he ought not to be relieved in Equity.

Winne versus Lloyd.

Case 541.

THE Defendant having obtained a Bill of Sale of Goods, and likewise a Note from his Brother a little before his Death, for Payment of 300*l.* the Plaintiff insisted those were voluntarily given, and for a Colour only, and that underneath the Note, the Defendant had subscribed an Acknowledgment, that no Debt was due to him.

Copy of a Note taken by one, who had been intrusted with the Note, and was since dead, under which was written an Acknowledgment that nothing was due, allowed to be read as Evidence, though not proved to be a true Copy, and though the Defendant had sworn there was no such Acknowledgment under the Note, it appearing when the Note was produced, that the Bottom of it was torn off.

The Defendant by Answer swore his Debt, and denied there was any such Defeasance or Acknowledgment.

It appeared upon the Proof, that the Defendant deposited the *two* Instruments he had so obtained, in the Hands of *Sidney Lloyd* his Sister, and afterwards wrote to her to send him the *two* Instruments by a special Messenger

ger sent for that Purpose, and that she should not let any one see them.

His Sister sent them, but sat up all Night to take Copies of them, as she declared in her Life-time, being dead before the Commencement of this Suit; and upon producing the Copies so taken by the said *Sidney Lloyd*, there appeared to be such Acknowledgment under wrote, that there was no real Debt; and upon inspecting the Instruments produced by the Plaintiff upon stamp Paper, it appeared that the Bottom was torn off.

Per Lord Chancellor: You shall read the Copies, being the Hand-writing of *Sidney Lloyd*, although not proved to be true Copies.

Case 542.

Pocock versus Lee.

A. and his Wife mortgage the Wife's Estate, and A. covenants to pay the Money, but the Equity of Redemption is reserved to them and their Heirs.

MR. *Alexander* and his Wife, who was the Daughter and Heir of one *Dayly*, made a Mortgage of the Wife's Estate; the Husband covenanted to pay the Money, but the Equity of Redemption was reserved to them and their Heirs. Mr. *Alexander* the Husband died, and made the Defendant his Executor. The Wife surviving after a Decree to account.

A. dies and his Wife survives. The Mortgage shall be discharged out of the Husband's Estate.

The Question was upon Exceptions to the Master's Report, whether the Mortgage-Money should stand charged upon the Land, or the Land be exonerated out of the Husband's personal Estate.

Per Cur. The Husband having had the Money, is in Equity the Debtor, and the Land is to be considered but as an additional Security; and so decreed it according to the Judgment in the House of Peers, in the Case of Lord and Lady *Huntington*.

Hancock versus Hancock.

Cafe 543.

Leonard Hancock on the Marriage of the Defendant his Wife, in Consideration of 2000 *l.* Portion covenanted to purchase 400 *l.* *per Ann.* and settle it on himself and his Wife for their Lives, and the Life of the Survivor, Remainder to the Heirs of their *two* Bodies begotten; and if he should happen to die before such Purchase and Settlement should be made, that then the Wife might elect either to have the 400 *l.* *per Ann.* purchased and settled, or to have 3000 *l.* paid her in Lieu of Dower and Thirds.

A Man on his Marriage, covenants to purchase and settle Lands of 400 *l.* a Year to the Use of himself for Life, then to his Wife for Life, Remainder to the Heirs of their *two* Bodies; and if he died before a Settle-

ment made, the Wife might elect either to have the 400 *l.* a Year, or 3000 *l.* in Money in Lieu of Dower and Thirds. The Husband dies before a Settlement made. On a Bill by the Creditors, the Wife by Answer elects the 3000 *l.* and the Children insist on having a Settlement made according to the Articles expectant on their Mother's Death, by which Means all the Assets would be exhausted. Decreed a Settlement to be made on the Wife and Children, notwithstanding the Election.

There being several Children of the Marriage, and the Husband dying before any Purchase and Settlement made, a Bill was brought by the Creditors against the Defendant, the Wife and Administratrix of her Husband, for a Discovery and Account of Assets.

The Wife by Answer set forth the Articles, and that no Purchase or Settlement having been made, she claimed and elected to have 3000 *l.* paid to her according to the Articles: And the Children by their Answer insisted to have 400 *l.* *per Ann.* purchased, and settled according to the Articles expectant on the Mother's Decease; and by that Means the Mother and Children would have exhausted all the Assets.

Per Cur. Notwithstanding the Election, decree a Settlement of 400 *l.* *per Ann.* on the Wife for Life, Remainder to the Children *nunc pro tunc.*

Case 544.
April 22.

Waters versus Ebrall.

Guardian
not compell-
able to ap-
ply the Pro-
fits of the
Lands, de-
scended on
the Infant
Heir, to pay
off the Bond-
Debts of the
Ancestor.

Plaintiff, the Widow of *Ebrall* her *first* Husband, and as Guardian to her Son, received the Rents and Profits of his Estate, and paid off Debts by Specialty, but took Assignments of the Bonds; the Son dying in his Minority without Issue, she brought her Bill against the Defendant, the Heir, for a Discovery of Assets by Discent to satisfy the Money due by Bond, she claiming the Profits, as Administratrix to her Son.

Per Cur. The Guardian not compellable to apply the Profits of the Estate of the Infant Heir, to pay off the Bond-Debts.

Case 545.
April 23.

Manning versus Westerne.

A. indebted
by Specialty,
and also on
simple Con-
tract, pays
several Sums,
and enters
them in his
Book as paid
on Account of
what was due
by Specialty.

Defendant being indebted to the Plaintiff on Specialty, *viz.* on Articles under Hand and Seal, and also on simple Contract, on a running Account made several Payments of Sums in Gross, and entered them in his own Book, as paid upon Account of what was due upon Articles.

This Entry not sufficient to make the Application.

Question was, Whether these Sums should be applied towards Satisfaction of what was due on the Articles, which carried Interest, or in Satisfaction of the Debts by simple Contract.

Per Lord Chancellor; Although the Rule of Law is, that *Quicquid solvitur, solvitur secundum modum solventis;* yet that is to be understood, when at the Time of Payment he that pays the Money declares upon what Account he pays it; but if the Payment is general, the Application is in the Party, who receives the Money, and the Entries in the Defendant's Books, are not sufficient to make the Application.

pays the Money; but if the Payment is general, the Application is in the Person receiving.

D E

Termino Paschæ.

1708.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Cafe 546.
April 28.

*Parsons and Cole versus Dr. Briddock
& al'.*

The Principal in a Bond being arrested gave Bail, and Judgment is had against the Bail. On a Bill by the Sureties, who had been sued on the original Bond, and paid the Money, decreed the Judgment against the Bail to be assigned to them, in order to reimburse them what they had paid with Interest and Costs.

PLaintiffs in 1694 were bound as Sureties for Mr. *Briddock*, and had Counter-bonds. *Briddock* the Principal was afterwards arrested, and the Defendant his Brother became his Bail, and Judgment was obtained against the Bail. The Plaintiffs being sued on the original Bond were forced to pay the Money, and now brought their Bill to have the Judgment obtained against the Bail assigned unto them, in order to be reimbursed what they had paid.

Per Lord Chancellor ; The Bail stand in the Place of the Principal, and cannot be relieved on other Terms than on Payment of Principal, Interest and Costs, and the Sureties in the original Bond are not to be contributory; and therefore decreed the Judgment against the Bail

Bail to be assigned to the Plaintiffs, in order to reimburse them what they had paid, with Interest and Costs.

And although the Plaintiffs by their Bill had unadvisedly charged that they had agreed to pay an equal Proportion of the Debt; yet the Defendants having by Answer denied they made any such Agreement, *that* set the Plaintiffs at large, and left them at Liberty to demand the Whole against the Defendants; and decreed it accordingly.

Jennings Executor of *Carew Guidott* Cafe 547.
versus *Adrian Moore, Blincorne, & al.* May 7.
Lord Chancellor.

Carew Guidott, the Plaintiff's Testator, in 1699, lent A defective Surrender of Copyhold Land for securing a Sum of Money, which was become void for Want of being presented in due Time, made good against a subsequent Purchaser with Notice. to *Carleton Whitlock* 200*l.* on a Surrender of some Copyhold Lands in *Walton* in the County of *Surrey*; but neglected to get the Surrender presented at the next Court, as he ought to have done; and for Want thereof the Surrender was void according to the Custom of the Manor. In 1703, *Blincorne* agrees with *Whitlock* to purchase for 400*l.* and took a Surrender in the Name of the Defendant *Moore*, who agreed to become the Purchaser, and paid the Consideration-Money; and pleaded himself to be a Purchaser, without Notice of the Plaintiff's Demand, and that his Surrender was presented, and he admitted Tenant without Notice of *Guidott's* Surrender, which was kept in his Pocket, and not presented till long after his Purchase, Surrender, Admittance and Payment of his Consideration-Money.

But it being proved, that *Blincorne*, whilst he was treating with *Whitlock*, had Notice, and therefore declined to purchase in his own Name, and took the Surrender in *Moore's* Name, and procured him to become the Purchaser, *A. having Notice of an Incumbrance purchases in the Name of B. and then agrees that B. shall be the*

7 Q

Purchaser, and he accordingly pays the Purchase-Money without Notice of the Incumbrance. Tho' *B.* did not employ *A.* nor knew any Thing of the Purchase till after it was made; yet *B.* approving of it afterwards, made *A.* his Agent *ab initio*, and therefore shall be affected with the Notice to *A.* Ante Case 519.

chafer, that he might be paid a Debt, which *Whitlock* owed him, out of the Consideration-Money; *that* Notice was adjudged sufficient to affect *Moore*; and he was decreed to pay the 400*l.* and Interest, or to surrender to the Plaintiff; and altho' he did not employ *Blincorne* to purchase for him, or knew any Thing of it, until after *Blincorne* had agreed, and taken the Surrender in his Name; yet he approving of it afterwards, made *Blincorne* his Agent *ab initio*.

This Decree was first made at the *Rolls*, and was afterwards affirmed on an Appeal to the *Lord Chancellor*.

Ant. Ca. 513. In this Cause was cited the Case of *Taylor* and *Wheeler*, where the Plaintiff lent 400*l.* on the Surrender of a Copyhold Estate, and took no Care to have it presented at the next Court, nor in *four* Years Time, by which it became void by the Custom of the Manor; and before it was presented, the Surrenderor became a Bankrupt.

Question was, Whether he should be relieved against the Creditors of the Bankrupt; and altho' the *Lord Chancellor* at first doubted, yet afterwards decreed for the Plaintiff.

3

D E

Term. S. Trinitatis,

1708.

IN CURIA CANCELLARIÆ.

Ledsome versus Hickman.

Case 548.
June 5.

Defendant's Testator devised 300 l. apiece to his *three* Daughters A. B. and C. at *Twenty-one* or Marriage; if any died before, to go to the Survivor. B. one of the Daughters died in the Life-time of the Testator.

J. S. devised 300 l. apiece to his three Daughters A. B. and C. at Twenty-one or Marriage.

If any died before, to go to the Survivors. B. died in the Life of the Testator, her Legacy shall go to the surviving Daughters. *Post.* Case 581.

Question was, Whether the 300 l. a lapsed Legacy, or should accrue to the *two* surviving Sisters. Decreed for the Plaintiff.

Lord Chancellor. Devise over as an executory Devise.
Sed quære tamen.

Turner

Cafe 549.
June 16.

Turner versus Jennings.

A Freeman of London assigns the greatest Part of his personal Estate in Trust for himself for Life, and then for his Grandchildren: This Deed not good against the Custom of London, as to the Moiety belonging to the Children, but binding as to the other Moiety, which he had Power to dispose of, he having no Wife.
Ant. Ca. 91.

A Freeman of the City of *London* by Deed executed in his Life-time, grants and assigns over the greatest Part of his personal Estate, in Trust for himself for Life, and then for the Benefit of his Grandchildren; his Son dying in his Life-time; the Plaintiff who married the Freeman's Daughter, brought his Bill to set aside the Deed, and to have his Wife's orphanage Part in her Right, according to the Custom of the City of *London*. And although it was admitted that if the Father had made an actual Gift of any Part of his personal Estate to his Grandchildren in his Life-time, or had actually given all to one Child in his Life-time, *that* would have held good against the Custom; or if he had turned all his personal Estate into a Purchase of Lands, he might have disposed of it as he thought fit; yet it was decreed for the Plaintiff, and the Deed set aside; for that the Freeman had not intirely dismiss himself of the Estate in his Life-time; and the Deed being made when he was languishing, and but a little before his Death, it ought to be looked upon as a *Donatio causa mortis*. Lord Chancellor declaring that either the Custom must be intirely given up, or this Deed must be looked upon, as made in Fraud of the Custom; but will stand good as to a Moiety, which he, having no Wife, might dispose of.

Cafe 550.
July
Lord Chancellor.

Lord Fairfax versus Lord Derby.

A. is Tenant in Tail subject to a Rent-charge to B. for Life;

A Question arising on the Statute of 32 H. 8. how far the Issue in Tail should be liable for the Arrears

A. dies, the Rent-charge being in Arrear. The Issue in Tail not liable by the Statute of 32 H. 8. *ap. 37.* to the Arrears incurred in the Life of his Ancestor. 5 Co. 118. a.

years of a Rent-charge granted to the late Countess of *Derby* for her Life, and which incurred and became due in the Life-time of his Ancestor; the Plaintiff, the Lord *Fairfax* being the Executor of the late Countess of *Derby*.

The *Lord Chancellor* was of Opinion, that the Statute only provided what was just and equitable; that he who should have paid, should still be liable to Action of Debt or Distress of the Executor or Administrator of the Grantee of the Rent-charge; and so against any claiming under him by Purchase, Gift or Descent; but extends not to the Issue in Tail, who claim not under, but *Paramount*.

The Tenant ought to have paid the Rent-charge. It is true, whilst the Rent-charge was continuing, the Issue in Tail was liable to be distrained for the whole Arrear which was incurred in the Life-time of his Ancestor; but *that* was *summum jus*, and the new Remedy given by the Statute doth not carry it so far.

Had this Case been within the Statute, yet the Plaintiff's Remedy was at Law, and not to be aided in Equity, or the Remedy altered or changed from a Distress to a Receiver or Possession.

Dubois versus Hole & ux'.

Case 551.
July 14.

D*Ubois*, the Defendant's first Husband, in Case of the Death of his Son without Issue, devised his real Estate, and great Part of his personal, to the Plaintiffs his Nephews, who were then, and yet, Infants; and dies in *Barbadoes*. The Defendant his Widow possessed the Estate, and afterwards married Mr. *Hole*, her second Husband; but before Marriage, assigned and conveyed

If a Bill is brought against Baron and Feme for a Demand out of the separate Estate of the Feme; and the Husband is beyond Sea, and not amenable by the Process of the Court; yet, if the Wife is served with a *Subpœna*, she must appear, and answer the Plaintiff's Bill

over her first Husband's Estate to Trustees, so as the *second* Husband might not intermeddle therewith. She comes over to *England*, and was served with a *Subpoena* to answer the Plaintiff's Bill, and afterwards arrested upon an *Attachment*; but her Husband Mr. *Hole* was beyond Sea, and not to be reached by the Process of the Court. The Bill was brought against *Hole* and his Wife, and Mrs. *Hole* appeared to the Bill, and had moved for and obtained an Order for Leave to put in a separate Answer without her Husband; but was afterwards advised by her Counsel, that she being a *Feme Covert* could not be compelled to appear or answer, her Husband being never served with any Process, and obtained an Order to refer the Proceedings against her as irregular.

But *per Lord Chancellor*, If the Case is as laid by the Bill, the Wife has a separate Capacity, and the Husband has nothing to do with the Estate; and rather than there should be a Failure of Justice, he held the Process regular against her alone, her Husband being beyond Sea, and not amenable by the Process of the Court.

D E

Term. S. Michaelis,

1708.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Hodges versus Hodges.

Cafe 552.
Nov. 26.

Cannot pass as a Devise, because not in the Will ;
nor can be a *Donatio causa mortis*, because he gave
it in his Life-time, in Contradistinction to a Devise.

But it is a Gift *bona fide*, not in Fraud of the Custom, and in Lieu of what he had given out of his legatory Part, which he had Power to do.

An Advancement at a Certainty, if the Party will have the Benefit of the Orphanage, must be brought into Hotch-pot.

Where a deliberate Act is done, although it attains not the End designed, and should in Consequence prove quite contrary, not relievable in Equity.

Crane

Cafe 553.
Nov. 3.

Crane verſus Drake & al'.

A. purchaſes
a Leaſhold
Eſtate of an
Executor,
having No-
tice a Debt
of the Teſta-
tor's was un-
paid, and out
of the Pur-
chafe-Mo-
ney has an
Allowance of
a Debt of
200*l.* due to

F*Rancis Hooper* being indebted to the Plaintiff 100*l.* on Bond, died poſſeſſed of a great perſonal Eſtate, and made his Brother *William* Executor and Devifee, who waſted the Eſtate: The Defendant *Drake*, having Notice of the Plaintiff's Debt, buys of *William* the Executor a Leaſhold Eſtate by diſcounting 200*l.* due from the Teſtator, 550*l.* due from the Executor, and by Payment of 150*l.* in Money.

him from the Teſtator, and a Debt of 550*l.* due to him from the Executor; the Remainder being 150*l.* was paid in Money. This Sale not good againſt an unſatisfied Creditor.

Plaintiff's Bill was to have Satisfaction for his Debt out of the Leaſhold Eſtate, being Part of the Teſtator's Aſſets.

Queſtion was, Whether this was a good Sale to bind a Creditor.

For the Defendant it was infifted, that an Executor may ſell, and with the Money, when he has it, may pay his own Debts; and for the ſame Reason he may upon Sale diſcount and allow the Purchaſer the Debt he owes him; and the rather in this Cafe, becauſe he paid 150*l.* in Money with which the Executor might have paid the Plaintiff's Debt; yet decreed for the Plaintiff at the *Rolls*, and affirmed on an Appeal to the *Lord Chancellor*, he ſaying the Defendant was a Party, and conſenting to and contriving a *Devaſtavit*.

Carter versus Bletsoe.

Cafe 554.
Nov. 26.

Math. Bletsoe feised in Fee, in 1692 made his Will, *A. devises Lands to B. his Son and his Heirs, and declares that out of the Lands he shall pay 200*l.* to his Daughter at her Age of 21. She marries and dies under Age. Legacy not vested.* and thereby devised to his eldest Son, *Saterthwaite Bletsoe*, and his Heirs, all his Messuages, &c. But it is my Will nevertheless, that my said Son shall pay out of the said Lands so devised to him, the Sum of *six Hundred Pounds* to my Daughter *Mary*, *two Hundred Pounds* at her Age of *Twenty-one*; to Son *John* *two Hundred Pounds* at his Age of *Twenty-one*; to Son *Math.* *two Hundred Pounds* at his Age of *Twenty-one*; and *four Pounds per Ann.* for Maintenance, until they come to *Twenty-one* and their Portions paid.

Mary the Daughter married, and died before *Twenty-one*; her Husband came as Administrator to his Wife for the *two Hundred Pounds*, and also for *two Hundred* more, which was to accrue to her upon the Death of her Brother.

Per Cur. There is no vesting Clause in the Will; the Direction that the Son pays to *Mary* at her Age of *Twenty-one*, vests nothing until she attains *Twenty-one*, and she dying before, it never arises.

Hales versus Vanderchem & ux', and Cole, & econtra.

Cafe 555.
Nov. 13.

Vanderchem upon the Marriage of his Wife in 1704, by Articles in Writing, in Consideration of *six Thousand Pounds*, mentioned to have been by him received as *7 S* a Por- *Agreements since the Statute of Frauds, &c. are not to be part Parol, and part in Writing;*

yet a Deposit for Performance of a written Agreement, though there is no Writing declaring such Deposit to be a Security, is not within the Purview of the Statute.

a Portion with his Wife, covenanted that if he and his Wife lived *seven Years*, in *three Months* afterwards to lay out *ten Thousand Pounds* in a Purchase, and settle it on himself for Life, and his Wife for her Jointure, &c. and if he died before a Settlement was made, to leave her *ten Thousand Pounds*, and confessed a Judgment to *Brown* and *Cole* for Performance of Covenants. *One Thousand five Hundred Pounds* of the Wife's Portion was laid out in the Purchase of an Annuity of *one Hundred Pounds per Ann.* in the Exchequer, in the Name of *Cole*; and he gave a Declaration of Trust to *Vanderchem*, that his Name was used in Trust for him, his Executors and Administrators.

The Plaintiff *Hales* was prevailed upon to lend *Vanderchem* *one Thousand Pounds* on his Assignment of the Annuity, and depositing the Tallies and Order with him; and the Wife attempting to take out Execution against the Husband in the Name of the Trustees, before the Time was lapsed for making the Purchase; *Brown* one of the Trustees was prevailed upon to acknowledge Satisfaction on the Judgment.

Hales's Bill was to compel *Cole* to assign the Trust for securing his *one Thousand Pounds*; and the Cross Bill was, that the Wife might have the Benefit of the *one Hundred Pounds per Ann.* and that *Brown* might be charged with a Breach of Trust, and compelled to stand in the Place of *Vanderchem*, and make good the Marriage Agreement; she insisting that the Annuity purchased in *Cole's* Name in Trust, was to remain as a Pledge until the Marriage-Agreement was performed; and that the Tallies and Order were deposited in *Cole's* Hands for that Purpose; but that her Husband persuaded her to take them out of his Hands, on Pretence they were not safe there; and she having so done, he afterwards took them out of her Cabinet, and delivered them to *Hales*.

For

For Mr. *Hales* it was insisted, that whatever private Agreement might be between *Vanderchem* and his Wife, as he had not heard of it, so it could not bind him, being only by Parol, and void by the Statute of *Frauds and Perjuries*, and was no Part of the Agreement in Writing, but inconsistent with it; the whole *six Thousand Pounds* being thereby recited to have been paid to *Vanderchem*; and also inconsistent with the Declaration of Trust given by *Cole*; and even before the Statute of *Frauds and Perjuries* it was never allowed, that any Thing of a parol Agreement should be added or tacked to an Agreement in Writing, for that would render Writings of little Effect, and reduce all Things to Uncertainty.

Yet the *Lord Chancellor* dismissed Mr. *Hales's* Bill; and decreed the *one Hundred Pounds per Ann.* to the Wife, *Vanderchem* the Husband being broke, saying, altho' parol Agreements are bound by the *Statute*, and Agreements are not to be part Parol and part in Writing; yet a Deposit or collateral Security for the Performance of the written Agreement is not within the Purview of the Statute. And the Defendant, who was married in her Infancy, and her Trustees, who had made an improvident Agreement in Writing, did well afterwards upon Recollection to get that Deposit for the Performance of the Agreement.

And as to *Brown*, who had unadvisedly been persuaded to acknowledge Satisfaction on the Judgment, he having some Colour for so doing, because a *Scire facias* had been brought in his Name without his Privity, and Execution taken out before the Agreement was broken, or the Time lapsed for making the Purchase; and it also appearing by the Time the *Scire facias* was sued out, that Execution could not have been had before such Time as *Vanderchem* failed, and became a Bankrupt; and he had no Lands that could be affected with the Judgment; therefore

therefore only condemned him in Costs, and to answer Damages in Case the Wife should think it worth her while to bring a *Quantum damnificatus* by the acknowledging Satisfaction on the Judgment; but with all declared, that if he had done it designedly and corruptly, as for a Reward, &c. he should have been decreed to stand in the Place of *Vanderchem*, and to have made good the Marriage-Agreement.

Case 556.
Nov. 26.

Moore versus Godfrey.

Legacies are given to A. B. and C. to be paid at their respective Marriages, and if any of them

SIR *William Coventry* devised 1500 *l.* to his *three* Co-Heiresses to be paid at their respective Marriages, as well Principal as Interest; and if any of them died unmarried, her Legacy to go to the Survivor or Survivors. One of them dies unmarried, the Survivors shall not receive her Legacy before their respective Marriages.

One of the *three*, who was the Plaintiff, married and received her Share; the *second* Niece died unmarried.

Question was, Whether the 500 *l.* that accrued to the Plaintiff and Defendant, by the Death of the unmarried Sister, was subject to the Condition of marrying, the Condition not being again repeated.

Per Lord Chancellor: The Condition shall go to the Whole, as well to what accrued by Survivorship, as to the original Devise.

Sir *Litton Strode* versus *Dominam Ruf-* Cafe 557.
sel, Dominam Falkland, &c.

SIR *William Litton* being seised of several Manors and Lands in *Hertfordshire, &c.* the antient Estate of the Family, of about 3000*l. per Ann.* and also of Lands of his own Purchase, Freehold and Copyhold, of about 600*l. per Ann.* and possessed of a great personal Estate, and having no Issue, but *two* Sisters of the whole Blood, *viz.* the Lady *Russel*, who by Sir *Francis* her Husband, had Issue several Daughters, and the Lady *Strode*, who died in his Life-time, and left Issue by Sir *George Strode* her Husband, the Plaintiff Sir *Litton Strode*, and the Lady *Falkland*, a Sister of the half Blood; made his Will, and after a Devise of Part to his Wife for Life, and other Legacies, devised to the Plaintiff his Nephew, all other his Lands, Tenements and Hereditaments *out of Settlement*; provided he took upon him the Surname of *Litton*, and subject to raise 4000*l.* in case the Testator left a Daughter.

A. by Virtue of several Settlements, being Tenant in Tail after Possibility of Issue extinct, of some Lands, Remainder in Fee to Trustees, in Trust for him and his Heirs; and as to some other Lands being Tenant for Life, Remainder to his first, &c. Sons, Remainder to Trustees in Fee, in Trust for the right Heirs of B. whose Heir he was;

and as to other Lands being Tenant in Tail, Remainder to the right Heirs of his Father; and having no Issue, by Will devised to his Nephew all his Lands, Tenements and Hereditaments *out of Settlement.* Decreed all the Lands so settled to pass by this Devise.

The Chief Point in the Case was, what should pass by the Devise of Lands, Tenements and Hereditaments *out of Settlement.*

Upon the several Settlements that had been made in the Family,

As to the Manors of *Half-hide* and *Homerly*, Sir *William* was Tenant in Tail after Possibility of Issue extinct by *Mary* his first Wife, with a Remainder in Fee in Trustees in Trust for him and his Heirs.

As to the Manor of *Knebworth*, he was Tenant for Life, with contingent Remainders to his *first* and other Sons, Remainder to Trustees in Fee, in Trust for the right Heirs of Sir *William Rowland Litton*.

As to the Manors of *Austy* and *Stolford*, and several Houses in *London*, Sir *William* was Tenant in Tail, Remainder in Fee to the right Heirs of Sir *Rowland Litton*, which Sir *William* then was.

And it fell out, that Sir *William* after making of his Will, and before the Codicils, purchased some Lands, and foreclosed, and had Releases of the Equity of Redemption of some Mortgages in Fee.

As to the *first* Point it was insisted by the Defendants, that the Words *out of Settlement* must not be rejected, but must be of some Force and Operation, being plainly restrictive Words; and the rather, because they come not accidentally, as the Phrase or Expression of the Penner or Drawer of the Will; but industriously, and more than once repeated in the Will: And therefore it was insisted, that either all the Family-Estate comprised in any of the Settlements should be excluded, and only the new purchased Lands to pass; or at least-wise such Lands whereof the Settlements were in Force, and the Uses of the Settlements not so spent, but that the Lands, if not devised, would go according to the Limitations in the Settlements, and not to Sir *William's* Heir; as the Manor of *Knebworth*, &c. where the last Limitation was to the right Heirs of Sir *Rowland*; there those Lands would by Virtue of the Settlement descend to all the *three* Sisters, *viz.* to the Lady *Falkland* the Sister of the half Blood, as well as to the Sisters of the whole Blood. So plainly the Settlement did influence those Lands, and they might be said properly enough, to be under Settlement.

ment. And it was proved by Witnesſes in the Cauſe, that Sir *William* expreſſed great Kindneſs for the Lady *Falkland*, and ſaid his Anceſtors were wiſer than he, and he would not diſturb what Settlements they had made, or to that Effect.

But the *Lord Chancellor* aſſiſted with the *Maſter* of the *Rolls*, Lord Chief Juſtice *Trevor*, and Juſtice *Tracy*, concurred in Opinion.

That the whole Family-Eſtate was well deviſed, and that the Words *out of Settlement*, as the Caſe fell out, would have no Effect.

Fiſt, Becauſe beyond all Queſtion, he had a Power to deviſe the Whole, as being intituled either in Poſſeſſion, or as right Heir to Sir *Romland* to the laſt Remainder in Fee; and as he had Power to deviſe, ſo the Words were ſufficient to paſs the Whole; for the Remainder, or Reverſion in Fee, is an Hereditament.

And as Authorities, cited the Caſes of *Cook* and *Gerard*, 1 *Lev.* 212. where a Man having deviſed to his Wife a Houſe for one Year after his Death; and having before ſettled *Spain's Hall* on his Daughter for Life; then deviſes all his Lands not ſettled, or deviſed, to *Thomas Kemp* and his Heirs; and adjudged the Reverſion of both well deviſed. And 2 *Vent.* 285. the Caſe of *Willowes* and *Lidcott*, and a Reverſion is an Hereditament out of Settlement.

Although the Words *out of Settlement* ſeemed to be uſed in Contradiſtinction to Lands in or under Settlement, and properly Lands under Settlement, is where the whole Inheritance is ſettled, and diſpoſed of; as if the Teſtator had been Tenant in Tail, Remainder in Fee to another; there the Whole had been under Settlement, though he might have barred the Remainder by a Common

Lands settled
with a Pow-
er of Revo-
cation, will
not pass by a
Devise of
Lands out of
Settlement.

mon Recovery. If the whole Inheritance had been settled, but there had been a Power of Revocation; altho' the Testator might have revoked it, it should not have passed by this Devise, because the Whole is properly under Settlement, though liable to be revoked.

Had the Testator only intended the new purchased Lands should have passed, he would have said so; but his chief Design seems to be to keep up his Name, and preserve the antient Estate in his Name and Family; and therefore he obligeth his Nephew *Strode* to change his Name.

Secondly, If the Testator had intended only the new purchased Lands should pass, and all the antient Estate to have gone to his Daughter, he would not have charged those Lands with 4000 *l.* for a Daughter.

Thirdly, The Testator has devised to his Wife Part of his Lands in Settlement, and then subjoins, and all other my Lands out of Settlement, I give to my Nephew *Strode*, &c. which shews that he intended to pass Lands comprised, or within that Settlement.

Fourthly, Although by some of the Settlements the half Blood might be entitled to come in for the Reversion, as right Heir of Sir *Rowland*; yet there is no Reason to think, the Testator intended to exempt Lands for the Sake of a Sister of the half Blood, and devise away that which would have gone intirely to his Sisters of the whole Blood; and cited the Case in *Hob.* 51. Some loose Words shall not control the main Design of a Will.

And Mr. Justice *Tracy* was clear of Opinion, that no parol Proof ought to have been received, according to the Rule given in *Cheyney's Case*, 5 *Rep.* No Proof ought to supply the Words of a Will. If a Devise be to one of the Sons of *J. S.* who hath several Sons, the Devise is void

No parol
Proof ought
to supply the
Words of a
Will.
Ant. Ca. 531^o

void, and shall not be supplied by any parol Proof; nor is any Regard to be had as to Expressions, before or after making of the Will, which possibly might be used by the Testator on Purpose to control or disguise what he was doing, or to keep the Family quiet, or for other secret Motives and Inducements: But the Will, that must pass the Land, must be in Writing, and must be determined only by what is contained in the written Will.

As to the other Points it was also unanimously agreed,

First, That Mortgages in Fee, although forfeited when the Will was made, did not pass by the general Words. Mortgages in Fee, though forfeited, will not pass by a general Devise of all my Lands, Tenements and Hereditaments.

Secondly, Altho' he afterwards foreclosed those Mortgages, or obtained a Release of the Equity of Redemption, they should not pass by the Will, but go to the Heir at Law. Nor will they pass by such a general Devise, though the Equity of Redemption is afterwards foreclosed, or released.

Thirdly, No Pretence that Copyhold Lands should pass, which were not surrendered to the Use of the Will: In *Kettle* and *Townshend's* Case, by the Judgment in the House of Lords, Want of a Surrender not to be supplied for the Sake of a Grandson; much less for a Nephew.

Fourthly, As to Lands purchased after the Making of the Will, but before the Codicils, those Lands could not pass: The Codicils concerning only some personal Legacies, could not amount to a Republication of the Will, as in the Case of *Beckford* and *Parnecot*, 3 *Crook*. A Codicil, which concerns only personal Legacies, will not amount to a Republication of the Will, so as to pass Lands purchased after the Making of the Will.

Case 558. *Lupton & ux' versus Tempest & al'.*
Nov. 22.

Where Husband and Wife demand the Execution of a Trust of a real Estate, devised by Will for the Benefit of the Wife, it must be decreed according to the Will:

But where the Husband

Prothonotary Tempest having by his Will devised some Fee-Farm Rents to Trustees, to be conveyed to his Daughters at their respective Ages of *Twenty-one*, or Marriage, the Plaintiff married one of the Daughters without the Consent or Privity of her Relations, and without having made any Settlement upon her; and now they brought their Bill to have a Conveyance pursuant to the Trust.

comes for a personal Demand in Right of his Wife, the Court may impose Terms on him.

The Defendants confessed the Will, and admitted the Trust, but hoped the Husband, having made no Settlement on his Wife, should be obliged so to do; or that otherwise the Fee-Farm Rents should be settled, as a Provision for the Wife and Children.

Per Lord Chancellor: Where Husband and Wife join, and demand an Execution of the Trust of a real Estate, it must be decreed according to the Will, because the Wife demands it; and it cannot be denied, but she may require an Execution of a Trust.

But where a Husband comes for a personal Demand in the Right of his Wife, or for raising a Sum of Money, there the Court may impose Terms on the Husband, as being in Diminution of the Husband's Right. But here the Wife is the *Cestuy que Trust*, and demands an Execution of it; and when she has it, may choose whether she will convey it to her Husband or not.

Lamas versus Bayly.

Case 559.

PLaintiff being about to purchase from the Coheirs of Mr. *Guifford* an old House and Toft of Ground in *Hoxton*, adjoining to his own House, designing thereby principally to secure his Lights, and to add a small Part of it to his own House; and the Defendant being also in Treaty to purchase. The Plaintiff and Defendant met together; and it was proposed and agreed unto, that the Plaintiff *Lamas* should desist, and permit the Defendant to purchase; and thereupon the Defendant should permit the Plaintiff to have at a proportionable Price the Slip of Ground he desired for a Convenience to his House, and to prevent the Stopping up of his Lights. The Plaintiff desisted accordingly, and the Defendant purchased; but afterwards refused to perform the Agreement.

A. and B. being severally in Treaty to purchase a House and Toft of Land of J. S. they agree by parol, that A. shall desist, and that B. shall purchase, and let A. have Part of the Ground, which he wanted, at a proportionable Price. B. purchases, and refuses to perform the Agreement. This

Agreement is within the Provision of the Statute of Frauds.

The Plaintiff brought his Bill, and obtained a Decree at the *Rolls*; it being insisted, that altho' it was an Agreement *parol*; yet it was in Part executed by the Plaintiff's desisting from prosecuting his Purchase, who otherwise might have purchased for himself; or at least have enhanced the Price, the Defendant was to pay, so that the Defendant had a Benefit by it; and besides it was a Fraud, and like the Case where a Man agreed to purchase as Agent for another; and would afterwards retain the Purchase to himself.

But upon an Appeal to the *Lord Chancellor*, the Decree was reversed, as being a *parol* Agreement, within the Provision of the Statute against *Frauds*.

D E

D E

Term. S. Hillarii,

1708.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Cafe 560.
Lord Chan-
cellor.

Dean & ux versus Lord *Delaware*.

An only
Child of a
Freeman of
London not
fully advan-
ced, is to
have a full
Third of the
personal E-
state, with-
out Regard
to what has
been paid for
her Portion.

THE Lord *Delaware* having married the sole Daughter and Heirefs of Mr. *Freeman*, a Merchant and Freeman of *London*, he in his Life-time had entred in his Book several Sums of Money, as paid to the Lord *Delaware* in Part of his Wife's Portion, and in Part of a greater Sum due for her Portion, yet unpaid; and afterwards in his own Books retracted what had been before done, and made the Lord *Delaware* Debtor for all the Monies so paid: And having so done made his Will, and thereby mentioned to devise one *third* Part of his Estate to his Wife; another *third* Part to his Daughter, according to the Custom of the City of *London*, and gave great Legacies out of, and to the Amount of, the other *Third* of his personal Estate, and dies. After his Death, the Plaintiff *Dean* having married Mr. *Freeman's* Widow; they brought their Bill for an Account, and a Discovery of the Estate, (the Lord *Delaware* being made Executor of the Will, and having possessed the Estate) and to have a *Third* paid them according to the Custom of the City of *London*.

Defendant by Answer did not mention any Thing, as to what Portion he had or expected, nor was it insisted on at the Hearing; but the Court decreed the Estate to be divided into *Thirds*, and one *Third* Part thereof to be paid to the Plaintiffs.

Upon the Account before the Master, the Plaintiffs insisted the Lord *Delaware* ought to be made Debtor for the Sums mentioned to have been paid him in the Testator's Books. On the other Hand the Defendant insisted, that what he had received in Part of his Wife's Portion, he ought to retain, and to have it made up 10000*l.* which he pretended was the Sum agreed upon; and to have a *Third* by the Custom, or by the Will over and besides.

And this Matter coming now before the Court on the Master's special Report,

The Lord Chancellor was of Opinion, *first*, that there was no sufficient Proof that the Portion was to be 10000*l.* but what had been once entered down by the Testator as paid upon the Account of the Portion, he could not afterwards retract; nor make the Lord *Delaware* Debtor for it; and therefore what had been so paid, ought not to be brought into the personal Estate.

And it being further insisted, that the Defendant, as being the only Child, was intitled to the *third* Part by the Custom of the City of *London*, without Regard had to what had been so paid; and for that Purpose cited the Case of *Wood and Fettiplace*, 17 *Jac.* 1. where an Orphan, who was advanced with a Sum of 200*l.* the being the only Child, was not to bring it into Hotchpot. And in all Cases where a Child is to bring into Hotch-

In all Cases where a Child is to bring into Hotchpot, it is only into

7 X

general

the Childrens Part, and not into the Estate in general. Vol. 1. Case 339.

general Estate; and the Entries in the Books shew, that but Part of the Portion was paid, and *that* amounts unto a Declaration that the Child was not fully advanced; and also is a Writing under the Testator's Hand, which states the *Quantum* of the Advancement; and if they were not intitled by the Custom, yet they were by the Will intitled to a *third* Part of the Estate.

Vol. I. Case
213.

Where a Child is advanced in the Father's Lifetime, and it appears by Writing under his Hand, what that Advancement was, this will let her into her Share by the Custom.

To which it was answered, that by the Custom, if a Child is advanced in Marriage, *that* bars any Claim by the Custom, unless it does appear by Writing under the Father's Hand, what that Advancement was. That the Father's Declaring, that the Child was fully advanced or not advanced, was of no Avail, unless it appeared what the Advancement was in Certainty; to the Intent it might be known, whether such Advancement did amount unto as much as would have belonged to the Child by the Custom: And therefore in the Case of *Turner* and *Longland*, decreed lately by the *Lord Chancellor*, where the Father by his Will, on Purpose, and to the Intent to exclude his Daughter, declared she was fully advanced; but happened to over-do it, and mentioned that he had fully advanced her with the Sum of 500*l.* *that* not being as much as her customary Part amounted to, and the Certainty thus appearing, let her into her Share by the Custom.

But in this Case, the Certainty of the Advancement, doth not appear. In the Book several Sums are entered as paid in Part of the Portion; but it is not declared under the Testator's Hand, that *that* was or was not the Sum, wherewith he had advanced his Daughter; so that the Certainty of the Advancement did not sufficiently appear.

Secondly, If it was to be taken, that the Sums entered in the Book to be paid in Part of the Portion, was the whole Advancement; yet if *that* did amount to as much

as her Orphanage Share, that would exclude her from claiming any Thing by the Custom; for a Child is to be let into the Share by the Custom only, where the Child has not Right done her, and has not received as much as her Share by the Custom: And in this Case it was insisted, that even what appeared by the Books to have been paid in Part of the Portion, amounted to a *Third* of the personal Estate and more; and therefore she was excluded, although the Certainty of the Advancement had sufficiently appeared.

And as to claiming a *Third* by the Will, it is plain the Testator once intended to have given a Portion, and expected a Settlement, and had paid several Sums in Part of the Portion; but finding no Settlement could be made, wrote off what before he had paid in Part of the Portion, and made the Lord *Delaware* Debtor for it; and having so done made his Will, and devised a *Third* to his Daughter according to the Custom; but then she must take it as intended by the Will, and not have a *Third*, and what was paid in his Life-time over and besides; but must either account for what the Lord *Delaware* is made Debtor in the Testator's Books, or renounce the Will, and only have what he has received already, made up a full third of the Estate.

Lord Chancellor. What is paid in Part of the Portion, and so entered by the Testator in his Books, he could not recall or write off again, or make the Lord *Delaware* Debtor for it.

If a Freeman of *London* enters in his Books several Sums of Money as paid on Account of his

Daughter's Portion, he cannot afterwards write off those Sums, and make the Husband Debtor for them.

And the Matter as to the Custom, whether the Defendant is excluded or not, is not before the Court; the Decree being only that the Plaintiff shall have a *third* Part: Whereas if the Daughter is barred, the Widow would claim a Moiety, and that Matter not being proper upon the Report,

Where an only Child is fully advanced, the Wife will be intitled by the Custom to a Moiety of the personal Estate.

At

At the present only declared, that what had been paid the Lord *Delaware* in Part of the Portion, was not to be brought into the Estate; and left it to the Master, with this Direction, to take the Account, and certify whether what the Defendant had received in Part of the Portion, did amount unto a *Third* of the whole Estate.

Cafe 561. *Green versus Wood & ux', & econtra.*

An Agree-
ment for a
Purchase ob-
tained from
a Woman
of *ninety*
Years of Age,
and several
suspicious
Circumstan-
ces appear-
ing, the
Court would
neither de-
cree it to be
carried into
Execution a-
gainst the
Heir at Law,
nor to be de-
livered up.

IN 1694, *Leonard Robinson*, an Attorney, obtained a Writing from *Elizabeth Read*, then *ninety* Years of Age, purporting that she being intitled to an Estate in *Essex*, as Sister and Heirefs of *John Green*, in Case one *Fermin Green* died without Issue, in Consideration of 400*l.* mentioned to be paid and secured to her, she bargains, sells and conveys all her Right and Title, Remainder and Expectancy to the same, to the said *Leonard Robinson*. No Part of the Money was paid, and *Robinson* pretended he made the Contract in Trust for *Fermin Green*; but made no Declaration of Trust, or Assignment to *Green*: But *Green* in 1695, paid 100*l.* to *Robinson* to be paid over to Mrs. *Read* on executing Conveyances, and gave him 20*l.* for his Pains; but afterwards took Bond for Repayment, with Interest from *Robinson*.

In 1696, a Bill was brought by *Green* to compel an Execution, but no Proceedings therein. Then in 1704, Mrs. *Read* being dead, a Bill was brought against the now Defendant, as the Daughter and Heirefs of Mrs. *Read*. Then *Fermin Green* dying, the now Plaintiff brought his Bill of Revivor against the Defendant.

It was objected, the Agreement was obtained by an Attorney from an old Woman of *ninety* Years of Age, weak

weak in Body and Mind; could not distinguish a *Six-pence* from a *Shilling*, no Counsel, no Friend to assist her.

Secondly, The Agreement not fairly drawn; she bound; and it was not only as an Agreement to convey, but imported to be a Conveyance; and yet the 400 *l.* neither paid nor secured.

Thirdly, Surreptitious and a Surprise; it mentions Lands in *York* as well as *Essex*, when none such.

Fourthly, Not pursued or prosecuted recently, as it ought to have been; Nothing more than an Attachment; from 1699 to 1704 no Proceedings.

Fifthly, Plaintiff had sued *Robinson*, and recovered back the 120 *l.* as despairing that the Agreement would be performed.

Sixthly, The Estate is now fallen in Possession, and worth 5000 *l.* to be sold, and now the Plaintiff would have it for 400 *l.*

Lord Chancellor. Upon these Circumstances, too hard to be decreed in Equity, and dismissed the Bill without Costs; but would not decree the Writing to be delivered up on the cross Bill.

Ball versus Smith.

Case 562

Thomas Smith on his *first* Marriage, settled a Term of *five Hundred Years*, in Trust to raise 2000 *l.* for the Daughters of that Marriage, payable by Rents, Profits, Leasing or otherwise, at *eighteen* or Marriage; and married a *second* Wife, the Defendant *Smith*; and on that Marriage made the like Settlement, and Provision for

Daughters in like Manner. He having only the Plaintiff Mrs. Ball by the *first Venter*, and leaving his Wife *enfeint*, by his Will in 1684, devised Part of the Premises to the Defendant Mrs. Smith for Life; and in case the Child she went with proved a Daughter, (as it did) he devised the Estate to Trustees, and directed them to convey forthwith to his Daughters, and pay them the Profits equally in the mean Time.

Mr. Smith the Testator died in 1684, and the Plaintiff having in 1693 attained her Age of *eighteen*, brought her Bill (*inter alia*) to have the 2000*l.* raised and paid. And the Decree by the Lord Somers, as drawn up, directed an Account, and decreed the Profits from the Death of the Father.

In the Defendant's Petition for a Rehearing she complained, that by this Means the Profits were taken from her, though devised to her for her Life, and the Profits intended for the Maintenance of his *posthumous* Daughter Fowler Smith.

Lord Chancellor. The Wife ought not to quit what was devised to her for Life; but as to the Daughter, the Will is not plain and exprefs; and therefore the Wife shall not hold over for the Whole, but shall deduct a reasonable Allowance for Maintenance.

A. makes a Will and his Son Executor, but makes no Disposition

Smith the Father made his Son Executor, but made no Disposition of the Surplus; the Son dies without proving the Will. The Surplus shall be distributed amongst the next of Kin, at the Death of the Testator. *Post. Ca. 602.*

Question was, When and to whom Distribution shall be made; Whether to the Widow and Son of old *Smith*; or whether the Son dying without Probate, the Distribution shall be amongst the next of Kin at that Time.

Lord Chancellor. Smith is dead intestate ab initio.

Collins versus Plummer.

Case 563.
Feb. 4.

A Settlement to Husband for Life, to his intended Wife for Life, Remainder to the Heirs of the Body of the Husband, on the Body of the Wife, Remainder to his own right Heirs.

A. on his Marriage settles Lands to the Use of himself for Life, then to the Wife for Life, Re-

mainder to the Heirs of his Body begotten on the Wife, Remainder to his own right Heirs; and covenants in the Settlement not to bar the Intail, nor suffer a Recovery; and having one Daughter, to whom on her Marriage he had given a good Portion; he suffers a Recovery, and by Will devises the Estate to his Daughter for Life, and to her first, &c. Sons in Tail, with Remainders over. On a Bill for a specifick Performance of the Covenant, the Court would not decree it, but leave the Party to recover Damages at Law, for Breach of the Covenant.

With a Covenant that he would not dock the Intail, nor suffer a Common Recovery.

There being only a Daughter of that Marriage, her Father married her to the Plaintiff *Collins*, and gave her a good Portion.

And afterwards suffered a Common Recovery and devised the Estate to his Daughter for Life, and to her *first* and other Sons in Tail, Remainder to the Defendants his Nephews; provided if she survived her Husband, that she should have it in Fee to her and her Heirs.

Bill for a specifick Execution of the Covenant. For the Plaintiff: The Agreement is executory, and like a Covenant that a Man would not execute a Power; as in the *Lord Peterborough's Case*, the *fifteen Leases* set aside.

Lord Chancellor. This Case differs; for there was an Agreement, subsequent to the raising of the Power, to extinguish it; but here all is in the same Deed: So you knew he had Power to bar, and therefore agree to accept of a Covenant, by which to have Damages, and
not

not the Thing in *Specie*; *that* would be to make it beyond the Agreement.

Cafe 564.
Feb. 5.
Lord Chancellor.

Oxwith versus *Plummer*.

PLaintiff was a Mortgagee, and afterwards had an absolute Conveyance of all that Messuage called *Bishops*, with all the Lands therewith used and enjoyed, or reputed Part or Parcel thereof, or whereof any in Trust for the Mortgagor were seised.

Elizabeth Wiseman, the Mortgagor, had a Right to *eight* Acres of Copyhold; but the legal Estate was in Sir *Richard* her Father; and although the *eight* Acres were Copyhold, yet there being no Surrender made of the Copyhold, Sir *Walter Plummer*, who had lent the Money to *Richard* and *Elizabeth Wiseman*, got a Surrender of the *eight* Acres, and brought an Ejectment.

Bill to be relieved.

Lord Chancellor. Here is no specifick Agreement for the Copyhold.

Secondly, A Debt before due the same, if longer Credit is given for it, as if the Money was then lent.

Thirdly, Possession of the Under-Tenant not sufficient to affect him with Notice.

Fourthly, I take it Nothing intended to pass but the Freehold, and affirmed the Decree.

3

Phillips & al' versus Willcox & al'. Case 565.
Feb. 8.

PLaintiffs were Assignees of a Statute of Bankrupt against *Blunt*. The Question was, Whether *Blunt* should be allowed a Witness: They produced a Release from the Bankrupt of all Goods, Chattles, Debts and Credits in a Schedule to the Assignment mentioned, and a Bargain and Sale of all the Estate he was intitled unto. Bankrupt having released and assigned all his Estate to the Assignees may be examined as a Witness for them.

Secondly, As a Bankrupt is intitled to the Surplus, and intitled to a Share by the late Act of Parliament, he is not to be received as a Witness to disprove the Sale of Goods, and Receipts under his Hand. *Sed non allocatur.*

Thirdly, They may produce a Release and Bill of Sale in Court, but cannot examine him to the Time of the Execution of it. *Sed non allocatur.*

Lord Chancellor. Creditors are to have reasonable Assistance. Bankrupts agree and consent to make fraudulent Assignments and Sales, that sap the Foundation of the Statutes of Bankrupt. Sworn by *Blunt*, that it was a fraudulent Sale; but 70*l.* paid, the other 100*l.* to be paid to the Bankrupt with Interest, and since paid to him, and yet prime Cost 390*l.*

Issue, what was the Value of the Goods at that Time.

Case 566.

Feb. 21.

Lord Chan-
cellor.*Burdett versus Willett & al'.*

A. employs
B. as his Fac-
tor to sell
Cloth. B.
sells the
Cloth on
Credit, and
before the
Money is
paid, dies
indebted by
Specialty
more than
his Affets will
pay. This
Money shall
be paid to
A. and not
to the Ad-
ministrato^r
B. as Part of
his Affets ;

THE Plaintiff having made Mr. *Willett* his Factor to sell some coarse Linen called *Croins* ; he took them up at the Custom-House, &c. and sold them to the Defendants *Wingfield* and *Bowater* for 115 l. and before Payment died indebted by *Specialty*, more than his Affets will pay ; and (*inter alia*) on his Marriage by Articles covenanted, if his Wife survived him, to leave her 3000 l. His Widow had now taken Administration, and insisted that the 115 l. in the Hands of *Wingfield* and *Bowater* should be liable, not only to reimburse what was due to *Willett*, as Factor ; but should come into the Affets, and be liable to her Articles and Debts by *Specialty*.
but thereout must be deducted what was due to B. for Commission.

Decree the Money to be paid to the Plaintiff, discounting thereout what was due to *Willett* as Factor, and that with Costs, as having made an ill Defence, to satisfy her Articles out of the Plaintiff's Estate. The Factor is in Nature of a Trustee only ; and although he has the Right at Law, yet he is in Equity but a Trustee.

Case 567.

Lillcott versus Compton.

PLate shall pass by a Devise of Household Goods.

Case 568.

Phiney versus Phiney.

The Son and
Heir intitled
to 500 l. un-
der a Mar-
riage Agree-
ment, de-
creed to bring it into Hotchpot upon the Statute of Distributions, tho' in Nature of a Purchaser.

PLaintiff's Father, on the Marriage of the Daughter of *Buck*, covenanted in Case of a *second* Marriage

creed to bring it into Hotchpot upon the Statute of Distributions, tho' in Nature of a Purchaser.

riage to pay the *first* Son by the *first* Wife 500*l.* there was a Son and several other Children of the *first* Marriage; the Father died intestate.

Per Cur. The Heir must bring the 500*l.* into a Hotchpot, although in Nature of a Purchaser under Marriage-Settlement.

D E

Term. S. Michaelis,

1709.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Case 569.
Dec. 6.*Corbett & ux' versus Maydwell.*

A Term is limited in Remainder after the Father's Death, in Trust, if he died without Issue Male, and there should be one or more Daughters unmarried, or unprovided for at his Death, the Trustees were to raise

AN Estate limited to the Father for Life, to the Wife for Life, Remainder to Trustees for *five Hundred Years*, in Trust, if *Maydwell* died without Issue Male by *Margaret*, or if his Issue Male died without Issue Male before *Twenty-one*; and if there should be one or more Daughters unmarried, or not provided for, at the Time of his Decease, as therein after is mentioned; the Trustees were to raise 2000 *l.* to be paid at *eighteen* or Marriage, or as soon after as could be conveniently raised, by Lease, Mortgage or Sale.

2000 *l.* for their Portions, to be paid at *eighteen* or Marriage. The Mother being dead, and there being one Daughter who was married, and no Issue Male; the Court would not decree the Portion to be raised in the Life of the Father, it not vesting till his Death. *Post. Ca. 583. 1 Salk. 159.*

The Wife died; the Father survived; the Daughter attained *eighteen* in 1700, and in 1708 married.

Question

Question was, Whether she could have any Portion or Maintenance in the Life-time of the Father.

The Cases of *Staniforth* and *Staniforth*, and *Gerrard* and *Gerrard*, 29 Feb. 1703, cited for the Plaintiff. *Ant. Ca. 420.*
Ant. Ca. 419.

For the Defendant it was insisted, *first*, that the Words were, if the Father die without Issue Male by *Margaret* his Wife: So there must be, not only a Failer of Issue Male, but he must be also dead; as was resolved in the Case of the Duke of *Southampton*.

Secondly, It is only for such Daughter, as at the Death of the Father should be left unprovided for.

Lord Keeper. I must adjudge by what appears on the Settlement, no foreign Proof to be admitted; as yet it appears to me harder to raise the Portion in this Case, than in any that have yet been adjudged. This Case differs from *Staniforth's*, because there the Question was, Whether the Term was vested; and it was taken *pro concessio* the Portion was vested.

Upon the Wording of the Trust; if in Case it shall happen the Father shall die without Issue Male, and shall leave a Daughter unmarried, or not provided for at his Death.

In Case of a Son, the Daughter was not to have a Portion until Failer of Issue Male, although she might be then *forty* or *fifty*; when there happened to be a Failer of Issue Male.

Nothing irrational, that a Father should insist, that a Portion should not be raised in his Life-time.

If in Cases *similar* the Court has gone so far.

Cafe 570.
Dec. 12.

Brice versus Whiteing.

A Man dies
Intestate be-
fore the Sta-
tute of Di-
stributions
takes Place,
but Admini-
stration is
granted af-
ter. His per-
sonal Estate
shall be di-
stributed ac-
cording to
the Statute.

ALthough the Intestate died before the Year 1670, yet Administration being granted after the Making of the Statute, his personal Estate is liable to a Distribution. The Words of the Act being, that it shall be lawful for the *Ordinary* upon granting Administration of Persons dying intestate after *June* 1670, to take a Bond for Distribution.

D E

Term. S. Hillarii,

1709.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Speering & al' versus Degrave, Gallway Cafe 571.
& al'.

Gallway, as Master of the Ship of which other Defendants were Part-owners, bought several Goods of the Plaintiffs; as Beef, Bisket, Sails, Cordage; *Gallway* the Master failed. The Bill was to compel the Defendants, the Part-owners, to pay; who insisted, that *Gallway* only was liable; and besides that he had Money from the Owners to pay the Plaintiffs.

Master of a Ship buys Provisions for the Ship, and has Money from the Owners to pay for the Provisions, but fails without paying the Money. The

Owners are liable to pay in Proportion to their respective Shares in the Ship.

Per Cur. *Gallway* the Master was but a Servant to the Owners; and where a Servant buys, the Master is liable. If the Owners paid their Servant, yet if he paid not the Creditors, they must stand liable: And decreed the Owners to pay the Plaintiffs their Debts in Proportion to their respective Shares and Interests in the Ship.

Master of a Ship is but a Servant to the Owners.

Cafe 572. *Hobart* Bar. versus Comitiff. *Suffolk*,
Maynard, *Colchester*, & al'.

Lands are devised to 3 Persons and their Heirs to the Use of them and their Heirs, upon the Trusts after mentioned, and then the Testator directs them to convey Part to A. for Life, and other Part to B. in Tail; but gives no Direction as to the Remainder in Fee.

Though two

of the Trustees were related to the Testator; yet the Remainder in Fee will not belong to them, but be a resulting Trust for the Testator's Heir.

Serjeant *Maynard* by Will devised to the Countess of *Suffolk*, the Lord *Gorge*, and the Defendant *Colchester* and their Heirs, to the Use of them and their Heirs, all his several Manors and Lands upon the Trusts after mentioned; and then directs that after the Death of the Countess his Wife, they should convey Part of the Estate to *Hobart* for *Ninety-nine* Years, if he so long lived; Remainder to his Wife as to Part for Life, Remainder to the first Son for Life; and other Part of his Estate in like Manner to his Granddaughter the Countess of *Suffolk*, and her Issue Male for Life, with a cross Remainder, on Failer of Issue Male of either of them; the Will saying nothing more as to the Remainder in Fee.

A Question was now made by Mr. *Colchester*, and insisted upon, that on Failer of Issue Male, both of *Hobart* and *Stamford*, the Remainder of the Estate was to go to the Trustees, and could not be a resulting Trust for the Heir; the Devise being to them and their Heirs upon the Trusts after mentioned, which imports only that they should be Trustees for the Purposes after mentioned, and when those Estates were spent, it was to remain with them and their Heirs, to the Use of them and their Heirs, which excludes any Trust for the Heir at Law.

Lord Chancellor. This is not fully within the Reason of the Case; where a Devise or Grant is in Trust for Payment of Debts, there the whole Estate is affected with the Trust; but here the Remainder is not affected

with any Trust declared; but considering the Devise to *three* Persons, and the Lord Gorge no Relation to the Testator, it could not be intended a Provision or Bounty, as it might have been, if the Devise had been to *Colchester* alone; and decreed the Remainder in Fee to the Testator's right Heir.

Countess of *Bristol* versus *Hungerford*. Case 573.

Devise of real Estate to Executors to be sold for Payment of Debts, the Surplus, if any be, to be deemed personal Estate, and go to his Executors, to whom he gave 20 *l.* apiece.

A. devises his real Estate to his Executors to be sold for Payment of Debts; the Surplus, if

any, to be deemed personal Estate, and go to his Executors, to whom he gives 20 *l.* apiece. Surplus decreed to the Heir at Law.

Decreed the Surplus a Trust for the Heirs at Law, and affirmed in Parliament.

Cook and *Guarvas*. A Term for *five Hundred Years* in Trust to pay Debts, and *four Years* afterwards to attend the Inheritance. As soon as Debts paid, a Trust for the Heir.

A Term for 500 Years limited in Trust to pay Debts, and 4 Years after to attend the Inheritance.

As soon as Debts paid, a Trust for the Heir.

Sir *Cyril Wich* and *Packington*. 200 *l.* per Ann. for *sixteen Years* to pay Debts and Legacies; yet Surplus adjudged a Trust for the Heir.

200 *l.* a Year for *sixteen Years* to pay Debts and Legacies. Surplus a Trust for the Heir.

North versus *Crompton*, 1 *Chanc. Reports*.

Fol. 196.

Case 574.

Cherrington versus Abney Mil'.

Where an old House is pulled down, wherein were antient Lights, and a new one is built; the Lights in the new House must be in the same Place, and of the same Dimensions, and not more in Number than the Lights in the old House.

BILL for an Injunction to prevent stopping of Lights: There being *six* Lights in an old House; it was insisted, that in the New they should have but the same Number of Lights, and of the same Dimensions, and in the same Place, or else may stop up and blind them.

So must not make more Stories, more Lights, nor in other Places.

It is certain they cannot alter the same to the Prejudice of the Owner of the Soil; as if before so high, as they could not look out of them into the Yard, shall not make them lower and the like; for Privacy is valuable.

One Trial had, another directed.

Case 575.

Jan. 27.
in Court.

Chapman versus Salt.

MRS. Salt devised 50*l.* to Mary the Wife of *Leonard Chapman*. This Will was made in 1700; afterwards the Testator gave a Note to *Leonard Chapman*, for 50*l.* payable at Demand.

By Proofs it appeared, it was intended the Note should be in Lieu and Satisfaction of the Legacy.

Objected the Note was to one, and the Legacy to another: The Legacy to the Wife; the Note to the Husband.

If

If the Wife had survived, she would have had the Legacy, and the Executors of the Husband the Note.

Master of the Rolls. A testamentary Question. Evidence may be received.

Dismissed the Bill.

Gibson versus Cromwell, & contra.

Cause 576.
Jan. 27.

*O*liver Cromwell devised a Term for *Ninety-nine* Years, to Trustees for Debts and Legacies, and subject thereunto devised to *Richard Cromwell* his Father for Life, Remainder to the Plaintiffs his Sisters. The Debts and Legacies were paid by Sale of Timber and Wood; yet a Lease decreed to be made by the Trustee to a Tenant of Part of the Capital Messuage and Demesnes at 170*l.* per Ann. for *nine* Years certain, although opposed by the Reversioners.

Strish versus Pelham.

Cause 577.
Feb. 10.
Lord Chancellor.

*J*ohn Strish in 1686, sent for one *Holland* to make his Will, who took it in Characters from his Mouth, and read it to him, and he approved thereof; the next Day *Holland* brought the Will drawn up in *four* Sheets of Paper; but the Testator was not then sensible, and died.

After the Testator's Death, *Holland* who drew the Will, examined as a Witness.

Lady

Cafe 578. *Lady Granvill & al' verſus Dutcheſs of*
 Feb. 24. *Beaufort.*

Poſt. Ca. 601. **T**HE Duke by Will deviſed the Uſe of his Table-Plate to the Defendant, the Dutcheſs, for Life, and after her Death to the preſent Duke his Grandſon; and his *George*, and *Jewell* which he wore in his Hat, &c. to be delivered to him, and made the Dutcheſs Executrix, and left it to her as to the Funeral; and made no Diſpoſition by his Will of the Surplus of his Eſtate.

The Bill was for a Diſtribution of the Surplus.

Surplus not being diſpoſed of by the Will, Proofs were allowed to be read, that the Teſtator intended to give the Surplus to his Executor, it being to ouſt an Implication, or Rule in Equity. *Ant. Cafe 532. Poſt. Ca. 602.*

First, Queſtion aroſe, Whether it ſhould be admitted to prove the Duke intended to give the Surplus to the Executrix; and that he gave ſuch Inſtructions to Mr. *Price*, who drew the Will, and was ſince dead.

Ordered on Debate, that the Proofs ſhould be read to ouſt an Implication or Rule in Equity, that the Surplus of the perſonal Eſtate ſhould be taken from the Executors and be diſtributed.

Mr. *Price* the Drawer of the Will was dead, having lived about *ſix* Years after the Duke.

Proofs came ſhort of what they were in the Lady *Gainsborough's* Cafe; there at the very Time of the Execution of the Will, the Teſtator objected, that the De- viſe of the perſonal Eſtate was not inſerted in the Will; Mr. *Millner* who drew the Will inſiſted, and affirmed it was not neceſſary, and perſiſted in it. Here only what was ſaid, not at the Time of Execution of the Will; but

but what was said before or after the Making of it.

First, Not a Devise, but in Nature of an Exception.

Secondly, Objected, not an absolute Devise of the general Property, but a special Property.

Thirdly, By a Devise to the Duke of the Table-Plate, after the Death of the Dutcheſs, the Teſtator would have the ſpecial Property left in the Dutcheſs for her Life; but would not exclude her from the Surplus.

Lord Chancellor. I take it for granted my Determination will not be final. The Caſe in ſome Meaſure is determined by the Rule in the two Caſes, of *Lady Gainsborough*, and *Fofter and Mount*; both which were ſettled in the Houſe of *Peers*, which muſt bind inferior Jurif-
dictions, although an Innovation of the Law. Vol. I. Caſe 462.

The Proof of what *Price* ſaid in his Life-time is Evidence; but the ſlenderest Sort of Evidence.

An other Witneſs ſpeaks leſs and incertainly, that ſhe ſhould have it as Executrix, or to that Effect.

Third Witneſs, that the Duke gave Directions the Dutcheſs ſhould have the Eſtate to diſpoſe of as Executrix.

So that the Proof is to be laid out of the Caſe.

Next Point, how it ſtands on the Face of the Will; and that is to be directed by the Caſe of *Fofter and Mount*. Executors were Strangers. Answer. It has been ſo adjudged where a Relation is made Executor.

Secondly, The Devise of the Use of any Part is as strong an Implication that the Devisee should not have the Whole; and rather stronger, because more restrictive and more minute.

Thirdly, That it is only in Nature of an Exception, which is the strongest Objection, and like the Case of giving Books to *J. S.* except *six* to my Wife, which was rightly adjudged; but the Will is not so worded. If the Words of the Will had been, I give Plate to the Duke, except the Use of it to the Dutcheſs, it would have been within the Reason of that Case.

But all Wills depend upon the Nicety of the Word-
ing of them, as a Devise at *Twenty-one*, or when *Twenty-one*; and a Devise of 100 *l.* payable at *Twenty-one*.

Objection, That the Duke did not make his Will with Intent to die intestate, goes to all Cases of like Nature.

As to the Smallness of the Legacy, the *Major* and *Minor* not material.

Hoskins and *Hoskins*. After the Decease of my Wife, my Son to be Executor of all my personal Estate.

Decreed a Distribution, and the Dutcheſs to have her *Paraphernalia* over and above a *Third*.

D E

Termino Paschæ.

1710.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Holt versus Burley.

Case 579.

A Settlement made on the Marriage of *Will. Bullock* with *Sarah Gill*, of an Estate of the Wife's, called *Haylehurst*, limited to the Husband and Wife for Life, Remainder to their Issue, Remainder to the right Heirs of *William Bullock* the Husband. A Proviso that in Case the said *Sarah* survive the said *William Bullock*, *they not having Issue between them lawfully begotten*, that then the said *Sarah* might revoke the former, and limit new Uses. *William Bullock* died, *Sarah* survived him, and they had Issue *John*, who died in the Life of his Mother.

A Proviso in a Settlement, if the Wife survive her Husband, they not having Issue between them, then she may revoke the Settlement. Husband dies leaving a Son, who dies in the Life of his Mother. She may revoke the Settlement.

The Question was, Whether in Regard there was Issue living at the Death of the Husband, the Power of Revocation did arise.

The Plaintiffs, being Heirs at Law to *William Bullock*, insisted, *Sarah* had no Right to revoke; and cited the
Case

Cafe of *Brett and Partridge*, to refund 500 *l.* of the Portion, if the Wife died without Issue in *two* Years after the Marriage. There was Issue of the Marriage, who died within *two* Years: Yet adjudged, there being once Issue, no Refunding. *Econtra, Vincent and Lee* in 1 *Leonard* 285. if my Son departs this World not having Issue. 3 *Leonard* 106. 1 *Lev.* 35. *Goodwin and Clarke.*

Lord Chancellor. No Room for any Doubt in the Exposition of the Words and Meaning. If the Wife survives her Husband, they having no Issue; *that* is not to be confined to the Moment of his dying, but takes in the whole Time of her Life, that she survives.

Cafe 580. *D. Hamilton & ux' versus Dominum Mohun & al'.*

A. B. on the Marriage of her Daughter insists on a Bond from the Husband to give her a Release within *two* Years after the Marriage. Bond set aside. No Difference between such Bond and a Brokage-Bond.

ON the Marriage of the Plaintiff the Dutches; the Lady *Gerrard* her Mother insisted to have a Covenant from the Duke, in the Penalty of 10000 *l.* to give a Release within *two* Years after Marriage.

This Cafe comes under the Head of Extortion or Compulsion; but in Truth is in the Nature and Reason of Marriage Brokage-Bonds. No Difference between giving a Bond for procuring a Marriage, and a Bond to release Part of what became due. Decreed for the Plaintiff.

Bretton & ux' & al' versus Lethulier. Case 581.

*S*Amuel Lethulier devised the Surplus of his Estate to his Brothers Sir John, William and Abraham Lethulier, and the Children of his Brother Sir Christopher, and of his Sister Birkin, equally to be divided; and if any of my Brothers die before the Estate is got in and divided, his or their Share to go to his or their Children.

Surplus devised to the Testator's 4 Brothers, and if any of them died before the Estate was got in and divided, his Share to go to his

Children. One of them died in the Life of the Testator, leaving Children. Whether they shall take their Father's Share.

Abraham, one of his Brothers, died in the Testator's Life-time, leaving several Children. Sir Christopher his Brother left five Children. Mrs. Birkin had four living at the Testator's Death.

The first Question was, Whether Abraham dying in the Testator's Life-time, that lapsed Legacy should go to his Children.

Secondly, Whether the Children of Sir Christopher should be considered as one Person, and take a Fifth amongst them; or whether an equal Share with the Brothers; and so as to Birkin's Children.

Lord Chancellor. Abraham died before the Estate was got in and divided, but he died before the Testator; yet still he died before the Estate was gotten in and divided: But then it is objected, that his Share is to go to his Children, when he had no Share ever vested in him. But that is to be understood the Share intended him.

A Will speaks not until the Death of the Party; but the Construction is to be made as Matters stood at the

Ant. Ca. 548. Time of making the Will. The Case of *Ledsome* and *Hickman*, 300 *l.* to *three* at *Twenty-one*, if any die, to go to Survivors; one died in the Life of the Testator. A Debt is devised to 2. *Davis* and Lord *Bindon*. Devise of a Debt to *two*, if either died, to the other died, to the Survivor; one died before the Debt got in. *Lord Chancellor* was of Opinion, that *Davis* having survived the Testator, though he died before the Debt was got in. The Survivor was got in, was intitled to his Share of the Debt. But shall have the whole Debt, the Lords reversed it.

D E

Term. S. Trinitatis,

1710.

In CURIA CANCELLARIÆ.

*Hickman versus Anderson.*Case 582.
June 10.

ON the Marriage of *Anderson* with *Mary Glynn*, a Term is limited after the Death of Father and Mother to raise Portions, if no Sons, for Daughters, payable at *eighteen* or Marriage. Provided such Daughters survive the Father. The Daughter married the Plaintiff *Sir Willoughby Hickman*, and died in the Life-time of the Father. Bill dismissed. A Strain even to sell the Term in the Life-time of the Father.

A Term is limited to raise Portions for Daughters, if no Sons; provided such Daughters survive their Father. A Daughter dies in the Life of her Father. Her Portion shall not be raised.

*Corbett versus Maydwell.*Case 583.
June 13.
Lord Chancellor.

Ant. Ca. 569.

CASE arises on the Settlement of *Mr. Maydwell*, an ill penned Settlement, where the Difficulty arises from a too great Multiplicity of Words. The Question is, whether the Portion is to be raised in the Life-time of the Father. From the blundering Expressions which it

it is hard to construe consonant to Reason, and agreeable to former Precedents. The Opinion I shall give, is from throwing out all the impertinent Words, and taking in the material Words only.

The Uses are first to *Thomas Maydwell* for Life, Remainder to Trustees, during the Life of *Tho. Maydwell*, to support contingent Remainders; Remainder to Trustees for *five Hundred Years*; Remainder to *Tho. Maydwell* in Tail-Male special: Then comes the Declaration of the Trust of the Term, which does not affect the Vesting of the Term, for that is absolute: But the Trust of the Term is declared, that in Case *Thomas Maydwell* shall die without Issue Male, and there shall be one or more Daughters, that shall be unmarried or unpreferred at his Death; such Daughter, if but one, to have 2000 *l.* for her Portion, and for her Maintenance 30 *l. per Ann.* out of the Profits, till her Portion becomes due; the Portion to be paid at *eighteen* or Marriage. Proviso, that the Term shall be void, if the said *Thomas Maydwell* pay or secure to the Daughter, that shall be unmarried at his Death, the said Portion of 2000 *l.* *Thomas Maydwell* survives his Wife, and by her had one Daughter, who attained her Age of *Twenty-one*, and married the Plaintiff *Corbett*; and they bring this Bill for her Portion of 2000 *l.*

Lord Chancellor. None of the Precedents come up to the Case. Question is not concerning the Term, but concerning the Trust.

If a Portion is directed to be paid at *eighteen*, or Day of Marriage, and the Term is absolutely vested; there the Daughter shall not expect during the Life of the Father, but it may be sold in the Father's Life, although a Term in Remainder and not in Possession.

Secondly, If the Trust of the Term had been on a Condition precedent, as to commence if the Father die
 2 without

without Issue Male by his Wife, in Trust to raise Portions for Daughters; there if the Wife be dead without Issue Male, leaving a Daughter; tho' the Father is living, the Term has been decreed to be sold; (but if *res integra* I should not decree it). But in Equity the Father is taken as dead without Issue, when the Wife is dead, by whom he was to have Issue. All that is contingent there has happened, by the Death of the Wife without Issue Male; and the Husband must also one Time or other die, as all Men must; and whenever he dies, he must die without Issue Male by that Marriage, his Wife being dead before. This is in Truth a Remainder, and depends no longer upon a Contingency.

This Court, as in some Cases they do prolong Time, so here have shortened it.

But if the Agreement is, that the Portion should be paid after his Death, it is hard to make it payable in his Life-time.

But in the present Case the Condition is precedent, in Case *Thomas Maydwell* die without Issue Male on the Body of *Margaret*: So far the Court has gone; but which shall be unmarried, or unpreferred, as therein is mentioned, at the Death of the Father: It must be for such Daughter as shall be unprovided for at the Death of the Father. So here I must say, he's dead without Issue Male in his Life-time; and also, that the Plaintiff is a Daughter unpreferred at her Father's Death.

Maintenance to be raised in the mean Time only out of the Profits. If *Maydwell* pay or secure the Portion to the Daughter, which shall be unmarried at the Time of his Death, or unprovided for, the Term is to be void and determined.

So the Case stronger than any of the Cases adjudged, or any of the Precedents.

The Presidents, *Hellier* and *Jones* : There the Question only was, when Interest should commence of a Portion payable at *eighteen* or Marriage, and no Contingency ; and there no Doubt, Interest payable in the Life-time of the Father.

Elizabeth Gerrard's Case ; which if considered, the Condition precedent to the Term is only in Failure of Issue Male of the Wife ; the Death of the Father no Part of the Condition.

The Trust to pay at *eighteen* or Marriage, next after the Death of the Father and Mother, which first happened.

Ant. Ca. 420. *Staniforth's* Case. There a Condition precedent to the Vesting of the Term, if they two shall dye without Issue Male, and there should be Daughters ; there the Term vested, although the Mother living. *Greaves* and *Mattison*, 2 *Jones's* Report 201.

Question, If Portions vested. There were *two* Daughters. *Three* of the Judges were of Opinion the Portions were vested, although the Father was then living ; and that the Term might be fold.

Case 584.
June 13.
Lord Chancellor.

Honour versus Honour.

Articles and Settlement mentioned to be made in Pursuance thereof, were both made before the Marriage ; but the Settlement varied from the Uses in the Articles. Decreed to go according to the Articles.

Articles to settle on the Father for Life, the Mother for Life, Remainder to the Heirs of the Body of the Mother by the Father.

Settlement was to the Father for Life, to the Mother for Life, Remainder to the Heirs of their *two* Bodies; and the Settlement is mentioned to be according to and in Performance of the Marriage-Articles.

Lord Chancellor. It appears not that the Parties intended to vary the Uses from the Articles, but seems to be only an Accident; and by Proof it appears a strict Settlement was intended. Neither Party understood the Limitations of the Settlement or Articles; but the Articles happen to agree with the Intention of the Parties, and the Settlement doth not.

Therefore decreed to go according to the Articles, although the Settlement was made before the Marriage.

Harvey versus Harvey.

Case 585.
June 16.

MR. Poklington had a Mortgage from *Quince*, and Bonds from the Defendant Mr. *Harvey*, and other personal Estate; and by a Codicil did devise to his Daughter, the Wife of *Harvey*, the Residue and Surplus of his personal Estate for her sole and separate Use, and made her Executrix: She proved the Will, and Mr. *Harvey* her Husband gave her a Note under his Hand, that she should have the Benefit of the Mortgage, *Quince* having by Will devised the mortgaged Premises, and other his real Estate to Mr. *Harvey*, and Mr. *Comper* for the Payment of his Debts.

A. devises the Surplus of his personal Estate to his Daughter, the Wife of *B.* for her separate Use, and makes her Executrix. Surplus being devised to the Wife, and not to Trustees, when it comes to the Wife, by Law it belongs to the

Husband: But whether Equity will not interpose.

In this Case it was admitted, that the Wife by the Note had a good Right to the Mortgage: But as to the Surplus of the Estate, the *Lord Chancellor* was of Opinion, *that* being devised to the Wife, and not to Trustees, when
it

it comes to the Wife, by Law it belongs to the Husband.

What the Husband has possessed by the Consent of the Wife, there is to be no Account for that.

As to the Mortgage, the Wife is intitled as well to the Interest, as the Principal due on the Mortgage; because he gave a Note for that: And altho' voluntary, yet it was grounded on natural Justice, and in Performance of the Will; by which it is plain the Testator intended it for the separate Use of the Wife, as far as by Law it might.

Reserve the Consideration as to the Surplus of the Estate, whether it belongs to the Husband, or to the Wife for her own separate Use and Benefit.

Case 586. *Trafford & ux' versus Sir Ralph Ashton & al'.*

A. devises to Trustees in Trust for his Daughter for Life, Remainder to the *second* Son of her Body, in Tail Male, and so to every younger Son, with Remainders over. There were *two* Sons, *B.* and *C.* *B.* died, and after his Death *C.* was born. *C.* tho' an only Son, shall take, he being the *second* Son in Order of Birth, and as the Will is worded, not to be excluded.

MR. *Vavasor* having an only Daughter, articles to pay 3000*l.* Portion, and Sir *Ralph* was to make a Settlement. After this Mr. *Vavasor* makes his Will, and devises all his Estate to Trustees, in Trust, that his Daughter might receive the Profits for her Life; Remainder to the *second* Son of her Body to be begotten, in Tail Male; and so to every younger Son. In Default of such Issue Male to her eldest Daughter, and to the *first* Son of her Body, taking on him the Name and Arms of *Vavasor*. And adds, that he did not by his Will devise the Estate to the eldest Son, because he expected his Daughter would marry so prudently, as that the eldest Son would be provided for. Sir *Ralph Ashton*, after having Notice of Mr. *Vavasor's* Will, marries the said Daugh-

ter

ter of Mr. *Vavasor*, and makes a Settlement on her, pursuant to the said Articles, by which he was to have a Portion of 3000 *l*.

It fell out *Edmund* the first Son of the Lady *Ashton*, died in twelve Months after his Birth; *Richard* the second Son lived 'till eighteen, and died without Issue, and was not born until after the Death of *Edmund*.

Question first, Whether *Richard* not being born 'till after the Death of *Edmund*, was a second Son within the Intent of the Will.

Secondly, Whether he was not to take on him the Name of *Vavasor*.

Thirdly, Whether the Articles ought to be performed?

Lord Chancellor. First, *Richard* was a second Son, and must take, although not according to the Testator's Design; but as the Will is worded, not to be excluded; the second Son is the second in Order of Birth.

Secondly, *Richard* the second Son dying in Minority not hindred from claiming, it was a Condition subsequent to defeat the Estate, and not precedent.

Thirdly, As to the Articles, Sir *Ralph Ashton* is intitled to the 3000 *l*. although he had Notice of the Will of *Vavasor*.

The negative Words in *Vavasor*'s Will, that he had not provided for the eldest Son, &c. not sufficient to exclude *Richard* who was the second Son by Birth, though afterwards he became the eldest. *Chadwick* and *Doleman*.

Ant. Ca. 476.

Cafe 587.
July 10.

Holland verſus Calliford.

A. on his Marriage gives Bond to leave his Wife, 500*l.* or a Third of his personal Estate at her Election. A. becomes Bankrupt.

ONE *Blanchard*, a Cabinet-maker, married the Sister of *Calliford*, who had 500*l.* Portion ſecured by Land. *Blanchard* on his Marriage, gives a Bond to leave his intended Wife, if ſhe ſurvived him, 500*l.* or a Third of his Estate at her Election.

Decreed the Wife to come in as a Creditor on her Bond, and what ſhall be paid in reſpect thereof, to be put out at Intereſt, which is to be received by the Creditors during the Bankrupt's Life, and the Principal to be paid to the Wife, if ſhe ſurvives him.

Blanchard became a Bankrupt. Bill by the Affignees to have the 500*l.* raiſed by a Sale, and decreed accordingly; but with this, that the Wife ſhould come in as a Creditor upon the 500*l.* Bond, and what ſhould be paid in reſpect thereof, to be put out at Intereſt, and received by the Creditors during the Life of the Husband; and if the Wife ſurvived, then the Money to be paid to her.

Cafe 588. *Drapers Company verſus Yardly & al'.*

A. deviſes Lands to B. in Tail, Remainder to C. in Tail, ſubject to the Payment of Legacies. C.

SIR *William Boreman* deviſed to *John Boreman* in Tail Male, and if he died without Iſſue Male, to *Yardley* in Tail Male, but to pay to the Plaintiffs 500*l.* and 1000*l.*

levies a Fine and five Years Non-claim paſs, and mortgages the Lands. Fine and Non-claim no Bar of the Legacies. C. having no Title but under the Will, the Mortgagee muſt be ſuppoſed to have Notice of the Legacies.

Yardley afterwards levied a Fine, (on which was five Years Non-claim) to the Uſe of him and his Heirs; and grants a Rent-charge of 100*l.* per Ann. to the Defendant *Smith*, and mortgages to *Norcliffe*.

Lord Chancellor. The Fine and Non-claim no Bar to the Plaintiffs, the Legatees under the Will; *Yardley* having no Title, but under the Will, is implicate Notice : And all other Purchasers, if any, to be brought in and contribute.

Morret & al' versus Westerne.

Cafe 589.
July 15.

THE Defendant *Westerne* after *ten* Years Suit, *four* several Reports, and *two* Trials at Law, obtained a Decree to foreclose Mrs. *Bennet* upon a Mortgage.

Subsequent Incumbrancers may redeem the first Mortgagee, though the

Mortgagor is foreclosed by a Decree ; and the Account taken in the Suit where such Decree was obtained will not bind the subsequent Incumbrancers.

Plaintiffs had Judgments and other Incumbrances on *Bennet's* Estate, subsequent to the Defendant's Mortgage, and now brought a Bill against the Defendant *Westerne* for an Account of Profits, and to redeem.

Defendant pleaded all the former Proceedings, the Taking the Account in an adversary Way, Reports and References, and Trials at Law, and Decree signed and inrolled, in Bar of any new Account to be taken ; and denied he had any Notice of the Plaintiffs Incumbrances.

The Plea over-ruled.

D E

Term. S. Michaelis,

1710.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Case 590.
Oftob. 27.*Cox versus Higford.*A Copyhold
is forfeited
for not re-
pairing;
whether E-
quity will
relieve.

PLaintiff, a *Quaker*, amerced for not coming to the Lord's Court, and taking the Oath of Fealty; and after the Copyhold Estate is presented for being out of Repair, and then a Forfeiture for not Repairing. In 1679 the Lord entered, and prevailed on the Tenant to attorn. An Ejectment is brought by the Plaintiff the Copyholder, and then a Rule of Court, that upon paying Costs, and repairing, the Copyholder should have an Account of Profits and Repairs.

The Want of Repairing was only of an Ox-house, set up by the Tenant for 40s. and a Wain-house.

Porter and *Thomas* cited. Issue, whether Waste with Intent to commit a Forfeiture.

Cudmore and *Raven*, the Court relieved the Defendant, a *Quaker*, against a Forfeiture for not doing Suit and Service.

Morley versus Earl of *Derby*, The Plaintiff relieved against a Forfeiture in felling of Timber.

Bill dismissed, because the Plaintiff's Neglect was not once or twice, but for *twenty* Years together he refused or neglected to do Suit and Service, and repair.

The Lord might lawfully enter, and having so done, the Tenant attorned.

A Bill afterwards brought, and he elected to go to Law; then a Rule of Court to pay Costs and to repair, but failed in Repairing.

Bill dismissed.

Davy versus *Hooper & al'*.

Case 591.
Nov. 17.

TWO Thousand five Hundred Pounds to be for the Issue of the Marriage, in such Proportion, as *William Davy* shall appoint: He died leaving only one Daughter, and made no Appointment; yet the Daughter well intitled.

2500*l.* is provided by Settlement for the Issue of the Marriage, in such Proportion as the Husband shall appoint: He dies, leaving a Daughter only, and makes no Appointment. She shall have the 2500*l.*

Decreed the 2500 *l.* to be raised.

Hancock versus *Hancock*.

Case 592.
Nov. 18.
Lord Keeper.

WHERE the Wife of a Freeman of *London* is compounded with before Marriage, by settling a Jointure, although of Land, the Wife is taken as advanced, and the Children by the Custom of *London* shall

Settlement by a Freeman before Marriage, though of Land, bars the Wife of her customary Part; and the Children in such Case, shall have a Moiety of the personal Estate.

8 G

have a Moiety, as if the Wife was dead; and so certified in the Case of *Hall & ux'* and *Lumley*, 17 Car. 1.

So if all the Children are advanced, the Wife shall have a Moiety.

The Case of *Clare* and *Acmooty* cited: That when all the Children were advanced, there the Wife had a Moiety.

Dee, City Serjeant. Any Jointure binds, and bars the Wife. That is called a Composition.

Case 593. *Comitissa Derby* versus Earl of *Derby*.
Nov. 20.

Plaintiff a Jointress; the Defendant claimed under an Intail, and had recovered Part of the Jointure in *Cheshire* and *Lancashire*.

Bill to have Recompence on the Eviction on the Statute of 27 H. 8. c. 10.

First, Question whether shall take it out of County *Palatine*, and direct any Trial at Law, and until that settled, will remove the Impediment of the Leases, for cannot try it in the proper County against the Earl of *Derby*.

Case 594.
Lord Keeper.

Lock versus *Lock*.

A. devises a College-Lease for 21 Years to his Wife for Life, Remainder to his Son, she paying 10*l.* per Ann. to

his Son during her Life; the Son dies in the Life of his Mother; the Rent continues during the Life of the Wife, and shall go to the Executor of the Son, and the Wife is compellable to pay her Proportion for a Renewal of the Lease. See the next Case.

James *Lock* devised a Term of *Twenty-one* Years, held of a College in *Oxon*, to his Wife for Life, and after her Decease to his Son *James*; she paying 10*l.* per Ann. to *James* during her Life, and not to alien without the Son's Consent.

James the Son died, and devised all his Interest in the Land to the Plaintiffs, and made one of them Executrix.

Bill for the Remainder of the Rent, and to compel the Defendant to renew the Lease.

Per Cur. The Rent is to have Continuance during the Life of the Defendant, and will go to the Executor of the Son.

Secondly, The Devise being to the Wife for Life, paying 10*l.* *per Ann.* to *James* her Son during her Life, with Remainder to *James*, is an Implication, that the Widow should renew and keep the Term on Foot; and there being but *seven* Years of *Twenty-one* to come, she was decreed to renew, and the *Master* to settle the Proportion.

Rawlinson versus *Dutcheffs* of *Mountague*. Case 595. Decemb. 4.

Christopher, late Duke of *Albemarle*, devised to his Executors and their Heirs 50*l.* *per Ann.* during his Wife the *Dutcheffs's* Life, to be for the separate Use of Mrs. *Rawlinson*, to be paid to her own Hands, and so as her Husband should not intermeddle. Mrs. *Rawlinson* dies. Devise of 50*l.* *per Ann.* to the Wife of *A.* during the Life of *B.* for her separate Use. The Wife of *A.* dies, the 50*l.* *per Ann.* shall be paid to the Executor of the Wife of *A.* during the Life of *B.* See the preceding Case.

Decreed the 50*l.* *per Ann.* to be paid to the Executors of Mrs. *Rawlinson*, during the Life of the *Dutcheffs*.

D E

Term. S. Hillarii,

1710.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Case 596.

Webb versus Webb.

A. on his Marriage assigns a Term for 1000 Years, in Trust for himself for Life, Remainder to his Wife for Life, Remainder to the Heirs of the Bodies of the Husband and Wife.

Edward Webb, the Defendant's Grandfather, possessed of a Term of *one Thousand Years*, 31 Octob. 1651, on Marriage of his Son, and 250*l.* Portion, assigned the Term to Trustees, in Trust to permit *Thomas Webb*, the Defendant's Father, to receive the Profits for his Life; and after his Death, to permit *Anne* his Wife to receive the Profits for her Life; Remainder to the Heirs of the Bodies of *Thomas* and *Anne*, during the Residue of the Term. The Wife dies leaving Issue.

The Wife dies leaving Issue. The whole Term vests in the Husband, and he may assign it.

Plaintiff claimed by an Assignment made by *Thomas* the Father.

Ant. Ca. 38, 178 Cause first heard at the *Rolls*, and the Bill dismissed upon the Reason of the Case of *Peacock* and *Spooner*, that the Heirs of the Body should not take as Purchasers; and that the whole Term did not vest in the Father.

Upon an Appeal to the *Lord Keeper*, and after Search of Precedents, decreed for the Plaintiff; that the whole Term vested in *Thomas Webb* the Father, and that the Heirs of the Bodies of *Thomas* and *Anne* could not take as Purchasers.

If the legal Estate had been so limited, the Father must at Law have taken the Whole, and the Trust of a Term must be governed by the same Rule.

D E

Termino Paschæ,

1711.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Case 597.
April 28.*Baile versus Coleman.*

The Trust of Lands is devised to *A.* for Life, with Power of leasing, Remainder to the Heirs Male of the Body of *A.* Decreed the Trustees to convey an Estate-Tail to *A.* and not an Estate for Life only, with Remainder to his first, &c. Son in Tail Male. *Post.* Case 625.

William Stowell by Will devised Lands to Trustees and their Heirs, for Payment of Debts and Legacies; and after Debts and Legacies paid, willed that one fourth Part should be and remain in Trust for *Elizabeth Baile*, for and during the Term of her natural Life, with Power of leasing for *Ninety-nine* Years, determinable on *one, two, or three* Lives; and from and after her Decease, in Trust for her Son *Christopher Baile*, for and during the Term of his natural Life, with like Power of leasing; and after his Decease, in Trust for the Heirs Males of the Body of the said *Christopher*, lawfully to be begotton.

Lord Chancellor *Comper* decreed the Trustees to convey only an Estate for Life to *Christopher Baile*, and to his first and other Sons in Tail Male.

But

But upon a Rehearing, the *Lord Keeper* reversed *that* Decree, and decreed an Estate-Tail to be conveyed to *Christopher*; viz. to him and the Heirs Male of his Body.

Although he admitted, that upon Articles of Marriage founded on the Agreement of the Parties, the Husband in such Case might be made only Tenant for Life; but in a Will you must take Words as you find them.

But otherwise it would be, if Lands were agreed to be so settled by Marriage-Articles.

Sir Edward Nicholls, and Susan Danvers Case 598.
his Sister versus *John Danvers & al'*,
& *econtra*.

THE Defendant *Danvers* on the Marriage of the Plaintiff *Susan*, Sister of *Sir Edward Nicholls*, received a Portion of 2000 *l.* and made a suitable Settlement on her. After the Marriage, the Plaintiff *Susan's* Mother died intestate, by which one *Third* of her personal Estate, of the Value of 3000 *l.* came to her, as her Share of the Intestate's Estate. Defendant *Danvers* having acted with Severity and Cruelty towards his Wife, she parted from him.

A Wife having been used with Cruelty by her Husband, becomes intitled to 3000 *l.* as her Share of her Mother's personal Estate, who died intestate. Decreed the Interest of this to the Wife for her

separate Use; and then to her Husband if he survived; and afterwards the Principal to be paid to the Issue; and if no Issue, then to the Survivor of the Husband and Wife. *Post. Ca. 657.*

Sir Edward Nicholls and his Sister's Bill, was to have the 3000 *l.* for her own Use for her Maintenance.

The cross Bill by *Danvers* the Husband was, that the Administrator might pay it to him.

Lord Keeper decreed the Principal to be brought before a Master, and placed out at Interest, and the Interest to be paid to the Plaintiff *Susan* for Life for her Maintenance; then to the Defendant the Husband for Life; if any Issue, the

the Principal to the Issue; if none, to the Survivor of *Danvers* and his Wife.

Ant. Ca. 444. The Precedent of Sir *James Oxenden* and *Watson* cited.

Memorandum, Defendant had given a Note to his Wife, that if he should again use her Ill, she should have her Share of her Mother's Estate to her own Use.

Case 599.

Minsbull versus Lord *Mobun*.

Upon a Bill in Nature of a Bill of Revivor against a Devisee; the Devisee cannot dispute the Justice or Validity of the Decree; for then a Devisee would be in a better Case than an Heir.

THE Defendant, the Lord *Mobun*, claiming the Estate of Sir *Edward Fitton*, as Devisee of the Lord *Macclesfield*, against whom Sir *Edward* had obtained a Decree for an Account of Profits, and a Partition of a seventh Part of a third Part, as being one of the seven Co-heirs, (the Will being void as to a third Part of the Land, which was held *in Capite*) the Bill was an original Bill, in the Nature of a Bill of Revivor.

The Question was, Whether the Defendant should be at Liberty to enter into the Merits of the Cause, and question the Justice of the Decree; and held that he should not; for had it been a Bill of *Revivor*, the Heir could not have been heard; and no Reason that a Devisee should be in a better Condition than the Heir. *Hæres natus* is rather to be favoured than *Hæres factus*: And so it was held by the Lord Chancellor

Ant. Ca. 499. *Comper*, in the Case of *Clare* and *Wordell*, 26 April, 1706.

D E

Term. S. Michaelis,

1711.

In CURIA CANCELLARIÆ.

*Stapleton versus Cheele.*Case 600.
Nov. 11.

A Legacy of 50 *l.* devised to *J. S.* when of the Age of *sixteen*, and Interest in the mean Time, to be paid quarterly. *J. S.* died before *sixteen*; yet adjudged, it was a Legacy vested, because it carried Interest; and so it was adjudged in the Case of *Clobury and Lampen*, reported in 2 *Vent.*

A Legacy devised to *J. S.* when of the Age of *sixteen*, and Interest in the mean Time. *J. S.* dies before *sixteen*. The Legacy vested, and shall go to the Executors of *J. S.*

*Wingfield versus Alkinson.*Case 601.
Nov. 30.

IN 1710, *John Rudder* gave to the Plaintiff, his Sister's Son, and to his Nephews, Sons of his Brother, 100 *l.* apiece, being in Truth his next of Kin, and makes the Defendant *Alkinson* and *Myres* Executors, and gave them 100 *l.* apiece, they being not of Kindred to the Testator.

One by his Will gives his next of Kin, being his Nephews, an express Legacy, and gives 100 *l.* apiece to his 2 Executors, and makes no Disposition of the Surplus.

The Question was, Whether the Executors, or next
Post. Ca. 645. of Kin should have the Surplus.

Ant. Ca. 578.
Post. Ca. 602.

The Cases cited were the Dutcheſs of *Beaufort*, *Smith* and *Ball*, *Wicket* and *Jones*, and *Littlebury* and *Buckley*, which was firſt heard in the *Mayor's Court*, and the Surplus there decreed to the next of Kin : And upon an Appeal to the *House of Peers*, the Executors were admitted to read Witneſſes, to prove the Teſtator intended them the Surplus ; and upon that Foot the Lords reverſed the Decree.

D E

Term. S. Hillarii,

1711.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Ball versus Smith.

Case 602.

THE Defendant Mrs. *Smith* was Executrix of Mr. *Atkins* her former Husband, and after married Mr. *Smith*, who by his Will in 1686, devised to his Wife, the Defendant, the Plate and Goods she brought him in Marriage, and two Silver Salvers in Lieu of the Plate that had been changed away; and made the Defendant his Wife Executrix, and died, leaving a Daughter by a former Wife (who married Mr. *Ball* the Plaintiff) and the Defendant his Wife *enseint* of a Daughter; and there being no Devise of the Surplus of the personal Estate to the Wife; the Question was, Whether she should take it as Executrix to her own Use, or liable to a Distribution.

Ant. Ca. 562.
The Wife of the Testator is made Executor, and no Devise of the Surplus, nor any express Legacy to the Wife, except what she had as Executor of her former Husband, and some Things she had before her Marriage. Decreed the Surplus to the Wife, and next of Kin.

that it should not be distributed among the

For the Plaintiff it was insisted, that the Surplus ought to be distributed according to the Rule given in the Case of *Foster and Mount*, and many other subsequent Cases.

Vol. 1. Case 462.

The Lord Keeper inclined to decree the Surplus to the Wife, as well for that this Will was made before the

Cafe of *Foster* and *Mount*, as also for that in this Cafe nothing is devised to the Wife, but what was her own before; and as she was Executrix to Mr. *Atkins* her former Husband; but principally because where a Wife is made Executrix, it is to be presumed she was not made so to have barely an Office of Trouble, but of Benefit to take the Surplus.

His Lordship directed to be attended with Precedents; and being accordingly attended with Precedents; as to the Cafe of *Foster* and *Mount*, he having perused the Will, Pleadings and Decree, observed, that although there was a Charge in the Bill, that the Will was unduly obtained; yet the Proof failed; no such Thing was made out by Proof; but the Executors having 10 *l.* apiece for their Care and Trouble; and being Strangers, and the Surplus of the Estate being considerable, the Lord Chancellor *Jefferies* sent it to a Master to certify the Value; and it appearing to be 5000 *l.* when it came back upon the Report, he decreed it to be distributed.

First, Because the Devise of 10 *l.* apiece to the Executors for Care and Pains, seemed to imply a Trust as to the Residue.

And *secondly*, The Executors being Strangers to the Testator, he could not intend them a Surplus of 5000 *l.* when he had given them Legacies of 10 *l.* apiece; but withal observed, that the next of Kin were his *two* Daughters, both before that Time married, and to which he gave Legacies of 200 *l.* apiece; and therefore the Precedent comes not up to this Cafe where the Wife, and not Strangers, is Executrix.

Other Precedents produced were *Cook* and *Walker*, where *Penelope Lane* by Will 29 May, 1691, made the Defendant *Walker* her Executor, to whom she gave 20 *l.* for Mourning, he not of Kin, but a Stranger. 7 *Anne* Distribution decreed.

Darwell and Bennet. Mr. *Darwell* by Will 3 Dec. 1692, gave 100 *l.* Legacy, and the Interest of 300 *l.* to his Wife for her Life, and made her and the Defendants *Bennet* and *Burroughs* Executors; to *William* he gave 20 *l.* for Mourning. 19 July, 7 *Annæ Reginae*, Surplus decreed to be distributed.

Ward and Lane. Where *Andrew Lane* had made his Wife Executor, he living *twenty* Years after the Will, and acquiring an Estate. 10 Jan. 13 Will. 3. Surplus decreed to be distributed.

Hungerford and Reppington. Lands devised to be sold; Surplus, if any, to be deemed Part of his personal Estate; and the Testator having devised 100 *l.* apiece to his Executors, Surplus decreed a Trust. Q. Whether for the next of Kin, or for the Heirs at Law.

On the other Hand were cited the Cases of the Lady *Am. Ca. 578.* *Granville* and Dutcheſs of *Beaufort*. The Use of the Table Plate to the Dutcheſs for Life, and after to his Grandson: The Dutcheſs made Executrix. Lord Chancellor *Comper* decreed a Distribution; the Distribution reversed in the *House of Peers*, and the Surplus decreed to the Dutcheſs as Executrix.

Littlebury and Buckley. Where one not of Kin, but a Stranger, made Executor, and had considerable Legacies given to him: His *two* Brothers Plaintiffs in the *Mayor's* Court. Decreed by Sir *Peter King* the Recorder, that the Surplus should be distributed. But upon an Appeal to the *House of Peers*, that Decree was reversed, not barely as it stood upon the Will, but that parol Proof ought to be received in Favour of the Executor's Title, consistent with the Will: And the Proof being full as to the Testator's frequent Declarations, that his Executor, tho' a Stranger,

should have the Surplus, and that his Brothers should not have it : It was decreed accordingly for the Executor.

Lord Keeper. There being but *that* one single Instance of *Ward* and *Lane*, where the Wife was Executrix, that she hath been excluded from taking the Surplus. The Case of *Darmell* and *Bennet*, where *two* Strangers were made Executors with the Wife, not coming up to the Case ; decreed the Surplus to the Wife, with this Declaration, that he hoped the Case would not rest here ; but for settling of this Point, receive the Judgment of the *House of Peers* : And withal he was content it should be admitted in this Case, that the Defendant *Mrs. Smith* was not intitled to the Goods and Plate, as Executrix to *Mr. Atkins* her former Husband ; but as a Legacy given to her by *Mr. Smyth* the Testator.

Case 603. *Addison per Committee versus Dawson,*
Jan. 24.
Lord Chancellor.
Mascall & al'.

Sales at great Under-value from one that was afterwards a Lunatick, set aside ; but the Conveyances to stand a Security for what was really paid. *Addison* by a *first* and *second* Inquisition was found a Lunatick in 1706, from the Year 1689, when he had a Fall, without any Intervals. The Defendant had got a Mortgage, and at last an absolute Purchase at great Under-value, by Deeds, Fines and Recoveries ; and a considerable Sum was paid into *Mascall's* Hands, who pretended to have stated an Account, but had not made any Proof. The Defendants insisted on a Trial at Law ; but the Court set aside the Purchases and stated Account, and the Defendant decreed to be allowed, what he should prove he had paid for the Use and Benefit of the Lunatick.

Greenhill versus Greenhill.

Case 604.

MR. *Greenhill* the Testator employ'd one *Young* to A. articles to purchase Lands in Trust for B. and before any Conveyance made, B. by Will directed all his Frehold Estate to be article for the Purchase of Lands, Part whereof lay in *Cornwall*, and are called customary Lands, and although they pass by Lease and Release; yet by the Custom of the County *Palatine of Cornwall*, they cannot be devised without a Surrender.

settled on C. and his first Son, &c. The Lands article'd for will pass by the Will.

The Articles were made in *April*, the Consideration-Money paid, and Conveyance to be executed at *Michaelmas* then next following. In *June* the Testator made his Will, and devised the Residue of his personal Estate, after Debts and Legacies paid, to be laid out in Land; and the Lands so to be purchased, together with his Frehold Estate, to be settled on the Plaintiff and his first Son, &c.

The Testator afterwards at *Michaelmas* entered, and paid the Consideration-Money, and in *Michaelmas* 1707, Conveyances were perfected, an Act of *Parliament* being found necessary, and died, leaving the Defendant, and the Plaintiff's Mother, his Daughters and Coheirs.

The Question was, Whether the Land thus contracted for, especially the customary Lands, passed by this Will.

Decreed for the Plaintiffs, and confirmed upon a Rehearing.

First, That the Articles being made in *April* 1706, and the Will in *June* following, although Possession was not to be given till *Michaelmas* following, it was such an Interest as was devisable, and well passed by the Will.

That the Words were sufficient; all the Residue of his personal Estate to be invested in Land, and together with his Freehold Estate to be settled. The Freehold Estate was mentioned only in Contra-distinction to his personal Estate. Whether real or personal, the Whole intended for the Plaintiff.

Objection. First, The Articles were in *Young's* Name; and *Young* made no Declaration of Trust in Writing.

Secondly, The Estate of Feme Covert.

Thirdly, No Surrender of the customary Estate.

Per Cur. An equitable Interest is as well devisable, as a legal Estate. A future Interest is devisable. No Surrender wanting; because he had an equitable, and not the legal Estate; and *Young* having owned the Trust, and the Feme Covert not opposing; but having submitted to, and convey'd according to the Articles, these Objections were not material.

Lands within the County Palatine of Cornwall, by the Custom cannot be devised without a Surrender; yet one, who has an equitable Interest only in such Lands, may devise them without making a Surrender.

A. articles to purchase Lands, and devise those Lands, and afterwards they are conveyed to the Testator and his Heirs; Whether this is a Revocation.

The Testator after the Date of his Will, having taken a Conveyance to himself and his Heirs.

Q. If it did not amount to a Revocation.

Cafe 605. *Dame Ellen Williams* versus *Sir Bowcher Wray*.

Whether a Dowress shall be relieved in Equity against a Term for Years.

SIR *Griffith Williams* by Settlement was Tenant for Life, Remainder to his Son *Sir William Williams* in Tail, with Power to grant a Term of *Ninety-nine* Years, of Lands within *five* Parishes.

In a Bill by Sir *Bowcher Wray* to set aside the *Ninety-nine* Years Term, made of the Lands in *five* Parishes: It was decreed by the Lord Keeper *Wright*, that Ejectments should be brought upon the Term of *Ninety-nine* Years, and consequently the Widow would be evicted of Dower.

Now upon a Bill of Review, the Cases cited for the Plaintiff were *Ball's* Case, where the Inheritance was in Trustees for Payment of Debts; yet decreed the Husband should be *Tenant per Courtesy*.

Worthington and *Fletcher*. Tenant by Courtesy decreed of a Trust.

Lady Dudley's Case at the Rolls.

Sweetapple's Case. The Money to be laid out in Land.

Orm versus Smith.

Case 606.
Feb. 22.

I Give my Uncle *Orm* 500 *l.* viz. the Bond and Judgment about 400 *l.* due to me from *A.* and 100 *l.* in Money. The Testator lived to receive 370 *l.* and took a new Bond for 80 *l.* other Part, and died.

One devises 500 *l.* viz. 400 *l.* due on Bond, and 100 *l.* in Money; afterwards the Testator re-

ceives Part of the 400 *l.* and takes a Bond for the other Part. This is no Ademption of the Legacy.

Swinburne 7 Part, Ch. 20. Fol. 447.

Pawlet's Case, *Raymond's Reports* 335.

A Devise of 500 *l.* *Ʒ. S.* owed him, the Testator lived to receive the 500 *l.*

Elliot and *Davenport*.

Ant. Ca. 472.

Decree for the 500 *l.* Legacy.

8 L

Bellasis

Cafe 607.
Feb. 25.
Lord Keeper.

Bellasis & ux' versus Churchill and Castle.

An Admini-
strator of a
Captain of a
Company of
Marines is
intitled to an
Account, as
well of the
Pay of the

BILL by the Plaintiff as Administratrix to her Brother, Captain of a Company in Colonel *Churchill's* Regiment of Marines, for an Account of his personal Pay, and the Pay of his Servants, and the Pay of the Company.

Pay of the Company, as of the personal Pay of the Captain, and of his Servants.

The Defendant Colonel *Churchill*, and his Agent, the Defendant *Castle* insisted, that the Plaintiff was only intitled to an Account of the Captain's personal Pay, and Pay of his Men, and not for the Pay of the Company; although they seemed to admit, that a Captain for Land-Service was to recruit his Company, but would have it, there was a Difference, where he was a Captain of Marines; or if the Captain may be intitled, yet his Administrator was not. *Sed non allocatur.*

Decreed the Defendants to account, as well for Pay of the Company, as for the Captain's personal Pay, and Pay of his Servants.

i

D E

Term. S. Trinitatis,

1712.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Christ's Hospital versus *Budgin & ux'*. Case 608.
May 30.

T *Thomas Garraway's* personal Estate being decreed to be applied to the Payment of Debts and Legacies in Ease of his real Estate, which by his Will was made liable thereto; upon the Account before the Master, his Widow and Executrix, now the Wife of the Defendant *Budgin*, insisted, that several Mortgages and Bonds for Money lent by her Husband, being taken in the Name of the Husband and Wife, she was intitled thereto as Survivor, and the same ought not to be brought into the Account, as Part of the personal Estate; and the Master having stated *that* Matter specially,

Husband lends out Money in the Names of himself and his Wife, upon Mortgages and Bonds, and dies. The Wife is intitled to this by Survivorship, if there are Assets sufficient without this Money to pay Debts.

For the Heirs it was insisted, that the Wife was but in the Nature of a Trustee, the Money being the Husband's; and if paid in the Life of the Husband, it would have fallen into his personal Estate again, and he not accountable to the Wife; and if this should not be liable to Debts,

Debts, the Husband by joining his Wife in the Security, might defraud all his Creditors; and cited the Case of *Gatley* and *Quarrel*, where Lord *Comper* adjudged it against the Wife, to be Assets of the Husband, and liable even to Legacies.

But the *Lord Keeper* looked upon the Wife to be in the Nature of a Joint-purchaser, and decreed it for the Defendant against the Heirs at Law; but admitted in Case of Creditors it might be fraudulent; but there being sufficient Assets, besides the 4000*l.* in Question, to pay all the Debts and Legacies, decreed the 4000*l.* to the Defendant *Budgin*, as Administrator to his Wife.

Case 609.
May 31.

Kirsley & al' versus Duck & ux'.

One possessed of a Term for 2000 Years in Land, grants the Land to *A.* without mentioning any Term. It is void for Uncertainty.

A Man possessed of Land for a Term of *two Thousand* Years, in 1671, grants the Land to *Duck* and his Wife, (without mentioning any Term) to the Use of *Kirsley* for Life, and to the Heirs of his Body; and in Default of Issue, to the Use and Behoof of *Duck* for *one Thousand eight Hundred* Years.

The Question was, Whether the Limitation to *Duck* was good.

It was agreed the *first* Limitation void for Uncertainty, it mentioning to grant to *Duck & ux'*, and not saying for what Estate or Term.

One seised in Fee, may create a Term for Years to commence after his Death without Issue; but one possessed of a

But for the Defendant it was insisted that the Limitation to *Duck* and his Wife, in Default of Issue to *Kirsley* for *one Thousand eight Hundred* Years, was a good Limitation, as an *interesse Termini*. A Man may grant a Term to

Term for 2000 Years, cannot out of that Term carve a future Term to commence after the Determination of an Estate in Tail.

to commence upon Failure of Issue, or expectant on an Estate-tail.

To which it was answered, that a Man may carve such Term out of his Inheritance; but one, that is possessed only of a Term for Years, cannot carve any future Term out of his Term for Years, to commence after the Determination of an Estate-Tail.

First, Because such an Estate-Tail, is deemed a greater and more durable Estate.

Secondly, It would create a Perpetuity, not to be barred by any common Recovery.

Turner & ux' versus Jennings and Longland. Case 610.
June 16,
1708.

JOHN Longland, a Master Carpenter at Pauls, being a Freeman of London, had Issue a Son and a Daughter; his Son dying and leaving three Children, he in July 1706, by Deed assigned over several Leasehold Estates to the Defendant Jennings, on Trust to sell and to pay any Sum not exceeding 1000*l.* as he should appoint; and by Deed and Will appointed 500*l.* to his Daughter, and the Residue to his Grandchildren.

A Freeman of London having one Daughter and three Grandchildren by a deceased Son, by Deed assigns over several Leases, in Trust to pay any Sum not exceeding 1000*l.* as he should appoint; he appoints 500*l.* to his Daughter, and the Residue to the Grandchildren. This is in Fraud of the Custom, and void as to the Moiety, which the Daughter is intitled to.

Decreed to be set aside, as to a Moiety, which the Daughter by the Custom, as only surviving Child, was intitled to, as being in Fraud of the Custom.

Cafe 611.
Lord Keeper.
June 16,
1708.

Nichols versus Hooper.

A. Devifes
Lands to his
Son and his
Heirs; and
if his Son
dies without
Issue, then
200 *l.* to his
Daughter.
Son leaves
Issue, which
dies without
Issue. The
200 *l.* not due.

JOHN Jackson, 14 Mar. 1693, devised his Estate at *A.* to *Mary* his Wife for Life, and after her Decease to his Son *Thomas*, his Heirs and Assigns for ever. Provided if *Thomas* died without Issue of his Body; then he bequeathed unto his Daughters *Mary Nicholls*, and *Elizabeth Newman* 200 *l.* to be divided equally between them, and to be paid out of his Estate within *six* Months after the Decease of the Survivor of the Wife and Son.

Mary the Widow died; *Thomas* the Son also died leaving Issue, who died within *three* Months after the Father.

The Bill was to have the 200 *l.*

Per Cur. Although in some Cafes a Man is said to die without Issue, whenever there is a Failer of Issue, as to the Limitation over of Lands of Inheritance. Yet in this Cafe the 200 *l.* as a personal Legacy, was not intended to arise upon any remoter Contingency, than that of *Thomas* dying without Issue living at his Death, and therefore dismissed the Bill.

D E

Term. S. Hillarii,

1713.

IN CURIA CANCELLARIÆ.

Ackland versus Ackland.

Cafe 612.

Arthur Ackland by Will devised to his Brother *Richard*, all his Lands, Tenements and Hereditaments, and all his personal Estate, and whatever else he had in the World, and made him Executor, desiring him to pay his Debts and Legacies.

A. devises to his Brother B. all his Lands and Hereditaments, and all his personal Estate, desiring him to pay his Debts and Legacies.

A. devises to his Brother B. all his Lands and Hereditaments, and all his personal Estate, desiring him to pay his Debts and Legacies.

On a *special Verdict* in *Communi Banco*, adjudged the Inheritance passed by this Devise: *Richard Ackland* the Devisee was the Testator's younger Brother; and *John* his eldest Brother left a Daughter.

D E

D E

Term. S. Michaelis,

1714.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Case 613.

Sayer versus Sayer.

One devises to his Wife all his personal Estate at *W.* this is a specifick Legacy and to be preferred to pecuniary Legacies, in Case of Deficiency of Assets. All the Testator's personal Estate that was at *W.* at his Death shall pass, though not there at the Making the Will.

J. S. by Will devises to his Wife, the Defendant, all his personal Estate at a Place called *Wouston*, and devised to the Plaintiff a Legacy of 500 *l.* and several other Legacies; and Assets proved deficient.

Per Cur. The Defendant's Legacy is a specifick Legacy, and therefore to take Place, although there be a Defect of Assets for Payment of Money Legacies.

And as to what passes by the Devise, the *Chancellor* declared the general Words of all his personal Estate at *Wouston* will pass, whatever personal Estate he had there at the Time of his Death; the personal Estate being fluctuating and varying until the Time of the Testator's Death; and therefore what he died possessed of, passes, and not what he had at the Time of the Making the Will. The Legacy is to respect the Time of his Death.

Coaches,

Coaches, Horses, and whatever he had at *Wouston* will pass.

Tate versus Austin.

Case 614.

THE Wife joined with her Husband in a Fine to raise 400 *l.* out of her own Estate for the Use of her Husband, to equip him as an Officer in the Army. The Wife joins with her Husband in a Fine to raise 400 *l.* by mortgage of her own Estate, to buy a Place for her Husband. Husband dies. The Mortgage shall be paid out of the Husband's personal Estate, if there be enough to pay all his other Debts.

The Question was, Whether the Husband's personal Estate shall be applied to exonerate the Mortgage.

Per Cur. The Wife subjects her Estate to supply the Wants of her Husband; it must be taken to be a Debt due from the Husband, and to be paid out of his personal Estate, if he be able: But all other Debts shall be first paid.

D E

Term. S. Trinitatis,

1715.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Cafe 615.
Lord Chan-
cellor.

Beachcroft versus Beachcroft.

A. begins his Will with disposing of all his worldly Estate; and then wills that all his Debts be first paid and gives his Wife a Moiety of what is left after his Debts paid. The real Estate is charged with the Debts, and a Fee in a Moiety of the Surplus of the real Estate passes to the Wife.

N *Ath.* *Beachcroft* by his Will devised, viz. *I do by this my Will dispose of such wordly Estate as it hath pleased God to bestow upon me; first, I will that all my Debts be paid and discharged, and out of the Remainder of my Estate, I give and bequath unto my Wife 300l. My Mind and Will is, that my Wife have one Moiety of what is left after my Debts paid. Item, I give to my dear Brother Sir Robert Beachcroft, a Close lying in the Parish of St. Peter in Derby; and for the remaining Part of my Estate, as well real as personal, I give and bequeath unto my Brother Joseph Beachcroft, whom I make Executor.*

The Question was, Whether a Moiety of the real Estate after Debts paid, passed to the Wife, or only half of the personal Estate; and the Case of *Bowman* and *Milbank* was cited, where the Words were, *I give all to my Mother*, and adjudged, that only the personal Estate passed.

1 Sid. 191
Raym. 97.

Lord Chancellor. My worldly Estate comprises as well real, as personal: His worldly Estate comprises all he had in the World. Without Doubt those Words subjected his real Estate to the Payment of his Debts, and consequently a Devise of a Moiety of what is left, after Debts paid, must comprise all that was liable to the Debts; and therefore decreed a Moiety of the Surplus, of the real and personal Estate to the Wife.

A Devise of all a Man's worldly Estate comprises all he has in the World.

Demainbray versus Metcalfe & al'.

Case 616.
June 27.
Lord Chancellor.

PLaintiff pawned some Jewels and Plate to the Defendant *Knight*, a Goldsmith, for 110*l.* redeemable in *twelve* Months. *Knight* in *two* Days after pawns them to the Defendant *Metcalfe* for 200*l.* and after borrowed the further Sums of 36*l.* and 50*l.* of *Metcalfe* on promissory Notes, to be repaid on Demand. *Knight* became a Bankrupt and insolvent.

One pawns Jewels to *A.* and after borrows 50*l.* more of *A.* on a promissory Note. He shall not redeem the Jewels without paying also the Money on the

Note. *Post.* Case 621.

Bill by the Plaintiff to redeem from *Metcalfe*, who by Answer insisted, that although he took promissory Notes for Repayment of the Sums of 36*l.* and 50*l.* upon Demand; yet it was agreed at the same Time that the Pawn should also remain as a Security for those Sums, as well as for the Money before lent; but no Person was then present, therefore he could not prove the Agreement.

Lord Chancellor said, It was natural to suppose, that although *Metcalfe* took promissory Notes; yet his having a Pawn in his Hands of greater Value might be the Inducement to him to lend, and took Time to consider of it; and at last decreed that the Plaintiff must pay, as well the 36*l.* and 50*l.* as other Monies due. *Q. tamen.*

Case 617.

Lord Chan-
cellor.

July 3.

An Assignee
of a Bond
must take it
subject to the
same Equity,
as it was in
the Obligee's
Hands.

Post. Ca. 664.

Coles versus Jones and Coles.

JONES gave Bond to the Defendant *Coles* in 250 *l.* for Payment of 120 *l.* the Defendant assigns that Bond to the Plaintiff, in Satisfaction of a Debt of 56 *l.* and to indemnify him against a Bond, he was bound in, as Surety for the Defendant *Coles*; and at the same Time the Plaintiff *Coles* gave a Note to the Defendant to indemnify him against a Debt of 50 *l.* to *Jewel*, in which the Defendant *Coles* was bound as Surety for the Plaintiff.

Lord Chancellor decreed the Plaintiff to have the Benefit of the Bond, and thereout to discount the Debt to *Jewel*, the Note being (as he said) in the Nature of a Defeasance to the Bond; and although the Assignee comes in upon a full and valuable Consideration; yet he must take the Bond subject to the same Equity, as it was in the Obligee's Hands.

Case 618.

Lord Chan-
cellor.

July 5.

A. possessed
of an Exche-
quer Annu-
ty for 96
Years, by
Marriage-
Articles co-
venants to
pay it to the
Wife for
her separate
Use, and then
to the Survi-
vor of Hus-
band and
Wife for
Life, and af-

Basse versus Grey Bar'.

THE Defendant Sir *James Grey* on the Marriage of *Elizabeth Jennings* (supposed to be his natural Daughter,) gave her 700 *l.* Portion, and having purchased an Annuity in the *Exchequer* of 14 *l. per Ann.* for a Term of *Ninety-six* Years, he by the Marriage-Articles covenanted to pay the 14 *l. per Ann.* to the intended Wife during the Coverture, for her separate Maintenance, and that the Survivor of them should have the 14 *l. per Ann.* for Life, if the Term should not sooner determine; and

2

ter to the Children of the Marriage, and if no Child, then to be for the Benefit of *A.* Husband and Wife die leaving a Child, who soon after dies. *A.* shall keep the Annuity, and it shall not go to the Administrator of the Child.

and if the Survivor died before the Determination thereof, then the Residue thereof to the Child or Children begotten between them; and in Case there should be no such Child or Children, then the 14 *l. per Ann.* to be for the Benefit of Sir *James Gray*.

The Marriage took Effect; *Basse* and his Wife died leaving a Son, who survived them for the Space of *four* Years, and then died, and the Plaintiff took Administration to him.

The Question was, To whom the Residue of the Term belonged; whether to the Plaintiff as Administrator to *Basse* the Son, or to Sir *James Gray*.

For the Plaintiff it was insisted, that the Limitation to the Wife during the Coverture, and then to the Survivor of Husband and Wife for Life, and if a Child, to such Child or Children begotten between them, was a Disposition of the whole Term, and would not admit of any further Remainder over; being limited unto *two* Persons for their Lives, and the Life of the Survivor, and then to the Child or Children afterwards to be begotten; and especially since there was a Child, who survived Father and Mother; and the Words seem to import, that if there was a Child or Children, they were to have the Residue of the Term; but if no Child to take, that is, a Child living at the Decease of the Survivor of Father or Mother, then the Defendant Sir *James Gray* to have the Residue of the Term; and if not so understood and limited, the Remainder is void.

Per Cur. The Defendant has not assigned the Order, nor transferred the Property, only covenanted to pay; and a Court of Equity must not carry the Covenant, (being a free Gift) beyond the Letter.

Difference between an actual Assignment, and only a Covenant to assign. The latter not to be carried in Equity beyond the Letter.

Quere tamen, If that Distinction be allowed, Settlements of Terms hereafter will be done by Way of Covenant, with such Remainders over, as cannot be done by Way of Limitation of an Estate or of a Trust.

Case 619.
Aug. 6.
Lord Chancellor.

Sir William Jolliffe versus Pitt and Whistler.

THE Plaintiff Sir William Jolliffe lent Whistler 4500 Dollars, on a Note dated August 10, 1689, to be repaid with Interest at 1 l. per Cent. per Menssem until repaid; Whistler, then residing at Tripoly in Turkey, paid two Years Interest, but then failed, and went to Fort St. George in the Indies, and there acquired a considerable Estate, and in Feb. 1706, died in the East-Indies, and made the Defendant Pitt his Executor. Sir William Jolliffe continued in Turkey till 1702, and on April 30, 1702, takes out a *Latitat* against Whistler, and the same was continued on the Roll 'till 1706, at which Time Whistler died in the Indies, and made Mr. Pitt his Executor, who also then resided in the Indies. Octob. 1710, the Defendant Mr. Pitt, Whistler's Executor, came over to England, and proved the Will, and upon Application made to him by the Plaintiff he declared he was willing to apply the Assets to the Payment of his Testator's Debts. On May 8, 1714, the Plaintiff filed his Bill; Pitt the Executor submitted to do as the Court should direct; but the other Creditors who were made Defendants, insisted the Plaintiff was bound by the *Statute of Limitations*.

If the Creditor is beyond Sea, the Statute of Limitation will not take Place. So it is by the late Statute of 4 & 5 Q. Ann. if the Debtor is beyond Sea.

First, It was agreed that the Plaintiff being abroad, and not returning into England till 1702, and then bringing his *Latitat*, and the same being continued on the Roll to the Time of the Death of Whistler, all that Time

2

was

was well excused; and also until *Whistler's* Will was proved, and there was an Executor. The Statute could not run upon a Man whilst beyond Sea. It is expressly excepted out of the Statute, when the Party, who has a Right of Action is beyond Sea; nor can *Laches* be attributed to him for not suing, while there was no Executor against whom he could bring his Action. But it was objected that the Action which was so long depending, was the Action which ought to have been revived, and he ought not to let the Action fall, and bring a Bill in Equity; but *that* Action ought to have been carried on, and the Recovery ought to have been in that Action.

Neither will the Statute take Place, if there be no Executor, until Administration be taken out.

And as to the Defendants, the Creditors, who thought fit to insist on the Statute of *Limitations*, their Demands were entirely barred; for although they were Merchants, and the Debts contracted in the Way of Trade; yet it appeared of their own Shewing, their Accounts were long since stated, and only open Accounts were saved by the Statute.

Merchants Accounts not within the Statute. Otherwise if stated.

The Lord Chancellor inclined to be of Opinion, that the Statute of *Limitations* was not to take Place; and a Dispute arising, Whether the Plaintiff should be intitled to *Turkish* Interest at 12 l. per Cent. and for how long, Whether until such Time as the Parties arrived in *England*, referred it to a Master to state the Facts, and the *Quantum* of the Debts and Assets; and reserved the further Consideration of the Case, until the Account should be taken.

If a Creditor sues out a *Latitat* against *J. S.* and continues it, and *J. S.* dies, the Creditor may bring a Bill in Equity against the Executor of *J. S.* and need not go on in the old

Action, and Statute of *Limitations* no Bar.

The Time till *Whistler's* Death being answered, and the Executor being beyond Sea, the Statute of the 4 & 5 of the late *Queen* took Place, which saves the Right of Action, as well where the Debtor is beyond Sea, as where the Creditor is beyond Sea.

Case 620.

Lord Chan-
cellor.

Aug. 11.

Ex parte *Goodwin*.

A Bankrupt
having his
Certificate
allowed, and
having slip-
ped his Time
of pleading
it at Law, to
a Debt pre-
cedent to the
Bankruptcy,

THE Petitioner *Goodwin* complained, that although he had in every Thing conformed to the Statutes made against Bankrupts, and had his *Certificate* allowed; yet Mr. *Arthur Turner* had taken him in Execution, and detained him in Prison for a Debt due before his Bankruptcy.

is not to be relieved in Equity.

And the Case appeared to be that Mr. *Turner* had lent Mr. *Dibble* 1500 *l.* on Bond, and the Petitioner *Nicholas Goodwin*, the Scrivener, was bound as his Surety; and *Goodwin* having a Judgment against *Dibble* for 15000 *l.* promised Mr. *Turner*, when he levied his own Debt, he would pay Mr. *Turner*; but failing so to do, and *Dibble* being also failed, Mr. *Turner* brings his Action against *Goodwin* on his Bond. Then a Commission of Bankrupt issued against *Goodwin*. June 7, 1714, being the last Day of *Trinity-Term*, a Rule was given for entering up Judgment; and on June 26, *Goodwin's Certificate* was allowed. Mr. *Turner* by the Rules of the Court of *King's Bench*, being at Liberty to enter his Judgment either of *Trinity* or *Michaelmas Term*, signed Judgment as of *Michaelmas-Term*; and consequently this being a Judgment subsequent to the *Certificate*, was not within the Act of Parliament.

The Matter had been several Times argued at Law, and *Goodwin* could have no Relief there; and therefore now sought to be relieved by Petition to the Lord Chancellor.

It being manifestly the Intention of the Law, that all Debts due before the Bankruptcy should be discharged, it was said this was an Art, and Contrivance, to evade the

the *Statute* by entring Judgment as of *Michaelmas-Term*, when Judgment was pronounced in *Trinity-Term*.

Per Cur. A Court of Equity is not to alter the Law. The Statute is binding in Equity, as well as at Law; and if the Judgment be good at Law, it cannot be set aside in Equity. But it was agreed that *Goodwin* might have pleaded his *Certificate* upon the Roll, and have prevented the Judgment from being entered up; and having neglected so to do, it was his own Default; and a Court of Equity is not to relieve either Mispleading, or where there is a Neglect and Want of Plea, or no proper Plea put in Time; and it was also agreed that *Goodwin* could not be relieved at Law upon an *Audita querela*, because he had an Opportunity, and might have pleaded his Certificate before the Judgment was entered up; and upon producing of some Precedents, where Bankrupts had been relieved against Judgments obtained against them, they did not come up to the Case in Question, and the Petition was dismissed.

Statutes relating to Bankrupts, bind the Courts of Equity, as well as of Law.

Court of Equity will not relieve against Mispleading, or Neglect of Pleading a proper Plea at Law.

For Mr. *Turner*, two Cases at Law were cited, *Bailey* versus *Robinson*, *Trin. 6 Ann. in Banco Regis*, Judgment was entered against a Bankrupt upon a Warrant of Attorney, and he taken in Execution during the Time that his *Certificate* was referred to the Judges; and although it appeared that the Debt was discharged by the Statute of Bankrupts; yet the Court would not discharge him, but put him to his *Audita querela*.

Bankrupt is taken in Execution, pending the Reference of his Certificate to the Judges. The Court will not discharge him; but put him to his *Audita querela*.

And the Case of *Grumby* versus *Smith*, *H. 8. Anne Banco Regis*, a Man puts in special Bail to an Action, and the Plaintiff had Judgment against the Defendant by Default: The Bail surrendered the Defendant; it was moved to discharge the Defendant, because he had lifted himself a Soldier after the Bail put in, and before the Judgment; but refused *per Cur*?

D E

Term. S. Michaelis,

1715.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Case 621.

Lord Chan-
cellor.

Nov. 16.

Ant. Ca. 616.

Demainbray versus Metcalfe & al'.

PLaintiff pawned some Jewels to *Knight*, who signed a Writing that they were to be redeemed in *twelve* Months, otherwise for the 110 *l.* they were to be as bought and sold. *Knight* within a short Time after delivers over the Jewels, together with some Plate of his own to *Metcalfe*, as a Pledge for 200 *l.* and *Knight* afterwards borrowed 38 *l.* and 50 *l.* of *Metcalfe* on promissory Notes, to be repaid on Demand; and *Metcalfe* by Answer insisted, it was agreed that the Pledge should be a Security, as well for the Money upon the Notes, as for the Money first lent; but could make no Proof of any such Promise or Agreement.

Lord Chancellor. Altho' *Metcalfe* a Bookseller, and did not deal in Plate or Jewels, and so had not gained any Property, as having bought in a Market-overt; yet it is natural to think, although he took Notes for the 30 *l.* and 50 *l.* that the Pawn was not to be parted with, until *that* Money, as well as what was before lent, was paid; and said, he looked upon it as an Account current
between

between *Knight* and *Metcalf*, and therefore he might retain what he had in his Hands, until Balance paid: And therefore decreed a Redemption to the Plaintiff of his Jewels, upon Payment of all that was due to *Metcalf*, as well upon the Notes, as on the Pawns; but the Goods of *Knight*, which were pawned, were to be first applied, as far as the Value thereof would extend.

Gosse & al' versus Tracy, & econtra.

Cafe 622.
Lord Chan-
cellor.
Nov. 17.

ONE *Tilsley* had made his Will, and devised all his real Estate to his Mother and her Heirs, to which the Defendant *Tracy* was privy; and being an Acquaintance and related to Mr. *Tilsley* was intrusted to draw the Will.

One examin-
ed as a Wit-
ness, when
disinterested,
afterwards
becomes in-
titled to the
Estate in
Question.

His Deposition shall be read.

He afterwards came to Mrs. *Tilsley* and furnished to her, that the Will was not sufficient, and that it wanted to be garded, as he called it; and thereupon drew another Will, as he pretended, for that Purpose only; but in Truth had inserted therein a Devise of the real Estate to the Mother only for Life, with a Remainder to himself, and his Heirs.

This last Will was not only gained by such a Contrivance, but the Testator was then languishing of a Palsy, and was supposed to be *non compos Mentis*: And the Question upon the Bill, and cross Bill was, which Will ought to take Place: But before the Cause was brought to Hearing Mrs. *Tilsley* died, and devised the Estate to the Plaintiff *Gosse*, who in the Life-time of Mrs. *Tilsley* had been examined as a Witness; but was now become Plaintiff in a Bill of Revivor.

It was therefore objected, that she being now the Plaintiff in the Bill by her brought, as Devisee to Mrs. *Tilley*, in the Nature of a Bill of Revivor; her Deposition taken in the Life-time of Mrs. *Tilley*, ought not to be admitted to be read; and a Case at Law was cited, where the Deposition of a Witness taken, whilst unconcerned in Interest, could not be read.

But it was answered, that *that* Opinion at Law was not, because the Witness after Examination became a Party; but upon another Rule at Law, *viz.* that where the Witness is living, and might be produced at the Trial, the Deposition of such Witness should not be read.

The Obligee makes the only living Witness to the Bond Executor. The Executor shall be allowed at Law to prove the

Where the Obligee makes the only living Witness to the Bond Executor, it has been ruled at Law, that the Executor shall be allowed to prove the Hands of the Witnesses. And the *Lord Chancellor* upon Debate ordered the Deposition to be read.

Hands of the other Witnesses, that are dead.

It was also objected, that a Will concerning Land is only triable at Common Law; and the Party may there take Advantage of any Fraud or Imposition on the Testator, and therefore not proper to be examined into, or set aside in Equity upon Pretence of Fraud or Surprise.

Fraud in obtaining a Will of Land may be relieved against in Equity; as if *A.* agrees to give *B.* 1000*l.* in Bank-Bills, if *B.* will devise his Land to *A.* and *A.* gives Bills to *B.* that are forged.

Lord Chancellor. There may be a Fraud in obtaining a Will, that may be relievable in Equity, and of which no Advantage can be taken at Law; as if a Man agrees to give the Testator 2000*l.* in Bank-Bills, if he will devise his Estate to him, and on the Delivery of such Bills makes his Will, and devises his Estate to him, and the Bills prove to be forged or counterfeit.

On Proof hereof, this Will shall be set aside in Equity.

Stephens versus Gaule.

Case 623.
Nov. 16.

THE Bill was to redeem a Mortgage, and charged that the Defendant pretended to be a Jointress, and in Nature of a Purchaser from her Husband; whereas her Husband was only an Assignee of a Mortgage, and had no other Title.

A Jointress is not bound to answer, whether her Husband had no other Title than as Assignee of a Mortgage,

She denying she had any Notice of this Mortgage, and that her Husband told her, he was in by Descent.

The Defendant pleaded her Title, and denied Notice of the Mortgage, but had not answered, whether her Husband had any other Title than as Assignee of a Mortgage; and the Plea was over-ruled by the Lord *Harcourt*.

Exceptions being taken to the Defendant's Answer, she insisted on the same Matter, that she was a Purchaser without Notice, and that her Husband alledged, that he was in by Descent from his Mother; but did not answer, whether her Husband had any other Title, than as Assignee of the Mortgage.

The *Lord Chancellor* allowed the Answer to be good and sufficient, and would not oblige her to answer, whether her Husband had any other Title than as an Assignee of the Mortgage.

Howell versus Price & ux', & econtra.

Case 624.
Lord Chancellor.
Nov. 18.

A Mortgage in Fee for 300 *l.* was made redeemable at *Michaelmas* 1710, or at any other *Michaelmas* on six Months Notice, and no Covenant to pay the Money.

A Mortgage in Fee is made redeemable on Payment of 300 *l.* and Interest upon

8 Q

The

any *Michaelmas* Day, on six Months Notice. Mortgagor dies, having devised his personal Estate to his Wife. Personal Estate not liable to pay the Mortgage, there being no Covenant expressed or implied.

The Mortgagor continued in Possession, paid the Interest, and by Will devised his personal Estate to his Wife and Daughter.

The Question was, Whether the personal Estate should be applied in Ease of the real Estate, to pay off this 300*l*.

Lord Chancellor. The personal Estate is not liable. Here is no Covenant, either expressed or implied.

Case 625. *White & ux' & al' versus Thornburgh & al'.*
Lord Chancellor.

One upon his Marriage covenants to levy a Fine of his Frehold, and to surrender his Copyhold, to the Use of himself and his Wife for their Lives, Remainder to the Heirs Male of their Bodies, Remainder to the Heirs of their Bodies; and dies leaving Issue a Son and a Daughter, before any Fine levied, or Surrender made. The Son for securing of Money, covenants to levy a Fine of the Frehold Lands, and surrenders the Copyhold, and dies without Issue. Decreed by the Lord *Harcourt*, that it being in Case of Articles for valuable Consideration, the Settlement should be to the first, &c. Son of the Marriage, with the Remainder to the Daughters; and that the Daughter was intitled to both Frehold and Copyhold. And on Rehearing, Lord *Cowper* confirmed the Decree as to the Frehold, but for other Reasons; and reversed it as to the Copyhold. *Ant. Case 597.*

The Marriage took Effect, and there was Issue a Son and a Daughter; but *J. S.* died before any Fine was levied, or Surrender made.

The Son attained *Twenty-one*, and borrowed Money of the Defendants, and also of others on Bond, in which the Defendants were Bound as his Sureties, and which they afterwards were obliged to pay.

The Son to reimburse the Defendants, and to counter-secure them, covenanted to levy a Fine of the Frehold, and to surrender the Copyhold to them and their Heirs, redeemable on Payment of the Money by them lent, and of what they should be obliged to pay as his Sureties ; and by his Will devised his Lands to the Defendants, in Trust to raise Money for the Payment of his Debts, and made them Executors, and afterwards died without Issue, having surrendered his Copyhold Lands to the Defendants ; but without having levied a Fine of the Frehold.

The Plaintiff *White* having married the Sister, they brought their Bill against the Defendants, to have the Frehold conveyed, and the Copyhold surrendered to them, according to the Intent of the Marriage-Settlement ; and to have an Account of the Rents and Profits.

The Defendants insisted they were honest Creditors for great Sums of Money, and having a Security made to them by the Plaintiff's Brother, who had the whole legal Estate descended to him, there having been no Fine levied, or Surrender made, pursuant to the Marriage-Settlement ; and if the Settlement had been perfected by a Fine and Surrender, yet the Plaintiff's Brother would have been Tenant in Tail, and might by a Fine have barred, not only his own Issue, but also the Plaintiff his Sister ; and he having the Fee-simple of the legal Estate, and being Tenant in Tail of the equitable Estate, the Deed of Covenant to lead the Uses of the intended Fine, (although no Fine actually levied) was sufficient in Equity to Bar it.

That it had been held that Tenant in Tail of an equitable Estate might alien by a Bargain and Sale, or Feoffment, or even by Articles ; and in the Case of *Aley* versus *Aley*, the Feoffment made by the *Cestuy que Trust* in Tail,

Tail and the Trustees, was adjudged a good Bar of the Intail; and as to the Copyhold, he having actually surrendered it to the Defendants, and there being no particular Custom within the Manor for suffering of Common Recoveries, a general Surrender thereof would have been a good Bar of the Intail, in Case it had (as it was not) been settled in Tail; and although the Plaintiff's Brother had not levied a Fine of the Frehold to the Defendants, according to his Covenant; yet the Defendants had the legal Estate in them by the Will, and having both Law and Equity on their Side, ought to prevail against the Plaintiffs, who had only a Demand in Equity, by Virtue of the Father's Marriage-Agreement.

The Cause was first heard before the Lord Chancellor *Harcourt*, who looked upon the Deed of the Father's in the Nature of Articles, and when to be carried into an Execution by a Court of Equity, might be settled in a stricter Manner, than barely in the Words of the Deed; and that a Remainder might be expressly limited to the Daughters of the Marriage, so as the Son's Fine could not bar it; and decreed both Frehold and Copyhold to the Plaintiffs.

Upon a Rehearing before the Lord Chancellor *Comper*, He declared, that the Settlement by Deed to lead the Uses of a Fine was to be considered, not as Articles; but as a defective Settlement, and the Uses not to be altered or varied; but being a weak and feeble Settlement, a Court of Equity would assist it so far, as to consider it, as if a Fine had been levied, and then the Plaintiff could not have been barred without a Fine; and the Plaintiff is to be considered as Heir of the Body of the Father, and the Limitation in the Deed to the Heirs of their Bodies, could be inserted for no other End or Purpose but to carry the Estate to the Daughters of the Marriage, it being before limited to the Heirs Males;
and

and therefore confirmed the Decree as to the Frehold Estate.

But as to the Copyhold, there appearing no particular Custom within the Manor for the suffering a Recovery; he held the Surrender would bar the Intail, in Case the Copyhold had been well settled; and therefore varied the Decree, and dismissed the Bill as to the Copyhold.

Where there is no Custom within a Manor for suffering a Recovery, a Surrender will bar an Intail.

Corneforth versus Geer.

Case 626.
Lord Chancellor.
Nov. 22.

BILL to set aside an Award.

Per Lord Chancellor, If it appears that the Arbitrators went upon a plain Mistake, either as to the Law, or in a Matter of Fact; the same is an Error appearing in the Body of the Award, and sufficient to set it aside; but the Plaintiff failing to make out his Case by Proof, Bill dismissed.

If Arbitrators go upon a plain Mistake either as to Law or Fact, Equity will relieve against the Award.

Weld versus Bradbury & al.

Case 627.
Lord Chancellor.
Dec. 9.

Wickstead Weld, the Plaintiff's Father, devised his Stock without Doors to be sold by his Executors, and after Debts and Legacies paid, the Surplus arising by Sale to be put out at Interest; and one Moiety to be paid to the younger Children of the Plaintiff, living at his Death, and the other Moiety to the Children of J. S. and J. N.

One devises the Surplus of his personal Estate to the Children of A. and B. neither of them has a Child at the Making of the Will, or

the Death of the Testator. The Devise is executory, and shall extend to any Children that A. and B. shall afterwards have; and the Children of each shall take *per Capita*, and not *per Stirpes*.

Neither J. S. nor J. N. had any Child living at the Making of the Will, or at the Death of the Testator.

Per Cur. It must be intended an executory Devise, and to be to such Children, as they, or either of them should at any Time after have; and the Children to take *per Capita*, and not *per Stirpes*, they claiming in their own Right, and not as representing their Parents.

Cafe 628.
Dec. 19.

Ex parte Crowder.

Separate
Creditors al-
lowed to
come in un-
der a Joint-
Commission
against two
Partners;
but the Joint-
Effects are
to be applied,
first to pay
the Partner-
ship Debts, and then the separate Debts; and as to the separate Effects, first the separate Creditors, and afterwards the Partnership Creditors are to be paid out of the same. *Ant.* Cafe 283.

A. and *B.* being Joint-Traders, a Commission of Bankruptcy issued against them; their separate Creditors now applied by Petition, that they might be let in for their Debts upon the respective separate Estates of the Bankrupts, under that Joint-Commission; the separate Estates being of small Value, and would not bear the Charge of taking out two new Commissions against them separately.

The *Lord Chancellor* ordered them to be let in to prove their respective separate Debts upon the Joint-Commission, they paying Contribution to the Charge of it, and directed that as the Joint or Partnership Estate was in the first Place to be applied to pay the Joint or Partnership Debts; so in like Manner the separate Estate should be in the first Place to pay all the separate Debts: And as separate Creditors are not to be let in upon the Joint-Estate, until all the Joint-Debts are first paid; so likewise the Creditors to the Partnership shall not come in for any Deficiency of the Joint-Estate, upon the separate Estate, until the separate Debts are first paid.

I

Anonymus.

*Anonymus.*Case 629.
Dec. 19.

J. S. indebted by Bond to the Wife of *A.* became a Bankrupt; the Husband comes in and claims the Debt, pays the Contribution-Money, but dies before any Dividend was made; the Wife survives, and dies also before any Distribution.

A. being indebted to a Feme Covert, becomes a Bankrupt; the Husband pays the Contribution-Money, and dies before

Distribution, and then the Wife died. The Executors of the Wife are intitled to the Dividend; for the Husband paying the Contribution-Money does not alter the Property of the Bond.

Lord Chancellor directed the Distribution to be made to the Executors of the Wife, and not to the Executors of the Husband, repaying to the Husband's Executors, what was paid for Contribution.

The Husband paying the Contribution-Money did not alter the Property of the Debt; but it remained *a Chose in Action*, and survived to the Wife.

D E

Term. S. Hillarii,

1715.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Case 630.

Trott & al' versus Vernon.

One by Will
devises that
his Debts and
Legacies
should be
paid in the
first Place;
and then de-
vises his
Lands to his
Sister for
Life, Re-
mainder to
her Issue,
Remainder
over; and made the Sister Executrix.

SIR *Henry Boothby* made his Will, and thereby willed and devised, that his Debts, Legacies and Funerals should be paid in the first Place: *Item*, He gave to his Sister several Manors and Lands for Life, Remainder to her Issue if any, Remainder over to others; and after some Legacies given, made his Sister Executrix, who married the Defendant *Math. Vernon*, and died leaving Issue the other Defendant the Infant.

Decreed the Lands to be charged with the Debts.

The Plaintiffs were Creditors of Sir *Henry Boothby* by simple Contract. The Question was, Whether the real Estate, (there being not sufficient personal Assets) was made subject and liable to the Debts by simple Contract.

For the Defendant it was insisted, that there was no direct Charge upon the Land, and the Clause, willing his Debts and Legacies to be paid in the first Place, does not necessarily imply, that his Lands shall be charged there-
with;

with; and the rather, because it includes even Legacies and Funerals; and the Devise to his only Sister, who was his Heir at Law, was not the better to enable her to perform the Will, or to give any Thing to her for that Purpose; but to prevent her from taking as Heir at Law, and to secure the Estate to her Issue, and Remainder Men; and gave her barely an Estate for Life, which was not a proper Fund for Payment of Debts, Legacies and Funerals.

Sed non allocatur.

Lord Chancellor. It is but natural to suppose, that all Persons would provide for the Payment of their just Debts; and directing them to be paid in the first Place imports, that before any Devise by his Will should take Place, his Debts, &c. should be paid; and he seemed to lay some Stress upon the Word *Devise*, and decreed the real Estate to be liable to the Payment of the Debts.

Blandy versus Widmore.

Benjamin Blandy on his Marriage with the Defendant (now the Wife of *Widmore*) covenanted, if she survived, to leave her 620*l.* He died intestate without Issue, but left four Brothers or their Representatives. The Defendant having taken Administration to her Husband, the Bill was by a Son of one of the Brothers for an Account and Distribution of the Intestate's Estate.

Case 631.
Master of the Rolls.

Feb. 15.

One covenants to leave his Wife 650*l.* he dies intestate, and the Wife's Share on the Statute of Distribution, comes to more than

the 650*l.* this is a Satisfaction. *Post.* Case 641.

And it being admitted that the Widow's Moiety of the Estate upon the Distribution, amounted to above 1000*l.* The Question was, Whether the Widow should first come in as a Creditor for the 620*l.* and after for a

Moiety of the Surplus of the Estate by the *Statute of Distributions*.

For the Plaintiff it was insisted, that by the Husband's dying intestate, possessed of a personal Estate upwards of 2000*l.* a Moiety whereof comes to his Widow; *that* was a good Performance, even literally of the Covenant, for he had left her 620*l.* and upwards, and falls under the same Reason, as if he had made a Will, and left her *that* Sum; for where a Man dies Intestate, the Statute of Distributions has made a Will for him. The Case of *Wilcocks* and *Wilcocks*, Trin. 1706 was cited, where the Father covenanted to settle 100*l.* per Ann. on his Son, but did not; yet having suffered 100*l.* per Ann. to descend upon him, *that* was decreed to be a good Performance of the Covenant; and the Case of *Phinny* and *Phinny*, where the Husband covenanted, if he married a second Wife, to give his Son by the first Wife 500*l.* He dying intestate, decreed to have it brought into *Hotchpot*.

In the principal Case, the Master of the *Rolls* decreed for the Plaintiff, that the Widow's 620*l.* was well satisfied, by her having a Moiety of the personal Estate of greater Value by the Statute of Distributions, and that she should not come in first as a Creditor for the 620*l.* and also for a Moiety of the Surplus.

Case 632.
Lord Chancellor.
Feb. 25.

Musgrave & al' versus Parry & al'.

One devises the Surplus of his Estate to his Grandchildren living at his Death; Grandchildren born after his Decease shall not take.

SIR *John Chardine* devised the Surplus of his Estate to his Grandchildren, living at the Time of his Decease, to be paid to them at *Twenty-one*, or Marriage. There were two Grandchildren born, the one within four Months, the other within six Months after his Decease.

For

For the Plaintiffs, the Grandchildren born after his Decease, it was insisted, that a Child in *ventre sa mere* is capable of taking, may be vouched, a Bill may be brought on it's Behalf, and an Injunction to stay Waste. The Mother may justify Detaining of Writings on the Behalf of a Child in *ventre sa mere*, a Limitation *Hæredibus de corpore procreatis* shall include Issue after born, and so *e converso procreandis* includes Issue already born. And the Case of *Palmer and Creaghcroft* cited.

A Child in *ventre sa mere* may be vouched, is capable of taking; the Mother may detain Charters on Behalf of such Child; a Suit may be brought on Behalf of such Child, and the Court will

grant an Injunction to stay Waste; and *Hæredibus de corpore procreatis* and *procreandis* are the same. *Ant. Ca. 522.*

Lord Chancellor. The Words, living at the Time of his Decease, must be restrictive Words, and can be of no other Use, else the Devise had been to his Grandchildren. A Will must be expounded according to what is contained in it; and we must not make or vary the Will, to provide for Children or Grandchildren not provided for by the Will; and decreed it for the Grandchildren living at the Testator's Death, and excluded the *two* born after his Decease.

Ward & al' versus Cecil & al'.

Case 633.
Lord Chancellor.
Mar. 12.

A private Act of Parliament was obtained for the Sale of the Lord *Stawell's* Estate, by which it was Enacted, that the Estate should be vested in Trustees to be sold; and that the Money arising by Sale, should in the first Place be applied to pay the Money due to the Mortgagees, and after Payment thereof, then to pay the Creditors by Statutes, Judgments, and Recognisances; and in the Close of the Act, there was a general Saving of the Rights of all Persons, Bodies Politick and Corporate, other

Act of Parliament for Sale of Lord *Stawell's* Estate, and that the Monies arising by Sale should be first applied to pay off the Mortgages, and afterwards for Payment of Statutes, Judgment

and Recognisances, with a Saving to all but the Right of the Heirs of the Lord *Stawell*. Decreed that subsequent Mortgages shall be paid before precedent Statutes.

other than except the Heir at Law, and several others of the Lord *Stawell's* Family.

Several of the Statutes and Judgments were prior to some of the Mortgages; and there being a Decree for Sale and Execution of the Trust in the Act of Parliament; the Question now before the Court, upon a special Report was, Whether Mortgages should be paid in the first Place; or whether the Creditors by Statutes, Judgments, and Recognisances, should be let in to receive a Satisfaction according to their Priority, or be post-poned to the Mortgages.

For the Creditors by Statutes, Judgments and Recognisances, it was insisted, that as their Securities bound the Land as well as the Mortgages, they were, both in Law and Equity, to be considered as having a prior Right to the subsequent Mortgages; and although in the Beginning of the Act it is provided, that the Mortgages shall be paid in the first Place; yet there is a general Saving of the Rights of all Persons, except the Heir at Law, and those of the Lord *Stawell's* Family; and *that* Saving set the Matter at large again, and restored them to their Priority.

Lord Chancellor. The Act expressly provides that the Mortgages shall be paid in the first Place, and the general Saving must not control the express Provision of the Act; but must be so expounded, as to consist with the express Preference given to the Mortgagees; and he must decree the Execution of the Trust accordingly; but seemed to admit that by Virtue of the general Saving in the Act, they might make Use of their Incumbrances as they could at Law.

And it was further observed, that the Act of Parliament had not done them such manifest Injury as was supposed, in Regard at the Time of passing the Act, the

Heir of the Lord *Stamell* was an Infant of but *four* Years old, and the Statutes, Judgments and Recognifances could not reach the Estate, till the Heir came of Age; but the Mortgagees might enter presently; and therefore to induce them to consent to a Sale, there might be some Reason for giving them the Preference, it being apprehended at that Time, that the Estate, if presently sold, would have raised sufficient to have paid the Whole; and upon that Supposition it was provided that 200 *l. per Ann.* should be allowed for the Heir's Maintenance during his Minority.

Attorney General versus Mayor, &c. of *Coventry*. Case 634.
Lord Chancellor.

THE Plaintiffs having obtained a Decree against the Corporation of *Coventry* for 2000 *l.* and upwards, belonging to Sir *Thomas White's* Charity; and for Non-payment thereof having obtained a Sequestration, and taken Possession of all the Corporation Lands; the Earl of *Aylesford* having a Fee-farm Rent of 50 *l. per Ann.* payable by the Corporation moved the Court, that the Sequestrators might be ordered to pay it out of the Money in their Hands; and upon that Motion it was referred to a Master to examine, and state the Nature of the Demand.

One claims a Fee-farm Rent under the Stat. of Car. 2. and the Land is sequestred, out of which the Rent issues. Court ordered the Grantee of the Fee-farm Rent might take his Remedy at Law for the Rent, notwithstanding the Sequestration

Upon the Report it appeared, that Queen *Isabel* having a Grant for Life of the Tolls, Fines and Amerciements, &c. of the Town, and the Reversion in Fee granted to Prince *Edward*; they granted the same to the Corporation, reserving a Fee-farm Rent of 50 *l. per Ann.* and the Estate afterwards coming to the *Crown*, the Franchises, Tolls, Fines and Amerciaments, were by several Charters confirmed to the Corporation, reserving the 50 *l. per Ann.* which had been constantly paid to the

Crown, until the Fee-farm Rents were sold; and this Fee-farm Rent was purchased from the Trustees appointed by the Act 22 Car. 2. cap. 6. by the Lord Chancellor *Nottingham*, and by him devised to the Lord *Aylesford* his younger Son, to whom it was paid, until about *two* Years since; and the Act of Parliament to encourage Purchasers gave them the like Liberty the *Crown* had to distrain, not only upon the Estate granted, but upon any of the Lands of the Tenant, who ought to pay the Fee-farm Rent.

For the Incouragement of Purchasers of Fee-farm Rents, Stat. Car. 2. gives the Purchasers the same Power of Distrains, not only on the Land out of which the Fee-farm issues; but on any other of the Land of the Tenant, as the King had.

For the Plaintiff it was insisted, *first*, that this was a Rent originally reserved to a subject, and consequently void; for although the Crown may, yet a subject cannot, reserve a Rent out of an incorporeal Inheritance. But to that it was answered, that the subsequent Charters having confirmed the Grant, reserving the same Rent, it made the Rent good; and besides at this Distance of Time having been so long paid, it would be presumed to be well reserved.

Secondly, It was objected, that the Fee-farm Rent issuing only out of Tolls, Fines, Amerciaments, &c. the Grantee could not distrain upon the Lands of the Tenants, the Act of Parliament providing that a Purchaser of a Fee-farm Rent might distrain on all or any of the Lands of the Tenant, for the Time being, that should hold any Lands charged with the said Rent: But here the Tenant holds no Lands charged; for nothing is charged with the Rent, but the Tolls, Fines and Francises.

Sed non allocatur.

Though the King may distrain on any other of the Lands of his Tenant, as well as on those out of which the Rent issues; yet if the Tenant alien, devise, or lease at Will only his other Lands, the Crown cannot distrain on those Lands.

Thirdly, It was insisted, that although the *King* may distrain in any of the Lands of the Tenant; yet it must be

be admitted, that if the Tenant alien any Part of his Lands, or if he devises; nay if he leases to a Tenant at a Rent, although but at Will, the *King* cannot distrain upon those Lands, being no Part of the Lands originally charged with the Rent; and so it is upon a Recovery by *Elegit*; and therefore even the *Crown* is precarious in the Matter; the Tenant may at any Time determine *that* Right of distraining by aliening, by devising or setting his Land. It is only liable, whilst it is in his own Hands; and therefore no great Regard was to be given to such Privilege; and if the Tenant might do it even by a voluntary Act; if a Tenant at Will was to be exempt from that Power of Distress, *a fortiori* the Sequestrators, who come in by Process, and by a judicial Proceeding for a just Debt, ought in Equity to be equally regarded, and put upon an equal Foot with those who come in by *Elegit*.

Lord Chancellor declared, that all he could do upon the Motion, was to declare that notwithstanding the Sequestration the Earl of *Aylesford* might take his Remedy at Law as he should be advised.

D E

Term. S. Michaelis,

1716.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Case 635.

Lord Chan-
cellor.

Nov. 7.

Goods insu-
red by Agree-
ment valued
at 600 l. and
the Insured

not to be obliged to prove any Interest; yet the Insured is ordered to discover what Goods he put on Board, that the Value of his Goods saved, may be deducted out of the 600 l.

Le Pypre versus Farr.

ON a Policy of Insurance on Goods by Agreement valued at 600 l. and the Insured not to be obliged to prove any Interest.

Lord Chancellor Ordered the Defendant to discover what Goods he put on Board; for although the Defendant offered to renounce all Interest to the Insurers; yet referred it to a Master to examine the Value of the Goods saved, and to deduct it out of the Value or Sum of 600 l. at which the Goods were valued by the Agreement.

Harman versus Vanbatton.

Cafe 636.
Lord Chan-
cellor.
Nov. 7.

Defendant lent the Plaintiff 250*l.* on a *Bottomry Bond*, and afterwards insured on the same Ship; but the Insurance was larger as to the Voyage, there being Liberty to go to other Ports and Places, than what were contained in the Condition of the *Bottomry Bond*. The Ship being lost, the Defendant recovered the Money on the Policy of Insurance, and also put the *Bottomry Bond* in Suit: The Ship, though lost, had deviated from the Voyage mentioned in the Bond, in going to *Virgin gardo* to buy Salt.

One lends 250*l.* on a *Bottomry Bond*, and afterwards insures on the same Ship. The Ship is lost. He shall have both the Benefit of the Insurance, and the Money due on the Bond too.

The Plaintiff brought his Bill, pretending the Defendant ought not to have a double Satisfaction to recover both on the Insurance, and also on the Bond, he having insured only in respect of the Money he had lent on *Bottomry*, and had no other Interest in the Ship or Cargo; and therefore the Plaintiff would have had the Benefit of the Insurance, paying the *Premium*.

Sed non allocatur.

The Defendant having paid the *Premium*, was intitled to the Benefit of the Policy, and run the Risk, whether the Ship was lost or not; and the Insurers might as well pretend to have Aid of the *Bottomry Bond*, and to discount the Money recovered thereon, as the Plaintiff to have the Money recovered on the Policy to ease the *Bottomry Bond*.

Paying the *Premium* intitles the Party to the Benefit of the Insurance.

The Plaintiff also charged that the Defendant had promised and agreed to deliver up the Bond, on the Plaintiff's

An Offer to deliver up a Bond upon Terms not complied with is not

8 U

tiff's

binding, and if made without Consideration is *nudum pactum*.

tiff's making up the Money recovered on the Policy, as much as he lent on the Bond, with Interest and Costs, and proved such Offer and Promise. *Sed non allocatur*. It was but *nudum pactum*, a voluntary Offer, and on Condition that the Money was then paid, and it was not complied with.

Cafe 637.
Lord Chan-
cellor.
Dec. 26.

Wainwright versus Bendlowes.

A. devises his Fee-farm Rents to be sold for the Payment of his Debts, and the Surplus to go betwixt his Heir at Law, and his younger Brother; devises his Household Goods to go with his House, and the Residue of his personal Estate to his Sister. The personal Estate shall not be applied to pay Debts in Ease of the real Estate.

Thomas Bendlowes devised his Fee-farm Rent to be sold for the Payment of his Debts, and the Surplus arising by Sale after Debts paid, he devised to his Brother *John*, his Heir at Law, and to his Brother *Philip*, and to his Brother in Law *Wainwright*; and willed his Household Goods should go along with his House, and devised the Rest and Residue of his personal Estate to his Sister *Wainwright*, and made her Executrix.

The Question was, Whether the personal Estate should be applied to the Payment of Debts, in Ease of the Fee-farm Rent.

Difference where an Estate is only charged with Payment of Debts, and where it is devised to be sold out and out to pay Debts.

Lord Chancellor. A Difference is to be taken, where an Estate is to be sold out and out for Payment of Debts; and where only the Debts are charged on it, and the Estate made liable to the Debts, and cited *Feltham's Cafe*, 1 *Lev.* 203. and the present Cafe is the stronger, because the Surplus arising by Sale after Debts paid, is not to go to the Heir, but is devised away; and besides here the Debts being great, the Devise of the personal Estate would come to nothing, which is at Law deemed the worst Construction that can be made of a Will; and therefore decreed the Debts to be paid in the first Place, out of the Money arising by Sale of the Fee-farm Rents, and the personal Estate only to come in Aid of the Fund, if deficient,

deficient, and the Surplus of the personal Estate to the Sister the Executrix. The Devise of the Rest and Residue of the personal Estate to her is to be understood, what he had not otherwise devised by his Will, *viz.* the Household Goods to go with the House, and not the Residue after Debts paid.

Dux Devon' versus Kinton Wid'.

Cafe 638.
Lord Chan-
cellor.
Dec. 5.

Kinton having an Estate granted by the Bishop of *London*, to him and his Heirs for the Lives of *A. B.* and *C.* upon his Daughter's Marriage conveyed it over for the Use of his Son and Daughter for their Lives, Remainder to his own Executors, Administrators and Assigns; his Daughter being dead, and *Kinton* dying indebted to the Plaintiff (whose Steward he was) by simple Contract, and having devised this Estate to his Wife the Defendant,

A. seized of a Leashold Estate to him and his Heirs for 3 Lives, settles it on his Daughter and her Husband for their Lives, Remainder to the Use of his own Executors and Administrators. The Daughter and her Husband die. *A.* dies indebted by simple Contract, and devises this Estate to his Wife. Decreed that the Use of this Estate being limited to the Executors and Administrators of *A.* this makes it personal Estate in *A.* and being personal Estate, *A.* cannot devise it exempt from his Debts, though due but by simple Contract.

The Question was, Whether the Residue of this Term expectant on his Son in Law's Decease, should be Assets to pay a Creditor by simple Contract.

By the Statute against *Frauds* and *Perjuries*, an Estate *pur auter vie* is made devisable, and is Assets to pay Bonds and Specialties, if it comes to the Heir, and Assets general, if it comes to the Administrator; but if it be devised (as in this Case Mr. *Kinton* has devised it to his Wife) the Devisee takes it as devised to him; and it is no more Assets now, than it was before the Statute of *Frauds* and *Perjuries*.

Lord Chancellor. As to the Statute against *fraudulent Devises*, although the general Words in it may extend to a Devise

Estate *pur auter vie*, if limited to Executors, was Assets before the Statute of Frauds and Perjuries.

Devise of an Estate *pur auter vie*, yet *that* is only for Creditors by Specialty; and the Plaintiff here was only a Creditor by simple Contract. But in this Case the Residue of the Term being to Mr. *Kinton*, and to his Executors and Administrators, he had made it personal Estate, and his Lordship took it that before the Statute of *Frauds and Perjuries*, if an Estate *pur auter vie* came to an Executor or Administrator it would be Assets, and decreed it accordingly.

Case 639.
Lord Chancellor.

Clarke & ux' versus Berkeley & ux' & al', & econtra.

A. devises Lands in Trust to permit his Daughter *Susan* to receive the Rents until her Marriage or Death, and in Case she marry with the Consent of Trustees, then to convey the Premises to her and her Heirs. But if she died

before Marriage, or married without such Consent, then to convey to other Persons. *Susan* afterwards marries with the Consent of her Father, who settles Part of the Lands on his Daughter and her Husband, and dies. This Settlement is no Revocation of the Will as to the Devise of the other Lands to *Susan*.

George Bohun having Issue four Daughters, 'and no Male Issue, 17 July 1705, devises his Messuage called *Newhouse*, and the Park and other Lands adjoining, to four Trustees, upon Trust to permit his Daughter *Susan*, now the Wife of Mr. *Clarke*, to receive the Rents and Profits until her Death or Marriage, and in Case she married with the Consent of *two* of the Trustees and of her Mother, then to convey unto her and her Heirs, or to such Person as she should appoint; but if she died before Marriage, or married without such Consent; then the Trustees to convey those Lands to the same Uses, as he had devised his other Lands by his Will.

Susan afterwards in the Life-time of her Father, and with his Consent, married with the Plaintiff Mr. *Clarke*; and the Testator upon her Marriage conveyed to Mr. *Clarke*, *Newhouse* and Park, and other Lands Part of the Trust-Estate, and died, having made such Will as afore-said.

The Bill was brought by Mr. *Clark* and his Wife, against the Trustees and the other *three* Daughters, to have the Residue of the Trust-Estate conveyed to the Plaintiff *Susan*, according to the Will.

It was insisted by the Defendants, that the Testator having in his Life-time preferred his Daughter *Susan* in Marriage, and given her a Portion by conveying Part of the Trust-Estate to her Husband, and that in present Possession, *that* amounted to a Revocation of the Devise; the Lands devised to her, being intended as a Portion to advance her in Marriage, and the Conveyance to her of the greatest Part, although not of the Whole, in present Possession upon the Marriage, was an Equivalent and as good a Portion, as the whole would have been after the Testator's Decease.

And it was also insisted by the Defendants, that she could not take by the Will, the Devise being on a Condition precedent, that she married with the Consent of the Trustees and her Mother, in her Widowhood, and no such Consent was had; she marrying in her Father's Life-time, when the Trustees had no Estate or Trust, and the Conveyance was to have been made on her Marriage; and the Devise was grounded only upon a Supposition of a Marriage to be had after the Testator's Decease, which did not happen.

Lord Chancellor decreed a Conveyance according to the Will, declaring that the Marriage did not work a Revocation; and as to the Condition in the Will of her having the Consent of the Trustees, and of her Mother, *that* was dispensed with by having the Testator's own Consent; which was more to be regarded than any Consent of Trustees, to whom he had delegated a Power to consent, in Case of a Marriage after his Decease.

By the Daughter's marrying with Consent of her Father in his Life-time, the Condition is dispensed with.

Cafe 640.
Lord Chan-
cellor.
Nov. 9.

Devise of
Lands to *A*
and the Heirs
Male of his
Body, *A* dies
in the Life
of the Testa-
tor leaving
Issue. The
Devise is
void, and the
Issue cannot
take.

Hutton verſus Simpson & ux', & econtra.

T *Thomas Addiſon* having Iſſue *two* Daughters, *Jane* the Wife of *Simpſon*, and *Bridget* the Wife of *Hutton*, 14 Aug. 1702, made his Will, and thereby declares that his Daughter had married *Simpſon* againſt his Will; yet deviſed to her ſome Tithes, and a Sum of Money, and gives Legacies to her Children, and declared what he had ſo given to his Daughter *Jane*, was in full of her Portion, and in Bar of any further Part of his real Eſtate; and after the Deceafe of his Wife, he deviſes his Lands in *Turpentro* and in *Whitehaven*, and all other his real Eſtate, to his Daughter *Bridget*, and the Heirs of her Body begotten; and for Want of ſuch Iſſue, unto his Daughter *Jane Simpson* for Life, and to her *fiſt* and other Sons in Tail, Remainder to her Daughters in Tail.

Bridget afterwards married *Hutton* with the Teſtator's Conſent, and died in his Life-Time, leaving Iſſue the Plaintiff *Hutton*. After the Death of *Bridget*, the Teſtator annexed a Codicil to his Will, and thereby diſpoſed of ſome Part of his perſonal Eſtate.

Fiſt, Reſolved that *Bridget* dying in the Life-time of the Teſtator, the Deviſe became void, and that her Son could not take as Heir of her Body, but the Eſtate was to have veſted in the Mother; and the Words Heirs of her Body were Words of *Limitation*, and do denote the Nature and Duration of the Eſtate the Mother was to take.

Making a Co-
dicil and an-
nexing it to
the Will, is
no Republi-
cation of the
Will.

Secondly, That although a Codicil was annexed to the Will, *that* could not amount to a Republication of the Will, nor give any Title to the Son.

Thirdly, Whereas the Lands in *Turpentroe* and in *Whitehaven*, were devised to *Jane Simpson* after the Death of her Sister without Issue, who had Issue now living, the Plaintiff; yet the Devise to *Bridget* and the Heirs of her Body becoming void by the Death of *Bridget*, in the Life-time of the Testator, *Jane* should take immediately by Virtue of the Devise. The Authorities in the Books being so, although the *Lord Chancellor* at the same Time declared, it was not only against the Intention of the Testator, but also against the exprefs Words of the Will, and also against a Maxim in Law, That an Heir is not to be disinherited without exprefs Words.

Devise of Land to *A.* in Tail, and after *A.*'s Death without Issue, to *B.* *A.* dies in the Life of the Testator, leaving Issue; the Devise to *A.* is void, and *B.* shall take the Remainder presently, tho' against the Words and Intent.

Fourthly, That a Devise to *Bridget* after the Death of his Wife, although *Bridget* was but one of the two Co-heirs, would give an Estate for Life to the Wife by Implication: But *that* would not concern this Case; for the Words in the Will after the Death of the Wife, related only to her Jointure Lands devised to *Bridget*.

One having a Wife and 4 Daughters, devises Lands to one of his Daughters after the Death of his Wife; this is a Devise to the Wife for the Coheirs.

Life by Implication, though the Daughter was only one of the Coheirs.

The Cases cited were *Fuller* versus *Fuller*, *Cro. Eliz.* 422. when the first Devise is void, the Remainder shall take Place, as if no such Devise had been made; and *Hartop's* Case 1 *Levinz*, and *Cro. Eliz.* 243. Devise to *A.* and Heirs of his Body, Remainder to *B.* *A.* dies in the Life-time of the Testator, *B.* shall take presently, altho' *A.* left Issue.

Fifthly, The Testator having given the Residue of his Estate to his Wife, with Power to dispose thereof with the Approbation of his Trustees, although she made a Will and devised to the Plaintiff *Hutton*; *Lord Chancellor* declared *that* Devise void, she not having the Concurrence of the Trustees, and that the Testator died Intestate as to the Residue of his Estate.

A. having a Power of disposing of Land with Consent of Trustees, devises the Lands by her Will, this being without the Consent of the Trustees, is void.

Sixthly,

Equity will not relieve for mean Profits, unless in Case of Trust or an Infant, where no Entry is made by the Person intitled to the mean Profits.

Sixthly, Although the Wife did not take an Estate for Life by Implication, (the Words after the Death of the Wife, having Respect to the Jointure Lands only, and not to the other Lands mentioned to be devised to his Daughter *Bridget*) yet she had taken the Rents and Profits of the Whole; however there being no Trust, nor Infant in the Case, nor any Entry made by *Jane Simpson* in the Life-time of the Wife; the *Lord Chancellor* would not decree any Account of the Rents and Profits taken by the Wife.

Case 641.
Lord Chancellor.
Nov. 7.

Davila versus Davila.

A. by Marriage-Articles is bound to pay his Wife, if she survives him, 1500 *l.* in full of Dower, Thirds, Custom of *London*, or otherwise,

MR. *Davila*, on the Marriage of his Wife in 1703, in Consideration of the intended Marriage, and of 1000 *l.* Portion, covenanted, if his Wife survived him, to pay her 1500 *l.* in a Month after his Decease, in full of Dower, Thirds, Custom of *London*, or otherwise out of his real or personal Estate. A. dies intestate; this bars the Wife of her Share by the Statute of Distributions. *Ant.* Case 631.

Mr. *Davila* died Intestate, and without Issue, his Widow brought her Bill against the Administrator of her Husband, to have a Moiety of the personal Estate by the Statute for Distribution of Intestate's Estates.

The Defendant the Administrator pleaded in Bar thereunto the said Marriage-Agreement, and that thereby the Plaintiff was to have but 1500 *l.* out of her Husband's real and personal Estate, which he was ready to pay.

For the Plaintiff it was insisted, that the Marriage-Agreement did not extend to debar her from a Moiety of the personal Estate, which the Law gave her, not by her Marriage, but by her Husband's dying Intestate; and the Marriage-Agreement was intended to bar her only of all such Right as she might claim or become intitled unto by Virtue of her Intermarriage; and as the Husband might have given her by Will any Part of his real or personal Estate, and as the Marriage-Agreement would not hinder her from taking a Moiety of his Estate, if he had thought fit to devise it to her by Will; the Statute for settling Intestate's Estates was in the Nature of a Will, for all such as die Intestate.

Or if she might not have the 1500*l.* by the Marriage-Agreement, and also the Moiety of the Estate by the Statute; yet she might elect *that* of the *two* Provisions, which was most beneficial.

Lord Chancellor. By the Words of the Agreement she is tied down to accept the 1500*l.* in full for what she might claim for Dower or Thirds, or by the Custom of the City of *London*, or otherwise, out of the real or personal Estate; Words are never to be confined or restrained from their natural Signification, and therefore allowed the Plea.

It is objected her Husband might have given her a Legacy: It is true he might have so done, and so he might have made a Will, and have given her nothing, and possibly he might think it not necessary to make a Will, and devise the Estate to his next of Kin; because he knew his Wife was barred by the Agreement from claiming more than the 1500*l.* and that all the Rest of his Estate would go to his next of Kin.

Cafe 642.
Lord Cham-
cellor.

Peter verſus Ruſſell.

A. having a Mortgage of a Leaſhold Eſtate, the Mortgagor borrows the original Leaſe of A. with an Intention to borrow more Money on the Premifſes. If A. was privy to the Mortgagor's Intention of taking up more Money on the Premifſes, A.'s Mortgage ſhall be poſtponed to the ſubſequent Mortgage, as being acceſſary to the Fraud. Otherwiſe if

Goffe having a Leaſe from Mr. *Poultney* for *ſixty* Years of the thatched Tavern in St. *James's*, and of a void Piece of Ground adjoining to it, with Power to build thereon, had mortgaged it to Dr. *Lancaſter* and to Mr. *Haberfield*, which by meſne Aſſignment came down to the Defendant *Ruſſell*, on which there was due on the 5th of March 1705, 1700*l.* In May 1706, *Goffe* pretending he had contracted to let out Part of the Ground to be built upon, under a Ground-rent that would be an Improvement to the Eſtate, deſired the Defendant *Ruſſel*, who had the original Leaſe in his Cuſtody, to lend it to him, to ſatisfy the Perſons he was contracting with, as to the Duration of his Term, and that he had Power to grant a building Leaſe; the Defendant *Ruſſell* accordingly let him have it, being then at *Goffe's* Houſe, and in a few Hours after, *Goffe* delivered back the Leaſe to the Defendant *Ruſſell*.

A. was not privy to the ſubſequent Loan, but innocently lent the Leaſe to the Mortgagor.

The Plaintiff brought his Bill and alledged that on the 27th of May 1706, he lent *Goffe* 250*l.* on Mortgage of Part of the Premifſes, and that he was induced ſo to do upon *Goffe's* Shewing and Producing to him the original Leaſe, and was drawn in to lend the Money by the Defendant's Parting with and Truſting *Goffe* with the original Leaſe; and although *Ruſſell* ſwore by Answer he did not know the Plaintiff was about to lend, or *Goffe* to borrow any Money, and only produced it to ſatisfy ſuch Perſons, as *Goffe* alledged were treating with him to make an Improvement upon the Eſtate; yet at the Rolls the Plaintiff obtained a Decree to be paid the Money by him lent in the firſt Place, and to poſt-pone *Ruſſell's* Mortgage;

Mortgage; and the Estate not being sufficient to pay both, *Russell* appealed from the Decree.

Lord Chancellor reversed the Decree, it being denied by Answer, and there being no Proof, that *Russell* knew, or was informed that the Plaintiff was about to lend *Goffe* Money; but produced his Lease upon another Occasion, to satisfy the Persons who were supposed to be treating for Leases to build on; and did not any Thing against good Conscience, whereby to forfeit his Mortgage, he having neither actually encouraged the Plaintiff to lend the Money, nor passively, as standing by and concealing the Mortgage, knowing that the Plaintiff was about to lend Money on the Premises.

John Edwards and *Elizabeth* his Wife, Cafe 643.
Widow and Executrix of Captain
Jenefer, versus *Sir Richard Child*, *Shepherd* and others, Owners of the Ship
Success, and the *East-India Company*.

IN 1693, *Jenefer* was appointed Captain of the Ship *Success*, on a Voyage to *India*, at 10 *l.* per Month Wages, and to have two Servants, the one at 30 *s.* per Month, and the other at 20 *s.* per Month Wages. *Jenefer* the Master, and the Defendants the Part-owners enter into a Charter-party with the *East-India Company*, in which Recital was made, that the *Company* had paid to the Master and Mariners in Part of Freight 1200 *l.* by Way of Imprest Money; and further agreed, that the Seamen at the End of every six Months during the Voyage, should receive one Month's Wages; and that until six Days after the Return of the Ship to the Port of *London*, the *East-India Company* were not to pay any Freight, save the said Imprest Money, which was not to be returned, although the Ship should be lost in the Voyage: And there-

fore

East-India Company take Bonds from the Mariners and Officers of the Ships, not to demand their Wages, unless the Ship returned to the Port of *London*. The Ship arrives at a delivering Port, and is afterwards taken by the *French*. The Seamen and Officers shall have their Wages to the Time of the Arrival of the Ship at the delivering Port.

fore by the Direction of the *Company*, *Jenefer* the Commander, when he hired the Seamen, took Bonds from them not to demand any Wages till the Return of the Ship to the Port of *London*, and that they should not demand any Wages, if the Ship was lost before her Return to *London*.

The Ship failed to *Bengall*, and there delivered her outward bound Cargo. In her Return home the Ship was taken by the *French* on the Coast of *Ireland*, and the Captain and Mariners made Prisoners.

The Captain was sued by the Mariners for their Wages, being *four* Months, that became due at *Bengall*, the first delivering Port; and although the Bonds were given in Evidence, yet the Mariners recovered their Wages in an Action tried before the Lord Chief Justice *Holt*.

The Bill by the Plaintiffs, the Wife being the Executrix of Captain *Jenefer*, was to recover about 800*l.* he had been forced to pay to the Mariners, and likewise to have the Captains own Wages, and the Wages of his Servants for *four* Months, that became due at *Bengall* the first delivering Port.

Upon producing of Precedents, where Relief had been given in like Cases, *viz.* the Case of Sir *Humphry Edwin* *Ant. Ca. 195.* and Captain *Stafford* against the *East-India Company* in 1695, and the Case of *Buck* and Sir *Thomas Rawlinson*, affirmed upon an Appeal in the *House of Peers*; notwithstanding the *East-India Company* had taken Bonds from the Mariners not to demand their Wages, unless the Ship returned to the Port of *London*, the Lord Chancellor decreed the Plaintiffs to be paid the Wages due to Captain *Jenefer* for himself and Servants, and likewise what *Jenefer* had paid to the Seamen, with Interest and Costs.

D E

Term. S. Hillarii,

1716.

IN CURIA CANCELLARIÆ.

Samuel Newcomen, and Mary his Wife, Cafe 644.
versus Edward Barkham, and Sir Lord Chan-
William Massenburgh & al'. cancellor.
Feb. 9.

Edward Barkham versus Newcomen &
ux', Sir William Massenburgh, Dimock
Walpool and John Walpool.

SIR *Edward Barkham* having no Issue, 19 Jan. 1709, A. devises
made his Will, and devised his real Estate to Sir Lands
William Massenburgh and *Walpool*, and their Heirs, in Trust in Trust,
by Rents and Profits, and Sale of such Part, or of so after Debts
much as should be necessary, to raise Money for Pay- paid, to con-
ment of his Debts and Legacies, and to convey the Rest vey the Pre-
and Residue of all his Lands, Tenements and Heredita- misses to the
ments, which should remain unfold, to his Cousin *Ro-* Heirs Male
bert Barkham, and the Heirs Male of his Body; and for of the Body
of B. the Te-
stator's Great
Grandfather.
C. is the
Heir Male of
the Body of
B. but not
Heir gene-
ral, there
Want

8 Z

being a Daughter of an elder Brother, who is Heir general. Decreed Trustees to convey to C. As C. would be well intitled to take as Heir Male by Descent, so he is sufficiently described to take by Purchase.

Want of fuch Heirs Male, then to the Heirs Male of the Body of Sir *Robert Barkham* his Great Grandfather ; and for Want of fuch Heirs Male, to his own right Heirs for ever. And directed, that the Overplus of the Money fhould be paid to his Coufin *Robert Barkham*, or to fuch Heirs Male as fhould be intitled to the Refidue of his Manors and Hereditaments by his Will ; and thereby gave to his Sifter *Newcomen* 2000 *l.* to be put out at Intereft during her Life, ſhe to receive the Intereft, and after her Death to her Children.

Sir *Edward Barkham* died in about a Year after, and *Robert Barkham* died ſoon after in *Spain*, without Iſſue. The Plaintiff *Edward Barkham*, who was the Brother of the ſaid *Robert Barkham*, being then in the *East-Indies*, now brought his Bill, as being the Heir Male of the Body of Sir *Robert Barkham*, the Teſtator's Great Grandfather, againſt the Truſtees, and Mrs. *Newcomen*, to have a Conveyance of the Truſt-Eſtate ; and Mrs. *Newcomen's* Bill was that the Truſtees might account, and convey to her, as being the only Sifter and Heireſs of the Teſtator.

The Queſtion was, to whom the Truſtees ſhould convey, whether to the Plaintiff *Edward Barkham*, as the Perſon deſcribed, and intended to take by the Will, being the Heir Male of the Body of Sir *Robert Barkham*, the Teſtator's Great Grandfather, or to Mrs. *Newcomen*, the Teſtator's Sifter and Heireſs at Law, who inſiſted, that altho' the Plaintiff *Edward Barkham* was Heir Male of the Body of Sir *Robert Barkham*, and might have taken as ſuch by Deſcent, or by Way of Limitation ; yet being to take by way of Purchase, he ought to be as well Heir general, as Heir Male of the Body, and ought to be compleat Heir at Law to Sir *Robert Barkham*.

Lord Chancellor. The Meaning and Intention of the Teſtator is ſo very plain and obvious, that it becomes a Queſtion only by the artificial Reasoning of the Law, but

but not a Doubt to any Man of Sense and right Reason, if that is to be the Rule. And it is fit therefore to consider, how far this Court is hindred from decreeing according to the Intent and Meaning of the Testator agreeable to common Sense and right Reason. What has been objected is, that it has been adjudged and settled, that he that would take under the Description of Heir by Way of Purchase, must be a compleat Heir, or in other Words, Heir general, as well as Heir special: And that it is a Maxim and Rule in Law, *Quod non est hæres viventis*; but neither that Maxim, nor any of the Authorities built upon it, will affect this Case.

For here, *first* the Ancestor is dead, which frees us from the Authority of *Archer's Case* in *Co. Rep.* That Case goes no further, than that a Man shall not take as Heir in the Life-time of the Ancestor, *non est hæres viventis*; but in this Case the Ancestor is dead, and *Edward Barkham* is the Heir Male of his Body. All the Words of the Definition of the Person intended to take, exactly concur, and are verified in him, even in a legal Sense; and no Arguments are to be drawn from Cases, where the Words do not suit the Devisee; and therefore the Cases cited of *Challener* and *Bowyer*, 2 *Leo.* 70. as an Authority by *Newcomen's* Counsel may be laid aside, the Devise there being to the Heir of the Body of the Son, who was then living, and he could not have an Heir in his Life-time; and so likewise the Case in *Dyer* 99. there the Ancestor was living; but it is there implied that the Son might have taken, if the Ancestor had been dead; and in that Case it would be hard to say that the Son of the second Marriage, might not take as Heir of the Bodies of the Husband and his Second Wife, because he was not Heir general to them both, which he could not be, if either the Husband by a former Wife, or the Wife by a former Husband had happened to have had Issue a Son. In the Case of *Etterick* and *Sterling*, he was not there Heir Male in any legal Sense whatsoever, and
could

could only say he was a Male ; and it is to be observed, *that* was upon a Deed : And it may be admitted, that the Words (Heir Male) without more, will not carry it in a Descent, or by Way of Limitation, if he be not also Heir ; but do hold that he may take as Heir Male of the Body of a Person deceased, although he be not Heir general.

A Person
may take as
well by a
Description,
as by a Chri-
stian or Sur-
name.

And as the Intent and Meaning of the Testator is evident, as to the Person he designed to succeed to his Estate, so I think it ought to obtain. For *first*, it is a known Principle in Law, that a Person is allowed to take, as well by a Description, as by a Christian or Surname ; nay it has been carried further, even to pass by Mistakes or Untruths in the Description, as where the Christian Name is mistaken, or the like.

In the Case of a Descent, the Heir Male of the Body takes only as a Person described, and if a Person may take by a Description of the Person, then it certainly follows he must take, when the Description is true, and is perfect and compleat.

In the present Case the Description is not only true, but is certain, is perfect and compleat ; and *that* also in a legal Sense, and in Terms of Art. It must be admitted he is truly and certainly described, otherwise the same Description of the same Person would not intitle him to take by way of Descent, or Limitation ; and yet the Reason, which the Authorities cited seem to have gone upon, is, that these Words are not true of him ; that they are not entirely verified ; because, although he is Heir Male of the Body, yet he is not Heir general, or compleat Heir.

I may say this is an unfair and disingenuous Exposition. If a Man devises to his Heirs in *Borough English*,

or to his Heirs in *Gavelkind*, should not such special Heir take, although he was not Heir general at Common Law : So that the Objection comes to this, that here are Words proper to limit and restrain the Sense, and to distinguish the Person from the Heir general, and yet the Person so described or distinguished, shall not take as Heir special, because he is not the Heir general ; whereas the Heir general is neither the Person intended nor described.

A Man may devise Land to his Heirs in Borough English, or to his Heirs in Gavelkind ; and such a special Heir will take, tho' not Heir general.

As to the Certainty of the Description, he is the only Person living, that can be called Heir Male of the Body of Sir *Edward Barkham*, and is described by proper and artful Words, and not a Word redundant, and is not only true and certain, but artful and correct, and admits not or leaves Room for so much as a Cavil : And there is the same Reason, that the Heir Male of the Body may take by Purchase, as it is admitted he may by Way of Descent, since in both Cases he takes by Description of the Person intended to take. But a Distinction has been made, that the special Heir of the Body, who takes by Descent, is within the Statute *de donis* ; but *that* Statute extends not to such as take by Purchase, and that is true in Fact. But it does not follow, but the same Description may as well ascertain the Person, that is to take by Purchase, as it will, when he is to take by Way of Descent, or Limitation ; and besides, the Statute *de donis* creates no new Estates, or Limitations, but only secures and preserves such Estates to the Heir special, as were before at Common Law, from being liable to Alienation in such Manner as they were at Law : And no true Reason can be given why the same Description may not ascertain the Person intended to take by Purchase, as well as to intitle him to take by Descent. If such Distinctions are to be admitted, and to become Rules in Law, the Knowledge of the Common Law, will become rather a Matter of Memory, than of Judgment and Reason.

Hob. 31.

1 Co. Rep.
103. b.

I do admit that the Lord *Hobart*, in the Case cited in his Argument to maintain the Point there adjudged, says *obiter*, that where the Heir Male or Female of the Body is to take by Way of Purchase, he must be Heir general, and gives as a Reason for it, that he is not within the Statute *de donis*: But that is no good Reason; and the rather, because such special Heirs were well known at Common Law. In *Shelly's* Case, the Question there was upon Words of Limitation, and whether they were good Words of Purchase could not come in Question; but what is there said, that they would not be good Words of Purchase, was delivered only as the Lord *Coke's* Opinion in arguing for his Client, and not so much as taken Notice of by the Court, nor was it the Point in Question; yet he transcribes it into the Book of *Coke* on *Littleton fol. 24. b.* The Authorities there cited in the Margin, do none of them come up to this Case, as 9 *H. 6. 24. Farrington's* Case; there the Limitation is to the Heir Male, and not to the Heir Male of the Body, those Words (of the Body) wanting; and besides it appears by the Book, that the Person was not *in esse* when he ought to have taken. And so likewise the Case of 37 *H. 8. Bro. Abridgment*. There a Case put of a Limitation by a Deed to a Man and the Heirs Female of his Body, and although he had a Son, yet the Daughter took, and that of *Dyer 374. a.* appears to be an imperfect Sketch of *Shelley's* Case. It is generally found that in Cases *obiter*, the Points adjudged are not to be much relied on; and when sifted, the Law will be found consistent with it self, and the adjudged Cases reconciled.

The Case of *James and Richardson* in *Pollexfen* 457. and the same Case in second *Ventris* 311. in other Names; the Devise to the Heir Male of *R. S.* now living, adjudged a good Devise. That is a much stronger Case than the present, for there the Devisee was neither Heir general, nor Heir special, the Ancestor being

ing living, and a Maxim of the Law dispensed with, (*non est heres viventis*) and *Pollexfen* in that Case lays it down as a Principle, that if well described, he ought to take.

And the Case of *Long* and *Beaumont* in the House of Lords. A Devise to the Heir Male of *Elizabeth Long* lawfully begotten; and for Want of such Heir, to his own right Heirs; there held good, although not to the Heirs of the Body; those Words of her Body wanting; yet the Description supplied, and made good by other Words tantamount.

In the Case of *Pibus* and *Mitford*, 1 Vent. 372. where, in the Limitation in a Deed, *Mitford* covenanted to stand seised to the Use of his Heirs Male, begotten or to be begotten on the Body of his second Wife; altho' a Son by the first Wife; there held good, even in a Deed; and it is stronger in the Case of a Will. And although the other Judges gave it a nice Turn, that the Heirs took by Descent, and not by Purchase, by saying *Mitford* took an Estate for Life by Implication; yet the Lord *Hale* said he took by Purchase, and by Description, and held, he was well described; and says, it was absurd to say he could not take because he was not Heir general, when he is described as an Heir special, to distinguish him from the Heir general: And the Lord *Hale* there says, he finds not any Case adjudged contrary to that Opinion: And *Wyld* as convinced by his Argument, declares he was of the same Opinion: So that the Opinion of *Hale* and *Wyld* may out-weigh (by Way of Authority) the Opinion of *Cook obiter* in *Shelley's* Case, and that of *Hobart* in *Counden* and *Clarke*, their Opinions not being upon the Point adjudged; and besides right Reason and common Sense speak against those *obiter* Opinions; and the Case cited by the Lord *Hale* in the Case of *Pibus* and *Mitford* comes very near the present Case. A Man having two Daughters and a Nephew, gave his Daughters

Daughters 2000*l.* and gave the Land to his Nephew, by the Name of his Heir Male; provided, if his Daughters troubled the Heir, the Devise of the 2000*l.* to be void, and adjudged good. In our Case the Testator takes Notice of the Sister who was his Heir, and gives her 2000*l.* and then devises to the Heirs Male of his great Grandfather. And the Case *Trin. 8 Annæ Regina, Communi Banco, Rot. 1884.* Where a Devise to his Heir Male, although neither Heir of the Body, nor Heir at Law, held good; because by other Words in the Will it appeared, the Testator did not intend he should be hindered from taking by his Heir Female.

And therefore upon the whole Matter, decreed the Devise to Mr. *Barkham* was good, and a Conveyance to be made to him, he having not only the Intention of the Testator, and the Strength of Reason on his Side, but also the stronger Authorities; and directed the Conveyance to be made to *Edward Barkham*, and to his Heirs Male of the Body of Sir *Edward* the Great Grandfather.

When a Question arises how a Trust ought to be executed by a Conveyance, there is no better Rule than to observe and follow what has been done at Law in the executing of Conditions, that are Matters executory, and to be performed, so far as the Case will admit of.

Case 645.

Lord Chancellor.

Jan. 24.

One by Will gives his Executor an express Legacy, and makes no Disposition of the Surplus. The

Court will admit of parol Evidence to shew the Intention of the Testator, and if proved that the Testator intended the Surplus to the Executor, he shall have it notwithstanding his express Legacy.

Ant. Ca. 601.

Batchellor & ux' versus Searl.

William Allen, to whom the Plaintiff was Sister of the half Blood, being a single Man when he came to Town, was often at old *Searl's* House, who had a Daughter and four Sons, and falling sick, sent for *Parsons*

sons a Scrivener to draw his Will, and gave Legacies of 10*l.* apiece to the Plaintiffs for Mourning, and also his Horse to *John Searl*, and his wearing Apparel to his Executors, and made *John* and *George Searle* his Executors; and made no Disposition of the Residue or Surplus.

Plaintiffs Bill was to have the Surplus, as being his Sister of the half Blood, and next of Kin. *Parsons* who drew the Will swore, that the Testator gave no particular Directions as to the Surplus; but said, the Plaintiffs should have no more, would give no more away.

Lord Chancellor. The Evidence of *Parsons* falls in with the Tenor of the Will, and his Evidence takes away the Presumption, that he did not intend the Surplus for his Executors. And this is a much stronger Case, than that *Littlebury* and *Buckley* in the House of Lords, and therefore dismissed the Bill; saying, these Resolutions do not thwart the Authority of those Cases, where a Money Legacy given to an Executor, shall exclude him from the Surplus; the Presumption being, that the Testator did not intend him all and some: But such Presumption may be ousted or taken away by a Proof of the Testator's Intention, that his Executor should have the Surplus, or that his next of Kin should not have it: And here the Witness proves, that the Testator declared his Sister should have no more, should not have the Surplus.

Humberston versus Humberston.

Case 646.

MR. *Humberston* devised his Manors, Messuages, &c. to the *Drapers Company* and their Successors, &c. upon Trust to convey to *Matthew Humberston* for Life,

9 B

and

A. devises Lands to the Drapers Company in Trust to convey to B. for Life, Remainder to

his first, &c. Sons for their Lives successively, and so to their Issue Male for their Lives only, Remainder over. Though this be a vain Attempt of a Perpetuity, yet the Trustees shall make as strict a Settlement as may be, making all the Persons in Being but Tenants for Life; but the Limitation to the Son unborn must be in Tail.

and to his first Son, and all other his Sons for Life, and to their Issue Male for Life; and for Want of such Issue to *John Humberston* for Life, and to his Issue Male for Life, &c. and so to a great Number of them for Life, and their Issue Male for Life, and so to convey *toties quoties*.

Per Cur. An Attempt to make a perpetual Succession of Estates for Life, is vain and not practicable; however there ought to be a strict Settlement made, and the Intent of the Testator followed as far as the Rules of Law will admit of; and therefore directed the Settlement to be made, so that such who were in Being, should be only Tenants for Life; but where the Limitation was to be to a Son not in Being, there he must be made Tenant in Tail Male.

Cafe 647.

Lord Chancellor.

Jan. 24.

A. on Marriage of his Son, settles a Messuage on himself for Life *sans* Waste, Remainder to his Son. The Father, tho'

his Estate for Life be *sans* Waste, cannot pull down the House, nor commit any voluntary Waste therein; if he does the Court will grant an Injunction to stay Waste, and compel the Father to put the Messuage in as good Repair as before the Waste committed.

Vane versus Lord Barnard.

THE Defendant on the Marriage of the Plaintiff his eldest Son with the Daughter of *Morgan Randal*, and 10000*l.* Portion, settled (*inter alia*) *Raby Castle* on himself for Life, without Impeachment of Waste, Remainder to his Son for Life, and to his first and other Sons in Tail Male.

The Defendant the Lord *Barnard* having taken some Displeasure against his Son, got *two Hundred* Workmen together, and of a sudden, in a few Days, stript the Castle of the Lead, Iron, Glass Doors, and Boards, &c. to the Value of 3000*l.*

The Court upon filing the Bill, granted an Injunction to stay Committing of Waste, in pulling down the Castle; and

and now, upon the Hearing of the Cause, decreed, not only the Injunction to continue, but that the Castle should be repaired, and put into the same Condition it was in, in *August* 1714, and for that Purpose a Commission was to issue to ascertain what ought to be repaired, and a Master to see it done at the Expence and Charge of the Defendant the Lord *Barnard*; and decreed the Plaintiff his Costs.

Dux Beaufort & al' versus Dom' Donald & Ducis' Beaufort ux' ejus. Case 648.
Jan. 26.

THE Duke of *Beaufort* by his Will made in 1712, devised to his Son the Plaintiff, the Furniture of his Houses in the Counties of *Gloucester* and *Monmouth*, and all his Plate, and leaving several other Legacies, made the Defendant his Wife sole Executrix and residuary Legatee.

Post. Ca. 654.
One devises to his Son the Furniture of his House at D. and orders Goods to be carried from London to his House at D.
and agrees with Carriers for that Purpose, but dies before the Goods are removed to D.
These Goods shall not pass by the Will, as Part of the Furniture of the House at D.

The Fact fell out to be, that the *Duke* lived about *two* Years after the Making of the Will, and had before his Death caused several Rooms at *Badmington* in *Gloucestershire* to be measured, and bought Hangings, Pictures, and other Furniture designed to be put up there; and had caused the same, with other Goods he had here in Town, to be packed up, and put into Cases, in order to be sent down to *Badmington*, and had agreed with a Bargeman for the Carriage of them to *Letchlade*; and with Carriers and Farmers to carry them from *Letchlade* to *Badmington*, by Land-Carriage; but before they were removed from *London*, the Duke in 1714, died at *Badmington*.

The

The Plaintiffs Bill was (amongst other Things) to have the Goods so packed up, and intended to furnish *Badmington*; and the Question was, Whether they passed by the Devise of the Furniture of his Houses in *Gloucestershire* and *Monmouthshire*, or belonged to the Dutcheſs as Executrix and reſiduary Legatee.

The Cauſe was heard at the *Rolls*, and the *Duke's* Bill diſmiſſed as to *that* Demand; and coming on now before the *Lord Chancellor*, on an Appeal he affirmed the Decree: That the Teſtator's Intention to remove the Goods to *Badmington*, and to place them there, was not ſufficient to make them paſs by the Devise of the Furniture of his Houſe at *Badmington*.

Cafe 649.

Lord Chan-
cellor.

Feb. 5.

A. directed his Debts and Legacies to be paid out of the Rents of his real Eſtate; and that his Executors ſhould receive the Rents until his Nephew comes to the Age of 25, and to pay the Surplus of the Rents to his Nephew at 25, and deviſes the Reſidue

Doleman verſus Smith.

SIR *Thomas Doleman* by his Will directed that his Debts, Legacies, and Funerals ſhould be paid out of the Rents and Profits of his real Eſtate, and that his Executors ſhould receive the Rents and Profits of his real Eſtate until his Nephew *Thomas Humphry Doleman* attained his Age of *Twenty-five*; and after Debts, Legacies and Funerals paid, they to pay the Reſidue of the Rents and Profits to his ſaid Nephew, at his Age of *Twenty-five*. As to his perſonal Eſtate, he deviſed Part to Mrs. *Smith*, and other Part to other Perſons, and other Part to go as *Heir-looms*, and then deviſes the Reſt and Reſidue of his Goods, Chattles and perſonal Eſtate unbequeathed to his Nephew *Thomas Humphry Doleman*.

The Nephew dies an Infant. *Cur.* If this Bequeſt of the Surplus of the perſonal Eſtate had been to a Stranger, or a third Perſon, he ſhould have had the perſonal Eſtate diſcharged of the Debts; but the Surplus of the perſonal Eſtate, and the Land being given to the ſame Perſon, the Surplus of the perſonal Eſtate was not intended to be exempt from the Debts.

Thomas Humphry Doleman died an Infant.

The Question was, Whether the Residue of the personal Estate not particularly devised, should go to the Administrators and Representatives of the said *Thomas Humphry Doleman*, as exempt from Payment of Debts and Legacies; or whether the personal Estate not particularly devised should be applied to pay Debts and Legacies in Exoneration of the real Estate; and if so, the same would be totally exhausted in Payment of Debts and Legacies, and the Devise of the Residue of his personal Estate idle and vain.

Lord Chancellor. The Debts, Legacies and Funerals being charged on the real Estate, and to be paid out of Rents and Profits, if the Residue of the personal Estate unbequeathed had been devised to a Stranger, or to a third Person, he should have had it free and exempt from Payment of Debts; but the Devisee of the Surplus of the personal Estate, and the Devisee of the Land being one and the same Person; upon Consideration of the whole Will, he thought the Surplus of the personal Estate was not intended to be devised to him free and exempt from Payment of Debts.

Onions versus Tyrer.

MR. *Tyrer* in 1707 made a Will, duly attested by three subscribing Witnesses, and thereby had disposed of his real Estate, and being afterwards minded to make some Alteration in his Will, in the Year 1711, he made a second Will touching his real Estate, and with a

9 C

Clause

vokes all former Wills; but this Will is not duly executed. The last Will being void, will not amount to a Revocation of the former.

Case 650.

Lord Chancellor.

Feb. 6.

One devises his Land by Will attested by 3 Witnesses, and afterwards makes another Will of his Land, which re-

no Will, and

Claufe in it of revoking all former Wills; but there being no Table in the Room where the Teftator lay fick and fubfcribed his Will, the *three* fubfcribing Witneffes did not attelt it in his Prefence, but went into a lower Room out of the Teftator's Sight, and there wrote their Names as Witneffes to the Publifhing this latter Will; and it was alfo in Proof in the Caufe that there being two Parts of his former Will, one whereof was in his Cuftody, he called for that which was in his own Cuftody, and directed his Wife to cancel it, and the Witnefs fware fhe heard her tear it; and the Queftion now was, Whether the former Will was well revoked, or not.

First, It was refolved, that although there was an exprefs Claufe in the latter Will of revoking all former Wills; yet *that* latter Will being void, the Witneffes not atteltting the fame in the Teftator's Prefence, *that* would not amount to a Revocation, it being intended to operate as a Will, and not otherwife as an Inftrument of Revocation: And fo it was adjudged in the Cafe of *Eggleton* and *Speak*, 3 *Mod.* 258. Sir *Bart. Shore's* Reports 89. and in the Cafe of *Hilton* and *King*, 3 *Lev.* 86.

Where there are Duplicates of a Will, and the Teftator cancels one of them only, and the other Part is left intire; yet that is an effectual Cancelling of the Will.

Secondly, Where there were Duplicates, and two Parts of the former Will, in Cafe the Teftator duly cancelled and tore *that* Part, which was in his own Cuftody or Keeping, that would be an effectual Cancelling of the Will, altho' the other Part or Duplicate remained whole and uncanceled; and it was fo refolved in Sir *Edward Seymour's* Cafe.

Thirdly, Lord Chancellor was of Opinion, that the former Will flood good; for the latter Will being void, and not operating as a Will, would not amount to a Revocation; and as to the actual Cancelling of the former Will, the Evidence was not full and pofitive, that it was done; the Witnefs thought fhe heard the Wife tear it. It is plain he did it only upon a Suppofition that he had made
a latter

a latter Will at the same Time, and both Wills as to the Main, were much to the same Effect, and with little Variation as to the Disposition of the real Estate; and he did not cancel it with a Design to revoke the Devises as to the real Estate, but intended to do the same Thing by a latter Will; and in Case it had been a good Cancelling of the Will at Law, it ought to be relieved against, and the Will set up again in Equity, under the Head of Accident, and decreed it accordingly.

A former Will of Land is cancelled, the Testator supposing a latter Will by him made of the same Land to the same Effect was good. If that proves not to be duly executed, Equity will set up the former Will.

Chir versus Philpott.

Case 651.
Lord Chancellor.

THE Plaintiff a voluntary Devisee of Land brought a Bill against the Defendant, who was not Heir at Law, but pretended to claim by some antient Settlement; and the Bill was to establish the Will, and to be quieted in Possession against the Defendant's Claim and pretended Title.

A voluntary Devisee brings a Bill to establish the Will against one who is not Heir at Law. Defendant by Answer claimed un-

der some antient Settlement, which he could not find, and hoped when he could, he should have the Benefit of it. It was insisted for the Plaintiff, that the Defendant might try his Title by a certain Time, or in Default that the Plaintiff might hold and enjoy against the Defendant. Bill dismissed with Costs.

The Defendant by Answer said he was informed that there was a Settlement made by his Grandfather, and the Estate thereby intailed upon him, but he could not as yet find or discover in whose Hands it was, but hoped when he could discover it, he should have the Benefit of it, and to make such Use of it as he should be advised.

For the Plaintiff it was insisted, that the Defendant might be limited to a Time to try his Right, and make out his Title; and in Default thereof, the Plaintiff might be decreed to hold and enjoy against the Defendant, *Sed non allocat'*. The Lord Chancellor dismissed the Bill with Costs.

Bird

Case 652.

Lord Chan-
cellor.

Feb. 11.

One devises
1200 l. to A.
B. C. D. the
4 Children
of J. S. to
be divided a-
mongst them
according to
the Discre-

tion of J. S. whom he makes Executor, and wills that he shall not be compelled to pay any of the Legacies within a Year after the Testator's Death. A. dies before the Testator. B. dies within six Months after the Testator, and before any Allotment or Distribution. J. S. pays to C. 900 l. and takes a Receipt from C. in full of his Share of the 1200 l. and by Will gives 400 l. to D. in full of his Share.

Bird & ux' versus Lockey.

MRS. Standish by Will gave 1200 l. to the four Children of John Lockey by his first Wife, to be divided amongst them according to his Discretion and Pleasure, and made the said John Lockey and Guilsthorpe Executors; and in 1697 the Testatrix died.

One of the four Children died in her Life-time, another of them within six Months after her Death, and before any Allotment or Distribution made by John Lockey amongst his Children; but in 1708, John Lockey did pay to his Son Edward 900 l. and took a Receipt from him, in full of his Share of the 1200 l. Abigail, now the Wife of the Plaintiff Bird, being the other surviving Child, John Lockey, her Father, by Will gives her 400 l. in full of her Share of the 1200 l. She brought her Bill stating the Case as above, with this, that there was a Clause in the Will, that the Executors should not be compelled to pay any of the Legacies within twelve Months after the Decease of the Testatrix; she intending to allow that Time to get in and improve her Estate; and the Plaintiff by her Bill demanded the Residue of the 1200 l. with Interest from the End of a Year after the Testatrix's Death.

Adjudged
first, that A.
dying in the
Life of the
Testatrix, a
fourth Part,

of the 1200 l. did not become a lapsed Legacy; for nothing vested in any of the Children before an Allotment by the Executor.

The first Question was, Whether by the Death of one of the four Children in the Life-time of the Testatrix, a fourth Part of the 1200 l. became a lapsed Legacy.

Adjudged the whole 1200 *l.* was a subsisting Legacy, the Devise being to the *four* Children, and a Power only to the Father to distribute, divide and apportion; and until a Division and Apportionment made no particular Interest vests in any one Child.

The second Question was, Whether the Father, as Administrator to the Child who survived the Testatrix, was intitled in her Right to any Part or Share of the 1200 *l.* and adjudged he was not for the Reasons *supra*; no Allotment or Apportionment being made; and also for that she died within the Year allowed the Executors for Payment of the Legacies.

*Secondly, For the same Reason the Administrator of B. was not intitled to any Part of the 1200 *l.**

Thirdly, John Lockey the Father having in 1708, (*ten* Years after the Death of the Testatrix) paid 900 *l.* to his Son, and taken his Receipt in full for his Share, his Representative was barred from claiming any further Share, or Part of the 1200 *l.* and consequently the Remainder of the 1200 *l.* belonged to the Plaintiff the other surviving Child.

*Thirdly, C. having received 900 *l.* and given a Receipt in full of his Share, his Representative could claim no further Part of the 1200 *l.**

Fourthly, That the Father ought to answer Interest for the 1200 *l.* from the End of a Year after the Testatrix's Death. Securities were never wanting in the publick Funds, and it was his Default that he did not make an Appointment at the End of the Year after the Death of the Testatrix; and therefore decreed Interest to be answered after the Rate of 5 *l. per Cent. per Ann.* but the Master in computing of the Interest was to take out of the Principal so much, as with the Interest of it, would make up 900 *l.* when it was paid to the Son in 1708, and then to carry Interest for the remaining Principal, from the End of the Year after the Testatrix's Death; and decreed such Principal with single Interest to be paid the Plaintiff.

*Fourthly, The Father ought to pay Interest for the 1200 *l.* from a Year after the Testatrix's Death; Securities having been never wanting in the publick Funds.*

Cafe 653.
Lord Chan-
cellor.

*Attorney General, at the Relation of
the Schoolmaster of Wootton Under-
hedge, verſus Smith.*

A Decree
having been
made in Lord
Coventry's
Time for
granting a
Leaſe of
Charity
Lands to *J.*
S. (who had
been at great
Expence in
recovering
thoſe Lands)
for 99 Years
if 3 Lives li-
ved ſo long,
at the Rent of
one Third of
the then im-
proved Va-
lue, and to
be perpetu-
ally renew-
able without
Fine; it was
now decreed
the Leaſe
ſhould be re-
newed, *to-
ties quoties*,
without Fine,
but the Rent

THE School of *Wootton Underhedge* in *Com' Gloucester*, being founded and endowed by the Lady *Berkley*; Mr. *Smith* the now Defendant's Great Grandfather, having been at great Expence, on the Behalf of the School to recover the Lands belonging to the School, which were got into the Hands of Patentees as concealed Land; in the Lord *Coventry's* Time a Decree was obtained for ſetting aſide all the Leaſes then in Being, but decreed to the then Tenants, Leaſes for *Ninety-nine* Years determinable on *three* Lives under the Rent of one third Part of the then improved Value; and as to Mr. *Smith* the Defendant's Great Grandfather, that he ſhould alſo have a Leaſe for *Ninety-nine* Years, determinable on *three* Lives, at one third Part of the improved Value; and to be renewed from Time to Time for ever, without any Fine to be paid for the ſame, according to the Value of the ſaid reſpective Eſtates ſettled by a *Commission of Survey* directed by the Court for that Purpoſe.

not to be computed according to the Value of the Land at the Time of the Decree, but as it ſhould be, when the Leaſe ſhould from Time to Time be renewed.

Upon the Hearing of the Cauſe, the Lord Chancellor decreed, that the Defendant *Smith* according to the Decree made by the Lord *Coventry*, ſhould be admitted to renew his Leaſe, *toties quoties*, for *Ninety-nine* Years, determinable on *three* Lives without any Fine, at and under the yearly Rent of one Third Part of the improved Value; but the Value was not to be taken, what it was in the Lord *Coventry's* Time, or in the Survey then taken, but to be a third Part of the real improved Value, as the Eſtate ſhall be worth to be let at the Time when the

Leaſe

Lease shall be renewed from Time to Time ; and directed a Commission to enquire, whether the Defendant *Smith* had Possession of any Lands belonging to the School, that were not according to the said Decree to be comprised in his Lease, and for such he was to account according to the full Value ; and as to what were within his Lease, to account for them at a third Part of the real improved annual Value.

*Comes Shaftsbury versus Comitissam
Shaftsbury.*

Cafe 654.
Lord Chan-
cellor.
Feb. 25.

THE late Earl of *Shaftsbury*, before he went to *Naples* for his Health, made his Will, and thereby (*inter alia*) devised to the Defendant his Wife all the Plate, Pictures, Household Goods and Furniture, that should be in his House at *Rygate* at the Time of his Death.

Ant. Ca. 64S.
J. S devises
all his House-
hold Goods
and Furni-
ture which
should be in
his House
at *R.* at his
Death to his
Wife, and

afterwards going beyond Sea, his Steward gets the Landlord of the House to accept of a Surrender of the Lease of the House, and removes the Goods to another House ; and writes an Account of this to *J. S.* who approves of it. The Goods will not pass by the Will to the Wife, otherwise if they had been removed by Fraud to defeat the Legacy ; or by any tortious Act without the Privity of the Testator.

Whilst he was beyond the Seas, his Steward got the Landlord to accept a Surrender of the Lease of the House at *Rygate*, and thereupon he removed the Goods to another House of the Testator's, and wrote to the *Earl* an Account of what he had done, who approved thereof ; yet the Defendant insisted to be intitled to the Goods, that had been at the House at *Rygate*, the same being removed from thence, not by the Direction of the Testator, but by Accident, upon the Steward's prevailing on the Landlord to accept a Surrender of the Lease.

The Court decreed the Defendant to account and answer the Value of the Goods to the Plaintiff ; but withal declared, that if the Goods had been removed by Fraud

or

or Practice, on Purpose to disappoint the Legacy, or by a tortious Act, unknown to the Testator, *that* might have intitled her to Relief.

And whereas the Countess before Marriage had saved out of her Maintenance-Money 350 l. which was in the Hands of her Brother *Henry Exre Esq*; who after his Sister's Marriage gave a Bond for it to the *Earl*; but *Mr. Wheelock*, the *Earl's* Steward, proving that the *Earl* said his Wife should have that Money, and that it should be placed out in some publick Fund for her Benefit; and having also a little before his Death said, he gave it to his Wife; and *three* Persons then present put down in Writing what he so said, and attested it as Witnesses, though the *Earl* did not direct them so to do, nor knew that what he so said was put down in Writing; and although the *Earl* afterwards made *two* Codicils to his Will, and in one of them devised several Things to the *Countess*; but took no Notice of this Money, or of the Bond given for it; yet the *Lord Chancellor* decreed it to the Defendant the *Countess*, not as a Gift from her Husband, but as declared and intended originally for her separate Use.

Cafe 655. *Attorney General, ad relationem Tracy and Laphorn & al', versus Dominam Floyer, Campion, Cowper & al'.*

A. seised of the Manor and Patronage of *Waltham*, by Will gives 100 l. per Ann. Rent-charge, and the Right of Nominating to the

Edward Denny Earl of Norwich, being seised by Grant from *Edward the Sixth*, of the Scite and Demesnes of the dissolved *Monastry of Waltham Holy Cross*, and of the Manor of *Waltham*, and of the Patronage of the Church of *Waltham*, and of the Right of Nominating a Minister to Church to six Trustees, and those Trustees when reduced to three, to choose others. *B.* the only surviving Trustee assigns his Trust to others, who nominate to the Church, being a Donative. Decreed the Assignees of the Trust, though the Assignment was made by one only who survived, had the Right to nominate to the Church, and not the Owner of the Manor.

to officiate there, it being a *Donative*, the *Abbey* being of *Royal Foundation*; by his Will in 1636, amongst other Things, the said *Earl* devised a House in *Waltham*, and a Rent-Charge of 100 *l. per Ann.* and ten Load of Wood to be annually taken out of the Forest of *Waltham*, and his Right of Nominating a Minister to officiate in the said Church, to six Trustees and their Heirs, of which Sir *Robert Atkins* was one, in Trust for the perpetual Maintenance of the Minister, to be from Time to Time nominated by the Trustees, and directed that when the Trustees were reduced to the Number of *three*, they should chuse others.

It so fell out, that all the Trustees, except Sir *Robert Atkins*, were dead, and he alone took upon him to enfeoff others to fill up the Number, and *Tracy* and the other Relators were now the surviving Trustees, and they nominated *Lapthorne* to officiate; and the Lady *Floyer* and *Campion*, who were Owners of the dissolved Monastery, and of the Manor, claimed the Right of Nomination to the Donative, and had nominated *Comper* to officiate there, and he was got into Possession.

The Bill was that *Lapthorne* might be admitted to officiate there, and to be quieted in the Possession, and to have an Account of the Profits.

By the Defendants it was, amongst other Things, insisted, That the Trustees having neglected to convey over to others, when they were reduced to the Number of *three*, and the legal Estate coming only to one single Trustee, he had not Power to elect others; but by that Means the Right of Nomination resulted back to the Grantor, and belonged to the Defendants who had the Estate, and stood in his Place; or at least the Court ought to appoint such Trustees as should be thought proper.

Lord Chancellor. It is only directory to the Trustees, that when reduced to *three*, they should fill up the Number of Trustees; and therefore although they neglected so to do, *that* would not extinguish or determine their Right; and Sir *Robert Atkins*, the only surviving Trustee, had a better Right than any one else could pretend to, and might well convey over to other Trustees: It was but what he ought to have done; and decreed for the Plaintiffs with Costs, and an Account of Profits; but the Master to allow a reasonable Salary to *Comper*, whilst he officiated there.

Cafe 656. *Bothomley & al' versus Dom'um Fairfax.*

Lord Chancellor.

Mar. 11.

A Recognisance not inrolled to be taken as an Obligation, and to be paid as a Debt by Specialty.

THE Estate of the late Lord *Fairfax* being by him devised for Payment of Debts, and decreed to be sold, and the Money arising by Sale to be applied for that Purpose; and first to pay Mortgages, Judgments and Recognisances that affected the Land, and then other Debts; and all Creditors were at Liberty to come before the Master and prove their Debts.

J. S. had a Recognisance from the late Lord *Fairfax* for 500 *l.* but the Recognisance was not inrolled, and the Question was, Whether J. S. was to be considered as a Creditor by Recognisance, or only as a Bond-Creditor.

It was insisted, that a Recognisance at Common Law, need not to be inrolled; but it takes it's Force from being acknowledged, and being taken by the proper Officer, and for that Purpose cited the Case of *Wingfield and Hall*, in Lord *Hobart*: And if Inrollment was necessary, it might yet be inrolled. A Statute Staple by the Statute of *Aſton Burnell*, is to be inrolled within a limited Time, but not so of a Recognisance at Common Law; and altho' in the Case of *Cro. Eliz. 355. Hollingworth ver. Aſcue*,

and

and 2 *Roll. Abr.* 149. A Recognisance not inrolled is adjudged to be a Bond, *that* seems to be a Strain ; because altho' under Hand and Seal, it is not delivered, and Delivery is essential to a Bond.

Lord Chancellor. The Recognisance not being inrolled is imperfect ; and although the Court may permit the Inrollment of it after the Time elapsed ; yet it is always done with Caution, that it shall not Prejudice any intervening Purchaser ; and the Statute of Frauds and Perjuries provides, that Judgments shall not by having Relation to the first Day of the Term bind Purchasers nor affect the Land, but from the Time of Signing of them in the Margin ; but it is silent as to Recognisances and Pocket Securities, which are more dangerous to Purchasers, and therefore more reasonable that this Recognisance should not bind, but from the Time of the Inrollment ; and it may fairly be presumed, that the Debt was otherwise satisfied or secured, when the Recognisance was not inrolled : And decreed *J. S.* should be considered as a Bond-Creditor only.

A Recognisance may be enrolled after the Time is elapsed ; but it is done with Caution, so as not to prejudice any intervening Purchaser.

D E

Term. S. Michaelis,

1717.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Case 657. *Williams versus Callow, & econtra.*

A Husband uses his Wife with Cruelty, and is an extravagant Person, wasting all his Substance. Court decreed the Interest of a Trust-Bond given for the Wife's Portion, to be paid to the Wife for her separate Maintenance. *Ant. Case 598.*

Williams a Glover agreed to give his Son 1500 *l.* and turn over his Trade and House to the Son, and Mrs. *Callow* was to give 600 *l.* Portion with her Daughter; but Mrs. *Callow* insisted she could give but 500 *l.* until the Son prevailed that if she would give Bond for 600 *l.* he would return 100 *l.*

The Marriage took Effect, Husband proved drunken, rude, and abusive to his Wife, and wasting his Stock; his Father got him to re-assign back his House for an Annuity of 60 *l. per Ann.* for his Life; and afterwards he came to an Agreement with Mrs. *Callow* to take a Bond for 500 *l.* the Interest whereof was to be paid him during the Joint-Lives of himself and Wife, and if he survived, the Principal to be paid to him; and gave a Release of the Portion to Mrs. *Callow*.

Williams

Williams the Husband brought a Bill to fet aside the Release he had given to Mrs. *Callow*, and to have a Legacy of 150*l.* given to his Wife by her Grandmother, and to have the Portion made up 600*l.* although he had delivered up the last Bond for 100*l.*

The Wife having given a Release to the Mother before Marriage, and the Treaty being for 600*l.* Portion, and no Mention made of the Legacy, the Bill was dismissed as to that Demand, and also as to the 100*l.* which the Son promised to remit to his Mother, and accordingly after Marriage gave up the Bond.

Mrs. *Williams* the Wife brought her cross Bill to have the Interest of her Portion for her separate Maintenance; and the *Chancellor* decreed it accordingly, declaring that this was a stronger Case than that of Sir *James Oxenden*; Ant. Ca. 444. there only relieved from the ill Behaviour and Beastliness of Sir *James*, here Cruelty mixed with it. Sir *James Oxenden* of Substance to have maintained his Wife, and lived suitable to his Estate; here the Husband has wasted all, and has no fixed Habitation, but goes from Alehouse to Alehouse; and both Cases alike in that the Wife's Fortune was in Trustees, the Bond for the 500*l.* being taken in Mr. *Callow*, the Wife's Brother's Name.

Stanton versus Platt.

Case 658.

MR. *Platt*, a Freeman of *London*, having an only Daughter, advanced her in Marriage by the settling of a real Estate, and the Husband and Wife separated, and the Husband went beyond Sea.

Advancement by a Freeman of London of a Child by a real Estate, no Bar of the orphanage Part.

Mr. *Platt* died, having by his Will devised some Houses to a Trustee for the separate Use of his Daughter.

First, Advancement by Land no Bar to the Custom, any more than if devised or descended.

Secondly, If it might go in Part, yet it would be the same Thing, because there was but one Child; and the Advancement in Part, falls in again to the Child's Part. *Ante* 560.

Thirdly, That what was devised to the Trustee for the Daughter, cannot go in Part of *Orphanage*, nor any Bar to it; but if legatory Part not sufficient, the Legatees must abate in Proportion. *Ant. Ca.* 107.

Case 659.

Lord Chancellor.

Nov. 15.

Marriage-Settlement on the Husband for 99 Years, if he so long lived, Remainder to Trustees, to preserve contingent Remainders, Remainder to his Wife for her Jointure, Remainder to the Heirs of his Body on the Body of *Mary* his intended Wife, Remainder to his own right Heirs.

to the Heirs of the Body of the Husband by the Wife, Remainder to the Heirs of the Husband. There is Issue two Sons and a Daughter. Husband and Trustees with the eldest Son, join in a Fine; it is a good Bar, and no Breach of Trust, the eldest Son joining.

Elie versus Osborne.

James Steer, on his Marriage settled the Lands in Question on himself for *Ninety-nine* Years, if he so long lived, Remainder to Trustees and their Heirs, to preserve contingent Remainders, during his Life, Remainder to his Wife for her Jointure, Remainder to the Heirs of his Body on the Body of *Mary* his intended Wife, Remainder to his own right Heirs.

Issue *John*, *James*, and *Mary*: *James* the Father, and *John* his eldest Son, with the Heir of the surviving Trustee, join in a Feoffment and Fine to *Doughty* and his Heirs. *John* and *James* the Sons died without Issue, *James* the Father yet living.

The

The Question was, Whether the Purchaser had a good Title, or that the Trustees joining should be a Breach of the Trust.

Plea allowed. *Lord Chancellor.* It is absurd to say, that the Trustees may not join with the Tenant in Tail; for although the Father was living, he was but barely Tenant for *Ninety-nine* Years if he lived so long, and the Estate-Tail vested in the Son in Equity, but the legal Estate in the Trustees and their Heirs, during the Life of the Father, and they are Trustees purely for the Tenant in Tail, and to preserve his Estate, and not to stand in Opposition to him for the Sake of those who are to come after him.

Tenant in Tail joining with the Trustees for preserving contingent Remainders, prevents any Breach of Trust.

Attorney General versus Burdet and Smith & al.

Cafe 660.
Rolls.
Feb. 15.

AN Appointment by Tenant in Tail to a Charity, shall bind the Reversioner in Fee, and as an Authority in Point, the Case of *Christ's Hospital* and *Hawes* was cited, *Duke's Charitable Uses* 84. the Statute of Charitable Uses, supplying all Defects of Assurance, where the Donor is of Capacity to dispose, and hath such an Estate, as is any Way disposible by him, whether by Fine or Common Recovery; and the Case also of the *Attorney General* and *Hawley* was cited, that the Appointment by Tenant in Tail, barred the Remainder-Man.

An Appointment by a Tenant in Tail to a Charity, shall bind the Reversioner. Statute of Charitable Uses supplies all Defects of Assurance, which the Donor was capable of making.

D E

Term. S. Hillarii,

1717.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Cafe 661.
 Lord Chan-
 cellor.
 Feb. 24.

Short versus Long.

A. devises
 his real E-
 state to his
 Son for Life,
 Remainder
 to his first,
 &c. Son in
 Tail, with
 Remainders
 over, and
 devises a

Lease to his Daughter, and dies not leaving Assets to pay Debts. The Son and Daughter shall contribute in Proportion, each Estate being liable at Law, and the Testator's Intention equal between both.

THE Testator devised his real Estate to his Son for Life, and to his first and other Sons in Tail, with Remainders over; and by the same Will devises specifically a Leasehold Estate to his Daughter, and made his Son Executor; the Assets falling short to pay Debts.

The Question was, Whether the Deficiency was to be charged upon the real, or upon the Leasehold Estate.

I

Lord

Lord Chancellor decreed the Deficiency to be born equally in Proportion to the Value of each Estate; the Fee-simple Estate devised to the Son, being liable to Debts by Specialty, by the Statute against fraudulent Devises; and the Leasehold, although specifically devised, is liable to Debts, and both being devised, the Intention of the Testator stands equally between the Devisees; and both Estates being liable, each ought to contribute its Proportion.

D E

Term. S. Trinitatis,

1718.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Case 662.

Lord Chan-
cellor.

July 12.

One by Will
gives all his
Lands, Mo-
ney, &c. to
his Wife ;
provided if
Wife dies
without Issue,
then 80 l.
shall remain
to his Bro-
ther after his
Wife's Death.

The Brother dies in the Life of the Wife. *Vide post.* Ca. 665. where it was decreed the Legacy good.

Pinbury versus Elkin & al'.

*G*iles Davis a Clothier in Com' Glouc' July 18, 1712, having no Issue, devised to *Hester* his Wife, all his Lands and Tenements, Money, Cloaths and Yarn, to be freely by her possessed and enjoyed: Provided if the said *Hester* died without Issue by the Testator *Giles Davis*, that then 80 l. should remain to his Brother *John Davis* after her Decease, and made *Hester* his Wife Executrix.

The Testator died without Issue, and had no Lands or Tenements, either Frehold or Leasehold, but possessed only of a personal Estate, consisting chiefly in Money, Cloaths and Yarn. *Hester* married the Defendant *Elkin*; *John Davies* died in the Life-time of *Hester*, and made a Will, and one *Wright* Executor, who assigned the 80 l. to the Plaintiff.

The Plaintiff's Bill was to be paid the 80 *l.* Defendant *Elkin* admitted sufficient Assets of his Wife ; but insisted, the Plaintiff was not well intitled to the 80 *l.*

First, Because *John Davies* died in the Life-time of *Hester*.

Secondly, Because the Devise of the 80 *l.* was to arise, upon too remote a Contingency, *viz.* upon *Hester's* dying without Issue by the Testator.

As to the first Objection, it was insisted by the Plaintiff's Counsel, that altho' *John Davis* had but a Possibility or contingent Interest, and such, as they admitted, he could not transfer or assign over ; yet such Possibility would go to his Executors or Administrators, and for that Purpose cited the Case in 2 *Ventris*, an *Anonymous* Case 347. 100 *l.* devised to *J. S.* at the Age of *Twenty-one*, and if he died before that Age to *A.* and *B.* and the Survivor of them ; *A.* and *B.* both died in the Life-time of *J. S.* then *J. S.* dies under the Age of *Twenty-one* ; the Administrator of *B.* who survived *A.* obtained a Decree for the 100 *l.* Although *B.* died before the Contingency happened, yet it should go to his Administrator.

As to the *second* Objection, it was insisted that the Will is to be construed according to the vulgar Understanding of the Testator, who is supposed to be *inops Consilii*, and not according to a legal Acceptation of the Words, and in common *Parlance*, or according to the vulgar Acceptation a Man is said to be dead without Issue, when he has no Issue living at the Time of his Death ; and it is not to be understood of a future Time, when the Issue he left at his Death might afterwards happen, it may be *one Hundred* Years after, to die without Issue ; and therefore the Defendant's Counsel would have it to be the same, as if it had been, provided she should
die

die without Issue living at the Time of her Decease; and a Remainder or Devise over upon a Contingency, that was to happen within the Compass of Life, was a good Devise or Limitation over, even of a Personalty, or of a Sum of Money, or Chattel personal.

Lord Chancellor as to the first Point seemed doubtful, Whether the Devise of the 80*l.* was not personal to the Brother, if he survived the Widow.

As to the second Point, not to be maintained, that the Devise over was good, after the Wife's Dying without Issue by the Testator; nor can the Court supply the Words, *living at the Time of her Decease*: But the Question is, Whether there are not Words sufficient in the Will to shew, when he intended the Contingency to arise; the 80*l.* is made payable after her Decease; the Word (after) to be taken the same as at her Decease, or immediately after her Decease.

As to the *first* Point, By the Civil Law it is a Rule laid down in *Swinburne*, that when a Legacy is payable at a Time uncertain, as at the Death of the Testator's Wife or the like, if the Legatee be then dead, it is not to be transmitted to the Executor, but is a lapsed Legacy.

Cafe 662.

Lord Chancellor.

July 22.

Settlement on Husband for Life, Remainder to Wife for Life, Remainder to the first, &c. Son, Re-

mainder to Trustees for *five Hundred Years*, in Trust after the Commencement of the Term, to raise 4000*l.* by Rents and Profits, Sale or Mortgage, payable at *Twenty-one* or Marriage. Husband dies leaving one Daughter, who marries. The Portion not to be raised in the Life of the Mother, nor any Interest to accrue during the Mother's Life, because the Trust is to raise the Portion after the Commencement of the Term, which must be intended when it comes into Possession.

Butler versus Duncomb.

Settlement to the Husband for Life, to the Wife for Life, and to *first* and other Sons in Tail; in Default of such Issue, to Trustees for *five Hundred Years*, Remainder to the Defendant *Duncomb* the Grandfather, who made the Settlement, and his Heirs.

The Trust of the Term is declared to be in Trust, that after the Commencement of the Term, the Trustees shall by and out of the Lands, Tenements and Hereditaments, raise for the Portions of such younger Children, as *George* the Son should have by *Anne* his Wife, the Sum of 4000*l.* to be raised and paid out of the Rents and Profits, or by demising, selling or mortgaging the Premises, to be paid to the Child or Children at *Twenty-one* or Marriage, which shall first happen.

The Husband died, and left only a Daughter, who when of the Age of *fifteen*, married the Plaintiff in the Life-time of the Mother.

The Question was, Whether the Portion should become payable in the Life-time of the Mother.

The Objection relied on was, that it was not to be raised until after Commencement of the Term, and the Term does not properly Commence until it comes in Possession, but was a vested Remainder on the Making of the Settlement, and was no contingent Remainder; and cited the Case of *Cotton and Cotton*, where a Maintenance was to arise, and be paid at the first Feast that should happen after the Commencement of the Term, heard at the Rolls, and decreed it did not commence until after the Death of the Wife.

For the Plaintiff were cited the Cases of *Hellier* and *Jones*, where a Term was sold in the Life-time of the Father, to raise Portions at *Twenty-one* or Marriage, *Greaves* and *Mattison*, 2 *Jones* 201. If he die without Issue Male of his then Wife. *Ant. Ca.* 589, 583.

Cur' advisare vult.

A Woman being intitled to a Portion of 4000*l.* after the Death of her Mother, and no Interest payable for it in the mean Time, and she having married a considerable Tradesman, decreed by Consent of the Wife, that he might sell or dispose of a Moiety of the Portion as he thought fit.

The Cause coming on afterwards to be further heard, the Court declared the Portion was not payable until after the Decease of the Jointress, nor would carry Interest in the mean Time. But Mr. *Butler* being a considerable Tradesman in *Guildford*, the Court thought it not reasonable, that the whole Money, when payable should be secured or laid out for the Benefit of the Wife and Children; but decreed the Wife being present in Court and consenting, that Mr. *Butler* might sell or dispose of a Moiety of it, as he thought fit.

D E

Term. S. Michaelis,

1718.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Willson versus *Fielding*. *Hillersden* versus *Fielding*. Case 663.
Lord Chancellor.

THE Executrix applies Part of the personal Assets in paying of a Mortgage. The Plaintiff *Willson*, who was a Creditor by simple Contract, brings his Action against the Executrix, who pleaded *plene Administravit*, and he takes Judgment against the Executrix, to be satisfied out of Assets *quando acciderint*, and now brought his Bill against the Heir to compel him to refund so much of the personal Assets, as had been applied to pay off the Mortgage.

One dies indebted by Mortgage and simple Contract: One of the simple Contract Creditors gets Judgment of Assets *cum acciderint*. The Executor applies the Assets to pay off the Mortgage.

The simple Contract Creditors shall stand in the Place of the Mortgagee, as to what he has exhausted out of the personal Assets; and this being only by the Aid of Equity, all the simple Contract Creditors shall come in equally with the Creditor that got Judgment.

And *Hillersden*, and others, the Plaintiffs in the other Cause, being likewise Creditors by simple Contract brought their Bill to compel the Heir to refund and to be paid their Debts.

And

And the Question was, Whether *Wilson* by Virtue of his Judgment, was to be preferred to the other Creditors in Point of Payment.

A Lease for Years or Bond taken in a Trustee's Name, being personal Assets, shall be applied in a Course of Administration, and not to the Payment of all Debts equally.

Adjudged that the Plaintiff *Wilson* being only relievable in Equity, all the Creditors should be paid in Proportion, for the Judgment could not avail him at Law, no Assets coming afterwards to the Hands of the Executors: But if there had been personal Assets, as a Lease for Years, a Bond, or the Grant of an Annuity in a Trustee's Name, then although a Creditor could not come at it without the Aid of a Court of Equity, yet the Assets should be applied in a due Course of Administration: But in this Case the Compelling the Heir to refund is a Matter purely in Equity, and a Raising of Assets, where there were none at Law.

Case 664. *Turton versus Benson. Richardson & al*
At the Rolls. *versus Benson.*

On a Treaty of Marriage between *A.* and the Daughter of *B.* The Mother of *A.* surrendered Part of her Jointure to

THE Plaintiff *Turton* on the Marriage of *Benson's* Daughter, was to have 3000 *l.* Portion, and in Consideration thereof, his Mother agreed to surrender Part of her Jointure, to enable her Son to make the Settlement.

enable her Son to make a Settlement; and *B.* agrees to give his Daughter 3000 *l.* Portion. *A.* without the Privy of his Mother gives a Bond to *B.* to pay back 1000 *l.* at the End of seven Years. Decreed the Bond to be delivered up, as obtained in Fraud of the Marriage-Agreement. And though *A.* after *B.'s* Death had promised to pay the 1000 *l.* to *B.'s* Creditors, yet that was *nudum pactum*, and not binding. *Ant. Ca. 426, 450.*

There were no Articles in Writing, but in the Settlement made by Mr. *Turton*; it is mentioned to be in Consideration of 3000 *l.* Portion; but Mr. *Benson* who was *Secondary* of one of the *Counters* in *London*, prevailed on *Turton* to agree between themselves, unknown to his Mother, and those who treated for the Marriage on his Behalf,

Behalf, to give a Bond to repay 1000 *l.* Part of the 3000 *l.* at the End of *seven* Years, but without Interest. *Benson* being dead, the Bill was brought against his Widow and Administratrix to have the Bond delivered up, as unduly gained, and imposed upon him by *Benson* a little before the Marriage without the Consent or Privy of his Mother or Friends, that treated on his Behalf.

Richardson and others as Creditors of *Benson*, brought their Bill to have the Benefit of the Bond, charging a Collusion between *Turton* and Mrs. *Benson*, and that she made but a faint Defence to their Prejudice, and charging that *Turton*, since the Death of *Benson*, had promised to pay the Money, and in Confidence that it would be paid, it was assigned over to the Creditors.

The Bond *decreed* to be delivered up, as obtained in Fraud of the Marriage-Agreement. The Assignment to the Creditors did not alter the Case; a Bond, which is assignable only in Equity, is still liable to and attended with the same Equity, as if remaining with the Obligee.

A Bond is only assignable in Equity, and when assigned is liable to the same Equity, as if remaining with the Obligee.
Ant. Ca. 617.

And as to any Promise made by *Turton* that he would pay it, *that* was but *nudum pactum*, and not binding.

The Decree in *Michaelmas* 1719, affirmed upon an Appeal to the Lord Chancellor.

I

D E

Term. S. Trinitatis,

1719.

In CURIA CANCELLARIÆ.

Cafe 665.
July 22.

Pinbury versus Elkin.

Ant. Ca. 662. Object. 1. **L**egacy is to take Effect after the Death of *Hester* the Wife without Issue, and therefore void, as on too remote a Contingency.

If he die before Issue.

If depart not leaving Issue.

If died not having a Son ; all these Limitations create an Estate-Tail.

1 Sid. 102.

2. In the Case of *Goodyear versus Clarke*, a Case cited, as determined in Chancery and referred to the Judges. A Father on the Marriage of his Daughter, provides his Son in Law should refund 500 *l.* if his Wife died without Issue in *two* Years: She had a Son, and she and the Son died within the *two* Years. Adjudged the Son in Law should not refund.

3. In the vulgar Sense, a Man is said to be dead without Issue, if he has no Issue living at the Time of his Death. If a Question is asked, did J. S. die without Issue? No, he left a Son, and that Son is dead without Issue.

The Words are, *If she die without Issue, after her Death* (that is immediately after her Death) the 80*l.* is to go over; and therefore the *Lord Chancellor* was of Opinion, the Devise over was good. It cannot be thought that he intended the Brother should have it, if Issue failed *eight Hundred Years* after.

As to such Remainders over, is not a Covenant good to pay a Man 500*l.* on the Failure of Issue of J. S.?

Point 2. John was dead before his Wife, *Swinburne* 462, 463. Case in *Ventris* 347. *econtra*, that altho' the Contingency happen not in the Life of the Party, yet good.

Adjudged the Legacy good, and decreed with Interest and Costs.

A

T A B L E

O F T H E

Principal Matters

Contained in the foregoing

C A S E S.

Abatement. Revivor.

A Decree is obtained against a Man and his Wife, as Administratrix of *J. S.* for 1500 *l.* The Wife dies: Whether the Plaintiff can proceed against the Husband, without reviving against the Administrator of the Wife?

Page 195

Where a mutual Account is decreed, the Defendant, in Case of an Abatement, may revive. 219, 275

An Administrator obtains a Decree, and dies; the Administrator *de bonis non* may revive this Decree

within the Equity of the Statute 30 *Car. 2. cap. 6.* *Page 237*

Bill is brought for a Legacy against Baron and Feme, who was Executrix of the Testator. Defendants answer, and Witnesses are examined, and after Publication past the Husband dies. The Suit is not abated. 249

A Devisee may bring an original Bill in Nature of a Bill of Revivor, and shall have the same Advantage of a Decree, as an Heir or Executor; and the Defendant is not at Liberty to make a new Defence. 548

B

Upon

A Table of the principal Matters.

Upon a Bill in Nature of a Bill of Revivor against a Devisee, the Devisee cannot dispute the Justice or Validity of the Decree; for then a Devisee would be in a better Case than an Heir. *Page 672*

Who may revive.

Where a Decree is for a mutual Account, the Defendant may revive as well as the Plaintiff. 219, 275
Mortgagor brings a Bill to redeem; an Account is decreed, and a Report is made, and divers Proceedings are had in the Cause, and the Plaintiff is ordered to pay Costs and to deliver Possession. The Defendant the Mortgagee dies; Whether the Executor can revive the Suit. 296

Account.

Detinue of Charters is a good Plea at Law in Bar of an Account; and so it is in Equity. 33
An Account decreed of an Intestate's personal Estate, notwithstanding an Account had been before taken, and a Distribution decreed in the Spiritual Court. 47
Though Length of Time is no Bar, where Accounts have depended a great while between two Merchants; yet if Dealings between them have ceased for several Years, and one of them dies, and the Survivor brings a Bill for an Account, the Court will not decree an Account, but leave the Plaintiff to his Remedy at Law. 276

If an Account current is sent by one Merchant to another, who receives it, and makes no Objections for two or three Posts, it is looked upon amongst Merchants

to be an Allowance of the Account. *Page 276*

Where there is a Decree for a mutual Account, the Plaintiff on his own Bill may be decreed to pay the Balance of the Account. 297

A. is Tenant for Life of a Trust-Estate, Remainder to his Sons. *A.* before a Son born, brings a Bill against the Trustees; and an Account is decreed, and afterwards taken. This Account shall bind the Sons; for all Persons, that could be made Parties, were Parties in the Suit. 527

An Administrator of a Captain of a Company of Marines is intitled to an Account, as well of the Pay of the Company, as of the personal Pay of the Captain and his Servants. 682

Equity will not decree an Account of mean Profits, unless in Case of a Trust, or an Infant, where no Entry has been made by the Person intitled to the Profits. 724

Administrator. Vide **Executor.**

Advancement. Vide *Resulting Trust, &c. under Title Trust.*

Adowson. Vide **Presentation.**

Affidavit.

In what Cases, as to Matters under 40 s. The Party's own Oath is allowed to be a good Proof. 176

Age. Vide **Infant.**

Agreement.

A Copyholder for Life, where by the Custom there is a Widow's Estate, agrees to sell for his own Life, and the Life of such Widow

as

A Table of the principal Matters.

as he should leave at his Death.
His Widow not bound by this Agreement. Page 45

If a Person covenants to settle Land or an Annuity out of Land, and has no Land at that Time, but afterwards purchases Land; *that* Land shall be liable to the Covenant, and that against a voluntary Devisee. 97

An Agreement for stinting a Common between Lord and Tenants shall be performed, though opposed by one or two humourfome Tenants; such an Agreement being more favoured than an Agreement to inclose a Common. 103

Where an Agreement made by a Scrivener on Behalf of his Client to compound a Debt, shall bind the Scrivener, though not the Client. 127

Subsequent Agreement with *A.* by a Factor of a Merchant for Freight at 6*l.* 10*s.* *per* Tun, good, tho' *A.* took no Notice, he had made a former Agreement with the Merchant at 3*l.* 10*s.* *per* Tun, *that* Agreement having been obstructed by an Imbargo. 242

A. on the Marriage of his Daughter to *B.* covenants that *B.* should have his Land called *C.* for 1500*l.* less than any other would give for it, and afterwards devises the Premises to his Grandson for Life, with Remainders over, and dies: Court refused to decree a specifick Execution of this Agreement, by Reason of the Uncertainty of it, and it not being mutual. 415

Equity will not carry a voluntary Covenant beyond the Letter. 693

Parol Agreement.

Statute of Frauds and Perjuries.

Whether a Letter wrote during a Treaty of Marriage, and there are subsequent Treaties and Proposals, is an Agreement within the Statute of Frauds, &c. Page 34

Lessee for Years having agreed to Surrender his Lease to the Lessor, delivers up the Key, which the Lessor accepts, but afterwards refuses to take the Surrender. Lessee decreed to be discharged of the Rent. 112

Marriage Agreement is reduced into Writing, but not signed by either Party; yet decreed to be performed. 200

One, by Letter under his Hand, promised 1000*l.* with his Niece, but in his Letter dissuaded her from marrying the Plaintiff; and tho' he was afterwards present at the Marriage, and gave her in Marriage; yet the Court would not decree the Payment of the 1000*l.* but left the Plaintiff to his Action at Law. 202

One by Letter says, he will give 1500*l.* with his Daughter; the Daughter marries, and the Father is privy to it, and seems to approve of it. The Daughter dies, and the Husband takes Administration. The Father decreed to pay the 1500*l.* Portion. 322

A Marriage is treated between the Plaintiff and Defendant's Daughter, and the Articles are signed by the Plaintiff, but not by the Defendant, who tears the Articles on Pretence of being dissatisfied, tho' not on material Objections. Defendant permitting the Plaintiff to court his Daughter, and not declaring his Dislike to the Marriage, and

A Table of the principal Matters.

and permitting the young Couple to live with him, decreed the Defendant to pay the Portion according to the Articles. *Page 373*

A publick Survey is held for Sale of an Estate, and *A.* offering 1250*l.* for it, it is accepted and agreed to, and Conveyances are ordered to be got ready, and *A.* is put into Possession; but Disputes arising about settling the Conveyance, *A.* gets an Assignment of a Mortgage, to which the Estate is subject, and antedates it, and refuses to go on with the Purchase: 'Though the Agreement was only by Parol, yet on the Circumstances of the Case, *A.* is decreed to proceed in the Purchase. *455*

Agreements since the Statute of *Frauds*, &c. are not to be Part parol, and Part in Writing; yet a Deposit for Performance of a written Agreement, though there is no Writing declaring the Deposit to be a Security, is not within the Purview of the Statute. *617*

A. and *B.* being severally in Treaty to purchase a House and Toft of Land, they agree by Parol, that *A.* shall desist, and that *B.* shall purchase, and let *A.* have Part of the Ground, which he wanted, at a proportionable Price. *B.* purchases and refuses to perform the Agreement. This being a parol Agreement, is within the Provision of the Statute of *Frauds*. *627*

Underhand Agreement.

Tradefman failing compounds, but makes an underhand Agreement with some of his Creditors to pay them the Whole. This is a Fraud, and on a Bill brought by him against some of the Creditors, who refused to take the Composition,

after the Time of Payment was passed, the Court would not relieve the Plaintiff. *Page 71*

A. intrusted by *B.* to receive Interest on Tallies, receives the Principal, and fails, and afterwards compounds with his Creditors; but *B.* would not come in without having a greater Composition than the Rest, which *A.* agrees to give. *A.* brings a Bill to be relieved against this underhand Agreement; but he having been guilty of a great Fraud and Breach of 'Trust, and having agreed to make some Satisfaction, the Court would not relieve him; but dismissed the Bill. *602*

Agreement, when to be performed in Specie, and when not.

A. having taken a Lease of a Brew-house, and covenanted to repair, assigns it by Way of Mortgage to *B.* The Premises being out of Repair, the Lessor brings his Bill against *B.* to compel him to perform the Covenant. *B.* having never been in Possession, the Court would not decree him to perform the Covenant *in Specie*, but left the Plaintiff to recover at Law as he could. *272*

A. articles on Behalf of *B.* to purchase some Houses in *Jamaica*, and covenants to pay 800*l.* for the same, and the Houses are afterwards destroyed by an Earthquake. Though *A.* had no Effects of *B.*'s in his Hands; yet decreed him to pay the 800*l.* *280*

One is bound to transfer 300*l.* *East-India* Stock before the 30th of *Sept.* then next: 'Tho' the Stock was much risen, yet the Defendant decreed to transfer the 300*l.* Stock in Specie, and to account for

A Table of the principal Matters.

for all Dividends from the Time it ought to have been transferred.

Page 394

A. on his Marriage with his Daughter to *B.* covenants that *B.* shall have his Land called *C.* for 1500*l.* less than any other Person would give for it, and dies. The Court refused to decree a specifick Performance of this Agreement, by Reason of the Uncertainty of it, and it not being mutual. 415

As a beneficial Bargain ought to be decreed in Equity, so by the same Reason a losing one ought. 423

A. makes a Lease for three Years, and in Consideration of the Lessee's laying out 100*l.* in Improvements, covenants at the End of the Term to grant a new Lease, at the same Rent. Purchaser of the Inheritance decreed to make good the Covenant. 447

A Man on his Marriage makes a Settlement, whereby the Lands were limited in Remainder after his and his Wife's Death, to the Heirs of his Body begotten on the Wife, and covenants not to bar the Intail, nor suffer a Recovery; and having one Daughter, to whom on her Marriage he had given a good Portion, he suffers a Recovery, and by Will devises the Estate to his Daughter for Life, and to her first, &c. Sons in Tail, with Remainders over. On a Bill for a specifick Performance of the Covenant, the Court would not decree it, but left the Party to recover Damages at Law for Breach of the Covenant. 635

Unreasonable Agreement.

A. articles to sell Lands to *B.* for 15000*l.* the Whole to be paid in Money, or so much Land returned, as would make up what he

paid short of 15000*l.* *A.* conveys Part of the Lands to *B.* and by his Perswasion values that Part at an Undervalue; and then *B.* sells this Part to *C.* and afterwards would have returned so much of the Lands, as would make up the 15000*l.* Articles set aside as unreasonable; but the Sale to *C.* to stand. *Page 186*

Agreement on Marriage

Marriage Articles for settling Lands varied, by decreeing an Estate to one for Life, with Remainder in Tail to his Issue, instead of an Estate-tail to him. 13

A Woman on her Marriage agrees to have no Part of her Husband's personal Estate, but what he should give her by Will. This bars her of her *Paraphernalia.* 83

An Inhabitant within the Province of *York*, makes a Settlement on his Wife, in Bar of what she might claim out of his personal Estate, by the Custom of the Province of *York*, or otherwise, and dies Intestate, leaving his Wife and two Children. Whether the whole personal Estate shall be divided between the two Children, as if there was no Wife? 263

A. on the Marriage of *B.* his Son, settles a Lease on *B.* for Life, to the Wife for Life, and then to the Issue of the Marriage; and *B.* covenants from Time to Time to renew the Lease, and assign it on the same Trusts. *B.* renews the Lease, but does not assign it, and dies indebted. This Lease is bound by the Marriage Agreement, and is not Assets for Payment of Debts. 289

Money by Marriage Articles is agreed to be laid out in Land, and settled on the Husband and Wife, and

A Table of the principal Matters.

and their Issue, Remainder to the right Heirs of the Husband: Tho' the Money at first is bound by the Articles, yet when the Husband and Wife are dead without Issue, the Money is in the Disposal of the Husband, and will be Assets, and go to his Executor or Administrator, and *a fortiori* to his residuary Legatee. Page 295

A. on the Marriage of his Son with *B.* a Widow, articles to make a Settlement in Consideration of the Marriage, and 2600*l.* Portion to be paid to him; 1000*l.* of the Portion being tied up by Articles on *B.*'s first Marriage, it could not be paid. On a Bill brought by the Father, Decreed at the *Rolls*, that the Articles should be performed in six Months, or be delivered up. On an Appeal to the Lord Keeper, decreed the Son to make good the 1000*l.* he being Party to the Articles, and bound by his Wife's Covenant, who while Sole, had covenanted by the Articles for Payment of the Portion. 448

A Widow on the Marriage of her Son, agrees to release her Jointure, that he might make a Settlement, and the Son privately agrees to assign a Leasehold Estate to his Mother. This Agreement of the Son set aside as fraudulent. 466

Bond given to the Wife before Marriage to leave her Son 1000*l.* though extinguished at Law, yet good in Equity, and shall bind the real Assets; and decreed the Wife after her Husband's Death to redeem a Mortgage, and to hold over; though Copyhold as well as Freehold included in the Security. 480

One on the Marriage of his Son,

covenants for himself, and his Executors, without naming his Heirs, to settle Lands of 150*l.* a Year on the Son, and the Issue of the Marriage, but dies before any Settlement made. The Son enters on the real Estate, as Heir to his Father, and settles it for the Jointure of a second Wife, who has no Notice of the Articles. Decreed the Articles to be a Lien on the Lands, whereof the Father was then seised, though no particular Lands are mentioned in the Articles. Page 482

A. having Jointure in Part, and 10*l.* *per Ann.* charged on other Part of her Son's Estate, upon the Marriage of the Son, joined in the Settlement, and accepted 15*l.* *per Ann.* in Lieu; but privately the Day before takes a Security from her Son for 10*l.* *per Ann.* more out of a Leasehold Estate, which was not comprised in the Son's Marriage-Settlement, and the Son covenants to pay it. *A.* after the Death of her Son brings Action of Covenant against his Widow and Administratrix for Non-payment of the 10*l.* *per Ann.* On a Bill to be relieved against the Action, decreed for the Plaintiff. 499

That which is the open and publick Treaty and Agreement on Marriage, shall not be lessened or infringed by any private Agreement. 500

Articles and a Settlement mentioned to be made in Pursuance thereof, were both made before the Marriage; but the Settlement varied from the Uses in the Articles. Decreed to go according to the Articles. 658

If by the Marriage Articles Lands are agreed to be so settled, as that the

A Table of the principal Matters.

the Husband would be Tenant in Tail, the Court will direct them to be settled on the Husband for Life, and to his first, &c. Sons in Tail in strict Settlement. *Page 671*

One upon his Marriage, covenants to levy a Fine of his Freehold Lands, and to surrender his Copyhold to the Use of himself and his Wife for their Lives, Remainder to the Heirs Male of their Bodies, and dies, leaving Issue a Son and Daughter, before any Fine levied, or Surrender made. The Son for securing Money, covenants to levy a Fine of the Freehold, and to surrender the Copyhold, and by Will devises his Lands for Payment of his Debts, and dies without Issue, having surrendered his Copyhold, but levied no Fine of the Freehold. On a Bill by the Daughter to have the Lands settled according to the Marriage Agreement, the Lord *Harcourt* was of Opinion, that the Deed of the Father was in Nature of Articles, and when to be carried into Execution in a Court of Equity, the Lands might be settled in a stricter Manner than in the Words of the Deed, and so as the Son's Fine should not bar the Daughter's; and decreed both Freehold and Copyhold to the Daughter. *702*

Upon a Rehearing before the Lord Chancellor *Cowper*, he confirmed the Decree as to the Freehold, but for different Reasons; and as to the Copyhold, there appearing no particular Custom within the Manor for suffering a Recovery, was of Opinion the Surrender would bar the Intail, in Case the Copyhold had been well settled; and dismissed the Bill as to the Copyhold. *704*

A Man by Marriage Articles cove-

nants to pay his Wife, if she survives him, 1500*l.* in full of Dowry, Thirds, Custom of *London*, or otherwise, out of his real and personal Estate. *A.* dies intestate. The Wife is barred of her Share by the Statute of Distributions.

Page 724

On a Treaty of Marriage between *A.* and the Daughter of *B.* the Mother of *A.* surrendered Part of her Jointure to enable her Son to make a Settlement; and *B.* agrees to give his Daughter 3000*l.* Portion. *A.* without the Privity of his Mother, gives a Bond to *B.* to pay back 1000*l.* at the End of seven Years. Decreed the Bond to be delivered up, being obtained in Fraud of the Marriage Agreement. *764*

Alimony. Vide **Baron and feme.**

Ambassador. Vide **Privilege.**

Amendment.

A Mistake in the Title of an Order amended, though to charge a Surety, that gave a Recognisance to abide the Order of Hearing.

376

Defendant by Answer consenting that an Award made by her Father should be confirmed, pray'd she might amend her Answer, having made an Affidavit that she never read the Award, and that her Answer was prepared by her Father, who had wronged her in the Award. Motion denied.

344

The Plaintiff's Christian Name being mistaken in the Title of the Interrogatories, the Depositions could not be read, nor would the

the

A Table of the principal Matters.

the Court permit the Title to be amended, though most of the Witnesses since their Examination were gone to Sea. *Page 435*

Answer.

If a Man charges himself by Answer; Whether his Answer shall be allowed as a good Discharge? 194
Defendant by Answer consented that an Award made by her Father might be confirmed, pray'd she might amend her Answer, she having made Oath, that she never read the Award, and that her Answer was prepared by her Father, who had wrong'd her in the Award. Motion denied *per Cur'*.

344

A Defendant's Answer directed to be read as Evidence at a Trial at Law. 555

Appeals.

No Appeal lies to the House of Lords from a Sentence in the *Delegates*, nor from a Decree on the Statute of Charitable Uses. 118

Upon an Appeal from the *Rolls* to the *Lord Chancellor* or *Lord Keeper*, the Cause is entirely open. 464

If upon a *Certiorari* Bill the Cause is brought on to Hearing, the Court, if they think fit, may make a Decree, or send it back to the Mayor's Court to be determined there; and sometimes the Court sends it back after Publication passed, and a *Subpœna* to hear Judgment, and before the Cause comes to Hearing. 491

Apportionment. Vide **Average.**

Apprentice. Vide **Master and Servant.**

Arbitrators. Vide **Award.**

Assent and Consent. Vide **Legacy.**

Assets.

Vide **Heir, Executor.**

A. on his Marriage demises Lands to *B.* who redemises them to *A.* for a lesser Term, paying a Pepper-Corn Rent during his Life, and after his Death an annual Sum to his Wife for her Jointure, and a Pepper-Corn for the Remainder of the Term. The redemised Term shall not be Assets to pay any Debts of *A.* but what affect the Inheritance, that Term being raised for a particular Purpose. *Page 52*

A. having a Lease for three Lives, mortgaged it for Ninety-nine Years, if the three Lives lived so long, and died after the Mortgage was forfeited. The mortgaged Term, though not Assets at Law, decreed to be sold for Payment of *A.*'s Debts. 54

Legal Assets shall be applied in a Course of Administration; but equitable Assets amongst all the Creditors proportionably. 62

A. purchases a Walk in a Chase, and takes the Patent to himself and his Wife, and *J. S.* during their Lives, and the Life of the Survivor, and dies indebted. This Patent shall not be Assets during the Life of the Wife. 67

Land is devised to Executors for Payment of Debts, the Value of the

A Table of the principal Matters.

- the Land cannot be given in Evidence, as Assets at Law in the Hands of the Executors; but when the Land is sold, the Money will be legal Assets. *Page 106*
- One makes *A.* his Nephew Executor, and devises all his Lands to *A.* and his Heirs in Trust to sell, and pay all his Debts and Childrens Portions, and gives his Children 100*l.* apiece. The Money arising by Sale of the Lands is not legal Assets; and the Debts and Portions shall be paid in equal Proportions. *133*
- In Case Judgment is recovered against an Heir, who has a Reversion in Fee descended upon him, which is only Assets *cum acciderit*, the Court will not decree a Sale of the Reversion, but the Creditor must wait till it falls. *134*
- By the Statute of *Frauds and Perjuries*, the Trust of a Fee is Assets at Law; but the Trust of a Term is not. *248*
- A Devise to Trustees to pay Debts and Legacies, and the Trustees are made Executors. The Debts must be first paid; because the Trustees being made Executors, the Money is legal Assets. *Ibid.*
- A Man assigns a personal Estate, which his Wife was intitled to as Executrix of her former Husband, to Trustees for such Uses, as he by Deed or Will should appoint, and for want of Appointment, in Trust for himself, his Executors, &c. and afterwards devises this Estate to his Wife and Children. This shall be Assets, and liable to his Debts, and the Devise to the Wife and Children is only a Legacy. *287*
- A.* on the Marriage of *B.* his Son settles a Lease on the Son for Life, to the Wife for Life, and then to the Issue of the Marriage, and *B.* covenants from Time to Time to renew the Lease, and assign it on the same Trusts. *B.* renews the Lease, but does not assign it, and dies greatly indebted. This Lease is bound by the Marriage Agreement, and is not Assets for Payment of Debts. *Page 289*
- Where a Man has a Power to dispose of Money by his Will, and accordingly gives it by Will; this is Assets, and liable to his Debts. *319, 465*
- A.* by Marriage Settlement having a Power to charge the Estate with any Sum not exceeding 3000*l.* for such Purpose as he thought fit; by Deed appoints the 3000*l.* as a collateral Security for the quiet Enjoyment of an Estate which he had sold, and if no Incumbrance did appear, then the Appointment to be void; and by Will appoints the 3000*l.* to his Daughter. Upon a Bill by the Creditors of *A.* the 3000*l.* is decreed to be applied to pay his Debts. *465*
- A.* purchases a Lease in the Name of *B.* who declares it to be in Trust to permit *A.* to receive the Rents during his Life, and then for one, who was his reputed Wife. This Lease is not Assets of *A.* nor liable to his Creditors after his Death; for when a Man purchases, he may settle the Estate as he pleases. *490*
- A Seaman assigns his Wages, as a Security for Money, and dies. The Assignment specifically binds the Wages, and the Money secured thereby shall be paid thereout preferable to all other Debts. *595*
- A.* seised of a Leasehold Estate to him and his Heirs for three Lives, *D* settles

A Table of the principal Matters.

- fettles it on his Daughter and her Husband for their Lives, Remainder to the Use of his own Executors and Administrators. The Daughter and her Husband die; and *A.* devises this Estate to his Wife. The Use of this being limited to the Executors and Administrators of *A.* this makes it personal Estate; and being personal Estate, *A.* could not devise it exempt from his Debts, though due but by simple Contract. Page 719
- Estate *pur autre vie*, if limited to Executors, was Assets before the Statute of Frauds and Perjuries. 720
- A Lease for Years, or a Bond taken in a Trustee's Name, being personal Assets, shall be applied in a Course of Administration, tho' the Creditors cannot come at it without the Aid of Equity. 764
- Marshalling of Assets, and in what Order Debts are to be paid.*
- An Administrator pays away all the Assets in satisfying Debts on Specialty. Decreed to pay a Debt due by Decree, though he had no Notice of the Decree before he paid away the Assets. 37, 88
- A Debt by Decree in Equity is equal to a Judgment. 89
- A contingent Security shall not stand in the Way of a Debt by simple Contract, as to the Administration of Assets. 101
- One dies indebted both by Bond and Judgment. The Judgment-Creditor levies his Debt out of the personal Estate. Whether the Bond-Creditor shall stand in the Place of the Judgment-Creditor, and charge the Land with his Debt. 182
- Debts on simple Contract shall be paid before a voluntary Judgment. Page 202
- A Man in Consideration of his Wife's parting with her Jointure of 40 *l.* a Year, gives her Trustee a Bond to settle other Lands of like Value on the Wife for Life, Remainder to the Heirs of his Body by her. He dies Intestate, and the Wife takes Administration, and confesses a Judgment to her Trustee. On a Bill by another Bond-Creditor, decreed the Wife's Bond as to her self only, to be performed before the Plaintiff is paid; but the Children to be post-poned to the other Bond-Creditors. 220
- Lands are devised to Trustees for Payment of Debts and Legacies, and the Trustees are made Executors. The Debts must be first paid; for the Trustees being made Executors, the Money is legal Assets. 248;
- Otherwise if the Trustees were not made Executors. 405
- Debts on Bonds for Payment of Sums certain, shall be preferred in Payment to Demands on Articles founding in Damages. 272
- A Seaman assigns his Wages to *J. S.* as a Security for a Debt he owed to *J. S.* and died intestate: It was insisted this was only an Agreement in Nature of a Letter of Attorney, and determined by the Seaman's Death, and that there were Bond-Debts. Decreed *J. S.* shall be paid in Course of Administration. 391
- After Creditors have joined in a Bill and obtained a Decree for Payment of their Debts out of legal and equitable Assets; none of them shall be admitted to obtain a Preference of the other by obtaining

A Table of the principal Matters.

taining Judgment against the Executors. Page 435

Where there are legal and equitable Assets, the Creditors who will take their Satisfaction out of the legal Assets, shall have no Benefit of the equitable Assets, until the other Creditors, who can only be paid out of those Assets, have thereout received an equal Proportion of their respective Debts.

436

One dies indebted by Mortgage and simple Contract. The Executor applies the Assets in Discharge of the Mortgage; and one of the simple Contract Creditors brings an Action, and takes Judgment to be paid, *Quando Assets acciderint*. The simple Contract Creditors shall stand in the Place of the Mortgagee, so far as the personal Assets were exhausted in paying the Mortgage, and this being by the Aid of Equity, the Creditor who had taken Judgment, *Quando, &c.* shall not have a Preference, but all the simple Contract Creditors shall be paid in Proportion.

763

Assets by Descent, and in the Hands of the Heir.

The Heir claiming under a voluntary Settlement, sells the Land. If the Money in the Hands of the Heir shall be Assets to pay the Ancestor's Bond.

44

An Equity of Redemption of a Mortgage in Fee is not Assets at Law, but is so in Equity; and if aliened or released by the Heir, he shall be answerable for the Value.

61

Whether an Heir, being a Creditor by Bond or Judgment, may retain, as well as the Executor may.

62

One dies indebted both by Bond and Judgment. The Judgment-Creditor levies his Debt out of the personal Estate. Whether the Bond-Creditor shall, in Equity, stand in the Place of the Judgment-Creditor, and charge the Land with his Debts. Page 182

Assets by Devise for Payment of Debts. Vide Trust for Payment of Portions and Debts, under Title Trust.

As touching the Applying the personal Assets to exonerate the real Estate, vide Title Real Estate.

Assignment and Assignee.

Vide Lease.

One settles Lands so, that in Case his eldest Daughter paid 6000*l.* within six Months after his Death to the Use of his other Daughters, she should have the Lands; but if she failed, the second Daughter to have the like Privilege. The six Months being past without Payment, Whether the eldest Daughter can assign over this Privilege.

166

Assignee of a Lease, by Way of Mortgage, not having entered, shall not be compelled in Equity to repair, or perform the Covenants in the Lease.

275

Lessor having recovered at Law the Rent reserved on the Lease against an Assignee by Way of Mortgage, though he had never entered; he brought his Bill to be relieved; but the Court would not relieve him, it being his Fault to take an Assignment of the whole Term; whereas he should have taken a derivative Lease,

and

A Table of the principal Matters.

- and then he would not have been liable to the Rent. *Page 374*
- A Seaman assigns his Wages to *J. S.* as a Security for a Debt he owed to *J. S.* and died intestate. 'Twas insisted, this was only in Nature of a Letter of Attorney, and died with the Person, and that there were Bond-Debts. Decreed *J. S.* shall be paid in Course of Administration. *391*
- Husband assigns a Mortgage in Fee, or a *Chose in Action*, which he has in Right of his Wife, this will not bind the Wife, if she survives. *401*
- A Possibility cannot be assigned; but it may be released. *563*
- A *Chose en Action* is assignable in Equity, upon a Consideration paid. *595*
- An Assignee of a Bond must take it subject to the same Equity, as it was in the Obligee's Hands. *692, 765*

Assurance. Vide Deeds.

Attachment. Vide under Title Process.

Attorney, Solicitor, Scribener.

- A Scrivener lends his Client's Money to *J. S.* and takes a Bond and Warrant of Attorney to confess Judgment in the Client's Name, to whom he delivers a Copy of the Judgment, but keeps the Bond, and afterwards receives the Money, and delivers up the Bond. Whether *J. S.* is liable to pay the Money over again. *265*

Average and Contribution.

Vide Assets.

Vide Proportion.

- A Lessee for Years makes several Under-Leases; the Estate is out of Repair, and the original Lease avoided for Non-payment of the Rent, and some of the Under-Lessees bring a Bill to be relieved against the Forfeiture. Equity will not apportion the Rent, nor relieve the Plaintiffs, but on Payment of the whole Rent in Arrear, and repairing the Premises; but having so done, they may compel the Rest of the Under-Tenants to contribute. *103*
- One devises Lands to his Son by his second Wife, in Tail Male, Remainder to his eldest Son, by his first Wife, provided if the Land should come to his eldest Son, that then, he or his Heirs should pay 1000*l.* to the Testator's Daughter within four Months after the Estate should come to him or them, and in Default of Payment, Trustee to enter and raise the Money. The Son by the first Wife dies leaving a Son: The Son by the second Wife suffers a Recovery of a Moiety of the Lands, and dies without Issue, so that only a Moiety of the Premises came to the Son of the Son by the first Wife; yet the Moiety of the Lands shall pay the whole 1000*l.* without any Apportionment, in Regard the 1000*l.* was a legal subsisting Charge, and the Daughter does not claim under the Son by the second Wife, who suffered the Recovery. *359*
- One conveys Lands to the Use of himself

A Table of the principal Matters.

himself for Life, with Power to mortgage what Part he pleased, Remainder to Trustees to sell to pay all his Debts, and dies indebted by Judgments, Bonds, and simple Contract. This Deed is fraudulent as to the Judgment-Creditors, and they shall not be compelled to take a Satisfaction in Average with the other Creditors. *Page 510*

One devises his real Estate to his Son for Life, and to his first, &c. Sons in Tail, with Remainders over, and devises a Lease to his Daughter, and dies not leaving Assets to pay Debts. The Son and Daughter shall contribute in Proportion, each Estate being liable at Law, and the Testator's Intention equal between the Devisees. *756*

Award and Arbitrators.

Submission to an Award, so as the Arbitrators make their Award at or upon the *27th of March* then next; and if they make no Award, then if the Umpire make his Umpirage on the same Day. The Umpire cannot make his Umpirage on the *27th of March*, the Arbitrators having all that Day to make their Award. *100*

Submission to a Reference, and the Award to be confirmed by Decree of the Court, without Appeal or Exception; yet Exceptions to the Award allowed. *109*

If a Submission to an Award is conditional, *ita quod* the Award is made *de premissis*, and the Award is not made of the Whole, it is void. But if the Submission is not conditional, then the Award, tho' made but of Part of the Premises submitted, is good *pro tanto*. *Ibid.*

An Award set aside, it appearing the Arbitrators were interested in the Cargo, touching which the Award was made. *Page 251*

Arbitrators promise to hear Witnesses, but make their Award without doing so. Award set aside. *Ib.*

A Bill is brought to be relieved against an Award, and the Arbitrators being made Defendants; they demurred to the whole Bill, because the Plaintiff could have no Decree against them, and the Plaintiff might examine them as Witnesses. Demurrer allowed without putting them to answer to Matters of Fraud. *380*

An Award is made a Rule of Court according to a Submission for that Purpose, and an Attachment is taken out for not obeying the Award, and then the Party dies, against whom the Attachment issues. The Act of Parliament directing Awards to be carried on by Attachment, as in other Cases of Contempt, the Attachment is gone, and the Remedy lost. *444*

Arbitrators, if they could not agree, were to choose an Umpire. They make no Award, and not agreeing about the Person to be Umpire, they throw *Cross and Pyle* who should choose him. The Umpire made his Award, and it was set aside by Reason of his being chosen in that Manner. *485*

The Submission is to three, or any two of them. After all the Arbitrators had had several Meetings, and heard the Parties, two of them make an Award privately, without Notice to the other Arbitrator. Award set aside. *514*

If a Submission is to three, or any two of them, and two by Fraud or Force exclude the other; *that* alone is sufficient to vitiate the Award. *515*

A Table of the principal Matters.

Private Meetings of the Arbitrators with one of the Parties, and admitting him to be heard to induce an Alteration in the intended Award, is Partiality. *Page 515*
 If Arbitrators go upon a plain Mistake, either as to Law or Fact, Equity will relieve against the Award. 705

Bankrupt.

DEvisé of 800*l.* to be invested in Land for the Benefit of the Wife of *J. S.* for her Life, and afterwards for her Children, and the Interest of the Money to go as the Profits of the Lands, if bought. *J. S.* becomes a Bankrupt. The Interest of the 800*l.* shall not be liable to satisfy the Creditors. This not being a Trust created by the Bankrupt, but by the Wife's Relation, and intended for her Benefit. 96

Lessee for Years becomes a Bankrupt. The Assignee under the Commission is not intitled to the Benefit of a Covenant in the Lease for Renewal at the End of the Term. 97

One lends Money to a Bankrupt after a Commission sued out, but without Notice of the Commissioners against one, who doubted, he cannot come in as a Creditor under the Statute. 157

A. makes a Mortgage, and afterwards a Commission of Bankruptcy is taken out against him, and the Commissioners make an Assignment of his Estate, and then he makes a second Mortgage to *B.* who has no Notice of the Bank-

ruptcy. *B.* shall not protect his Mortgage by getting an Assignment of the prior Mortgage. *Page 157*

Whether a Distribution made by the Commissioners of Bankrupt upon a supposed Value of the Bankrupt's Estate, when they had no Money to distribute, is fraudulent, and to be set aside. 158

Every one is bound to take Notice of a Commission of Bankruptcy. 161

Fraudulent Distributions by Commissioners of Bankrupt, may be set aside by the Lord Chancellor on a Petition. 162

Whether trading or committing Acts of Bankruptcy beyond Sea, is within the Statute against Bankrupts. *Ibid.*

One *Anderson*, who traded in *Ireland*, adjudged a Bankrupt within the Statutes; but there it was proved, he sometimes came over to *Chester* to buy Goods. *Ibid.*

A Man on his Son's Marriage covenants during his own Life to pay his Son an Annuity. The Son becomes a Bankrupt. The Assignee under the Statute shall not have the Benefit of this Covenant. 194

A. being beyond Sea consigns Goods to *B.* then in good Circumstances, who afterwards becomes a Bankrupt. If *A.* can prevent the Goods coming into the Hands of *B.* or the Assignees, it is allowable, and the Assignees shall have no Relief in Equity. 203

An Award is made in an Adversary Suit between *A.* and *B.* and confirmed by the Court, *A.* being then a Bankrupt, but not known to be so. A Commission is afterwards sued out. This Award shall bind the

A Table of the principal Matters.

- the Assignee under the Commission. Page 229
- A.* and *B.* are Partners in Trade. *A.* imbezils the joint Stock, and contracts private Debts, and becomes Bankrupt; and the Partnership Goods are assigned by the Commissioners. Whether the Assignees are intitled to any more than what *A.*'s Share of the Partnership Effects amounts to clear after Debts paid, and a Deduction for his Imbezilment. 293
- A.* is bound in a Bond to *B.* for Payment of Money, *B.* assigns it to *C.* in Satisfaction of a Debt. *B.* becomes Bankrupt, and a Commission is taken out against him. *C.* in Equity is well intitled to the Bond, for as the Bankrupt himself was bound by his Assignment; so those claiming under the Commission, cannot be in a better Case than the Bankrupt himself was. 428
- A.* owes Money to *B.* by Bond, *B.* owes Money to *A.* for Rent, *B.* assigns the Bond for a valuable Consideration to *C.* *B.* becomes Bankrupt. Whether *A.* shall retain the Rent due to him from the Bankrupt, out of the Bond. *Ibid.*
- A Legacy given to a Bankrupt before his Bankruptcy, may be assigned by the Commissioners for the Benefit of the Creditors. 432
- A.* on his Marriage gives Bond to leave his Wife 500*l.* or a Third of his personal Estate at her Election. *A.* becomes Bankrupt. Decreed the Wife to come in as a Creditor on her Bond, and what shall be paid in Respect thereof, to be put out at Interest, and the Interest to be paid to the Creditors during the Bankrupt's Life, and the Principal to the Wife, if she survived her Husband. Page 662
- If a Bankrupt having his Certificate allowed, has slipped his Time of pleading it at Law to an Action brought for a Debt precedent to the Bankruptcy, Equity will not relieve him. 696
- Statutes relating to Bankrupts bind the Courts of Equity, as well as at Law. 697
- If a Bankrupt is taken in Execution, pending a Reference of his Certificate to the Judges, the Court will not discharge him; but put him to his *Audita querela*. *Ibid.*
- Separate Creditors allowed to come in under a Joint-Commission against two Partners; but the Joint-Effects are to be applied, first to pay the Partnership Debts, and then the separate Debts: And as to the separate Effects; first the separate Creditors are to be paid thereout, and then the Partnership Creditors. 706
- Catching Bargains.** Vide *under Title Heir.*
- Baron and Feme.**
- A Wife is not to be examined as a Witness against her Husband. 79
- A Wife, whose Husband is by Act of Parliament banished for Life, may make a Will, and in every Thing act as *Feme Sole*, and as if her Husband was dead. 104
- A.* purchases a Copyhold Estate, and takes the Surrender to the Use of himself and his Wife, and Daughter and their Heirs. The Husband and Wife, as one Person take a Moiety by *Intireties*, and the Daughter the other Moiety. 120

A Table of the principal Matters.

Baron and Feme bring a Bill for a Demand in Right of the Wife; the Defendant answers, Witnesses are examined, and after Publication passed the Husband dies. The Wife may bring a new Bill, and examine Witnesses, as if no Examination had been in the former Cause, for she is not bound by the Proceedings in that Cause.

Page 197

A Term is assigned by the Husband, for the separate Use of the Wife, who after his Death marries a second Husband, who sells the Trust of this Term. The Trustees decreed to assign the legal Estate to the Purchaser, though the second Husband had made no Provision for his Wife.

270

One dies intestate leaving a Daughter, the Wife of J. S. The Daughter dies intestate, and after the Husband dies intestate: Whether the Share of the Daughter shall go to her own Administrator, or to the Administrator of her Husband.

302

A Bill is brought against Baron and Feme for a Demand out of the separate Estate of the Wife, and the Husband is beyond Sea, and not amenable by the Process of the Court: If the Wife is served with a *Subpoena*, she must appear, and answer the Bill.

613

Estates and Interests of the Wife.

Settlement made by a Woman before her Marriage for her separate Use, without the Husband's Privy, will not bind the Husband.

17

Where a Feme Covert agrees to join with her Husband in making a Surrender, or levying a Fine, and he dies before it is done, E-

quity will compel her to perform the Agreement.

Page 61

A Man marries an Executrix. He shall answer for so much of the personal Estate, as she possessed, though he took it as a Portion.

Ibid.

A Feme Covert agrees to sell her Inheritance, so as she may have Part of the Money. The Land is sold, and her Part of the Money put into Trustees Hands. This Money not liable to the Husband's Debts, though the Wife afterwards agreed it should be so.

64

Whether the Wife's Portion consisting of *Choses in Action*, shall upon the Husband's Death be liable to his Debts, the Husband before his Marriage having made an adequate Settlement on his Wife.

68

A purchases a Walk in a Chase, and takes the Patent to himself and his Wife, and J. S. during their Lives, and the Life of the Survivor. The Husband dies indebted. The Wife decreed the Benefit of the Patent during her Life, though A. had not left Assets to pay his Debts; but after her Death J. S. to be a Trustee for the Executor.

67

Copyhold Land is surrendered to the Use of the Husband and Wife and their Daughter, and their Heirs. The Husband mortgages it and dies. Mortgage void for the Whole.

120

A. by Will gives his Daughter 400 *l.* and devises Lands to her, until B. his Son should pay her this 400 *l.* She marries C. whose Father covenants to settle Lands of 100 *l. per Ann.* and B. covenants to pay the 400 *l.* to the Husband; and upon Payment, the Lands devised

A Table of the principal Matters.

devised to the Daughter were to be discharged. The Husband dies. Decreed the 400 *l.* to the Wife, and not to the Executor of the Husband. Page 190

One conveys Lands in 'Trust out of the Rents to pay 6 *l.* *per Ann.* for the separate Use of his Wife, and to be at her Disposal, then to the Use of himself for Life, Remainder to the Heirs of the Wife, until the Heirs or Assigns of the Husband shall pay to the Executors, Administrators or Assigns of the Wife 100 *l.* with Interest from the Death of the Husband, then to the Wife for her Life for her Jointure, Remainder over. The Wife dies first, having by her Will disposed of this 100 *l.* Held, the Wife dying in the Life-time of her Husband, had no Power to dispose of this Money. 328

If a Wife has a Power to dispose of Money in the Life of her Husband, she may dispose of it, by a Writing, in Nature of a Will, though not so provided. 329

An Agreement for the Husband and Wife's Parting, and the Terms thereof established by a Decree. 386

A. on the Marriage of his Son *B.* settles Lands to the Use of *B.* for Life, Remainder to the Wife for Life, Remainder to the Heirs of their two Bodies, Remainder to *B.* in Fee. *B.* and his Wife by Deed and Fine mortgage in Fee, and subject to the Mortgage, the Lands are settled to the Use of *B.* for Life, and after his and his Wife's Death, to the Heirs of her Body by him begotten, Remainder to his right Heirs. The Wife after her Husband's Death suffers a Common Recovery. Whether the Estate of the Wife for her Life

by the first Settlement, and the Limitation to the Heirs of her Body by the second, did consolidate; and if it did, whether the Estate of the Wife was alienable within the Statute of the 11 *H.* 7.

Page 486.

When a Man comes into a Court of Equity for his Wife's Portion, the Court will oblige him to make a Settlement upon her, or secure her a Maintenance, in Case she survives him. 494

On the Marriage of two Infants, an Act of Parliament is obtained for settling a Jointure in Bar of Dowry; provided that the Jointure shall cease, if the Wife, when of Age, did not settle her Land; but nothing is said as to that Part of her Fortune, which was in Money, Part of which was a Mortgage for 1300 *l.* taken in a 'Trustee's Name. The Wife, when she came of Age, settled her own Land; and then the Husband dies. Decreed the Mortgage to the Executors of the Husband, and that it should not survive to the Wife as a *Chose en Action*. 501

In all Cases, where the Husband makes a Settlement equivalent to the Wife's Portion, it shall be intended, that he was to have the Portion. 502

Where a Woman on her Marriage reserves a Power to dispose of her personal Estate, all that she dies possessed of is to be taken to be her separate Estate, or the Produce of it, unless the contrary can be made appear: And as she has Power over the Principal, she may dispose of the Interest. 535

A Woman seised in Fee of Lands charg'd with specifick Debts, marries. The Husband receives the
F Rents,

A Table of the principal Matters.

- Rents, but does not pay the Interest of the Debts. The Wife dies without Issue. On a Bill by her Heir, decreed the Husband ought to have kept down the Interest. *Quere.* Page 566
- A. and his Wife mortgage the Wife's Estate, and A. covenants to pay the Money, but the Equity of Redemption is reserved to them and their Heirs. A. dies, and his Wife survives. The Mortgage shall be discharged out of the Husband's Estate. 604
- Where the Husband and Wife bring a Bill for the Execution of a Trust of a real Estate devised by Will for the Benefit of the Wife, it must be decreed according to the Will: But where the Husband comes for a personal Demand in Right of his Wife, the Court may impose Terms upon him. 626
- A. devises the Surplus of his personal Estate to his Daughter, the Wife of B. for her separate Use, and makes her Executrix. Surplus being devised to the Wife, and not to Trustees, when it comes to the Wife, it belongs to the Husband: But whether Equity will not interpose? 659
- The Wife joins with her Husband in a Fine to raise 400*l.* by Mortgage of her own Estate, to buy him a Place. Husband dies: The Mortgage shall be paid out of his personal Estate, if there are Assets to pay his other Debts. 689
- A Man pays Contribution Money upon a Commission of Bankruptcy for a Debt due to his Wife, and dies before a Dividend made, and then the Wife dies. The Executors of the Wife are intitled to the Dividend; for the Husband's paying Contribution Money does not alter the Property of the Debt. Page 707
- A Woman being intitled to a Portion of 4000*l.* after the Death of her Mother, and no Interest being payable for it in the mean Time, and she having married a considerable Tradesman, it was decreed by the Wife's Consent, that the Husband might sell or dispose of a Moiety of the Portion, as he thought fit. 762
- In what Cases the Act of the Husband shall bind the Wife, and not.*
- A Copyholder for Life, where by the Custom there is a Widow's Estate, agrees to sell for his own Life, and the Life of such Widow, as he should leave, and dies. His Widow is not bound by this Agreement. 45
- Bill is brought for a Legacy against Baron and Feme, who was Executrix of the Testator. The Defendants answer, Witnesses are examined, and after Publication past the Husband dies. The Wife shall be bound by the Answer and Depositions: But it might be otherwise if the Wife's Inheritance was in Question. 249
- A Man marries a Woman intitled to a Mortgage in Fee, and after Marriage assigns his Interest in the Mortgage to Trustees to call in the Money, and lay it out in Land, to be settled upon the Husband and Wife, and their Issue, Remainder to the Heirs of the Husband. The Husband dies without Issue, and after the Wife dies. This Mortgage is a *Chose en Action*, and the Husband has only a Power to reduce it into Possession, and the Wife surviving, it shall go to her Executor, and not to the

A Table of the principal Matters.

the Executor of the Husband.
Page 401

*How far the Husband is answerable
for the Acts of the Wife.*

Feme Administratrix waists the Affets, then marries and dies. The Husband is liable to no more than the Value of the Affets, which came to his or his Wife's Hands after the Intermarriage. 118

Alimony and separate Maintenance.

An Agreement for the Husband and Wife's Parting, and for the Husband's returning his Wife's Portion to the Father, and for the Father's Indemnifying the Husband from the Maintenance and Debts of the Wife, established by a Decree, though the Husband offered to receive and maintain his Wife.

386

By Articles before Marriage 6000*l.* Part of the Portion is agreed to be invested in Land, and settled to the Husband for Life, then to the Wife for Life, Remainder as a Provision for younger Children, Remainder to the Husband in Fee. The Husband having by his Cruelty and ill Treatment forced his Wife to separate from him, the Court decreed the Interest of the 6000*l.* to be paid the Wife for her separate Maintenance till Cohabitation. 493

A Woman having been used with Cruelty by her Husband, becomes intituled to 3000*l.* as her Share of her Mother's personal Estate, who died intestate. Decreed the Money to be put out, and the Interest to be paid to the Wife for her separate Use, and then to the Husband for Life if he survived

her, and the Principal to be paid to the Issue, and if no Issue, to the Survivor of Husband and Wife. Page 671

A Husband having used his Wife with Cruelty, and being an extravagant Person, and wasting all his Substance, the Court decreed the Interest of a Trust-Bond given for the Wife's Portion, to be paid to the Wife for her separate Maintenance. 752

Bill.

Who must be Parties. Vide Title Parties.

An Executor being desirous to apply the Affets, as far as they would go, in satisfying the Debts, brings a Bill against all the Creditors, that they might, if they pleased, contest each others Debts, and that their Preference might be settled. Adjudged on a Demurrer to be a proper Bill. 37

Bill by Executor to avoid Bonds given by the Testator, suggesting they were gained by Threats and undue Means. The Defendant by Answer says, they were given for Money lent and Debts due. It appeared by the Proofs, that the Defendant was a common Harlot, and that the Testator had unlawful Conversation with her. Though this was not laid in the Bill, yet it was sufficiently put in Issue by the Defendant's Answer, which said the Bonds were given for Money lent. 187

A Bill will not lie for quieting one in the Possession of a Pew in a Church, though the Plaintiff has a Decree before the Ordinary for this Pew. 226

Whether

A Table of the principal Matters.

Whether a Bill will lie against Churchwardens after they are out of their Office, for refusing to make a Rate to reimburse the Plaintiff according to an Order of Vestry. *Page 262*

Bill is brought to have the Benefit of a former Decree. Plaintiff can't examine Witnesses, much less the same Witnesses, to the Matters in Issue in the former Cause; but on such Bill, the Court may examine the Justice of the former Decree; but then it must be on the Proofs taken in the Cause, wherein that Decree is made. *409*

A Bill may be brought on Behalf of a Child in *ventre sa mere* for an Injunction to stay Waste. *711*

Bill of Discovery.

For discovery of Deeds. Vide under Title Deeds lost or concealed.

A. having Lands contiguous to *B.* brings his Bill, that *B.* may discover the Boundaries of his Estate, as they appear by his Deeds. *B.* is not obliged to make this Discovery. *38*

A Bill may be brought against an Executor for the Discovery of the personal Estate, before the Will is proved, or during the Litigation thereof in the spiritual Court. *49*

African Company hire the Defendant's Ship to freight, and the Defendant covenants not to trade in any of the Goods, in which the Company dealt, and if he did, to pay double the Value for such Goods, with Liberty to the Company to deduct the same out of the Freight. The Company bring a Bill to discover, whether the Defendant traded in any of the

said Goods. Though this be a Penalty, yet the Defendant shall discover, it being his own Agreement. *Page 244*

A Bill lies to discover who was the Owner of a Wharf or Lighter, to enable the Plaintiff to bring an Action for the Damage his Goods had sustained by the Neglect of the Lighterman. *442, 443*
So Bill of Discovery lies to discover the Part-owners of a Ship, to enable one of the Freighters, that suffered by Neglect of the Master, to bring his Action. *443*

Bill for Discovery, whether in a Mortgage, which had been assigned to the Defendant, there was not some Trust declared for the Benefit of the Plaintiff. Defendant by Answer denied there was any such Trust. The Answer being replied to, the Question at the Hearing was, whether the Defendant should be obliged to produce the Deed? The Court would not compel him so to do, for by this Method Purchasers may be blown up. *Q. 463*

Appeals and Certiorari Bills.

Vide Title Appeals.

Bill of Revivor. Vide Abatement.

Bill to examine Witnesses in perpetuam rei Memoriam. Vide Title Witnesses.

Bill of Review.

Where a Demurrer to a Bill of Review is allowed, it may be inrolled; but if over-ruled, that cannot be inrolled, to prevent the Demurrer's being reargued. *120*

Lis

A Table of the principal Matters.

Lis Pendens.

After a Bill brought by a second Mortgagee against the First and Third Mortgagees to discover Incumbrances, the last Mortgagee may get in the first Incumbrance, and protect himself against the Second. Page 29

A Devisee obtains a Decree to hold and enjoy against the Heir, who it was supposed had suppressed the Will. Pending this Suit, a third Person gets an Assignment of a Mortgage made by the Testator, and then purchases the Equity of Redemption of the Heir, with Notice of the Will. The Court would not admit the Purchaser to dispute the Justice of the Decree, nor to try at Law, whether the Will was not cancelled by the Testator. 216

Bond.

A Bond is given in common Form for Payment of Money; but proved, the Agreement was, that the Obligor should marry such a Man, or pay the Money in the Bond. Obligor relieved against the Bond. Marriage ought to be free. 102

Bond is given to a common Harlot by one who had unlawful Conversation with her. If the Obligor himself comes to be relieved against this Bond, the Court may refuse to interpose; yet if his Executor comes for Relief, it may vary the Case. 187

A. being a Widow, gives a Bond to pay *B.* 100 *l.* if she married again, and *B.* gives *A.* a Bond to pay her Executors the like Sum, if she did not marry again. *A.* marries

soon after. Her Bond decreed to be delivered up. Page 215

A Man settles Land on his Son in Tail, and takes a Bond from him, that he shall not dock the Intail. Bond decreed to be good. If the Son would not have given the Bond, the Father might have made him only Tenant for Life. 233

Bond to a House-keeper for secret Service. Equity will not relieve: Otherwise if the Bond was given to a common Strumpet. 242

One settles Land on his Daughter in Tail, and takes a Bond from her not to commit Waste. An idle Bond, and decreed to be delivered up. 251

Bond for 400 *l.* given by *A.* to *B.* for *B.*'s quitting his Pretence, and procuring *A.* to be admitted Purser, to one of the King's Ships. Court relieved on Payment of Principal without Interest or Costs. 308

Bond extinguished at Law decreed good in Equity, and to bind the real Assets. 480

One has Judgment for the Penalty of a Bond. Though the Principal and Interest exceed the Penalty, yet he shall recover no more than the Penalty. *Quare.* 509

Bonds for Marriage Brocage.
Vide Marriage.

Bottomry-Bonds.

One lends 300 *l.* on a Bottomry-Bond, and insures 450 *l.* on the Ship, but had no Interest in the Ship or Cargo. Policy decreed to be delivered up. 269,

contra 717

G

Burrough

A Table of the principal Matters.

Burrough English.

An Estate *pur auter Vie* of Lands in *Burrough English* shall descend to the customary Heir. Page 226

Charity, and charitable Uses.

NO Appeal lies to the House of Lords, from a Decree upon the Statute of charitable Uses. 118

Whether a Decree made upon Exceptions taken to a Decree of Commissioners for charitable Uses be final; and whether the Court can grant a Rehearing? *Ibid.*

If a Charity is given to a superstitious or illegal Use; tho' it cannot take place, yet it shall be performed *cy pres*, &c. 266

A School-house being erected by voluntary Contributions of the Inhabitants of *A.* on the Waste of the Lord of the Manor, the Lord enfeoffs Trustees in Trust, that the Inhabitants of *A.* may for ever have a School, &c. as of the Gift of the Lord. Whether the Trustees or the Inhabitants are to nominate the School-master? 387

Ground was granted to Trustees, whereon to erect a Chapel for the Celebration of divine Service, for the Use of the Inhabitants. Decreed in the *Dutchy*, that the Nomination of the Minister was in the Inhabitants. *Ibid.*

If the School be not a Free-School, the Inhabitants have no Right to sue in the Attorney General's Name. *Ibid.*

The Reversion in Fee of divers Lands let on Leases, on which in all 70*l.* *per Ann.* Rent was re-

served, was granted by King *H. 8.* to the Corporation of *Coventry*, 400*l.* of the Purchase-Money was paid by the Corporation, and 1000*l.* by Sir *Tho. White*, but in the Grant the Corporation was said to be the Purchaser; and it was by the Deed declared, that the whole 70*l.* *per Ann.* should be applied to the several Charities therein mentioned. The Lease expiring, the Value of the Lands were greatly improved, but the Surplus had been all along received by the Corporation of *Coventry*. The Lands themselves not being given to the Charities, but particular Rents out of the Lands, decreed the Corporation should have the Surplus of the Profits. But this Decree was reversed by the House of Lords. 397

A Corporation for a Charity are but Trustees for the Charity, and may improve; but cannot do any Thing to the Prejudice of the Charity, or in Breach of the Rules of the Founder. 412

By the Rules made on the Foundation of an Hospital, no Lease was to be made for above Twenty-one Years. The Hospital makes a Lease for Twenty-one Years, with a Covenant by Renewal to make it up sixty Years. This Covenant not binding in Equity, as being equally prejudicial to the Hospital, as a Lease for sixty Years. 411

Charity Lands being let at a great Under-value, the Lease set aside, and the Lessee decreed to pay the Arrears of Rent according to the full Value of the Land, and to deliver up the Possession. 414

Issue at Law directed upon a Rehearing of Exceptions taken to a Decree made by Commissioners of

A Table of the principal Matters.

of charitable Uses, after that Decree had been twice confirmed.

Page 507

Devise and Appointment to a charitable Use.

Tenant in Tail devises Lands for Maintenance of a School-Master, and other charitable Purposes. Decreed to be a good Appointment, within the Statute of charitable Uses, though no Fine was levied or Recovery suffered. 453

Devise to a College, though *Mortmain* and void at Law, yet allowed good within the Statute of *Eliz.* 454

Feme Covert Administratrix devises to a Charity, held good. *Ibid.*

Devise of a Copyhold to a Charity, without surrendring to the Use of the Will, good. *Ibid.*

Devise of a Manor held *in Capite* to a Charity, though it had been void for a third Part, if not for a Charity; yet good for the Whole. *Ibid.*

Misnomer supplied in Case of a Gift to a Charity. *Ibid.*

Freehold Lands were devised to a Charity, but the Will was not executed in the Presence of three Witnesses. Adjudged the Will being void as a Will, it could not operate as an Appointment within the Statute of 43 *Eliz.* 597

But such a Will may operate as an Appointment of Copyhold Lands, where there is a Surrender to the Use of the Will, they passing by the Surrender, and not by the Will. 598

An Appointment by a Tenant in Tail to a Charity, shall bind the Reversioner in Fee. 755

The Statute of charitable Uses supplies all Defects of Assurance,

which the Donor was capable of making. Page 755

Charter-Party.

Though a Charter-party is so penn'd, that no Freight can be recovered upon it at Law; yet if the Owners of the Ship have a just Demand, Equity will relieve. 210

Commission.

A Commission to examine Witnesses returnable *sine Dilation* must be executed before the second Return of the next Term, and if executed afterwards it is void, and the Depositions ought to be suppressed. 197

Common Recovery. Vide Recovery.

Common.

An Agreement between Lord and Tenants to stint a Common, more favoured than an Agreement to inclose a Common; and one or two humourfome Tenants opposing shall not hinder the Performance of an Agreement for stinting a Common. 103

A Man grants to J. S. common in his Down for one Hundred Sheep. The Grantee brings a Bill against the Grantor, for that he had overstock'd the Common, and praying he might be enjoined from so doing. Bill dismissed. 116

The Lord enfranchises a Copyhold with all Common thereunto belonging. Though the Common is extinct at Law, yet it subsists in Equity. 250

Lord of a Manor incloses Part of the

A Table of the principal Matters.

the Common, insisting it was an Improvement within the Statute of *Merton*. The Court continues the Injunction, and directs a Trial, whether sufficient Common was left for the Tenants. *Page* 301,

356

The greatest Part of the Landholders intitled to Right of Common agree to a Stint of the Common. This will not bind the rest. 575

Tenants in Common. Vide **Jointenants.**

Concealment.

A. lends Money to *B.* on Mortgage, but before he does so sends *C.* to inquire of *D.* who had a prior Mortgage, whether he had any Incumbrance on *B.*'s Estate, who denied he had any. This was proved by *C.* *D.* by Answer confessed *C.* enquired of him what Money *B.* owed him; but denied *C.* told him, that *A.* was about to lend *B.* any Money. Decreed at the *Rolls*, the Estate should stand charged in the first Place with *A.*'s Debt: But upon an Appeal, Issue directed to try, whether *C.* told *D.* that *A.* was about to lend Money on *B.*'s Estate.

554

Condition.

One devises Lands to his eldest Daughter upon Condition, that within six Months after his Death she pays certain Sums to his two other Daughters, and if she failed, he devised the Land to the second Daughter on the like Condition. The Court may enlarge the Time of Payment, though the Lands are devised over. 222

In all Cases, that lie in Compensation, the Court may dispense with the Time of Payment; even in Case of a Condition precedent. *Page* 222

One devises Lands to his Son by his second Wife in Tail Male, Remainder to his eldest Son by his first Wife. Provided, that if the Land should come to his eldest Son, then he or his Heirs should pay 1000*l.* to the Testator's Daughter within four Months after the Estate should come to him or them; and in Default of Payment, the Trustees to enter and raise the Money. The Son by the first Wife dies leaving a Son: The Son by the second Wife dies without Issue. Though the Estate never came to the eldest Son by the first Wife, he dying in the Life of his half Brother, yet the Proviso being that the eldest Son or his Heirs should within four Months after the Estate came to him or them, pay, &c. The Land is liable to pay the 1000*l.* 359

Legacies are given by a Will to *A.* *B.* *C.* and *D.* on Condition, that as they came of Age, they shall release all Claims to the Testator's Estate. This Condition must be taken *distributively*; and such only, as refuse to release, shall forfeit their Legacies. 478

A. gives some Lottery Tickets amongst her Servants, on Condition if any of them came up a Prize of 20*s.* or more, they should give one Half to her Daughter. The Ticket given to the Foot-Boy came up a Prize of 1000*l.* On a Bill by the Daughter, a Moiety of the 1000*l.* was decreed her. 560

A Gift to an Infant on Condition.

A Table of the principal Matters.

tion. The Infant is bound by the Condition. Page 561
 One devises Lands to Trustees, in Trust for his Daughter till Marriage, and then to convey to her and her Heirs, if she married with Consent of the Trustees; but if she married without such Consent, then to convey to others. She marries with the Consent of her Father in his Life-time. The Condition is dispensed with. 721

Condition precedent.

One devises Lands to Trustees and their Heirs, in Trust to pay such of his Debts and Legacies as his personal Estate should fall short to pay; then in Trust for his Niece *Elizabeth* (his Heir at Law) for her Life, in Case she within three Years after his Death should be married to the Lord *Guildford*, Remainder to her first, &c. Son, by the Lord *Guildford*, in Tail Male; in Default of such Issue, or in Case the Marriage should not take Effect within the three Years, then in Trust for the Lord *Falkland* for Life, Remainder to his first, &c. Son in Tail Male, Remainder to the Testator's own right Heirs. The Niece's Marriage with the Lord *Guildford* does not take Effect, and after the three Years she marries Mr. *Bertie*, with the Trustee's Consent. This is a Condition precedent, and Equity cannot relieve against the Non-performance. 333
 Equity cannot relieve against the Breach of a Condition precedent, nor can give an Estate that never vested, by Reason of the Non-performance of a Condition precedent. 339

Condition or Covenant broken, and how far relievable.

If the Remainder Man by Practice or Contrivance prevents the Performance of a Condition, Equity will relieve. Page 344

One having Issue a Daughter, devises his Land to his Kinsman, paying 1000*l.* to his Daughter. The Kinsman makes Default in Payment; the Daughter who is Heir brings Ejectment and recovers. Devisee relieved on Payment of Principal, Interest and Costs, though to the Disinheriton of an Heir, and in Favour of a voluntary Devisee. 366

A. by Will gives his Grand-daughter 30000*l.* to be paid by 1000*l.* a Year, and devises his Lands to *B.* on Condition, that he pays his Debts and Legacies. The 1000*l.* a Year not being paid, the Grand-daughter enters. If *B.* will be relieved against the Breach of the Condition, it must be upon Payment of Interest for each 1000*l.* from the Time it became due, together with Costs. 595

Contribution. Vide *Average*.

Conveyance. Vide *Deeds*.

Copyhold.

A Rent out of a Copyhold aliened by Surrender and Admittance for a valuable Consideration, good in Equity. 16

A Copyhold Estate of the Nature of *Gavelkind*, is devised to the eldest Son, paying a Legacy thereout to his younger Brother, but no Surrender to the Use of the Will. Equity will supply the

H

Want

A Table of the principal Matters.

- Want of a Surrender, as well in Favour of an elder, as a younger Son. 163
- Equity will supply the Want of a Surrender to the Use of a Will, when it is devised as a Provision for younger Children, or in Favour of Creditors, or a Purchaser. 164
- The Lord enfranchises a Copyhold with all Common thereunto belonging. Though the Common is extinct at Law, yet it subsists in Equity. 250
- A Copyhold is granted to three for their Lives *successive*: If there is no Custom within the Manor, that the first Taker may dispose of the Whole, this shall go in Succession, and not to the Executor of the first Taker. 264
- An Estate in a Copyhold *pur auter vie* shall go to Executors or Administrators, as well as a Freehold *pur auter vie*. 265
- One devises a Copyhold of the Tenure of *Burrough English* to his eldest Son, but had made no Surrender to the Use of his Will, and devised some Houses to his youngest Son. The Houses being soon after burnt down, and the youngest Son, who was an Infant, having never entered thereon, the Court, as this Case was circumstanced, would not supply the Want of a Surrender. *Ibid.*
- By a Marriage-Settlement, a Freehold Estate is settled on Husband and Wife for their Lives, Remainder to their first, &c. Son in Tail, Remainder to Trustees for five Hundred Years, to raise Portions for Daughters, Remainder over; and the Husband Covenants to settle his Copyhold Estate to the same Uses. A Surrender is made, but no Provision is made for Daughters: The Freehold Estate
- not being sufficient for raising the Daughters Portions, decreed the Copyhold Estate should be liable thereto. 321
- Copyholder in Fee makes a conditional Surrender, for securing a Sum of Money, at the End of six Months. The Money is not paid, and the Mortgagee being willing to continue his Money, they desire the Lord, that the old Surrender may be taken up, and a new one made for six Months longer; but the Lord insists the Mortgagee should come in to be admitted, and pay a Fine of 2 Years Value. Equity will not relieve against the Lord. 367
- A Man Tenant in Tail of the Trust of a Copyhold Estate devises it by Will. The Estate will pass to the Devisee, the Will being sufficient to bar the Intail of a Trust. 585
- Where there is no particular Method in the Lord's Court to bar Intails, a common Surrender is sufficient, though the Intail is of a legal Estate. 585, 705
- The Widow of a *Cestuy que Trust* of a Copyhold Estate shall have her *Free-Bench*, as well as if her Husband had had the legal Estate. 585
- One, who is *Cestuy que Trust* of a Copyhold Estate may devise it, without making a Surrender to the Use of his Will. 680

Corporation.

Bill to be relieved against an Award made by some of the Members of the *East-India* Company, and the Arbitrators, and some of the particular Members are made Defendants. They may demur to the whole Bill without answering to the

A Table of the principal Matters.

the Fraud charged; for the Plaintiff can have no Decree against them, nor can the Answer be read against the Company; but they ought to be examined as Witnesses. *Page* 380
After a Decree against a Corporation for a Sum of Money, and a *Distringas* had issued out against them for the Duty decreed, the Court refused to give them any Time, or to let them be examined on Interrogatories. 395
Private Members of a Company made liable to the Company's Debts, where the Company had no Goods. 396

Costs.

The second Mortgagee brings a Bill to redeem the first Mortgagee, who had been put to great Charge in foreclosing the Mortgagor. *Cur.* The Costs, which the first Mortgagee has been put to, shall not be taxed, as in Case of an Adversary Suit, but he shall be allowed all his Costs and Charges; as is done, where a Solicitor lays out Money for his Client; and the Profits of the mortgaged Premises shall be applied to pay off those Costs, before they go to sink the Principal. 185

Covenant. Vide *Agreement.*

Covenant broken, and how far relievable. Vide under *Title Condition.*

Courts. Vide *Jurisdiction.*

Court of Chancery.

Fraud in obtaining a Will relating to personal Estate only, is not examinable in Chancery, after the

Will is proved in the Spiritual Court, so long as that Probate is in Force. *Page* 8

An Account decreed of an Intestate's personal Estate, notwithstanding an Account had been before taken, and a Distribution decreed in the Spiritual Court. 47

In the Court of Chancery there were several Things that belonged to the King as *Pater Patriæ*, and fell under the Care and Direction of this Court, as Charities, Infants, Ideots, Lunatics; and afterwards such of them, as were of Profit and Advantage to the King, were removed to the Court of *Wards* by the Statute; but upon the Dissolution of that Court, they came back again to the Chancery. 342
Court of Chancery will not examine the *Quantum* of the King's Debt, nor how far Extents that are sued out are necessary, the Court of Exchequer being the King's Court of Revenue, and the proper Court for that Purpose. 426

Otherwise, if the Defendant who has sued out the Extent in Aid, confesses by Answer that he has sufficient Estate of his own to pay the King's Debt. *Ibid.*

Or where it appears to be a fraudulent Contrivance by an Extent in Aid to gain a Preference to a Debt of an inferior Nature. *Ibid.*

Court of Exchequer.

The Court of Exchequer is the King's Court of Revenue, and Bill for an Account will not lie in Chancery at the Suit of *A.* whose Estate is extended by virtue of Extents; one at the Suit of the King, and the other an Extent in Aid, this Matter being properly cognisable

A Table of the principal Matters.

cognisable in the Court of Exchequer. Page 426

Stannary Court.

Stannary Court, a Court of Law, but not of Equity. 483

Spiritual Court. Vide *Title Spiritual Court.*

Tenant by Curtesie.

Tenant by Curtesie shall have the Aid of Equity, against a Trust-Term assigned in Trust to attend the Inheritance. 324

A. devised 300*l.* to be laid out in Land, and settled to the Use of his Daughter and her Children, and if she died without Issue, to go over. She married *B.* and had a Child by him, and she and the Child being dead, and the Money not laid out; on a Bill brought by *B.* decreed the Money to be considered as Land, and *B.* to be Tenant by the Curtesie. 536, 585, 681

A Man shall be Tenant by the Curtesie of a Trust, as well as of a legal Estate. 585, 681

Customs of London. Vide *Title London.*

Debts. Creditor and Debtor.

Vide *Trust for Payment of Debts, under Title Trust.*

A Judgment or Sentence recovered in *France* for Money due, must be considered here only as a

I

Debt on simple Contract, and the Statute of Limitations will run upon it. Page 540

In what Cases one Debt shall be set off in Equity against another.

A Clothier sends Cloth to the Factor to sell for him, and dies. The Administrator brings an Action against the Factor for the Cloth. The Factor cannot in Equity deduct out of the Value of the Cloth, a Debt owing to him from the Clothier. 117

Where there are mutual Dealings between two Persons, and one becomes Bankrupt, the Balance of the Account only shall be answered to the Bankrupt's Estate. *Ibid.*

The Order and Priority in which Debts are to be paid. Vide *under Title Assets.*

Debt to the Crown. Vide *Prerogative.* Vide *Extent.*

Decree.

A Debt by a Decree shall be paid before Bonds. 37, 88

It is equal to a Judgment. 89

After a Writ of Execution, and an Attachment returned for not performing a Decree, the Court will not give the Defendant Leave to be examined, unless he gives Security to perform the Decree. 91

Money paid in Pursuance of a Decree, though it happened to be paid to a wrong Hand, allowed to be a good Payment. 142

Decree.

A Table of the principal Matters.

Decree. Parties bound by it.

A Decree was made 5 Car. 1. That all the Miners within the Parish of D. as well for the Time being as to come, should pay to the Vicar for 'Tithe, the tenth Dish of Lead Oar cleaned. All Miners within the Parish held to be within the Decree, though not Parties to it, nor claiming in Privity under any that were.

Page 184

A. is Tenant for Life of a Trust-Estate, Remainder to his Sons. A. before a Son born, brings a Bill against the Trustees, and an Account is decreed, and afterwards taken. This Account shall bind the Sons; for all Persons, that could be made Parties, were Parties in the Suit. 527

Subsequent Incumbrancers may redeem the first Mortgagee, though he has foreclosed the Mortgagor by a Decree: And the Account taken under that Decree will not bind the subsequent Incumbrancers. 663

Deeds, Conveyances and Assurances.

Construction and Operation of them.

A Woman covenants to stand seised to the Use of her self in Tail, Remainder to such Uses as she by Writing should appoint; for Want of Appointment to the Use of her Kinsman in Fee. Whether this Remainder to the Kinsman is good, being on a Covenant to stand seised. 7

Bill for a Discovery, whether in a Mortgage made by A. to B. which

had been assigned to the Defendant, there was not some Trust for the Benefit of the Plaintiff; Defendant by Answer denied there was any Trust declared for the Plaintiff. The Answer being replied to, the Question at the Hearing was, Whether the Defendant was obliged to produce the Deed? Court would not compel the Defendant to produce the Deed, saying that by this Method all Purchasers may be blown up.

Page 463

Deeds lost or concealed.

A Remainder-Man in Tail in a voluntary Settlement, brings a Bill for Discovery of the Deed; and it appearing that the Entail was discontinued, the Court would not relieve him. 35

One claiming under a voluntary Conveyance from Tenant in Tail, not compellable by the Issue in Tail to discover the Settlement. 50

Equity will not aid the Issue in Tail against a Discontinuance, though by a voluntary Conveyance. *Ibid.*

If a Lease of Lands by Deed is lost, the Lessor may declare on a Demise in general, without saying it was by Deed: Otherwise of a Thing which lies in Grant. 98

Defendant suppresses a Marriage-Settlement, whereby a Remainder in Tail is limited to the Plaintiff's Father, all prior Estates being spent. Decreed the Plaintiff to hold and enjoy the Estate. 380

A. by Answer confessed he had in a Passion burnt his Marriage-Articles; but it being proved, that he had produced them after the

I

Time

A Table of the principal Matters.

Time he said they were burnt, he was committed; and though he made Oath he had them not, and could not produce them, yet the Court would not discharge him, 'till he consented to admit the Articles to be as set forth in the Bill. Page 561

Upon an Issue at Law, whether a Deed to lead the Uses of a Fine levied by a Man and his Wife was duly executed; the Deed having been enrolled for safe Custody, and afterwards lost, a Copy of the Inrollment was allowed at the Trial, to be given in Evidence. 471, 591

Deeds cancelled.

A. being displeased with his Son, makes an additional Settlement for his Wife's Jointure, but keeps the Deed in his own Custody; and being afterwards reconciled to his Son, cancels it. The Wife after her Husband's Death finds the cancelled Settlement, and recovers by Virtue thereof. 476

Deeds obtained by Dures, Compulsion, &c.

If a Bond is obtained by Force or Terror, tho' not so as to make it *per dures*, it ought to be set aside, or at least not carried into Execution in a Court of Equity. 497

Deeds fraudulent. Vide Fraud.

Defective Conveyances, Securities, &c. made good in Equity.

Vide Voluntary. Vide Copyhold.

Whether Equity will supply the Defect of a Fine, where the Conusor dies after the Caption, and before the Fine is perfected. Page 3

A. and his Wife being Assignees of a Lease Mortgage to *B.* *A.* becomes insolvent, and the Title not being good, *C.* who had the real Title, in Compassion to *A.*'s Wife, makes a Lease in Trust for her. Decreed the Trustees to make a new Mortgage to *B.* 11

Equity may supply an informal or defective Revocation, though it has not all the Formalities and Circumstances mentioned in the Power of Revocation. 69

A defective Common Recovery, as to a Tenant to the *Præcipe*, will bar an Estate-tail in a Trust only. 132

One borrows 70*l.* and as a Security gives a Warrant of Attorney to confess Judgment in Ejectment, on a feigned Demise for twenty Years. This is a defective Security, but a good Agreement in Equity to charge the Land. 151

Equity will supply a defective Execution of a Power, in Favour of younger Children. 164

One buys a Reversion of an Estate expectant on the Life of *J. S.* Tho' *J. S.* had no Title to the Estate for his Life, yet he shall hold it in Equity against the Purchaser. 279

A. mortgages Copyhold Lands to *B.* but the Surrender not being presented within the Time limited ed

A Table of the principal Matters.

ed by the Custom, became void. Afterwards *A.* becomes Bankrupt. On a Bill by *A.* against the Assignees, this defective Surrender was made good. Page 564

A defective Surrender of Copyhold Land for securing a Sum of Money, which was become void, for not being presented in due Time, made good against a subsequent Purchaser with Notice. 609

Demurrer.

One is made a Party to a Bill, against whom there can be no Decree, but may be examined as a Witness. He may demur to the Bill. 380

Depositions.

The Creditors of the Lord *Lovelace* obtained a Decree for Payment of their Debts, and to set aside some Conveyances gained by Fraud, and Sir *Henry Johnson* and the Legatees are made Defendants. The Legatees having brought their Bill against Sir *Henry Johnson*, the Question was, if the Depositions in the former Cause, touching the Fraud, could be read in this. *Per Cur.* The Question being the same in both Causes, and Sir *Henry Johnson's* Defence the same, the Depositions ought to be read. 447

A Witness was examined before the Hearing, while she was interested, but after the Hearing she released her Interest, and was examined again before the Master. Her Depositions before the Master allowed to be read. 472

Debauchabit. Vide **Executor.**

Devise. Vide **Will.**

Devise for Payment of Debts. Vide *Trust for raising Portions, and Payment of Debts under Title Trust.*

Discretion.

A. gives 400 *l.* to his two Daughters his Executrices, to be distributed amongst themselves, and their Brothers and Sisters, according to their Necessity, as in their Discretion they thought fit. The Court settled the Distribution, and decreed a double Share to one of the Children. Page 421

A Man gives Legacies to his Children to be paid at Twenty-one or Marriage, and if any of them died before Twenty-one or Marriage, the Legacy of such Child to be disposed of to one or more of the surviving Children, as his Wife, whom he made Executrix, should think fit. One of the Children died under Age and unmarried. The Mother appoints the whole Legacy of such Child to one of the other Children. A good Appointment. 513

Where an Executor has a general Power to distribute a Sum of Money amongst Children at Discretion; an unreasonable or indiscreet Disposition may be controlled by a Court of Equity. *Ibid.*

A. disinherits his Son, and by Will gives the greatest Part of his Estate to *B.* and tells *B.* if his Son behaved well, he might give him 20 *l.* a Quarter, and if he used that well he might make it up

40 *l.*

A Table of the principal Matters.

40*l.* a Quarter. Decreed the 40*l.*
a Quarter to the Son. *Page* 559

Dismission.

A Dismission upon an Election to proceed at Law is not peremptory, but the Plaintiff, after he has failed at Law, may bring a new Bill. 32

Distress.

A Grazier driving a Flock to *London*, is encouraged by an Inn-keeper's Servant to put his Sheep into Grounds belonging to the Inn. The Landlord of the Inn seeing the Sheep, consents they shall stay there one Night, and then distrains them for Rent. Grazier relieved against this Distress. 129

If Cattle escape into the next Ground, and are there distrained for Rent, Equity will relieve against such Distress. 131

Distribution.

Money is bequeathed to *A.* for Life, and then to go to the Children of *B.* in such Shares as *A.* shall advise. *A.* dies without making any Appointment. Decreed the Money to be distributed amongst the Children of *B.* and their Representatives *per stirpes*, and not *per Capita*. 50

But this Decree was afterwards reversed, and the Money decreed to the Testator's only Child, and that the Grand-children should not take. 106

The Sister of the half Blood shall share equally with those of the whole Blood, in the Distribution

of an Intestate's Estate upon the Statute. *Page* 124

One dies Intestate leaving an Uncle, and an Uncle's Son, whether the Uncle's Son shall come in for a Share upon the Statute of Distributions. 168

The Clause in the Statute, which says, there shall be no Representatives among Collaterals beyond Brothers and Sisters Children, must be intended, that none shall take by Representation, but the Children of Brothers and Sisters to the Intestate. 233

One dies intestate, being an Inhabitant of the Province of *York*, leaving a Son and Daughter, and no Wife, and having given his Daughter on Marriage 1000*l.* in Satisfaction of what she might claim by the Custom of the Province. This shall not bar her of her distributory Share under the Statute, nor shall she bring the 1000*l.* into Hotchpot. 274

A Legacy of 15*l.* apiece given to each of the Relations on the Testator's Father and Mother's Side. Whether restrained to Relations within the Statute of Distribution. 381

One makes a Will, and his Son Executor, but makes no Disposition of the Surplus. The Son dies without proving the Will. The Testator is dead intestate as to the Surplus, and the same shall be distributed amongst the next of Kin of the Testator. 634

The Son and Heir intitled to 500*l.* under a Marriage Agreement, decreed to bring it into Hotchpot upon the Statute of Distributions, though in Nature of a Purchaser. 638

A Table of the principal Matters.

A Man dies intestate before the Statute of Distributions takes place; but Administration is granted after. His personal Estate shall be distributed according to the Statute.

Page 642

Dower.

Where there is a Fine by Way of Render, there shall be no Dower.

58

One by Will devises to his Wife Part of his real Estate during her Widowhood, and devises the Residue of his whole real Estate to J. S. for Life, Remainder to his first Son. Whether the Wife's Acceptance of this Devise shall in Equity bar her Claim of Dower of what is devised to J. S. 365

A collateral Satisfaction may be a good Bar to Dower in Equity, though not pleadable at Law.

366

Devise of Lands to Executors till Debts paid, Remainder to his Son in Tail. The Son marries and dies before Debts are paid. This is but a Chattel Interest in the Executors, and cannot hinder the Son's Widow of Dower. But the Dower cannot commence in Possession, till the Debts are paid.

404

A. purchases Lands in his eldest Son's Name, and puts him in Possession, and the Son falling sick, the Father takes a Declaration of Trust from the Son; and after the Son's Recovery he is permitted to continue in Possession. The Son marries and dies. The Father gets a Conveyance from his younger Son. The elder Son's Wife shall be endowed.

436

The Widow of the *Cestuy que Trust* of a Copyhold Estate shall have her *Free-Bench*, as well as if her Husband had had the legal Estate.

Page 585

Whether a Dowress shall be relieved in Equity against a Term for Years. 680

Election.

A Dismissal upon an Election to proceed at Law is not peremptory; but the Plaintiff after he has failed at Law, may bring a new Bill.

32

A. on his Marriage covenants to purchase, and settle 20*l.* a Year on his Wife for her Life, and if he died before it was done, to leave her 300*l.* out of his personal Estate for her better Livelihood. He died without making any Settlement. Decreed the Wife was intitled to the 300*l.* by the Articles, and that the Executors were not at Liberty to settle 20*l.* a Year on her for her Life. 505

A Man on his Marriage covenants to purchase and settle Lands of 400*l.* a Year to the Use of himself for Life, then to his Wife for Life, Remainder to the Heirs of their two Bodies; and if he died before a Settlement was made, the Wife might elect either to have the 400*l.* a Year, or 3000*l.* in Money in Lieu of Dower. The Husband dies without making a Settlement. On a Bill by the Creditors, the Wife elects the 3000*l.* and the Children insist on having a Settlement made according

K

ing

A Table of the principal Matters.

ing to the Articles expectant on their Mother's Death, by which Means all the Assets would be exhausted. Decreed a Settlement to be made on the Wife for Life, Remainder to the Children *nunc pro tunc*, notwithstanding her Election. Page 605

Emblements.

Baron and Feme are Jointenants for their Lives. Baron sows the Land, and dies before Severance. Who shall have the Corn. 322

A. and *B.* Jointenants of Land, and the Land is sown with Corn, and one of the Jointenants dies. The Survivor shall have the Corn. 323

Husband seised in Fee in Right of his Wife, sows the Land, and dies. His Executors shall have the Corn. *Ibid.*

Enrolment. Vide **Involment.**

Entry.

A Person is intitled to mean Profits, but from the Time of his Entry. 519

An Injunction does not prevent an Entry. *Ibid.*

Equity.

If a Man having a good Plea to an Action at Law, slips his Opportunity of Pleading, Equity will not relieve him. 696, 697

Estate.

In Fee-simple.

A Devise of Land to *A.* paying out of the Rents, or out of the Land in general, is not a Devise in Fee;

but a Devise paying a certain Sum at the End of two Years, or any certain Time, and the Profits are not sufficient, will pass a Fee-simple. Page 106

In Fee-tail.

Estate-tail by Devise. Vide under **Title Tail.**

A. is Tenant in Tail, subject to the Payment of 250*l.* a Year to *B.* for four Years. *A.* receives the Profits during the four Years, but does not pay all the Annuity, and dies, leaving a Daughter, and no personal Assets. The Lands shall be liable in the Hands of the Daughter to pay the Arrears of the Annuity, though the Term was expired. 178

An Estate *pur auter vie* may be entailed. 184

Lease *pur auter vie* is not within the Statute *de donis.* 226

Bare Articles a Bar to an Intail of an Equity. *Ibid.* & 344

A Partition between Tenants in Tail, though but by Parol, shall bind the Issue. 233

One settles Land upon his Daughter in Tail, and takes a Bond from her not to commit Waste. Bond not binding in Equity. 251

Tenant in Tail enters into a Recognisance not to suffer a Recovery. Recognisance decreed to be delivered up, as creating a Perpetuity. *Ibid.*

Tenant in Tail having sold for full Value, and received the Money, and covenanted to levy a Fine, was afterwards decreed to levy this Fine, and died in Prison for not performing the Decree. His Issue is not bound. 306

Devise

A Table of the principal Matters.

Devise of Land to a Man for Life, Remainder to the Heir of his Body in the singular Number, is an Estate-tail. *Page* 325

Devise to *A.* for Life, Remainder to the Heir of his Body, (in the singular Number) and to the Heirs of the Body of such Heir, is but an Estate for Life to *A.*

Ibid.

An House with the Furniture thereof, is limited to a Woman, and such Heir of her Body as shall be living at her Death, and in Default of such, Remainder over. She has an Estate-tail in the House, and an absolute Property in the Furniture. *324*

Trustees joining with the *cestuy que Trust* in Tail in a Feoffment, will bar the Estate-tail in the Trust. *344*

Tenant in Tail covenants to settle a Jointure, and dies. Issue in Tail not bound by the Covenant. *379*

Defective Execution of a Power, made good in Equity against the Issue in Tail, if for a valuable Consideration. *Ibid.*

Devise of Lands to *A.* for Life, Remainder to his first, &c. Son in Tail, provided if *A.* dies without Issue Male, then to *B.* These latter Words raise no Estate-tail by Implication to *A.* he having before an express Estate for Life. *449, 546*

For Life.

Estate pur auter vie. Vide **Occupant.**

A. by Deed grants a Term for Years for Payment of Debts, and by Will devises the Reversion to *B.*

for Life *sans Waste*, Remainder to his first, &c. Son in Tail. *B.* being in Want, the Court gave him Leave to cut Timber for his Support not exceeding the Value of five Hundred Pounds. *Page* 218

A. Tenant for Life of Lands charged with Debts, decreed to pay two Fifths of the Debts, and *B.* the Remainder-Man in Fee three Fifths, and *A.* to account for the Timber he had cut down, which was to go in Part of *B.*'s three Fifths. *267*

A. by Will devised Land to Trustees and their Heirs, in Trust that the Profits should be equally divided between his Wife and Daughter during the Wife's Life, and after her Death he devised the same, to the Use of the Daughter in Tail, with Remainders over. The Daughter dies before the Mother. Decreed this to be a Tenancy in Common between the Mother and Daughter during the Mother's Life, and that on the Daughter's Death, her Moiety did not descend or result to the Heir during the Mother's Life, but was an Interest undisposed of, and in Nature of a Tenancy *pur auter vie*, and belongs to the Executor of the Daughter. *430*

For Years.

Devise of Lands to Executors till Debts paid, Remainder to his Son in Fee. This is but a Chattel Interest in the Executors, and when Debts are paid, the Son's Wife shall have her Dower. *404*
One seised in Fee may create a Term for Years to commence after his Death without Issue: But one possessed of a Term for Years, cannot

A Table of the principal Matters.

cannot out of that Term carve a future Term to commence after the Determination of an Estate-tail. Page 684

Term attendant on the Inheritance.

Tenant *per Curtesie* shall have the Aid of Equity against a Trust-Term attendant on the Inheritance. 324

Where a Term is attendant on the Inheritance, if the King extends the Inheritance, he shall have the Term. 390

A Woman, who is *cestuy que Trust* of a Term, having the Inheritance in her, marries and dies. The Term shall attend on the Inheritance, and not go to the Husband as Administrator of his Wife. 520

Limitations of Terms for Years, Money, &c.

A. on his Marriage assigns a long Term of Years in Trust for himself for Ninety-nine Years, if he lived so long, then in Trust for his Wife for her Life, Remainder to the Heirs of the Body of A. begotten on his Wife. The whole Term does not vest in A. but after the Death of him and his Wife, shall go to all their Children equally. 23

A Term is assigned to a Woman for Life, and then to her Issue: Adjudged the Issue took by Purchase. 24

Interest of Money is devised to A. for Life, and if he died without Issue, then the Principal to go over to another. The Remainder over is good. 38

A Term is assigned in Trust for Baron and Feme for their Lives,

Remainder to the Heirs of the Body of the Wife by the Baron. If the whole Term vests in the Wife, or shall go to the Heir of her Body. Page 43

Devise of 1300*l.* to the Testator's Granddaughter; provided if she died before Twenty-one and without Issue, then the Legacy to go over. The Devise over is good, the Contingency being to happen before the Legatee attains 21. 86

Devise of a Term to J. S. and his Assigns for ever; but if he dies without Issue before Twenty-one, then to go over. The Devise over is good. 151

A Term is assigned in Trust for Baron and Feme for their Lives, Remainder in Trust for the Heirs of the Body of the Feme by the Baron. The Baron and Feme die. Adjudged the Heir of the Body took by Way of Purchase, and as a Person well described. 195

Devise of a personal Thing to one for Life, Remainder to another. The Remainder is good, it being the same, as the Devise of the Use of a Thing for Life, with Remainder over. 245, 332

An House with the Furniture, thereof is limited to a Woman and such Heir of her Body, as shall be living at her Death, and in Default of such, Remainders over. She has an Estate-tail in the House, and an absolute Property in the Furniture. 324

Where a personal Chattle is devised for a limited Time; this is to be intended only of the Use of it, and not of the Thing it self, and therefore such devise over is good. 331, 332

One

A Table of the principal Matters.

One possessed of a Term for Years, on his Marriage assigns it to Trustees, in Trust for himself for Life, Remainder to his Wife for Life, Remainder to the Heirs of the Body of the Wife by the Husband. This is a good Limitation to the Heirs of the Body of the Wife, and they are Words of Purchase, and not of Limitation. 362

One possessed of a Term, in Consideration of Marriage assigns it to Trustees, in Trust for himself for Life, then to his Wife for Life, Remainder in Trust for the Children of the Body of the Wife. This shall be intended, for the Children of the Wife by this Marriage, and not to let in her Children by another Husband. 363

A. demises Lands for a long Term of Years in Trust for *B.* for Life, then to his first Son for the Remainder of the Term, and in Default of Issue of such Son, to the second and other Sons of *B.* and for Want of Issue Male to the Daughters of *B.* for the Remainder of the Term. There having never been a Son, the Limitation to the Daughters was held good. 600

A. on his Marriage assigns a Term for one Thousand Years, in Trust for himself for Life, Remainder to the Heirs of the Body of the Husband and Wife during the Residue of the Term. The Wife dies leaving Issue. The whole Term vests in the Husband, and he may dispose of it, and the Heirs of the Body of the Husband and Wife cannot take as Purchasers. 668

A. possessed of an Exchequer Annuity for Ninety-six Years, on

Marriage of his natural Daughter covenants to pay it to the Wife for her separate Use, and then to the Survivor of the Husband and Wife for Life, and after to their Children, and if no Child, then to be for the Benefit of *A.* Husband and Wife die leaving a Child, who soon after dies. *A.* shall keep the Annuity, and it shall not go to the Administrator of the Child. *Page 692*

There is a Difference between an actual Assignment and only a Covenant to pay. The Latter (when voluntary) not to be carried in Equity beyond the Letter. *Quare.* 693

One by Will gives all his Lands, Money, &c. to his Wife; provided if she died without Issue, then 80*l.* should remain to his Brother after her Death, and made the Wife Executrix. The Brother died in the Life of the Wife, who died without Issue. Decreed the Executor of the Brother intitled to the Legacy. *If she died without Issue* must be understood in the vulgar Sense, *viz.* leaving no Issue at her Death. 758, 766

Tenants in Common and Jointenants. Vide Title *Jointenants.*

Evidence.

A Legacy is presumed to be paid after a great Length of Time. 21

Parol Proof not to be admitted to explain a Will. 98

But such Proof may be admitted to explain a Surrender of Copyhold Land, to shew a Mistake either in the Land or Uses. *Ibid.*

L

One

A Table of the principal Matters.

One makes his Will, and *A. B.* and *C.* Executors in Trust, and gives them 20*s.* apiece for a Remembrance above their Charges. Parol Proof admitted to prove, that this was a Trust for the Wife only.

Page 99

One by Will subjects his real Estate to pay his Debts, and makes his Wife Executrix. Parol Proof admitted to prove Testator's Declarations, that his Wife should have his personal Estate exempt from his Debts.

252

A third Mortgagee gets in the first, and brings a Bill to foreclose the second Mortgagee, if he don't pay both. He need not prove the actual Payment of the Money lent on the third Mortgage, the Producing an Acquittance being sufficient.

279

No Regard is to be had to parol Declarations in Case of a Devise of Lands.

337, 339

One devises his Lands to his Brother, and makes him Executor, and wills that his Brother out of the personal Estate, and Half a Year's Rent of the real Estate shall pay his Legacies, and gives an Annuity to his Nephew. Upon parol Evidence that the Brother promised the Testator to pay the Annuity, or otherwise he would have charged his real Estate therewith; the real Estate was decreed to be charged with the Annuity.

506

A Copy of a Deed, to lead the Uses of a Fine, and inrolled only for safe Custody, allowed to be read as Evidence at a Trial at Law, and against the Wife, tho' the Husband only acknowledged the Deed.

471, 591

There being a Devise in a Will of all the Testator's Household-Stuff, as Brass, Pewter, Linen and Woollen, except a Trunk; the Person, who drew the Will was examined, to prove the Testator directed him to insert all the Testator's Goods, except the Trunk, and his Deposition was allowed to be read.

Page 517

An Entry in the Steward's Book, and a parol Proof of the Foreman of the Jury, admitted as good Evidence, that a Feme Covert surrendered her whole Estate; although the Surrender on the Roll, and the Admission thereupon was but of a Moiety.

547

A Defendant's Answer directed to be read as Evidence at a Trial at Law.

555

Collateral Proof may be allowed to make certain a Person or Thing described in a Will.

593

Parol Proof allowed as to a Man's Intention in a Will, where the Question was, Whether a Legacy should go in Satisfaction of a Debt due from the Testator to the Legatee.

Ibid.

Copy of a Note taken by one, who had been entrusted with the Note, and was since dead, under which Note was wrote an Acknowledgment that nothing was due, allowed to be read as Evidence, though not proved to be a true Copy, and though the Defendant had sworn there was no such Acknowledgment under the Note.

603

No Parol Proof ought to be received to supply the Words of a Will.

624

If a Devise is to one of the Sons of *J. S.* who hath several Sons, the Devise is void, and shall not be

be

A Table of the principal Matters.

be supplied by any parol Proof.

Page 624

Surplus not being disposed of by the Will, parol Proofs were allowed to be read, that the Testator intended to give the Surplus to his Executor, it being to oust an Implication or Rule in Equity. 648,

736

Examination.

Baron and Feme exhibit a Bill for a Demand in Right of the Wife. Witnesses are examined, and after Publication passed the Baron dies, and the Wife and her second Husband bring a new Bill. They may examine the same Witnesses again, as were examined in the former Cause. 197

In perpetuam rei memoriam.

The Court will not give Leave to examine Witnesses to perpetuate Testimony, in Case of a Purchase of a Reversion, where there can be no Trial at Law during the Estate for Life. 159

After Publication.

In a Bill brought to have the Benefit of a former Decree, Plaintiff cannot examine Witnesses, much less the same Witnesses to the Matters in Issue in the former Cause; but on such a Bill the Court may examine the Justice of the former Decree, but then it must be upon the Proofs taken in the Cause wherein that Decree is made. 409

Exceptions.

When the Court on Hearing a Cause refers the Matter in Controversy to Gentlemen in the Country, no Exceptions lie to their Certificate.

Page 79

Submission to a Reference, and the Award to be confirmed by the Decree of the Court without Appeal or Exception; yet Exceptions to the Award admitted. 109

Execution.

Where the Sheriff returns *nulla Bona* upon a *Fi. fa.* and there is a Recovery against him for a false Return, *that* vests no Property of the Goods in him; but they remain in the Party, and are liable to any subsequent Execution. 239

Executor and Administrator.

In what Priority Debts are to be paid. Vide under Title Assets.

An Executor being desirous to apply the Assets as far as they would go, in satisfying the Debts, brings a Bill against all the Creditors, that they might, if they pleased, contest each other's Debts, and that their Preference might be settled. Adjudged on a Demurrer to be a proper Bill. 37

After a Bill brought by Creditors against an Executor, and the Rest of the Creditors, the Executor cannot, by confessing a Judgment or suffering Judgment to go by Default, prefer one Creditor before another. 62

An Executor makes a voluntary Assignment of Part of the Assets. Whe-

A Table of the principal Matters.

- Whether a Creditor can follow the Assets in the Hands of the Assignee. 75
- If there be a Grand-father, Father and Son, and the Father dies intestate, the Son shall have the Administration, and not the Grand-father. 125
- Bill against an Executor for a Debt due from the Testator, and though the Debt was proved, yet the Plaintiff was sent to Law: But the Bill was retained till after the Trial, in order to take the Account of Assets, if there should be a Verdict for the Plaintiff. 192
- An Administrator *de bonis non cum Test' annex'* upon a Suggestion of Insolvency, ordered to give Security for a Legacy payable at a future Day. 249
- Bond-Creditor brings a Bill against an Executor for the Recovery of his Debt, and pending the Suit, the Executor confesses a Judgment to another Bond-Creditor. The Executor may pay this Judgment before the Bond-Debt. *Page 299*
- But a voluntary Payment after an Original filed, or Bill exhibited, shall not be allowed: But in the Case of a voluntary Payment, if the Suit at Law be not by Original but upon a *Latitat* in the *King's Bench*, the Payment shall stand good, though after an Action brought. 300
- In an Action at Law against an Executor or Administrator by a Creditor, Defendant by Mistake of his Attorney, pleads a false Plea, and a Verdict passes for the Plaintiff. Tho' the Merits were never tried, yet Equity will not relieve. 325
- A.* having a Term in the Printing-Office for Twenty-one Years, by his Will directs that 2000 *l.* should be raised out of the Profits for his Daughter, and made *B.* Executor. *B.* mortgages the Term. Decreed the Mortgagee not liable to the Legacy charged by the Will on the Term: But this Decree was reversed by the House of Lords. *Page 444*
- Administration is granted to two, and one dies, it will survive to the other. 514
- If Executors join in receiving Money, both are answerable, for they may act severally, if they think fit. 504, 515, 570
- A.* purchases a Leasehold Estate of an Executor, having Notice a Debt of the Testator's was unpaid; and out of the Purchase-Money, he has an Allowance of 200 *l.* due to himself from the Testator, and of 550 *l.* due to himself from the Executor, and pays the Remainder in Money. This Sale not good against an unsatisfied Creditor, *A.* being a Party, and consenting to and contriving a *Devastavit*. 616
- In what Cases the Executor shall be only a Trustee.*
- One by Will gives several Legacies, and makes two Persons, not related to him, Executors, and afterwards increases his Estate, and has Children, and dies without new publishing or altering his Will. Equity will not make the Executors Trustees for the Children, as to the Surplus. 104
- A.* by Will gives Legacies to his Relations amounting to near the Value of his Estate, and makes *B.* and *C.* Executors, and gives them 20 *l.*

A Table of the principal Matters.

20 *l.* and intreats them to take the Trouble of getting in his Estate. He lives ten Years after and increaseth his Estate, and dies without new publishing his Will. Decreed the surviving Executor but an Executor in Trust, and that the new acquired Estate should go to the Legatees in Proportion to their Legacies. *Pag.* 148

Vide Surplus, and residuary Legatee under Title Legacies.

How to account, and how to be charged.

One devises 1200 *l.* to *A. B. C.* and *D.* Children of *J. S.* to be divided amongst them according to the Discretion of *J. S.* whom he makes Executor. *A.* dies before the Testator, and *B.* six Months after the Testator's Death. *J. S.* pays *C.* 900 *l.* for his Share, and by will gives *D.* 400 *l.* in full of his Share. Decreed the Estate of *J. S.* to answer Interest for the 1200 *l.* from a Year after the Testator's Death, Securities having never been wanting in the publick Funds; but the Master in computing the Interest was to take out of the Principal so much, as with the Interest of it would make up 900 *l.* when it was paid to *C.* and then compute Interest for the remaining Principal.

745

Devastavit.

A. Clothier trusts the Factor with Cloaths to sell for him, and dies. In an Account for these Cloaths, if the Administrator of the Clothier pays or discounts a Debt due from the Clothier to the Factor, and there are Debts of a higher Nature, it will be a *Devastavit.*

Page 117

If an Executor loses a Bond due to the Testator, Whether he is chargeable with the Debt to the Creditors of the Testator. 299

Exposition of Words.

Vide under Title Will.

Where a Devise is to Children, the Grand-children cannot come in to take with the Children: But if there is no Child, the Grand-children shall take. 106

Word (Or) taken for (And). 388, 389

A. by Virtue of several Settlements, being Tenant in Tail after Possibility of Issue extinct, of some Lands, with Remainder in Fee to Trustees, in Trust for him and his Heirs; and as to some other Lands being Tenant for Life, Remainder to his first, &c. Sons in Tail, Remainder to Trustees and their Heirs, in Trust for the right Heirs of *B.* whose Heir he was; and as to other Lands being Tenant in Tail, Remainder to the right

M Heirs

A Table of the principal Matters.

Heirs of his Father; and having no Issue, by Will devised to his Nephew all his Lands, Tenements and Hereditaments *out of Settlement*. Decreed all the Lands to which the Testator was so intitled, did pass by this Devise.

Page 621

But Lands fettled with Power of Revocation, will not pass by this Devise.

624

Heredibus de corpore procreatis & Procreandis are the same.

711

Extent.

If the King's Receiver is seised of the Inheritance, and there is a Term for Years attending thereon; If the King extends the Inheritance, he shall have the Term.

390

But if the King's Receiver is possessed of a Term in gross, and it is assigned before an actual Extent, the Assignment is good against the Crown.

Ibid.

Assignees under a Commission of Bankruptcy, bring a Bill for an Account against some Persons who had seised the Bankrupt's Estate by Virtue of three Extents, the one for the King, and the other two were Extents in Aid. Bill dismissed, the Matter being properly cognisable in the Court of *Exchequer*, which is the King's Court of Revenue.

426

But it is otherwise, where the Defendant who has sued out an Extent in Aid, confesses by Answer, that he has sufficient Estate of his own to pay the King's Debt.

Ibid.

Or where it appears to be a fraudulent Contrivance by an Extent in Aid to gain a Preference to a Debt of an inferior Nature.

Page 426

Extinguishment.

A Rent or Recognisance shall not be extinguished by levying a Fine to the Party.

58

A. by Will gives his Daughter 200 *l.* and afterwards gives her a Portion in Marriage more than the Legacy. The Legacy is extinguished by the Portion after given.

115

A Woman takes Bond in the Name of a Trustee, and afterwards marries one of the Obligors. The Marriage is no Release or Extinguishment of the Debt.

290

Bond extinguished at Law, decreed good in Equity, and to bind the real Assets.

480

Factor.

A. employs B. as his Factor to sell Cloth; B. sells it on Credit, and before the Money is paid, dies indebted by Specialty more than his Assets will pay. This Money shall be paid to A. and not to the Administrator of B. as Part of his Assets; but thereout must be deducted B.'s Commission

638

A Factor is in Nature of a Trustee, only for his Principal.

Ibid.

A Table of the principal Matters.

Free Farm Rents. Vide Rent.

Fine.

Whether Equity will supply the Defect of a Fine, where the Conu-
for dies after the Caption, and
before the Fine is perfected. *Pag. 3*

Where a Fine is levied for a parti-
cular Purpose pursuant to a De-
cree, the Court will not permit
any other Use to be made of that
Fine, 56

A Rent or Recognisance shall not be
extinguished by levying a Fine to
the Party. 58

Where there is a Fine by Way of
Render, there shall be no Dower.
Ibid.

Fine and Non-claim.

A Fine and Non-claim a good Bar
to an Equity of Redemption: So
it is to a Bill of Review. 189

A. devises Lands to Trustees in Trust
to pay Debts, and then in Trust
for an Infant. A third Person
enters and levies a Fine, and five
Years pass: Though the Fine
bars the Trustees, yet Equity will
not suffer the Infant to be barred
by the Laches of the Trustees,
nor to be barred of the Trust-
Estate during her Infancy, but she
shall be relieved against the Fine,
and recover all the mean Profits.
368

A. devises Lands to B. in Tail, Re-
mainder to C. in Tail, subject to
the Payment of Legacies. C. le-
vies a Fine and five Years *Non-*
claim pass, and then C. mortga-

ges the Lands. Fine and *Non-*
claim no Bar of the Legacies.
Page 662

Forfeiture.

A Legacy is given on Condition,
not to dispute the Will. The
Legatee commences a Suit, where-
by he disputes the Validity of the
Will. This is no Forfeiture of
the Legacy, if there was *probabi-*
lis Causa litigandi. 91

A Lessee for Years makes several
Under-leases. The Premises are
out of Repair, and the Lease is
avoided for Non-payment of the
Rent. Some of the Under- Les-
sees bring a Bill to be relieved a-
gainst the Forfeiture. They shall
not be relieved but on Payment
of the whole Rent in Arrear, and
repairing the Premises: But ha-
ving so done, they may compel
the other Under-Lessees to con-
tribute. 103

A Lessee under a Jointress at 40 *l.*
per Ann. had committed waste
sparsim, so that at Law the Es-
tate was forfeited, but insisted he
had improved the Estate to 60 *l.*
a Year, and offered to take a Lease
at that Rent for fifty Years, and
to pay for the Timber cut. Whe-
ther Equity will relieve against
this Forfeiture. 263

Legacies are given by a Will to A.
B. C. and D. on Condition, that
as they come of Age they shall
release all Claims to the Testa-
tor's Estate. This Condition must
be taken *distributively*, and such
only as refuse to release shall for-
feit their Legacies. 478

A. having two Copyholds held of
the Manor of B. cuts Timber on
the one, and employs it in re-
pairing the other. After a Ver-
dict

A Table of the principal Matters.

- dict on an Ejectment by the Lord for the Forfeiture, *A.* brings a Bill, and is relieved; but ordered to pay Costs at Law, and in Equity. *Page 537*
- A.* by Will gives his Grand-daughter 200*l.* on Condition she continued with his Executors, 'till she was Twenty-one; but if she was taken from them by her Father, who was a Papist, before Twenty-one, or married against the Consent of his Executors, then he gave her but 10*l.* The Daughter was placed by the Executors with a Clergyman, who, before she was Twenty-one, with Consent of one of the Executors, permitted her to make a Visit to her Father; and he took that Opportunity to marry her to a Papist. Decreed she should only have the 10*l.* 572
- A Copyhold is forfeited for not repairing. Whether Equity will relieve. 664
- Fraud, Collusion, Cobin, Concealment, Imposition.**
- Vide *Deeds.*
- Vide *Underhand Agreements, under Title Agreements.*
- Vide *Catching Bargains, under Title Heir.*
- Fraud in obtaining a Will relating only to a personal Estate, is not examinable in Chancery, after the Will is proved in the Spiritual Court, so long as that Probate is in Force. 8
- Relief against a Bill of Exchange mentioned to be for Value received, but gained by Fraud, and for a fictitious Consideration. 123
- In Case of a gross Fraud, the Court will give Costs to be ascertained by the Parties own Oath. *Page 123*
- A Mother to encourage a Marriage of her Son, releases her Dower, and shews the Release to the Wife and her Relations. This Release shall bind the Mother, though the Son got it from her by a fraudulent Suggestion. 133
- A Mother, being absolute Owner of a Term, is present at a Treaty for her Son's Marriage, and hears him declare the Term was to come to him at her Death, and is a Witness to the Deed, whereby the Reversion of the Term is settled on the Issue of the Marriage after her Death. The Mother is decreed to make good the Settlement, and to settle the Reversion of the Term accordingly after her Death. 150
- One stands by and suffers a Purchaser to go on, without disclosing his Title. Purchaser relieved. 151
- A prior Incumbrancer is a Witness to a subsequent Mortgage, and does not disclose his own Incumbrance. Decreed he should be post-poned. *Ibid.*
- An honest Debt may be lost by playing a Trick to come at it, as one by adding a Seal to a Note, which was good without it, lost his Security. 162
- A.* being a weak Man, was prevailed on by two of his Relations to give Bond to one of them, to settle his Estate to the Use of himself in Tail Male, with Remainder to his two Brothers successively in Tail Male. *A.* marries and makes a Settlement on his Marriage, and brings a Bill for Delivery up of his Bond; and it would have been decreed, but

A Table of the principal Matters.

- but that he offered to settle Part of his Estate in Tail on one of his Brothers. Page 189
- Policy of Insurance for insuring a Life gained by Fraud set aside, with Costs both at Law and in Equity, and the Money received for the Premium to go in Part of the Costs. 206
- A Man makes a Settlement on Trustees to pay his Debts therein mentioned, and Portions for his younger Children, reserving to himself 50*l.* a Year for his Life, Remainder as to the Whole to his Son, &c. He continues in Possession, and twelve Years after contracts other Debts by Bond. Whether this Settlement is fraudulent as to the Bond-Creditors. 261
- A Deed not fraudulent at first, may afterwards become so, by being concealed or not pursued. 262
- A Conveyance by Deed and Fine is gained without Consideration and indirectly. Court relieved against it. 307
- Conusee of a Statute from *A.* advises *B.* to lend *A.* 1000*l.* on Mortgage, and draws the Mortgage, with a Covenant against all Incumbrances, and conceals his own Statute. The Statute shall be post-poned to the Mortgage. 370
- A.* makes a Bill of Sale of his Goods to a Trustee for one, who lived with him as his Wife, and was so reputed. Bill of Sale set aside as fraudulent against Creditors. 490
- But if he purchases a Lease in the Name of a Trustee; who declares the Lease was made in Trust to permit *A.* to receive the Rents during his Life, and then for his reputed Wife; this will not be
- Assets of *A.* nor liable to his Creditors after his Death; for when a Man purchases, he may settle the Estate as he pleases. Page 490
- A.* conveys Lands to the Use of himself for Life, with Power to mortgage such Part as he shall think fit, Remainder to Trustees, to sell to pay all his Debts, and then dies indebted by Judgments, Bonds and simple Contract. This Deed is fraudulent as against the Judgment-Creditors, and they shall not be compelled to take a Satisfaction in Average with the other Creditors. 510
- A.* intrusted by *B.* to receive Interest on Tallies, receives the Principal, and fails, and afterwards compounds with his Creditors; but *B.* would not come in without having a better Composition than the Rest, which *A.* agrees to give. *A.* brings a Bill to be relieved against this Underhand Agreement; but he having been guilty of a great Fraud and Breach of Trust, and having agreed to make some Satisfaction, the Court would not relieve him; but dismissed the Bill. 602
- An Agreement for a Purchase being obtained from a Woman of Ninety Years of Age, and several suspicious Circumstances appearing, the Court would not decree it to be carried into Execution against the Heir at Law, nor to be delivered up. 632
- Sales at a great Undervalue from one, that was afterwards a Lunatick, set aside: But the Conveyances to stand as a Security for what was really paid. 678
- A Will concerning Land may be set aside in Equity for Fraud in obtaining it. 700

A Table of the principal Matters.

A. having a Mortgage of a Leafhold Estate, the Morgagor borrows the original Lease of *A.* and by that Means borrowed more Money on the Premises, but pretended he wanted it for another Purpose. If *A.* was privy to the Morgagor's Intention of borrowing more Money on the Premises, *A.*'s Mortgage shall be post-poned to the subsequent Mortgage, he being Accessary to the Fraud: But otherwise it will be, if he innocently lent the Lease to the Morgagor. *Page 726*

Gaming.

EXcessive Gaming discouraged by the Courts, both at Law and in Equity. *70*

One Apprentice gives a Bond to another Apprentice for 50 *l.* won at Play. Bond decreed to be delivered up: Gaming among Apprentices being of the worst Consequence. *291*

By the Custom of *London* a Master may justify Turning away his Apprentice for Gaming. *Ibid.*

Grant.

One possessed of a Term for two Thousand Years, grants the Land to *J. S.* without mentioning any Term. It is void for Uncertainty. *684*

Guardian.

An Infant being seised in Fee of Lands subject to a Mortgage, the Guardian takes an Assignment of the Mortgage. Altho' the Mort-

gagee had never entered, yet the Lord Keeper was of an Opinion, that as to the Profits received out of the mortgaged Lands, the Defendant should be taken to be in Possession as a Mortgagee, and not as Guardian. *Page 471. Q.*
A Guardian is not compellable to apply the Profits of Lands descended on the Infant Heir, to pay off the Bond-Debts of the Ancestor. *606*

Heir and Ancestor.

Vide Assets.

WHether an Heir, being a Creditor by Bond or Judgment, can retain, as well as the Executor may. *62*

Land is settled for raising Portions for Daughters. On a Bill for a Sale, the Heir shall be compelled to join, though he has no legal Interest. *99*

Where Judgment is obtained against an Heir, who has a Reversion in Fee descended upon him, the Judgment is only of Assets, *quando acciderint*; and Equity will not decree a Sale of the Reversion, but the Creditor must wait till it falls. *134*

When a Term is raised for a particular Purpose out of the Inheritance, and *that* Purpose is satisfied, the Heir shall have the Benefit of the Surplus of the Term. *138*

A. is Tenant in Tail, subject to the Payment of 250 *l.* a Year to *B.* for four Years. *A.* receives the Profits during the four Years, and dies leaving a Daughter, and
no

A Table of the principal Matters.

- no personal Affets, and having not paid all the Annuity. The Lands shall be liable to answer the Arrears of the Annuity in the Hands of the Daughter, though the Term was expired. *Page 178*
- In Case of doubtful Words in a Will, an Heir is to be favoured, and there shall be no strained Construction to work a Disinheritance: But where there is no Doubt, the Plea of Heirship must not control a plain Will. 340
- A Son's Daughter, cannot take by a Limitation to the Heirs Female of the Body of the Father, for such Heirs Female must derive by Females only. 409
- There must either be express Words in a Will, or a necessary Implication, to disinherit an Heir at Law. 571
- A Guardian is not compellable to apply the Profits of Lands descended on the Infant Heir, to pay off the Bond-Debts of the Ancestor. 606

Heir.

Matters controverted between the Heir and Executor.

- The Wife's Portion and the like Sum of the Husband's Money is agreed to be laid out in Lands to be settled to the Use of them and the Heirs of their Bodies, without mentioning how the Remainder over should be limited. they both died without Issue, and before any Purchase made. The Wife survived. The Money shall be paid to the Heir of the Husband, and not to the Administrator of the Wife. 20
- The Heir of the Mortgagee forecloses the Mortgagor, the Executor being no Party. Upon a Bill by the Executor against the Heir of the Mortgagee and the Mortgagor, the Land was decreed to the Executor. *Page 67*
- But if the Executor of the Mortgagee after a Foreclosure by the Heir, brings a Bill to have the Benefit of the Mortgage, the Heir, if he think fit, may take the Benefit of the Foreclosure to himself, paying the Executor the Mortgage-Money and Interest. *Ib.*
- By Marriage-Articles Money is agreed to be laid out in Land, and settled on the Husband and Wife and their Issue, Remainder to the Heirs of the Wife. The Husband and Wife die without Issue, and the Money is not laid out. The Heir, and not the Administrator of the Wife, shall have the Money. 101
- Committee of a Lunatick invests Part of the Lunatick's personal Estate in a Purchase of Lands in Fee. This shall be taken as personal Estate, and in Case of the Lunatick's Death, go to his next of Kin, and not to his Heir. 192
- A Woman as Guardian of her Infant Son, out of his personal Estate pays off a Mortgage upon his Land. The Infant dies, and the Land descends to a remote Heir. The Money shall not be brought back into the personal Estate. 193
- Mortgagor releases to the Heir of the Mortgagee in Fee. The Executor or Administrator of the Mortgagee, shall have the Benefit of the Mortgage, though there are no Debts. *Ibid.*

A Table of the principal Matters.

If a Mortgagee in Fee dies, and the Mortgagor will not redeem; yet the Executor or Administrator of the Mortgagee shall have the Benefit of the Mortgage. *Pag.* 193
So he shall, though the Mortgagor is foreclosed, or is of so ancient a Date, as not to be redeemable, unless the Mortgagee is actually in Possession. *Ibid.*

A Man articles to sell Lands, and dies before a Conveyance is made. The Heir decreed to convey, and the Purchase-Money to be paid to the Executors. 215

By Marriage-Articles the Wife's Portion is agreed to be laid out in Land, to be settled on Husband and Wife for their Lives, Remainder to the Heirs of their two Bodies, Remainder to the Heirs of the Body of the Wife, Remainder to her Brother in Fee. The Wife dies without Issue, and then the Husband dies, the Money not being laid out. Whether this Money shall be considered as Land, and go to the Wife's Brother; or as Money, and go to the Administrator of the Husband. 227

Dean and Chapter make a Lease to a Man, his Executors and Administrators for three Lives. This was held to be a descendable Freehold, and to belong to the Heir and not to the Executor; as 'tis in its Nature an inheritable Estate. 320

One seised in Fee of Lands, articles to pay 1000*l.* to *J. S.* to build an House on the Premises, and dies before the House is built. The Heir may compel *J. S.* to build the House, and his Father's Executor to pay for it. 322

An old Mortgage, though two Decents cast, and though more upon it than the Value, and though the Mortgagee by Answer says he will not redeem, yet shall go to the Executor and not the Heir; the Equity of Redemption not being foreclosed, or released. *Page* 367

One devises Lands to his Executor to be sold, and thereout to pay 500*l.* to his Nephew *A.* if he return from beyond Sea, and the Residue to *B.* *A.* died before the Testator. This 500*l.* Legacy being given on a Contingency, that never happened, is as no Legacy, and falls into the Devise of the *Residuum*; and the 500*l.* or Land to that Value shall not go to the Heir as resulting to him. Otherwise it would have been, if it had been an absolute Legacy of 500*l.* 394

Portion charged by Will on a real Estate, payable to a Daughter at Twenty-one or Marriage. Daughter dies at the Age of six Years. Her Portion shall sink in the Land for the Benefit of the Heir, and not be raised for the Benefit of her Administrator. 416

Lands are devised to Trustees to sell, and out of the Money arising by the Sale, among other Sums to pay 100*l.* to the Testator's Heir at Law, and no Disposition is made by the Testator of the Surplus of his Estate. The Land shall not be turned into personal Estate, nor more sold than is necessary to pay the Legacies. 425
Pictures and Glasses put up instead of Wainscot, or where Wainscot would otherwise have been put, shall go to the Heir, and not to the Executor. 508

A Table of the principal Matters.

A Woman, who is *Cestuy que Trust* of a Term, having the Inheritance in her, marries and dies. The Term shall attend on the Inheritance, and not go to the Husband as Administrator of his Wife.

Page 520

A Man having several Mortgages, one of which was a Mortgage in Fee of Lands in *D.* on which he had entred, devises those Lands to his two Daughters and their Heirs, and the other Mortgages to them, their Executors, &c. One of the Daughters dies. Her Share of the Lands in *D.* shall go to her Heir, and not to her Administrator; it being the Intent of the Testator, that those Lands should pass as real Estate to his Daughters; though as between him and the Mortgagor, they were but a Mortgage.

582

Catching Bargains.

An unconscionable Bargain got from an Heir in the Life of his Father set aside.

14

A Purchase from an Heir at an Under-value in the Life of his Father set aside.

27

An Heir is drawn in with other young Heirs to buy Goods at extravagant Prices, and to join with them in giving Securities for the Monies agreed on. He shall be relieved on paying the Value of the Goods, which came to his own Hands, and shall not be answerable for his Companions.

77

A. Tenant for Life, Remainder to his first, &c. Son in Tail, Remainder to his Nephew *B.* *B.* enters into several Statutes to *C.* for Payment of ten for one, in Case *A.* died without Issue Male in the Life of

B. *C.* in the Life of *A.* brings a Bill to compel *B.* either to pay Principal and Interest, or be foreclosed of any Relief against the Bargain. *B.* by Answer declares the Bargain fairly made, and says he intends to abide by it, and would seek no Relief against it. *A.* dies, and *B.* brings a Bill against the Executors of *C.* and notwithstanding *B.*'s former Answer, he is relieved on Payment of Principal and Interest, without Costs.

Page 121

One just come of Age intitled to an Estate of 3000*l.* *per Ann.* being drawn into a Statute for 1000*l.* on which he received only 500*l.* is relieved on the Circumstance of Fraud.

346

Incumbrances bought in by the Heir or a Purchaser. Vide under Title Securities.

Hotchpot. Vide **London.** Vide **Distribution.**

Implication.

Estate by Implication.

An Estate by Implication cannot be against the plain Intent of the Party expressed in his Will.

60

No Estate-tail in a Deed can be raised by Implication.

451

An express Estate for Life, cannot be enlarged by Implication, but may by express Words.

449, 546

A Devise of Lands to the Heir after the Death of the Wife, by a necessary Implication gives an Estate for Life to the Wife: Otherwise where the Devise is to a Stranger.

572

A Table of the principal Matters.

One having a Wife, and four Daughters, devises Lands to one of his Daughters, after the Death of his Wife. This is a Devise to the Wife for Life by Implication, though the Devisee was only one of the four Coheirs. *Page 723*

Inclosure. Vide **Common.**

Incumbrances. Vide **Securities.**

Infant.

One gives her Son other Lands in Lieu of Lands, which were intailed on him, and then makes her Will, and gives the intailed Lands to her Daughter, and takes a Bond from her Son to permit his Sister to enjoy the intailed Lands. The Son dies leaving an Infant Son, who being in Possession of the Lands, which came in Recompence, brings an Ejectment for the intailed Lands, and by Reason of his Infancy the Bond could not be put in Suit against him. On a Bill brought by the Daughter, she is decreed to be quieted in Possession until six Months after the Infant comes of Age, and then he may shew Cause, if he will. *232*

Court of Equity often decrees building Leases of Infants Estates, where it is for their Benefit. *225*

Where an Infant recovers by Decree of the Court, the Court may with the Approbation of the Infant's Relations, allot him a Maintenance, though there is no Provision in the Trust; for this is founded on natural Equity. *236*

How the Care and Direction of

Infants came into the Court of Chancery. *Page 342*

No Decree shall be made against an Infant, without having a Day to shew Cause after he comes of Age. *Ibid.*

An Infant being *Cestuy que Trust*, a Stranger enters and levies a Fine and five Years pass: The Infant is barred at Law; but Equity will relieve, and not suffer him to be barred by the Laches of his Trustee, nor to be barred of a Trust-Estate during his Infancy. And the Infant in this Case shall have all the mean Profits. *368*

A Guardian borrows Money of *A.* to pay off an Incumbrance on the Infant's Estate, and promises to give *A.* a Security for his Money, but dies before it is done. Tho' *A.*'s Money was applied to pay off the Incumbrance, yet the Court would not decree him a Satisfaction out of the Infant's Estate. *480*

A Gift to an Infant on Condition. The Infant is bound by the Condition. *561*

A Child in *ventre sa Mere* is capable of taking, may be vouched, a Bill may be brought on it's Behalf, and an Injunction may be had to stay Waste; and the Mother may justify detaining Charters on Behalf of such a Child. *711*

What Acts by an Infant shall be good and binding.

An Infant is bound by the Offer made by him in his Answer, if he does not immediately after his coming of Age apply to the Court, in Order to retract his Offer, and amend his Answer. *224*

An

A Table of the principal Matters.

An Infant exchanges Lands, and continues in Possession of the Lands given him in Exchange, after he comes of Age. He shall be bound by the Exchange.

Page 225

In what Cases an Infant is favoured or privileged.

No Decree shall be made against an Infant, without giving him a Day to shew Cause after his coming of Age.

342

An Infant may by his *prochein Amy* call his Guardian to an Account, even during his Minority. *Ibid.*

If a Stranger enters and receives the Profits of an Infant's Estate, he shall in Equity be looked upon as 'Trustee for the Infant. *Ibid.*

If an Estate is given to an Infant upon Condition, the Condition will bind the Infant, and Infancy is in such Case no Excuse.

343

Bill to foreclose an Infant. By Decree it is sent to a Master, to see what is due, who Reports what is due for Principal, Interest and Costs. Whether upon a subsequent Order to carry on Interest, the former Interest during the Infancy shall carry Interest.

392

Lands are devised to be sold for Payment of Debts. They may be decreed to be sold for that Purpose, without giving an Infant Heir a Day to shew Cause when he comes of Age; for by the Devise of the Land there is nothing descends to the Heir, therefore an immediate Sale may be decreed: But if the Heir be decreed to join in the Sale; there he must have a Day, after he comes of Age, to shew Cause.

429

Lands are given by Will to a Woman and the Heirs of her Body; and it is declared, if she left no Sons, and only two Daughters, the Eldest should pay the Younger 300*l.* and have the Estate. There being only two Daughters, and the 300*l.* not being paid, the Younger brought her Bill for an Account of Profits, and Possession of Half the Estate. The Court may decree the Defendant, though an Infant, to pay the 300*l.* in six Months, with Interest from the Mother's Death; or in Default, to account for a Moiety of the Profits, and that a Moiety of the Estate be set out by Commissioners: But the Defendant must have a Day to shew Cause, when she comes of Age.

Page 479

Infranchisement. Vide **Copyhold.**

Injunction.

A. grants to *B.* Common in his Down. *B.* brings a Bill against *A.* complaining he had overstock'd the Common, and praying he might be enjoined not to over-stock, &c. Bill dismissed.

116

Lessee for Years covenants not to plow pasture Land, and if he does, then to pay after the Rate of 20*s.* per *Ann.* for every Acre plowed. The Court will not grant an Injunction against the Tenant's plowing, the Parties themselves having agreed the Damage for plowing.

119

An Injunction does not prevent an Entry.

519

Inquisition.

A Table of the principal Matters.

Inquisition.

Grant by the Crown of an Estate, &c. forfeited, before any Inquisition finding the Forfeiture, is illegal. Page 173

In Case of an Inquisition finding a Forfeiture by the Warden of the Fleet, whether it ought to find what Estate the Warden had in the Office. 174

Inrolment.

Where a Demurrer to a Bill of Review is allowed, it may be inrolled; but if over-ruled, *that* cannot be inrolled, to prevent the Demurrer's being re-argued. 120

A Copy of a Deed inrolled for safe Custody only, leading the Uses of a Fine, allowed to be read as Evidence at a Trial at Law, and read against the Wife, though the Husband only acknowledged it. 471, 591

Insurance.

Policy of Insurance, how far it extends. 176

One lends 300 *l.* on a Bottomry-Bond, and insures 450 *l.* on the Ship, but has no Interest in the Ship or Cargo. Policy decreed to be delivered up. 269

If a Man insures on a Ship, and has no Interest therein, the Insurance is void, although it is expressed in the Policy, *interested or not interested*. *Ibid.*

But if he is interested in the Ship, he may insure beyond the Value of his Interest. *Ibid.*

If one insures a Ship, which is lost, he must renounce his Interest in the Ship, if he would have any Benefit of the Insurance. Page 269

Goods insured are by Agreement valued at 600 *l.* and the Insured not to be obliged to prove any Interest. Ship being lost, it was ordered that the Insured should discover what Goods he had put on board, and that a Deduction should be made for the Value thereof out of the 600 *l.* though he offered to renounce all Interest to the Insurers. 716

One lends Money on a *Bottomry-Bond*, and then insures on the same Ship. He shall have both the Money on the Bond, and also the Benefit of the Insurance. 717

Paying the Premium, intitles the Party to the Benefit of the Insurance. *Ibid.*

Interest of Money.

Statute reducing Interest of Money, Whether it affects precedent Securities. 42

A Mortgage is made at 5 *l. per Cent.* with a Covenant to pay 6 *l.* if the Interest is unpaid for sixty Days after it is due: This being the Agreement of the Parties, Equity will not relieve against it as a Penalty. 134

A. in 1650, makes a Mortgage at 8 *l. per Cent.* In 1660, Interest is reduced to 6 *l. per Cent.* *A.* for several Years after pays Interest at 8 *l. per Cent.* Whether the Interest paid after 1660, above 6 *l. per Cent.* shall go to sink the Principal. 145

A Table of the principal Matters.

Interest is reserved at 5 *l. per Cent.* but if not duly paid, then to pay Interest at 6 *l. per Cent.* Tho' there was a great Arrear of Interest, yet Mortgagor decreed to pay but 5 *l. per Cent.* the Reservation at 6 *l. per Cent.* being only as *Nomine pænæ.* Page 289

But where Interest was reserved at 6 *l. per Cent.* and if duly paid, then agreed to take 5. Interest not being duly paid, the Court allowed 6 *l. per Cent.* 290

For if the Party will take the Benefit of lowering the Interest, he must comply with the Times of Payment. 316

Bill to foreclose an Infant, and by Decree referr'd to a Master to see what is due, who reports what is due for Principal, Interest and Costs. Whether upon a subsequent Order to carry on Interest, the former Interest during the Infancy shall carry Interest. 392

Bond executed in *England* for a Debt in *Ireland*, shall carry but 6 *l. per Cent* Interest. 395

Interrogatories.

The Plaintiff's Christian Name being mistaken in the Title of the Interrogatories, the Depositions could not be read, nor would the Court permit the Title to be amended, tho' most of the Witnesses, since their Examination, were gone beyond Sea. 435

Jointenants and Tenants in Common.

Vide Surbiboꝝ.

Agreement by one Jointenant to sell, does not bind the Survivor. 63

Devise to two equally to be divided, and to the Survivor of them; they are Jointenants by Reason of the expresse Gift to the Survivor. Page 323

A. and *B.* Jointenants for their Lives, *A.* makes a Lease for Years of his Moiety, to commence from his Death, if *B.* so long live. This Lease shall bind the Survivor. *Ibid.*

The Plaintiff's Husband and Defendant had enjoyed a Church-Lease in Moieties, under an Agreement there should be no Benefit of Survivorship: Upon the last Renewal the Lease was taken in both their Names, and no expresse Agreement against Survivorship. The Plaintiff's Husband being sick, by Deed assigns his Moiety to his Wife, and by Will devises it to her. The Grant to the Wife is void, and the Devise will not sever the Jointenancy. 385

A. by Will devises Lands, in Trust that the Profits should be equally divided between his Wife and Daughter, during the Wife's Life, with Remainders over. The Daughter died in the Life of her Mother. Decreed this to be a Tenancy in Common between the Mother and Daughter, and that during the Mother's Life, the Daughter's Moiety should go to her Administrator. 430

A Devise to *two* and the Heirs of their Bodies. It is a Joint-Estate for Life, and several Inheritances; and so it is, if there is a Devise over; but if there is a Devise over, and one of them dies without Issue, a Moiety shall go over to the Remainder-Man. 545

A Man lends Money in the Names of himself and his Wife, upon
p Mort-

A Table of the principal Matters.

gages and Bonds, and dies. The Wife is intitled to the Money by the Survivorship, if there are other Assets sufficient to pay Debts.
Page 683

Jointure.

A Jointress is not bound to answer, whether her Husband had any other Title than as Assignee of a Mortgage, she denying, that she had any Notice of the Mortgage, and insisting she was a Purchaser without Notice, and that her Husband alledged he was in by Descent.
701

Ireland.

Bond executed in *England* for a Debt in *Ireland*, shall carry but *6 l. per Cent.* Interest.
395

Judgment. Vide *under Title Securities.*

Jurisdiction.

Vide Courts.

An Account decreed of an Intestate's personal Estate, notwithstanding an Account had been before taken, and a Distribution decreed in the Spiritual Court.
47

If the Party insists the Court of Chancery has not Jurisdiction of the Matter in Question, he must plead to the Jurisdiction of the Court, and not object it at the Hearing.
484

Bill that the Defendant might redeem a Mortgage of the Island of *Sarke*, or be foreclosed. Defendant pleaded to the Jurisdiction of the Court, that the Island was

Part of the Dutchy of *Normandy*, and had Laws of their own, and were under the Jurisdiction of the Courts of *Guernsey*. Plea overruled, because the Mortgage was of the Island, and for that the Defendant was served here; for *Equitas agit in Personam*.

Page 494

Laches. Vide Infant.

Leases and Covenants therein.

Lessee for Years covenants not to plow pasture Land, and if he does, then to pay *20 s. per Ann.* for every Acre plowed. The Court will not grant an Injunction to stay the Tenant's Plowing, the Parties themselves having agreed the Damage for plowing.
119
Nor will the Court relieve the Lessee against the Penalty if he plows.
Ibid.

Bill for a specifick Performance of Articles for a Lease of Lands in *Norfolk*, where by Custom the Landlords repair: But the Rent reserved on the Lease appearing to be under the Value, decreed the Tenant should covenant to repair.
231

Lessee of a Church-Lease, makes an Under-Lease, and would have the Under-Lessee to surrender in Order to enable the original Lessee to renew with the Church. There being no Covenant in the Tenant's Lease to surrender. Equity cannot compel him to do it.
383

Rules are made at the Foundation of an Hospital, that no Lease should be made for above Twenty-one

A Table of the principal Matters.

one Years. The Hospital make a Lease for Twenty-one Years with a Covenant by Renewal to make it up sixty Years. This Covenant is not binding in Equity, as being equally prejudicial to the Hospital, as a Lease for sixty Years. Page 411

Equity will decree the Assignee of a Lease to pay the Rent which becomes due since the Assignment, and which shall become due while he continues in Possession; but not during the Continuance of the Lease; for he may if he can, get rid of the Lease, by assigning it to another. 421

Upon a Bill brought against an Assignee of a Lease, to pay the Rent, and perform the Covenants in the Lease; the original Lessee ought to be a Party, because he is still liable; but if the Assignee has divided his Interest in the Lease, into a great Number of Shares, it is not necessary to make all the Sharers Parties. 422

In the Constitutions for founding an Hospital it was ordained, that no Lease should be made for above Twenty-one Years, and the Rent not to be raised, nor above three Years Rent taken for a Fine. Though the Tenant of the Hospital Lands is intitled to a beneficial Lease upon Renewal; yet this Constitution is not to be followed according to the Letter; but as Times alter, and the Price of Provisions increases, so the Rents ought to be raised in Proportion. 596

A Decree having been made in the Lord *Coventry's* Time for granting a Lease of Charity-Lands for Ninety-nine Years, if three Lives

lived so long, at the Rent of one Third of the then improved Value, and to be perpetually renewable without Fine; it was now decreed the Lease should be renewed *toties quoties*, without Fine, but at the Rent of one Third of the improved Value; not as it was in the Lord *Coventry's* Time, but according as the Estate shall be Worth, when the Lease shall from Time to Time be renewed. Page 746

Legacies and Legatees.

Legacies to be applied at Discretion.
Vide Title Discretion.

Legacies given on Condition to marry with Consent, &c. Vide Restraints on Marriage, under Title Marriage.

A Legacy presumed to be paid after a great Length of Time. 21

A Legacy is given on Condition not to dispute the Will. The Legatee commences a Suit, whereby he disputes the Validity of the Will. This is no Forfeiture of the Legacy, if there was *probabilis Causa litigandi*. 91

A. by Will gives his Daughter 200*l.* and afterwards gives with her in Marriage a Portion greater than the Legacy. The Portion is an Extinguishment of the Legacy. 115

One gives Legacies of 15 *l.* apiece to each of his Relations of his Father and Mother's Side, and gave the Surplus of his personal Estate to *A.* and makes *B.* his Executor. *B.* the Executor paid 15 *l.* to the Testator's Cousin German, and 15*l.*

A Table of the principal Matters.

15 *l.* apiece to her four Children. The Court allowed the Payment to the Children, and would not restrain the Devise to the Relations within the Statute of Distribution. Page 381

Lands are devised to *A.* to be sold to pay Debts and Legacies, and *A.* is made Executor. The Money raised by Sale is legal Assets, and Debts must be first paid: Otherwise if the Devisee were not made Executor. 405

Where Lands are subjected by Will to pay Debts and Legacies, whether Debts are to have a Preference, or both to be paid equally. 248, 302, 405

Legacy of 500 *l.* given to the eldest Son of *A.* to be begotten, to place him out Apprentice. *A.* has a Son born after the Testator's Death, who brings a Bill for the 500 *l.* and 'tis decreed to him, though born after the Testator's Death, and though the Legacy is given him for a particular Purpose. 431

Legacies are given to *A. B.* and *C.* to be paid at their respective Marriages, and if any of them died unmarried, her Legacy to go to the Survivors. One of them dies unmarried, the Survivors shall not receive her Legacy, before their respective Marriages. 620

One devises Lands to his Son and his Heirs; and if his Son died without Issue, then he gives 200 *l.* to his Daughter. The Son left Issue, which died without Issue. The 200 *l.* did not become due; the Legacy not being intended to arise upon any remoter Contingency, than the Son's dying without Issue living at his Death. 686

A Legacy is given upon a Contingency, and the Legatee dies before the Contingency happens. It shall go to his Executors.

Page 758, 766

Specifick Legacies.

A. living in *Antegoa*, and having a Plantation there, devises 50000 Weight of Sugar to the Children of *B.* to be paid by his Executors in ten Years after his Death. The Executors not delivering the Sugars within the Time; on a Bill brought by one of the Children, decreed the Value of the Plaintiff's Legacy to be computed according to the medium Rate of Sugars in *Antegoa*, at the End of the ten Years, and paid with Interest from the Time it became due. 553

One devises to his Wife all his personal Estate at *W.* This is a specifick Legacy, and to be preferred to pecuniary Legacies, in Case of Deficiency of Assets. 688

Legacies or Portions vested, lapsed, or extinguished.

A Legacy is given to *A.* when he should be Twenty-four; at Twenty-one the Executors pay him Part, and give Bond to pay the Remainder at a future Day, being the Time, when he would be Twenty-four. *A.* dies under Twenty-four. Whether the Money received shall be repaid, and the Bond delivered up. 31

By Marriage-Settlement it is provided, that if there be no Issue Male of the Marriage, and one or more Daughters living at the Death of the Father, the Trustees should

A Table of the principal Matters.

should stand seised to the Intent such Daughter or Daughters should receive out of the Rents 10000*l.* and 100*l.* *per Ann.* for Maintenance, but no Time is limited for Payment of the Portions. The Father dies leaving a Daughter only, who lives to Seventeen, and by Will disposes of her Portion. Decreed the Portion to be vested, and well disposed of by the Will, and the rather, because no Time was appointed for the Payment.

Page 72

A Portion for a Daughter by Will is charged upon Land, payable at Twenty-one. The Daughter dies under Age, the Portion shall sink in the Land. Otherwise if no Time had been limited for Payment of the Portion.

92

No Difference where the Portion is secured by a Settlement or a Will, if charged on a real Estate, and the Party dies before it is payable. In either Case it sinks in the Land.

Ibid.

One devises to his Sister 350*l.* on Condition that at or before her Death she gives 200*l.* thereof to her Children. The Sister dies in the Life of the Testator. The whole Legacy is lapsed.

116

A. by Will devises his Land to B. in Fee, paying 400*l.* whereof 200*l.* to be at the Disposal of his Wife by her Will, to whom she should think fit. The Wife dies intestate. Her Administrator shall have this 200*l.* the Property thereof being absolutely vested in the Wife.

A Legacy is given to a Child payable when Twenty-one. The Child dies under Age. The Legacy shall go to the Administrator; but he shall not have it,

till such Time as the Child, if he had lived, would have come to the Age of Twenty-one.

199

If the Legacy is payable with Interest, the Administrator shall have it presently, and he shall not wait, till such Time as the Child would have attained Twenty-one. *Ibid.*

A Legacy is given to A. to be paid when he shall attain Twenty-one, and Legacies are given to B. and C. in the same Manner; and if one or more of them should die, before his, her, or their respective Legacy or Legacies became due, then his, her, or their Legacy or Legacies should be equally divided among the Survivors. A. dies in the Life of the Testator. His Legacy shall go to the Survivors.

207

One charges his Lands with 6000*l.* for the Child, of which his Wife was *privement ensient*, if it proved a Daughter. A Daughter is born and dies. The 6000*l.* shall not go to her Administrator.

208

A Legacy is given to A. to be paid at his Age of Twenty-three, and if he dies before, to go over to B. A. dies before Twenty-three, B. shall have the Legacy presently.

283

By Marriage-Settlement on Failer of Issue Male, a Term is limited for raising 5000*l.* for Daughters Portions, payable at Eighteen. There is one Daughter only, upon whom the Inheritance of the Lands descends. She dies, and by a *nuncupative* Will gives all she could devise to her Mother, who took Administration with the Will annexed. The Trust of the Term is not extinguished in Equity, but is a subsisting Charge on the Estate, and

Q

ought

A Table of the principal Matters.

ought to be raised, and paid to the Administratrix. *Page 348*

Divers Legacies are given by a Will, and if any Legatee died before his Legacy was payable, it should go to his Brothers and Sisters. A Legatee dies in the Testator's Life-time. This is no lapsed Legacy, but shall go over to his Sister. *378*

One devises Lands to his Executor to be sold, and thereout to pay 500*l.* to *A.* if he returns from beyond Sea, and the Residue to *B.* *A.* dies before the Testator. The Heir shall not have this 500*l.* or so much of the Land as is of that Value, as a resulting Trust, as undisposed of: But this 500*l.* shall fall into the *Residuum*, as a Legacy given upon a Contingency that never happened; and consequently as no Legacy. Otherwise if it had been an absolute Legacy of 500*l.* *394*

A Devise of a Legacy to one at Twenty-one, or to be paid at Twenty-one, is all one. *417*

A Daughter's Portion secured by a Trust-Term, not extinguished by a Devise of Lands to the Daughter in Tail, in Remainder after a Term for sixty Years devised for Payment of Debts and Legacies. *457*

A. by Will gives 300*l.* to *B.* and declares her Will and Desire, that he give the 300*l.* to his Daughter at his Death, or sooner, if there be Occasion for her Advancement. *B.* dies three Days before *A.* and the Daughter dies at Sixteen unmarried. The 300*l.* decreed to the Administrator of the Daughter. *466*

If a Devise is of any Thing to *A.* for Life, directing him at his

Death to give it to *B.* this amounts to a Devise of the Use of the Thing to *A.* for Life, Remainder to *B.* *Page 467*

A. devised 4000*l.* to his Son, to be paid at his Age of Twenty-five, and Interest in the mean Time, out of which the Son was to have Maintenance; and directs the 4000*l.* to be raised out of a Trust-Estate. The Son dies under Twenty-five. This is a vested Legacy, and shall go to his Executors. *508*

A. devises to *B.* 400*l.* which he owed *A.* provided he paid thereout several particular Sums to his Wife and Children, and the Rest he freely gave to him, and directs his Executor to deliver up the Security, and not to claim any Part of the Debt, but to give such Release, as *B.* his Executors, &c. should require. *B.* dies in the Life of the Testator. Decreed the Legacies given out of the 400*l.* to be paid, and the Residue of the Debt to be paid to the Executor of *A.* *521*

If one says in his Will, *I forgive such a Debt, or my Executors shall not Demand it, or shall Release it*, this is a Discharge of the Debt, though the Debtor dies in the Life of the Testator. *522*

But if a Debt is devised by Will to the Debtor, without Words of Release or Discharge, and the Debtor dies in the Life of the Testator, the Legacy is lapsed, and the Debt subsists. *Ibid.*

J. S. devised 300*l.* apiece to his three Daughters at Twenty-one or Marriage, and if any died before, to go to the Survivors. One of them died in the Life of the Testator. Her Legacy shall go to

A Table of the principal Matters.

- to the surviving Daughters. *Qu.*
Page 611
- A.* devises Lands to his Son and his Heirs, and declares that out of the Lands he shall pay 200*l.* to his Sister at her Age of Twenty-one. She marries, and dies under Age. Legacy not vested. 617
- Surplus devised to four Persons, and if any of them died before the Estate was got in and divided, his Share to go to his Children. One of them died in the Life of Testator, leaving Children. Whether they shall take their Father's Share. 653
- A* Term is limited to raise Portions for Daughters, if no Sons, payable at Eighteen or Marriage; provided such Daughters survive their Father. A Daughter marries and dies in the Life of her Father. Her Portion shall not be raised. 655
- A* Legacy is devised to *J. S.* when of the Age of Sixteen, and Interest in the mean Time. *J. S.* dies before he attained the Age of Sixteen. The Legacy vested, and shall go to his Executor. 673
- One devises 1200*l.* to the four Children of *J. S.* to be divided amongst them according to the Discretion of *J. S.* whom he makes Executor. One of the Children died in the Life of the Testator. Decreed a fourth Part of the 1200*l.* did not become a lapsed Legacy; for nothing vested in any of the Children before an Allotment by the Executor; and for the same Reason the Administrator of the deceased Child could not be intitled to any Part of the 1200*l.* 744, 745
- A* Legacy is given upon a Contingency, and the Legatee dies before the Contingency happens; the Legacy is not lapsed, but shall go to the Executor of the Legatee. *Page 758, 766*
- Abatement and refunding.*
- A* Freeman of *London* having devised a Leasehold Estate to *J. S.* he is evicted of a Moiety by the Testator's Widow, who claimed by the Custom. *J. S.* shall not have Satisfaction made him for what was so evicted, either against the Legatees in general, or the residuary Legatee; for the Testator had Power only to dispose of a Moiety. 111
- A* specifick Legatee is not to abate in Proportion with other Legatees, where there is a Deficiency to pay Debts. *Ibid.*
- Legatees shall refund to unsatisfied Creditors. But where an Executor voluntarily pays a Legacy; and Assets prove deficient, neither he nor the other Legatees shall compel him to refund. Otherwise if the Executor pays a Legacy by Compulsion. 205
- A* Legacy is give to Executors for Care and Pains. If there is a Deficiency of Assets, they shall abate in Proportion. 334
- In what Cases a Legacy shall be a Satisfaction of a Debt, or other Demand on the Testator's Estate.*
- Vide Title Satisfaction.*
- A* Man by his Marriage-Settlement provides 4000*l.* for Daughters Portions, and having two Daughters, by Will gives them 2000*l.* apiece

A Table of the principal Matters.

- apiece for their Portions, without taking Notice of the Settlement. The Legacies shall be in Satisfaction of the Portions by the Settlement. Page 111
- By an old Settlement in 1631, 3000*l.* is provided for Daughters Portions on Failure of Issue Male. The Brother of the Daughters, who might have barred his Sisters by a Recovery, having given them above the Value of 3000*l.* by his Will, it shall be intended a Satisfaction. 177
- By a Marriage-Settlement, in Case of Failure of Issue Male, the Remainder is limited to the Daughters, until they should raise 3000*l.* for their Portions. There is Issue a Son and two Daughters. The Father by Will gives his Daughters 700*l.* apiece, and dies, and the Son afterwards by his Will gives them to the Amount of 7000*l.* The Father or Son's Legacy shall not be a Satisfaction of the 3000*l.* secured by the Settlement. 258
- One on the Marriage of his Daughter, gave a Bond to the Husband for the Daughter's Portion, and afterwards by Will devises Lands of much greater Value to the Husband and Wife, and their Heirs. The Devise is no Satisfaction of the Land, though there are not Assets to pay the Testator's Debts. 298
- A.* gives Bond to *B.* her Servant, to pay her 20*l.* *per Ann.* Quarterly, for her Life free from Taxes, and by Will, without taking Notice of the Bond, gives *B.* 20*l.* *per Ann.* for her Life, payable Half-yearly; but not said free of Taxes. Decreed the Annuity by the Will not to be a Satisfaction of the Bond, and that *B.* should have both the Annuities. Page 478
- A.* on his Wife's joining in Sale of Part of her Jointure, gives her a Note to pay her 7*l.* 10*s.* *per Ann.* for her Life, and afterwards on Sale of a farther Part gives her a Bond to pay her 6*l.* 10*s.* *per Ann.* for her Life; and by Will, without taking Notice of the Note or Bond, gives her 14*l.* a Year for Life. The Devise shall be a Satisfaction of the Bond and Note. 498
- A.* on his Marriage covenants to purchase and settle 20*l.* a Year on his Wife for her Life, and if he died before it was done, to leave her 300*l.* for her better Livelyhood and Maintenance. He died without making any Settlement, and by Will gives his Wife the Interest of 330*l.* for her Life, with Power to dispose of 30*l.* at her Death. Decreed the Legacy was not a Satisfaction of the Articles, and that the Wife should have the 300*l.* by the Articles, and the Legacy too. 505
- A.* by Marriage-Articles agrees to leave his Wife 800*l.* and her Jewels, &c. but it is declared, that notwithstanding the Articles, she should not be debarred of any Thing he should give her by Will. *A.* by Will makes a Disposition of his whole Estate, and gives his Wife 1000*l.* The Wife must either waive the Articles or the Will: She cannot claim the Benefit of both. 555
- A* Child entitled by his Father's Marriage-Articles to a Share of his personal Estate, has a Legacy given him by the Will of his Father. If he will have the Legacy, he must waive the Benefit of the Articles. 556

A Table of the principal Matters.

Surplus and residuary Legatee.

One devises Lands to his Nephew to pay his Debts, and makes the Nephew Executor, but makes no Disposition of the Surplus. Whether the Devisee or the Heir at Law shall have the Surplus.

Page 247

If an express Legacy is given to the Heir, the Devisee shall have the Surplus.

Ibid.

One devises, after Debts and Legacies paid, the Surplus of his Estate to his Wife and Son *John* equally, and makes them Executors, but if his Wife should marry, then she should render the Right of being an Executrix to his Son *Roger*, he to be Partner with his Brother *John* in the Executorship. The Wife marries. She thereby loses her Right to the Surplus, and to the Executorship.

308

Devise of an express Legacy to the Executors, and also to the next of Kin, and no Disposition of the Surplus; how the Surplus shall go.

361

One has a Wife, and no Child, and two Brothers and two Sisters, and by Will gives a Moiety of a Banker's Debt to his Wife, whom he makes Executrix, and makes no Disposition of the Surplus of his personal Estate, and gives Legacies to his Brothers and Sisters out of his real Estate. *Per Cur'*, The Wife by a Devise of a Moiety of the Banker's Debt, is excluded from the Surplus, as Executrix, though there was no Child, and that Legacies were given to the Brothers and Sisters out of the Land; which had been unnecessa-

ry, unless the Testator had intended the Surplus for his Wife, which otherwise would have been sufficient to pay the Legacies.

Page 425

One makes a Will, and his Son Executor, but makes no Disposition of the Surplus. The Son dies without proving the Will. The Surplus shall be divided amongst the next of Kin of the Testator.

634

One by Will gives his next of Kin, being his Nephews, an express Legacy, and gives 100*l.* apiece to his two Executors, and makes no Disposition of the Surplus. Whether the Executors or the Nephews shall have the Surplus.

673

The Wife of the Testator is made Executrix, and there is no Devise of the Surplus, nor any express Legacy given to the Wife, except what she had as Executrix of her former Husband, and some Things she had before Marriage. Decreed the Surplus to the Wife.

675

The Executor had 20*l.* given him for Mourning. Distribution decreed.

676

A. by Will gives 100*l.* Legacy to his Wife; and also the Interest of 300*l.* for her Life, and makes his Wife and two Strangers Executors, to one of whom he gives 20*l.* for Mourning. Surplus decreed to be distributed.

677

R

In

A Table of the principal Matters.

In what Cases the Executor shall be only a Trustee. Vide under Title Executors.

Ademption of a Legacy.

One devises 500*l.* viz. 400*l.* due on Bond from *J. S.* and 100*l.* in Money. Afterwards the Testator receives Part of the 400*l.* and takes a new Bond for the Remainder. This is no Ademption of the Legacy. Page 681

Limitation of Actions, &c.

Where there is a Devise for Payment of Debts, a Debt, upon which the Statute of Limitations has run, is within the Provision, equally with other Debts. 141

Statute of Limitations, as to Rents, extends only to customary Rents between Lord and Tenant, and not to Rent arising by Grant or Will, whereof the Commencement may be shewn. 235

Statute of Limitations not to take Place against Religion, or Charity. 398, 399

If a Man recovers a Judgment or Sentence in *France* for Money due to him, the Debt must be considered here only as a Debt on simple Contract, and the Statute of Limitations will run upon it. 540

The Statute of Limitations provides, where the Party to whom a Debt is owing, goes beyond Sea; but not where the Debtor is beyond the Seas. 541, 694

But the Statute of 4 & 5 of Queen *Anne*, saves the Right of Action, as well where the Debtor, as

where the Creditor is beyond Sea.

Page 695

The Statute of Limitations will not take Place, if there be no Executor, until Administration be taken out. *Ibid.*

Merchants Accounts not within the Statute; otherwise if stated. *Ibid.*

If a Creditor sues out a *Latitat* against *J. S.* and continues it, and *J. S.* dies, the Creditor may bring a Bill in Equity against the Executor of *J. S.* and need not to go on in the old Action: And the Statute of Limitations is no Bar. *Ibid.*

Lis Pendens. Vide under Title **Bill.**

London.

A Freeman of *London* dies within the Province of *York*. The Custom of *London* in the Distribution of his personal Estate, shall control the Custom of the Province of *York*. 49

The Custom of *London* follows the Person, though never so remote from the City. 82, 110

A Freeman of *London* assigns a Lease for Years in Trust for himself for Life, then for his Wife for Life, and afterwards for his Son by a first *Venter*. Whether this Assignment shall stand against the Custom, so as to bind the other Children. 98

A Freeman of *London* devises a Lease for Years to *A.* and his Books to *B.* and the Use of the Surplus to his Wife for Life. Decease the Wife, there being no Child, should have a Moiety of the whole personal Estate, as well of

A Table of the principal Matters.

- of the Lease and the Books, as of all the Rest, by the Custom, and the Use of the other Moiety of the Surplus for Life by the Will. Page 110
- A voluntary Judgment given by a Freeman will not be good against the Widow; but will bind the legatory Part. 202
- An only Child of a Freeman advanced in Part, is not to bring that Part into Hotchpot. 234, 754
- A Freeman of *London* by Will gives 700*l.* for Mourning. It shall be paid out of the legatory Part, and not out of the orphanage or customary Part. 240
- If Goods are absolutely given away by a Freeman in his Life-time, such Gift will stand good against the Custom: But if he makes a Deed of Gift of his Goods, and retains the Possession of any Part thereof, this will be a Fraud upon the Custom. 277
- Money brought into Hotchpot by an Orphan, must be brought into the orphanage Part only, and not to increase the Widow's customary Part, or the testamentary Part. 281, 629
- By the Custom of *London* a Master may justify turning away his Apprentice for Gaming. 291
- If the Child of a Freeman of *London* dies under Twenty-one, his orphanage Part by the Custom will survive to the other Children, and he cannot devise it. 559
- A Freeman of *London* assigns the greatest Part of his personal Estate, in Trust for himself for Life, and then for his Grandchildren. This Deed is not good against the Custom of *London*, as to the Moiety belonging to the Children; but binding as to the other Moiety, which he had Power to dispose of, he having no Wife. Page 612, 685
- An only Child of a Freeman of *London*, not fully advanced, is to have a full Third of the personal Estate, without Regard to what has been paid for her Portion. 628
- Where a Daughter is advanced in the Father's Life-time, and it appears by Writing under the Father's Hand, what that Advancement was, this will let her into her Share by the Custom. 630
- If a Freeman of *London* enters in his Books several Sums of Money, as paid on Account of his Daughter's Portion, he cannot afterwards write off those Sums, and make the Husband Debtor for them. 631
- Where an only Child is fully advanced, the Wife will be intitled by the Custom to a Moiety of the personal Estate. Ibid. 666
- Settlement by a Freeman of *London* before Marriage, though of Land, bars the Wife of her customary Part: And the Children in such Case will have a Moiety of his personal Estate. 665
- A Freeman of *London* by Deed assigns over several Leases in Trust to pay any Sum not exceeding 1000*l.* as he should appoint. He appoints 500*l.* to his Daughter, and the Residue to his Grandchildren. This is in Fraud of the Custom, and void, as to the Moiety, which the Daughter is intitled to. 685
- Advancement by a Freeman of *London* of a Child by settling a real Estate, no Bar of the orphanage Part. 753

A Table of the principal Matters.

A Leasehold Estate devised by a Freeman to a Trustee for the separate Use of his Daughter, is not to be taken as Part of her orphanage Part, but to go out of the legatory Part. *Page 754*

Lunatick.

Committee of a Lunatick invests Part of the Lunatick's personal Estate, in a Purchase of Lands in Fee. This shall still be taken as personal Estate, and in Case of the Lunatick's Death, go to his next of Kin, and not to his Heir.

192

A Settlement made by a Lunatick, though reasonable, and for the good of the Family ought to be set aside in Equity. *414*

Mariners.

THE *East-India* Company take Bonds from the Mariners and Officers of the Ship, not to demand their Wages, unless the Ship returned to the Port of *London*. The Ship arrives at a delivering Port, and is afterwards taken by the *French*. The Seamen and Officers shall have their Wages to the Time of the Arrival of the Ship at the delivering Port. *727*

Marriage.

Agreement on Marriage and underhand Agreement in Fraud of a Marriage-Agreement. Vide under Title Agreement.

A Woman takes a Bond in the Name of a Trustee, and afterwards married one of the Obligor. The Marriage is no Release or Extinguishment of the Debt.

Page 290

Marriage Brocage-Bonds.

A Marriage Brocage-Bond decreed to be delivered up, and a Gratuity of fifty Guineas actually paid to be refunded. *392*

Lease granted by Tenant in Tail in Consideration of procuring a Marriage, set aside at the Suit of the Remainder-Man. *446*

A Bond was given to the Father, in Order to obtain his Consent to the Marriage of his Daughter, (who was intitled to a Portion by the Gift of an Aunt) to repay Part of the Portion, if she died without Issue. Bond set aside as a Marriage Brocage-Bond. *588*

A. on the Marriage of her Daughter insists on a Bond from the Husband, to give her a Release within two Years after the Marriage. Bond set aside. No Difference between such Bond and a Marriage Brocage-Bond. *652*

Restraints on Marriage.

One by Will gives 20000 *l.* apiece to his two Daughters, payable at Twenty-five or Marriage, so as such Marriage be with Consent of his

A Table of the principal Matters.

his Wife and Trustees, and after the Age of sixteen. If either married under sixteen or without Consent, such Daughter to have only 10000*l.* Testator afterwards treats with *J. S.* for a Marriage with his eldest Daughter, and he dying before the Marriage had, she marries *J. S.* with Consent of her Mother and the Trustees, but before her Age of sixteen. Decreed her the whole 20000*l.*

Page 223

One devises 3000*l.* to his Daughter at Twenty-one or Marriage, provided she marry with the Consent of *A. B.* and if she married without Consent, then she was to have but 500*l.* and the 3000*l.* Legacy to cease. The Daughter marries without Consent; yet decreed she should have the whole 3000*l.* it not being devised over, but only to fall into the Surplus. 293

One has a Son and a Daughter, and devises a Legacy to his Daughter, but if she marry without the Consent of her Mother, then 500*l.* of the Daughter's Legacy to go to the Son. The Daughter marries without the Mother's Consent. The Son shall have the 500*l.* as devised over, and an intended Increase of the Son's Provision. 357

A. By Will gives Portions to his Daughters, but mentions no Time when to be paid; but adds a Proviso that his Daughters should marry with the Consent of his Wife; and if any married without such Consent, her Portion to go over. Though this is an hard Condition, it extending to a Marriage at any Time, though after Twenty-one; yet the Portions being limited over in Case of a

Marriage without such Consent Equity will not relieve. *Pag.* 452,

453

But on a Bill brought in this Case by the Daughters for their Portions, the Court decreed the Portions to be paid on Security to refund, if the Condition should be broke.

452

A. by Will gives his Grand-daughter 200*l.* on Condition she continued with his Executors, till she was Twenty-one; but if she was taken from them by her Father, who was a Papist, before Twenty-one, or married against the Consent of his Executors, then he gave her but 10*l.* The Daughter was placed by the Executors with a Clergyman, who, before she was Twenty-one, with Consent of one of the Executors, permitted her to make a Visit to her Father; and he took that Opportunity to marry her to a Papist. Decreed she should only have the 10*l.* 572

When the Condition is, that a Daughter, shall not marry *against* the Consent of Executors, it is the same Thing, as if it had been, that she should not marry *without* their Consent, where the Marriage is without the Consent of the Executors. 573

When the Executors have not an Opportunity before the Marriage to declare their Dislike, it is a Marriage against their Consent, if upon Notice of it they dissent, and declare their Dislike of it. *Ib.*

A. devised 300*l.* to *B.* her Daughter, and if she married without Consent of the Executors, or the major Part of them, the Legacy to go to the Children of her Sister, the Wife of *C.* and made *C.*
S and

A Table of the principal Matters.

and two others Executors. *B.* being at the House of *C.* there marries his Son by a former Wife, with his Privy, being under Twenty-one. *B.* and her Husband bring a Bill for the Legacy. *C.* in Favour of his other Children insists the Legacy is forfeited. The other Executors confess, they had Notice of the Courtship, and did not contradict or disapprove of it. Decreed the 300*l.* to the Plaintiffs, there being at least a tacit Consent. Page 580

Master and Servant.

A Tradesman turns away his Apprentice for Negligence and Misdemeanors. Decreed to refund Part of the Money he had with him. 64

If an Apprentice in *London* marries without his Master's Consent, the Master cannot turn him away for that Reason, but must sue his Covenant. 492

A. puts his Son Apprentice to *B.* and gives Bond for his Fidelity, and takes a Covenant from *B.* that he would, at least once a Month, see his Apprentice make up his Cash. The Apprentice imbezils the Cash, and *B.* brings Action on the Bond. On a Bill by *A.* to be relieved, decreed that *A.* should be answerable for no more than *B.* could prove his Servant had imbeziled in the first Month after the Imbezilment began. 518

Master of a Ship is but a Servant to the Owners, and if he buys Provisions for the Ship, and does not pay for them, the Owners are liable in Proportion to their respective Shares in the Ship. 643

Merger.

A Term is limited for raising Daughters Portions. The Father dies leaving one Daughter only, upon whom the Inheritance descends. She dies an Infant and indebted, and disposes of her Portion by Will. Equity will relieve against the Merger of the Portion.

Page 90

A Term of five Hundred Years is limited to Trustees to raise 5000*l.* Portions for Daughters, if no Son, payable at Eighteen. The Father dies, leaving Issue only one Daughter and no Son; and the Inheritance descends to the Daughter, who attains her Age of Nineteen, and dies. As the Term for raising the Portion is not merged in Law, so neither shall the Trust be extinguished in Equity; it being more beneficial to the Infant, that it should not be merged, in Regard to her Advancement in Marriage, and Payment of her Debts, and her Power of disposing her Portion by Will: And decreed the Portion to be raised for the Benefit of the Mother, to whom the Daughter had given all that was in her Power to devise. 348

A Daughter's Portion secured by a Trust-Term not extinguished, by a Devise of the Lands to the Daughter in Tail, in Remainder after a Term for sixty Years devised for Payment of Debts and Legacies. 457

Mortgage.

A Table of the principal Matters.

Mortgage.

As to Buying in of Incumbrances and what Use may be made thereof. Vide under Title Securities.

As to Concealment of Mortgages. Vide Concealment.

A. having a Lease for Years of a Brewhouse, wherein are Covenants to repair, assigns it by Way of Mortgage to B. The Premises being out of Repair, the Lessor brings a Bill against B. to compel him to perform the Covenant. B. having never been in Possession; the Court would not decree him to perform the Covenant in Specie, but leave the Plaintiff to recover at Law as he could.

Page 275

*Lease for Years subject to a Ground-Rent, is assigned over by Way of Mortgage to J. G. for 100*l.* the Mortgagee never entered, but lost the 100*l.* Mortgage-Money, and is sued by the Lessor for the Ground-Rent. No Relief, it being his own Default, to take the Mortgage by Way of Assignment, and not by Way of Under-Lease.*

374

Mortgagor shall present to the Church, until the Mortgage is foreclosed.

401

*One borrows 200*l.* and makes a Mortgage, which is defeazanced to be void on Payment of 40*l.* per Ann. quarterly for eight Years. The Court relieved on Payment of the 200*l.* and simple Interest.*

402

Mortgages are not to be preferred to other real Incumbrances; but Mortgages, Judgments, Statutes

and Recognifances shall be paid according to their Priority.

Page 525

Exposition of the Statute of 4 & 5 W. & M. cap. 16. for preventing Frauds by clandestine Mortgages.

A Person, who will take Advantage of this Statute, must be an honest Mortgagee: And therefore if a Man has used any Fraud or ill Practise in obtaining a second Mortgage, he shall not have the Benefit of the Statute.

589

If a Mortgage by the Statute becomes irredeemable, it will remain so in the Hands of the Assignee, though assigned in Consideration of the Principal, Interest and Costs due thereon.

590

If a subsequent Mortgagee redeems such Mortgage, he shall hold the Estate irredeemable.

Ibid.

If there are more Lands in the second Mortgage than in the first; that seems to be a Case omitted out of the Statute; but the adding an Acre or two shall not exempt it, for that may be a Contrivance to evade the Statute.

Ibid.

Special Agreements about Mortgages and Redemptions special.

A. lends Money to B. on a Mortgage, and takes a Covenant from B. by another Deed, that if A. should think fit, B. should convey to A. so much of the mortgaged Estate, as should be of the Value of the Money lent at Twenty Years Purchase. Covenant decreed to be set aside as unconscionable.

520

A Man shall not have Interest for his Money on a Mortgage, and a collateral

A Table of the principal Matters.

collateral Advantage besides for the Loan of it; or clog the Redemption with any By-Agreement.

Page 521

Redemption, Foreclosure.

A. makes an absolute Assignment of a Lease for three Lives for 550*l.* to *B.* and *B.* by Writing under Hand agrees on Payment of 600*l.* at the End of the Year to reconvey. *B.* dies, two of the Lives die, and the Lease is twice renewed; yet Redemption decreed on Payment of the 550*l.* and the two Fines with Interest, and during the Life of *B.* the Profits to be set against the Interest. 84

A Feme Mortgagee on her Marriage settles the mortgaged Estate on her self for Life, Remainder to the Issue of the Marriage. The Mortgagor brings a Bill to redeem against the Mortgagee, who takes no Notice of the Settlement in her Answer, and the Mortgagor having a Decree to redeem, pays the Mortgage-Money. Afterwards the eldest Son of the Mortgagee brings Ejectment on the Settlement, and recovers at Law. The Mortgagor relieved, having paid his Money pursuant to the Decree, and having been in no Fault. 142

Lessee for Years mortgages his Term, and afterwards borrows more Money of the Mortgagee on Bond, and dies; his Executors shall not redeem without paying the Bond, as well as the Mortgage. 177

Where a Man has two Mortgages, and one is deficient in Title or Value, the Heir of the Mortga-

gor shall not redeem one without redeeming both. Page 207

The first Mortgagee forecloses the Mortgagor, and afterwards devises the Estate to the Mortgagor. Whether the second Mortgagee shall now be let in to a Satisfaction of his Money. 235

A third Mortgagee gets in the first, and brings a Bill to foreclose the second Mortgagee, if he do not pay what is due on both. He need not prove the actual Payment of the Money lent on the third Mortgage, the Producing an Acquittance being sufficient. 279

One makes two Mortgages of two several Estates for several Sums of Money, and one of them proves deficient. He shall not be admitted to redeem one, without paying off the other. 286

One for 300*l.* grants a Rent of 60*l.* per Ann. for seven Years. Whether redeemable. 288

Mortgagor admitted to redeem a Mortgage made in 1642, after three Discents on the Defendant's Part, and four of the Plaintiff's Part. Length of Time answered by Infancy, and Coverture, and an Account made up by the Mortgagee in 1686. 377

On a Bill to redeem an Account is decreed, 240*l.* reported due, and Exceptions to the Report; pending which the Defendant the Mortgagee commits Waste. The Court orders the Mortgagee to deliver up the Possession, on the Plaintiff's giving Security to abide the Event of the Account. 392

A. mortgages in 1639, and in 1663, his Heir brings a Bill to redeem, he dying the Suit is revived by his

A Table of the principal Matters.

his Coheirs, who obtain a Decree in 1672, but do not prosecute it. *B.* having purchased the Equity of Redemption of the Coheirs, brings his Bill to have the Benefit of the former Decree. Bill dismissed by Reason of the Difficulty of the Account and Length of Time. Page 418

A. has a first Mortgage, and *B.* a second, and subject to these Mortgages the Estate is settled on *C.* for Life, Remainder on *D.* an Infant. *A.* brings a Bill to foreclose. Though *B.* has not the like Remedy over against *D.* who, because of his Infancy, cannot be foreclosed; yet *B.* must redeem *A.* in six Months, or be foreclosed. 518

After a Decree by the first Mortgagee to foreclose the Mortgagor, a second Mortgagee may redeem the first, though the first Mortgagee had no Notice of the second Mortgage before the Decree. 601, 665

And the Account taken under the Decree will not bind the second Mortgagee. *Ibid.*

A. pawns Jewels to *B.* and after borrows 50*l.* more of him on a promissory Note. *A.* shall not redeem the Jewels, without paying the Money on the Note. *Quere.* 691

When the Money shall be paid to the Heir, and when to the Executor, or to whom.

An old Mortgage in Fee, though two Descents cast, and though more due upon it than the Value, and though the Mortgagee says by Answer that he will not redeem, but submits to be fore-

closed, shall go to the Executor, and not to the Heir; the Equity of Redemption not being foreclosed or released.

Page 367

A. having several Mortgages, one of which was a Mortgage of Lands in *D.* on which he had entred, devises those Lands to his two Daughters and their Heirs, and the other Mortgages to them their Executors, &c. One of the Daughters dies. Her Share of the Lands in *D.* shall go to her Heir, and not to her Administrator; it being the Intent of the Testator, that those Lands should pass as real Estate, though as between him and the Mortgagor, they were but a Mortgage. 582

Mortgage assigned over.

A Mortgage is made for 450*l.* payable at the End of five Years with Interest in the mean Time. About two Months before the five Years expire, the Mortgagee assigns the Mortgage for 560*l.* being the Principal and Interest then due. Decreed the Interest to carry Interest from the Time of the Assignment. 135

How and in what Manner, one, who has a Mortgage or other Incumbrance on an Estate, shall account, and what Allowances he shall have.

Lands are limited by Marriage-Settlement upon Failer of Issue Male, to Daughters and their Heirs, until the next Remainder-Man should pay them 3000*l.* There being four Daughters only, they entred. Decreed at the Rolls,

T

they

A Table of the principal Matters.

they should account for the Profits; and that the Rents should be applied first to pay the Interest, and then to sink the Principal; as in the Case of a common Mortgage. Decree affirmed by the Lord *Chancellor*, with this Variation, that the Principal should not be sunk, till a third Part was raised above the Interest; and so again, when another third Part was raised. *Page 523, 576*

Mortgagee having been at great Charges to defend a Suit at Law brought by the Heir of the Mortgagor, who endeavoured to defeat the Mortgage by an Intail, but could not prevail; upon a Bill afterwards brought by the Heir to redeem, the Mortgagee was allowed his full Costs expended in that Suit, and not tied down to the Costs taxed; and he was also allowed his Costs in taking out Administration to the Mortgagor, as principal Creditor. 536

Notice.

AN Administrator pays away all the Assets in satisfying Debts by Specialty. Decreed to pay a Debt by a Decree, though he had no Notice of the Decree before he paid away the Assets. 37, 88

One lends Money to a Bankrupt after a Commission sued out without Notice of the Bankruptcy. By two Lords Commissioners against one, who doubted, he cannot come in as a Creditor under the Statute. 157

A. makes a Mortgage, and after a Commission sued out against him,

and an Assignment made by the Commissioners, he makes a second Mortgage to *B.* who has no Notice of the Bankruptcy. *B.* shall not protect his Mortgage by getting an Assignment of the prior Incumbrance. *Page 157*

Court of Equity very careful not to impeach Purchasers by presumptive Notice. 159

A. lends Money on Mortgage to *B.* who was Tenant for Life, with Remainder to his first Son, *A.* being advised that *B.* might destroy the contingent Remainder, and being assured by *B.* he had no Son, whereas he had a Son born five Days before: But *A.* having no Notice of it, and having the Settlement in his Custody, the Court would not relieve against this Mortgage. *Ibid.*

Payment of Money to a Trustee, having Notice of the Trust is a Mis-payment, tho' the Trustee had Judgment and Execution against the Person, who paid the Money. 197

A. Devisee obtains a Decree to hold and enjoy against the Heir, who it was supposed had suppressed the Will. Pending this Suit a third Person gets an Assignment of a Mortgage made by the Testator, and then purchases the Equity of Redemption of the Heir with Notice of the Will. The Court would not admit the Purchaser to dispute the Justice of the Decree, nor to try at Law, whether the Will was not cancelled by the Testator. 216

A. Purchaser or Mortgagee shall not protect himself by taking a Conveyance from a Trustee after Notice of the Trust; for by taking such

A Table of the principal Matters.

- such Conveyance he becomes the Trustee himself. *Page 271*
- One purchases, having Notice of a Settlement, whereby the Vendor was but Tenant for Life Remainder to his first, &c. Son in Tail, and afterwards the Purchaser with Notice sold the Premises to one that had no Notice. The Tenant for Life dies leaving a Son. Decreed the last Purchaser without Notice shall hold the Land; but the first Purchaser who had Notice, shall account for the Purchase-Money which he received, with Interest from the Death of the Tenant for Life. *384*
- The aforesaid Settlement was made after Marriage, in Pursuance of Articles before Marriage, but the Articles are not taken Notice of in the Settlement; however the first Purchaser having Notice of the Settlement, it was incumbent upon him to inquire whether this Settlement was voluntary, or made in Pursuance of Articles, and he ought to have inquired of the Wife's Relations who were Parties to the Deed. *Ibid.*
- A.* makes three several Mortgages to *B. C.* and *D.* and in the last Mortgage *B.* is a Party, and agrees, that after he is paid, he will stand a Trustee for *D.* Decreed that *C.* shall be paid before *D.* For all the Securities being transacted by the same Scrivener, Notice to him was Notice to *D.* *574*
- Notice to the Agent is Notice to the Lender. *Ibid.*
- Where there are several Mortgages they that lend last, must come last, if they have Notice of what was before lent. *575*
- A.* purchases of a Man, who had committed an Act of Bankruptcy, but without Notice thereof: Afterwards a Commission is taken out, and there being a Term standing out in Trustees, the Assignee brings a Bill against them and the Purchaser, to have the Term assigned to him. Bill dismissed. *Page 599*
- A.* Purchaser without Notice shall not be hurt in Equity, not only where he has got in a prior legal Title; but where he has a better Right to call for the legal Title, than another, who has got an Incumbrance prior to his Title. *600*
- A.* defective Surrender of Copyhold Land, for securing a Sum of Money, which was become void by not being presented in due Time, made good against a subsequent Purchaser with Notice. *609*
- A.* having Notice of an Incumbrance, purchases in the Name of *B.* and then agrees that *B.* shall be the Purchaser, who accordingly pays the Purchase-Money without Notice of the Incumbrance. Tho' *B.* did not employ *A.* nor knew any Thing of the Purchase, 'till after it was made; yet *B.* approving of it afterwards, made *A.* his Agent *ab initio*, and therefore shall be affected with the Notice which *A.* had. *Ibid.*
- A.* purchases a Leasehold Estate of an Executor, having Notice a Debt of the Testator's was unpaid; and out of the Purchase-Money has an Allowance of 200*l.* due to himself from the Testator, and of 550*l.* due to himself from the Executor, and pays the Remainder in Money. This Sale not good against an unsatisfied Creditor,

A Table of the principal Matters.

tor, *A.* being a Party, and consenting to and contriving a *Devastavit*. Page 616

Lands are devised to *J. S.* subject to the Payment of Legacies. *J. S.* mortgages the Lands. *J. S.* having no Title, but under the Will, the Mortgagee must be supposed to have Notice of the Legacies being a Charge on the Estate. 662

A Jointress is not bound to answer, whether her Husband had any other Title than as Assignee of a Mortgage, she denying, that she had any Notice of the Mortgage, and insisting she was a Purchaser without Notice, and that her Husband alledged he was in by Descent. 701

Oath. Vide Affidavit.

Occupant.

E State *pur auter vie* may be limited to a Man and his Heirs, and may be entailed, and may descend, tho' a Term for Years cannot be so entailed. 184

A. having an Estate for three Lives, settles it to the Use of himself in Tail, Remainder to *B.* The Remainder is void, or if good, it might be barred by Deed, Surrender or other Conveyance. 225

Lease *pur auter vie* is not within the Statute *de donis*. 226

An Estate *pur auter vie* of Lands in Burrough *English* shall descend to the customary Heir. Ibid.

An Estate *pur auter vie* in a Copyhold, shall go to Executors or Administrators, as well as a Freehold *pur auter vie*. 265

Dean and Chapter make a Lease to a Man, his Executors and Administrators for three Lives. This was held to be a descendible Estate, and to belong to the Heirs and not to the Executor. Page 320

A. by Will devises Lands, in Trust that the Profits should be equally divided between his Wife and Daughter, during the Wife's Life, and after her Death devised the same to his Daughter in Tail, with Remainder over. The Daughter died during the Mother's Life. Decreed this to be a Tenancy in common between the Mother and Daughter, and that during the Mother's Life, the Daughter's Moiety did not descend or result to the Heir; but was an Interest undisposed of, and in Nature of a Tenancy *pur auter vie*, and should go to the Administrator of the Daughter. 430

A. devises a College Lease to his Wife for Life, Remainder to his Son, she paying 10*l.* *per Ann.* to the Son during her Life. The Son dies in the Life of his Mother. The Rent continues during the Life of the Mother, and shall be paid to the Executor of the Son. 666

Devise of 50*l.* *per Ann.* to the Wife of *A.* during the Life of *B.* for her separate Use. The Wife dies. The 50*l.* *per Ann.* shall be paid to her Executor during the Life of *B.* 667

Estate *pur auter vie*, if limited to Executors, was Assets before the Statute of Frauds and Perjuries. 720

Offer.

A Table of the principal Matters.

Offer.

An Offer to deliver up a Bond upon Terms not complied with, is not binding, and if made without Consideration is *nudum Pactum*.

Page 717

Office and Officers.

An Inquisition finding two negligent Escapes against the Warden of the Fleet, though but for small Sums, amounts to a Forfeiture of his Office. So is one voluntary Escape a Forfeiture. 173

If the Warden of the Fleet is but Tenant for Life, and forfeits his Office, it belongs to the Reversioner, and not to the Crown. *Ibid.*

In Case of an Inquisition finding a Forfeiture by the Warden of the Fleet, whether it ought to find, what Estate the Warden had in the Office. 174

The Court is cautious, how they pass a Grant for the Office of Warden of the Fleet, because it may occasion a general Escape of the Prisoners. 175

Orphan. Vide London.

Outlawry.

Plea of Outlawry must be upon Oath. 37, 198 *contra*.

If an Outlawry for Treason is reversed, the Judgment is that the Party shall be restored to all that has not been answered to the King; so that as to the Profits of Lands received by the Crown during the Outlawry, there is to be no Restitution. 313

A. possessed of a Lease for Years, is outlawed for Treason, and the King during the Outlawry grants away the Lease. The Outlawry is reversed. *A.* or in Case of his Death, his Executors or Administrators shall be restored to the Term; or in case the Term was mortgaged before the Outlawry, shall be restored to the Equity of Redemption of the Term. *Pag.* 312

Paraphernalia.

A Feme by her Marriage-Articles agrees to have no Part of her Husband's personal Estate, but what he should give her by Will. This bars her of her *Paraphernalia*. 83

A Man devises his Wife's Jewels to her for Life, and afterwards to his Son. The Wife makes no Election or Claim to have the Jewels as her *Paraphernalia*. Her Administrator shall not have them. 247

Parol. Vide Agreement Parol.

Parol Evidence. Vide Evidence.

Parties.

Upon a Bill for a specifick Performance of a Covenant with *A.* for the Benefit of *B.* *A.* must be a Party. 36

None but Parties to a Suit are bound by it. 113

A Man obtains a Decree against Husband and Wife as Administrator of *J. S.* for 1500*l.* The

U

Wife

A Table of the principal Matters.

Wife dies. Whether the Plaintiff can proceed against the Husband, without reviving against the Administrator of the Wife. *Pag.* 195
Where two are liable to a Demand, you cannot proceed against one alone. *Ibid.*

One is made a Party to a Bill, against whom the Plaintiff can have no Decree, but may examine him as a Witness. He may demur. 380

Upon a Bill brought against an Assignee of a Lease, to pay the Rent and perform the Covenants in the Lease, the original Lessee ought to be a Party: But if the Assignee has divided his Interest in the Lease into a great Number of Shares, it is not necessary to make all the Sharers Parties. 422

A. is Tenant for Life of a Trust-Estate, Remainder to his Sons. *A.* before a Son born brings a Bill against the Trustees, and an Account is decreed, and afterwards taken. This Account shall bind the Sons; for all Persons, that could be made Parties, were Parties in the Suit. 527

Partners and Partnership.

If one Partner borrows Money, and gives a Note for it for himself and Partner, this will bind the other Partner. 277

One Partner receives Money in the Shop, and gives his Note for it, and having survived the other Partner, dies. This Note binds both; and though at Law the Note stands good only against the Executor of the surviving Partner, who gave the Note, yet in Equity the Creditor may follow the Estate of the other Partner. 293

A. and *B.* are Partners in Trade *A.* imbezils the Joint-Stock, and contracts private Debts and becomes Bankrupt, and his Estate is assigned by the Commissioners. Court inclined that first out of the Joint-Stock, all the Partnership-Depts are to be paid, and then out of *A.*'s Share Satisfaction is to be made for what he has imbeziled of the Stock, before his own private Creditors shall be paid. *Page* 293

Part-Owners in Ships.

Master of a Ship buys Provisions for the Ship, and has Money from the Owners to pay for the same, but fails without paying the Money. The Owners are liable to pay in Proportion to their respective Shares in the Ship. 643

Master of a Ship is but a Servant to the Owners. *Ibid.*

Partition.

Bill for Writings and a Partition; Defendant insists the Plaintiff has no Title, and that there is an Intail subsisting: The Court gives the Plaintiff a Year's Time to try his Title. Trial is had, and Verdict for the Plaintiff. Upon hearing the Cause on the Equity reserved, it was insisted, this being a Matter of Right of Inheritance, Defendant ought not to be bound by one Trial; *sed non allocat*, it being a Decree for a Partition. *Quare.* 232

Partition between Tenants in Tail, though by Parol only, shall bind the Issue. 233

A Table of the principal Matters.

Payment.

General Payment, how it shall be applied.

A. indebted by Articles, and also on simple Contract, pays several Sums, and enters them in his Book as paid on Account of what was due on the Articles. This Entry not sufficient to make the Application. *Page 606*

Quicquid solvitur, solvitur secundum modum solventis. *607*

But this Rule is to be understood, when the Person paying, at the Time of Payment declares, on what Account he pays the Money.

Ibid.

If the Payment is general, the Application is in the Person receiving. *Ibid.*

To whom to be made, and when good.

Where Lands by Act of Parliament are to be mortgaged for a particular Purpose, it is incumbent on the Mortgagee to see the Money applied accordingly. *5*

Payment of Money to a Trustee with Notice of the Trust is a Mis-payment, tho' the Trustee had Judgment and Execution against the Person who paid the Money. *197*

A Scrivener lends his Client's Money to *J. S.* and takes a Bond and Warrant of Attorney to confess Judgment in the Client's Name, to whom he gives a Copy of the Judgment, but keeps the Bond, and afterwards receives the Money, and delivers up the Bond. Whether *J. S.* is liable to pay this Money over again. *265*

*A. and B. being Trustees of Money for the separate Use of a Feme Covert, lend it to C. who gives Bond to the Trustees, and the Trust is declared in the Condition. The Bond is kept by the Feme, and B. having received Money for C. they settle an Account, and B. gives C. a Receipt for 100 *l.* as received for the Use of the Feme. B. becomes insolvent. Whether C. is well discharged of this 100 *l.** *Page 539*

Penalty.

Vide Bond.

Lessee for Years covenants not to plow Pasture Land, and if he does, then to pay 20 *s.* per Ann. for every Acre ploughed. The Court will not relieve the Lessee against the Penalty, if he plows. *119*

A Mortgage is made at 5 *l.* per Cent. with a Covenant to pay six, if the Interest is in Arrear for sixty Days after it is due. This being the Agreement of the Parties, Equity will not relieve against it, as a Penalty. *134*

African Company hire the Defendant's Ship to freight, and the Defendant covenants not to trade in any of the Goods, in which the Company dealt, and if he did, to pay double the Value for such Goods, with Liberty to the Company to deduct the same out of the Freight. The Company bring a Bill to discover whether the Defendant traded in any of the said Goods. Though this be a Penalty, yet the Defendant shall discover, it being his own Agreement. *244*

Perpetrator

A Table of the principal Matters.

Perpetuity. Vide *Limitations of Terms for Years under Title Estates.*

Personal Estate.

Where the personal Estate shall be applied to exonerate the Real.
Vide **Title Real.**

A. dies intestate leaving a Wife and two Daughters: 200 l. is found hid in a Wall, and 200 l. in a Box. The Widow lays out this Money in a Purchase, and settles the Land on her self for Life, Remainder to her two Daughters in Tail, Remainder to her self in Fee. She and her two Daughters die, and the Plaintiff as Administrator to the two Daughters, brings a Bill against the Heir at Law, for two Thirds of the 400 l. out of the Land, as personal Estate; and it was decreed to him by the Master of the Rolls; but reversed by the Lord Keeper, Money having no Ear-Mark.
Page 440

Plea.

Plea of Outlawry must be upon Oath.
37, 198 contra.
So must a Plea of Privilege. 83

I

Portions or Provisions for Children.

Vide *Legacies or Portions vested, &c. under Title Legacy.*

Vide *Trust for raising Portions and Payment of Debts, under Title Trust.*

By a Marriage-Settlement a Term for Years, expectant on Failer of Issue Male, is limited for raising 3000 l. for Daughters not prefer'd in the Life of the Father, payable at Eighteen or Marriage. There are Issue a Son and two Daughters. The Father in his Life-time raises 1800 l. for his Daughters by Sale of Lands, which by another Deed he had charged with raising 2000 l. for them, payable at Twenty-one or Marriage. This 1800 l. though payable at a different Time, and though not intended to go as Part of the 3000 l. (there being a Son then living) shall be taken as Part thereof.
Page 255

By a Marriage-Settlement, in Case of Failer of Issue Male, the Remainder is limited to the Daughters, until they should raise 3000 l. for their Portions. There is Issue a Son and two Daughters. The Father by Will gives his Daughters 700 l. apiece, and dies. The Son by his Will gives his Sisters to the Amount of 7000 l. The Father or Son's Legacies shall not be a Satisfaction of the 3000 l. secured by the Settlement.

258
One

A Table of the principal Matters.

One dies intestate leaving younger Children, and indebted by Mortgage, with a Covenant for Payment of the Mortgage-Money. Whether the Mortgagee shall be permitted to exhaust all the personal Estate by the Covenant, and leave the younger Children destitute. Page 309

A Term for five Hundred Years is limited to Trustees for raising 5000*l.* for Daughters Portions in Case of Failure of Issue Male, payable at the Age of Eighteen; There is Issue only one Daughter, and the Father dying, the Inheritance descends upon the Daughter. The Daughter attains the Age of Eighteen and, dies unmarried; the Term being in Trustees is not merged, and the 5000*l.* Portion of the Daughter shall go to her Executor or Administrator and not sink in the Land. 348, 349

On Marriage Lands are settled on *A.* for Life, Remainder to the first, &c. Son of the Marriage in Tail Male, Remainder to Trustees for five Hundred Years to raise 5000*l.* Portion for Daughters, payable at Eighteen or Marriage, Remainder to *A.* in Fee. After the Marriage *A.* settles other Lands, and a Term is created for the raising a like Sum of 5000*l.* for Daughters on Failure of Issue of *A.* by any Wife, and it is payable at a different Time, *viz.* Sixteen or Marriage. There is Issue only one Daughter, who attains Eighteen, and dies unmarried. The Portion shall go to her Executor or Administrator. But there shall be but one 5000*l.* raised, and the Executor or Administrator shall have the Election,

by which of the Settlements he will take. Page 348, 354, 439

A Portion is charged by Will on a real Estate, payable to a Daughter at Twenty-one or Marriage. The Daughter dies at six Years old. Her Portion shall sink in the Land for the Benefit of the Heir, and not go to her Administrator. 416

Where Portions are provided for Daughters by a Settlement, the Father cannot by his Will annex any Condition to the Payment of the Portions, nor devise them over, in Case of the Death of any of the Daughters before their Portions become payable. 452

By Marriage-Settlement a Term for five Hundred Years is limited to raise 5000*l.* if but one Daughter, to be paid her at Twenty-one or Marriage, which should first happen, after the Death of the Father and Mother, or within six Months after either of those Days or Times. There being one Daughter only, and she having attained Twenty-one, and her Father being dead, her Portion was decreed to be raised in the Life-time of the Mother. 458

By a Marriage-Settlement Lands are limited to Husband and Wife for their Lives, Remainder to the Heirs Male of their Bodies; and if there should be no Issue Male, and one or more Daughters, then to Trustees for five Hundred Years from the Decease of the Survivor, in Trust by Sale or Mortgage to raise 1000*l.* for Daughters Portions; but there is no Time appointed for the Payment of them. The Father dies leaving a Daughter only. The Portion vesting in the Daughter, it was decreed to

A Table of the principal Matters.

be raised by a Sale in the Lifetime of the Mother, with reasonable Maintenance in the mean Time, tho' no Maintenance is provided by the Settlement. *Page 460*

A. devises his Estate to *B.* his Son, charged with 500*l.* to the Daughter of *B.* payable at Twenty-one or Marriage. *B.* marries his Daughter and gives her 1500*l.* Portion, but no Notice is taken of the 500*l.* Legacy, nor any Release given. Twenty-one Years afterwards the Daughter and her second Husband bring a Bill against the Father for the 500*l.* Bill dismissed. The 1500*l.* shall be presumed a Satisfaction of the 500*l.* especially after such Length of Time. 484

A. by Marriage-Settlement is Tenant for Life, Remainder to Trustees to raise 4000*l.* for younger Childrens Portions, as *A.* should appoint; Remainder to his first, &c. Son in Tail. *A.* appoints the 4000*l.* amongst his younger Children, and particularly 2600*l.* to his second Son. The eldest Son afterwards dies, and *B.* becoming eldest Son, and intitled to the whole Estate after his Father's Death, *A.* makes a new Appointment of the 2600*l.* to one of his Daughters. Decreed the last Appointment to take place; the first being made to *B.* upon a tacit or implied Condition, that he should not become eldest Son. 528

Lands by Marriage-Settlement are limited to the Sons in Tail Male, Remainder to *A.* the Husband in Fee. Provided if *A.* and his Wife, or either of them, die without Issue Male living at the Time of his or her Death, leaving only

one Daughter unmarried, the Trustees to stand seised, till they have raised 1500*l.* for such Daughter; and if more Daughters unmarried at the Death of *A.* and his Wife, or either of them, and no Issue Male living begotten between them, then 3000*l.* for such Daughters. *A.* dies leaving Daughters, and his Wife *enfeint* of a Son, which is afterwards born. Whether the Daughters are intitled to the 3000*l.* *Page 578*

A Term is limited in Remainder after the Father's Death by Marriage-Settlement, upon Trust if he died without Issue Male, and there should be one or more Daughters unmarried or unprovided for at his Death, the Trustees should raise 2000*l.* for their Portions, to be paid at Eighteen or Marriage. The Mother being dead, and there being one Daughter, who was married, and no Son, the Court would not decree the 2000*l.* to be raised in the Life of the Father, it not vesting till his Death. 640, 655

If a Portion is directed to be paid at Eighteen or Marriage, and the Term is absolutely vested; the Daughter shall not expect during the Life of the Father, but the Term may be sold in the Father's Life, although a Term in Remainder, and not in Possession. 656

If the Trust of a Term is limited on a Condition precedent; as to commence, if the Father dies without Issue Male by his Wife, in Trust to raise Portions for Daughters; there if the Wife be dead without Issue Male, leaving a Daughter; the Term has been decreed

A Table of the principal Matters.

decreed to be sold, though the Father was living. *Page 656*
 But by the Lord Chancellor *Cowper*, if it was *res integra*, he should not decree it. *657*
 By Marriage-Settlement 2500*l.* is provided for the Issue of the Marriage in such Proportions, as the Husband shall appoint. He dies leaving a Daughter only, and makes no Appointment. She shall have the 2500*l.* *665*
 By a Marriage-Settlement a Term is limited to Trustees on Failure of Issue Male of the Marriage, in Trust after the Commencement of the Term, to raise 4000*l.* by Rents and Profits, Sale or Mortgage, for Daughters Portions payable at Twenty-one or Marriage. The Husband died, leaving only a Daughter, who married in the Life-time of the Mother. The 4000*l.* shall not be raised during the Life of the Mother, nor will it carry Interest in the mean Time. *760*

Possession, how far favoured.

Bill for a specifick Performance of a Covenant, whereby the Plaintiff was to have a Pit in the Defendant's Ground for digging black Stones. Proved that the Defendant, and those under whom he claimed, had been in Possession of a Pit there above sixty Years. Bill dismissed. *127*
 After a long Enjoyment of a Water-course running to a House and Garden, through the Ground of another, it shall be presumed that the Owner of the House has a Right to the Water-course, unless the other Party can shew a special License, or an Agreement to

restrain it in Point of Time.

Page 390

A long quiet Enjoyment is the best Evidence of a Right. *391*
 Rent decreed to a Lord of a Manor issuing out of a Copyhold Estate, though the Estate was held of another Manor, and the Plaintiff had no other Evidence of his Title to the Rent, but that it had been paid him for near Twenty Years. *516*

Possibility.

A Possibility cannot be assigned; but may be released. *563*

Power.

Discretionary Power. Vide **Discretion.**

Defective Execution of a Power.
Vide Defective Conveyance made good in Equity, under Title Deeds.

If a Man by Settlement has a Power to limit the Lands to such of his Children, and in such Proportions, as he by any Writing shall appoint, he may not only limit the Lands to any of his Children, but may charge it with Rent Charges, or Sums of Money for any of them. *80*

A. on Marriage conveys his Land to a Trustee, to the Use of himself for Life, Remainder to his Wife for Life, Remainder to the Heirs of their two Bodies, Remainder to *A.* in Fee: Proviso that in Default of Issue of the Marriage, the Trustee shall convey to such Uses as the Survivor shall appoint. Though the Husband devises

A Table of the principal Matters.

wifes the Land, and dies without Issue, yet the Wife surviving has a good Power of disposing of the Estate by her Appointment.

Page 376

Tenant for Life with Power to make a Jointure of 1000*l.* per Ann. covenants upon Marriage to make a Jointure on his Wife of 1000*l.* per Ann. and afterwards gives a Particular of Lands mentioned to be 1000*l.* per Ann. which are settled for the Jointure, but prove to be but 600*l.* per Ann. Decreed the Jointure to be made up 1000*l.* per Ann. by the Issue in Tail. 379
A. by Marriage-Settlement is Tenant for Life, Remainder to Trustees to raise 4000*l.* for younger Childrens Portions, as *A.* should appoint, Remainder to his first, &c. Sons in Tail, *A.* appoints the 4000*l.* amongst his younger Children, and particularly 2600*l.* thereof to *B.* his second Son. The eldest Son afterwards dies, and *B.* becoming eldest Son, and intitled to the whole Estate after his Father's Death, *A.* makes a new Appointment of the 2600*l.* to one of his Daughters. Decreed the last Appointment to take Place; the first to *B.* being made upon a tacit or implied Condition, that he should not become the eldest Son. 528

In a Settlement a Power is reserved to Tenant for Life to make Leases of all Lands anciently demised, reserving the ancient Rents, and of the other Lands, reserving the best improved Rents. Tenant for Life being ill, and not having the Counter-parts of the old Leases, makes a general Lease to his Sister of all the Lands; *reddend'* for the Lands that had been let

the antient and accustomed Rents, and for the Lands not usually let, the full and improved Rents and Value thereof. Lease adjudged void by the Lord Keeper, and the Lord Chief Justice *Trevor*, contra the Opinion of the Lord Chief Justice *Holt*. *Page 531, 542*

Where a Woman on her Marriage reserves a Power to dispose of her personal Estate, all that she dies possessed of shall be taken to be her separate Estate, or the Produce of it, unless the contrary can be made appear; and as she has Power over the Principal, she may dispose of the Interest. 535
 By Marriage-Settlement 2500*l.* is provided for the Issue of the Marriage, in such Proportions as the Husband shall appoint. He dies leaving a Daughter only, and makes no Appointment. She shall have the 2500*l.* 665

Prerogative.

Debt to the Crown.

By the Statute of Queen *Elizabeth* where one is a Receiver of the Revenues of the Crown, his real Estate is bound, and stands liable to answer the King's Debt, though he is not actually a Debtor to the King, nor any Extent against him in several Years after. 389, 390
 Where a Term is attendant on the Inheritance, if the King extends the Inheritance, he shall have a Right to the Term. But if the King's Receiver is possessed of a Term in gross, and it is assigned before an actual Extent, the Assignment is good against the Crown.

390

Presen-

A Table of the principal Matters.

Presentation to a Church or Chapel.

Ground is granted to Trustees whereon to erect a Chapel for the Use of the Inhabitants. Decreed in the Dutchy, that the Nomination of the Minister was in the Inhabitants. Page 387

A Manor with an Advowson appendant, being mortgaged, the Church becomes void. The Mortgagor shall present; and if pending a Suit by the Mortgagee to foreclose, the Church becomes vacant, though the Defendant has no Bill, the Court will grant an Injunction to stay Proceedings in a *Quare impedit* brought by the Plaintiff. 401

One seised of the Manor and Patronage of *W.* by Will gives 100*l.* per Ann. Rent-charge, and the Right of nominating to the Church to six Trustees, who, when reduced to three, were to choose others. The only surviving Trustee assigns the Trust to new Trustees, who nominate to the Church, being a Donative. Decreed the Assignees of the Trust, though the Assignment was made by one only who survived, had the Right to nominate to the Church, and not the Owner of the Manor. 748

Privilege.

Bill is brought to redeem a Mortgage against one, who was then an Ambassador in *Spain*. The Court ordered all Proceedings to stay for a Year and a Day, unless the Ambassador should return sooner. 317

An Ambassador, if he is a Defendant, has a Right to an *Essoin* for a Year and a Day, and after to renew it, if the Occasion continues. And a *Protection* lies for an Ambassador, *quia profecturus*, or *quia Moraturus*. Page 317

Process.

Subpæna.

Leaving of a *Subpæna* to appear and answer at the Lodgings of a Defendant who was not to be found, not good Service, though an Order was obtained for that Purpose; it appearing afterwards, that the Defendant had left his Lodging above a Year before the *Subpæna* served. 369

Attachment.

After a Writ of Execution, and an Attachment returned for not performing a Decree, the Court will not give the Defendant Leave to be examined, unless he gives Security to perform the Decree. 91

Proportion.

Vide Average.

What Proportion a Devisee for Life ought to bear of Mortgages and other Incumbrances on the Estate. 301

A. is intitled to 8000*l.* in the Chamber of *London*, and whilst a Stop was put to Payment there, he makes his Will, and declares, that when his Executors should receive the 8000*l.* he gives 2000*l.* to three Hospitals. Afterwards an Act passed for settling a Fund for
Y pay-

A Table of the principal Matters.

paying a perpetual Interest for the Orphan's Debt, and the 8000*l.* is then worth to be sold but 6300; yet decreed the whole 2000*l.* to be paid, and that there should not be an Abatement in Proportion. Page 547

A. devises a College Lease for Years to his Wife for Life, Remainder to his Son, she paying 10*l.* per Ann. to the Son during her Life. The Son dies in the Life of his Mother. The Rent continues during the Mother's Life, and shall go to the Executor of the Son: And the Mother is compellable to pay her Proportion of the Fine for a Renewal of the Lease. 666

Purchase and Purchase-Money.

Where Lands are by Act of Parliament to be mortgaged for a particular Purpose, it is incumbent on the Mortgagee to see the Money applied accordingly. 5

A Lessee at a Rack-Rent, and who paid no Fine, is a Purchaser, and shall avoid a voluntary Conveyance. 327

A. enters into Partnership in Fifths, with three others for Twenty-one Years, in digging for Mines in *A.*'s Lands; *A.* to have two Fifths, and in Consideration of his Ownership of the Land, to have a Tenth of the Share of the other Partners. *A.* dies, and his Widow sets up a voluntary Settlement made after Marriage. The Court inclined the Partners were as Purchasers, and that the voluntary Settlement should not stand good against them. 326

Purchaser.

How far favoured. Vide Notice.

As to a Purchaser's Buying in of Incumbrances. Vide under Title **Securities.**

Bill is brought by a Bishop against an Assignee of a Lease, which was made to commence after the Estates then in Being were determined, charging that the Defendant knew the Lease was expired, and that the same did appear by Writings in his Custody. Defendant pleads he was a Purchaser of the Lease, and that he was then informed, there were Fifty-seven Years to come in the Lease, and therefore gave nineteen Years Purchase for it. Plea allowed.

Page 255

If a Purchaser gives a Note for Payment of Part of the Purchase-Money, and dies: This Note will be no Charge in Equity upon the Land. 281

A Jointress is not bound to answer, whether her Husband had any other Title than as Assignee of a Mortgage, she denying, that she had any Notice of the Mortgage, and insisting she was a Purchaser without Notice, and that her Husband alledged he was in by Descent. 701

A Table of the principal Matters.

Real Estate.

Where the personal Estate shall be applied to exonerate the Real.

PERSONAL Estate applied in Ease of the Real against a residuary Legatee. *Page 43*

A. having mortgaged his Lands, by Will appointed them to be sold for Payment of the Mortgage-Money; and in another Part of his Will devised a Moiety of the mortgaged Premises to *B.* and devised his personal Estate to his Executor for Payment of his Debts. The personal Estate shall be applied to pay off the Mortgage in Favour of the Devisee.

112

A. by Will gives 20*l.* to *B.* and makes him Executor, and gives his real Estate to *C.* paying his Debts and Legacies, and in Default of Payment within a limited Time, the Legatees and Creditors to enter, and hold till paid, and makes no express Disposition of the Surplus of his personal Estate. The Surplus shall be applied in Ease of the real Estate.

120

One devises Lands to *A.* for Payment of his Debts, and devises other Land, which he had mortgaged to *B.* and also gives *B.* his personal Estate. *B.* must take the mortgaged Lands *cum onere*, and though the personal Estate is devised to *B.* and Land is devised for Payment of Debts; yet the personal Estate will be subject to the Debts.

183

One dies indebted by Mortgage, with a Bond to perform Covenants,

and owes other Bond-Debts. The personal Estate shall be applied to pay off the Bond-Debts in the first Place. *Page 273*

A. devises his personal Estate to his Wife, whom he makes Executrix. She takes as Executrix, and the personal Estate shall be applied to exonerate the Real. 302

One dies Intestate, being indebted by Mortgage, and leaving several younger Children: In the Mortgage there is a Covenant for Payment of the Mortgage-Money. Whether the Mortgagee shall be permitted to exhaust all the personal Estate by the Covenant, and leave the younger Children destitute. 309

A. joins with *B.* her Husband, in making a Mortgage for Years of her Inheritance, to raise Money to buy him a Place: *B.* covenants in the Mortgage to pay the Money, and on Payment thereof at the Day, the Term by the Proviso is to cease. The Mortgage is afterwards assigned, and the Proviso is, that on Payment by the Husband and Wife, or either of them, the Term is to be assigned, as they, or either of them should direct. *B.* by Letter promises to apply the Profits to pay off the Mortgage. He pays off the Mortgage, and takes an Assignment in Trust for himself, and by Will gives it to his second Wife. The Son and Heir by the first Wife, bring a Bill to have the Mortgage assigned to him. The Court would not relieve him but on Payment of Principal, Interest and Costs: But this Decree was reversed by the House of Lords. 437

A. by

A Table of the principal Matters.

A. by Will, after some Legacies, gives the Residue of his personal Estate to his Daughter, and gives his real Estate to her and her Heirs; and if she died under Twenty-one, gives his real Estate to his Brother. The Daughter dies at sixteen, and by Will gives all her personal Estate to *B.* The Estate being subject to a Mortgage, whether the personal Estate in the Hands of *B.* shall be applied to exonerate the Real. *Page* 469

A. by Will, computing the Surplus of his personal Estate after Debts and Legacies paid, would amount to 5800*l.* gives the 5800*l.* to some of his Grand-children in several Proportions; and wills, if the Surplus fell short, they should abate in Proportion; if it amounted to more, it should be divided between them in the same Proportions. Decreed that a Mortgage on an Estate devised to two other Grand-children should be paid out of the personal Estate, although by this Means the personal Estate would fall short of the 5800*l.* 477

An express Devise shall not be defeated by applying the personal Estate to pay off a Mortgage in Favour of an Heir at Law. *Ibid.*

A. by Will charges his real Estate with the Payment of his Debts, Legacies and Funeral Expences; and devised to his Wife, whom he made Executrix, all his personal Estate, not otherwise disposed of. Decreed the personal Estate to be applied in Ease of the Real; there being no Words in the Will to exempt the personal Estate from the Debts, and the Wife taking the personal Estate as Executrix. 568

A Man having Mortgages, one of which was a Mortgage in Fee of Lands in *D.* on which he had entered, devises those Lands to his two Daughters and their Heirs, and the other mortgages to them, their Executors, &c. One of the Daughters dies. Her Share of the Lands in *D.* shall go to her Heir, and not to her Administrator, it being the Testator's Intent that those Lands should pass as real Estate to his Daughters; tho' as between him and the Mortgagor, they were but a Mortgage. *Page* 582

A Mortgage in Fee is made redeemable on Payment of 300*l.* and Interest upon any *Michaelmas-Day*, on six Months Notice. Mortgagor dies, having devised his personal Estate to his Wife. Personal Estate not liable to pay off the Mortgage in Ease of the real Estate, there being no Covenant express or implied. 701

One devises his Fee-farm Rents to be sold for Payment of his Debts, and gives the Surplus to his Heir at Law and younger Brother; devises his Household Goods to go with his House, and the Residue of his personal Estate to his Sister. The personal Estate shall not be applied to pay Debts in Ease of the real Estate. 718

There is a Difference between charging an Estate with Payment of Debts, and devising an Estate to be sold out and out to pay Debts. *Ibid.*

One directs his Debts and Legacies to be paid out of the Rents of his real Estate, and that his Executors shall receive the Rents, till his Nephew was Twenty-five, and then pay the Surplus of the Rents to

A Table of the principal Matters.

to him, and gives his Nephew the Surplus of his personal Estate. The Nephew dies an Infant. *Per Cur'*, If the Surplus had been given to a third Person, he should have had the personal Estate discharged of the Debts; but being given to the same Person, to whom the Land is devised, the Surplus of the personal Estate was not intended to be exempt from the Debts. Page 740

Recognisance. Vide *Judgment*, &c. under Title **Securities**.

Recovery Common.

A defective Common Recovery, as to a Tenant to the *Præcipe*, will bar an Estate-Tail in a Trust. 132

Bare Articles will bar an Entail of an Equity. 226

A Child in *ventre sa mere* may be vouched. 711

Release.

Whether a Release by Will to *J. S.* of all Debts, Accounts and Demands will transfer the Property of Goods, which he has in his Hands, belonging to the Testator. 114

A. devises to *B.* 100*l.* and by his Will releases him of all Debts and Demands, and afterwards *A.* lends *B.* 100*l.* Whether this 100*l.* is released by the Will. 136

If one says in his Will, *I forgive such a Debt, or my Executor shall not demand it, or shall release it*; this is a Discharge of the Debt, though the Debtor dies in the Life of the Testator. 522

But if a Debt is devised by Will to the Debtor, without Words of Release or Discharge, and the Debtor dies in the Life-time of the Testator, the Debt subsists. Page 522

A Possibility cannot be assigned; but it may be released. 563

Remainder.

Devise or Limitations of Remainders over of Leases, Money, &c. Vide *Limitations of Terms for Years, Money, &c.* under Title **Estates**.

A Woman covenants to stand seised to the Use of her self in Tail, Remainder to such Uses as she by Writing should appoint; for want of Appointment, to the Use of her Kinsman in Fee. Whether this Remainder to the Kinsman is good being on a Covenant to stand seised. 7

Land is devised to *A.* for sixty Years, if he lives so long, and from and after his Death to *B.* his eldest Son in Tail. Whether the Limitation of the Entail to *B.* is good, being expectant on a Term of sixty Years. 131

Lands are devised to Trustees and their Heirs, in Trust to receive the Rents, till the Testator's Son came to Twenty-one, and to pay one Third to his Wife, and out of the other two Thirds to raise Portions for his Daughters, and then devises the Lands to his Son, when Twenty-one, in Tail, with Remainder over. The Son died before Twenty-one without Issue, and the Mother who survived him, died before such Time as
Z the

A Table of the principal Matters.

the Son would have attained Twenty-one. The Remainder over is good, though the Son died before Twenty-one. *Pag.* 138

A. having an Estate for three Lives, settles it to the Use of himself in Tail, with Remainder over. The Remainder is void, or if good, it may be barred by Deed, Surrender or other Conveyance. *Pag.* 225

Tenant for Life of a Copyhold with Remainder to his first, &c. Son in Tail, takes a Surrender to his own Use of the Reversion in Fee before the Birth of a Son. The contingent Remainder is not destroyed, the Freehold being in the Lord. 243

A. seised in Fee, by Deed and Fine conveys the Lands to the Use of Trustees for seventy Years, Remainder to Trustees for three Thousand Years, and after the Death of *A.* then to his Son *B.* Whether the Remainder to *B.* be good. 370

Rent.

The Incumbent of a Parsonage, and the Grantee of the next Avoidance join in a Lease of the Tithes, rendring Rent at *Midsummer* and *Christmas*. The Incumbent dies before *Midsummer*-Day, the Lessee having first got in the greatest Part of the Tithes. Who shall have the *Midsummer* Rent? 204

One takes a Mortgage of a Lease for 100*l.* subject to a Ground-Rent. He loses his 100*l.* Mortgage-Money, never enters on the Premises, and yet is sued for the Ground-Rent. No Relief in Equity, it being his own Folly to take his Security by Way of Af-

signment, and not by Way of Under-lease. *Page* 374

A Woman having 100*l.* *per Ann.* Rent-charge for her Jointure, and there being a great Arrear, and not a sufficient Distress on the Land, she brought her Bill against the Devisee of the Inheritance, that he might set out sufficient Distress, or that she might hold and enjoy till paid the Arrears. *Cur'*, When the Party has provided one Remedy, we won't give another, unless some Fraud be proved in letting the Land lie fresh, or depasturing the Land in the Night-time only; and declared they could give no Relief. 382

Devisee of a Rent-charge out of Lands, with Power of Distress, dies; his Executor brings a Bill for the Arrears. Decreed that he may enter, and hold and enjoy till paid the Arrears and Costs. 386

Lord of the Manor of *A.* brings a Bill for a Rent of 8*s.* payable out of the Manor of *B.* and tho' it appeared by the Rolls of the Manor of *B.* from *Hen.* 8. to *Ch.* 1. that the Copyhold was held of the Manor of *B.* and was so admitted by the Plaintiff, and he had no other Evidence of his Title to the Rent, but that it had been paid him near twenty Years; yet the Court decreed him the Arrears and growing Rent, and denied the Defendant a Trial at Law. 516

By the Rules of Law in Case of *Incroachment* of Rent, if the Tenant makes but one Payment of more than was due, he shall never go back from it. 517

A. is

A Table of the principal Matters.

A. is Tenant in Tail subject to a Rent-charge to *B.* for Life. *A.* dies, the Rent-charge being in Arrear. The Issue in Tail not liable by the Statute of 32 *H.* 8. *ca.* 37. to the Arrears incurred in the Life of his Ancestor. *Pag.* 612
One claims a Fee-farm Rent under the Statute of *Car.* 2. and the Land out of which the Rent was issuing, being under a Sequestration, the Court would not order the Sequestrators to pay the Rent out of the Money in their Hands; but left the Party to take his Remedy at Law for the Rent, notwithstanding the Sequestration.

713

For the Incouragement of Purchasers of Fee-farm Rents, the Statute of *Car.* 2. gives the Purchasers the same Power of Distress, as the King had, not only on the Land out of which the Rent issues, but on any other Land of the Tenant.

714

Though the King may distrain on any other of the Lands of his Tenant, as well as on those, out of which the Rent issues; yet if the Tenant alien, devise or lease at Will only his other Lands, the King cannot distrain on those Lands.

Ibid.

Replication.

Where there is a Plea and Answer, and the Plaintiff replies; the Replication must be to the Answer as well as the Plea.

46

Return of Writs.

A Commission returnable *sine Dilation* must be executed before the second Return of next Term, and

if executed afterwards, it is void.

Page 197

Where the Sheriff returns *nulla bona* upon a *Fi. fa.* and there is a Recovery against him for a false Return, *that* vests no Property of the Goods in him; but they remain in the Party, and are liable to any subsequent Execution. 239

Rebiboꝝ. Vide Abatement.

Revocation.

Revocation of a Will. Vide under Title Will.

One makes a voluntary Settlement, with Power of Revocation on Tender of a Guinea, and afterwards settles the Lands to other Uses, but does not tender the Guinea. The first Settlement is not revoked.

69

If the Person had declared he intended to revoke the former Settlement, it had been sufficient, though the Guinea had not been tendred.

Ibid.

Equity may supply an informal or defective Revocation, though it has not all the Formalities and Circumstances mentioned in the Power of Revocation.

Ibid.

A Proviso in a Settlement, if the Wife survive her Husband, *they not having Issue between them*, then she may revoke the Settlement. The Husband dies leaving a Son, who dies in the Life of his Mother. She may revoke the Settlement.

651

Satis.

A Table of the principal Matters.

Satisfaction.

Vide *under Title Legacy.*

A. devises his Estate to *B.* his Son, charged with 500*l.* to the Daughter of *B.* payable at Twenty-one or Marriage. *B.* marries his Daughter, and gives her 1500*l.* Portion, but no Notice is taken of the 500*l.* Twenty-one Years afterwards the Daughter and her second Husband bring a Bill against the Father for the 500*l.* Bill dismissed. The 1500*l.* shall be presumed a Satisfaction of the 500*l.* especially after such a Length of Time. Page 484

A. covenants on his Marriage to purchase Lands of 200*l.* a Year, and settle them for the Jointure of the Wife, and to the first, &c. Sons of the Marriage. He purchases Lands of that Value, but makes no Settlement; and on his Death they descend on the eldest Son. On a Bill by the Son for a specifick Performance, decreed the Lands descended to be a Satisfaction of the Covenant. 558

One covenants to leave his Wife 650*l.* He dies intestate, and the Wife's distributive Share amounts to more than that Sum. This is a Satisfaction, and the Wife shall not come in, first as a Creditor for the 650*l.* and then for a Moiety of the Surplus. 709

Scribener. Vide Attorney.

Securities and Incumbrances.

Judgment, Statute and Recognisance.

A. is bound with his Father for the Debts of the Father, who enters into a Statute to the Son to pay the Debts and indemnify the Son. One of the Creditors delivers up his Bond, and takes a Mortgage from the Father. The Son shall not set up his Statute to defeat the Mortgage. Page 39

A. Recognisance, after the Time for enrolling it was elapsed, was enrolled by special Order of the Court. The Conusor, between the Date of the Recognisance and the Time of enrolling it, borrows Money on Judgment, which was over-reached by the Recognisance: But the Estate of the Conusor was in Mortgage prior to both, so that neither the Recognisance, nor Judgment could reach the Estate without the Assistance of Equity. The Court inclined to give the Judgment a Preference to the Recognisance. 235

A. Counsel having a Statute from *A.* advises *B.* to lend *A.* 1000*l.* on a Mortgage, and draws the Mortgage with a Covenant against all Incumbrances, and conceals his own Statute. The Statute shall be post-poned to the Mortgage. 370

A Table of the principal Matters.

Mortgages are not to be preferred to other real Incumbrances; but Mortgages, Judgments, Statutes and Recognisances shall be paid according to their Priority.

Page 525

A Judgment or Sentence recovered in *France* for Money due, must be considered here only as a Debt on simple Contract; and the Statute of Limitations will run upon it.

540

By Act of Parliament an Estate is vested in Trustees to be sold, and the Money to be applied, first to pay Mortgages, and then to pay Statutes, Judgments and Recognisances. Decreed that subsequent Mortgages shall be paid before precedent Statutes.

711

A Recognisance not inrolled is to be taken as an Obligation, and to be paid as a Debt by Specialty.

750

A Recognisance may be enrolled after the Time is elapsed; but it is always done with Caution, so as not to prejudice any intervening Purchaser.

751

Defective Securities made good in Equity. Vide under Title Deeds.

Securities and Incumbrances taken in by an Heir, or Purchaser, or subsequent Incumbrancer.

After a Bill brought by a second Mortgagee, against the first and third Mortgagees, to discover Incumbrances, the last Mortgagee may get in the first Incumbrance, and protect himself against the second.

29

A subsequent Purchaser protected by getting in an old satisfied Statute.

30, 160

A Purchaser or Mortgagee buying in Incumbrances for less than is due, shall have the Benefit of the whole Money due thereon.

Page 66, 81

A. makes a Mortgage, and after a Commission of Bankruptcy taken out against him, and an Assignment made by the Commissioners, he makes a second Mortgage to B. who has no Notice of the Bankruptcy. B. shall not protect his Mortgage by getting an Assignment of the first Mortgage.

157

If a Purchaser buys in an old Statute or Mortgage, tho' nothing is due thereon, he shall defend himself by it.

159

So he shall, tho' he got in the prior Incumbrance by undue Means.

Ibid.

One in the Time of the Rebellion purchased under the Parliament's Title, and after the Restoration got in an old Statute. The Court would not relieve against him.

160

One articles to sell Lands to A. and afterwards articles to sell the same Lands to B. who gets a Conveyance, and pays his Money, and A. assigns his Articles to C. who gets in an old Statute, and he was permitted to defend himself by it.

Ibid.

A Purchaser or Mortgagee shall not protect himself by taking a Conveyance from a Trustee after Notice of the Trust, for by taking such Conveyance he becomes the Trustee himself.

271

A. mortgages Lands to B. and afterwards on Marriage settles the same on himself for Life, Remainder to his Wife for Life; Remainder to the Heirs of his Body

A a

by

A Table of the principal Matters.

by his Wife; and afterwards *A.* mortgages the same Lands to *C.* *A.* dies leaving a Son. *D.* administers to *A.* during the Son's Minority, and pays off the first Mortgage out of the personal Estate of *A.* and takes an Assignment of it in Trust for the Son. Decreed the Administrator shall not be allowed as against the second Mortgage, what he paid in Discharge of the first Mortgage.

Page 304

A. in 1687, lends 1000*l.* to *B.* on Judgment, at which Time there was a Term of Years attendant on the Inheritance of *B.*'s Estate, which had been assigned to three Trustees. In 1688, *B.* and one of the Trustees assign the Term to *C.* for securing Money then borrowed of him. *A.* having Notice of this Assignment, gets an Assignment of the Term from the two other Trustees to *D.* in Trust for better securing his 1000*l.* *A.* shall have the Benefit of this Assignment, and be paid before *C.*

524

Ship. Part-owners of a Ship.
Vide under Title Partners.

Simony.

Mortgagee of a Manor and Advowson being in Possession, and the Church becoming vacant, makes a simoniacal Presentation of *A.* which is rejected by the Bishop. Then the Mortgagor and Mortgagee join in presenting *B.* *C.* gets the Title of the Crown, and brings an Information in the Name of the Attorney General, to remove the Mortgagee's Title, and that it might not be set up at

Law; and it was so decreed.
Page 549

Specifick Performance, when to be decreed, and when not.
Vide under Title Agreement.

Spiritual Court.

An Account decreed of an Intestate's personal Estate, notwithstanding an Account had been before taken, and a Distribution decreed in the Spiritual Court.

47

Statutes.

In an Act of Parliament, the Intention appearing in the Preamble, shall control the Letter of the Law.

58

The Act of Parliament relating to the *New-River Company* ought to have a liberal Construction, so as the Town in general may be served with Water.

431

By Act of Parliament an Estate is vested in Trustees to be sold, and the Money to be applied first to pay off Mortgages, and then to pay Statutes, Judgments, and Recognisances. Decreed that subsequent Mortgages shall be paid before precedent Statutes.

711

A general Saving in an Act of Parliament, must not control the express Provision in the Act.

712

Statute of Limitations. *Vide Title Limitation.*

Statute of Frauds and Perjuries.
Vide under Title Agreement.

Statutes for Security. *Vide under Title Securities.*

Sub.

A Table of the principal Matters.

Subpena. Vide *under Title Proceſſes.*

Surety.

A Miſtake in the Title of an Order amended, though to charge a Surety, who gave a Recogniſance to abide the Order of Hearing.

Page 376

A. is bound as a Surety in a Recogniſance dated *May 5, 1660*, for Payment of Money, which happened not to be made good, by the Convention Act, for confirming judicial Proceedings, the Act not extending to that Day. *A.* being a Surety only, and having no Conſideration for entring into this Recogniſance, the Court would not make it good, nor allow it to be ſo much as a Debt. 393

The Principal in a Bond being arreſted gave Bail, and Judgment is had againſt the Bail. On a Bill by the Sureties, who had been ſued on the original Bond, and paid the Money, decreed the Judgment againſt the Bail to be aſſigned to them, in order to reimburse them, what they had paid, with Intereſt and Coſts. 608

Survivor.

Vide **Jointenants.**

Money is deviſed to be laid out in Land, and ſettled on the Children of *J. S.* Land is purchaſed, and ſettled on them and their Heirs, and one of them dies. Decreed the Land ſhould not ſurvive.

46

Agreement by one Jointenant to ſell does not bind the Survivor. 63

Where two are bound jointly, and one dies, the Survivor only is liable: Otherwiſe if bound jointly and ſeverally. *Page 99*

Deviſe to two equally to be divided and the Survivor of them; they are Jointenants. 323

A. and *B.* are Jointenants for their Lives. *A.* makes a Leaſe of his Moiety for Years to commence from his Death, if *B.* ſo long live. This Leaſe ſhall bind the Survivor. *Ibid.*

Two Men Jointenants in Fee, one of them being ſick, aſſigns his Moiety by Deed to his Wife, and afterwards deviſes it to her. The Aſſignment void, and the Deviſe will make no Severance. 385

Adminiſtration is granted to two, and one of them dies. The Adminiſtration does not ceaſe, but ſurvives to the other. 514

But if a Letter of Attorney is made to two, and one dies, the Authority ceaſes. *Ibid.*

A. and *B.* are Jointenants of the Truſt of a Term. *A.* dies. *B.* ſhall have the Whole by Survivorſhip. 556

If a Child of a Freeman of *London* dies under Twenty-one, his orphanage Part by the Cuſtom will ſurvive to the other Children, and he cannot deviſe it. 559

A Debt is deviſed to two, and if either died, to the Survivor. One died before the Debt was got in. The Survivor ſhall have the whole Debt. 654

Term

A Table of the principal Matters.

Term for Years. Vide **Estate for Years.**

Tithe.

Tithe Oar is not due, but by particular Custom. *Page 46*

Trial.

New Trial granted after one Trial on an Issue directed; the Matter in Question being of Value, and concerning all the Copyholds in the Manor. *75*

Bill for Writings and a Partition; Defendant insists the Plaintiff has no Title, and that there is an In-tail subsisting: The Court gave the Plaintiff a Year's Time to try his Title. A Trial is had, and Verdict for the Plaintiff. Upon coming on upon the Equity reserved, it was insisted, this being a Matter of Right of Inheritance, Defendant ought not to be bound by one Trial; *sed non allocat'*, it being a Decree only for a Partition. *Quare.* *232*

Bill for a new Trial, Plaintiff suggesting, that her Mark to the Bond in Question was forged by one *Web*, and that all the Witnesses to the pretended Bond were dead, and that the Verdict was obtained by Surprise. A new Trial was ordered. *240*

Upon an Appeal, the House of Lords granted a new Trial, to try whether a Bond was forged or not, though a Verdict for the Bond had been before obtained at Law, on *non est factum* pleaded, and tho' new Trial denied in Equity. *378, 419*

If after the Trial a Witness be convicted of Perjury, or the Party of Forgery, it is a good Cause for granting a new Trial. *Page 379*
Precedents where new Trials, and in an indifferent County, have been granted, and also some denied. *437*

An Issue at Law was directed in a Matter, where the Plaintiff had a proper Action at Law, and was under no Impediment of bringing such Action. *503*

Trust.

Devise of 1500 *l.* to *A.* and *B.* for such Uses as the Testator had declared to them, and by them not to be disclosed. *A.* in the Life of *B.* writes a Letter disclosing the Trust. This is a good Declaration of the Trust. *50, 106*

A. in Consideration of 80 *l.* conveys an Estate absolutely to *B.* and brings a Bill to redeem. *B.* by Answer insists the Conveyance was absolute, but confesses, that after Payment of the 80 *l.* and Interest, he was to stand seised for the Benefit of the Plaintiff's Wife and Children. Plaintiff replies to the Answer, and the Trust is not proved; yet decreed the Trust for the Benefit of the Wife and Children. *288*

Trustees joining with the *Cestuy que Trust* in Tail in a Feoffment, will bar the Estate-tail in the Trust. *344*

*How conveyed, barred or transfer'd,
and how to be executed.*

One appoints his Trustees to convey his Lands to his Daughter after his Death, and afterwards has a Son.

A Table of the principal Matters.

Son. The Conveyance shall be made to the Son. *Page* 104

A defective Common Recovery as to a Tenant to the *Præcipe*, will bar an Estate-tail in a Trust. 132

Bargain and Sale only will bar an Estate-tail in a Trust. 133, but 552 *contra*.

Where a Trust is limited to a Man and the Heirs of his Body, with Remainder over, the Court will not decree the Trustees to convey to him an Estate in Fee, but an Estate-tail only. 428

Where Money is devised to be laid out in Land, and settled to the Use of *J. S.* in Tail, with a Remainder over; the Court ought not to decree the Money to be paid to *J. S.* although he will have Power over the Land, when purchased, by suffering a Recovery; but ought to decree the Money to be laid out, and the Land settled according to the Will. 552

A. being Tenant in Tail of the Trust of a Copyhold Estate, with Remainder over, and the Trustees refusing to surrender the legal Estate to him, he brought his Bill for that Purpose, and pending the Suit went to the Lords Court, and offered to surrender, but was refused, not having the legal Estate; and thereupon he made his Will, and gave the Estate to his Wife and Children. Decreed the Estate to go according to the Will, the Court conceiving the Will sufficient to bar the Intail of a Trust. 583

The Trust of Lands is devised to *A.* for Life, with Power of leasing, Remainder to the Heirs Male of his Body. Decreed the Trustees to convey an Estate to *A.*

and the Heirs Male of his Body, and not an Estate for Life only, with Remainder to his first, &c. Sons in Tail Male. *Page* 670

But otherwise it would be, if Lands were agreed to be so settled by Marriage-Articles. 671

When a Question arises, how a Trust ought to be executed by a Conveyance, there is no better Rule than to observe and follow, what has been done at Law in the executing of Conditions, that are executory, and to be performed, so far as the Case will admit.

736

A. devises Lands to the *Drapers* Company in Trust to convey the same to *B.* for Life, and to his first, &c. Sons for their Lives successively, and so to their Issue Male for their Lives only, Remainder over. Though this is a vain Attempt to create a Perpetuity, yet the Trustees shall make as strict a Settlement, as may be, making all the Persons in Being but Tenants for Life; but the Limitation to the Sons unborn must be in Tail. 737

Resulting Trust, and Trust by Implication and Construction.

A. Purchase by the Father in the Name of his Infant Son, decreed to be an Advancement for the Son, and not a Trust for the Father. 19

A. conveys Lands to the Use of himself for Life, Remainder to his Wife for Life, Remainder to his Son in Fee, and at the same Time makes his Will, and gives the same Lands to his Son in Tail charged with his Debts. The Son not a Trustee for the Father in

B b

the

A Table of the principal Matters.

the Settlement: Otherwise it would have been, if the intire Fee had been conveyed to the Son.

Page 28

In the Purchase Deed the Consideration-Money is mentioned to be paid by the Grantee, and there was no exprefs Declaration of Trust in Writing; yet upon the Circumstances of the Case decreed a Trust, though the Grantee had devised the Estate for Payment of his Debts. 167

A Mortgagee assigns over his Mortgage to J. S. and declares a Trust by Parol for other Persons; J. S. acknowledges the Trust. There being an exprefs Trust declared by Parol only, shall prevent a resulting Trust to the Assignor. 294

The Statute of *Frauds and Perjuries*, which saves resulting Trusts, extends only to such as were resulting Trusts before the Statute. *Ibid.*

Land is devised to Trustees to sell, and out of the Money arising by the Sale, among other Sums, to pay 100*l.* to the Heir at Law; and no Disposition is made of the Surplus. The Land shall not be turned into personal Estate, nor more sold than is necessary to pay the Legacies. 425

A. by Will devises his Land to Trustees to sell, and to dispose of the Money as he by Writing should appoint, and for Want of Appointment to his four Nephews. A. by Writing appoints his Trustees to pay several Sums to several Persons; but not near the Value of the Land. Decreed the Surplus to the Heir, and not to the Nephews, as an Interest resulting, and not disposed of. 571

Lands are devised to three Persons and their Heirs, to the Use of

them and their Heirs, upon Trust to convey Part to A. for Life, and other Part to B. in Tail; but gives no Direction as to the Remainder in Fee. Tho' two of the Trustees were related to the Testator; yet the Remainder in Fee, will not belong to them, but be a resulting Trust for his Heir at Law. *Page 644*

Lands are devised to Executors to be sold for Payment of Debts; the Surplus, if any, to be deemed personal Estate, and go to the Executors, to whom the Testator gave 20*l.* apiece. Surplus decreed to the Heir at Law. 645

A Term for five Hundred Years is limited in Trust to pay Debts, and four Years after to attend the Inheritance. As soon as Debts paid, a Trust for the Heir. *Ibid.* Two Hundred Pounds a Year devised for sixteen Years to pay Debts and Legacies. Surplus a Trust for the Heir. *Ibid.*

For raising Portions and Payment of Debts.

Vide Devise of Lands to be sold for Payment of Debts, &c. under Title Will.

Vide Portions or Provisions for Children.

Lands are settled on Marriage upon Condition, if there should be a Daughter, the Persons in Remainder should pay her 2000*l.* at Sixteen, with a Power for the Daughter in Case of Non-payment to distrain for the Portion. Though no Power to sell; yet a Sale decreed for raising the Portion.

1

Where

A Table of the principal Matters.

Where Debts are directed by Will to be paid out of Rents and Profits, the Court, if it is necessary, will decree a Sale. *Page 26*

A Trustee for raising and paying a Portion of 500*l.* to *A.* enters and gives Judgment to *A.* to pay the 500*l.* when raised. He raises the 500*l.* and more, and then becomes insolvent. Whether the Land is discharged. 85

Tenant for Life with Power to charge the Lands with 5000*l.* for Daughters Portions, by Will charges the Lands with 5000*l.* for Daughters Portions, and directs that the Trustees shall enter and hold until the Money be raised by Rents and Profits. The Court decreed a Sale for raising the Money. 310, 420

Reversion in Fee expectant on an Estate for Life, is devised to *A.* and *B.* for Payment of Debts and Legacies, and *A.* and *B.* are made Executors. The Devisees being made Executors, the Money raised by Sale is legal Assets, and the Debts must be first paid. Otherwise if the Trustees had not been made Executors. 248, 405

Where a Term is limited to raise Portions for younger Children, by Rents and Profits, the Heir may have the Portions raised by a Sale, though the younger Children oppose it, as well as the younger Children may insist upon a Sale, if they think fit. 420

A. by Will gives 500*l.* to his Daughter to be paid by his Executor at her Age of Twenty-one, out of his personal Estate, and Rents of his real; and if not raised by that Time, the Executors to stand seised and take the Rents, till the 500*l.* was raised; and after Payment gives the Land to his Son. The Daughter marries at eighteen,

and dies under Twenty-one, and the Husband administers. Decreed the Portion to be raised and that by a Sale, though the Land by Reason of the Incumbrances, would produce little more than the 500*l.* *Page 424*

By Act of Parliament an Estate is vested in Trustees to be sold, and the Money to be applied first to pay of Mortgages, and then to pay Statutes, Judgments and Recognisances. Decreed that subsequent Mortgages shall be paid before precedent Statutes. 711

Trust for preserving contingent Remainders.

Trustees for preserving contingent Remainders, are decreed to join in a Sale, the Estate settled being only an Equity of Redemption subject to a Mortgage, and there being no Issue born, and the Wife consenting to the Sale. 303

If Tenant in Tail joins with the Trustees for preserving contingent Remainders, in barring the Limitations in the Settlement, it is no Breach of Trust in the Trustees. 754

Trustee. How and when to be charged and discharged, and what Allowances to have.

A Legacy of 100*l.* is devised to an Infant payable at Twenty-one, and if he dies before, then to go over, and the Interest is for his Maintenance in the mean Time. The Trustee pays 20*l.* to place the Child out an Apprentice, who died under Twenty-one. The Trustee allowed the 20*l.* out of the Legacy. 137

Two

A Table of the principal Matters.

Two Trustees for Sale of an Estate join in a Conveyance of it to a Purchaser, and in a Receipt for the Consideration-Money; but each of them receives only a Moiety thereof. One of them afterwards became insolvent. The other shall not be answerable for what the insolvent Trustee received. *Page 504, 515, 570*

Otherwise it is, where Executors join in Sales. *Ibid.*

Although a Trustee is not directed to put Money out at Interest; yet if he makes Interest, he shall account for it. *548*

Verdict.

Relief denied after a Verdict, & econtra.

A Verdict having been obtained against an Executor, (who pleaded *plene administravit*) upon producing a Letter of his, confessing a Mortgage for 300*l.* made to the Testator; the Executor brought his Bill and was relieved, he proving the Mortgage appeared to be worth nothing, and that there were two prior Mortgages on the same Estate. *146*

In Debt against an Executor, he pleads *ne unques* Executor, and on Proof at the Trial, that a Chimney Back, or some other slight Thing came to his Hands, Plaintiff had a Verdict: But Equity relieved against it. *147*

So in another Case upon the like Plea, it was proved the Defendant took Money for some Pots of Ale sold in the Testator's House

after his Death: Equity relieved. *Page 147*

Voluntary.

Vide fraud, &c.

A Remainder-Man in Tail in a voluntary Settlement, brings a Bill for Discovery of the Deed; and it appearing the Entail was discontinued, the Court would not relieve him. *35*

A. on his Marriage with **B.** settles Lands for her Jointure, which were subject to an Intail. **C.** Brother of **A.** was privy to the Intail, ingrossed the Jointure Deed, and had the Deed of Intail in his Custody, and concealed it. **A.** devises the Inheritance of the Lands to **J. S.** and dies without Issue, and **J. S.** marries the Widow, and they bring a Bill to be relieved against the Deed of Intail, which was set up by **C.** Decreed the Wife to hold her Jointure; but Bill dismissed as to the Husband's Claim under the Will, it being a voluntary Conveyance. *239*

A. in 1683, makes a voluntary Settlement of an Estate on his Grandson and his Heirs, and afterwards in 1690, he makes another voluntary Settlement of the same Estate on his eldest Son for Life, Remainder to his first, &c. Son in Tail, and by his Will gives a considerable Estate to his Grandson. Although it was proved that **A.** always kept the Settlement of 1683, in his Custody, and never published it, and after his Death it was found among waste Papers, and the Deed of 1690, was often men-

A Table of the principal Matters.

mentioned by him, and he told the Tenants that the Plaintiff was to be their Landlord after his Death; yet the Son could not be relieved against this first Settlement. Page 473

A Man makes a voluntary Settlement, reserving to himself a Power to mortgage what Part he pleased. This amounts in Effect to a Power of Revocation, and therefore fraudulent as against Creditors by Judgment. 511

A voluntary Covenant is not to be carried in Equity beyond the Letter. 693

Usury.

A Woman resorts to Places of Gaming, and borrows Money to supply Persons in their Gaming, and gives the Lenders great Premiums, and afterwards borrows more Money, and being arrested for it gives Bond and Judgment, and then brings a Bill to be relieved against these Securities, and to have an Allowance for the former excessive Premiums, which she had paid: But the Court would not relieve against the Judgment, but upon Payment of Principal, Interest and Costs. 170

Though a Security is hazardous, yet that will not justify the Taking of excessive Interest. 172

One in 1683, borrows 200*l.* of *A.* and gives a Mortgage of a reversionary Term for Thirty-six Years commencing from 1700, of the Value of 200*l. per Ann.* and the Mortgage is defeasanced on Payment of 40*l. per Ann.* for eight Years by quarterly Payments. The Court relieved on

Payment of the 200*l.* with simple Interest. Page 402

Waste.

Injunction to stay Waste. Vide Title Injunction.

A Term for Years is limited by Deed for Payment of Debts, and by Will the Reversion is devised to *A.* for Life *sans* Waste, Remainder to his first, &c. Sons in Tail. *A.* being in Want, the Court gave him Leave to cut Timber for his Support, not exceeding the Value of 500*l.*

Page 218

The Tenant of a Jointress at 40*l. per Ann.* had committed Waste *sparsim*, but insisted he had improved the Estate to 60*l.* a Year, and offered to take a Lease at that Rent for fifty Years, and to pay for the Timber cut. Whether Equity will relieve against the Forfeiture for the Waste. 263

On a Bill to redeem an Account is decreed, and 240*l.* reported due, and pending Exceptions to the Report the Mortgagee commits Waste. Ordered he should deliver up Possession, on the Plaintiff's giving Security to abide the Event of the Account. 392

A Bill may be brought in Behalf of a Child in *ventre sa mere* for an Injunction to stay Waste. 711

A. on the Marriage of his Son, settles a Messuage to the Use of himself for Life *sans* Waste, Remainder to his Son. Though the Estate for Life of the Father be *sans* Waste, yet he cannot pull

A Table of the principal Matters.

down the House, nor commit any voluntary Waste; and if he does the Court will grant an Injunction, and oblige him to put the House in as good Repair, as it was before the Waste committed.

Page 738

Watercourse.

After a long Enjoyment of a Watercourse running to an House and Garden, through the Ground of another, it shall be presumed that the Owner of the House has a Right to the Water-course, unless the other Party can shew a special Licence, or an Agreement to restrain it in Point of Time.

390

Will and Testament.

How far parol Proof may be admitted to explain a Will. Vide Title Evidence.

A Wife, whose Husband is banished by Act of Parliament for his Life, may make a Will.

104

Whether a Release by Will to *J. S.* of all Debts, Accounts and Demands, will transfer the Property of Goods, which he has in his Hands, belonging to the Testator.

114

An Heir at Law is to be favoured, where the Words of a Will are doubtful, and there shall be no strained Construction to work a Disinheriton; but where a Will is plain, no Favour then to the Heir.

340

Word (or) not taken for Word (and) in a Will.

377, 388

A. devises Land to several Persons, and after his Death, one who

was a Friend to the Heir at Law, snatches the Will out of the Executor's Hands, and tears it in Pieces. The Pieces being gathered up and stitched together, a Bill is brought to establish the Will; and decreed the Devisees to hold and enjoy, and the Heir to convey to them.

Page 441

The Words in a Will, *I desire*, or *I will*, will amount to an express Devise. If I devise any Thing to *A.* for Life, directing him at his Death to give it to *B.* this amounts to a Devise of the Use of it only to *A.* for his Life, Remainder to *B.*

467

A Female may make a Will at Twelve, a Male at Fifteen, if proved to be of Discretion.

469

There must either be express Words in a Will, or a necessary Implication, to disinherit an Heir at Law.

571

A. devises Lands by Will, to which there are no Witnesses, and afterwards makes a Codicil executed in the Presence of three Witnesses. The Will is void, as to the Land, and the Codicil will not support it.

598

A Will speaks not until the Death of the Testator: But the Construction is to be made, as Matters stood at the Time of making it.

653

Fraud in obtaining a Will of Land may be relieved against in Equity; as if *A.* agrees to give *B.* 1000*l.* in Bank-Bills, if *B.* will devise his Land to *A.* and *A.* gives *B.* forged Bills. On Proof thereof this Will shall be set aside in Equity.

700

One devises his Land by Will attested by three Witnesses, and afterwards makes another Will of

A Table of the principal Matters.

of his Land, which revokes all former Wills; but this Will is not duly executed. The last Will being no Will, and void, will not amount to a Revocation, it being intended to operate as a Will, and not as an Instrument of Revocation. Page 741

Where there are Duplicates of a Will, and the Testator cancels one of them only, and the other Part is left intire; *that* is an effectual Cancelling of the Will. 742

A former Will of Land is cancelled, the Testator supposing a latter Will by him made of the same Land to the same Effect was good. If the last Will proves not to be duly executed, Equity will set up the former Will. 743

Probate.

Fraud in obtaining a Will relating to personal Estate only, is not examinable in Chancery, after the Will is proved in the Spiritual Court, so long as that Probate is in Force. 8, 76

A Bill may be brought against an Executor for Discovery of the personal Estate, before the Will is proved, or during the Litigation thereof in the Spiritual Court. 49

Although a Will of personal Estate only, gained by Fraud, if proved in the Spiritual Court, cannot be controverted in a Court of Equity, yet if a Person claiming under such a Will comes for any Aid in Equity, he shall not have it. 76

One makes a Will, and his Son Executor, but makes no Disposition of the Surplus. The Son dies without proving the Will. The Testator is dead intestate, as to

the Surplus, and the same shall be distributed amongst his next of Kin. Page 634

Devise and Devisee.

Devise of Remainders over of Leases, Money, &c. Vide Limitations of Terms for Years, Money, &c. under Title Estates.

Devise for a Charity. Vide under Title Charity.

The real Estate being devised to the Executor, was decreed to be charged with an Annuity given by the Will, though there were no express Words in the Will to charge the Lands with this Annuity. 143

Land is devised to *A.* for Life, Remainder to *B.* in Fee, paying several Legacies within a limited Time, and if he failed, with like Remainder over to *C.* he paying the Legacies. Upon a Bill by *B.* the Court gave Leave to cut down Timber to pay the Legacies, though opposed by the Tenant for Life, and *C.* the last Devisee in Remainder, *B.* making Satisfaction to *A.* for breaking the Ground, Carriage, &c. 152

One devises to two of his Sisters 400 *l.* apiece, and to his third Sister what his Executors should think fit. Decreed the third Sister should have 400 *l.* also, if the Estate would hold out. 153

A. devises Lands to *B.* in Tail, Remainder over, and gives his Executor Power to raise 500 *l.* out of his Estate for his next Heir, and desires him to see his Debts paid. The Lands are charged with the Debts, and the Executor

A Table of the principal Matters.

tor has a Power to sell for Payment thereof. Page 154

Land is devised to *A.* for Payment of Debts, and other Lands, which the Testator had mortgaged, are devised to *B. B.* must take the mortgaged Lands *cum onere.* 183

One seised of *Blackacre* in Tail, and *Whiteacre* in Fee, by Mistake devises the intailed Acre, and leaves the Fee-simple Acre to descend. The Devisee upon a Bill had a Decree to enjoy. 233

One devises, after his Debts and Legacies paid, the Surplus of his Estate to his Wife and his Son *John* equally, and makes them Executors; but if his Wife should marry, then she should render the Right of being an Executrix, to the Testator's Son *Roger*; he to be Partner with his Brother *John* in the Executorship. The Wife marries again. She thereby loses her Right to the Surplus, and to the Executorship. 308

An House, together with the Furniture, is devised to a Woman and such Heir of her Body, as should be living at her Death, and in Default of such, Remainder over. The Woman has an Estate-tail in the House, and an absolute Property in the Furniture. The Words (Heirs of the Body) cannot in the same Clause be construed Words of Limitation as to the Land, and as to the Goods, Words of Designation of the Person. 325

One devises Lands to his Son by his second Wife in Tail Male, Remainder to his eldest Son by his first Wife, provided that if the Land should come to his eldest Son, that then he or his Heirs should pay 1000*l.* to the Testator's

Daughters, within four Months after the Estate should come to him or them, and in Default of Payment, the Trustees to enter and raise the Money. The Son by the first Wife dies leaving a Son, and the Son by the second Wife dies without Issue. Though the Estate never came to the eldest Son by the first Wife, he dying in the Life of his Half Brother; yet the Proviso being that the eldest Son, or his Heirs, should within four Months after the Estate came to him or them, pay, &c. The Land is liable to pay the 1000*l.* Page 359

One devises several Parcels of Land to his several Children in Tail, and if any of them die before Twenty-one, or unmarried, such Child's Part to go to the Survivor. One of them dies unmarried, but above Twenty-one. His Share shall go to the Survivors for their Lives only, and if any of the other Children afterwards die under Age, or unmarried. The Share that went over before, shall not go over a second Time. 388

Devise of Lands to Trustees and their Heirs, in Trust equally to be divided betwixt the Testator's Wife and Daughter, during the Life of the Wife; and after the Death of the Wife, then to the Use of the Heirs of the Body of the Daughter, Remainder over. The Daughter dies in the Life of the Mother. Her Moiety during the Life of the Mother, shall go to the Executor or Administrator of the Daughter. 430

One devises a Year's Wages to such of his Servants, as shall be living with him at his Death. Stewards of

A Table of the principal Matters.

of Courts, or such as are not obliged to spend their whole Time with their Master, are not within the Words of this Devise.

Page 546

But it shall not be restrained to such Servants only, as lived in the Testator's House, or had Diet from him.

547

A Devise of two Farms to a Man and his Wife for their Lives, Remainder to Trustees and their Heirs, till *A.* and *B.* respectively come of Age, and then to convey one Farm to *A.* and the other to *B.* *A.* died under Twenty-one. He being to have had an Estate in Fee conveyed to him, the Conveyance shall be made to his Heir.

561

A. having two Daughters *B.* and *C.* devises Fee-simple Lands to *B.* and other Lands, of which he was Tenant in Tail, to *C.* If *B.* will claim a Share of the intailed Lands under the Settlement, she must quit the Fee-simple Lands; for the Testator having disposed of his whole Estate amongst his Children, what he gave them was upon an implied Condition, that they should release to each other.

581

If a Devise is to one of the Sons of *J. S.* who hath several Sons, the Devise is void, and shall not be supplied by any parol Proof.

624

A. devises to Trustees in Trust for his Daughter for Life, Remainder to the second Son of her Body in Tail Male, and so to every younger Son, with Remainders over. There were two Sons, *B.* and *C.* *B.* died, and after his Death *C.* is born. *C.* though an only Son, shall take, he being the

second Son in order of Birth, and as the Will is worded, not to be excluded.

Page 660

One, who is *Cestuy que Trust* of a Copyhold Estate, may devise it, without making a Surrender to the Use of his Will.

680

Surplus of personal Estate is devised to the Children of *A.* and *B.* The Children shall take *per Capita*, and not *per Stirpes*; they claiming in their own Right, and not as representing their Father.

705

Lands are devised to *A.* and the Heirs Male of his Body. *A.* dies in the Life of the Testator, leaving Issue a Son. The Devise is void, and the Son cannot take.

722

Lands are devised to *A.* in Tail, and after *A.*'s Death without Issue, to *B.* *A.* dies in the Life of the Testator leaving Issue. The Devise to *A.* is void, and *B.* shall take presently, though against the Words and Intent of the Will.

723

A. having by the Will of her Husband a Power of disposing of Lands with Consent of Trustees, devises the Lands by her Will. This being without the Consent of the Trustees, the Devise is void.

Ibid.

A. devises Lands in Trust, after Debts paid, to convey the same to the Heirs Male of the Body of *B.* the Testator's Great Grandfather. *C.* is the Heir Male of the Body of *B.* but not Heir general, there being a Daughter of an elder Brother, who is Heir general. Decreed the Trustees to convey to *C.* for as *C.* would be well intitled to take as Heir Male by Descent, so he is sufficiently described to take by Purchase.

729

A Table of the principal Matters.

A Person may take, as well by a Description, as by a Christian or Surname. Page 732

A Man may devise Land to his Heirs in *Borough English*, or to his Heirs in *Gavelkind*; and such a special Heir will take, tho' not Heir general. 733

A Devisee brings a Bill to establish the Will against one, who is not Heir at Law. Defendant by Answer claimed under a Settlement, which he could not find, but hoped, when he did, he should have the Benefit of it. It was insisted for the Plaintiff, that the Defendant might try his Title by a certain Time, or in Default thereof that the Plaintiff might hold and enjoy against the Defendant. Bill dismissed with Costs. 743

Devise of Lands for Payment of Debts, &c. Vide Trusts for raising Portions, and Payment of Debts under Title Trust.

Land is devised to Executors for Payment of Debts. When the Land is sold, the Money will be legal Assets. 106

One makes his Nephew Executor, and devises to him and his Heirs all his Lands, in Trust to sell, and pay his Debts and Childrens Portions, and gave his Children 100 l. apiece. The Money arising by the Sale is not legal Assets, and the Debts and Childrens Portions shall be paid in equal Proportion. 133

Where there is a Devise for Payment of Debts, a Debt, upon which the Statute of Limitations has run, is within the Provision equally with other Debts. 141

Lands are devised to *A.* for Life, Remainder to *B.* in Fee, paying several Legacies within a limited Time; and in Default of Payment, the Remainder over to *C.* he paying the Legacies. Upon a Bill by *B.* the Court gave Leave to *B.* to cut Timber for Payment of the Legacies, though it was opposed by Tenant for Life, and the Devisee over. Page 152

One devises Lands to his Nephew to pay his Debts, and makes his Nephew Executor; but makes no Disposition of the Surplus. Whether the Devisee, or the Heir shall have the Surplus? 247

If an express Legacy is given to the Heir, the Devisee shall have the Surplus. *Ibid.*

Lands are subjected by Will to the Payment of Debts and Legacies. Whether Debts shall have a Preference. 248, 302

A. purchases Lands of *B.* and mortgages back those Lands for Part of the Purchase-Money, and gives a Note to *B.* for the Remainder, and then devises the Lands to be sold for Payment of his Debts. This Note can have no Preference, but must be paid in Proportion with the other Debts. 281

What Words in a Will will amount to charge the real Estate with Debts or Legacies.

Real Estate decreed to be charged with an Annuity given by the Will, though no express Words to charge the Land, the Executor being Devisee of the Land. 143

A. devises Lands to his Brother and Heir at Law, gives Legacies, and makes his Brother Executor, desiring

A Table of the principal Matters.

firing him to see his Will performed. The real Estate is charged with the Legacies. *Page 228*

One begins his Will with disposing of all his worldly Estate, and then wills that all his Debts be first paid; gives his Wife a Moiety of what is left after his Debts paid; devises some Lands to *A.* and gives the remaining Part of his real and personal Estate to *B.* The real Estate is charged with the Debts. *690*

One by Will devises, that his Debts and Legacies shall be paid in the first Place; and then devises his Lands to his Sister for Life, Remainder to her Issue, Remainder over; and made the Sister Executrix. Decreed the Lands to be charged with the Debts. *708*

Who may make a Will.

A Female may make a Will at Twelve, a Male at Fifteen, if proved to be a Person of Discretion. *469*

What Estate or Interest passes, and to whom.

A. devises to *B.* a Rent out of a Lease for Years determinable on Lives, to be paid Half-yearly, if the *Cestuy que vies* lived so long. *B.* dies during their Life-time. The Rent is not determined by the Death of *B.* but shall be paid to his Executor during the Lease. *35*

A. devised Lands in Trust to pay one Third of the Rents to his Wife in Satisfaction of Dower, till his Son attained Twenty-one. The Wife dies, and then the Son dies under Twenty-one. The

Administrator of the Wife shall have her Third of the Rents, till such Time as the Son might have attained Twenty-one. *Page 65*

Where a Devise is to Children, the Grandchildren cannot come in to take with the Children: But if there is no Child, the Grandchildren shall take. *106*

A Devise to *J. S.* and his Children, and if he dies without Issue to go over. This is an Estate-tail. *536, 7*

A Devise to the Issue of *J. S.* who had a Daughter living, and afterwards a Son born. All the Children shall take, and even Grandchildren, if there were any: But they shall only take an Estate for their Lives. *545*

A Devise to *J. S.* and his Children. If he has Children, they take with their Father; but if he has none, it is an Estate-tail in *J. S.* *Ibid.*

A Devise to a Man and his Children of personal Estate. A Child born after the Death of the Testator shall not take. *105, 545*

A Devise to *two*, and the Heirs of their Bodies. It is a Joint-Estate for their Lives, and several Inheritances: And so it is, if there is a Devise over. *545*

But if there is a Devise over, and one of them dies without Issue, a Moiety shall go over to the Remainder-Man. *Ibid.*

A Devise to the Issue of *A.* and for want of such Issue to *B.* *A.* has a Son and a Daughter. They shall take as Persons described; but they shall take only an Estate for their Lives. *546*

A. devises all the Rest and Residue of his real and personal Estate whatsoever. This will pass a Fee. *564*

A De-

A Table of the principal Matters.

A Devise of Lands to the Heir after the Death of the Wife, by a necessary Implication gives an Estate for Life to the Wife: Otherwise where the Devise is to a Stranger. Page 572

A. Devises to his Brother *B.* all his Lands and Hereditaments, and all his personal Estate, desiring him to pay his Debts and Legacies. A Fee passes. 687

One begins his Will with disposing of all his worldly Estate, and then wills, that all his Debts be first paid; gives his Wife a Moiety of what is left after his Debts paid, devises some Lands to *A.* and gives the Remainder of his real and personal Estate to *B.* A Fee in a Moiety of the Surplus of the real Estate passes to the Wife. 690

What Things pass by the Words, and to whom.

One devises 1500*l.* in Trust for the Children of *A.* who has one Child and several Grandchildren. Decreed the Grandchildren to share with the Child. 50

But this Decree was afterwards reversed, and the Legacy decreed to the only Child. 106

Admitted, if there had been no Child, the Grandchildren might have taken. 108

A. devises 20*l.* apiece to all the Children of his Sister *B.* a Child born after the Making the Will, and before the Death of the Testator, shall take. 105, 545

A. seised in Fee, devises *Blackacre* to *B.* for Life, and devises to *C.* all his Lands not before devised, to be sold. By this Devise of all his Lands, &c. the Reversion in

Fee of *Blackacre* is well devised to *C.* Page 461

A. devises that the Furniture and Pictures of his three Houses in *B.* *C.* and *D.* should go along with his three Houses. Adjudged the Plate then at the three Houses passed by this Devise. 512

A. devises Lands to Trustees to pay Debts and Legacies, and then to settle the Remainder on his Son *B.* and the Heirs of his Body, with Remainders over; and directs that special Care be taken in the Settlement, that it should never be in the Power of his Son to dock the Intail. Decreed the Son should be only Tenant for Life, without Impeachment of Waste, and should not have an Estate-tail conveyed to him. 526

A. devises to *B.* all his Goods and Furniture in his House, except his Pictures, which he gives to *C.* Pictures in Boxes, as well as what were hung up in the House will pass to *C.* and so will Pictures bought after the Making the Will. 538

A Devise to *A.* for Life, he paying 200*l.* apiece to his two Sisters, and after his Decease to the Heirs Male of his Body, and the Heirs Male of the Body of every such Heir Male, severally and successively, as they shall be in Priority of Birth, and Seniority of Age, Remainder over. Whether *A.* is Tenant in Tail, or for Life only? 551

A. devised a Farm to *B.* for Life, and after some Legacies devises all other his personal Estate, Lands, Tenements and Hereditaments not before devised to *C.* The Reversion of the Farm passes by the general Devise to *C.* 560

Mort-

A Table of the principal Matters.

Mortgages in Fee, though forfeited, will not pass by a general Devise of all the Testator's Lands, Tenements and Hereditaments. *Page 625*

Nor will they pass by such general Words, though the Equity of Redemption was foreclosed, or released after the Making of the Will. *Ibid.*

Plate will pass by a Devise of Household Goods. 638

A. Articles to purchase Lands in Trust for *B.* who before any Conveyance made, by Will directed all his Freehold Estate to be settled on *C.* and his first Son, &c. The Lands articleed for will pass by the Will. 679

One devises to his Wife all his personal Estate at *W.* By this Devise all the personal Estate, which the Testator had at *W.* at his Death, will pass, though not there at the Making the Will. 688

A Devise of all a Man's worldly Estate, comprises all a Man has in the World. 691

One devises the Surplus of his personal Estate to the Children of *A.* and *B.* neither of whom has a Child, either at the Making of the Will, or the Death of the Testator. The Devise is executory, and shall extend to such Children as *A.* and *B.* shall have at any Time; and the Children shall take *per Capita*, and not *per Stirpes*, they claiming in their own Right, and not as representing their Father. 705

One devises the Surplus of his personal Estate to his Grandchildren living at his Death. Grandchildren born after his Decease shall not take. 710

One devises to his Son the Furniture of his House at *D.* and orders Goods to be carried from

London to his said House, and agrees with Carriers for that Purpose, but dies before the Goods are removed to *D.* These Goods will not pass by the Will, as Part of the Furniture of the House at *D.* *Page 739*

One devises all his Household Goods and Furniture, which should be in his House at *R.* at his Death, to his Wife, and afterwards going beyond Sea, his Steward gets the Landlord of the House to take a Surrender of the Lease thereof, and removes the Goods to another House, and sends an Account of what he had done to the Testator, who approves of it, and dies before his Return to *England.* The Wife is not intitled to the Goods. 747

But otherwise it would be, if the Goods had been removed by Fraud to defeat the Legacy; or by any tortious Act without the Privity of the Testator. *Ibid.*

Revocation.

One devises a Lease to his Daughter, and afterwards renews the Lease, and after that makes several Codicils; but takes no Notice of the Lease. Whether the Renewal of the Lease is a Revocation of the Devise. 209

One devises Lands to Trustees to pay his Debts, and then to pay his Wife 200*l.* a Year for her Life. The Testator's Debts being afterwards increased, for great Part of which his Trustees were bound, he by Deed and Fine, in which his Wife joined, conveys his Lands to the said Trustees to sell to pay his Debts, and the Surplus to be paid to him and his Heirs. Whether this is a Revocation of the

A Table of the principal Matters.

Wife's 200 *l.* a Year, or whether she shall have her Annuity out of the Surplus of the Money after the Debts paid. Decreed for the Wife. *Quære.* Page 241

A. by Will devises to his Son a Messuage for Ninety-nine Years, if 3 Lives lived to long, paying 40 *l.* *per Ann.* to his Sister for her Life, and afterwards makes a Lease to B. of the same Messuage for Ninety-nine Years, if three Lives lived so long, paying 50 *l.* *per Ann.* to the Lessor and his Heirs. Decreed at the Rolls, that the Lease was a Revocation of the Devise; but upon an Appeal to the *Lord Keeper*, decreed to be no Revocation, and that the Daughter should be paid her Annuity. 495
Where a subsequent Act shall amount to a Revocation of a Devise by Implication, such Implication must be necessary, and wholly inconsistent with the Will. 496

A Man articles to purchase Lands, and before a Conveyance makes his Will, and devises those Lands, and afterwards they are conveyed to him and his Heirs. Whether this amounts to a Revocation. 680

One devises Lands in Trust to permit his Daughter *Susan* to receive the Rents until her Marriage or Death, and in case she marries with the Consent of the Trustees, then to convey to her and her Heirs: But if she died before Marriage, or married without such Consent, then to convey to other Persons. *Susan* afterwards marries with the Consent of her Father, who settles Part of the Lands on her and her Husband, and dies. This Settlement is no Revocation of the Will as to the rest of the Lands. 720

One devises his Land by Will attested by three Witnesses, and afterwards makes another Will of his Land, which revokes all former Wills; but this Will is not duly executed. The last Will being no Will, and void, will not amount to a Revocation of the former, it being intended to operate as a Will, and not as an Instrument of Revocation. *Pag.* 742

Republication.

One devises a Lease to his Daughter, and afterwards renews the Lease, and after that makes several Codicils; but takes no Notice of the Lease. Whether the Renewal of the Lease is a Revocation of the Devise, and if a Revocation, whether the Codicils will amount to a Republication? 209

A Man saying his Will was in a Box in his Study, amounted to a Republication. *Ibid.*

A. by Will duly executed, devises a Copyhold Estate to his Wife, and on the Day of his Death, orders his Nephew to obliterate some Devises, but says nothing as to the Copyhold, and then caused a Memorandum to be wrote, that he approved of the Will as obliterated, but does not republish it; and ordered his Nephew to carry it to one to write it fair, and before it was done, he becomes delirious. Held to be a good Will, and that the Copyhold passed. 498

One devises Lands by Will, to which there are no Witnesses, and afterwards makes a Codicil executed in the Presence of three Witnesses. The Will is void, as to the

A Table of the principal Matters.

Land, and the Codicils will not support it. Page 598

A Codicil, which concerns only personal Legacies, will not amount to a Republication of the Will, so as to pass Lands purchased after the Making of the Will. 625
Making a Codicil, and annexing it to the Will, is no Republication of the Will. 722

Witness.

A Wife is not to be examined as a Witness against her Husband. 79
Where there is a Dispute touching Money given to Parishioners, none of the Inhabitants of the Parish can be Witnesses. 317

A. and *B.* claiming each of them a Rent-charge out of Land, by the same Deed, *B.* can be no Witness to *A.*'s Title to his Rent-charge, being a Party interested, until he has released his Rent-charge. 375

Upon an Appeal from the Rolls, it was objected to the Evidence of a Witness examined in the Cause, and read at the former Hearing, that he had since by Answer to a Bill exhibited against him, confessed, that on the Day he was examined, the Plaintiff gave him a Bond, that if the Plaintiff recovered the Land in Question, he would convey Part of it to the Witness. In order to prevent his being a Witness, this Answer was read, by the Opinion of the *Lord Keeper*, Chief Justice *Holt*, and Judge *Powel*. 463

If after a Hearing a Witness is convicted of Perjury, the Party

may take Advantage of it on a Rehearing. Page 464

After Publication, the Party may examine to the Competency, as well as Credibility of a Witness. *Ibid.*

A Witness was examined before the Hearing, while she was interested, but after the Hearing she released her Interest, and was examined again before the Master; her Depositions before the Master were allowed to be read. 472

If a Bankrupt has released and assigned all his Estate to the Assignees, he may be examined as a Witness. 637

One examined as a Witness, when disinterested, afterwards becomes intitled to the Estate in Question; his Depositions shall be read. 699

The Obligee makes the only living Witness to the Bond his Executor. The Executor shall be allowed at Law to prove the Hands of the other Witnesses, that are dead. 700

Bill to examine Witnesses in perpetuum rei Memoriam.

The Court will not give a Plaintiff Leave to examine Witnesses to perpetuate Testimony, though in Case of a Purchase of a Reversion, where there can be no Trial at Law during the Estate for Life. 159

York.

A Table of the principal Matters.

York.

Vide **London.**

A Freeman of *London* dies within the Province of *York*. The Custom of *London* in the Distribution of his personal Estate, shall control the Custom of the Province of *York*. *Page 49*

The Custom of the Province of *York* is only local; but that of *London* follows the Person, tho' never so remote from the City.

82

An Inhabitant within the Province

5

of *York* makes a Settlement on his Wife, in Bar of what she might claim out of his personal Estate by the Custom of the Province of *York*, or otherwise, and dies Intestate, leaving his Wife and two Children. Whether the whole personal Estate shall be divided between the two Children, as if there had been no Wife. *Page 263*

By a Marriage-Settlement *A.* is Tenant for Life, Remainder as to Part to his Wife for Life, Remainder as to the Whole to his first, &c. Son in Tail. By the Custom of *York*, the eldest Son by Means of this Settlement, is excluded from a Share of his Father's personal Estate. 375

F I N I S.